(स्रीएका) स्थानपुरम्भावस्थावस्थावितावान्त्रवाद्यात्त्र्यात्त्रवाद्यात्त्र्यात

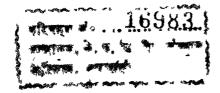
stelen fra det a parte de l'and l'an

(ड्रॅंट.क) मेस्राचे.जेंद्र.विद्या

( where )

मूद्रा ब्रिय प्रव प्रव कि कहन पर सम्मा

# NOT TO BE ISSUED



# र्मः भ्रुवः मुर्यः महिष्यम् विषयः मन्

वृत्तं धर.पर्वेष.पर्व्य श्रुषातात्त्वःष्ट्राच्चेयावेदाव्यः वर्षः वर्षः वर्षः श्चिलास्वान्त्र कुष्य हे त्र स रच चुरावर चत्री परिक्राम्य चुरावर है। 다ゟ.與此다요.(너희보, hava.v상감 본, 当너.얼 뭐는 님, de 4. 학교 14. 학교 14. 학교 बर्वः र्यार्नु प्रवाष्ट्रियः इ इ अवाष्ट्रयः द्वार द्वार हिवः द्वार प्रवाण नेवः अक्र.ते.पध्रस्य स्तर्भातित्यान्ता। बु.कृष त्रि.कृष्रप्तिनः अर्थास्त्रस्य स अष्टिव परे हैं 'न्यम्' में मृष्यम्य ने या जी प्रेष्ट के विषय वह पर सामित प्रेष्ट विषय व के नियम विकास वि क्रैदः ५ में दसः ८ में १८ वर्षः वा वर्षः व स्वरः व्य १ स्वरः विष्यः विषयः न्दानक्य म क्ष्य भ.रूय मय.श्वर म्य.पर्ना मयन मयानेव भ नन। म्मनायम् १ वन सुरहारमा है। स्टाईन पुःहि है। है। है है जी सहिन महि ले मेना सर्व नु पुत्रा विष्कुरिव नुःवनुति पुःरदःरदः नै। स्र हैं नदः रह स्व सरः ञ्च'गु' ४व' ८ च ८ मा च छ । व छ । व छ । व छ । व छ । व छ । व छ । व छ । व छ । त्र-रहेश'वन'हेश'वनशख'ख'इं**-्र**न्यून्त्रशक्तं-र्न् म्बु⊏'ळेक पहुं' नविन। वै.४वीलानकटाक्षेटा। वै.र्रे.कूबाश्चर वे.र्रे.कूबाश्चर वर्र् विनार्वे गुःनाबुद्दान्त्वन् । लद्दान्त्वन् पुः वदान्त्वन् । वद्दान्त्वन् । वद्दान्त्वन् । निट्ने निस्ट ने निस्ट पर रेश पर देवाद खेर ने नियम के पर

न्द महें दि मा प्रस्य न्युद्य हैं पहिर न्यद मा है यस प्रस्य न्युद्यः क्य कुल। यन नम्पन निर्दे ह्युल हमा निर्देश हम के स्थाय निर्देश गुर्दर'र्द सर्दे । वस्य हुँ र श्चर वर गुलुस कुँ व रगे । वगुर हुँ द गे सिम्स .... मुप मेन मु सर मं मुरा। वुन सर मेण पन म प्याप्त प्याप्त स्थाप यते बर्ने कु द वस्त्र रुन् कु नावन क्ष्म हिन ता स वे न प्रमान हिन ता नावि ता म ४चेथ सेंद्र चर.के.पंथ के.भध४.रेचे.फ.किंस.श्रट चोबल.चर क्रेंचे.तद्र.चं**खे**ट... वु १२ गुराबराम सार्व वयाम् नामितामने रामे प्रा मेश.वे.शह्र रटा नवर नब्बाजीयनिहास भिष्ठा भिष्ठि में राष्ट्रिय में विष्ठ में विष्ठ में विष्ठ में विष्ठ में विष्ठ में विष्ठ में त्रचेल द्वस्पात्ता स्वत्युर प्राप्त स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स् लिचंब-झ्चंब-द्वेबंब-बेड्बा-टे.चर्चेब त.घबंध-तर्केट-र्घवंब शह्∠-८८ । न्हेर हैंद'यत्यम्बन्धाः व दयश्चित्य पद्धान्हेयान्हेराम्हारम्बर्धान्तरम् **ढेवं पहेराख्वा इवका ५८। ५ ५० क्षेत्र ग्री पहेरा ढेवा यहा दिराणकारा वर्षा** ङ्ग्यायः ब्रीटःसःर्टः। सङ्ग्राचुरःपर्ेः छवः ब्रीट सहःसरःमरुवः गुरुरः हुवः हुवः चकुरः हे 'परे वपापितरकु' अर्थेरे अटः बुदः पिरुपः हुतः परेदः हेद् 'पितर्रेरः हे बर्दि र्टा बुन मकुर्भिरहं मकुर्जे हैं निर्देशम्बुटार्ना न्त्रम तन्त्रम् स न्युरायान्त्रम् तन्त्रम् तन्त्रम् हिन्दर् हिन्द्र मृंबा, अर. रेट. रेबू ८४. बोधूर, जय. वैट. वधु ३ चट. क्षू ४. थ. बोधूथ, रेबू ८४. ७ वि सहर केव स्'र्टा दे'र्टा हेन खेल दोल पर में बट हम श्रव हैन के पी पार्टी । बहर्ष्य है पर एक पर है जर्दर व दब या लहे हिए के खेलब हैन दर ।।। हिर्चयः क्रुयः नवृद्ः तः नुखुदः रतः होगवः पवा प्ताः प्ताः पद्वः ४ वा गुवः हे वः ०६ नः ः ः ः इसस्त्राम्यम् कुर् हेम्यायायायायायाविषाके प्रमुद्राम्य मानपुत्राय स्वानु

मुद्रे प्याप्ति पार्क्ष सम्भावि । यद्वे प्याप्ति पार्वे । यद्वे प्याप्ति सम्भावे । यद्वे प्राप्ति सम्भावे । यद्वे प्राप्

म्राच्याम्य मान्य मान्य

पत्रस्तिः क्ष्रस्य समस्य २८ क्षरः भः स्ट्रंस् चरः प्रक्षेत् कुरः। विरे त्यः प्रस्क्रिः कुरः। विरे त्यः प्रस्के विश्वन्द्रः । इत् ने दिन्द्रे सुन्द्रः विर् कुरः विद्रे विद्रः विद्रः विद्रे सुन्द्रः विद्रः विद्र के. ती। टितेट तर ७ ट्रंट त क्ष्मच प टेंट्य. मुंज की अ जूट. के. ती. तक्ष्म मुना. त्रि क्ष्मच तर ७ ट्रंट त क्ष्मच प टेंट्य. मुंज की अ जूट. के. ती. तक्ष्म मुना. तक्ष्म ज्ञान ७ विट्ट त. प जून व्याच तथा विट्टा व्याच तथा तथा विट्टा व्याच तथा तथा विट्टा व्याच विट्टा व्याच तथा तथा विट्टा व्याच विट्टा विट्टा व्याच विट्टा विट्टा

बद्यतः बर देवः तरे द्ये : बुद चेद वरे द्रेशनयः खुल लग दर्नेय वः ः ः महें म दे। (वेन महे झें गुद सर महुर म नशुम रम देव में केहे अहें ए पश्चिमात में बेश ज़में बार हैं वे पह पहें वे परूथ में ये चि गों वे विप्रे देश श्रेट . ट्रायन्त्रेय स हर प्रमुद् प्रान्त्रे दें मूद् या नुणु ख्रामहे प्रान्ति ख्रामह अः। षेष्यामाम्ह्र्याम् प्रमानम् वास्त्रम् ह्र्याम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् स्वानित्रम् । तिस्त्रम् स्वानित्रम् स्वानित्य र्देव रेना'य'न्दा धुव बॅद'मर्रे'रेना'नव्य'सु'न्दाक्'या मर्झ'न्दान्या न। वृद्दन वर्द्द नर्द्द। वृत्रः हुर। हुव नर। अर. हवान वर्षा दर् क्षे.द्रनावागुःद्रनाम्पर्यः नव्यामञ्ज स्रमान्यज्ञेनाः क कटामर्द्रासम्बद्धाः स्वा रंट. देला हेट मा रंजूब. मानक्य हरे नेरे ने के क्या महेब ला हेट मानम **कटालटार्नायाक्ने प्रहार र्ह्रान्ने प्रहार पार्याय के के हिंदारा है। वे क्या** मेव'मर्यानेय पुरे क्वें गुव ल'रहन्।यरे रत्व या केवाकेर स्वाधार क्वयालाः'' देव'सर पु'न्वेंब'स'देव'फेद'स'न्ट'। क्षेत्र'सर'पु'चेन'ग्रे'केव'स्वाब'स्ट्रे' इत्तासर में त्या वया वर रादराया विता स्वराण्या। दाष्ट्रिया कर में नार रादा हिन्। तस्य वन्। तिम् व पद्य विम् कः क्षरः यः द्वीयः क्षेत्रः स्वयः निम्मियः स्वयः निम्मियः स्वयः विम् कुल'**न**⊏ ५८'कुल'कुदे'र्य'क'सट'यॅर'पहुन'५घुन्'देप'२हुन'छेन्'सम्बर्ध्रे''

मिट ह्या परिटाट दय महिन्य पर तक्षा; ॥

भिट ह्या परिटाट दय महिन्य पर तक्षा; ॥



## 

### नैन:क्रून:का

विन।(क.न) स्वांश्वां भुन्नावः तर क्षेत्रं तप्त पक्षेत्रं तक्ष्यः मुबः वी व्यां विनात्त्रः भूगोवः तथ प्रवेश सामिन्यः रूप प्रवेशः मुबः वी व्याः विनात्त्रः भूगोवः तथ प्रवेश सामिन्यः रूप प्रवेशः मुबः व्याः

इंग्'बर'न्गे'न'ग्रुन्ग्रुं'र्द्द'न्तः। बळव्'ब्रुब्'भेत'बळ्त्'चर'न्र्द्र्द्र् केत'न्य्न्र'न्य्यत्वस्याः चर्रात्र्वे'न्य्वस्यिः

न्द मा न्त्रा बेट कूर पहुर में तहन हेद रेका धर हे या

- 1 ब्रैट'नियस हिर प्रमुद्द म बेना म केद मेरे श्वन्त सुर प्रहें परे झ्रम्ब।
- 2 तहेन हेन हे सन हु मध्य प्याप्त सन्द स्व संद हु महें न महे स्रम्म
- 3 नुस्तृ तिहे स्वति खुनाना ।
  उन्न गुँ तिहे सि से स्वति ।
- 4. र्मिर म स्युम छेर् कु कुर मध्र पर समय।

मुक्रेस या तर्ल हेत् हूद्रया हुद्र हल रेस यर हे वा

- 1. वृंद मा हेद हिद हिन है व है है है प्र प्रतिष्य मद समय।
- 2. वृद्ध वर्षेत् पर हेन्य पर तर्वत कु महे महेन म व द् महे स्वता
- 3. ह्रालामिक अवस्थित स्ट्रिक स्ट्राम पड्ड म्हिल पड्ड परि सम्बा
- 4. दर्गनमध् हें हे इंद्र समय है में रेट होट. निस्स हिट तर रे

म्बुलामा पस्त्राम एक महि क्रिया गुरिकामर है मा

1. पहेर्रात देश पार्ट क्रूस इस पार्ट पट्ट स्वास

- 2. 연도 회 원칙 자꾸도 및 되지 듯 및 다리 취디제
- 8. चल्र के पहु प इवन पर्द पर स्वन
- 4 स वयुर हैं दबरे मम शुन्न मन्द्र मरे झमना
- मले या कुल महत्र तहत्र पुते ब्रिट तु हे श्रूर तर मते रेस मर है मा
  - 1 मध्व मारमान मारे खुल नु हे क्षूर न्र मारे क्षमान।

  - 3. ब्रुट मकुर मेद ह इनल गु चुद म महेर मदि स्पना
  - 🗸 4. रेण ग्रम जर्र पुर प्र पठम महे पुर म महेंद् महे समस्र
- क ना लेग न क्ष विश्व में नश्चन नधु द्वात है ना
  - শ্রন ন্মর নৃদ শ্রন লাই লাকর ইন নৃদ। দারীর রূপ। কলে ৪ব দারৰ দান্দ দাই শ্রনক।
  - ८ ब्रावर में ब्राय परत है से पड़ स्वाय।
  - 3. पुर बेबब ग्रै पहार स सहें र सहे झूमबा
  - 4 रेन्तिहर् में व्या महिर प्रमृत् पर स्पर्धा

### हुनाया व्यवद्यार्थकाय है या

- , 1. युद् अंट २० यरे प्दय प्ट तहेय हेद यरे लगद्यायर प्रवृत् यरे सूचया
  - 2. वेष'म के हमानेय में श्वेर ग्रमाहमामर ग्रम मरे समय।
  - 3. कु मर्ट् हेर् में बेग् म इस मर ग्ल्म मरे समस्
  - 4. गुरुट ख्रुपत हैं है विज् मारे हर मार जावन मारे क्रिया
- परेंबे.ता हैवे तामुख रच ही पश्चित पारुखातर है।या
  - 1. तस्य छेन् ग्रे थे्ड केण इक यर देव यदे स्वया
  - इन्द्र स्थापिक की स्ट हेन प्र यदेव पड़िन हैन'र होल देख इन्द्रेश स्थापिक की स्ट हेन प्र यदेव पड़िन हैन'र होल देख
  - ३. वंद् च.से.च दंशतार दंश पंद श्रेतवा
  - 4. व व्यादमानवे दम पर देश पर माना
- चकुर्या अन्यानिहरू ८६६ की चह्न मन्द्र सर है। या
  - 1. हिम्मे १६५ गुन् वृष्ट्वि न्यस् ते अन्यने स्वाप्तस्य प्रस्पाना

- 2. कु मठव हिन् के विनायते झेंस रेम के समानु महत्यते समाना
- 4 में हे येण पारे क्रिंग रेश सद माण्या विस्ते हीत या है हाण हु मञ्जूद पारे क्रामा

#### र्वा या पर्वेर्पन कर्र लक्ष में देव यर है। या

- 1 कु महत् हेर् हेम् यरे स तम इस यर महम्पति स्मा
- 2 त्युव सु हें हे विष्यति व सक हम पर ग्रावण पर स्थान
- 8. सम में लद सम विमय २ दें व हुंद म इस मर महमा महि समय।
- 4. व रपुर में मा ग्युस में य लग इस धर महाम धरे झायता

#### पर्या अवर क्षेत्र त्युल सुते रहाय बित्र रहाय है वा

- 1 वहन हिन् में वेण मदे तम्ब सु मान्द ल न्यम महिना
- 2. व्यायाणी वृद केंद्र में दूरेय सुद्र मान्द्र स द्वाद पारे स्वया
- 8. में हे विग मदे अवर बुग में दाय स मान्त व द्वार मदे स्वामा
- 4. শ্বনশ্রনার ছ নেলুম ওানার গী নর্ম ও 🖯 রাণ চু পাচ্ব ল ন্যায় নাই শ্লামা

बह्मतः बह्मतः विश्वास्त्रः विश्वास्त्रः विश्वास्त्रः विश्वास्त्रः विश्वास्त्रः विश्वास्त्रः विश्वास्त्रः विश्व

#### 47.52.1

회사, 때다. 다름성 낮석 활다. 및 다시난, 다

तर. देने, तम् तियात्र में देश स्वा अप. देवे, तम् वियाय्य प्तरा वियाय्य प्रता स्वा वियाय्य प्रता वियाय्य वि

### न्द मा मनुल बिद क्षेत् पहुत है तहिन हेत रेस सर है मा

- 1 बैद मिलल हुँद मह्दू म विवास केद में ते सुन्त स्र मन्द्र मते समना
- 2 तक्षण हेत् हे मुन् मु सङ्ग्र स वेण न्वत् स न्य शुत् व्य मु सक्ष्य स्थला
- 3 नुष के श्रोष्ट सिंदे श्रोष न् न्या श्री सबल मान्य स्टार स्टास केन छन्। महेन् सिंदे अस्ति।
- 4 तिर प त्युप छे द कु कु व पष्ट् पर स्पन्।
- महिला। तन्त मेन की सूब म मुंब हम देव यर मे मा
- 1 कृष म हेर हिर हिर हम है लाज हु है अर मनेमाल मह समान।
  - अध्य प्रकारक प्रमास प्रमास प्रमास प्रकार कु प्रते प्रक्षेत् प्रश्न प्रमास प्रम प्रमास प्रम प्रमास प्रम प्रमास प्रमास
  - अ श्रील तार श्रील होत पर्टेंट शहर ता तह नाहिल ताले होर तर.
    - 2 명·대원 취디제
- न्युसाया मझ्याम न्य प्रतिक्रिय गुरेसाम हे प
  - ा प्रवृद् प्रदेश प्रदेश स्थ प्रवृद्ध परि स्वाया
  - 2 सिन् में इब र्वार है स्व र है पर स्वया
  - च तक्र केट बहु च दबब चन्द्र पह झचब।
     च तक्ष चन्द्र पह झचब।
- चले यां चेल वसेंब सहस्र तेष्ठ चीट. ये ह क्षेत्र ये येष्ठ दुस्यायर
  - 월 미
  - ा मध्रु म रखन्य महे जुल 5'हे धुर रूर महे समय।

  - ~3 ब्रैत तबैर मृट.६.इमब.ग्रे वैट.त यहूर.तष्ट श्रेतवा
  - ४. २० णव्याद्यापुट न्दायवसायते पुरायायहिन्यते स्वया

### לם יחדי שן

त्र में अक्क बुंब ने च जब मुंचेब चय चोड़ेब ता (उन्नेष च) तर उन्नेष च पुनेब चक्रेंट ब्रंड केब ने ब्रह्म क्रंड केब ने बेब ज नितासह चोबिट जियेब हैंट टिंड क्र्ये मुखाईका

> स् मा धुना म द्वा सिकाय में पश्चन मारे रैका मा छे चा 1 शिंग न्यंत न्य श्वन कर किकाई हैन न्य। माहेब हावा वकन् १९ मारक मन्द मरे समया

- 2 स्थर में ह्रियारय में में यह श्रीया
- 3 निट अध्यक्ष में पश्चित रा पर्द्वित पर श्रीपश
- 4. १९ ९६९ कुँ ब्लाय श्रेर पन्त यदा पठन यदे स्वाता। বুপা যা ইবা যাই শক্ষ যা প্র যা
  - शुक् कॅट देना यदि मृक्ष ८८ वहेना हेव यदि लाल क्ल यर मृद्यम् यदि स्थापना
    - 2 वेग प के छूट नेल पु हिते ग्रम इस पर ग्रम पर स्मा
    - 3. कु ब्रह्म हिन् येग पर इस यर ग्ल्म पर झ्यश
    - 4 नयद स्नाय है है बेन यद देश यर नाबन यद स्नाय।

### नेप:ब्रन:का

चर्ष चा वैच चानुष रच मु चह्चन च रेबाचर हु चा स्मूलाच सेन्याचन् स्टब ८२, नेबान्याचारा स्थाना रम्लाच प्रचयान्ति स्टब ८२, नेबान्याचारा स्थाना नेबान्याचे जोषाच चरानी स्थान श्रेटा हु हुना नुषा देशाचार

- 1 सहस्र नेत् में केतु केत् इस धर देव धरे स्वाया
- लॉनर लॅंग्लुझ कुँ इत देख तृत पान्त पान्त पान्त हैन लिझेल कुल पान्य पान स्वापना

- 3 पार्श्व में स्वयम् मेल यह स्वयः।
- 4 व्यवस्य मध्ये देव पर देव परे स्वाया

चक्चित वा कुंचा पहेट द रहित की पश्च प रश्च पर ही पा

- ा हिन्द र तहत् गुत् में के पाल के प्रमाण के कार्य पहला पारे समया
- 2 कु सक्त हिन् में विषा परि सेंब रेंस है समाह प्रमाह कर
- उ न्या स्वाय क्षेत्राया
  उ न्या स्वाय क्षेत्राया
- 4 हें हे बेना पर क्षेत्र देश अब ह्ना नाई घर छेन्य छे सन हु

न्यु मा मर्चेन् मुल न्य स्थान मुरेल मर हु मा

- 1 कु वळ द हिन् चेन परि स सम इस पर महन परि स्वामा
- 2 रचका पुर्दे हे वेग परिकास समार ग्लाग परिक्रामण।
- अ श्रम में स्वाप स्थाप स्थाप स्थाप त्र्य में स्थाप प्रमाप स्थाप स्था
- 4 स त्युर में पाण्यम ये का तम इस पर पाइना यदि झामला

मह मा अहर धेद रम्य मुरे रम महेद रेश पर मे मा

- ı अळद ऐंदि गुँ वेना परे लिल्लास सु मान्द साम्यम परे झामला
- 2 स्नाय में बुद सिंह में नृहें स मुख पान्द स न्याय यदि स्नाया
- 3. ई हे वेण पर अवर युग में तमन स गृहद ल र्पण पर स्माना
- 4. नाबर ख्वाब खू रशुर शुन्य कुँ रझब छ छै झन हु नाह्ब स न्यम মাই শ্বাৰা
- ब्रह्मः । द्वारा विकास विकास

# ५७४.कन

वेन महे क्रें मुन् तक महुल म न्तुर रम देन में केरे लहें द महार	
त नीसीका प्रांच क्षेत्र ताति । ताक्षेत् वाक्षेत्र क्षेत्र वी गुत्र विवा	
(§, <sub>d</sub> )	1
ह्मन्थ्यः नृगेप्यः अन् श्री प्रेन्द्र प्रमा । अर्वत् श्री स्वर्धन् । स्वर्धन् । स्वर्धन् । स्वर्धन् । स्वर्धन्	
वर्ह्न् देन प्वन् प्वन् प्वाप्यत्याः	9
वरःतुःन्वोःवःवृदःवैःन्दं।	4
न्द्र मा न्द्र बेद मूर् पड्र जै तहन हेन देश पर छे पा	4
1 दीट विसल क्षेत्र सङ्गत स सेना स केत सहि श्वास सुर सहित सह	
취직적	4
2. २६ म हेत् हे झण्डु मङ्ग्य विमान्सद् सद्द शुद् सद्द	
다본 즉 다친 쒸디제! · ···· · · · · · · · · · · · · · · ·	£
3 पुंत्र में दि लिया प्रेम्य स्वाया स्वाया प्राया स्वाया क्ष्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्	
다 폴 드 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다 다	9
4. ९वरिन रशुन मेर् कु कुँद मस्द मारी स्वायः। ••• • • • •	11
निष्टें के प्रति होते हैं बेरत हों वे ईल इस तर हो ता	14
1. वृंद म वृंद युद क्य ये लग रु है हुद म्बेग्ब महे अपना ••••	14
क केंद्र समझ्य सन हिन्द्र सन ठकट कु'नते बहेन स व न्द्	
मदे श्रमण	15
3 श्वाम माहि श्रीय दीन लहेन सहित मान्छ पहिन्दान महितान । • • • • • • • • • • • • • • • • • •	17
4. दें न प्रायम है है है सह श्रम्य के मु न्ह के दायम हुन पर नु के	
피온 뭐디지? ***** * *** ** * * *** * * ***	18
न्युक्ता पहुन् प न्यापि क्रिया है स्थापर है या ।	20

1 मध्र म प्राप्त स्थाप हिल्ला मिला क्षा मिला	20
2 लुट ने ळिब ९विट में च्या हु हो परे झाया।	21
3 चन्ति के चस्त्र च इसक चन्त् मदे स्वत्र	23
4 ह् त्युर हैंद बरे यम सुन्य मन्द्र मरे स्माया	24
मदी मा जुल महुद तहनामित ही हि है है दूर न्र मते रेस मर	
बुग .	26
1 मझ्द्र म तथन्त महे जुल तु हे क्ष्र त्र महे स्वामा	26
2 벡트제 5 4 필드제 캠 디젤리 중 유్지 디 드드 디 드드 디쉬드 설득 립	
चुद व महेंद परे श्लवमा	28
3 ञ्चन मकुर मेर ह क्षत्र ग्री दुर व महेर् परे स्नवर।	32
4 देना नादल ब्र मुद्द दृद घठल परि मुद्द म पहेंद्र परि स्थाना	36
हि यो हैयो व क्षित्र प्रेचित्र पर्द देश य है यो	42
1. श्रेम प्राम् प्राम् वित् विते वित् हेप प्राम् । प्राम्ने हिला एकप् हेप प्राप्त	
चन् परि स्रवा • • • • • • • •	42
2 អ្នកញ៉ូស៊ីសព ក រ ថ្មី ១៩ ភាពស!	44
3 मेट बुधन कु मध्य पानहूर पधु धीयथां • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	48
4. रेन वहन में इंस म हुर मन् मदे समय।	51
चैनीता ब्रुच तह द्वात है ता	55
1 बुद ब्राट देना बाद नादव दान लहेना हेद मादे लाव देव मार मादाना	
다음 묶다지 ** * * * * * * * * * * * * * * * * *	55
2. वेग् म के कुट मेंच मु कुँदि गृद्ध इस मर गृद्धग्मदि श्रूपणा	65
3. मु महन् हेन् गु देग् महम पर गृद्या परि स्टाया	72
4. नासन स्मान हें हे येग मदि इस यर महन मदि समय।	80
मर्व दा अने स.मेश.रच ग्रे.पश्चच च इव चर हे चा	89
1. हहल नेत् में हेल केन इस यर देख यदे सूचला	89
2. ल्बर व मुख्य हैं। इट देव दूट पदेव मुहेब हैद ल्डील इस पर देव	-
यदे ब्रुपया	91
3. 백명 전'옆'다'품의 디즈 로젝 디리 워디자! < · · ·······························	93

है। । विश्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य केनाः । स्वयान्य स्वयान्य स्वयाः वानम्यात्य विष्यात्य क्षेत्र वहर् मान्यात्य विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्या ल.वे च.लेच चम्रिष्ट होटा वार्यान्येत्राची क्रियं चार्याच विचा । युना अवेश दुल स्व निर्मा नदा रहिन हेव मिलमा । कि अहर वट हर रहिना हेद मिलस सर प्रसा । पाल पर हैर में ले हिंग मनुद लैर पादसा । पे लट रूपांश्वर चराने श्वट चले चहा । एहचांहेराने त्यांचन हैंटानश्चर ष्ट्रा । दे.वय. जूट पुं. रेट तैंर. तेंच. पश्च पश्चरा । पश्चेंय. तय रपं. ४ विश्वय. अक्षय हैं र.केंट्रके अहा । हैट स अ ट्रेन्प्रके बेट्रस् स्.लटा ।के. अक्ट.ज.चहेर,रूर लेवा.चरच त है। ।अक्ट्रच मु.बील में.चरुच मा.रटेज.बुट. मेवा ।दे भे विर खुना के वट श्रेय हरे वहरा ।देर पुरे पर्च पर्वेय पहेद ८६ मा है व मिलला । हे र एए पा हे नहा राज महाराय है पा हुना है है बहर है अ ज्या के हूं च नशुक्ष वर्ष व प्रता विचय हे व हे मारा है व चयता इसार पुरार्थम्या । बिर हुल पहुः महुस हुन गुःरहेम हेन गुना । रामः पश्चर,र्वेतथ.ध्यर्ट्र, इ.तंष्ट्र, ज्य थकर्। व्याष्ट्र, श्वरं, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, पर नव्या तरे के ब्रंद पर द इस पर खेट अहर दे। । नव ट नव्या स्न वेद'र्न'र्रु'ष्टिन'यर'वर्षुन्य। ।हीर वर्षे'रुर्दे'वेरवर्षे अयः र्र्ट्य् देवा त्रदे । त्र होत्र प्रदे । वृत्य वृत्य प्रदेश विष्य विष्य । विष्य क्रम्य विषय । विष्य क्रम्य विषय । विषय क्रम्य ब्रध्याचेर तर विश्वत्या ।यामवृह्यर्पाटा विष्याह्य द्वर श्विर् खलाया । बिहर hau. 튀노·다출호·다·정미·다·명호·되장·영미호·축조·디토스·다장·범디적 첫 |

## 2. तहेन्'हेन्'हे'झन्'ह्'नक्षन्'न'वेन्'न्सन्'न न्न'झन्'स्न'ह्'नहेन्'नहे'सन्

तहेन् हेन् तर् दे कन्य निवस्त हिन् हें द निवस्त निहस्त

लस (इ.र न) हूं ट.मी. एड ने हें। विश्वल न के हूं च च वि पर वि वा ব। রিবার বর্ম রূদ নেদের দ্রীল নেদিন ক্র লুরা কলাব। । গ্রীব নের কম यम कि.क्ष सिट प्रध रिवेश । निष्ट्र ह्रेट अर्घट नर्शन च नवट त्र. नेबेश । र्वेट.मृथ.के.पर्यपत बाबुर में टेग्रील ४ व्रिट जी । १४८ वरा अष्ट्र कुदे प्रिट बाब पर्वेतयाप् विषया ।रवारत्वेदायायर द्वापरारवेषायालया ।रारवा रे निर्व क्षेत्र पढ़ी किर खुन गुना । रे क्षेत्र वसन वर् छ सळेर न कुर हिर बैना । हैव म् बक्षः जब चक्केट हि एवनायान है। । वी चढ़ी छ नेल में हिरामार रव रेट । विशेर लब बीच हुट वंश श्रविदः है . अर्ट्न केट । के अष्ट्र अर वसाम्बद्धाः भेद वद रेस पद्धा ।दे स्वरं प्रवरं प्रवरं भेदः हिंद स्वास प्रवरः इ.चर्षा ।चर देशस लय.जच पचीर रिव रूज सब्ध य प्रेथसा । मिर.पड़ी. ब्रैट सर्-पन्दि-र्ट परुष पर रेवेपया । ब्रान्य-स्नि पि ह्यासंग्री पद्धे. हा । अन्द्रसः म्चेट खर निन दे नेद पृ अटा । विराधन रे दि खेनसासरा मुना माक्षे। १६ दम मरादुःम द्रिः कु स्वर्धनामा। । तथम्ब सुलाद्युव द्राः विट-पु-दे-वन-पुन्। १०५म-घरे-निटम देवे विट व म्रस-दन-हिन्। । पर-पु-बर्द्रवं कळ . क्रां हुन्यः पद्धे द्वा । निः रचनयः हः पद्धे द्वेन्य पद्धेरे : क्रुं र त्या । **वर्षः त्यायः** हर्षे स्विपेष्टः रूटः त्यः प्रचेषा । हे स्वेरः हर्षे यः वर्षः । म्रीट-**प्रनामा । अस्य प्रयान स्थान स्थान स्थान । इ**.सामा श्चेदः मः न्विदः इत्ययः वे भी न्वयः । दिश्चायः य भी प्राप्तः व व भी भी मा र्न त्या देत्य ग्राय कु यह के व मर है। । ह अव र र र म वि ग्रेट कु त्तै'पर) पदःलगः मः तर्वरः यादवः सः देवः याः वेद। । सुदः यदः वेदः वः हः न्युमः भुः भिः नव्या । इत्राकुलः मिटः मवटः में टाष्ट्रितः भुः मृत्या । कुेत् कलायः न्दैं मेंट्य(इ ३६) ८५ य. र्रे . लेटा सक्ष्म । क्रयाचन १८५ य न्दें ५ हुद

नव्याप्ट परवा दि केट व्यायापर हीव कन्य हे साथ। विहेव सहर त्रमः मृत द्वार पृत त्युत द्वार वादा । कटल देव त स्वायः वाह्यवायः न्यत् धुनाके नदवायन्। नित्व नित्तु हैव त्युर के वितारवन्य।। हुँ पञ्चल पठ्ना दे १८व ४८: मा चेना साम रहिन । दे १८व का से ५ दुला सक बीचातर ४ ट्री । ४ ज्रापि हू प्र व पहुँ पथ शिर शायकेश । ही अब्दे पढ़ी र्षेत्व रेम गुरु मुन पर पर्वेत्। । पर्य रेम मकेत् वया नुसुया परि पर पु कन्या | नेप्यम् म् ब्रुप्य मेन् ह्रे सकेन् स मिल हे। | निमारहित हे। हान् द्यात्रेव नवसास्य भेटा । निविन्य प्रथम प्रथम निवेद पर्य पर्यः [PAR द्व:रेस:5ुन्'र्ट श्रेट:केद:पढ़ी | श्रेट:ख़द पकुर:र्ट:रुन्'रव्जे'के **द्वाराम्ध्रेया । क. चट. र्**चेल च. चक्चेर चक्चेर चक्या माण्या । ४५ र र माख्या इ.इ.वे.११८ टे.वेंटा । वटु.५जू.८वं.५जू.वडं.७३.वे.८टा । १८वं. इ.तम्.ट..कट.र्थातर.तथ्ये । व्यव्यक्षांवरकार्यास्य पट्रारस्य वर्षाः रुप्ताप्ता । के प्रमासिक्षा ह्विप्ता विकार व पहलाकुष्याकुष्याक्षा । श्रुष्यक्षरामययान्त्रामद्भामद्भागविष्या बार्नाबारम्ब वेटारेनवाराधवारम् । विश्वाराष्ट्राम् विश्वारम् ମ୍ୟୁୟାଠୀ । ଶୁଦ୍ର'ଦ୍ର'ୟସ'ପ୍ରି'ଛି'ବ୍ୟ'ହ'ଓ'ଦ୍ର'ଦ୍ରମ ।ଦି'ମୁବ୍'ଛି'ମ୍ବ୍ୟ'ୡ୍ଷ'ଘ' बान्द्रेन्यात्राम् वान्त्रा । स्राप्ते वान्त्राम् वान्त्राम् वान्त्राम् वान्त्राम् व् काटेबाके प्रतामा विषया । विषया के प्रतामा विषया विषया विषया । ५८। ।(इ.३ न) रे वंबानबेर विधानर रे एष्ठान क्षा के विधान ब्रान्य प्राप्त प्रमुद् शा । स्थिल स्थ्रीय प्रेत् हर श्रीर प्रमुख ब्राह्म

| বের সূদ থার মূ র প্রব. নিই.বাহ ধরনার। বিই.মু ধর্ম ন.ধুই. म्बला हु लक्ष अकेत्। । वेत् यस यसव मान्त् वस समास देस १ सर है। । है " ষ্ক বুদ । বুদ নাজীয় ক্রম নাজীয় বাজীয় বিজ্ঞান নাজীয়ে বিজ্ न्न्युर। । गुरेर न्द्रल बदल क्षेत्रल हिरालें स हुर पालद। । पछिन हि पद सार्दिर'त्युद क्रूंट म्रुब दे। ।रेस मॅर'र्यट युर् य पट'ळ्र'यर अश म्ट.भ अर्रेट.प भुरं । ४६व.रेथ टिक्षेत.यंथ ४व् पश्चार्थ.एत्. क्रूटका । छे. भू पथा ना पेर वृत्ता व था ना विषय ना विषय हो। । पूर्वा स वृत्त सर. रखस दसामहुन सूर्य हो। । प्रस्तामहद न्द मंदी म्बस्य सद से प्रस्ता हैंद पारदा नेदा वमा मानदा महिना हु शुर्वा । यद कनाव दे प्यट नाव वा नव वा नव वा के वेब तहेन | दि तर्पत्र वर्ष वक्ष दान कर यह कुषा । वसवान हव म्हेस्य वर्क्ष्याय वर्ष्वायम् हिन् । विष्युव्यक्षाय्येष्य यायद्गानुद् व्यवन्। । श्रुरः प्यदः वे गत् गुत् गुत्र श्रु वः यरः वे। । ह्विरः गर्षेत्र प्रयमः गृहतः म्बुअप्यायवाकन तहेन दिन्नुबुवाहेनातहेन श्रुवादनाववस सवाहे। , नदी तर टे.ब्रट. एचेंट. तथ. एड्चं. श्रु पर्वेट । विर्धे श्रुयं तथ वर्षेष कृषं विवादि दे. पदी त्युद्रा । कन्यान्व व तहना हिंदा रे रेरायर प्रमुख दी । है। मु रे ल्ट्रन्ड्सय तयाम्भलाक्रेव ग्रेग । पश्चल पान्त्रेग लल्टाप्यसम्निवः मञ्जरमः अव। । तहेनायरे के यनुव रहाने वेन हुट त्र सुट पर। । पदिन सः वेन्'मः र्वे रे र्वे म्याम केवा । र्नामि रे वेर र र हैं हे न्द्राय वा । बै तहेन्'गुर्'त्पुट'त्य्य सु'बेर् धेर'र्र। ।तहेन्'हेर्'सुं'स्नु'त्र्यं वेग्'न्सर्'प'न्ट'युर्'सेंट'नु'पर्हेन्(इ' 4 र्)परे'स्रपर्'स्। ।

# 3. रुष्याची प्रति । स्वर्थः प्रति । स्वर्थः प्रति । स्वर्थः प्रति । स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स

८८ प्रद्र बटब क्रिय क्रिट क्रिक प्राप्ता । प्रविश पर्य पित्र प्रमा मण्य वस के वर महावा । महिम हैं र दिसर में स साम र दिस हुं से हा । बार्गुंश हुआर्य मृद अधिश मे्द्र महे यह। । हुव मा अधिव मा म्हिन्द द ग्ड्न हॅर पठका । नेद यादक दे ही ग्ड्न पर दुर्ग । द्वल धूर नर ₹ पुर ५ लार इं ५ तमर मा। वुष ५ तमर गुव गुर रेव केव र द प्लेव हेरा। नि. ब्रिंग. वोष्ट्रांत प्रस्ति है। विशेष प्रस्ति विश्व स्र वर्षेत्र ब्रिंग. लख्रा । इत्र क्षेत्र सुर्दे हें वेर ख्रा था । ति म न्यार में द्रा वर्षेन्'गु'न ५८ । विद्यारि ५८ हिट हिट हिट हिन है । वर्'रु'है वर' **ॅ्रं रे अ'र्द । । कु'क**द सर्वे सदर रेंद् ह्रेंद् सह्र्य। । सर्वेद सं'र्देर रेंद्र में दें प्रकार के प्रमुद्धा | दे प्रमुद्धा स्था में द्वा विद्या है दे विद्या के प्रमुद्धा है दे विद्या है दे विद्य है दे विद्या है दे व क्ति मुं अर्हते अवर युग होत पत्ता । । तह अही त क्रियं पार लक्ष में स्थान निश्च । द्रि पर्व दार्व दें हिंदे मिर छन ला । निश्चेल हिंदर छन बहर हो। न्त श्रुट नीया मार्ने मा । ने जिय हिंद या स्व हवा से न प्रति । त्य या नु स सु परु'न्हेन धुन्य प्रवेश र्वुया । वि्ट के कु स्रोर र प्रवेद क्व न्वान र पा । बरान्युक्र हुकार्य प्युति हीटाळेवाल। हिट ख्व कटा पर्ह्म रायद ०५० इस्याम्राम्बर्मा । तह्य हिट छट हिरे क्रें मुँग्यात्रावरायरायराष्ट्राया । देवस चिर पुरस्या पर्वेद प्रेर प्राप्त । चि प्राप्त प्रस्था । व्हिन् यायङ्गिष्ण गृत्तुग्वाव पङ्गित्वावि। ।शित् यासुनाङ्ग्रहण्डान्द्रेग्निः लग्महेदा । खुद्रमा के देरे प्रराप्त पुर्वे ता हिन मे तिहर में राम हु न है या विभाद्मभव रहा। विभिन्ने भेर है मु स्ट विव विभाव कवाया विषय प्रमें र

ब्रेट.रे.हे.घ.७ स्वयःतपुर । विचर.र्थसःविष्टं तत्त्रेट.से.वेर्धःवेर्टं स खुर्दा |द्विन्य:इन हु:ब्रट:इन इ:ह क्रेंद न्हेन ।दे:लय:हेद ब्नादे:लटः ह है हिंदा । प्रमें हिम मायहें केंग है (इ. १ व.) विश्व बेर्स विष्टा । वि क्या च¥ हि कर्ट है अब धिर । विम्रत्र विभागमूर् खेश थें का देशना है। वि.रम्भर हिर हर में विस्त में प्राप्त । विस्त में रेस प्रियं प्राप्त ने प्राप्त पर्श्नर १८वा । प्रशः श्वेरः श्वेषयः ग्रैयः श्वेर पर्श्वर द्वेष द्येषाः ग्रेरा । दे । **पर्श** र्श्वस'हे'पष्ट्रव'द्र रहिर लें उदा । तहना हेव हिंद तहना दुस पढ़ित हला लट तकरा विषायका अहेव सर देव स्यायवता महेन है। विश्व स्यायेव חַלַמּ פַיִּאָאִיםהּ לְּםבימִּאִיאָן וֹלְ לִחִימִבּמִיפָּלְיָשׁיםהׁ בַּמְיםהָ מִּלְישׁים וֹלְ לִחִימִבּמִיפָּל षद । । स्र रन मनु द गुरु स्र स्र मिन्दिन दे 'न दिवा । स्र हे 'ने 'के 'ने न'दस' ब्र-भ्रु है। १९४. पद्धि वि. चीट हिं पद्धि पद्धि पद्धि है। १९४ हूट किट जन्म दे.पर्वेद.रंतन्त.क्र्य. विस्त्यायर.चेव्यकार्यकाश्वराच्यायर.चेव्य.क्षे । न्त्रन्य व्यवत्रस्य द्वारम् वर्षे द्वारस्य निष्य । दे प्रविष्य स्वाय स्व खन'८८ ब्रटा । १३.६५.स्.क.क्षेच.वय.स्ट.क्ष्यंच स्टा १३.वे.क.**पड्ड**. र्षि यट.ट्र.पर्खु.ला विर्खे.पट्र.अ.खेथ.येवाथ.कि.च केंट विराध वाकुवा । **५ वृत्र प्रकृत है। विश्व वृत्र प्रमान कर्य है। विश्व वृत्र प्रमान विश्व वृत्र प्रमान विश्व विश्व विश्व विश्व व बैट मब्दा । वे में त रुपा हु पढ़िट रुप्ते है क महिना है। । रुपा सब है सिट्** ठेन म हे प्रकु हे पु!ा े प्राप्त स्था हिना हुना ह पर हेना हे। । खुमा ह एउ र मा ख्य.ठ.१५ बर्च चेठूच । ब्रिय.ठे.घ.च.च.वे४.घ.च.च्या । ब्राटयः द्व'व्याद्वे'स्टर्थान्नेर्'पर'र्नु'र्श्युवा ।केर'स्वर'ण्ये'वे।केर'स्र्र्या तक। ।वटारमुटादे तकाळनानी खेटाना है। ।वहनाका दारेना ताकारमुटा इव,तपूर्व । रेब.ग्रे.४५ र.पूर्.खेनव.८ श्रेचेव बे.चवल.च.८८ ४ छेट. क्रद्राचर्द्रद्राच्यास्य म्

### 4 तिर्मान त्रुवा छेन् हा हेन तथ्र ति भ्रवश

८६म हेब मह में के लब मैंट बे.बा ।रवह हैंय रह बूट वर्म रह हिं में हिंदी वित्र के वित्र के हिंदा महाराष्ट्र वित्र के व) मुल न्द परल हू केंगल परे। । सल सल हूंन् परुन् तहेन हेन हुन परः निश्चा । त्य में हेद दे ह्या त किर भा । किर मेल किंदारा में ने ने किंदार इस सर नेया । निर वन रस दर हिंद न्यल सन्य सु चन्दा । चे सहय रह्म देह हिंद दश विशय नविद वया ।य प्र इस ह हिर लय हूर ग्राम है। । कुव इसका के २ के क है वस्त्र में स्वाप्त के स्वाप नव्य मेन श्रेद प्रवित बेट है। रिल्यायाय देश रेट सेर हम रामा सिव नुबुद्या ।(रुव तिहर संन्य) बेबब दे छे द हुल खद महद निव हुद्या लब-र्ट. में प्रतार मान कर अधिया । प्रतास क्ष के अधिया । प्रतास क्ष के अधिया । प्रतास क्ष के अधिया । प्रतास के अ में कु दुन नदा । के व व दे ने न ने व व के न स्व स स स । विनयः व्यक्षंत्र (भट्रे . कं. प्रय) ह्य. एचंट य. यह्यं. त. ह्वा. यह. खेवेया । एट्य. प्रयः रदास्यान्वनायाचेताकुरहे। ।यन हन् कुरान्याक्षनाहन हन् तहि कु। । प्ट.क्र्य.र्ज.वय.तु.तम्भेट.र्थात भ्रष्ठम चीं। ।श्रमध.रट.श्रमय विट.भ्रष्ट्याता. ल. लंब. बी । हेव. झटब. बव क्रब यीव. टी. पहा. तपु. वी। । श्रु ट्यी. त बया. चरुथाईश कैं। ।कै.जब हैबार वैट.कैंट क्रुयान ईबात हो। ।शनमै**पय.** Gट.भ.चर्ने दृ, देश श्रेट प्रचेश । श्रेष अध्य मेर्च प्रचेत्र द्वाय पर विषयी व प्याया । मेया-राता ग्रेस-प्राय त्याया । विष्या क्षेत्र स्वाया । विष्या क्षेत्र स्वाया । विष्या क्षेत्र स्वाया । वृत सामुर्-सिर्प्त वर्षा विषय अव र्द्य स्व र्द्य स्व र्द्य स्व ल्बना । ने भटालन्ना चनाण्य नटा चल द्वा है। । लन्न मा चनाणि मा कु लच्चराकेन् परार्द्ना । इस श्चेत वाकायन्त्रात्स्य न म हे। । कुष्मधुनः अभय स्वयः भुव एत्रा एत्रायः एत्रेव दे का स्व । मेवा द्वा तिया द्वा स्व इसस-रक्षेत्र पह मुद्दा भिः तानेगम के छेर मानर्गा महि मुंदा । मुंदिन नुराधालाञ्चावाचाबुद तु नेवा । क्निरानुरानुरानु (इ. ५ म) यव वर्दे पवा देव. हवा. पत्तिः। विवाता श्रेषा अध्यायद्वत्या क्रिं विवा । हेव. ब्राट्य गीव ७ में . इंबर हीव . अंब ग्री . की। । पर्वे . व . वे टे तप्त . केंद्र . पर्टे या देप्त . टेवे . मिल कु के के दा । सर्वे ८ स्थल ५ विलय के दे हैं दे दे पर ना में दे के दा । दे स वन् मुद्दार हुल न्युयाया है। । मुद्द पद्धा तया नेय पया नेयाया मुद्दा। न्द्रेश्यायत्राचेत्रव क्षेत्राचेत्र तत्र वात्राच हेता । क्षेत्रवेत्रत्वेत्राचात्रव वात्र प्रमुख-सु-हो। द्वि-इत स्राय ग्रैय पर्देय त.परेचे. पूष्ट, एसेवा । अथय. १४. कृत् गुरुरमञ्जय मार्क श्रेव लस्य। । नेत्रकृते नेत्रलस्यास्रायक्रमकु मध्वा वैं। दिव नमार्यमान समानहम मानुनाणुना। गुवाहिनाकु केवाहेवाहेन प्रमुलामरात्मुता । प्रमुलाहरू विद्यालया । प्रमुलामरा । ल्म्रायहार् माप्त्या हु। हिंदा स्थापा स्थापना स्थापना हिंदा पर्रातिक । ।ट्रे.पय.ट्रे.पचिट.पोर्हेट.प.स्रोय पत्रेव.बैटा। ।क्रेंट.पोश्रप. अप्तवानाक्षेत्रकाष्ट्रेत विवा केत् दे। । रहावीकारहा है कारेवा ततु हिताकेता । म्ब्रियाम्याम् नुदारिहेद म्ह्रिया द्वारा नेया । विदार् राज्य हर **८६५**.४५.मेब.५। । अथय.वैट.४२.वेर.खेर पत्र.चेवीय.खट.चैन। । छेर. विद् वळवव हुर शेंद्र परे रविर विर विराह्म । विर्मार द गुद्र महिरायम् क्यंत्राचंत्रस पद्याप्या ।रिवितावराक्ताच्याप्यस्य पुराष्ट्रे । एता । इनि.कु.पह्ना,हेब.चव्चव स्वाय छलाल.टना ।इस्र,चेश.क्र्यायाच्चन,नवी. **८८.ई.व.**तपुर प्रमा विस्ति हैवान्व इविष्य ८८.५ व.व.व.व.व.

न्तरायक्षात्रायक्षेत् अत्य हेत् हिंदा हिंदायार्थन् अवता केत्रावित्विताय निता हेर पत्ता लियाय रूपा के केर तिय हैत.दा । प्रवित वर धर.त.सक्या. ल.रव.रे.ब्रैंसा किर तर इव इ.भंद रे.क्षतं हेर.खवेशा कि.इव बंध क्षे.चंद्य.लच्य (इ. ६ व) भ्रुव ६व वैच । भ्रुव अप. य रचे. ज्ञ र विषः है। क्षे. मुद्धी । भे भेयाम् हेय यथाम्बुयाध्व हि रुप्त नुमया । दे प्ययाम्बे सूर हेरं.चैत.भू.पचेर.चरा ।चै.चंबश.पुर.पद्धश.पुर टेच.चंत्रशतालया । तकर नोबुद्धे रूट हू.अ.मुख.स.क्ष. क्षेत्री । क्षित्र देशका नीवेट तहूर्व हेव.एस्रेष **६**ल ग्रेयःर्श्नर। ।रविभागेषु,चबिषात्रात्रात्रात्रार्थः त्य युषयः ग्रेटः। । निषय प्रसम्भित्य वर्षा श्वरात्त्र वर्षा श्वरात्त्र हुन । अत्य हुन त्युत्ता । अत्य हुन त्युत्ता हुन **ैं-छे-र-ड्रें**बल-प-पन्ना । ह-जेना हुन्-डेन गुन-हॅम-ऍन-८न-डीव। । ह-अन्त-महेद्'ख्ट'र्खन्यायकेट्'म'न्टा। । धु'यय सूद्'मविहे सु'युवायूट'म**वे**' भन्नरः। । प्रमित्तातः हेर. वियाला मेना नेटा या होता । व्रथम कर्तांच्यमः गैव.थटब.केथ.हेट.च्य.विषा । बैट.लियेथ ७७८.लियंथ.क.ति.वि.चिय.वृथ. स्ट्रवा ।रेगानाक्षेटान्यसम्बद्धान्यसम्बद्धाः ।रेन् मुनलार्झः पद्भरावेगाना प्रवास्त्रा स्था । विराग्यसारकरायह में दे श्रेणामहेताहै। खल-८८-पोर्टा पहेशस-५ हिलाम-३ 'ह्ना-४स। । पोर्ट सह स्थान सरायानः ब्रदः ब्रुंगलः महा। । हिन्दः मः ह्युमः मुद्दः मुद्दः महः व्यवस्य। । विनः **मिरे झैं 'गुब्' शब्र' महुब्र' मान्युद**ः रमः रेब्' सॅं रे केरे रक्ष हैं नृ' महामान्युवा पापा त्तर्वाचरः**ह्रद**्यत्रत्रयम्बद्गतङ्गत्रवःत्वयःतुष्यःतुःत्वराष्ट्रयःवःतःत्वराण्यःविदःः **इन्: यहन्'ग्रे**'तहेन्'हेन्'रेस'यर'ये'य'हे'मन्स'न्न यहें। ।

## प्रेश्वःता प्रवेशः होतः हिंदः हिंदः स्थानसः होः न।

## 1 ਫ਼ੌਰ'ਜ'ਰੌਰ'ਬੁੱਕ'ਰਜ'ਲੁਜ'ਹੈ'ਸਕਾ। ਫ਼ੌਤ'ਜੇਰ੍ਹੇਗ੍ਰਾਜ਼ਰੋ'ਸ਼ੋਜਕ।

रह्न हुद पट्टेव पर शिल च निया बेन लगा । विश्वास पट्टेर प्रमुद्ध सदल कुल कूट ने प्राया । यद द्यार छर प्रमुत्य अध्य क्षेट्र प्रमुत्त स्था । कुला । विन अर युन्य पश्चेत पर पुंचेत प हुता । विषयर अर्दे सदसः कुष हे रहम देव बहरा । दे लहा श्रेम दसवा हराव हे दा हव कुला । मुख्या लायहेद दसान्तास्य सुनानासर्वेना ।ने दसानुण सुन केदाकत्सा नहा । वर्षेत्र वयायुग्य (इ. ६ म) मञ्जिता नाम्य प्राप्त मानस्यया । व्रवा कृष जिवायासी. त्रवा में . बक्क प्र में जा । रहा स्वया मेल वा द्वर कुर हो है हा स्व ्ष। ऋ्नि,क्निय.वु.त विन विन ४तिथ.तेन.नश्चा ।विट.क्य.४हूर ट्र. परुण्'अवर'रद'हे**ं गुँ**या ।ईं परि'र्य'पतुद'र्श्चर'भय'स्'पतुं'पानुपा । ख्दः प्रमृत् र्वे पः हैदः मृद्द षद द्युक्ष अहे गुद्। |द्वे प्रदः अर्वेदः कः प्रमृतः स्वायान् अरावायात्या । मि स्या वात्य वेदावायाया मे विवादिता । दे.पा. पटें पा. अष्ट्र पा. अष्ट अष्टा. जुडे यो । वेष अप प्रमें पा. में अस्त श्चित् केवलाग्रम्यावेदायदुव्। ।दे व्याग्रम्यावेदादुषु दुर्ग्याञ्चद्। ।**पद्यै** 

डि. देन्य हिन्य नहांन निर्मेय तर निष्ठित। विमा केद था मर नेश्वस न् हार मुख्य र्टा । तु.सर पढ्रि. इसस म्राट्स मृद्यः प्रमुट द्वार रहा । हिसः न्न्य पर मुद्री ।केन्प्र प्रमुद्र प्रमुद्र च क्षेत्र स्व स्व प्रमुद्र स्व स्व । क्ष्य ग्रिट.चथभ्रभु,विच.चक्षेर्.ट्म्ब.चधु,ट्चट.। ।छ्टथ.चन्ब.क्रुचेय ग्री.पथ रंथ. न्द चंद्रिःचर। । वाद्यामेन् मार्डमा न्दरमा मार्थियः पत्र सः हुमा पर्वेत्। । मार्थिय पथ श चेल्र.प.रंब.परं.चेश्च.पर! श्चि.श्चे.श्चेत पथ मुंब.पर्वेब क्र्यांव. महेश्यामञ्चीत्रा ।त्यातः दीया-द्यादः ततुः तत् तरः वरः वरः वरः वरः वरः त्युव त्येट में त्त्रम् भ्रेण यद्या अत् प्यक्ता । निम्ह हेव मेव रम ठव दे चत्या बेर पहेंचा । पर्चेर हट हूंद पा हेर दे हैं अर्र । । रे पर पहेंद 어릴씨도미 전체·월도·디자·디쉬드! [어떤 '횘국'이드'월드' 여도 열리 '들다 미제' पर्चेत्। । षटः दः द्वेनाः यः अर्केनाः त्यदः निष्ठेतः माः ल। । अत्य द्वयं वर्तुदः ८८ः तर्व क्षेत्रःश्चित्रः माने । अस्ति स्वाति क्षेत्रः त्वे स्वात्रः स्वातः स्वीतः 러른니 「장려석'러운데'전피'러스 다뤘다'다드'전「 「다마다'워디적' व ब कु र के ल्या म यक्षा । प्यतः यह । विष्युत्त के व ख्या कर्ष्ट ग्राप्त । हैं व मान हैं व हिंद 'चेट किंच में लिया है है है र मने मन साम स्था ।

## 2. 형희'대'저희, 대고, 통희하'대고, 대육근'의 '대양' 대학근'대학, 기구, 대양, 청년화

क्रद्रामु, देव, ज, ट्र, जोटेव, टीं जिले जे च. क्रव, क्रटे, स्, में . एक्ट क्रवे हो । हो ।टे जे . जे व्यव अवस्टी ट्यानक्र, जाहेट, जाहे या नक्षेत्र, चाहेत्र । क्रियाय, ज्यान जाम्य, प्रति, जो व्यव जो जाहित्य, यह टे. जाहे या नक्ष्य, चाहेत्र । क्रियाय, प्रथा चट्र, जो प्रतियाय, एकट क्रिय, क्रियाय, जो व्यव जाहेत्र, क्रियाच, व्यव जाहेत्र, व्यव ज्याच, व्यव जाहेत्र, व्यव जाहेत्य, व्यव जाहेत्र, व्यव जाहेत्र, व्यव जाहेत्र, व्यव जाहेत्र, व्यव ज मृद् वृत्र्वित् वित्राम् वात्राम् वित्रवरः क्षेत्रः सहत्। । वत्रत्रः वि हु तेषः ययः सम्ब मुल वर्षा । विन केदाम केन यवाकेर स्वयुव पर ही । नविव रु नश्रेषायान्यमा । निम्हान्य स्थानर गुरा तर विश्वदर्श । दिराह्मर छ्वाय ह्वीराचे हेसार विश्वना देसा परिहा । विश्वसः यर'न्न्'य'न्युत्र'वर्ष्ठन्'श्रद्धत्'य। ।हिन्'श्रेद्'हेर'चेर'न्नर'र्द्द्र' हिन्द्रीया । सिन्यासुरालकनाकुयाधुयानयान्द्रवामन्दरावयुदा । हे हे येना मान महाकृत लयाहै। अति मृतालुक मुद्देश लया स्वाया हेय दय। । ह्युंताम ञ्चनः वयरः निगतः स्वाद्याः वयायाः । विगः केवः श्चैः निरः श्चैनः सूनः प्रनः परः बर्वेदा । रे.१२. चर्वेद्य.तर. रूदे विता है स्.म्.मा । प्रविधाया छ स्यस्य क्या बवुकामञ्जूष हैटारहेदासक। ।मबेटकाहेरिमटामञ्जूनामङ्गेकावकासद विष्टः ख्या । वृष्णः मनेवः नाहेवः ५ नाहेवः अद्याना स्वान्तः विष्यः स्वान्तः विषयः ह्रच. भुव. चेनुचव. च ल। विष. चव. न्यच. च च्यू. अह्रव. बह्य विव. च. न्या वि गुद्' ब्रैट' श्रेट्'रा'य' अर 'कुश' हे अस' शक्। | | निवट' वें व' गुटस' बेट्' श्रेद्' रें स' बन्याकुत्राहे। अरामनामुगुरि देन्याया सुर्वे रामर (का १ म) पर्वेदा । a' अर्'देय'र्द्द्र'श्रेर्'अयरे पुर'येयय दिव । रिवा अद किर्मेर युद'यद चयात्रम् भी । हे क्या हे हि तकत् युर्मा स्थापित है। वित्य क्या के वित्र क्रे'क्रुयाम्प्रॅं राम्यायुर्या । देना वेदायायर दिव हन्यारेना नयर हिन्या। त्रीन् हेन हुन् हु सत्य कुष नयर प्रश्नाम् । प्रतः नन् हेन द्वार स्ट ब्रूटः हुना में मित्रा । मिटाम देवा सुधान विषया निवास मित्रा मित्रा स्वास । मु ग्रुम देर दु दे दे राम राम राम हो । । ग्रुम प्रमा निवर प्रमा प्रमा मबेर्'मार्थ'र्र्'गु"श्रेम्ब'र्वे ।

## 

भक्षताम् श्रीतास्त्राचाराम् वात्राचाराम् । विवासिकाः स्वार्षानाः नेमाळत् अत् गुष्पा । युव् अतामा यान्यायस्त् मा पडा निष्या । दनातः हर निवं में वं ते प्राप्त हैन प्राप्त । इस है प्रकृ पाइन माने ना देश 트레. 너렇게 「너희와, 뭐느, 뭐, 그런, 그구, 없어, 그리저, 집] 그렇다. 닭이저, 먹다. रट.बै.७वेज.केथय.बे.बेजमा ।इ.अक्ट.अक्ट्रेस.केट.ट. तद्या । तम्री, कृ.क्ष. १८ त्राचीच, चहेमथा । भूषां, क्ष्या, इस.इ.ध्र. प्रतः हेवय. च**देवां.** न्यन् नाम्या । तिनान् सर् ह्यु इतान्य के नाम्या । त्रम् न्त्र नुन् करः व.४.६. जेवायः ४६४. श्वाया । पद्धरे भ्र. हैवा हिंद्र ४ हिन दूरा हैव राम. बहर्। ।म्'ब्'रुक्टर्ट्'रुट्य हुर्'यो वेषय संगय ग्रेया । देखार ग्रूट्य स्तर र्वे.विट.वय.वेर.श्रेम.पर्वया । इट. इप्. श्रेंबय.पद्यां अस्य अस्ट. द्वा मित्र ह्रवेश । जू.वैत्रेश्वरातिट त्वश्वानुबर्यात्रार हीता । दू.वैवान्त्राप्य वस्त वक्तरान्तिःहर्र्न्तानाः । इ.ज.वेद्यावेशकःविद्यक्तान्तानानाः। नेद'रु'के'पन्द'मध्दं 'ठद'पर्द'णे हो। ।हेद'स्टम'द्राच्यम'घ्रममाधी सवु जिल पर्वता । पलला नाइन पादेन पादेन पदेन पदेन पदेन पदेन प्रमानि मानि हैं है हैं। | दू. हे. ते. तथ. अद्वे. तर हू तथ. विट. ख्या | ख्राय. ख्रवाय. व्यव्या तश्रूरा ।श्र.मव्य.श्र.८वं रद्यात्रहे द्वात्मध्यं द्वतः। श्रि.मद्वार द्वात् हेर.ग्रेर.टे.ब्य.तर अस्टा १४व.ब्रम.प्रेयायायात्र प्रतिमाहेरायहणाया । युना कर तिनाय से हेर लना मह तिया महता । क्रमा विम् में क्रमा स्मा स्मा 

क्ष्म १६ म् म पर्व माथ्य माथ्य माय्य माथ्य म् । ता । तिर्म देख्य माय्व नियम धुन तिम हिरामिता हिलाम से मुख दोन इसस १६ म् म महिलाम माय्य माया । तिकार पुरू देख राम्चे स्टिस म्याप्य

# 4. র্ন্ব্রন্থর ই ই ই র্রি ন্তুর্ব্যা গ্রি ব্রার্থির বর্ণ রাজ্য দুর্বার্থির বর্ণ ক্রব্যা

विन अक्टन हर नमाल में हे हैं हैं अंध लगा । विमिन्न वर नाम साम अर हिस हूर इस री। १८८ वेट अपेस घटे. येचे वाया हैट. चू. ही। विद्या सा मुद्धै दूर क्र पर मेर क्षाला ।रद हे क्षायल मुद्धे व रद में ल है। । केव् मॅं 'न्सुस् 'स्व' 'गुव् मद्म' गुव् 'हु 'मब्द। । म्बिव् 'बु 'सुस् 'सुरे वेद' हु ' दम् नवताची ।स्पानदेग्ये मेव वेस म स स्वाया निवाय। ।दे प्राप्ते विवाया रट.बैट.छ.चेय.बेटा । वैवाल प्यार्गरायर.रट.बैट प्रटथ ब्रेटे. ह्याया । ह्रचंबः तिष्ठ क्षका वि. हुका वि किंव क्षिटा । विविधा वार्षः ए स्रोता वि हे वार्षः विवाय हे हुना विवा कुराविकान्य मार्थि विष्य देशा विवास महीदे: दुल: हे द 'हे द 'एवस कद' सेद' माँदा । किंत गुः द गुंद जुंद 'हे द 'द मु अय गृहस्या । इस मुर हि प्रायस है है है द यह दे हैं दा । रह है है प्रत्य सेर.क्रांतादा से है। । श्रील सेट्र टेय वे.क्रांक्य प्राप्त प्रता हुना । अं दब द्विं त.र.रें स.पंबंध कर. हैर हो। । यह स.चै स.चै. अष्ट्र त.स्तां स गीव. חשבים ואבן בו בּיפְּליתל שׁ שְׁבִּאימִיתּין וַלִּיִּמִּיפֶּביתלְיתּלָתי क्षेत्र स्वयं स्वापय त्युला । न्यम केन् र्स्व रूल के हमा सहयं केव ला । कुलि'लय'कॅस'म्बद'हेटा। ।स्रक्षायर'मल्ला'सबर'रेद'केद'द्रस्यमर्गेद्'ग्री।। 도·용· 레드리·필리 조리·웰리·스레드리·디즈·디O메리 | IH드리·웰드·윌드·디케드·

बैट कर टूं हु एक ट । नियम पिश्र श्री बिन की योग राष्ट्र श्री श्री । सहर न अंभ द हैं व ज रवट उद्देर व। । रविय वक्षि छ प्रिर प्रि अव्य हार से उ च्या । धुर नायल अकेर पय छेर च्या लिंद्य मुके। । इस च्या ना क्षेत्र क्षेत्र में बन क्षेत्र हो। | बिट ८८ देव राष्ट्र होता | बै पर्ते पर् हु रूप श्राप्ती भव श्री भाषा । हूं ब त विरे तर पर्टे बेरट है वद म्यदा । अळव द्येरे कुद स्व इस दम द्येष रिकेश रहिंद रहें। ।दे हैद मिलाय महिनास पकुर राष्ट्रस्य प्रमुदे । स्या हु पार्य राष्ट्र प्रमुदे बिदा । भू प्र मे मे क क मानम स सर हिंदा । दि मे दि तम तम् त्तृत हुत परे हु। । अळ प द्र देन परे हुन स दुव स हुन । तम्. हुन नव्य श पर्वा पद्ध के पद्धा हैया । इस क्ष्माय हैय पर्दर त हिंद मेट मिंद्रा । ये वस वस विद्या में हैं देश में भेदा । विद्यार स्ट्र सिंदे हैं कर पश्चेल प रहेरा । निवार सेव. पड़ेबाब तर बेंद प रेश त वेबा । किल नुंद क्ष रें. मैं में. बेंच तार पर। विषय रख पर प्रेश हूं र त पर प्रेश वृ्षा । सिव क्रुणेश के किव क्रुश हो. विग. विष्टु प्रति । शहर परि इत प्रति र्नी. पर्व. इ. टीच कू वाया । ट्रे. टेट टीय अधित्य भी वांश्व प्रदेश पष्ट पर्या। रट.विट हें हे होगय पम में जवनिय है। । तम पन नेव महट हें यर रेण प्यःगुर । । गर्ने व पठ सः र सरः तर्ने पति ध्रेन सकः ठदा । गरः त्रा नवम रवर.र.हे.बुट रर्टर चबैनवा । भट्र.रट. हैं रसेंज ज स्नेश चर्यर द्वल दे। । अवत प्रस विर द सं संदे नुबुद दु हैं नसा । दिंद न्या है है है (३ १ १) सूर तिवाय ग्रे.सें.रेट.बुट.विषय विरे.तर.रे.हो.चर सेंचयःस्। । विनायते क्रें गुव लकायपुर यान्तुदारमा देव में केदे अहँ र यक्षयाय नसुका हूर्मा वेर दिल रेमायर है पा है पार्स पहें मार्स ।

# विश्वभारा वस्त्रं रान्स्रायदे स्था ग्री मेशास्य ही या

### 1. 口容內'다'「라'다다 품자' 주자' 기를 다'다다 ' 워디자

है. बुद्रः मैं. क्ष चेर्षाति । पूर्वाता विष्येता चेर् स्वीता चेर् स्वाप्ता विष्येता चेर रिपूर प्रही। इ.प् हीन तर, ने हेव प्रदेश रे वेश रे ने दे वेश । इस. क्रमा है कर, म् । भवः द्व पह पह्या । दे । भवः प्रमा । भवः मुन पहुषः दवः परि । देने त है। ।४वर्षंत्र प्रवृद्ध विषयः कुर्दा विषयः विषयः विषयः चेन् पहेन् यंते म्हामबेन् हेन्। । सहारी हेन् में न्यान्यामहुया । ल्पेश-पंथित्य, प्रापेष . रेट. रेबू त्यः ए जुला पर्वेष पञ्चा पश्चिमः सः न्युअःपर्हेर्'रन् क्रेन्'र्दे अस्ति। ।कर्'अःन्युअःस्व रहेन्'अवतःपरःर्ने च। । वर्ष क्रिवं स्वरंश क्रियं बिश्वं क्रियं स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स्वरंग स् नुषुव। ।दे प्यट हुल विवय १८ दुल में हिर १६६ वर्दा । विव र मा महीमा मा अह्य.तथ.त्रु. ह्या विह्नाचेश्वरचित्रवा अह्य. ह्या. विह्नाचेश्वर्थः विषयः विद्या नवा ।र्देव,कु,रेनट,रे,तम्भव,तथट,रेजे,२,७केरा ।वंबव,लट,ब्रु.वेट, हनाय ल. में हूँ र. रेनी विद्यमें र. दे होनी रेट वत स्थेय तम्ही विद्र त्तृत'वद्द'यःकु'वळद्पवि'पवेष'पह्द। वि'ळवःश्चित्'त्द'हे'यः<u>व</u>्चेद् ॅम्पाइंटर| ।ष्टर्वरङ्गर्देवरम्पर्ञ्चयात्रम्भागृत्यःध्रेट्। ।हेरङ्गेट्रम्प्युकः मब्ग'ग्रुल'चुहै'र्नर'चुरु'द्वा ।वेग'य'के क्रूर'से सूर्'ग्रेश'सु'ह्रा । <u> इट.वेट.२५.व.व.चू.५४.व७.व५.व५। ।४ट्.ई.टवेट४.व४ट.तट.व४८.</u>

विर् (अवायः श्र्मं विर्मे प्रारंभात् प्रम्भः म्थः मोन्ने प्र भीतः श्र्मं । विर् (अवायः श्र्मं । विर्मे प्रारंभात् । विर्मे प्रारंभात् । विर्मे प्रारंभात् । विर्मे स्थयः मेन्ने प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विर्मे स्थयः मेन्ने विर्मे स्थाः विर्मे प्राप्त प्राप्त विर्मे स्थयः मेन्ने विर्मे स्थाः विर्मे स्थयः मेन्ने विर्मे स्थाः विर्मे स्थाः विर्मे स्थाः विर्मे स्थाः विर्मे स्थयः सेन्ने विरम् स्थाः विर्मे स्थयः सेन्ने विरम् स्थाः विरमे स्थाः विरम

### 2. ଓଟ'ମି'ଝିବ'ଦ୍ୱିକ'ଣ୍ଡ'ସ୍କ'ନ୍ତ'ଞ୍ଚ'ସମି'ମ୍ମଦବା

मुन्स। विस्तहम धेन प्रस्ति हैन र्येष धेर म्युर्स। । पर्सर् नसस्य মিৰ নেদ্ৰাদ্ৰ দু শুৰ রূপি । নেদ্ৰ নজী নৰ(ই 10 ৰ) শুৰুষ নির্থান मरु'पहिलाहे। । सक् व हेट सेट्'य प्रस्य पहुंच हरा घर पासुस। । सन रेंव बह्द ह्रेचित तक्रिट स् लब जन परना । व अस अक्र हेट इस न्सुस न्हें विर हुँदा । वसल कर केल की खुद व लेल छ हो। । दे प्यद पकुर वि दद दे विदे हिंद है। सिंद विदे कर सि १व विष ८६८, विष चित्री । निद्य रेन ন্ত্ৰ নাম্প্ৰ ক্ৰিল কৰ্ম আৰুবা । কুৰ্ব ই মাৰী এৰ দু কুৰ্ব ই সামীৰ 「CE' | 우'자다 중 최자 오토저 드디어 최미지 이 미팅드지! | 1월드 필드 국제·정도 बुटि'न्ट **बुटि पर था । ३ पासुस** श्वास सु खुल पठल कुल ल हे। । **गसु**ट पःच वे अळ्या मी ह्युल झुर्रा ।इस रिष्टुर कुर वे क्षेत्र य रिषा केत्र नु। । बदब कुब लब हुन बॅटब मु कुद हु किया । रेरिय हे बॅर ५ गुँग ० विर च्चित सन्दर्भ । प्रविद रुर्दुल न्तर चेन्नास्त्रम् स से म प्रविद्या । व्राकेन् नवि ८५व हैंव पर पर्न पर्न विश्व हैया। । प्रार स्व मद व नविव रख्ता नवस से नेनेनसा । निग्रेल रहिर हील वस स्रोतर विदारहिर ल नस्ट्या । ल लानुः र गुव है र रण नैस पबेरा । येर सम्बर्धि स सहव लेर् प्र पाबुनास परिःक्रा । छिड् हु 'हेल'मॉर्सल'पन्नां कुन पनिग्ना । ह्युल परे.५ल'5' निम् कुर मेर्ट पर मेर्ड का । माने र क्षेर मर्ट र स्तर पर्टेण के मेश्र मिलुंब गुै। ∣र्दे हे'लय पुट ५गुल ०विर ह्यांला संगय बट। ∣५गुंब दॅरा पर्द तह्म बाके व क्रम त्युट है। । इस्ति कुर पह्न पन्द कुर नावन 2ेंद्रा । तट्रे अक्रव, ह्रवा अप्रायं अधिल, तथा वीश्वरं । विश्वेय देव, ट्रेय श्री. लव्य तुरु ने उ.पाया । इंबुरे ब्लैट रे राम्य प पश्चर दय प्यारी । ईर टुंबर इत्तर्में र क्र अपनिष्टर पठक गुर्का । निष्य एत र हिंद इसवास द्वार वैन्का श्रिल सम्पन्त वस न्युल रहिन पर्ने ने प्रतिहास । नुस रहिन

भैतक थ्रा ।

विद्या के प्राप्त के प्रमुन्त विद्या विद्या के स्वाप्त के प्रमुन्त के प्रमुन

### 3 पगत थि पष्ट पा इस्र प्रमुन् ।

विकार के स्वाप्त विकार के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त का विकार का स्वाप्त का विकार का स्वाप्त का विकार का स्वाप्त का विकार का स्वाप्त का

स् ।

द्रित्ता विद्यान्त स्वास्त स्वास्त विद्यान विद्

#### 4. ष्ट'तशुर'क्रेन'अदि'वव'सुन्य'वम्य'वम्न'वदि'स्नवस्य

पकरं.टे. तज् । विषेश हुं , पोलंबं , केंट हमेश कंट्र , पिट , पंडे ने अली । केंद्र , प्राप्त , प्राप्त , प्राप्त केंद्र , प्राप्त , प्रा

ता इस हम वत र्वट मुख्य था स्वाया । र्वेट्स वा वर् रह रहे हिंत निया निया में देगा व किंत क्या इस साथ हूं दा । दे के सार्या ब्रिट 5 तरुर. तब्रिका । हिंद त हैन न्याना सम्बद्ध हो। निद् अप निव अ अ अटस मुल रिंद नित हैंद। । इस अविद स्व सीव मुपाय रेग तहेत ला । यारेल धुन नम धु कुन हे नसुस मसुम्सा । मलन ब्राम् प्राप्त के मालक मुद्र परे कुर्। में हे के बर्ग मा के में ब्राप्त के में विष् ह मानिक केर. बु. स्वाय ग्रेया पर्वेया । ह्याय वाद्य भावर एसं क्र्य ग्रे हीय. **ढत् ला । पञ्चन परि पार्वे र पार्व र अर्च र न अर्च पार्व की । व्हिन परि होटः** चंद्री केषाच र्मेट्याचक्रिर्ट्रा रियाचिम क्राय क्रेल अर खेन न है। असस. ड़ियां क्व. ल र्रेर अथव ट्यट प्यमुर छला । ह व प्यवस्य दर दे हेट के खला त्। विष्यापर सुराविष्यार्गारायार्दे हे श्रेया । प्राप्त कुर् सहर व्यानह्नद्रामते मन्त्राम्य गुरा । दिन् नु विव के तह वान्यान ने व नहेदः श्चिया । मिणा. क्षतः क्षेत्रस्य हिस द्रस तर प्रतया । द्रेपीय चीसेस. अप्रिव, पड़, वेब, तप्, बट्ठ, पट्या, बुबा । वि. प. ब्रैप ता ब्रैप हो बंब पा प्रि. पर् नन्ता । इ.धी. नेरूट, हैव, क्रुबानि । प्रतान । क्षेत्रन । पर्या विष्यान । पर्या विष्यान । विष्यान । विष्यान । विष्यान । इ.तम्दी. प्राप्ता अ.ज.ज.इ...ह्रचेश १वं.र थ हें था ।चिर्टेट क्रची.हेर चेशेश. □हिंद्राध्यान्यतः प्रतिः पद्ना । सद्द खुका चुँद द्व न्य न्यतः कुँद हिंस हे प्रवृा। ने न्ना के दार्य के स्वास्त्र के देश के निर्मार मिले मेर मिले देश समित व स्वा मुल स्रमा । दे दे भेग तहेव मह के मह्यू पार्टा । दे के दे के मन कैट.च.भथा विभाग्राहः प श्रयादेश पर्टेर नर हो दिन हूरासे.रट. ५६ में प्रकृता । प्रमास्त्र विवास केट देश सर देव हैं नस वसा । गु. गु'र्इ'ई'स्निस'ल'पकुर'रे'र्र। ।रे'र्ट दुब'सईटख'छे कुर्'हे'नखुस है। अ.र.वे.श्र.वे.पट मेर्.४त्रा ल.वे.श्रव श्रट.चे.रचेथ.क्ष.या.वे ।

# 

### 

रवंब ते तबु ब्रूप ब.मू.रेज केर.श्रद । । पर्वेच त प्रवे च्.पबु ब्र्येब रेग्र श्री दे । रित्र स्म नु सम हे रहे दे १३ व स्म स् । दे वस पहुंद ए ल पे ७म श्रामा । स पछ्ते प्रार धुन इसस सम हम नमद हर। । किस कुन हित तहें व व्यास रे. अ वैदा । ब्रिस कुष त्राप कुर भू लू ले पे जाया । व लेह्र.दे.अर्घ.पर्वेच वेदिव जाचेच जोच्या विषया। |८वा४.प्र श्वांच क्रीश पहेच पर्व बर र्ने त्य अवया । ने र्ना इस रेन ह्या त विद्यार मानाया । मुन महि ही बेस म् निद्यं एह्यं बित्य ग्रैसा । हिन अक्टन रितः अर्थः देश श्रेन सरः न्याया | देवय स्टब कुस (ह 12 म) महिस मत्रामा राष्ट्रा | विर धेदः त्त्रमः सः श्रुव द्वार्यः वृष्यः । विष्यः व्याप्तः क्षेत्रः विष्यः विष्यः । विष्यः पर'अहरी ।र्ट्य श्रुषे हर पर्धेन हेन कर प्रमार' उ पश्चित्रा। ।रल्याया ता के ज्याय इथा वृष् ता के दे ही ला त श्वे त्या । या वा खेश ल वा व या लावा या व् अर्'ग्रेया विषयंतर्'विष वंसक्त्यालं रहे सं श्राम्यवा वि हे सं रूट ही इंस म्हेस स्वरासद्। । निष्ठेन महेद स्वराधिया पहेद म के छिर होता ह्रचान्तर,रेवट वैचा द्वेचयाध्य क्षय चेचा विश्व विश्व चयता.स्व दव्रहेंद्रप्यस्य वह मा विदेद्र व दह्य होत हुव हुन केव में पदी । बद् चैट. पहेश स्वीय कैल. पथ. जेट पडेंब. पढ़ेबें। विडेंबे त पड़ेट्य तह. देश. वर रत्ता तर र्याला । चि. श्वर. कैर. देशका छ्या छव. रर. वस श्वरा । स्वत्र चित्रम् नित्रहेद्र हेद्र ख्नापकु हर्नुद्र । । स.र.५ क्रम् सन्य क्रम् क्र्रिंग स्वया विर्देशकी अञ्चरम् के जिया विष्यत्या हि. सट कुर्ने र चर्थाचीयातप्र बैशा क्षितार् र्दूर हे खेनातप्र प्रविद्यान्य स्था विषय्य पर लयास्य त्रुवाय केव न्वयाबह्या । विदेशान्नामस्याप्रेता त्वेद्दी । विक्वास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र 다. 그 2 4. 설시작, 되는 소! 1회 8회. 중소. 이 첫 시작. 크. 갖고, 없다. 구, 근소! 1세 학소.

#### 

बुस के व ' सह द । । कुल मझ व गुलै स दस के संगत दुल म दे। । मझ व ' महे बरर पर्नावाच के दे हैं पर रहे या। यर के ब पर्व इवा बर रच है है है ।। भुस सक्रम स्रद्भामहर्षे तातमारालय त्रेषे। ।८४.अथ.पर्वेगक.हंथ श्रॅ४.मेळ्. पदर पञ्चा । वि.षुरं अपर ति.रंतेया बद्द भ्राप्त क्षेत्र। । पर्देरः मान्यं में नव्यान्दि के कराने हा। निष्ठा के श्रीय सार्याय सक्दाईसा निष्ठेयाणी । व्यापारी कुवापरयान् भेरी परान्ता । प्राथिर पकुन पार्वेन तित्व यान्य सत्रापुर्त । । । । । । वित्र हेन्य तह्य प्रेत्र सन्ति प्रति हो । ८ तुल चर्रः चन्द्र-बुदः हुँ 'डुवाबः तथवाबः खल तु। ।(इ. 13 च) जूटः श्रुद्धः ट्यूट्यरखेल.लूब्रचीयाइकात पहेला । तर्वत्राचहेब्रची लाख्यां यस्य व **⋧**र.बुल। ।बूटस.४८५..टै.४.इ.४.६.थ.६५.५७वेंट। ।चंबस.ल.कूट.४**ट**ल. कैंदे.४ ट्रेस.चे.पर्छ, पाथा । इस सक्रटे.अक्क.के.में.८ट.चे.४ टेंज.स्वेया । विराध्यायायाया मुद्रागुद्राया विद्रापुद्राया वित्राद्या मुद्राया विद्राप्ताया मुद्राया विद्राप्ताया मुद्राया विद्राया विद्राय विद्रा यरे हिव् तथा महर्। विवास मेर् महर् महर् महर् महर् पर वृत् रे त्वा विहेसा । ञ्च. पन् व ना श्रेश. र वेना पनेश संगया ग्रेश श्रेश । । ह व से ह न र ना नेश पश्चरः हटः पन्ता । दिवयः दटः श्वेषः लः पहेवः वयः लयः खः दर। । पहः केवः श्चैः हेब.पंब.रच.चेबंब.ब्रवंब.ला विद्दं ग्रै.चर्चर.चैंब र्च.एचव.ब्र.लब. पवटः। ।वृषाः वृषः सः सः निष्यः सः निष्यः सः सः निष्यः सः सः । विष्यः स्वर्षासः श्चः पप्तः विचाय रूटः चाल्रः परः बहर्। विरः ब्रेवः स्यः हवः सहवः हेनाय केलः क्यः केला । शिन्तरावर्णशः र्वेन्याकेन् 'केकेन्' ग्रैकः सूरावराक्षर् । । स्यन्याकः केरा मेरेश.ग्रेश.रट हेट.क्स.रे.नमला निर्मट हुल.चवट चयाहेब लय हिट.रे. तथनावा ।व्रद्रात्रिर'इटवाप्टावे रहि पाना हिन् भवा ।विर हेव पन् ताश्वयान्त्रव में क्ष्य विरा १६४ क्ष्य नवर त्या सहय में विरामित स्था

नर्र। हि स हेब गुराति पत्र हैं ल नर्रा । विर तर ह्या था छेव सब दर कुष बहर्। । इसे धुेरे पण्य पप भेर रपर घुट येट यहा । रेब पक्षित वोलय हर लय अस ईस ट्रिट् ग्रेस। Iतबट तप कि. क्रीय पत्र घ १ वस प्रवस् । में लिट पनी में ल र्पाल हिंद है पन होता । रिह्स पहेंद चिश्रिक्ष भाषा ।विष र⊏.ञूल कुँव ञी चीनाय छी ता छी। ।यर.पाळीञ प ≾्राय लियाय माहित हेस एस्टि(इ. 14 वे) अट । िएलयाय माबिट हूम इ.ह्म जू. र्या गैस हैत। वि प सेट केद पकुर रट रट हिंद स्वाया। रट कुर ञूल पबीट त क्षय चे.घढु पश्या ।रिताल चिव घा.घट मोबीट मु लघा.जूल हुस। । बट्स रवं वाप ए बैंर झैं. ईसस ट्रे पस बैस। । ८ द्रि. पू. व स वैसय. त भी में व क्रिया । इस वर्षे व हैं र इसिय क्रियामित ह्रियं अर अक्री । द्हें जू.की ब्याय गुँच एकर. 9८ होता ।य.हैं.व पय रूप ८८ तद्र गुँच. बुसा । तर्न स्रुप पणर पपन र तुः सेसस महिस सुरत पवेर। । महत् बचारत बैट ग्रेब अब्रिब लाम खब प्रचेश । ब्रिक्श क्रियोग अर बुध झे. क्रुब. पञ्चित्रा । र्पाश स्व क्रव श्रुट ब्राप्त गुरु रेग परि क्रवाय। । रहिर से प्र अष्ट, रेजूटक तर. चर्चाल देव सेचेवा । वि. ह्ये विट क्व अकूच, रेट बटक. क्रि.चंबट.। ब्रि.अप्ट.चर्यर.क्रि.यंब होला विल.एट्स.क्रि.ल. सिवस,त देश,विवेश,जूजो । वृत्वे घर जू. कुर्य, घंय, घष्टे, हू. पूथ, शुणा । तर. 2.६ बैर.७इस ब्राय.क.लंब.पची। वि.भ ते.हूव भाव्य.पह में सकूर. रहिला । मान्य पद्भवाय कर वसान्य पर सहरा । तर्मा पर्मा स्था हे. में. इ. च बुर च नाया । चूर. टे. च में ५. इंश है में. ६ थ. वैद च म्पश । निर्द्ध. द्यारायायः नृतः भेषः दाय शुग्य गृहेव। । ह्यः सरः रत्नेवः ह्यः कनः नक. कुरी ब्रि.अ. दुर् नचट ने१३ र ने१ व में लिनेश विष्य विराधर. रम्ब सैन नयर न्यार, ननव भूर। । बर तर वर नर केंद्र अर्थर अयाचीर ন ব ে । তেন্ধ ওেন্ধ শা নাই ে ইলে ইজে ল গুন্ধ কীব। । নাই প্রিই निक्षित देव केव मुनाय नामा | निक्षेत् हेरे निक्षित सर्य में देश मधा । लर्ने पति न्रेंस गुम हुँ न स है कैंगल नि । । गर्ने न स्व ने स हुँ न क नि उद इसम मुदा । ११ मे ५ दद मे नेम द्याप १६६ (३ 14 म) ग्रुम। । न्द म पर न्दाय बहानमार प्याया भेदा । निग्रीय रिवर केद महि हैं श्चिम द्रा दें। । विद्रायर मानेद श्रीराणुवातदुव द्याय तहेव विष्या। । देश चकु र ऍटल ०९२'व्रणल कु र विष सर चुटा। B दर'ह म सु'दम के रूटा च्य रतेषा । र भ्रे बट बहु य देवय पयः प्रद्यान्याय रह्या । र. यहः लियम हेर पनर झेंच झ.व रलवाया । वाहे. खेंच हवाय केंट अक्ट पहेंट स. कुरं ए किरा । तसर त्यार अर्थ त्या क हिर हिए खेवाय स्था नाय स्था । तारे अक्रयो लिवाय ज्ञात हे में इ.र्रेवा दवा । एववाय.तप्ट लेल रेट.पर्टर.कट वल.कुर निर्वासिनासिनामान्त्राचा स्ट्रां । इंट चेलचे इथाचे हे अन्तर्भाष्ट्रे खिनस्य स्वाय प्रया । अर.ट्र.विट एलवायः वो इ मः स्वायः क्रीयः पश्चित्या । ८गुरार्दर अळ. श्रुयावन दाश श्रुपात्ता । १वं ८ गुटा वृ र से शेरी श्रुव गानवा पवटः। ।स्रट्य ह्र्यश्रास्ययान्य पर्वेषान्तेराच्छुः पष्ठिय **ग्रायश** वार्द्धः चकु तिहेत तर्मेण'तर्भेत के हे खेलाया । तुःरेते पकु त स्थान्यर हेत त्युस र्ट रथा । विर्वत्यवायासरार त्र्मा असार्मा स श्रुप्या । प्रदेव तप्रमुख वक्ष श्रेन्वित परानु पञ्चेत्य। । स प्रामन्द पदी सदया कुरार्धनाय प्रदा שבישושיבה בל בי ושי בריבין ולמ טבבים בי בי ש בי מבותם שבי त्र के कमान्युव रूट लिन्य कट विष्य । श्रितः न विष्य विष्य हैं बलान्द्रियासम्बद्धाः । बुर्पानम् ब्रम् इत् स्व क्रियासम्बद्धाः । सः ८चुरापन् र्वेतर् हेरे पर निवस्ता । ईर केश्य है दि क्र के पर क्रिया किंट में ही सर केल अष्टर है. तर रलनाया । झेन हूर है. यर यहन किय नबट पर पर्मा । प्र स मानिय में स्थर मुन्य प्रिया प्रस्ति । इट 黃ər'ğic केंद रेण राय विषय गुराञ्चित। ၂명도 रायणाय हर (중 15 द) पारे न्यार ख़ूल १म स.न। । श्रुव श्लाम अष्टर ग्रुयः नहेव सह अ.स. मंथ्या । सिन कुं केद संरेप्यन्द अंतरह्म पकुंद दि । गुंद केद कुल अवाय कुंद दहा निविद्यान्यमानी। विनिद्रस्थ नियम हैट खेद क्रियामार्श्वेय है सम्बद्धा मुं अवाय भिर यर रच मानय मेरा। । इरि.री.रचारण विव क्ष स्वाय मेरा हा। । इस्य भ्रिव भ्रिये स्था भ्रिया विष्य । विष्य विषय हिन ल्य न मा । व क्रूर मन् नुर र्नेनन महि मा केर महा । विद ख्रेनन हिंद्य रहेर बुव वहेर बेद राय उदा । दे रवा वागर हेद दस साम प्रवा र् . ब्रेटा । ब्रेट्स वस्त्र मन् प्रमार नार्ड . म्रेट्स स्यापनी माने वा । ब्रीट प्रमार प्रमार माने प्रमार स्थापन क्रैट:र्नाल पत्याक्षर:ब्रेटा। ।रट:खन्य गुर बहित रट:हिट:क्रेल:प:बसा। बद्यम् मुद्राक्षरे यस् प्रमृत प्रमृत विद्राप्तर सहित्। । मुबुद्र केव प्रमृत प्रकेश च्रींट्रिंचेलालाचनवा । ब्रबान्यव लेन्यान्तर हेर्द्रान्द्रलान्द्रकी । देट बट व प्रतः देव मुकान कर पत्रियान । तर्मा पह्रव मु नक्षर तकर इंस. चंद्र- व्या विष्यान्यमान्यस्य न्या हेरा हेरा हेरा है स चक्रिता । श्वित. पक्षेत्र ह्येत्र, अस्त्राय विषयः प्रेशः तार्था । मार्थः २४ विषयः ख्र.नक्षेत्र,४.५२७ च ८८.च4८.क्ये.क्रे.वैट च.च€्र.चष्र श्रीचयःश्रा ।

#### 3. 賀ロ'ロ夏ヿ'や「キ'ボスれ'辺' 夏ヿ' ロ'ロ薫ヿ'にん'淅ロギ!

त्य प्रत्यामगृह'मकुन्'म् । मृत्याम'कुं'चेन'कुं महुन'कुंच'म। । वृ

त्युर प्रकृत मेर मर् ह्यु नेमन प्रविध है। । ह्युर हे तर कुद प्रवर्ष स्र ञ्चन ने वेन ।नात्य ठव पद्युव यह नेत् कृष्ट हेह। । युन्य पद्धेत नाब्ति नु केन महे मनार देव लगा ।यन्य कुष नाकृष महा न र मेगा । विव भूर.केंट.हूर ले.लेंट २ अ खुवा बाबीटया। असेल निव ईसल ल झैव रा कुं. □하는 첫째째 | 월리 현대 때투려적 다 다적의 최 명다 다고 다랗어! (중 15 다) अ द्र थ प्रमू प र्मू दस है 'पहेर अर स्त्रा । स्थान प्रस् राम्य प्रमा प्रमा चन्द्र अस पुरा । दिसल केट युन्य चहुद हो रॅस द्नार चल चलेंका । रैअ म २ ५८ च में द यन अहेर है। । बेबन हाँ मार्सन मन गुद मनम कुल प्रैंद पञ्चव। । वे अ १८ में अव ८ म हिंद सुदे पठवा । दे पहन प्रूट केद र्वार रच विष्ठेय यय पहला । रिनुय य विनेन सूर ल ब्वाय विद्यायः कुरं त्या कि चजारी नेष्ट्र श्वन ट्र्यं चल्ले जय शह्या वि. ७ र्से जा यह सर परिंदर पुरायरे मण्य। अ प्रमु प्रमान्या प्रमुख दश है दार्व प्र १९८। । तिरूव हि ना ने ना कर्य ८८ ह तर क्या । रूट वर क्या निवित सक्रम् में निवेद स सम्मा । निवेद स मर स कर महि पहि गुप मन चश्चीत्या । अक्र्यान्येषेय श्चर चश्चित्र वेश स्व देशवाल स्वाया । देशः सर्वेषः रैक मुँव श्राप्तिर परल प क्षा । नुब अवर व्यावाय प्रमुद के दुवा कुष पर 저른스! 「독,덮세.육,顏스 비옻고 붉소 山은드 山스에서 스드.」 「글ㄷ.ㅇ글어 읍ㄷ. প্রনাপমনী সুবি সামধ্র। বিশা হার মাধান নুষী বিশাধান প্রধা खुदा । पार्ड व्यर श्रुव रल पांचेगल न्यदार व्यव की पकुना । व्राह्मल पन्य ह्वामातामात्वस २व माळा । भुग्ककेनामास माला वारामा समा मा । त्यान्य के द र दे न स्व च च च ही । विन्य दे मुन सबत क्रायातावियात्र्याता । वियान्य तह्य न्वाय द्यातवित द्वा वियाना। निविद्यालस नहिर पहिरामनिक्ष निवर्ष प्राप्त प्रमान । वि द्वार विद्या

बिन्य स्वीय पत्राः भूरः रेवी। । शि. कुर उर्वेच श्रर नर्चारः नत्य चीर्थय पहिः चरुर। । अं द्वा क्ष्य र वेल इ च बेर् च र दि । । वें च लुर ला स्थ पर् हूब नेबाल क्षय ही। निश्च म नेबिट.एन जम. टेट उनेब नेट नेवबा । थी. न्द युन्य स्र से व स ति व । (३ 16 व ) न स्त । । व । स्त स्त स्त स्त पद्मेट व.र्चिश्वेष पक्षा विद्येट त्र.चे.कर.त्र.भ्र.पञ्चेल पर्केट.र्चिश्वेषा वि.फ. र्टा । भर हूर्रिन्ट कुंभर शुन्य पढ़िर न ह्रिन मा । बिट न कुर हिर्र तथर या श्रित है। विया में है स्था है। है है। इत महिया विया लियंथ हे पर्क्र पक्तिराधका । य श्रे.खं.बाह्य केंबे.टंटा किट.तट.टी । य जीयंथ. क्रुचेश चर्चेट स्ट. हिंद चेटब रेचेट.तो ।श्चिच चर्चेट.क्र्य.क्रुवे स्रच. बंब ०६व श्रुट होल। । प्रचेश हर प्रश्नेर हेन्य प्रचर के अहे हेर के या । के हरु लिचया ग्रेट. ग्रेट क्रिय स्टारह्या । निर्चाट निर्वे निर्वेट रहिय यू र्रे के है.क्षा विकाष्ट्रच सहरामन्त्रास्य दृष्टी मन्तर् सुनामन् । मा केद महिरा ननस्वित्रस्यात्रेत्रात्राहेते । वृत्रानकुत्रत्राकुत्रात्रानुस्य मित्रि, वित्र विर्यं स्वर्रस्य कटा नहीं विर्यय स्वरं निर्यं कर्ष विर्यं स्टब ग्रे.चेड्या विषाचयातिर पडेर रेचे हिराएक विर खना विराय ऱ्य सर्वाची. मृ. कट. क्ष. ता. ही। । कु चढ़े. इ. चट्ट. चच्चेट. ५ हु च. च थ्य. हे। । लयो बीटु. श्रुचाकार हो होता वि श्रुद्धा किंद्र होता निकार केंगा विदास होता है है । चकुर लन। ।तेट व्रवार चुनायर क्रेंर ब्रद्धर घर प्रतान्त्रका । चुनाय केट ने रिया अप्ति इ परि प्रकृता । वर्षा मन्य अर्थ प्रवेश के वि अ लया । गर केट नब्द वहर बहु सर् सर्मा स्थान । विराधर ब्रिया वहर विष इर श्रव तप्र क्रा । रिग्रेश बहरे प्रायं प्रधान विव श्री पार प्रमी । त हेव. तपुरेषेत् भूर हिर्रातपुर्वं तान्त्वा दिन्यान्यानम् ति हिर्मा

क्ष. देला । मिल च रे व ह जूर भ ८कर गीय जिल प्रत्मेश । ज मुना प्रे भी. मार्चीत तम् कि तर्षु। । बिताय अहूर अवर बेता कि कि किंद मूल धर्या। पन्त हैं त् ह्युप परे सव (ह 16 प) ग्रुब धु वरे पहुन। । শ্ৰेर ळेंच ह नर में र तरु क्र क्रूर हो । इ क्रेंद्र स हैं न प्रेय पहेंद्र हैं । ह्येव हर ज्ञा बहर हुन पक्र हूं हुए की । रह हुन परिव त क्रा है हैं वे पस पर्जेला । सिवस बित ईस पश्चिस प्रस हैर परित श्रित पक्षिता । वर कुल'दे गुरे पण्र पपर इ छे ग्रुका । हे रैट हेर छ'तुप परे प्पर'वस मायव। तृ मेल हेल पड़िट हें अठर है पकुर परवा। ।माया पर्मा स्थि भर्में द 'पग्र अँथ विर् पर ठदा । बेर् अवरे पुर बेसब रमर होना बेर पर' पकुर। । स र्र स पश्चर त गैरे रें हेरे केग । 5 स ग्री सबर पट शुप परे রেষ র গ্রীব। । শুন মার্ল প্রকাশন ন মান্য নার্ব দেব মাঁ। । শুন इति सम्बुधित, ह्युर्, स्थिती । पर्देर च्युंश रथाता. सूर रे अर तर. ल्याया । इस. वर. व्हेल अविव लच्चे अट चन्नेल अहर चहा । निस क्र ह्या नम्ल'बे'चेत् हेल'चु'ना । से खे'नर नलुत्र नसूद लव नद में दी । वि ब्याम् प्राप्तरास्य स्राम् । पर्कित्रस्य जियानामध्य स्राप्त संस्थान पश्या । हु। स स्नापित मेल ८ द्वेर पढ़ी प स्वाया । भ्रीत ज्ञा वार्यका स्वापित अर भ द्या । तर. त ह्य ट्र व व क्याय ८८ वर्षे । विट. ४ ल्याय. हेट. न्द न्वित्यायश्य गुव न्विरे खिवया । यि केव क्रय न्याय हैव ग्रीय सेट रखा न्द्रमा । यद सन्दिस क्रम महुन् नी निष्ठ मन मु हिन मन मु हिन मन मु र केर में ला । निरुष्ठ हम जुल के हुन निरुष्ठ में निरुष्ठित न्नॅंद्रयार्द्रवासाम्बर्ग ह्रेम्य यदे क्रेया । साम्बर्दा हेन् दे ख साम्बर्ध सेना न्दः। बानरःरम् १६वमः ग्रुःचगरः चंत्रयः सुः चर्तुः । स्वयः सरः देदः चर्गुनः मुल'बर'हे' पर्मुत् लुनाया । गुन सरय'यहन बेर ल'लरुवानहेर नहें र

রবাৰা ।পুৰি পৰ চু অহম কু কু কুৰ কবাৰ হা । । কু কুন কুৰ ল ইনাৰ 🐧 स प स्व'पारे (हैं' 17 व) पहुर्। | हें हेरे हल रुप्टें र हें गया रेस गुव भी है।। क्ष मिल ह्रमाय स्थाबित जया जुनाय पूर्य ता। । रिश ब्राय कु क्र न त ह य प्र । | प्रे के प्र १ दि है स प्राय से मेश | 1 में में में के 'ही स्र स्र ଷଦୀବ ନବା ।ସ୍ଥିୟ ହୁଁଏ ପଞ୍ଜି ଅଟେ ଅଟ ହୁଁଏ ଜା ।ନୃଷ୍ଟି ଅଧିକ ଯୁ मियां कु कु ह भा । व्रिया ह.स् ४ तृ २ द भ ८८। । राज विट में प्र महास न्दा में है ने महिल कप सि से । सिन्य सिल महु'मनुव गुव श्रद्य केव मॅर'९नु। । ग्वव षट मॅ स्न रेट य में रेट य। ल इंद ख़िन्य के ख़ रु क युरा । विद यर यह व य य वि स्व गुव ० विव है। ।ईन:नुस हैं हे रतकर न्रस र्सेल पर सर्वेदा । रेन्स स्द न्रेस पर नगर नकुर स्वार् मुद्रा । गढ़ी लब र प्र स्व हर के छेर हैं हे न सुका । नक्षेत्र श्रीन श्रीन क्षेत्र भव भव क्षेत्र भव। । देव क्षेत्र निमाल श्रीना श्रीन **열도,다옵네.다! |되나고 열,다 본 말 상도 중,2,다! | [음고,점山,충,먹숮,월,** क्षेत्र वर्षेत्र वात्रक्षरायते सम्माना वात्रस्य । वि ५ द्रमर मान मान नश्च ह्याचा । १ ६ ६४ सव क्रम्य विष्यान विष्यान विष्यान विषया । विषयान विषयान विषयान विषयान विषयान विषयान विषयान मेट हे. इसस ग्रे वैट. घ. घट्टर. घट श्रेमश हो ।

#### 4.39'494'67'85'45'44' 4.39'494'67'85'49

अर्थ निब्दा । दिना व छव रा व्यक्त अर्थ राज नीय नामाया । ही 🕨 🕏 विमेल राय के दि है यह केरा । मिल्लिक के पहिला स स् म दूष का । मिल्लिक ति क्षय मिथ स्वाय हे ईय एसंस्था । ज्विय मध्य श्रुष्य न्याय गुद ह्विय हूं इर् सर्। तियेश न्य यन स्य (हे 17 म) ने बन ने बन सर सरा । हिष्या सर में विषय पश्चर हे पन्ता । इसे की न्यव विषय हिंहु पारा । यम् यते यह र् नेय छेर यह र् ती है। । यापत सर यह स अय प्रें हुना मञ्जामका । गासु स सम्भाव में ६ ५ सर हुत सक सुर। । ५ स्ट स उन त्यन्य अस ज वु हु है सा । पञ्चिस परे पन् र्स् द द द पड्व ५८। । क्ष मु बैट तथ ६ ४ मोल पश्चिर १८ पनीरा । ८६४. राज पर ह्यें र ब ज ल द्वा पश्चर। । कु प्रस्ति व्येष पवर एवं सबर जय हा। । कु पर हैं प वि इ लि क्रिया कर हिंदा विद्यार कर मिलुट विंग अर हैंद मुन है। । मुँचारा गुँ ह्या स्थायहर्व ख्या हेया न्या पार्वेचा । पाल्व सेल न्ये न्य स्था कॅर 5ुम द्व वर्षे। । गुव सव महुब वहर दे के रमें दब रमें से हों। । केंब गु चिवाय.तथ ६ च कील ४मुंट चर्चिया । ताब पानी ताबु प्रथ्य हु त्रीय पाना. ख्ल हुवा । हे मैग टिल केंद्र घटे. होट ज्याय कुंब ४ त्रांजा । केंज २ दे ल कें हे स्थ मेर हंय प्रात्ता । इस द्य द्राय द्राय द्रिय सकूर्य) मेप ह मर्थन. त्य वर्णेला । बु एकू स टे. वर्षेश यो अ वी. जश वर्गेला । वर्षे. मूं ब्रेश शहर. मन्य न विदास्त स्ता । हि न नुव है सारमार देना स र मुर सा । है न र भ ह्म य प्रष्ट क्षेत्र ग्रीय पश्चर। । बि अस रमाय मोट्रेर ह रिमेल प्रस्य पा बहरी । तथर तथु तब्रैर ४हर थर बेत बेट बंबर क्रिया हिलालय विट गुरुव वि प्राचित्र वि कुवा । विप्रायनिय सम विव द्वान पर प्रदेश हैव र्यटा विष अष्ट्रच पर्यं प्रवादानंबित में अष्ट्र पश्चिता विषय सेचेश. न्म्र पह के. मृ. गुर १८ मा वा विष हे में हिन विष हे में हिन क्षेत्र के निया

मल। ।इत वर्षेर हुँ ५ ५८ मलव ५माममण है मही। ।५८ अर मण्य है वित् कुं ति वो शः हिल पालुका । पाई देवांच अर्के पा चुर (हः 18 द) ५ लॉव अर्के पा न्सुअ के हेवा । ग्व के र्न अर पर शुर्य अर्कें र हेव हुर। । ग्वव र्ना 55.रिथं देशक ग्रेथ हमान पड़िया। ।इ.श् क्र.प्र.एवंश.तर एहत्ये ब्रेज. ला । इटब रेट. हा सेव पश्चिम भूट हे. दंब. पश्चिम । वित रेपट मेरी नंब. मर नह्या सार विश्व विष्य विषय विश्व के ती है मेर ता निर्मेर परे मैं में में के लिंद हिंद बेर हा । पहेंद लिंद में में हेंद लि है पर मन्त्रा । मन्त्रम् मन्द्रम् मन्द्रम् मन्द्रम् केद्रः स्रा । प्रमन्द्रम् मन्द्रम् देव केव प्रविदः भी बद्दा रेच रेटा । हिरानिमाय के व नया हिर मिलाया. क्षमा । दर्भ में निवेटयान हे के वि निवास । दे हेय से क्रूरासर र् प्रमा । निष्य केव प्रके पाले प्रमाधि के के के प्रमाधि में विषय । म्ब. १८ में प्राप्त प्रमाय विष्या । १९ में प्रमाय विषय है. स्याय प्रमाय विषय है. पर्वेश कि. अ हे रेट. चेबर चेरेय. तूर र च बेबरा ।रेट्स ज़ैस हैर. विष्यः क्षेत्रः केर्पः प्रतः अर्द्धः वा । श्रु ८व ८८वः द्रमः क्षेः मञ्जः केर ह्याः तथा । तभ व बीब पर्वभः भी ८० भः पा है है। । ह अकर व्य पन्नि र ल. विन्य बर पु प देवा । शु रव बेर पु य नव्य पकु र अर्थ हे व पकु र । हैं निर्व के भूर मेर मेर हैव पह द्वा पढ़िया । मि हैव रे अर्थ किय मर्डमायामा । विप्तापार्वित ब्रेनि ह्या के प्रवेद सब्द या । विश्वास्त्रार वेदा तह्रव, है अंब. Galया । रिस्तार्ट वें प केंट चें म ही पत्र, खें य संबंधा । पाप म् ह्वानर वेता हेट पर रटा अववा । विष्टर रविश्व रटा वेत हेटारट ज्ञाल नव्या । त्र, दे. प्रयार्थान्य, क्यानेव्य, में देशका है। । इ. श्रामा, इस मिर्गा में विष् लयः इद अनुद महित महिता । नुदुर्द सिनायः महाअराम्मा भित्र हरा महिता वा 복소·급적·절여· 즉독·여급조·다들어도· 국제· 레마저 웹지 | [명독·대조 다들·를도·

तहमानेत नम धुना अठन । नड्न सना ठें से में हैं मारे इस नधुन है। । (३ 18 日) हर अर्थेट श्रॅं १९८४ श्रेण में पर्टेंट क्रुंट बैंटा । टेंबार हिंस हूं अ तमुद्र पुरेते पुर बुर बर्दा । मु देंद्र मुब्द सुनाय कम केंद्र हुँव स सद।। ष्रिम रेमाब नु'स व विरे सुल'द्व रचुंद । । विन् नु'ईद शैव रयम्ब सुल' अपिश त लक्ष । मु क्षेत्र पश्चार ल र्घे पुर के के मिरे ग्रुप । मिर् ल हिर अपिति तथे पश्च परम प ८८। । शुस हिन्य य स्मान पर ८म मुख्ट. चकु न सहरा । पाल वि सुस स स्वाय ग्रैस रूर कुल होला । च के पाद स गुरा न स्व हेन्य श्रेंय श्रेय स्था । किंद्य म्य विन्य के के देन में द्रा । पर्त है 'पर ल देट प्र न्युन त्युव य वहन। । न्यट में र रेस प्र न्युन ने र भूत मैंव भुन तथा । १८८४ पर्यंत पर्देश त बुद वेषु पर्वे पर्वे पर्वे वा । ब्रे पहिन सन्स है। तथ हर पनि है। 17.2. रहे स र.र गे.स. स्वेया । स्ट स्ट अध्य तय. श्रेय टिते दं विवेद अट. त क्षेत्र । भ्रेय तय. त्तुल सर् कृत सन्य रूपाय रूपाय स्थान्य। ।दे के कृत नेव नार्देश त्य नार्वेस स्वायाचित्। । श्रव की विवाय से किर नहें वा हिन हमें पर्टी । हिन कुर ब्रीट्य. महें ति हिल ह्या ल महें ब ब्या । हिन महि करें ता उस हिल कर हैं करा । बिर अपर है। अदे पश्चर हैन विवाय पनि है। नि हेय है अ खैट पय नहेय. ब्रीयान्य । पिर्यायान्य ह्वीराय पक्ष पाल ख्रायान्य । विर परामध्या पर्याक्षेट म्राजनबानम्बात। । स नश्चिमान्ते सक् क्ष पर् प्रचीन व्या भियालगानमुन्ता यावित अहत्ता । वि व अहय् नियातमा ता ब्राचिता चु वृत्रा खुला नु देना स्वा स्व सहना वसा नवा । विलापहे कुल'र्ह्मव गुरु रेकापर पर वर्ष । अंट पर द दुन्न सु लुन्न केद नेश्वें नेति । । । । १३.४८. जि. च वर्ष , जियं व व्यत्र , रेट । चे.हे.श्रापत.ग्रेस पश्चर पश्चम वर्। ।श्रापत.घर पर्मेस (३ 19 व) पर.

ब भ-7 ह बैट। ।बु बूट टेंब र बैंज तपु बब नोबेश मबीट। ।ती,कें नि. बेर कुल हुँद नुबद्ध नुबुब न्दा । । कु ब्द न्द दें न व्दे अपय नबुद क्वाया । म इस इस श्रद महीर श्राय यहेर घर ह्या । रह इ में है. सबर पढ़ी घ झब पकुरा । छै रूर कु पाबुद छ हेल पहुँद अद षद। । रेव केव पनर वेंच पकुर प होंग प लगा । ये हेंद हाव प के पड़ी पर मकु दी । बद बेन दर अनेद नाषु ईन माल ईनहा । मेंद नु नाबद यद व्यक्षय व्यवस्त्रीया । अनियास विर्मुर मुन्यस्तर हे स महेदा । म्रियं मुश्य मार्थ क्षेत्र क अवत लक्ष हा । वित्र हें व हें द हें व प्राप्त मान प्यापक क्षित हो व । पार्की राज क्षायरा गोर्बेट पञ्चक स्तृव जाय की का । त्तृत्रपुत् प्रति कृते श्रुर म महत्र महत्र समासा । मामारामाहेर मानसा त बुन चुन कर स्व बन। । नकुन शिल गुव तनुन गए र्वेण श्वन चिन । न्याय स्व होत पर प्रायम सहित् नहिंस सु दूरा। स्था गुव प्रायस परि पढ़िर,धिरल केंटे कु कर। । बिंगे ब्रांच किंटे तर कुथ ४ प्रिर. तश्चर त. जा।। शब्द पह कर पर्ष पक्रि रहर कर अर क्षेर । विर पालपा अथा वर ्मान्स्रति ८५४ द्वारा व्रिय येथ संचाय कु अटश क्विश क्रवार सिंदा व्यापा । दे पद्मेर मुख्य प्रस् मेर प्रस् हेर एडर अहरी सूर हैस दिस्स. कुंबानिया प्रमा । हिंद तथ अर्च केंदि. इथया राट टेंब राहर की। विह्ना पर्षेष शहरी । तिया प चिर पर्या धूर्याय ग्री.४८ ञ्चार पर्यापा । विश्वाययः लिया अक्टर चीत हुन प्रिय से ग्रीया । रियट ब्रिया खे. अह. खेया प्रिय प्रिय कुल कुरा । ब्रि. दस पञ्चर हट. खेन प स्निय कुब ए जेला । ए वैट. इस. प्रेट हैं हिम सब दब सार ला । । पहनाब बब कहर हिम देन पहेंबे है के हिम ac.) 1년 84 (8, 19 전) [1 명.년 2 전세적 집적 및터 다흣스.①드! 1줌.

त्युर पञ्चर के धेक ख गुर अधिव हे या । धिर हॅब नेर पर कु केंस नासर' त्युत् अत्। । कृत प्रणाय के धर मान्याय के घर अ मानुपा । मा**र्वे**त तु प्रमुप्त विषय विषय विषय विषय । । हो सिंद प्रमुख सहत् विष्युत सर। विव हुँर मूँग समर मस गर्भर मुल मह धुरा। । दसर सेर उत् लियं वर्षेत प्रयाद अकर पहा । व्रिंद व र्य हिंद देव रेव हिंद है। प्रया सहरा । अह्य नहूर अ है व रट से क्ष्मां मंत्रा । व र प मुं रंग सूर प्तान्य हीर स्वाया । अर लट एक अर अर बुद अरूर हेर अरूबा । कि. रियोश इस पन् पर्प है केन में हा। । रिप्र रहें सन्स सकेस के स के स के त्युर है। शिव पर पड़ेव पड़ेश में ए स त्युर री। वि अ द अस दे स. पह प्रव त अरा । नि देव देव पहुल पङ्गव पर्वत इस न्युस सहरा ।देः र्न मूट रत्त एवनेब तर हुन पन हैंट। जिट्य हूनेक नेयल बहर. पस्य परे हेव छेत दें। । एहेण हेव पस्य परंच गरी में स सर्वा मा हे वर्बिट बेट क्ष्वाय क्षेप चय वर्बिटय च ग्रेटी विषय पान हिराटी मानस. इत्यस मिल तर अहरी निर्में ला.२ क्रूस मिल.इत्य हर्न मिल पर अहरी निर्में णै लिंद से हिन पु प मेरा । एल केव में हुन खेन केव नवट स्निक हैं। । प्टींट प्रचीर.जब व रेंच वी.च2.चेहेब थी। |र्याय नंद.चिल.च्य ह्राय **नंद**. रेल गुन रहेवा । मु खल हेव म ८८न वस मनु ५८० महरा । ५व.मल केट है है रे दे टाल पक्ष व प्रतान है का | रिया मह काम प्रतास हूं कट दु हिंदा | सर् तत्व गर्दरार्श्वत्य गरान्ने गसुस मणुरा । वि खुल न्य महसायुरा वेशव सद व्याप्तिषा विवासक्, क्रिया विश्व वर्षात्रा । विवा हिंट श्चर-ट्रिय पञ्चयापरुषानावय। ।्रेर-१०हवायट प्रेवाश्वरायहेव दला स कुया थेन ल(इ. 50 व) रेट. ई.व.ज.हा ती । । वटस.वय मिट.स्वीय. विना के व हु = न दा । विना द अव केर दर द सुन व बुन प बुन न बुन ।

## चष्ठ, स्थ. य. ख्रे. य। स्या स्वापार स्था विश्वरा श्री प्रश्ना

### 

बु,मा क्रियं, 2यं, सेचां, स सङ्घां स्वयं, सिन्धं, सिन

माञ्चालाय हवा । परे पदि पद्माकि मुल्ल श्रम् स्वा पदिवा । प्रव लट व्रवास्त्राच पढु पाष्ट्रवास्त्र स्वास्त्र मान्त्र तुर हाँ मूल ठरा । तमूर सर नाम्र अर स्वाव कि हीर व नेवा । तक सिर अपन भैट टे. १८ वर्ड. अवर. खूरी । ट्यीप. ४ व्रूट. प्रथा अनिय इंचया वर्ष हीं या नेया । जिर् व वर्षे र मायुक्ष स्व देर हु म्या । पार्रे र स्व कुर् (कः 20 न) र्टात्र बाव्यार्ट्र कर्रत्कट । । वर्षे र व प्वकुत च रवा केवा वर्ष रवा ध्रा । कुर'र्द्र रेण'रा'न्युअ'लय र्ने'र्बेट अळेन छर'रार इट ०६न र्रे' हर ल.चेबाना । बिराम बुराव विवास बुर रुद् : हृद्याया अववदा हे दे प्रदा विश्वसारुद विद दे प्रदे हे विद वि पविष्ः। । त्र. वर व्रेट. लेव व्रेच पाठे पर कट छटा । श्रेच ट्यंव ल गुनः ह्रभावित्रयाष्ट्रप्रद्रा । । प्रवयापानुवाद्राद्रीत्रद्रवातानुपार्टेव ५८ । । मुबब मेट रिप पर पाइंट रेट र हैव त है। इंबर पाईंद निव या राष्ट्र प्रस हैव. नेवामरामा ।मुदानेवाबाईदामुराप्तामहे हो हो महितामा हितामा हैद वर्षे रदाके में के निष्ठेर! ।वर्ष्ठेर विकास देवा में ह्मान गुः क्रून द्रान् केटा हा सरामुख। । मायह खुम हिं के प्राप्त क्षा ह्या थर पर्हें । श्रुवि श्रुट्यात देवाता हिवास स्वाम स्वाम स्वाम । भीव केव हे प्रति । न्यव् श्वापतिवार विषय्वया । यर ०५८ है र पणुर देव में श्वाप पवर पहेंदा । कटन हुँ न देश में बारहेन में दर्श हैं गन देग । न है परे पहेंदा ट. पहेर हैं में पहलालका | मूं ल पद दे में बार पहें के केल पया में देश | न्द्रायदायम् । कुर्राद्रायदायम् । कुर्राद्रायदायम् । **ब्रिट, त्रियाय, द्रथ. छ। । अक्र्या. ८ ह्रव. त्यर्या. तर्बेर. त्यं बर्य ह्रेर ह्या. तर्द, तर्यका।** मर्न्'ग्री'मर'कन्'हॅ' नेवाम्हेन्'मवाम्बना । न्राम विन'केवारहॅन्'सदेः न्नामञ्जेता । न्याळ्यातकन्यति ह्या यमाय्येताय वर्षमा । यन्न रया 

#### 2. ས་བར་శీ་སྡོམ་ང་ངང་శୃ་శీ་བངི་སྐངས།

पक्षेत् चित्रवादेत पक्षेत् पक्षेत् पक्षेत् विदे विद्याप्त स्याप्त पक्षेत् चित्रवाद पक्षेत्र प्राप्त पक्षेत् विद्याप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विद्या विद्याप्त प्राप्त विद्याप्त विद्य विद्याप्त विद्य विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्य विद्याप्त विद्याप्त विद्य विद्य विद्याप्त विद्याप्त विद्य वि

वर्षे। विष्युवे र्वे ५८ ५ हि के न है। । शिर महावासी व प व के ही. पर, हेरी | द्य प छ.र्ट पर कर् पढ़ी. ईयथ तेप। श्वीपय श्वे अ शूट पः भः वर ह्रिय केरा । पश्चेत प्रवस्थ ह्रिय ह्य । एक हित बन स्था । प्रवे चक्रेव ल'स्वाबर्रार्य कें नाब है। दिने हिल दिने श्वरं बह्द मुर चहुर न्निंस स्। । नार : बना ना बद महेद हैं 'न्न के अधुद ने सा । महाम मा कर स ह्यें हिंद पर्नेर मुब्ब के तुव मुक्त मुब्ब है प्रवि कर प्रामा देव अन्या । सप. सेर्(६ 21 न) के. अर्घ. है। ट्रंड नि. चया सन्। । ईल विशय यम ष्ट यह्त बुम्ब **षद लम यकुदा ।म्हद हु खुद य में बै**दे दिने पहेंद निवा । दिवा पक्षेत्र सि.पत्र सिप्य सिप्यः पश्चिमः एक्षा । विवासित पश्चिम र्ट बेर् भ्रट कि.ल पश्चर्या । ६.त.खे.क्ट पश्च ग्रूट.क्ल रुकात जुवा । ञ्च'पठिष ञ्च'रप्पर यस केर प्रत्यार्ह्मप्यार्श्वित्। । मर्द्राश्चेरमा द्वयम कटम हुँद १९ गुर ९५५। ।५मे छल पद लग पनु हैर गरेर ५६० हर। ।हर य त्र पार् भिन सुन्य अध्व प्ने श्चिम पद्धा । पश्चम पुर केर पर्यास्त्र ल स्वाय पर्। रिवा श्चित्य वृ क्षा मा ह्या अवि वैवा रिवा श्वर हिसस **बुद म**ं हें 'स' है। । बे कंदल हुँद दंद क छैद लेद 'स'द्द। । शॅन नार्ड द' हा' वर हिव श्च.लब.तर्.र्ज्ञा विष्यु.तथब.व्रु.त.बवर.व्युव कट व १वया । लय जनाश्वर द्वारा स्वरंतिक स्वरंति । जि.त. ५ तेव रच ४ तिव क्रण तहेव चर्तर पर्म्यका । श्रुव चेत्रावर सावर क्रवर माले र क्रान्य है । नहर् न्वेब निर्देश हैं ने वा अब क्वेब निर्देश के न्दे लेग कर है।। नि ब्रिट. क्रिंग तपु. लेपो. २ भ जिस्तान र प्रहूरी । पिकट, तिज, पहूर्य टेट प्रतिर, लहुना लेव 'न्या क्षेत् । कर् 'न्य देव वय वय न्यान महीय मध्य । चलाचलाद्वा काव्रियास ह्वा नदा । । वर्षे नदा से द हिराह्मेला वर्षेत्र न्दल्यारेन । एव क्रिन्'र्रे'कॅटा ब्रेट्यानेन खामान्रेया । वेत तस्न नान्न 리드 오크어'캠드 소리·호수·스트 | 디콜레'디콜스'미刻데 오토미 윈드 오크어'맂드. निहे ही। । ह्र क्रुंव 'ख़' से क्रुं 'हें निस क्रेंव ५८ ८५व। । निहें ह्रा क्षेर 'सेरेनिस' ष्टित् नार्थर क्रिंग्रहेनार खा। । इन्य नार्चे व सला नार्नेटा क्रिंन् नार्वे व नत्न लर्नेन सा पक्षेत्रा । स पर्में स है र हैं द क्षेत्र में स पहें सा । सहस रमें मुर विव स्वर्यायार्श्वेषा । १९५४.८८ दुयावित गर्यामा १६६ म वा मेर स्वरा ब्रिं अल सर प्रत्या प्रज्ञेर प्रतर ब्रिंग । निस्न प है प्रवया प सम् र्वे वेष ह्वा वेष ८००। ।वहर रवा ८५६ व वर्षे र अ ह्वे व हे अ ८५८।। हुब हुवाय.पड्डेल झेर.त्य ब्रेट श्रुक रचा.विया । वास्ट.एब्रेट वालए.पञ्चव हर हे झुद हैन हम। । नित्त्व होन् मिन्या हुन होन्य सिन्य सिन्य त्यां वा । मु प्ट पहुंद हिन्द यापत्र महिर स्यापेटा। । तहना हवा है ही। अ'गुरु'कर'रु से देवा । मिंद'नाबद'कु 'दि'दुन'दमें 'हिद रु'नासदा । निय रल वि मेट नेट तल पेट्ट पायव द्वा । रय केव क्य में या कट लेग हैंट.वेटे.की अ.ल.चय.छब.घ.घचा.वेघ.च । विषय.टेण.सॅट.५स्. लल. हे. मे. इंदे.ज. ४२ चे.तपुर चे । चन्ना चचिर. च. छल. हेर. चेड्चे. वेडेट. है। । पड़ पढ़े क्रम पन्ति हेर हिना हैन छल नश्चन । है पानहिन है है स विस ई. छवे. मेथता । पर्हे शयः पयः धेयः पत्ती. सं. पदः इ. पर्वेषः थ्रा । रेजे. श्चर अ.ज.ज.च पकी देवो १ वर्षे। १८वेचे तपुर पश्चर वे क्ल. विवय श्वर अपूर् द्वेणना । पञ्चितः तपुर पावे पः पञ्चतः त स्टमः व्वेदः पार्वना । वि पावन पानः ब्रुट खेबब ८८ केब ४८० ब्रुट । । बर्बर पा हा पा छे र छे र पण केब र र । । मर्ने ५ वि इत व विवादम्य द्यादेर छ। । १९५८ विवादया विवादिया विवादिया विवादिया विवादिया । वान्युम् वर्षा दुस्प्ट दुस् वेदायाया प्राप्त । विदेशान्य

नुद में नदी दे स चमु हार देहा। विषय सार है स्वि स्वा वरे खें मुद्दारी।। षष्ट्र प २८.पथ.पि.पञ्चेर.पश्च.पश्चथ.ञ्। ाम् सिपाल इत झेव ७ देश. बुद हिंदा । विनापत्व उदार्दा तही । विनापत्व व मन्नी हैं न्हेन कर्(इ. 22 न) नेबिश रे. ५२। विश रेट मे. ४ वर्ष के से वे संचय के स चबेर ञ्रल व.रर चेरेका । चर्चेच अ.वें अ स्वाय रेका छरा अर. श्रीचया मेरा त्रा पश्चमः केन्य गुवः गुद र पदि १९ अस पय ८ हेन । द्वे पद्वेद श्चरः पश्चर द्वेर क्षान्त्रो हिन मा १८कम महस्र महर्म हिना, ब्राञ्च ब्रगु श्रुट प्रमृत्य स्याय ग्रुय। स्ट्रिट प्र ध्रुर प्रहें स्र श्रे श्रु रव्द नुर छ। ।₹५ मःमदे मःदेः छे५ मतुर ग्रैकः ग्रेका । ग्रकः स्रामदेः सम लुन्यारिन अध्वात सक्रम । कन्य प्राप्ता अध्या मार्थे सहस्यान ममला । इत्प्रत है हित्ये द्वार है दिया । विश्व वर्ष पर्दे द्वार क्रैन्'न्युअप्य'८८'ष्ट्रा । नेय'यर ०५८ यय'न्द्र ० खुर'ष्ट्र यर'पदेरा । वेना के व र्षा प्रस् येना द्रमद में पार्व देशा । । ह्रा प्रस् मृत्व देंद पुष्ट कुरा था ८ छ्रेनस्यम् । श्चर्वस्यस्यम् श्रुवः ययः गुटः रुष्टुरः यरः नृतुद्य। कें न्या श्रुवः भ्रदः १व र व्याप्त मार्थित । विव र भ्रव र मार्थ हिंदः र्वेश श्रम्य मेट अर्दा । विष्यं स्ट. ब्रेंव अवका के . सूर्व . ट्रेंच । प्रथा व्या । धिट लेल रच. चैट विश्र च. क्र्य. एवं है। हिव गुर खुव केंद्र दे पढ़िव खुव केव दे। । विवय पञ्चेद नाद उद न्यायार्थेकारुदेश्चे। ।न्यायायाष्ट्रन्य हवाल ब्रन्यनुवायवना। ।सुन्यः ७कच.पश्य.पर्यं पर्यं प्रज्ञाया श्रीट. दें दें दें । । सर्व प्राची हैं ट. प हूं प्रयः पर्वेदः वकान्दावञ्चारात्रव्याम द्वया । यान्त्रन्य नहेंदा मुनाबन मुकानहेंदा 'श्रे'तयुर्। । लर्दर'वं हैना'रा'र्ह्यर देट'र्ना'म'ह्या। । रट देवन तर्नेत'ल'

तितुला परि में झूँद तितुला। विसिषा तिकला केलिया कुँ किंद विभिष्य स्व वे। विसिष् इव गुव मादे किंस दम्र सावत दमा कुँदा। विस्तर (४ 23 व) स्थिय सरा हु दिने परि स्पाय की।।

#### 3 包円・みみれ・⑪・ロ窓口・ロ「田門」・日花 「乳口れ」

चिना के व पुत् क्य के अरु हैं अ हैं। परि कु। रिनास सर रूर पहें हैंत कूँ पश रिव त्राप्ता । गूँ प्रयास प्रयास प्रथा । विश्वय लस हैट हें दे लस पुट रेसस है। |हे में निब्द में हैं निस पुट रेम परि র্ষা। । রূ নার্ম টুন রূন রূন লড় প্রেন ল্লাম মা। । বৃত্তী রূল দুন বুন माई व शेशव अर्थित ति मुना । श्रेव पहिंग भ्रे क्षार्मर में य रचाय स पहें या । य अक्यय स्य प्यम ईय श्रेप ग्रेप हार या । य प्रेर 八 ब्रम्बेर्ड्ड मुन्द्रेया । तिल मु स् दस गुद्रह्म द्राप्ट्र प्राप्ट्र । विष् नान्त्रुवालय वृद सद केद पाता । निद हरे र्सेल निहेश हेल तयदारे पादेव. र्वा । चय स्र ह प्यकृत स्पास संप्य रह्म परि। । र्स्य प्यापार रहेन र क्स मा वियम्य र्वेट र्वे र में या हिन करा महिना हिन । मश्रुट छ र १ हुट रमद रम महुरम है। र्ग्न अक्रम र्ग्र रहेग हैंस ह्मि हिम तकया निवा अक्षय केर् मिन हे निम ह्मर र हिंद है हो। । रूप इ.चबु ८८.जूट.बुर.श्रवय वेब्र हो । भूब.तूर एवंट हे.थ.बैटय.हूट. हैं हैं दें। । चिर क्य पया हैंग रयद र्घर के हेंगा तहेंदा । यदना यहेंदा न्बन् श्चर वन श्र नवर त्या ।कर्य न्वर न्बन् न्वन्य न्त्र नु लेवा ।इतार्वेर रहेर रहेन हिंद हुँद ह्यां व हुवा । विश्व दर्दा वि. मक्त लेव'न्य त्येट'ल। । शेसस'लर्न में हैव'वि न्य हिन हिन। । रमर महुल ह्वव श्रेयस महिन सःमञ्जूर महि। । अवः लनाः महे महुन अलः लहेरः

१९.मु.मही । ञ्चुम म लाय ४६८ मा ४ हामा ४ हामा १८ छल ५८ मा १८ छल १८ मा १८ छल ८वे. पथ पचिर वध्न । जिर्मेट क् श्रिप्य प्रमें । प्रमें विष्य विषय विषय विषय । 중 용근 립근'लट ८९리 पढ़ द्वांबाथ ८०१८'लया । ঢ় ४ अवस (중 23 口) 교근. के हुट पर दे के १वया । धुर पाउँच दव हुट पाउँच पाउँच पाउँच पाउँच ।। नम्नामः कर तर्म नः क्रेंपम पढ़ित से नम स्टमा । तहन पर पश्च प्राप्त इट. बुब. २८ हीरा । के छव हीं र अपन संस्थर रख पर्व दा। । जार उट लिव प अपन्य वेश ह्य लिव क्षिया। । ह्याँव प श्रेमय पहुँ न ही स्थानय वय 형제 | [유통미 최저지 다고 죠두 통' 최미지 출지 다고 불리 | | 다о드 급 중 다이 प्यत् लग'ले हुन हे। ।हेर पणुर'कनस'यस पर्नापहेर नल्द ल'झेरा । पानेव प शराञ्चल क्रेस नद इंस श होर। । पनिणल गुट श १व हिंसापस न्त्र त्रा । विन केर् र्वेट हिट द्या केंच तहर द्वर हूँ दा । गुर द्रीय निम् मेस रमारचित्र व मेस्रिमारचुरा । व्र अकूर हुस प्रदेश व्य निम्ना वर्ष स्ट्रेमला । के रेल्यें मुद्दे सेंद एक दे श्रेव ही व स्वाय महुवा । प्रस स्ट्रें से श्चिम कुट न्य नवस श्रेश्चिन्। सिन्न ५४ १० छर ५ नेन्न १० विर से समा मानस हते। ८८। १६व भूटया शुरष्ट्र व ६० विशयात्यात मार्गी। १०४ मध् श सीम मिं १९६८ मान्य १८ १ । वित्र सहै देव १६ व महे देव १ वित्र मान्य । प्रम्म केंटे अन्युजानी क्रान्क्रदारचाल वार्थेया ।शु पक्षणाश्च क्रिटार्ट्र कर्वाया पत्रक्ष निष्क । १९व र्षे स्र देन हिंद दे दे है रेल पहें वा दिर दन्तर विर्'ह्रेय के क्रम क्रेर के'रजी। । पर्ना पर्हेर नविष क्रेर क्रन पहेंद नेय रयः चकुर। ।र्नो क्रें बुर रट रनाय च स चक्रेरा ।र्नो स चनिया के छेर दर नि हिना श जा। वि पक्ष श मार्च श मनार हिन श होन। वि पर्नाय श. ममुद के मध्यमा कर के मार्डिता । के व्रता के व्य देव हिन विमाय मह पहिला । हें व सम्भारव की हेल केम प्रांत महाता त्युमा । इ.स.माद ন্মীন ক্রম গ্রুব মার বিষয়। ।(৪. 54 ব) গ্রাম ব র্মা ন মান মান मञ्जर दल हार । १९वेर ८८ छर ६'नासुक ८८ गरेन ल पन्ना । १३व चुल १६ व. श्राप्य भू श्राप्य श्राय श्राय के श्राप्य श्राय विश्व विष्य विष्य विश्व विषय विश्व विश्व विषय विश्व विश् नुद्रा । युव स्ट श्रुव केसल केसल ठव हिंग के श्रुटा । यव स्व प्रतस्य बेट क्रियाल मालामा पुर केशल ह्युर। । ह्या स'लक्ष्टर देल ही बीर मादल से लक्ष्री। विट अभव प र्वट ८ से पानिस हैं। विच मूट क्रवान ही हिट पानिस. क्ष पञ्चिता । मु मेर देव पयार्व मान्यस्थ प श्चिता । बुबस रूट सुना स्वाय भ्रम्भव १ अर्थ-क्वै.इट । । ४९वा तर.ट्याना म्रीत **त्र्**विषया पश्चिर प्राप्त g ୩ବା ।ଞ୍ଜ ମଦ ଛିବ ଞୁମ ମିବ ଫ୍ରିମ ମ୍ୟୁଷ"5'ନ5। ।ମମମ୍ ଅଟମ୍ୟ ଞ୍ଲେମ मूट श्रुंब पीत्रब ह्राल त्रिका । टिस्बिय त छट. तर घटब रट हेब गीव टेट ।। रत प्र प्रवृ कुर क्षेत्रायर छेर यह मेनाया । १८६८ यह छ सर हुनार्टा पहिलागर सुना । सुन ८० सुन केर पाइनाय पहिल इस गात सन। । १८६० हुँग बुै अर परे रत गुरेस गर परे। । हुिंद बेर हुँद परे ज्वामा पहुँद ब्रैंट तर.वे। ।क्रैट.पहे हेब ल गुब ग्रेट क्रेब त.क्षरी । ब्रैंच.क्रेबंब.र्ज, म. ळ्या सिर तर हिव देव । विरय हय म्र रुषा भष्ट १३८ हय तप क्रुव । रवः [ 5 년] 는 다음.다석.보회·다소.다른네 | [ ] 다 다.라드, 닭도 몇석.는다.얼 너를 네석. मा दल विसय र्स्त्र ५८ क्रम हुन र्द्र चिन ग्लुका । मार्जेन मार्म न न न्तर प क्रूंट हेट ला । पर्हर त्युक्त क हुँ र न्द क्रमा के नेवा । प्रथम गुन्द परेर ग्वर बुप रूट र्द ल रबिन्स। । नेस रूप रहिन हेद रहिन हेब एटल.टेशव अष्ट्रच । लट व ह्रय.चबश.झेश.पथ.विट.ब्रथस तस्त्रीत। । मेल रम हेल खुनाल गुद गुर म रेंस धेदा । बेबल ठद रेंद छेर महु दर्भ पर्वे अवन श्रुपा श्रुपा । इव ८८ क्षेत्र महोत् अवन १८८ महोता । द्वा । । द्वा न्म पुर क्व क्व वि व (इ. 54 व) श्व व क्वर क्वर की। ह.स. एक व व सक्तर नह

### 4. କିଳ୍'ଜ୍ଞିକ୍'ଶି'ଞ୍ଜ୍ୟ'ଘ ଶ୍ରିକ'ଘମ୍ବ୍ର'ଘର୍'ଖ୍ଲପ୍ୟା

रिण २६व स्त्रायर मासर हुट चलेट खूल माहेला । धु तमुर सुन्स ल रुष ८८ परुष कर ५६० । इ. च विश्व ८६४ ५५ परुष रूस त छ। मिन् केद ये नेव प्राय व वेशव अकुष्य प्रथा । अर्रिय में प्रायु अप्राय मुल पर्त्रभव राष्ट्र विभव। ।रिप्ते य पहूर वि मैं.ययब ४वंथ.ते मंदीय। । वैर नानम कून नेन के मुन के नेन रहा। । अक्य हेना स रनान मुर रहा इल'ल कुँर हा अर महा । इति होर के नहिंदिन नेवान सका लेव हो। । कुँद यम्गल स्वय स्पर्तित्र स्प्ति र्टा । तिह्न वर्षा स्प्रमा स्र इंकाप है। । ८ द्य न बिय पश्चित हैं नय ईंकाप नुत इंपा में। । इंपा ईंका एडिच तर विश्व धट्याक्षित क्रीयाहे। ।क्र.मोटु श्वयं दे.देथ टेचे ह्चेयं तर. ह्रत। । ह्रत रेथ. ह्रे पंजेश हेर. एत्य. थ प्रं. ह्रेतथा । ह्रा पडीर प्रथप नेंच रेंचन तथ हैर क़ैस.पश्चाया ।रेनट.पश्चर.रेह्य नेंद्रेय एत्रेल कैय सदर पुन में । कु र हे 'र्लन' अर'अ'ह्ने नशर खता कर हिन का । में C' अर स्टब इतिय विवाय हिंबा हिंबा हिर प्रतिरा । यदे हिर प्रवेश अभावन विवा निवन्तुत्र त्र्। भिन्नि हैन ति में सन् सके व जुदा । विव सद सूस रुभारह्यानर भे नुस्त्र। । निम्मानम् भे उद्दरह्नाम रुभ ह्नेत ।

न्नः (ह 25 व) पश्चरः व्यार्थेम न्यार्थेम न्यार्थेम व्याप्त मार्थे प्रमार न्म हर्न मुन्य सेसस स्वा । निग्नैयातिम निन्न मिन प्राप्त हे सुव सन हा। वि मिर्मित अष्ट्रमा प्राप्त वि है। । निर्मित अष्ट्रमा हिनाय स निन्नि ह्येग केद भ्रमा । बिट मकेंग ल गुम में स्ट रुम मक्स मकेंदा । पा बुट न्वत् के न्नुर क्रम्ब कर्षेद् पुन्न केवल पहुन। । पर्वत् द्वल पहुलायः न्य'केन नव्य शुर पर्हें वा । न्य येन समय कु ये हीव कुं गुर हैं नया । र्ब बेंदि रेनाम'ग्री नब केन कुन हुन हुन। । तनाय व रह रेना वर्जय बब बेब क्षे-र्ने पहुर्द्राति ह्या । निर्क्त अध्य श्रुट बेर स्न र्से पार्ट्रा। परु'पदे शत:पु केर परेंच मेंट हेंग सर्टिया । देल'र पुँर कुँर ल र्नामा च्चित. द्वेत्यक्ष पञ्च. पञ्ची । ज्वित द्वेत्यक इत्यक्ष. हर. अक्ष्य व्यवक्ष. पञ्चन पञ्चा। हुैव'पदे'लहेव मसुरु पहेंच'महेम रेस पदेव दें। । निमम'छैंमस नर्मेव' अक्ट्रन् निवास द्रापार्य । । छ । द्रापा मु शास्त्र श्रुर् हिन्सा पवल केत् न्या पञ्चन्य पर्वे प्रति हैं प्रति ह क्षेत्र पुः तः हो। । देः त्वा चन् त् कुत् वार्षः त् वारा स्वादेशे। । सः कुत् त्यायः अक्रम जिमक स्मियाम पदि है मुना । लटार दम्मिक है। स् ही अर्टर पर्निया। ब्री भार यापदायमा में परेस पढ़िया । प्रिया सेससम्बस्य परा पर्व पढ़ी रहे पढ़िय करा । हिंबर ८८ र व प पहेदर सन्यर ८ने । हिंन पुन्य प्रेन साम र्देव मेन द्वाय विस्तानि। ।से पङ्ग्य सुव् स्नाम पत्तिम हस्सा के स्माम । पार्श्वम नाबु, गोर श्रेट निय धटय. ह्या. त है। । इ. हिंट. पश्च. ख्यांथ. क्यांथ. ह्यां पर ८र्देर। । झ. बर चहुल खुनाय ह्याय प्तारम क्ष्या गामुल । चिहुल खुनाय सं **बॅर-८्रवेग्व-यु:ग्युट्य-ध-व्रे! ।०५्य-धर-६ग्य-ध-८्रव्र-य-४** पदी । पदे सक्रम करस ब्रैंद् हिरामहित्रारम् सरामक्रदा । गुरास्यापदः

पदी अर्दे (ह 25 प) पहें न शंभर न्या । एन धर न्य के प्रवेर में हैं न की । त्यींट ने कि. हु के. ताबु कट रेट तरका । यिव सू तवर भूव रव कूचे. त्नुत्यं प्रा । त्र व्रिकेष वे मु प केव य सा । पुर्व में विषय संक्ष वर्कें र हेद बुदा । भूनव रस्द बस्य कुय रने ८ रुद थेर हेंद ० ए। । प्रवास मा दि र रे ने प्रवास के विषय है। । दूर के विस्तास निस्त मुंद की निष् । र्वें या बुद संट सरस रेनाय हुन दे। । से नर्सें र खन कु 'ह्य' सरेद त्र.क्रा । ब्रीट त देश. तर्थ राष्ट्र प्रत्र. तवरा तरी। ।राज जे अष्ट्र त तर्थर. विम्नि परि'ह्रिस। १६८ वेसव पुट कुत वेसव हे ६८ देव महिन। ।शुद वेद हैं हिर ख़ैन नहिंद रल चैर हुवा। देव केव बेंद दि छ क्रेंच सुद बेद लख़्ना ८ मूर पर प कर, से नी में झर निर्टा विन स बीन सह क्र हैर. न्द्रसम्भाषा । प्रमाष्ट्रमा हुन् त्र्रम् सुन् त्रेन् सुन् पर्दा । यद सम चकुत् वे त्स केत् रेण स पहेवा । विषय स हेर्द ६८ खल केव पर्त्रहे लेदा । नुष ल के पन् न देश लद हो संय मन्या । १३व व्यापन तन्मा के नेय विगयायर विस्ता । विंद स्वाप्ताय पञ्चित्र विश्व विश्व वा ।। रमार्मे बरा। ।मञ्चरार्मामनरञ्चर के तम्ल रुकाळेगामले। ।र्मर चब्रैन रहिताबेबान्ने पर्सेन्द्रित एक पर्वेत्। । पर्वेत वे. ६.६ पर्से पर्से वे र्रनाय र्वेच है। १९वय तेर् प्रतिताय म्राचिर म्राच्य ये ह्वीरा ।वर्षेत्र ह्या इसर स मई नियम् मंत्र महिन। । नियम मुल मन महिन मा महिन मा महिन मा महिन मा न्युत्य। । वर्त्र व पशुर मुः पशुपामु पाष्ठिय सुः तर्। । (३ २६ व) इतः विन मह्त्र कुष्पत्र दुवा पुर प्रत विद्या । वि नेव कर देव मार देर गुद लबरहरूवा ।गुव-पश्चम्ब-देर-वेब-पहुद-दम् पर-पु-पठ्टा ।अत्तिष्व े ० चुँन् केन् कन् रूप्त व्यवस्य हो । यद भग वा कट सूँ स हुट या सँगव न्यग्।

हिर पर्भ हिर के हैर व् किर पाकि पाय प्रतिर । । हिर् छ्या प्याय स्थ प्याय मु रविराधार्मिया । १९ सम र द्राया मारे क्षेत् प्र चुर हे छ। । । प्र र न्य नित्र अध्य क्षित्र वित्र प्रमाना । द्रि श्रे अध्य द्र हेर प्रमान मझेंबर्दा । दियद द्र यद्न एह्न गुर ल गर्वेन हु ल्युरा । निर स रत में वे विषय रित है पर्यापस्ता। । हिल्युर धन्य में खेन पासुव सित 5। 1월 75 हिर सर हुन सरे रुस केन रेसा । स हिर छै कुर नसुस कु पश्चर अळवल ही। । इ. प ले पश्चर घुणल ५८ घुट छुत बेलला। । एव लगः ह्य देथ क्रूट ४ तुन्रत्य पर्वट हु हीर। । हीं पर्द्र रथ क्रूप हे में होंगे. पर्। ।मुे'सन अ'रूरि'र म'झुँ रस्थि तथा ।र म'स'अर के सह स क प्पारा । स्वाय कु.श परुट अळेट पुरुष प्याप्त स परु। । श पञ्चाय सह षद'लग'न्स केन पहु। । वे इट वे ० दें र स हे दे रन ० व। । युव पकु हुना हु दे लग स्वर स्वर स्वर हुं। विन के व देन सर महान न दे स्वर दन लका । के म पर्व गुकार विषय पर्द इंगाप बेटा । ल व् ही फीर का केना इसःचन्य न्तु। । सर्म पहुष पश्चन कढससःसेन्य क्रयः हेन्यन्। । म्त्राच क्रेट हेर दब क्रव विषय स वन्ता । मु वहार मुवास ला से वट वासट मान्युका ।रे रेर न्युकर पुष्ठ है पुरु प्य देव दे। । ए है दे प्र हिन् हैं। मेद'विर्'तर है। अर मासिस म हिंद श्वीम महिन सहा। 18सद म हार्टा. इ.जन ध्र बर हा । अ च ने ने ब पर्ट्र में वे प्रति कर प्र भी । १४४. र्षेत्र हःमदीव पुर शेवरा (३: 26 म) प्रेर नुद्धाः वृताः । कण्नानार दिनः देः बुंबरत्रर ब्रैर.हे। निक्र अ.१८८ ८८.विक्र १८८ ४८. है चबा कुषा । जिस इस्रात्रुव ५८ है८ तहेव'ने हेर हो। । ही हिस्र केव यस गुन जुर प्रार ना करना त्युरा । ह्रेंगप न्युक्रप्यान्विन न्युक्ष्यान्युक्षान्य अन्या । प्रमुक्रप्य न्यून्याः

विष्य के प्रतास के प बर। । तहिन्य केन ब्राय गुँस हुँ र सेवस रेन्य वशुव गुर। । इसाम प्र 55 पह छेव में हु 'हैका । निंदामक देवि स हैव मार्वेद ध 55 पखें रा। । द मं व'र्र पशुर व रकेंस पर पशुर। । ९८ स वुण पेंद स परें दिर हेंग स ଜା । ଖୁଁ ବ ମୁବ ଛିନା ମହିଁ ବ' ଅଁବ ୨ବ' ଅଟ' ଜୁବ ଝିନା । ମ୍ ୭୮ ୧୯ ହିନ୍ଦ' ଅଟି ଅଟ वर्षक्षक व.रेट द्रुवा । वर्षेव व्रुट्टिव प्रचेट्च चर्च तथ चर्षेटी। हे पहुंद गुन्य प गुंद अष्टेद ऑंप केद र्यन्य। । रत हिंन ब ८ देश द्नाम न्त्रं स्ट्र सुर्ह्णना । दे. में नव्यात्युर स्व न्व सरास्व सना । नव्न मुबाक्षे प्रवास पुत्राञ्चायव गर्डें र श्वीर गर्युत्या । रामे प्युत्य स इयल व रूर हेवः हव है। । सं सर सिट प्टार्ट रेगका महे ब्रुप मेर सर। । खुल स्व रहें हैं । ८६व' सक्य पर्देव स्व वा । के शुर्व महिम मेथा ई' हे' एक द त्युप' त्युर।। देन ८६१ रूस पाश्चिरामन्। प न्य महसामि स्वसास। । वेन पर सामुदा लब वर्ष वाज्य वार्म्य प्रवादिव में केर बहूर वश्चवाव विश्व लिव वर हूर्रा नपु नर्षेष्.पर्भार्षेश.वे.र्गेष्.विच.द्रस.वे.न जब हैय न ६७ हिन्य ग्रे.नश्चन पर रेश प छे प है जिंद स स पर्।।

## तुषाया इंबायदे रेबाया थे पा

### 

अट.स्थ.ल्य.२५१.गीय.मी.चोड्र.ल्य.स्थ.स्थरा १ स्थ.स्य.स्थ.स.स्थ्याय.

गुक रह महिंद त्युव मून्य स्द मया । वि धेर लह र्न रेन्य सन्य र्न 5 दा । नेव पुरे प्रवे माने में में राम हो। । भूर राम में (ह 27 व) पेरे रेनाय गुर अधार पाय गुर। । हु.म.र्मिरय नियान मध्य प्राप्त ही । क्स क्षेत्र क्षेत्र केत कु अध्य कुल सुद रहेंदा । वि ने हे हें ह्मेंद्र निद्रा भैज ८ हमा करें । जिरुवा जिरुवा गुरुवा सुद देद मेव पुरिदा । का निव পুন উপা ইংই'দাৰ্ব ক্ষৰ কূব। । এব প্ৰব ৫ টুন গুন হ'লছন এৰ मन्ता । देश केना रद महीद तमुर सेद सेद केन नायल। । देव दसस हेद मुंदि क्षेम महामय लक्ष् सम्बा । दिमुं म धुव ब्रांट रब द रवनाय खुल मु। । अर् रेन्य वर्षे के नहीं में त्येन्य सुर सा । । नुवृत्य भेन यहित्य न्त अळअब ह्वॅर'न्बल छेत है। हि म'अधर'न्दब ई म हे'म हैता। छू थे' चकु ८८·स्याप्रेश गृथे।। कुटाय सँ चर्त ८व८साचरसाच हेंटा न्दः। । शुक्र मकु ८ हुना'ने न्न नावस मकुन्'न्द। । छेन् म ईसि म के व्हार द्वा स्वाक्षेत्र । वित्यम् प्राप्त के स्वर्धे द्वेत के स्वाव विदेश । या वि स्वर हरः हूर् हंस.श्रट. मेखे. रेन्री विट एसेल अस् २४. मंड्रे मेस एट्रे मेस एडिंग रेट. विवसा । इस १ ने अद्भाव हिर वस देव हेंद ला । वद् ना नव दुस न्युक'नु'ने दें देव ८६० । विन वर' र रें धेव देव हैं र तिन हुट। । न्द्याप्ट चेत् हिल रद अधुद प्युदा विद पहेत्। । युद द्य न्द ल न्दा नेय ह है. तरा । ३ हिर प्रहेग स्थिय वे श्रुप्त पेवेंट प्रवट प्रिया । पिह्रेर त्तर है। भू अत्य के या है वे त्य भी । गिर मिर है वे तत है दि लिए में भी।। नर्हेन तहन किनार्ने नन्तरानकुत श्चर्ने तहेरातहेर है। दिन न्मेन्स ञ्च मृत् अश्वर देव श्र्रायाण्या । व्याद्य खेव रहेश पार ह्य छ। खेव रामर भुै। चिल पट सब ग्रैस श.मध्य मेश.मेह चेवन। वि. अष्टम.ट्रे. पन १८८. न्द्र-हिन पनु ५८। । गुर नेय छु छैर १न परि न्य स सम्मा । हिन मै लिल्लाम केल मेन मन् (हर 27 म) ह्य दि है। ।रूट महिद क्रेंद प्रमा ल्णूर पालुकर, पुर्व । रह चलुव भुष्य ल हुण हे वस्त्रवाय ब वस्त्रवाय। । मिष्ठैन सुरत्। । अहि मै रह छाबैद मुनाय नासुक र्मा छा हो या। । मिष्ठिमा ५८ हेर ब्रुच गुर ०६ म के मलत हुन । क्रिन में प्रैटल है ५ प्रैटल ब्रुच यद ल स्वाया । विषय पथ क्रव मित हेर्द देश रवे. ही । विषय पथ, श्रूट मित गुर इवन द्वेटन रहेला । बेट ल गुर स्विन हुर बेट हेर द्वेटना । चर केर के बुर हगल हिर हगल स सुना । दे यह सुर नल केट हिर केट ब्चाय.हे। । खुस.ब्वैर.क्षट जय क्रम है.ब्वैंच तर हेरा । हेनाय ८८ ल्ब २४.वे.च.६ पूर ही। ।चबुरधालट व वेट ट्र्य पत्र श्र.४टी। ।४० ५वैर. न्द्रान्त पहु पाण्डियाधेवाहे। ।पहुरारमान्तेग क्ष त्युर द व ला । मुैंदसानुव हुनाय प्रः श्रें सुराक्षेत्रचरा छन्। नार्हेर प्रः सुर देव हेय सुर प्रमुख इवस प्रमु। | र्व.८८ इव.घ हे. ब्रुट.ख्रु.च.व। । प्रव.लच. १व र च्रीट. लव, बू. ७ से ८ मा । जि. में. मुव. २८ वंश तर ८ हे ८८. च बेश । अष्य अस. 퉖구.다훫ㅜ.젖미워.영식 너큅소.워졌다.머쉬 줘! | [유니 다고 리드쉬 돚리 리드쉬. केर प्रत्य मन्त्रा । नव्य प्रत्य प्रत्य में केन हुर हुन । है है ब्रेट क्रिन इस त्युर न्युवर पुरित्। । सु नेय देव मु क ल क्रेंट्य के त्युरा। र्देवास समुस्यम् करान् हें दार्क वादी । सुर्य दम सुस्य ह्व दे हें ने न्य हुद तपुरव्यक्ष । तिष क्ष्याचेषका ने . मु. खेला हु चे व ने ही । तेला लाह . हा नह न मं प्रस्य के त् प्रदा । तित्य प्रस्य प्रस्य प्रमानित के हुन में । प्रस्य ता नेक ह्रवाक्रीं प्रचेश वेदः वेद्यं पश्चा । ह्रेट् क्षेत्र ट्रेडे प द्रेटः वेदः ब्रह्म क्षेत्र वार्ष्या ।वार्षाताः हेर् वारा हलार दार ही अकद वया । अद्व ह्रीव भेदः

भैंग महें र मुं बर सम्बन । एस उद् (हा 28 द्) में मुं हें र र में सम महिना वित् चेत् हे के के किया नम नह महिना नहींन च रेमल महिन कॅन्य महेंन् ईन् मिले छुला । केंच न्य केंच रुव में स्व म्बन स्व महेंन्। । २०५ तुल बेद नहल के मे मह अम गुद। विल देन कर् केद केद हैं म हॅन केता । विद्याय दल अप्ताव्याय राज्याय विद्यार में । विकास दल सेवाय मुद्र परुष सं'सद्द,खेंस पा ।रेवट लूरे रह हम हेल उत्तेर, सहर सेस पदी। । निर्म मूनियः मन्य म भेन केय हेय न्यन सन्य। । निष्ठे में सर बिट कर तम्ब बर सब हैं नवा । हैं नब छेर रनाय रमेल रनान झुन ही छे' चिन । ने हुन ८८ व ८८ अल ४६ न मिन ४६ न. नंबरा । सक्र अष्ट्र हना ल्प हेल न्यम इस महिल ला। । रत में इस न्यम हलामहा मन्य प्रत न्न । अप्ति क्षर ब्रूट त्नाल हनाकाल क्ष्माकार्देश । निमेष्यद नेप्ना हैन कुँच चार्च ज रचन। । चल्द र्देद इंब रचन क्लिन हैं व ब्रुव सून की। । द्धल पश्चम ह्युप प्याप्यदालया पहिन्य स्वाप्या ।ह्याया प्रस्त रहीव वल त्युर ल सन्तमा । इर द्वर द्र व यह दन हेर कुरा यहा । त्रदे वे पे रवत्र इत्रवायाम्य के हे। देन महेर वुद केद देन मुल्द कु ロ美し、â、ねおお、なと、ûと | 「おたも、男よ、鳥と、 端と ロをお、む、ロとし、とし、 ब्रुप ८८ खुद ए प्रेद हर ब्रूट पठन पायेया नाबदाय में प्रेट मेंन ने है कना र्देव चर्चुन्। । बर्देर व'नाबल'चु'बर्द्रव'र्स्नेन्'नेव'र्स्नेन् नाख्या । । तहल चेन्' सर्व हेर न्ध्नान्य स्ति स्टा । सर्वा सुसामित स्ति न्याना न्तृत् क्रन् न्तुत्र। ।व इत् द्व क्रन्यत्र नियात्र व्यापार्थे । क्रिय व्याप्ति । क्षे.च.रेच. अर. ४९ वं. तपु. ६० ६ (६. 58 व ) त्। १४ वं. तपु. रेवट. वैव. ४ अथ.

🐧 प्रमुख प हे। । रा यु ५ कुषा प्रवादाय देव ५०० ळ ५ वर ह्युपा । देव मा छेरः हेला ८ हेव मझ रेना अधार प्याय गुर। । क्षेत्रीय स्थाय स्थाय गुव गुर ८८। । तुर पर्व अकॅग वे मुगल्द ख्रुगल हेव हे। । १५ पर्व अपन ५८ न्दर ह्य पहुंद न्द्र ह्दा । न्या ह्या द्र पर प्रद र्य द्र ह्या उदा । कु ५८ लग कर परव प पुर कु व पहार । माब्द अधुव ५० केन नुस में अक्रू में लेव है। । क कट रैंस की पहन प्रस्ट हर ही । पक्न दें हिर हि हूंस पर्चेट तम् हे सी । । बर्ध पड़िर अक्टर रंघर बंध लेल कर मकुना । सर्ने नम् कुम् ने समुद्र ने हेल तम्मा । तहल कुन रह सर টুব্বিদ বাৰু পাৰ্কা কাকা । বাৰু পাঞ্জিব ঘল ক' শ্লেমৰ শ্লুম কব্ ভূ মা ।বুদ च् चेश्रेय त रेंब ४ क्रिय ८ हैंद हैर। । विश्वय व विष व र वी पकुर दे। । सर् कुर प्रस्य पहुर भेर के प्रमित्र हे तपदा । मनिप्रासेसस विं रिट कनाय प्राय नाट देव हुन। ।पिले प मेंद नु विंच प द्वाय महें। ।यासः भ्र टैंचो.त.हैस चैंट.चूर कु **लिव**सा । कि इताय कर्वाय सेल पहन प्रस झैर म. 「「 」 「 」 「 」 वि वि वि वेद अद्राप्त प्रमाण मान्य वि वेद स्था परि 百 म वि मृष्टुनी । अथव राष्ट्र अष्ट्रचे त्व १४ पर्छे। णुट देट सट.कनास.क्ट.नाइ.नाइन है। । নানাस.के.गीव कीट.क्टस होना ह्रां ब्राट वेका विकास समाम्प्रास्य भी.ब्राट में छेर जी निट स्थाय तमी.ट्राट है. में २८ ब्रूट हिंसा । शल. झ. घड़े. पाहेस लिस. इसस यल ब्रूटी। । नासुर हे नई र ब्रेव प्तक्र प्रतः श्रेव प्र विया । हुन छ न स्थ प्रतः ११व र ८ व र ८ महित्या । वित्यार्थेन्या के वे न्मु भिवाशीत प्रविधा । अन् नु सर्थे मर्वः देटः सम्म प्रदेश । दे द्वा सम्बद्धः स्वान सर्वः देशः सम म्बुट्या. । यळव 'द्रो बे 'क्याय वि (है' 29 व्) भ्रेण मूर ग्री १ वर्षा विव में य देव'केव'कुव'मकुन'न्र'न्यान्रेया । इन्'कु'रु विन्'न्ययक्य'मकुन

र्भः महा । धन सक्र रूट महि है है नि है सन्सा । छट छन्न रून महि वि विज्ञानका के व पर्वा । धेव पुना रं में कुप केंव कुव पुना केंगला । रेर वित मुंश त स् स्वाय भूव भ नवा । इ.त.लव लवा कूव हूर भट्ट र रेट यक्या । इस तमुर खुल वर्षे ५ विरेश स्ति खुन्य समुद्र हैं। । हेद न्द्र न्द्र न्द्र लक पिट ल ध्रेंब पश्चर रदा। विश्व विग स्राम्य स्राधित हेल खु त्मन्या । श्रु त्युत्व खन्य सन्य मन् रहेन न्यावन मन् । मन्युन् हेन अर्द सब क्षेत्र हित्र दु पढ़ी | ख़िल ब्लैट सं संदे के ले 'गूद की अर्केन । ल हे लर ल ख्यांच बच्च. में वि. ट्रं. ट्रा । विचात वि. च खंद अच् हिव रचन तर्। । वर्ष भ्रम मंत्रत क्ष्यं मंत्रत क्षर धर्मे के करा। । तमुरासर्गणुस भ्रम हुन स वसस ६८ वर्ष । निवास स द्वारामसर सेय रेमायर मु। । निखाविहे इयारचेत्य ह्रमाखिनयाम्यात्रिनयान्। निरुयानमुद्रापद्रायाङ्ग क्रेरः नहन रहा । तुः क्रम पडः दुन ही क्रम न्युकः हरः प्रा । रह्य केर सः लिमान स्व'लिमान रेम मक्रेन मर। ।क'क्रेन्'में'मानी स्ना स्वामानरः पञ्चमा । वादरः भ्रूबः रम् वाक्षः श्वः गुवः । वाद्यः रम वाद्यः स्वावः म् द्रिय प्रह्म थ्रद्रा । प्रमाद्रमय मेंब्द्राम व्यव्याय ह्या थ्रा । बुन्य हेद'रद'पदेद हुद नुप'व्र'देरवेद। । धेद क्षपस'र्द्यानुप वेन्।यासं द्व.की ।जन-२े.घट.वे.बू.धु.१४-४-४-६-चेजा ।जट-जब-४ वेट-कुट-चेज-घट-बर्ळिन्'हेब्'चबुन्। ।क'केन्'देब्'बेन्'र्रेब्'गुट्'र्रेबेन्'रिग्रेश । विन् गुे अविश्वास्त्रवारक्ष्यात्र में द्वीता । दे त्यत्य का केवा पहु द्वापाय स्ता के नेवागी। विकेट हेद बटबा कुल मुलागुट है पाबदा । पट देश है। लगुर पुल मृत्व (है र 29 म) न्युर पारे मर। या विक हिर लग्ने न माने न बर्द्दर्श्वरेष्यरा विष्प्रदर्भेष्य हेन्दर्भेन्दर्भेन्दर्भ विष्ट्र

न्बर-न्युअ'रू व रन न्रिन रु व्युवा । विर धर-र्यय बहून रेन् य बेर् य न्दा । याय खाय रद युद अर्केंद् हेव केव में थे। । वद द्युपिय सूब् मुद अपन केंबल स र्वेल सद। । किंद सर देवी मादल मकुद की सकेंद हेद न्ता । विन रेम रनु के कर न्युं नक ल संनक न्युं र सा । रूर देल युर स मि'हैं ल अन्य मही । किंद द्र इस न्द्र मु मु मु स सन्य यु न्याय । ह भुष प्रमाय प्रमाय ग्रीट प्रिय भी प्रमा । यह स्वाप्त विस्त मी प्रमाय कुद चला । पार्षेक ८८ सुट परे तसुल २ मिर में 'कडेंद रावना । ८०, पड अकू चा ची में हिंद श्रेष इप हर देव च में चा श्रेष न्द हेत्या । विवास के में न ति में एक हा । मावन महा के दिव त्रांस भुँद मिताकु. ५ घट। । छ्ट त् मित्रां स्वाय स् सु से द जे दे त स्वाय त। । विराधराय विश्व विषय सर मक्ष्य तर हैर। । प्रताय शुर्दा हीर सुराया रहें व संगवा । विद् पर्झ कर्मा है भिषय पश्चित द्वाप्ययाञ्चेता । विष्यारा देवा प्वत महापनि है। करा र्यम्य। । यान् वे देव के वा वे वे देव के दान महिना । या व्याप्त महन या प्रमुद २८ ब्रेब.शूट २। जिनायाग्री.चहेब.चह्याच्ची.इल टीना.व.चत्वी ।ई.चत्वी.ल. सन्यः इसः चट्यः हे दे दे । । अयः सन् न्यः यह देन्य गुद्ये प्राप्तः ह न्यतास्व कुन्केव पर्न हे हैन्यित खना । हापान्य साधनमारस्यातह्य नश्चामा है। निश्च निष्य ने निश्च क्षा नश्च नश्च नश्चा । विश्व पट ने व यासं वर् न्त्रं व सर्व र्नु । क्षाय र र वि सव मन पव भग मकुन्। । वद्रदर्भावहित्रस्य व्यव व्यक्षे अराहेला । नार्वा पुरान् क्षेत्र स्वादरान् न्य वर्ष । न्य वर्षे वर्षे प्रमानय श्रद र वर्ष है। । न्य वर्ष वर्ष बेर्(इ. 30 व) वेष्यार्टः इष्राक्षैरः वेष्रा । वेष्रः भावः ६ चः लव पत्ताः चद्यः तथा पर्वा । तियाम कु कुन हे नया कुम कन्य हता है नया । १८५ देवे.

१ अव हुर एय हुर हु वि नवरा । स नवि सवस सनस मर्दे स नवेर छेर' শু। ।অভৰ গুঁহ এম হল ৫ছিল দুৰ শাস্ক এ হলল। । । ৰহ এ হু**ল শস্ত্ৰং** हिंस प्रुव हे रेट हु। । क्षे विकेर प्यंग स्टब हॉट हेन क्षेर छेर हो। । यस हुम बुम्स मिर सक्द है न रियेल बन रिसुम्स। । कु नि है व नि क्या मिरे भूषिय रहे। हिंद लब कुव हिंद दुव हिंद पादव स्वय है। । वय छल पष्टम न्द बल किंद्र रह धर पबल। । श्रुष ल र बुल लु हेल श्रुर परे घपला । तहम हुत इन द्युद् दे के क युद् वरुषा । वद मेद वदेर न्व क क्ष यहैं ब्र सम शेर। ।व प कु रूर बळव हेर यव पार्वेर पहेवा । एव पाप हुँव न्द श्र श्र स्वित्र पहुंच । श्रे न्द में स्व वित्र पर द्व वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र बुद अर पृत् पर वार्ष पर विषय हाद छ। अद य कु दुवा अक्रव गुर धारा ल अपन्य। १८८ मुब्द तस्य सुद पदे लेग्य तस्य पुर हुँदा । रेग मद्य क्ष्य स स र ज्ञान य पता । गुन हिंद हिंद देंद हेंद सह क्षेत्र है स दी । दे १९ ईट सर्वाय सूट परे पिर पिदी। १६ेव रिवेल प्रदेश प्रविध से पिर **६**ला ।रिते अपूर्वितांच पदा पोजार का.मांट च पत्ति । ।रिव चखेपू स्थार. उ ने न्या क्षें स्वर तह्या । श्वर ष्यत हें यह स्वर देव की देव स तकरा । बिट हेर ह हेर है इल डेंट च लका । विव् र वे विश्वासर वर्केर हेर बंबर. इस्त क्रेसा १३ अय हिस हुँ ५ ५ स पढ़ी नायस स ८ मिरा । सर हिस में ता भित्र प्रमुख हुद ख्या रेरा । वालस पश्लर वाजार इंशन रट एस्स खिल ल. ह्येरी । रेंस नीरीस कुनास सम्यस नियं २४ हे च एत्री । हे. म. प्रेंट ७ मूस. विस के त हेन बन हुट। । 5 न नसुस सक्सम न वे युद न कि ५ ५ न हैं र दे। । पड पहिन्य(इ. 30 प) लेट दभासिश है टिवीयाहि हि। ाष्ट्रियो हैंट टिवीताहि कु:अर सुत्र:कूँर ८८। । ५० वकु कु कर ५० ६० ६० ५० वि. । विवर 조지 쥐도 ã도·릴드 다양 따로 어디 만! I미크요'은'ハ 티 미조독'5% 다.

प**न्न** ।त्स्य सु लुद क्षेत्र हैन स्त्र प्लाब षट पश्चा। ।द्रुव ५८ प्लाब त्र्रि द्व त्य य पठ्र भ्वा शिय। । मिया प रेनाय अहँ र तर्म प सम्ब पर्वेटमा । केन्य पर्द मृत् पही हुन पार्हेर् र्र मृत्या । हिल स न्हें यल हिल गर रह्यू है। । सहल छे , कैन युँर युद केद सद हद पड़ा । युद बद देव कुव बु दद नाम महे केना । शुँव ब्रिट्य ईस म रहिन हेव कुव दु नुरा ।केनिय पठर ईप हुँर थे.चो.चैन प वंसा ।कुँव कनाय पर रु पण्ट च मुँह है। । यह स रूट के सहस छुट सहस रूप मैल पहेट। । छु झ पण्ट म हुँ है तखन्य म दूर। । र तिरस दुसर शेर है सस त न्वत पन्द तर्।। सब्देर प्रमूर ही बार्स बिह रहा। । छ. हैह चबर लट च लहे चहन । १६८ यर हुन दर बुद अर हैन्स हुन नहेन । वेन बर दर्न कुल हेस शुन देंद न्द स्वा ।न्द्र केद ने मधेव मान्य केद २५ २ वेथ है। । कु अठव लब मैंट टे. हेर हिंग तप ब्रटा विमेल.ल में ब्रट ए तेंब ब्रट कु। ।ळिनाच त म नुष्य य चान्नाच स्ना त स्नाचा । भेट माडेना रॅव सट रॅव पहिना केट कट मेला । कर्द्र प्टाईट्र मिलल द्र केट द्र क्टि छट् छ। । अक्षा हैं र स रह तहा पर विवाद न्द सेंद म संगया । गुव नगरे र स्व हिंस ग्र न्द सर्दरस्य। । सेससः हब्बागु मुंद र्श्वित म गुब्ब म महामा । के लिदे हैं मिदे ही द का हूँ न घासला ता । ग्रुप अध्यार्त्वे पश्चेर तक ८८ हद प है। । तत ८ म प्रत्याकी परि है प थर। रूप भ पची पश्चार अर र र श्या । पर्वे व है.वर प्रेश. ल्ट है ताला । श हेन्य देव सन्य प्रमाय प्रमाय (ह 31 व) हील रूट हुँद न्युका । धु अर प्यायान्त्र प दे हा सहद नेवा । हुना ने प प र र र म्म कर् श्री दि ति कु द तथे दा इस्य त्यू च म्युस । म्यूस दि से वायात अभवः १वं. ह प्रवः विदः। वि स्वाय अवस्टः भटे. श्रे कु. इ. हो।

लाक संवाय तर्वाव धेर अर्थ रेश उठा यह होता । हव धर ही पर ही पर ही पर ही पर मुम्ब उद्या । बिन् व म्बुब मुक्ति है हैन हेन स् म्बला । एन यर स् स्व ह पर र प बेव पर्म | मार पं भंद न्व मासुस हुसस दे तस है। I दे सक् ह कुल दे रुस रहुद केद हा । सक दृद द्वह में भैद घडव सुनाक त्युत्त तहरा । इस तणुर हिन प्रतास्त्रीय सःषर पर तर्दा । ने सन परे हल ५८ में ५६ लया । है हे ८५ म केन ने ५६ ६न हा हा । १न म ठद म दे सहुद्ध कर् सम्बी । मुख्य महि म्बुन्य मकुर् र्वन्य रहेर् रम्म खुन् मा । तहन म महातम हैं अरबनियान पहन मा । देना में न कर अरामका लव क्टब त या । य रूप मुन तर्र महिम प्रत प्रत या । निर्द्र ग्रि ही. षे पर्ण हेर पर धुर या । । अळव हेर पह पहिल सँग्र ०५ँर कुल र्घेंतर या । बद व वकुद ९६८ ४.२ म व है। । नेव.व वहु. स्वय श्रु.व बहुर. ह या |रे'र्न' अर्दे अर्देरे' भग रंग में र में र में। । यर्न हम बर या ब्रैन ध्रेर दर पर द्वा १८० प क्ष सु ब्रु पर 'ग्रा ग्रां रहा। वित् प्र कु वन बनवासुर न्य स्वा । धु रूपा मुराम गुव गुर रेट र्नु ह्या। । बह्द अर्बरे खेन तर है. रेट क्टल त महिला । गीव में ह्वं प्रमें. रेट का इस'न्युस तया ।न्रें 'पॅर तय सन्य किन केय तम् व व विया । से 'न्ने' पड्र'ब्रॅंट र्नो.पड्र ८क्टर पड्य.पञ्चेत। । विट ट्रंट, विश्य नंद्र ८ट्रेय र्ट. भु.भवेष ब्रटा । जियालभ ह्र्यायार्ट पर्वमय प्रयाभव्तार्थ थी । देश हेषा कुं अधुद प्प्ना मेरे रम्य पन इत। मिर बर प्रथम सप्पूर् मेर् 31 च) छटल.तप्र द्वेच ।चंबेचल विश्वय.चलका.चंटर चंबे हे.कें उत्तव चेहेला। कै.५.१४. तर्भवत बु.वर्य हेट.इ.५६वा ।४६व.२८ कैव.४६ गे.चश्चर. त्ह्रमाकुं पर तहून । तर्ने रट हुं रट ईस हुं ६ मेडूमे हुरी । अधिका प्ट्रचा.वंचय.ट्रे.चे लेश.सम्बर्ध पूर्व.दे.बैट्या । बीच.वंध.भक्ष हेट.**भवः** 

द्र द्वेद वस क्षेत्रा । द्वित दुर्व क्षेत्र स्वतः केद वः वेद द्वा विका । हुँदि अपरि तम्स मु प्रेत् मुेत् भ्रुण अप्रेत्त त्युया । वि रिण्या इस य तहेण हेद खुद स्ट लका । न्द्र नाले हैंना न्युं न नात मने हे नाहेना मही । ष्य तम स सब चलल मान्द नम सहा । ने हेन सुँद उद महिल स सुँद केन ही। । बळव हेन रेन य भेन छेन हेर वह नव हन। । । १८० न हे रव हु न्द स्वाय प्रव प्रवापित्री । ने प्रवेद हेर प्रश्चिय थेन प्रेन स्वाय सर्वार नीया ।रेस र्धेर नासुस सर इव श्रामा अद लग छ। । यही सर अद लग नबै'स्व भूव नकुर नम । तन्य न स् स्र नह्य मबि' हर रहेर केया । स् स्रु विवस त क्य हीद एतंस स्वीय हिता। विश्ववित होते हैं सस एटिवी पद्धिर यह मु तन्त्र प्रिया । प्रथम प्रिय पद्धि सेमस व्यापान अस्य प्रया। नाविधाय रेग अर्थेट. बैट चर्माम वय वेश श्रीय रेट । विश पुंच अर्थर लख. है जर नवुर पुर केरा १८५ मेर रन्य स फर् केर खा केर केरा विवय त्तर श्रुंबल एड्ना श्रेन हैरे अवर ख्रिन है। । एड्न सु हैर एड्न के स्वायः ष्ट्र-प्रत्यम्य। । कर् सेर् सर्व पर विव र म्य प्रव प्रव प्रव प्रव । कि र स विनाप्तमत् देव मृ नाहिर मुद्दे अक्रम । मुल पदि वेनापर रेम रहन हिंदा ८ मूर्या । विव स्ट. रेण पर, जीवना देश रेट रहिन हेव पर प्रम देश पर पर्वचे.तपु.श्रेचश.श्री

### 2. वेन्'प:के'हन'नेश'डि'हित'न्न्स' सम'नेव्न्'प्ति'स्निम

 मदीर मान्य गुद गुम तिम्स मिरे सू। । । मन्न तिम्द श्रम्य व्य स्ट तिमः ब्रुप पर मधुदा । दे कुं केंगरम देश र छे द मेगरम है। । पार्व व रमम मु सुद्र विषय हो अकेर रदा । हेद त्रों संगय स होग य के छट मी । न् चे पहुरक्ष स्र दे न्व क्षे कि लुन्या । देव मर तहेव न्द न्य म स्र म नाजुर्मा । मन्ना भु कें स्वामित नाकेंद में दे 'न्न इसका । रेक म मलेंद नश्रुटल खुट मॅं रहरूब म है। ।नश्चनल क्रॅं र रह नेस रह छेर हम नेस छ।। मंबिनंब के १८८ च के बंबिनंब एवंट घ.घड़ी। । हा बांचेर टूर बालू.केंट.विस त्त्र पुरे म्ह्नूया । इस नेय हेद मुर केन् स्वाय प्रार्थ हा । दे भैस मा वि प्रामा विषय में मान के देव हा । एए० मा विषय हैर ह से के व हुण नाम पदी। मुंदिपाडु प्रिण कद पदी छी परासा। दि'तुष्र समारु'प्रिसरेण हिर महिका मझ्द केन् विन्क केन् केंस में क्षेत्र केंद्र मही मा नुनास दे पर्वताम न्यात्म युर स्वात हा। । देव मस श्रम हिंद सेस प्राप्त पर सर रवा । तिर्वाहे रेन महि कुव कुवाक्र मह्न । व्यक्षमा स्व स्वाप्तार है। इता क्याप मुहेश। १८५ व हे नेय प्य हे विहे १८५ नेय ५८। । वळव अ अर ब्रवायाय क्षय प्रदेश प्रदेश ।रिश्ववायायर ५२ विराह्म ह्राया क्षया ।। नव्य स्वत्य वेसवार्त् सहत्य स्वाधि स्वाप्तिया ।दे प्यत्येसवादि द्वा मुद्दर्भ । विस्तरमुद्दर्भ मुद्दर्भ मुद्दर्भ रेग स्वाप अर्थट्य क्यान्त्रभय ग्री ह्याय प्याता । विद्वा नृततावित उत् अवयादिरा व र र र र । । गुन में व भेर दे भेर दे ह र र । । इ हिन में द र है । तप्र. १ वं भूरत रें वं विश्व विश्व तप्र देश पुर विहर दें विश्व विषय । व्यट्र हेर नहेब पहन्य व्यट्र हे मुन्त्ना । दे द्व पत्न रह मुन्दूप द्वा प्र का किसल मुद्द प्रमुप्त गुर्व (ह. 32 त) वर्जे. केल हम हा रिने त पर्वे. बहुने इ'मरे व केंद्र इन ।दे स्वा है माने रम व व केंद्र हैं व

७ह्माय र्ट अधर है । जूनाय है। । कर ने रूनाय ने से प बंट ने पुरु रहें। म मह्या । १३ १४ १ में नेबंध प्रमेर मही देशका हो। । अर्थिय सर भू निवं एट में न के में बाबिया । एकेल एमें म रेन केन मन सर सक्द केन निष्या । व हुन् व विंग कु लब्ब कर महन्य थुरा ।ने'न्य के कद मकुन् नु लनु'म धेद। विसय भेर इस धर वेश य केंग्स मकुर है। । गुद मुद्दि इस वेस भ पहुँ पल पिट स पहुँ वा । पन कनल पर्व पढ़िल प्रवृद्ध ही व का । भेर मंजा क. से तील कैट अर्थ्रेट अराम किया । वार्यात जुर हुट विश्व वार्य अ वकुत् सर एड्न । ईर हैद क्वेस ५८ एक वर्ष के व ह्न । वन कनस वर्षे पित होत हिल प्राप्त प्राप्त । क्षुव वहव भे नायल वर्ष बुख पर्षेत बुेर रहा । रिमेल बुेर ळॅनिय बर्दे रिक्टिय बदय र्चेर बुेर हैरा ।रिनेना मुद्द तम्ब सु होत् वृष पर्याय प थे। ।रिण्य तर्दे मु वशुव प्वव होते हस पर हीता । धि वट ही नवार नात हैं प दल पर देवा । व वें व कल हुन रहा चबुर ल.ल्ल नर्या । ४ ह्ना.नुर नंद.नुर चब्न केट अट स चर्रेश । ईस. न्हेन ने न्यान क्षेत्र मुख्य । निवस्य न्यान स्व केन् क्षेत्र स्व ्रम् । दर तहेव प्यत्न हेत् महीनाय स सुदा सहवा । हेव स्थाप है ज्याय अर्थेटय.तर र्तेषे तपु क्षरी । विमातर.एक्टव खेट.अ त्र्यं पर्टेतय. यर मेरा गुन महिर प्रेमल दशक्या रहना रहना रखना व तार्वे । रहना पर इ.इ.इट लेल झ.क्र्याय जा । रिश्वाय तह देश मृत मुदे तह लेव तर ही। । वर्ष हेन् पन्ना केंद्र स पहेद् हैं कि हिन्दा । । नियद में हैं जाद का सव खला न्रेन्य प्राचन्य न्द स्वा । विन् लय न्रेन्य म्हन् न्द हेन् न्द हेन् येवव सन्या। हामन क्रमनामित्र में दे पर महिन्यायरात्युरा ।(ह 33 द्) विरायरा क्षरं मुक्तः श्रेसकः अर्पः व क्षेत्रभावता । सि च्रमः अ महिनायः क्षेत्रः श्रे ७ व्हर् यः हो। । ल्ट्रेट.वं.चंचेवाल सेट.ज.ज्याय यथत.वट र्चेवा ।चूट घड विषय वं.इस तुना.

बुद्द मही । य में द रद सक्ष द रहेद महे एसस मर्डे म कुर। । द द र 💆 र्भ देश नेय प्रश्न हैन हैन । खिट द्रश्न पर्देश टेट अ पर्देश कूय तिश्व थू।। म्बन्य स्ट न्यर एक मुहेन द्वापक व्यविषय प्रतः न्या । क्रिय क्रिके स्वापक स्वापक स्टापक स्वापक শুক্তবা বল তথৰ শাৰুশৰ শুৰি দেইৰা । ছেখে ৮ই. দুই মাধুৰ ছেখ শু. জিল. জৰ. होरा । क्रम मुद्र मिलय ग्रे. हो नय ने हन क्रम ग्रेयः नह सा । इस नेय खट स 🏂 नास हुना हिंद केंद्र घठम। । इस मेल विसस घर्द देश पु सेसल गुस पर्वता । कु केद क्षताय क्षेत्र स्थाय सम्बद्धाः । क्ष्य प्रमाय **द्ध**ाय मुडेम ८५४ च चेब घड मिबल। । दे.पढ़िद हेर मंखुब दब बालिट ८ में म प निष्ठेश । विनाय प्रदर्धिर वर्षानामा प्रमानिश । वर्ष प्रवादित समा विर् तर क्रूब विश्व बुंब बुं इस'तर'पब्च |इस'नेव हुं'पर, हूं प्रवाखित म्बद्धा । अकेर प्रकेष प्रमुख्य । अष्य मारु प्रकेष है। ।हेद र्र रे अ वन केद दर दर दे। १८८ नय केद है रेस है दिर बहेर परि हैं। । नहर ह्य है अकेन पर दे नियम निराध । इस नियानिया पर्व भेन ग्रे हैं वकेन दे। । इस विस्य पर् दुन् हें ये ग्रे के ग्रे के विद्या में स्वर प्राप्त विषय नि न्द्र अभव ४ मिर अभव मेंटा । विव अव ४८२ में ८ ४८ व व व व छे। । १९व विकास क्षेत्र मुं नाबि खर महा । दिमह में देव सिक्स रेन हे द केव. विश्व विष्य भु.रेर्गुटु,य.त.चेहेया । छिट टेटु,य पर्वे.श ह्य य.त.तम्हेरी । तर्हेशय तथ. अभव वैंट चढ़ी, पढ़े ६ वैंच है। विंद श्रद , ४२ . वें रे पढ़ी, क. रेट पहता। (इ. ३३ प) वेशक्षिर रमूच चेहेब र्टेशकानेशति। चित्रचेब सटक्रा Par वर्षे. मुं अष्टर क्षेत्र । गिर ह्रिय गेर पर्वे सर्ट. एते ह्या त्रे प्र र्ट्यन्त्रप्रस्याम् अर्पायायुक्षापुरत्युरा विम्यम् श्रेषके प्रमा पष्ट्य रे रेर प्यत्। । ति मुत्त मिलय क्षेत् पहुत् केलय क्षेत् इस यर केला । बक्द मृद्धे बक्द हैंद दूर्ष बेद मृत्रुब मृत्रुब द्युं। ।बक्द मृद्धे क्रूर व त्तु नेष त्तु चेत् नासुवा । अळव हेत् खुल तुक न्हेल चॅर **म**हनाब म म्युवा । मृत्व त्युर रहें य पहें व के के र रहें य के र परवा । मृत्वे के व हिन गठेग शुद कॅट शुद कॅट केद। । कुल पर गद्र स् प्रमू न मुन् सक इस न्युका । केंच प्रेप्य र्व एक व्युव व प्रवादिन हो। । नेव पुर धेर् म 🎖 मु 🕏 छ लेका । धुरि के छ्नि यह हिन्स वह इस यह विष न 🔰 । नाब्द पर अळव हैन तह्ना नाले केंस स निया । तिह्ना यदे अळव हेन नासुझ सास उत्तर प्रा । हुर उत्तेष पश्चाय ह्या क्रिय पश्चा । वाद्य यथ तिष मुँ है वे मु अळव ला । पण ळणल सुद हुल हिंर सूट रट पदीद रह। । पन्नास पर्ना ना बुनास पहुंद श सन्ति पृष्ठे क्षे अर। ।देर पन्नास व्र'न्नास 🎖 म हैं। बेद थेद था । ५६ स ८ द्रेय ८ र् स घ र द म म स स माना । रोअस ८८ रोसम पत्र हुट य इस हॅग है। । वळद यरण सळद सेट् हॅद अद्य के अद्य सम्बा । यहें दृद हैं म य यय यद्य दे च बेद हें दा । यम नेव सक्त हेय अट र्ण नेव दा है। । युव र्ट खुव ठव सठव हैर सिंप्य न्द ह्वा ।हेव की नेव च वयव ठन वन उ वन्या । महेन नद हें म सब पन्नुष इसस गुद पन्नुष है। । जिल्ला मन्नुष सम्ब सहद हैन हन्। ८८। । नवि ८६४ मेरे स्ट हे त इंग मान्य मा । हिंस दस महन्य निश्व यह व इस द नहीं | निष्क रिनह क्रु के विषय क्षेत्र हम रेन दस। । गु व हें व स (इ 34 व) में व गुव पुर महिल गरि स्र। । स गुर महिल सस लद'व हुन् हु नहीं । देव दश केंब हैद'र्स्ट्स नून दे नहीं हैद। । दद' पर्वे र्न पर्वे पुर दें केर् रहा। । यस नेय मुख्द रच द्रीन्य खुल जुन मानदी । विनायर निवास का माने हम हम मही । हमारेना मह निवास स्टब मुव न्त्रं बन्ब नबुद्या । नब्द न्वद श्रूद क ब्राह्म वह गुद वहरं धुर। । र्मु प्रकार हेर् या वै न्हें ब खु रर्। । बेर् र्ट वर् र्र मबेद हुँ मा हेरा । वर्षद मबेर २६ म द्र हम द्र व गुद महन्य है। । नायार रेन नवन द्वर हैंय द्वर में र मुन दी । हि स नह में दे हैं दे हैं लबेल लब चुट। १८ लट पश्चेर छ श्चेर छेर छु त्वस रहा। गण्डण छ लहम नेन महम ल महम हें ला। । जिस्तान हें लनेल मुन महित है मेल परला । द प सूर रस हेल जुन पहेन नस हुना । देस केन कु कुन अनिय त हेव हित्र स्थित। । इत्ते देते स्थित स्थित स्थित स्थित स्थापना । स क्षेत् गहेला । इ. च चन्न मृ क्षेत्र च हेत् केन् रहिना । रुनु चेन् चर्तन निष्ठेया । बिटान दे अटल में अन्य स निम्निय धराते। । निम् म्रिन निष्य ब्रे अके द' दें दें वेदा रेग य य रंग द स सुल द्वद वेश मुख्यार खुदा । इर च हेर चहेब कर्णाय घंट चर.ब.ब्रिट । । ८ र्ट्रेट ब्रेट.हेर.ब्रेट स्ट्य. पन्न केर म है। । १९ र र कि है। पर्म केर है प्याप्त केर केर वेद केया। । एक केर रर्वित देरे.पंत ड्रेंचय.र्वेच वेंर.तथ। १३८ अक्ष्मध ब्रैर ट्रे.सु त.र्व्च व परवया । मिन्दिन कुन तयुर बानारनान न नेर्दा । छिन समार्दन ला ह्येनः हिरास विव परेवसा । एविन नर गुव प्रदेव हैं नस नर स्वस्य सुन्हेंना । ब्रैं हुर ब्रैंर ख्रेंगब हुन पर्था त्युर पर वेरा ।रव रवे नखुर पक्र प लब भव वे.सव.पर्या विश्वभाषय ६(६ ३४ ८) मू इसारवेट.क्र्यावस्य दरा । गुर पढि शवर ह्युल रच ह रच ह दर प्रविष्य। । हुना रच के हुना क्ल'लचे द हव पर ला । न्युप्त हे गुव हे व क्ल प्रद प्यत् पुर न्या रनेत्रपालेयामु रयेल वेदामुकामरार्द्वा ।हेराश्चित्रक्त्रमे हम्मे

ल्पान द्रा । १३व र्षे व द्राय गुरु पर्या केट से वय हैं या । पन् द दे दे द तर पुंच ५८ क्रिकेट एक एक्टा । व पूर् ब्रियों ह्टिये ज ब्याय हो। । कबाय म्ब्र तहेन म रूर् में रम र्ने रम। । अल मब्रेय तहें रम रूर् रम की लिर्नि लियाँ। । हुना य गुव १०व धुनाय विव त्याय स्र महेवा । ११८ स इस सर न्ना यस रम हु न्छे। । अर्द नेस हुन विंच अहु हूँ मस रम न्छे न्ना । इस भ्राय या ९५८ मिमस के प्राप्ति सहित्य यही। १८वर प्रेर प्रिय लबाद्य पर पद लग हा । लगुन च गाहिक ५८ गुन पर पद लग गहुका । तियेव मुच पिले ति मु तिम्स रेस ध प्रेविष ।स वृष तिम्स प्र प्रेविस प्र प्रेविस स्ट प्रेविस स्ट प्रेविस स्ट प्रेविस धुँर पासुरका । 2वि ८८ धुँ अघर पाकुँक पाकुँक यर अघर यसुरा सु ०धक कर निश्च पर्टि है। निश्च प हिनाया। इंटिय त बंध निश्च हिन ही केर पहेंचा । अर्थेट क्र्य क्रेंट एचिर क्रे महिना हेनाय घरट स्रेटा । च हेनाय स्रेट हिना नहिना सहिनाय सदी। । श्रीना नहिन् सब्देव हे ने 'ये हेव सबेस येव!। लचेल या ठव वे नियस अवल इस लचेन लया । हु । म में न व्यास वस पड्र'माठेग'पड़ी। ।स रेग बंद लेद हें द संस्य तर् श्रेप लका । ध्रेग सह्या चर्ष भी पह गीब क्रेब मंथेश। । Na क्रेब मैं उत्यत्त. त. पटेंब में के य दी।। त्येद मुम कु मिन्द के महिल हमल धर मह्नदा । निम्रीम महिद बमल गुल त्येव मूच पदी स्वादी । मान मेशारयेव पर है स्वाद र्येव पर हिला । मा तयम मार मेश मुन दर है हिर मुन। । मार तमुन हेस य पर्दे हैं न्में पया एक ना विषय में विषय में विषय है स्वाय विषय विषय विषय विषय क्रि विषय हेव विषय हैं प्रयास सम्बद्धाः। । ब्रिट द्या गुव हिंद दे की क्रियः हैं द दे। ।र्देव रक्ष हेद र बचेल दंस वह ना सेव हु खा । कु रहा सकद हिर कु मेर्थ उर्वेट तथ वता । ज्यान च हेर, बैट. क छत्र, हे येथ तर, ट्यांश । कूल

### 지역시·대당·청년세 3 顧·知쪽학·영구·희·당리·대·보퍼·대고

बर पर होन नासुस मुल पर इस पर पदन । गुप सहर पदि में नर वन इस् क्षा । र हिंच है न अधर खेन नि मून है। । हिन म र अव ल ३व वेंस रत् कुल महिसा । माबव महेव वेंस ब्लीमस ३व वेंस एडम महे ही। । ह्मन पहल गुर र पुर र में न सम परेर प पढ़ी। । केंस हेस प में र मेंस प ह येंचे ईस म रहा । इस सह लय हूर कुथ पश्चिर सह मूर केरा । एति ए प्रीर हुर ज़र किर किर जब हूर शूटका । विहेर त्य श्रद ने परूष तह शिटक त न्ता । ज्ञात्र प्रवास्त विकास मही । पहेन नि के अधुन के नि अक्ष हेट हूंचा । मैं. ज्यस नहें सही निष्य राष्ट्र मूर्य हुआ । चुल छ ब्राट ने ब्राय ने वर्त्रेष.तर नी । यह यह हू प्र श्र श्री बर्द्र तर वर्ष्ट्री । विश्व विश्व व र्वे अञ्चय १६ श्री वह विश्व । र्रेट श्रीव एवं व र्वे व वर्ष रत् पद्धेव हे। १६.५ पक्चिर हैन तस्य अस त्रिस स ४२। ११व स्टन वन परम तम द्रम गुद त्युद पदेव। । ध कुम सुत द्रमेग्न ह्रा केद केद नें हा सियम नुष्या मुख्य के विश्व के के कि विश्व कि के विश्व के वि १९ व के. तपु भी व श्रूट चेवा विश्वय तपु लब ८८ ट्य. तश्चिट जिय ८० लया पश्र वंभव भूवे रेट पश्र वंभव भू पोलू पो । जिलुबं हू बोब की र.विज. वेंश. प्यने हैं त्र के किए। । हैं दिल अधिव भ्रव हैं वहा विशय ने हैं र।। लम मुन मान र्म मान पदिन हैन। । सेन नम्म हम मुन सम्म मे सर्व वर्ता ।रद्यादीन सकत हित् वय सन्तरायह नहित्सा ।न्द्र बिनाय बंदा में पतार ताजूर दुर Nai । द्वाना ब्रैंस अर्थेट सुध भी शिर के ଭିଷ ପଞ୍ଚା । ଆନ୍ଦ୍ର ଅଟେ ପଞ୍ଚିତ ପ ପର୍ମ ଅଟି । । ଶୁ ରତ ମୁଣ୍ଡ ଓପ୍ରିତ रत ही मुंद रेट है। रिज्ञात है त में दूशक देख तर रिप्टिं। पिस हमें मैंत रेट इय प्रीय ही अक्ष है। विश्वर निष्ठ हैं अत्राद्य प्रीट श्र धर विवया । स न नाम वन नम्याकेन मार्ड में र में प्या । खिम र दिव के हिर **क्रम ठ**व तर्व अप्रचा । अप्रेव प्राचाप प्रमान के प्राचा के अप्रेय तर्दा । हेन परस प्रस विश्व विश्व विश्व प्रमित् हैं रिम् मिन विषय विषय हैं प्रस्त केंग् कुद कर रें। । गुप अवत छे प्रमा श्वर कर वेग केद न्तुत्र रव विस् से वेदा । हुन न्दिन वदन श्रुत्स सुनु व विषय सुनु । वि बामुका । वन केन् केंस पेद म्बिनान्द सेल मेन् भीका । नेन तहे द तहेंन उत्पन्न प्र कृतापन दे। । गुन हिमायपाम प्राप्त प्र देवाचे व स्वा । क्षेप्तर्दरः दुलः ख्रवः क' के द क्षद हैन के का ना । दिव दवा के दाय दे पा दे व दे हैं द म्बर्ग । ५८४ विस्र हु। द्वारायमा स्वायाया करा विष्यु । विस्तर हु। हु। हु। विस् पर्व पणतः उ तर्दि। दिल ख्व कः केदः नेलः सः परः परः परवा । देन्द समुद् म मार्चनामुद्द देवुःम्बेदःमबेदा ।द्रमदःमंबःम्दरःस्वःम्बःम्बःम टे.ज.एहरी । विचिट एहर मैं.एस्य.लज.कुर.टेंब.श्रेशमें। विद्ध स.टेंब (इ. ३६ ४) विजय बिट ४८४ इस व्याप्त रिटा । ४२ व. घ. व. व. व. व. व. पदेव प्रस्य मिं । वियास मृब्द देना शास्त्र म्याय का विश्व रामायाः पदेव प्रस्य मिंग मिलास मृबद देना शास्त्र म्याया का विश्व दिना स्थायाः महेद'के'मद्दे संग्राण्येय प्रेया । द्वी सूद्रे स्याय यल केर दे लय स्वा

न्ति खाद रेणा ल का रघुर धु'के भुरा । प्यार यें पेक यें 🖁 रेंद भूणि व 🕬 । लेश प्रश्न अर्थेट श्रेष क्ष पा ट्रेंब टें श्रेट । विश्वमेश श्रुष्ट क्ष्र प्रति अर्थ प्र इस सु लिए। । गल्ब इसस महनाय लिए सामर समाय केर धर प्रामा ।रूट रेन महद रेन तुल नसुल पहनल दहल संनवा । दिने ततु सुह दह दयल এৰ ষ্বাৰ শুৰি দেউবা । সং দেই ই দাৰ্থৰ তেন্ স্থা मोदल पहुंच बर स्थ पर्योर प पढ़ी। । वि पर्वे मोखेंबा नीबंब मोबंब पार्ट. मकु दी। । मदन हु ह्य द्रम्म भेद ह्य द वद्या । विन केद वर्षेन द्र मदेव मुम १६ र राम अता । मालव क्राय स रूर रम यह समय भेव दे। इस रा राषु हुना राष्ट्रियल राल लास स् रा। । युर बुँनाल गुँच राज्ञीर राज्ञीत स् इस'मले २ईमा । कुन बुनाय बुनाय म २५५ १ व मे समाना । माबि ए श्चर श्चेन तुन्। मुन् हेन पर्डे स्पन् षर उर सन्दर्भ। न्द्रन्द क्र हेस रचंद मेर्डेस रचंद मेर्द या । अद हम पह हमायाला **हैं प्रया विषा । दिवद वा पहुंच हैं ' क्रें ' प्राप्त दें र दें र प्रेया । दें प्रया वर्ष वर्ष ।** नबाकुर ह्रा बिनबानर प्रश्नेरा । दिनान श्रम् भेर रेना न नेर्व अप्तर्था। त्त्रका व्यवस्थान र क्षेत्र विष्य है स्ट हे वा । तिस्ति क्षेत्र वा किस्ति क्षेत्र विषय है स्ट भ्र द्राल विषया । र्गा.म. सर्य तय ७ तय प्रवय प्रवय प्रविषय थे. ० जू। । पर. न् क्रिय वयात्रप्राप्त मृत्यु । स्वीत्य व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त बर्द्द चुरा अप १६ र्न रण महा हिर रण पर्स अप बिनया । ने स्थर विश्व प्रतिष्य प्रतिष्य मिष्य प्रतिष्य मिष्य प्रतिष्य मिष्य मिष्ठिय मिष्य स्था स्था पर में ला । हैं प्रस्ता सद्द मेल के द व के बे ने ने प्राप्त । शहर में सुद प्रह (इ. 36 च) है वे चर्य है वे अर्ट रहे। । श्रेश. वे. बेट. चर्च वेट. बचे. क. मकुर्दे। विवायधरान्देन करामर न्हेस विद्यास्त्रा ।रद कुलाखुरा त.सूर्त.त.बंदेश त्रेश.घर। ।तथ २.तर्थल प्रमेश.ष.केट.वत.तर.मु। ।स्.

र्वि पाविष पा क्षेत्र अव रत पुर छ्या । एड्न क्षे छे छे कु रप्त र्येर पुर वना । वर में हेव तमिल खनक तमुद्द खनक स्न है। । दे अद ति द तदक ८ मुद्द र्थ मुन्न निष्ठे स स्वा । स्वा य स्वर न्द वन पद्न केद द्दा । म्बुर र्व मर पदिव केर् र्नेगल रयर ईव वै। । श्रेर स्वर श्रेंव सस म्युस मुँब सळसरा सुर दया। पहुँद हॅप्यापित पिते रय कदार छुन् उद पहुँदा।। क्साय पढ़ हुना पर्झे सस प्रव निवेग हु। । हुँर सस हुँद वस द्वा पर्दस वर'र्'रश्रीमा ।क्रिन्स हुँ र छ्र ६ र्यर यहुँ स केर य र वेर। । हुँ म महिल मकुर इस वर भेर हेर हवा । इं केर लुक की के वस के से हैंव सहरा! पर्न बेर् निहेल हैं न्याप्य सर्वे प्यार्थ हैता हिंग नहिल नहिल नुद हार य श्चिन् बेरि अधराने मानुसा । केन में मानुन खनास्य कुस सेमा मा के। । सक् व हिन् कु' भिल्न पर्में न छेन जार बन दे। । क्विं क व नपर में रेल न्युल अध्यापश्चित्रवया । श्चित्राय यार्थ्य हुव य हुन य यथा। । दे लट हास बर्व हैन देव केन नदा । निवेष्ट हा पद नम् नहीं हिन श्रेनात हैला । रचेंब ने चीर्याट्य रुवायय मेंबायर ने वाराय ने वा अञ्चल-देत है। । इस रम देश-एन्नेर-हेम-अहर रुभ-मध्य-मञ्जर। । जीस-व्यवतः श्रेवसः र व प्रांचः माहे सः सुः नवस। । इव मेल परेव गुपः ह्या परे बेबस डबरमता । विनारे व सवागुव नहि मनुव निमृत्र हुन। । निन पुरे म्बर् दे'गुद्रम्बिरे द्रम्पर नेया । मळद्रि प्रवस्य दे गुट्रम्बद् मे न्वतः। । त्यतः नवा केवः हैं वा चवा कवा व न्वतः शव केवा । स्निन् हेव के हिंना ह्य (इ.32 व) वयान्तर्ति हैं हैं । विनिध्याचे हिस सूर् हेर हैं है हैं हैं हैं हैं हैं हैं मन्नान्दः मन्नाने रामः सन्यानु । जुन्न विष्या । मन्नि विषय विष्यान्य । कृद परि १८ त स प्रमा । निष्ठ स् मे निष्य में में निष्य में प्रमा में निष्य एड्न अ बुअ ने बुक रूट हिंदान नहीं । गुरु स र्ना ने स र के ने स स के र मे स

प्ता । गुन् हुं में हार बुर लार प्ता अर्थर स केवा । अर्थ ह्युं र अ**र्थर होना** अधर धुेव सल ९६० । दे ये कु ९५० धुेव हुन धुँद नावस यस। । हैस पर्ने र पर्दे र क्ष देवल राप हैं पेड़ी। पिश्चय छे. हैंचे पह पश्चिय प ईस प निविधा । प्रतिस सि. सिम्स रेट का. मुंब लिंद क्रुनेय हा। । रह तर्बेट क्र. त इस दैन एक निव्द सहै। । धे देव दुर बद स सुर है अस सबेदा । दे'ल' रदेंद हुल मुहेल ख्र इस परेव पा । इस म मुन्द प्रे रेसल सुमिरेव पर लर्देन। १६ लाह मेल इस राह कर परेव प ना । पा बह इस है हैन ल्हें ने स ने हेन नहा । इस के ना स इस प्रम में महिस के न ही। । इस ह्व द्रूट म क्षेम में रम रेम मबेबा । केर म मुखल द्रूट के मदेव हुव म है।। महिल हिंद नेल म महिन सु मदेव मर वर्देंदा । खूद मल वेल हर में ल न्त्र में य न्ता । यात्र कुष य व प्रिय झूट में प्रिन् गुरी । रिन्नि सम है परव है बेर नहिव सुर्धे। [स्व'मे श्रम र्पेद सःपम् सन्य में श्रम। न्रब हुते हुन इसस रयमस बचस मब्द नैस मम्म । सम्रतासन हस म्बर्चित्रं ब्यान बद्ध प्रकृष । एड्न **म्वर्गराम्बर्ग प्रकृष हे बर्**चिर हरा । इंट लट परेंद पर व शुप नेव प केवा । विट रेंर वेपाय हुँ ए गुद हिंप पर्व पर रूट । विटायत् हिट दूर द्वावा श्वेष अवक्षा पर। विट रंग हेर दल हूँ द पर नेल दा भेला । देंद र मा भारत हैन है नल महिल हु ट् ब्रिला । पश्चर मु । चुर हम बेबब रमहे हैं अप है। । हैं नव मु न मु हम कॅंबरक्षक हुर हिन्। वित्रप्ति ३७ प) द्वर य र्व रस र्व वस्त ाक्रेर बेरे मने व मक्रिय के व के का में ना किंग ना । तम स स के ग म म्हिन सर्दे रु. मेरी । रिमें से सर सर सर स्वाय रिम स महिना । सर्दे लिन्य इ.प्.१८ अट.रात उत्र श्रिटी विद्वाल सं.रवेश श्रवेश चर. 

मान्द्र यत र गुर माहित इस हि मह र गुर मान मान मान मान मान म्बीत ३ क्रिल ग्री तर्ग मिहेस रेगस सम तमाना । क्रिल ठव हेर रुर्गण ग्र पर्ना पर्ना । प्रमुप्त मु ल प्र र्व प्राप्त हिन केन कु ल्यत प्रेशियाम् स्प्रांता । द्वित येत प्रेशिय दस्य ह्या छत् अवत सेला। ब्रुट र स ल ५ मुँ ५ 'हेब ल बेल देनाय च लेखा । अध २ मा हैय च या व त दें द न्त के कश्च केना । गुव हम हिन्दन व र्माक विन धर कर। । शु सुम र्माट्य. ए जोल प्रेन ह्य. र वट च वड्या । र ट में ८ रू ट य न्याय. निय धिटस देश । किल. नीरीका. ने इस हूं नय. चीन नधु नी ने कुने एमें री । हो. द्व अर् ह तत्र इस बि.अविषे कि.एकू प स्वेचन मुकाता क्या क्विं प्रा ब्रे देव श्रे पढ़ित इस पढ़िपा शेसल रस हरा । किल इसल गुद हिंप रहिला हित नेय हर प्रति । द्व दया स प्रति ही हर प्रति न श्वी । दिन्य प्रय त्नीम तुल की तुल अळव हें ५ ठवा । पनेव नहें स हैं में नहें न ल हैं न प हैं।। व नन में न होन नुष्य नम के नुष्य हीया । एकम न्या मिया मारे मुद्र हिंस हव सम प्तथा । प्रति प्रस्य प्रणाम प्रति इस मार्के सेन् सेन् मुना । भी संगय र्विण प र्व न्म क्य मन्य पा । व्या मा विषय मा हिन विषय प्रमार् व नम हिना ग्व निव के रूर्र मेर माळ्नार हैन रिया । रिया से ले के सा म मे रहर पढ़ेरा । ह मन्य सम्बन्ध क्षेत्र अहर अहर हैं य नहर ता । एट रहर (इ. 38 व) अष्ट्रण है पेंटे कूप रट. बैंटे. अटी । प्रति हर दस प्रस्ट लिया विश्व प्रवासा विह्या हेव ताम्याय बहूव हिंव ति हेर पहला निष्यं मेन्य ह्य रेमने रिनेश महूर यत रेनेंट रेट । विष्ट य पर अमू. क्रुंबब ८८ है अ'नुष्या। १८८ अ'मब्रे ८८ हैन्य मब्रेस ८न्न सुम छेर। । ब्रंबेर पहल हर प्रिंश तह नेयान किया विया विया विया में वेर क्षे मुंद क्षक्रमा । मदेव मुक्रैय वह मामुद्र वहुत्य मरुय वहुत्य केंद्र दे। । गर्र व रेण कॅणल व्लेच छेत अवर युग में ।वय में हैंद य'हेत् छै पहना नु निहा । निह्न गुर्व के इस रायना या साम श्री श्री निवास क्षेत्र स শ্রুর শ্রীর ৫০০ বির লামর ইপর হা। । শ্রু বিদ ইনি প্রশার দের লা न्धन हरा । गुन हिम्ब कुन नगन्द महुन हे हुरा । मन्द्रम केन नेन न्स हुम बन् न्युन् मेर मल्पा । येण्य सर न्युन् स्य ब्रूप स गुद् देवे। । ति व त्र त्र हिन मिने व समय भेव है। । दिन दस मिने स समय सम्बन्ध १९ न्युट्या । णुव ह्व तहेन हेव न्युन्य स्य यु व्हेंदा । देव ५८ के प्री प्रम्म केन मान्त केन सा
ामान अस्य प्रमा केन क्ष प्रमा १ मन्यायस ह्या। । दिव दस दह्य हें द सि त्य ह्या से सहना । सप्रतः पकुर नेश निष्युंच पर्हे प्राष्ट्र रहा । दिस घटत हैं केद'हैं दे गुद' हित है। १९.वेर ८४ पवर प्य प्रव रत किर वर्रा कि वर स्थायाया न्स महत्य भेद है। । मूर्ने न्द्र स मुम न्द्र खेदा महि धेरा । ने 口漢기 수본의 하는 오토리 다이는 원다'다고 제정도의 | 기괴다'의 모고, 뭘 하는 될 때 चल दिन बुन्य लया । तहेव इत्य केट मावव जीय न सुत्य माधेव। । वत्य मेल बिर ब्रेंट ब्रेंट ब्रुअ हैं नेवारा है। । जे मेल हेल वेंच हेव वेंनल न्छे प छ। ।य पहु रेस पर्य र झु'प्रेय इत ८६न प्वेर। । हैंना नेस. ଦନ୍ଦାର ହିଁଦ୍ରେମ୍ବର ଅଟ କୃଦ ହେବା ।(୫ 38 ପ) ୧ଟିଶ ଥିବା ହିଁ ହେ ଛି बेन् छु'र्द तन्या । धेन् इत्यनेद तहेद नेय सभेन १५ सीमा थेदा । विण् वार्षेश वाञ्च वेश अध्यक्ष होर अह्य अभ वश्च । नुब ने येच तक बयक क्रियाविव क्रिट दश। गिंग बहर रहे क्ष. विट क्र्य मेश्च सूर्। विश्वक्ष सह. न्में स्य म र्यम्य सेन् बकेन् ग्रैस मण्या। । इस वर्षे र हुन न्म न्द्र मा इत्र देव ग्री । युन्यान् हेव ह पर ह पर हिंद् केंद्र ग्रुटा । विन न सुकाल स्वाय विश्व क्षा ने द्वार शिवाय। विश्व र श्वेव क्षेत्र विश्व स द्वा चर्चा.

क्याय था। । बच अर पाय की किंद घर रेम्टिय म है। । विव घट विव छव. ह्यस मार्के ५ ५व ५व छ्या । ५६ म स्ट ५म सेव ६म गुव ह्र स्त्। । क्ष १८ देश दि पर्में तिर हे बरद रचल देद लूरी । गीव हित र विष गुद चहुनाल बेद य नालद दमद गुद हिंच वेद! । विदल मुच गुद हिंच बेद' गुर र्व रुव मरा । रे म्सुब यह म्स मर ह्य मर हूं स बेर मरा । बेर' न्द र्भन् न्द न्य र्मेंद य हैन। । यह व हैन से य न्व न्य ह में बेन।। ने क्षेत्र मेल प्रयम रुन क्षेत्र हैन ग्रैका । विवाहित क्षेत्र ग्रुव ह्य है। । कूथ ८८ घरतुंच घळव. घळूच बाबु बाबिस झटल। । हूँय चेल हुन स क' केर्'गुव' रुमें र महीरा । इस महिन महिन महिन से सर रसास रूट महुन। |इस हुन इस नेयादे में महेन मुम ह्या | क्षिं फे एस गुरारहेर है मे नेवाहेन। । पनेदाम्य पदिन गुर तन्याम मुकामहे भ्रेता । दिदानमा 수도 저 전도 뭐 다양.꽃이 나와.쥐에 | 네이스 붉다 모드 붉다 게이 돌다 찾다. 됐어. न्दा । अक्ष्य पद्म श्रुष्य अवत त्रम्म ए ए पर केना । देव विपः च द्रून **कॅश हेन् पॅन बेन् न । ।**न्युन सहर पे नेय प्रनेत ग्रुप स(क 39 त्) ग्रुप ष्ट्रा । र्व दश परेव पतर रर पति व माग्र पते। । वेद द्वापा र स वे चेश क्रूंट फेर्न पर ९५८। । मार्रेस क्रूंट के नेस रह रेगा हैं लारहें मा । सर् विगय सक्तर्य हिंद वत स्रु है तर पहेंदी निर्देश वल कर लिगय रहे अभयात्रा विभवानिवेट ह्यायात्र्येतायक्ष्यात्यवात्राप्त्रवी । वियामध्य विश्व वापते क्षेत्र पुरा है। विष् हामहिल क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व है। निवित्सव मैं सेर निविक्त हर हर हर हर है। दिन्य बेद सर्थर भक्ष्यक्षाच्यात्रात्रहान् वराष्ट्रम्या । वयात्र ह्यान ग्रीन्त्रात्रात्रात्रात्रा

## 4. 미워드'콘디치'菁'글'걸디''다다' 미워디''다다'됐다자!

पश्चा पश्चा प्राप्त स्वाय प्राप्त प्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त

वस्या । पृष्ट्वे प थेय र्व रवाष्ट्रावेराण्टा । गुव परेवाबत हैटा के व अन्यन्त्राच्या । एवस न्यत्रन एवर एक्ट्रायर खुन्य सहराम बेटा । निर्ण ने अष्य हेर नेश्वभ्रत्व यनश्रम्बन्धाः । बिर ४६न ४ तथः सह **छ**र पर वर्रे र देल। । वर्रे कुरामहैल ग भेद वेद सु पदी लना । ० प्रस **गुःलबःचे**न ह्याब ग्रें हें र्हेन दे। ।नुबःन्नःकुःस्बःकुरःबेन मनेःमःमबी । पञ्चन'न्युक'र्श्वे एता प्रमाय स्थानम सक्त तकावा । दि में हिंद हैं दे हैं दे हैं द हे विराप्त तहन । देश केना फेर् वे सकद हैना प्ना सका श्रीमा । सकेना न्मव व्यव विव विषय महाता है वि । विने कि व है कि है वराय है न मकना यदान निहन दे क नेन विदे तरा करें। विदे दि खला केन रामित हुना इट वर परी । जबर इज्ब परे कि से से व ह्यांब कि है। । रे हैं र चन्या । धु वि महिय पर छ हिंदि हिल ए हिंदि महिया । महिदि हि हि दि निवानिक निवास मार्थिय भ्रम्य द्वारा सम्बा । द्वार्य हे पहेद छेर फ्रंट्य चार्य पढ़े दे पड़र । । वि.छ.भीव.ब्रिट. त्र्रूर. हें व.व वाट ब्रिटा । ह्याय.व्या प्रह्मा.स क.रट. क्र्ट. तर् कुथा भि. प्रेश्वर वेश च च बचा दश्वर क्ष्म प्रवेश । विस्त प्रतः द्वापदि प्रीयार्भित द्वा क्षेत्र हेता । हिंदा हिंद प्रव (इ. 40 व) मनापड् **ल्द नार्ड मं दी । क्रें वर्डना स्वापित में प्रें ने ने ने ना । नार्निनाय क्रें नार्ड** रद्याचेष्वाक्षाम् भाषा । स्वात्रेयसम्बद्धान्यस्य विकास अ.चे.चे.थवर तथश्रानेंदे,टु.हेर.कुबा डि.पूरा.क्षा.टे.तडेदात अवर.हेद. क्या । स्य त्य मृत्य श्रुन् । त्रिन् मृत्य स्या । युन महे श्रुन् । युन महे श्रुन् । युन महे श्रुन् । न्वत्रभ्राम् वर्षा व

एक इंत नक्षा । नक्ष्य भित्र । विषय भित्र के देव ुनाय प्रविध म् उसार ७ सूरा। 1 ने य पुर ७ हूर क. १४४ ही र तर्, की री। । दिनाब नाबुब कुँ यह गाकु समाय दान ए विना । भूस नाबुब हीन स केद सते क्षिक्ष हावारा प्रस्ता । वेद एड्न सळव परल से टिंस क्षित्रीय हे। । जि. मो चल मोहेन महारा पाप होते ज्ञान होता। विषय भ्रता प्रमाण माने स हत मह केशब द्र धुर। । धुर धुँ ए सक्व घटल सक्व केद मेग्य एई एय बना । ञ्चित ही द हि वर श्रुत केंद्र हिव केव किया। । १८५५ मा हामाय रेगा ८ हेव संगय यञ्चय तहिना हेद नदा। । तहिना हेद तन्स सक न्यान धरि रेस यहिद वर्षित्। ।विषय मुद्द वस्त्र केंद्र प्रस्त्र केंद्र कुद्र हुद्र । ।वत कुल हेद लिह्द प्रिंद हुंद क्ल लिहार कुंदा ।देनाय छहे दल दु हाँच अहे द्वाद छः न्दः। । श्रिम न्यव नम्द म्यूर हुन वेन नम्य वन वे। । श्रुव अन्यव नवः चलै ८८ ह्रिंस'स्य ग्रैस। । तन्य तः हेर लेव ग्रुं भित्र सहय प्रें द क्रास। । गुद न्वे हॅद मेर मेर रह इस धर नेया । हुँद छेर छन के वर्व हरे इत वर्षेत्र। नियम हूब निम्मू ह्याँच य शिव अष्ट्रमा महिला ।नियम पहुंसा क्ष वर्षेर पदि भे हिन वहें में जा । रगम प से रन सं प स्न वर्ष न्केन्या ।ने में व हेन पह भेय रा मु हुन। । नेय रा देय त्येन्य हुन बेर् हे 'र्र पर्या । प्ययः प्रव प्रय पर्ट हिव हेन य पर्हेव बसा । न्ह्य मुन न्ह (ह 40 न) ने खन कुरे में नेय नहीं ना । निन्ह हैं ने हे नहने. मह्ल म्य पर् रेंच क्या विषा विषय कर्त प्राप्त भर्ष केर के अधर होया । क्र मुंख के क्षास्त्र पर बहूब एक दिवा । विवय मुंब ईल एट्सेर बकूच वैंर. हा केद'हैं। । मर्ह द हि दे द वे कुद नासुल दन नीय महाया । कु कुद वें या र्टान्यक्षत्र में ८र्मिय घटर। विचय, ब्रैंट मुक्ष घर क्षेत्र खे. घटक हे. महेदा । तस्य कुर क्याय म्युव रम मेवाबह्द'रु'स। । कु'कुर'ह'र रहः

मबैंद रिंद नाबल माहें। । अळव हेंद मबे ख्व इब मुम्स कुंद रम माबी। । गुद नादी निष्यास्य कुष कुँद स्द निष्या । गुरुष्य रहोय स्द नाद्य स्वस ह र दा । त्युर म नेद मस हॅन्स मु हिद् मर सुन्सा । म्बे स पुत्र क्षेत्रस प्रदे न्वत्य युन्य न्कृत। । विस्त्र क्षेत् हित न्यय रह प्रदेव **मावस रे**णस दे। । एति धर मासुक छूव कुष रणुर यह रच हात्स। । न्ये न्युरे हुल गुरू में एर है अस मञ्जीनल। । सन्य न्य न्य न् क्र क्र क्ष इक्ष गुव मु नवसा । हैं नव नन्तर प्रस्त के द्वित सर नवस सबैस ल्षुर्। । चय न्याया पार्वेश सुबेर सारे क्षा की र्युट्सा । एस न्याय सरे. ८८. प्रमुख्या के प्रमुख्य के प्रमुख्य विश्व स्थाया । वर्ष स्थाया स्थाय स्थाय स्थाय मन्यान् अव वह्नवा । स्वान्ते व सारे व हे नवा व व व व व व व मीचीट एड्ड व. मोड्डेश क्षेट एक्रिट एट्ड के क्ष्रमेश भर। । क्रिट माड्ड एच्डिट माड्ड. टे.लब.क्र्यंत्र.तथा । एहता हेद.हेद श्रेवातटे.लब.क्र मृत्यं यही । श्रेवा Ŋ.염୯.lana 紅.ễ리.용.ロ소.ẫ디! llana 네싦의 휑.디소.눈의 희의.툁소 ロ भवा । हिन्द कु. इंट बक्र्य. है. परव. हैंस पर्व सी । शिट नवुव (इ. ४१ द) निषया हैन विद्रापति हैं, हुए जिया । ६, प्रिय पड़ था थे र पड़े र पड़े र पड़े र पड़े र पड़े र पड़े 5म । ख म मूर खना मर्व छ । इस न विम न द सम विम र विम न ब्रिन्-हिन्। । पश्चिन-हिन्-इमापय हेर्च-द्व-एव देन है। ।न्धेन ब्रेग-इन्यन्यः चड्र·विश्वेशक्षेत्रवाहेरःचदी। विमान्द स्टसःश्चिन्चन्यः स्ट्राह्मत **७चन। ।** पेर्टे-अर्वेब,श्च जन र.अज. श्रें अस. ४६ मे. में । पर्व स. थन थ चतु. स्व : हे. पर लेव : परे : चूं | दि : द्वा दि : स स : हु : के स स स : स व । व व **≝्राः** चरः श्रेवसः तस्य श्रूदः तेः नेसः ग्री। विः द्रः तेः त्युरः प्रदे क्रियः प्रस्

ख्या । दे हैं न अडें व चे द हिंद के व में ला । विन हिंद में न नुन नुदः एडन छ। सि प्रेमिला । अर्थन चि ए हैं ल है है विषय मेल क्रेसा । हैं हे से अस न्यत कुन् इसस त्युद्द परे मावसा ।इस पडु न्पद स्व नुस की तिम्र सर तकर। विवय कुर नमा मनुर रस केन व्या माना । कित तहेन कुर मु ह्येर प पढ़े लेख पर्यथा । लब बुनाय न्य वन न्य पर्य सील मार्या । कु ८ ८ व अ ८ में ल छ ८ छ य तथा । कि ८ ह्व मेय बया हु सामा है स लहुण । ज्बे हेद नमः भेद न्येल लिंग र्वे नु लगा । ने भे न्ये म पकुर दस प्रेब पर प्रम्ता । श्वाल रूट के मेल ग्रुप पर श्वें हुँ ए एल हे। । लुक ८८ क्रम सुर ८०८ ईव वि ठेव विद्युव । १८८ मर ८६व ५८ हुल क्ष्यं रल वेल रत। । भ्रांत्राचश्चर क्षा क्षेत्र द्वार को नेल या।। बद्ध कुष क्षापर वसुव य पश्चर गढ़ी थे। ।५कुष विकर्षर गुलुक केव घ्यवर নিম দাই হৈ । ই ব প্রথে দাউ নক অ'কু দু ই শক শক্তুক দুদ। । । ক'কু দু देनाय हैन अवर विनारिय रोहर है। । किर है, स् स्पृष्य क्रम के स्वार्थ स्वार्थ ब्रुपासळें र प्यर्म हेर बुम्यावया है वरा तहन । विकास रे पर रम् निया प्रत्य बुन्य सन्या । श्रिम सन्द दे से स्न विष्रा विष्र विष्र । । नुस रिवेर सम प्रसुद्ध पुन रहना पर्व में प्रसुर। ।(इ. 41 प) सम्रद् गुद् ह्म द्द द्य द्वित हिंदर्द्वा । न्यत म नेयारम मही मिर अक्ष्या बूटा बूट अ बूट कुर टेंब टेंट अक्ष्मल तर हैंवा विधितेट. न्द्रम निष्ट्र स स निष्या । निम्म मक्ति त तहना हेन ने तन्य सन्य क्रियान ह्या । ह्या चार्यक क ब्रेशन हीं न हीं ट ट्रेडिंग विद्या । विवास एड्रा हिंद प्रमुद्ध रूप रूप पुर क्षा । दिये दिव ले नेव में व पर हिंदू दु ही । 美 통,월다.스턴의 및 당전는 당취는 다.영화 | | 급하.당은 비 취는 급 취는 급스.환. पर्वे ब्रिटा । पर्वेट.ते ६ केंट.लव जय पर्वेष.वे.वे। ।हेट.४हर्व **ब्रिट.जय**.

पचर प्राक्षे रम्म मा ।प्र मेरे सब ठव महुव र्घेम केर रूम हुला ।मु नासुद सुनाय गुँ हैं हेरे ५३ र्सन्य महदा। ।हेट दे रहित दे रेस म नाहित धिद हे। । महीद रेअ रे में प्यद लग द्ये म दरा। । मादका स्वय दर्रेक मान्या हु पाले अवर युग तम्या । श्चेत मेन नर्मेय म दे में अवर येव है। । न्युन महे नदस हुन यद सन गुद स हुन। । हिन्स रेस ह में न्यु म र प्यति प्रसा । या प्रमाप्त प्रमाप्त हे हुर प्रमाप्त पुरुष । १९ सम हुनाया स्व प्रव क् अक्टर हिंद रूद कर्। । य अक्टबस नेम्ब सेल देन्य रूद्र नाई रोट्र विरा ।रविर नावस पढ नाडन झूं वस नेस पर वा । ।पहुंस ব্ৰি'ক্ৰ পাৰণ কু'নব্ৰ ইপিল এই ইল। । ২০ গুৰি ভ্ৰম ৭০ ব্লুন लिंद लिंद में प्रा । अने के कु' मे परे हैं द लहे व छे त ही रा । अन कु'मदी'मन् रम्बापुरे धुनाय नाखुय है। । हिंद धुनाय सूद नाखुय देंद न्य क्ष हैन न्दा । गुव ह्व हेव ल्येल न्दा प्वेद वर्ष न्द्या । ल्ह्या भक्षत्र पर् हे श्रुट. में ईव चेट अस्। । श्रुट पर् रट पर्ह् दे. स् विश्व अ भक्रेन मा । विद्वापर् प्राप्त विद्वाप्त विद्वाप्त विद्वाप्त विद्वाप्त विद्वाप्त विद्वाप्त विद्वापत 8८ वत्यः लय छे. नेरु क्रेंद्री । इंट द्वेतय हू में हूं तय तह है। आ है। । देंद्रे. प नारुव (중 42 व) वि प्रूट पर्वे '२ चुट पर्वे '२वि | 1월 रणवाम्यव गुप बुव महिन वह तथा । ८इव च चे न प्राप्त विषय विषय विषय । बह्ब,वेट की रट.बेट पहेंचा रचन विह्रा विवेट की हैं राव पन कुब्तव महिल समाना । शुद अर्केम' ५ स्यामुम स्वयापदे मयस महित ५ ६। हिन ब्रेन्।रिह्नि।रिह्नर ब्रुराय यस च चर्डा । व्रुन्त रुवा है।र्टाक चराक्रेयर निवंदा छिल। । वस क्रम हमाय ग्रैस मञ्जीत १८ श्रेष भव ग्री। । इस ५८८ प्र क्षण नह्य चित्र होताल हेला । ज्ञानक सः ह्वित्र पार्चित्र पर वर्ष ह्वितः सेन् रन्ता । मेद हु हुँ व वेद प्रदाय माहित हुद र दिया । गुर्व प्रवट हुँ गुर्व स्वय देव हुन

त स्वाय श्रीता । निया स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं विषयं विषयं विषयं विषयं स्वयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं रिट वि प ह स्था विश्व रे पदेवा । लिय पावा रवा.येण हीर प देव प माहिला । ने निया सथर धुवि तस्य सिते कुनि य धुरा । वर्ने राव विव राव कु पनायम् पठ् हेट। विपन्न वर्ष्टम् इव परि देव पनायम पर्वेट् हे। । लाम हिर हुँद य पासुस गुँस वंगाय पृत्र की । वित तहना में तबत के तरिर त्युच यर त्युरा । हॅ ५ छे ५ कु ५ छै ५ छे च यह ५ छ च बे दा । कि म ने पबुन्य द्वि मु र्बुर वर्ष 'र्द कुर्। । हैन य के न बैन व न्वर्य नडर हा । इस ५ वें र इ पन् पन सम क अर्यु पही। । वि के र उसे के दे के स म्ह्रेय प्रदःसम्।म्ह्रेया ।मन्द कुद छः दि क स्रुदः म्ह्रेय स्रु स्**रु**। ।कुदः गुै'ग्रस स'प्रस'रेस'र्देस गुप'र्द । । । तस क्ष्म हेद रहेर कुंद गुैर हैंदर महा । लह द स केन ह्युम अकेंद हीद होना दमहा । दम नादस में पुर न्गुलार्वरावक्र हेन नः। । हिनाब र्वरावहेद स तव हनाव महान्दिना है। । स् निर् ह्र ह्राय सेवा अक्षर मुव भ झवाया । निग्रीय पहर ने नश्चर क्रुचेय र्राप्तर विवयः र्ष्ट रेखा । विष्टः चना मुः मः महित मा रहः विवयं हेवा । लेश रेट चथ्र बेर्डे, प्रक स्वेश क्षेत्र क्षेत्र तर है। । चर्च स्वयः वे केर्रे (इ. 45 प) ८६ प स्वास हुँ प प वि । हुँ प कु प ८० द से प स्वास ग्रेश । इतार्वेर में ग महुन मले हे बनन ठर गुरा । र्गेन महुन क्ष्ये रूपे अष्ट्रथय हैं र पर्याप पर्य. पश्चा । शिर यो हूर्य हैं र हुं य पहेंगी. न्युं प्रतरत्वत्। । व केन् व्येत् क्षेत् स त्र न्यः रेण्य स मद्धी । स्वरः नु म द्वा मदी ह्यांब ८८. श्रेंच मर्सर पेडेबा । बंद बना हार ट्रान्टेब तेडेब के विदे क्रिया । तकर्'पर पुरे हिर् पर विष्राय हैं वा । **ग्रिव**शास्य हुंगार्पर पि 월८'ጣ정의 회작'활리 | 「디미'다'미정의 회작'디회자'다'똣'론'ᄚ니 | 「다입다자' 

वि हेन वदम व रह दे दे हैं र वही । दिन गुरित हर से है दह वह न वह हिरा । गुन गुर हेन म महेन म महेन न स सा । अन मन समन गुन हुन नाजुका से बन ८७८। विष्ट रोहर नाहें र व विष्ट एस से विष्ट पर्से सा श्रियानम श्रुमाराम हेमाया पहिना श्रामाया श्री पर क्षेत्र हिन तकर १व मा । द्<u>रे</u> हे तहेव देशक हेना पर नहिनक हेव नहिन्य। । हि लगुर में हे खेन च हे हैं न वहें र्म दे। ।र्मम मॅरे'रेअ'लब वेन म र्नु उ'न्युम्या ।र्'र्न्यम्हर् च नुबै-५८ हूर वेर लमा । पहूर चल रचन चेर हुन च नलसर रे परी । मुद्धे दे स म महा पद्धियात हर पर्म । शिक्षा कर्षा मुद्द स्व न का प्रस्त ल बुरे पर। रिचल से ले नेल पाँडर गुर ल हैते। १९व र ट सिट सेसल गुन तमुद्दारदोन पर वेग । ग्रे भ छ : इ : स : न दगर खुद देन । हिंद पर : स बक्षत बिर ब्रट तर्थर.पश्चा विष्टि.खट.थर्ट्य टेवट हैर.वचथ.ही. विन । पत्निन् हॅन्य हॅन्य घ केद घंट हे 'न्युअ' चन्या ५८ घंटे हे 'चे वत्यातान्य मेरामहेवा । द्वापायर परेव पर्वेर कर हेनाव में वन हिंगा। अ.र्व. प्र. च दल ४ त्रेर. प्रथ त्र ही। विश्व में त्रव. वैश चय. श्रूश ही व निश वना ।हिंद(ह 43 व) यं केव में हिंद हे हु संदर्भ । खुन हु स रनन हैदारहित मुख्य ग्रेसारहम् । हापापदित् महिस ५३८ केन श्वेन स्था सामा । म्हर्केन हेन्यापदी प्रमान्यसम्बद्धाः । महन् हेर् केर् म हमस कुरानिवे जर्वता । भूषाम सैत ईरार्धर ज्ञाक्रातावा । १ सर् वर्या नश्चिम् दुः तुः त्युः प्रकुत् ५८ः। । पर्नुतः है ' इसः त्ना दाय विषे । इ.वृंद्र. पहें ब ह्या र प्रांच्य त पश्चें र.वें त्यां विंदे कुर विवस तथ हेट. ह्नाः ह्व ल पड़ेद। पड़ेद ह्विप यद लग पढ़े हद १३वय छ भेदा । क्रिल लगः मुब्दरमः पश्चिमः हम् क्रियः करः दमः।।। दिश मुक्दरमः द्वास्यः मुक्द है प्य है स्परः महेवा । तहन मुव हिन स्व स्व स्व स्व हिन महिन महिना । विमय सम मह्रा बुन्य में साम मन सिर् ह्या । तम्य सिर्म प्रमा तह्य मा पद्धे स क्विमा । ला बुरे में में नेब मान गरी में माने वा । मिने माने माने ब मेर में व भार्मेन्य मुलय हीरा ।हेय व्याय मार् होर हेय य देव एतेर हेया ।हे. बिं में प्राप्त प्रति प्रमुख नियम में जिल्ला विश्व में मुन्त में मुन्त में मुन्त में मुन्त में मुन्त में मुन्त **ह्रमेश तथ.एडेच । हे च ट्रीश एक्ट ईश नेशिय.टीट ग्रट, तर्हा । ६ च.** निष्टि किंग अथय कें ले अरब केंबा । ह्में बरा बराय पाय हुंद पूर्वा स्थि पाय ला ।र्देव पर्नेट हुन्य के रिल प्य देव पर हैन्या ।दे दन छ प कू दह मुद्रा मुद्रा मि सल रस्य सह दल रमुर. नशुष्य दुरसेला । मुद्र हूनः निम् मुन् राम मु मुन् म प्रमा । तिम्म क्रम हेर स मुन् हेनाम मने केर त्युर। । ल हेरे हे हें ले सहस कुस परे हैं दा । रह में मूं में ल हे द हा भिराने में प्राय स्था भिन मु र्वा स्युन होना गुन में है। विवाय द्वारा बेर मेद हु रम हुते रमदा। । है जय मुः ईल बेर मते झें दबालहण । हा माक्र्य मेर्थ क्र्य से ह्रम भ हा । रहा हिराला ने व ह्रम न्रेराला स्था । र्चे प श्रेम मूर्य दान रेम यापद्वेदा । श्रेमनाथ क्रम मर्मित चेर. कबर ज्ञां र्टा क्रियं स्व क्रियं के हिंग्लिंट क्रियं पार्वे वा वा विव विवास (इ. 43 त) विध्याप्त निध्या मिष्टे विषय प्रया । अथय है पर्वर-८-प्रेंट हे इब स पढ़े। । बब त्याप ० ब्रॅंट प या विव कु र र र या बुटा। । धुे । बह में मन हुन मकुरामनर कुर ला । भ्रिक्ट नबट म वट नबट हा केर मूरा । मूल त अथय ई. रमे. हुंट क्य मुसेरा । मूट. ई. क्य हेट ने. हुल अर्तात् हरा । अर रच ज मूल श्रेर धर विल चर ७ हर्म । चेन्यार विर ষ্ট্রিন্মের্ লাইন অন্তর্ভার বি । বি বেল বেল ইলার ট্রান্ नेया वितार् प्रे व में ना देश या न गुरु। दि दे ता मद न गुरु न गुरु।

र ल्युर। ।ईर छेर पहुं पर्कें पर्केंद सर्वें लित हो। । गुव छेर सर्व करें पकुर के केल नवार। । पहु म5ुव कुर विषय हुन हेर ८५व स**छ।।** एहेग हेर प नासुल ही झेंस.कुंट इंबल श्रा । पनि विचल अ'ठूरे कुर पट्र. मिलर घर अर्थित्या । विर् तर हूर अथय वि.टे मेशर पह हुर। । रे प्रिंद. 8़ेर देय पात कुर गु किया । ला है वा दूरे प्रम् व्राथ माहित सु पुर। ।वा দুনী শ্ৰমি । মু ন্যৰ ৪০০ কুন বাৰুল। । যাস্থ মূ বুন ঘল কৰি এই শ্ল वयातकरा । द हे रताल अष्य पहेंच पत्ति ल रही। । व अ पत्ति पहें र. न्ष्य व वे अदे खुन्या । कुन् गु न्रेन व ह हुन् न्गुय वहिन न्दा। । न्तर मुर न्य केन भेन भूत हैत दे तहन। । यकेन य ख्नाय कु तय की क मुचित्र । हिंत हे. तथर ईस कैंट कुट्य अट मुद्रेतया । हैंट अपस क. मधु है से ब बारे दे जा पान है । या मुने दे से महूर महूर महूर मह्या । हिंदर मुँप अष्टरं त. चैंच. पिट चर्चे कुंश हूं तथा । । ल. हे. रच वर पत्र के. क्य ह न्द । निये न्य तन्त्रासु है न्व न्याविषास्य । म्यस्यस्य है हे स्वयायः इत्राधर म्विन परि स्नाय सा विन परि से गुन पर पहुर प न्युट रा देव च. कुप्त, भहू रे. पश्चित पा बाबिश जुबाता के वे ताप्त, पश्चिय पश्च के वि वि... नुव हुवा हेल मु वालक वेंस यह देश यर मु (ह 44 व) व हे न्व क हुन् ।।।। ঘই।।

# पर्वेष्टा हेयो.प.पुरारचा.क्वी.पश्चप.प.रुश.तर.है।या

1. 여름따'글 구'원' 현영'원제' 폭리' 디포' 라지' 디자' 대다' 위디자! 절리' 독리 디지리' 디지 독리' 디포 라지' 당' 링! | 국' 따드 푸미' 두별 두'원 두'원자 मह्त मन ना अवा मार्ट पर्वेचन पहन हेर हेन मही । नेल नम न्दर्भे वीर यह में में स्टर्स यह । । निर्में न स्वेद अ से प्रमें में सहिः केंबरा १५ ११ तहला चेंद्र मुठेका सरे हेंदु केन ५६ । मन्तर मु दल के देव केंद्र विद्यारेश। विद्या हिन बुद बंद हर देश देवेंद्र हिन न्मित्र, । हुर्व पर त्यान चल देवरा वाद्य, वहरा । कून द्व वार बच अवस द्व है रम्प दर। विर विभरात स्वीत विवेशत प्रवा पर विवया। हिंद छेद दर पठल गुर् हम इर परे देंदा । विल वेद होल सल सल मर न्य सरे ही। । निर्म्य हीत यावन स्यान हिंद इतन देव दें। । किन ने न्युटर परि न्वेश म नक्ष्य म स्वयः। । ५० न्व तर्न पर सक्षय सन् देश म नेता । क्ष्म त्व व न्त् श्चिर हाम तमाम नेत् हूँदा । विमय नेय नेर हूँ स न्त्य वु त्र त्या वरे के दे । दिन्द व व दिन्य मा दिन व व व दिन व व क्षक्र म हिन नन्द्रन्न न्यान्वन नन् । ।नन् वन्नान्यकामर-न्निन्यः माक्तामानदी । देश केंद्र इट उट माब्द्र द्या द्या गरे वनमा । १३द वस ह. च. हेर विश्व छ व. पर्या । निर्दे न वन हेर विश्व र अवव हेर. त्रः। । प्रेर्वाचयुराम वेसायरः त्रेष्य म मदी। । त्रेष्यामः **येदः** स त्वन दश ख. द्रा हा । निविद्य भ श्र. हें स हिंस न्वेट स हें स. घर ' चर्ना । गुद अप्रेद से नेव अर्द प्रेट देंद स हैंदा । घ'न्य क्षा केना में ने से हेंदा। हुद ह अ ज्या है। हिसाल हेव। । द्यांत देख वायंत एतेर वाद स्या लाक हैं वा । श्रेय स्थ पर्ण केर श्रेट यह ले मेय हैं वा । सक्व हैं मार हे व सि इस नेय भाके ह्वा । चय हर मुं के रेस पर देव भाहें वा । जदय समय इन पर देन ल हेन के हा । तहना हेन हेन मुन दनन (ह 44 म) खल दल नेयं रंगया । रद छायं भय हेन र्द्व पावव के हेन रदा । सद्व सुक्ष हेया न्यन् खुटाने कर् अ हेना । केंब गुव रटान्ट हैं अ कव नहेंन वका मुना

### 2. त्रिन्यं, व्याया श्री द्वार देश न्व त्रेष्य । हेष्र त्रोता इस सम्मिन्य स्थापना स्थापना

मिल में हैं रे श्रेस क्षेत्र मार्टा। विदेत्य स्ट महेंद साम्स्कारम्य महेंद्र स्वाम्स्कारम्य महेंद्र स्वाम्स्कारम्य महेंद्र स्वाम्स्कारम्य महेंद्र स्वाम्स्कारम्य महेंद्र स्वाम्स्कारम्य महेंद्र स्वाम्स्कारम्य स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्य स्वाम्य स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्य स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्य स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्य स्वाम्स्वाम्स्वाम्स्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यम्यस्वाम्स्वाम्यस्वाम्यस्वाम्स्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्स्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्वाम्यस्य

अनावा ।रेनव । रेर पुर्वेट वेनव (४ 45 व) प्रे हें बुरा ।र⊏ पुट हिल स है केंद्र देंद्र केंग्रा | कि व न सर प लेंद्र मालव दम स्थार । [95'यर के न्ने यन्न हे हे निले गुना | 15 में यर निष्य अरे हिन य लट । किंव विषय देश मा वालुश वार्षेत्र मर मलेता । वि हिन हिन है मदेव हव सर हैंग । लिंग हे हैंद दे मगर स हव के बदर। । हिंद हैंस हुँ य पार्ट प्रवस्थ अपाय ८५ य प्रवस्थ हुन। । क्रिय गुव ५ पेंट्य पार्टेण बेट ह के बँग्य प्लेन। । निस्त केंय प्रमेद प्रमाहित स्थापहेद द्या मुख्या। । ने न्या हि में हिर है पहेंच व पहेंच। विल पर सिंच पर्नाव राय वाहे वाहि मल्य र्वा ।देव केया वर्ष इव गुव हिंग हैर तु मरेवा । यहिंग वे रस यके र्व र पर्व यकें। । अळव हेर सर्धिर बहुल यके नेस खुल रहा। अप्तिष्य प्रमान पर तित हे श्रेष्ठ श्री । तित क्र पह्र केंट्य प्रवित रेट कें ल्लु मा । दे दण केट में इकाण्टम कटार्मर प्रमा । द्वे पहि काद्युद नेल च रवा में हेर। । खर अन्य नवस अन्य नुव हैं र र्व रव रचे। । क्रैंट प्रेनवार प्राप्त हैं। विश्व प्राप्त प्राप्त विषय विषय विषय विषय करप्तबेदा क्षिप्तसम्बर्धन हेन्द्रस्य रहेन्यु ह्नाप्ता । दिन्य न ह च.रचिर.जर.चक्र हेर.चेख्या ।क्र्य.श्व स्रे.वय.चर्.चेन स्वेय स् न्छे। । तथनाव न्दाधित हिंदे तहें व हिन सरान्दा । हिंद यहना स महेब् मनेब् संप्ता है व खु में रहा । व देन मन्द्र महिब्द महिब्द स्व मिन्न व दिन । रॅव'न्ब'म्डेम्'न्द श'न्न्'म**ॅन**'नु'बेन्। । पर्डे ब'न्द पर्वाव ने ने र हिन् त्र्राष्ट्राप्तः । अत्राप्तायाप्तायः नेय कृष्णुवार्द्धः हे। ।कालेप् रॅंब'नब'मनेब'म'में 'ब्लिया ।रॅंब नब'रॅंब'में र बुल नम के कुल'में।। रहार्ट हैं अकद अर्द है साम्र लिया । यह हार हिंद यह व सह स्थार हार  प्रव हिंग हैं में नाम प्रची । विनय में नी प्रचार में निया में में निया में निया में निया में निया में

#### 3. न्हें दें 'हे' प इस पर देश पति 'स्रम्

अन्तर्म में नेस पहनाम कूर्यम ल के. ता विदे . हे. जून पखेड के. स तर्मे. अम्म में केल पुन प्रस्त होता। जित्र होता पढ़ित हे. जून पढ़ित होता। विद्य में स्वर्थ होता। विद्य होता। विद

तहेब ही। विदेश स पर्या केर हैं नव पर मेंब र पाय है। विदेश हम क्यान्यम स्ट हुता हा रेज हुट । ाज्या तक्या यस्य २८(६. १९ ४) हेता. वह्रायान्त्रक र वहेश । गुन हेन देश प्रदर्श हेट हेट वटन हरे हा । छट प्रदेश रचार कुर्व बन्द च के । विकेष च हैं। कि जानाप हेनेन से में निही। मेज्य ८० वत्सवा वर्षेत्र अर देश वेश वर्षेत्। १ देश सपर प्रेश श्राम्य प्रमाण बिवाय है। । एए ए उन र्ने राज्य नीय मह मेन राम कीय। । वेच मेर लेख ज मुंब बाहर रह हुए बिबाया । जुद ब्रेट, रह्य में इथल ब्रेट. 지= 원네가 형 1 15의 교도 원드자 四도 꽃 위조 저역자 등 명도자 1 1 국 월도 국 न्या मन्द्र न्य के मन्द्र कर । । याद्र श्यान श्रुष माय श्रूप हिल हेद लमेल ना । मिन्य केर वस्त उद चदेव स न्य बादे अनुवा । दे पे हा चदे खत दे मूद्र य हेर्। ।वद्य पहिन यापायि द्रार्थ प्राचित वा । मूद्र पिष र्वतः इव रचाना व रचना चलि हेर। । हिंद हमार विवास मुद्द रूद खन्सा । नि व क्षे वि म क्षेत्र रद मुंबर हुँद बबेर २५। । द्वान मुंबे फ्रंट म नुव दुगम चु वह मुंबर दूट बिंदी । ट्रे. लुस ब्रूंट ब्रेस ईल एवंटर ब्रैंट ईश्वस ब्री । ट्रेंडे. प परं वहुं वर्ध. द महिल सु पर्वेत्। । अर्थन परि नेवल प्रेत्रहमा प्रेम प्राप्त हुँ न प्राप्त हु। । सेल चह बहुद मं चर्म कर इक्षमहिम दी । इस मु चर्मा कर रमेश पर है। बद मुहेला । धुव अद हेद धुर हृद तु मुहद ल'दममा । देखे देखें वन मह हैं ज मह्ये दी। वि.अज में ज रहा अक्ये निर्देश हैं है है। । हैं न में है स इ.त वर्ष ७६४ में हैर.रबंब 13 अर्रर रे हेर लूटक से हिंबस मर मान । इस वर है। इप होत् नेत्र पारवेचना । नेत्र मेर रसी सन् र मा का है दाया । यदेवा के देव सहया स्ट्रायर ही खिन्य है दा । से सस इक्षार्य तिवेशाचरेचे भराने हेय हेवेश पर्टी । रिचि अथा वेश वे वेहेश हार नाम मे हेन। १५व ५६ बन्द्र क्षेत्र हार माना मे ग्राम हा ४६ मा लुखा । नसु सरे गुन्द केम बद सद रखन्त सुम्म हरा। । नूंद दद हेत त्तृत्व वृद्ध तहुन देश य तहुन्। । त तस नवुद्द व नन्त्र हे ने न् महे, । हैनेश गुर ५ हरे त प्यांच ८० पेंच ह्व चेह्न विह्न विहेट सह द्वारा सर एव गुन कि नहित्या । विवास नामा नामा द्वार नहीं। दि ह कृत के स द द द धरारहेता ्ने समाय्ता के स मृत न वुद केरा निया । देवान द्वा छन् यम सुर अवर न्ते पम म्यामा । एम इपन्त विष्यान्य । प्रिम्य मिन्य मिन् चुन्-भूट हरे रेन्य म खन्य ग्रेय मनन । दिस्य अवर न्या चन महत्त्र हे इस्राय पहा । माहेद प्र यानस्य प पहु स्वात देवत वालव सर। । द्वत गुब्दिन केर के बेर हैं दें ता । निष्ठे में केर देन में मुन्द पन्नाम्बर्धः । स्नि पर्व क दस दे प्रत्ये दु तहन । प्रति परिन्य कद निष्य में हेय पहल क्षेत्र। । निन्न पुरे खलान्य में ब पुर के क्षेत्र जुर। । खल रुव रुष्ट्रिल पन ने नेर रुद्देव ल'पन्नवा । देवल नेन हेन दान पनन मुद्रामुद्र यर हता ।दिन दसरदेश मुद्रा हत सह द्रा है। । वाहन हिनास पहेंद नवल पर, द्रेनव पह दी। | दिनन, देनक एड्रेल, श्र. व ट्रेश्व कर्नाल. क्ष'न्येनमा ।र्देव नम'न्येन वेन'रैनम मागुद'वी'नव्दा । एन नदी' महा दश द स अ प्याय ८८.। विदे.क्ष्यं प्रयोग ता प्रकृत होत् र वे वे वे दे हिन हे में त्वीना पानहना हु तह वर्षन पानवर पहिन्ते त्में न नहें न। । नहें में भेद में नवद रना पद ला उस। । नुद में हैं सा दर्षेत्र हेन झट झेट हेर झेन धर छेर। ।यस त्युर खेंब दर्मन झेंब सम म्नियाक्षे भेदा । विराधन सुद केद क्षा रहें र हुंद धर तथा । विस्ता तथा

म्बद केन्'केसल गुम्(ह 47 द्) केन्'यम हैं मुला । मृहेल केन् केल न्धेम्ल स् हेरे ग्रस्य पर्व पा । येसस ठव सम्य तुल गुव भी हैन में है। । ग्रम 크미 디디미 디디 회 회원도학 튀작 다'된다! 「다본도 오스라 스립도'화스 디디미 화스' र्क लक्ष मूला । बूट पर व बूट बेट हेद र होत लब गुट लट्का । मिं सुर ब्रुंद हिंद हि अर्द क्र के हिंद। विश्वास चलन चिर बेर रहा चिर रेना पत्र हैं गया । शं के अब रत पुर से बल रत में पता । परे मिने गल हैर में हि नर के निम्म में बर्ग में हिल निम्म खिल के में में में में स्टर्स हैरा । ह्या दे तथन्य यस मृब्द हिर हुन न्मार पत्रा । ईन्यार क्रेस रमुरारदेर दे व श्रुव र्वा । ने ८ हिर्दे व पा है व र्वा रिवेट व पा है पाया व या । दिवेट य पा मुद्रम क्ष्म में भूर हेब लक्ष मेंला । बर्द मु द ह पर दे केन बेन हव त्युरा। ছবাৰ ব্ৰ প্ৰথ বৰ্বাই বাই বাৰ ক্ৰীৰ চিহা । ছিৰ বাৰ প্ৰথ ব চিহ ৰা रत्रूत् अन्य। ।नव्द्र्त्त्याय यत्र्यं प्राप्त स्वाप्त भक्ट्रन हर्व सं.लच.र्षं.वेर.चबुरी कि.श्रन श्रूय संत.२ थ लट श्रमय.ग्रु.हुरी। स्राया है से प्राया स्राया स्राया स्राया स्राया में स्र र्वः सामा । विर्क्ष र्वः वरे वेर वर्षे दे हेर विषया । पवि स्था मुन् सुन तहना में ब्रुपायदेन। । निस्त ने में हे हिन्स बदार करायस पलेत्। । मनेव ला केत् प्रमुख यस के त्युर हिता। हित हेत् हिंग्य के कु लच्य हुद गुरु युवा ।हेद हट लच्चेल लचुट ल्वान केट निर्धिद या ।दे १९८ हैं अर बुर तहना धन के के । निर्दे में है म क्य मर रेय मह सम्बन्ध 4 |

#### 4 품·즉기'품의'다려'품의'다구'국의'다다'처디지!

व्य प्रथा प्रम हिस हमा हेत पहेंचे त रेट । । पहेंचे पहेंचे गेंचे प

पर्याश्चर पर्ता है। द्वित्य श्वास हित्य श्वास स्वास हिता सर हिता। नश्चिद्ध राम निर्माय कुर मिल यद। विकास मिल वहर विषय क्षेर प्राप्त । विष रण सिवाय में हिं स्वा इसाय प्रत्ने। ।(इ. 47 व) न्य मकुन् वर्षेर य मह स्व रेव केवाहेवा । दिव के कु वर्ष न्ये भेष क्रें पर न्यार। । तके देस वस तके क' सेन्' तके' यदे के। । केंस सेव् से यदः इ.पर रेश्वेचंत्र प चेश्वा । त्रवं लच श्र ध्रूचं श्रेचं श्रेचं संघरां श्रेचे । न्याम कारेय मेव बदाश्रम हर न्या। माश्रेव खय में द्या हिन्से ब्रुट्स वनान्द्रिंग्यद्या वि. वक्द्र्र्ना वि. वक्द्र्र्मा वि. वक्ष्यं न'निहेन'तु है। ।दे दन नसससद्य के' रिदर् हैं 'हैं न' छ। । से नहीं प्रमुल के अ.वेब.श पस्टेर हर। विवास किर् श्र. झ.च पथ की पथा विक्री सर **ब्रे**ट प्रथम:देर.८६४ क्रेपय.क.तथा ।६४४.श्रेर के.अब्रेर परेचे.स्ट्र ४चय. स्तिवेश । भे वार्षात्र हिन सम्मान मान्य । । अ हुनात्र हिन स्त्रायः मर्चभाकाकेता । केरामेवाखरामा सुना महास वसन उत्पारा। । मेर महेवा भरे. १८ भ्र. द्वाया भरे. बिवाया । किवा पर्वत विश्वभावस्था रेविर तर इ.र्चन म् ।कु.प्तस्यस्यद्रात्नायनुद्राचीयान्वद्रान्द्राः ।श्चे नविःयसस्य ब्रुंबस'य'न्ट'ष्ट्र'ह्रेट मञ्जुव। ।घट'क्रम'न्द्र मुहेर'घबस न्ट'ह्रेट'ह्रेडो। व्रनायते प्रमायमा दे पाने राष्ट्र स्न हा । क्रिय गुदार पाने दा मे न मते देव। । सर हेन नेस ५ छ ५ महर १६६ हे । हे । हे । हे । हे । चढ़ी इस पर देश पर साम भी विषापर में गुवास के गाव समा प्राप्त में द्भवःम् छित्रे अह्यं त्यञ्चयःयः ज्ञुअः भेज्ञःयरः क्षृवः यरिः यस्वः यहे व वेल पुःः ग्रेन विचार्डल वि.चाललाक्षेत्र वास्त्रस्य ग्रेन हो न्यून वास्त्रस्य वे वादला वर्ड्ड वही ।

### 

# ନିକ୍ଟେବ୍ଟେମ୍ପ୍ରକ୍ଷି'ଶ୍ରି'ଜ୍ୟ'ମି'ର୍ଜ୍ଧିୟ' ନିଷ'ସଞ୍ଜ୍ୟ'ସନ୍ଦି'ଷ୍ଟସ୍ୟା

वित प्रायम देव हिंद झेंबाप्य हमस सु हार। वित स में हिंगा रोगस गुद्र नुष्य प्रवेदा । शेव प के हुद नेद तहेद कु अर्डि केदया । वि न्द्र द्वा अर्दे निष्ठ में देव व वर्षा । दे के दे व अव हे निष्ण व प्टा । क्रियार व द्वाप्त चेत् संस् हें मा यहा । (क्र. 48 व्) टेस क्रिमा नेष्रदान द्वीत्रक रम हैं निवेश । हिनाना हिनाना निवास निवास अह्मरा विष्ट मुख श मेळ्. अर श्रामेश्वत मामखेवा विशेषामे पक्रमान मना नवस सन्य ने हेन हेन्या । में रेक्ष हेद प्राप्त में परि हला नुप्ता । द्धिनाव वाळीनाव हेव वे सञ्चव सुनावानाव हिंद। । वशुवासदे सुल नाव वादरिहा कट'र्केण नेव ८८। । व्हल'विवय स्व'र्ण ग्लेट ८८'र्हेग'रा ह्या । ।दे निष्ठे तर्ने न अंश्रेय प्रयम् प्रवास । अंश्रेय हिल प्रमेर प्रवास ख्यः कु. इय चकुर स्वा । रश्चेत्र च श्वेर वे. विच.रट. श्वेर. च श्वेर। । अपन ८८ १ व भूट ह्विट. तब्द. चेट चर्च पर्वेदा । ने चर्च त्वत्व क्वा विवयः भूद व्य अः न्नान्न ।हेद अन् क न्य दय दे ह्नायायरे पर। । व वट एया नट एया लामहेद सर एह्न । हेन महे मारे मार्थ मार्थ मोद मोद्विहा मु स्कर्णा । विस मुर इ. च. हेर की श्रें अथ ४ हिंचे चार्ड़ थे। । ट्रे. ट्रंचे पथ श्रेंय वेशक इसक चर्डिट फ. म्हैया । मुब्द हर वे व्राध्नियाम्ब्रुयाम्ब्रुयान्व्यान्द्रा । चैद मूर्

महिल महिल ८५ के छेर ५८ छेरा। हिल य स व महिल महिल स ८५ छेर मकुरा। तत्व हैं ल त्त्य मेव हुत्य त्य में ल में मा । में महेत् हैय लहेव हुत् सर न्युव ६८ ह्या । हैं न हैं ल' बहुब है दहन के पान हैं बब पा । दिव मसम इव नेस महिव दर एड्रेस मरे हैं मसा । इन नेस है सस दर कर दर कर् म बेरा । हुव गुन ९६ म । यह भैर मेर मारव समय उदा । रिबेनव पर ८ हें न सन्त केशस नदस रेश र नु है। । निर्मय दन शुन्य सु न्य र्घें में अस न्य पहुंचा । सहर छेद १ सम ह न्ये किस सकेंद हे नेसा । नेद म्बद्ध अधर हुव हु पव अ र जीय तर्। । यट्रे व्याया अक्ट बाश हू व अपर. नि तर्देश । नि वे स् कुन प्रस् मुन् गुद मु मुद्दी । वि स सम् महार वस्त रत महिन पर मेर्ना । हिन सहर में क्रांत में सिन से पहेंदा ।(इ. 48 प) अट ह्य क्ष पखेंद अभय प है. प पर्णा । ईस्त खे.रन्य है.त.है रूप ता । तट्रेव तप देश २व ४व रट क्रेंट तर है। । बर है व स्नाय सु परे परे देश हे व महित्य। । वृत अंदय हेर पर्ने नाय त्रदेग हेव'य'र्ट'वर्द्धत्या । दिव'गुट झ्नाय स्नाय दे'र्देव महिर'टा वेदा । न्वे पाद्वारवेत् रपातृ द्वापरारवेत्। । ह्रेन् न्युन् हे पादेते हे । द्वे.पञ्चित्र। ।अक्षव.अ.स्ट्रस्य.४ष्ट्रस्य.४्४.६्रम् पत्य.व्युट्ट हे। ।देव ८६स. बक्षव द्विताय देव हताय एक्टलाच हैन । हताय पर हैंय मुदा मुदा स्वर मः श्रुप। । केंब है न प्रवेश है प्रविष्य क्षा क्षा का हिवासा। । दे रे रे ल सर इनानियाद्यापरात्वेता दिन्दाराहाक्षेत्राहाकुरान्यस पुरनेया र्ह्वेरा न्द्रंबर्बर ह्रेना वे नवा न दे त्र हा । मूंबर हल परना केर देव ल नेव रवा गुँका । नुपुन्ने श्रुवःन्न मुल लः बहुबःधर हर्षेत्र । नुपुन् नृद्धे द्वारार के में ना नहन के । १६८ न वि प नहर के प्राप्त के का हिन के निकार के निकार के निकार के निकार के निकार के निकार के विच्टान्द्रार्टान्द्रविष्कृत्याकावराष्ट्रर देव । तिह्रव सेव रच्चित्वकः न्धुं प्रवास सन्त प्रमु पुर्दा र्यं र ह्वा १५ गुन्य स्वास यन से प्रवेद नु।। म हेर न्धेन्य मु अला ल तहेव बेर तहें मा । भेव मु हु हुन्य रेंग त्यायायते नुका सु मन्ता । निसु का महक्त होन हिलाय निम् युन। । मिनुने सु के दिन हुट दु रहोस स अधुद्। ।दे दम मुख्य सं र्रम मङ्गेस पेरस मेद पर्दे।। बिटंब परत सिन के बें नावस मानुनास पहुंच था। । निथेनास पर केंस राम इस लपुन बुद नु लहुन ।इस यर से हुँग छुन सर्थेट र्थेय य व। । दे व न्रेन नु सद प्रस वृद नु'तहुन । दे वे यद द्वा नेद तहेव सबर धेव ने। । शेद हुर एक्ट ग्रेस के त्रव किट एटन ब्रुटा । अट्ट व भे. हैं ते ने अब त ट नैंट 로디 디덴드 | | 최도 왕 최도 다뤘도 다큐어(왕 49 q) 자도 디디 등 | | R 본제, गुद में अस तहेद मदस रामल हैं ५ ५ ३५। । अळद बळेंद रह हुँदि बळद १ हेन सम प्रमुत्। ।हेन एमेल हेनकाल खटारीनक मैन क्रमकानहरू। । रत् हैं व्याप श्र हैना नेश रव अक्ष्म । हे विषय नि वन प्रतः म्र पर्वेच त है। । रतिर एह्ना मध्याप्य खु हैना प्रीयात्र थरीया । ह्या सर वेस ध हेर हुँ र प्रसम महत् कुरा । 5 र मन हन्य सर्व देव रव त्चेत् च वेसा । मार्रेस कॅस कॅस क्या मास सम्बद्ध मास स्वापा । दे प् चलेव हैन न्येन्य हैं यान्य में दाया हैन। निष्यत रता चलेव ले पर म्नाया नर्। १९८ ८.४६४ में शै.येषु बे.हेब.ब्र.सूथ.४४ परेब.न४.४। ।

# 2. 夏'み差す'うう'うう'さう'さう'さう'さら'さらいます'う'さら'なっている'なっている' 4年15:14年1

मुटा। जिस तह कि.स्.बिस्स नेब्य.सह स्था । १३४ ब्रूब.ही स.ही स्थ मोहेस संब क्ष्यानचिर ५ रूरा । ब्रिट्य.सह स्थ.२४ सह नाहेस ल नेब्य. स्थानह, वृंद ५ स्थ्.विस्थ नेब्य.स्थ.रम मध्येरा । विस्थ स्थय स्थेर स मनुब् थेव हे। । निमाल इस ह म तम्ब स् मानव स्न मह्ना । नि मिर लाम उद ९५ँ५ कनाय ही मेरे नाहेदा । गोर उस ८५ वेस पकुर पङ्गिस सुब ह्य पड़ी । कूर प क्रेंचे पर्जा के भूट और त्रूं श्रेंदा । रिवेंचेय प क्षेत्रव मबुद मद्रम् केद द्रम् महे द्र्वा । तद् न्य देश वेय क्रम हमस हु स हर। । रत ही ते अक्व है द इस य यही इसलाया । नेय रय ग्रैस यह प्र द्व य है मर मब्बा ।मर्देद म मब्बेर ८९वा क्र्याय लझ छट ८२ मञ्जूषा । । । । । क्षल य दे वैष बाटिंद पुष हें। । बे दिने के पक्षेद पष्ट दर्ने पर्ट्न । तित्व पर्रेव केवल प्र प्रुंप यह हिर तहेव कुका । दिल तक्षेप सक्षित सि ष्रक पढ़ी घर। ।परेद पढ़ीरे इस प पहु हुन य इसकार। । । ५५ पई दः इत् हैद नेवर्ष स्पष्टित हुँद्। । अर्थेद लग इत् द्द त्व दुनेद्द पर्हेद त्युष प्पारा । भेद(ह 49 म) हुम्य हैम सहेद महम हुसय **प**द सम् हैन म बुन् नु म बन्। । र म बुल ने न्य इसल न न हे व ल बेल के ला । इस यर वर पर में निवुस केंद्र स वेदा । विन केंद्र रेन्स सद वृद हम सेसस निष्ठे स्वा । विन सर पुनस सन्य कर ने द क्स य पदी। । प्र येरे सम हर बेबब हर म रबेन्ब है। । हिंद बुन्ब केंबर्द महिंद र्वेटर्देवर्द बेन्बरम अन्। । हल विस्तर पावस निष्य में मध्य हैन। । वस ग्री केंद्र रेण हैंन इत् इत रहेर पहेंदा । नेय प्रवेद प्यव प्रयं प्रार रूप श र हिंद हैं। । लयनाय दें र पर्व र्द के ब्रिंद क्याय पड़ा । ब्रिंग सन्य बर पति दने मु हूर पर्या पना विनामि पतु. ५८ वर त क. भरीय. की विषेत स्नेय हेल हुँ प्रभाजित्य सु द्रम् पत्र हें हुत्यु। । वे प्रम् महत्र प्रम् प्रम् नह देता । ने लट र वर स ब्रु र वर कर मा । कर र ना वक गरिषद्य / ...1698.3. ज्ञानक, क व. कि कि ज्ञाह भारताथ, बरावकी 101

भक्ष हुं में हुंचा नातृ हुंस इस हो ने में निष्टे नाप से नाय हो। । मैं सि हुंचा हुंचा नाय ने। । मैं सि हुंचा हुंचा नाय ने। । मैं सि होंचा हुंचा नाय ने। । मैं सि होंचा हुंचा नाय ने ने में सि होंचा हुंचा ने स्थान में सि हिंच हुंचा ने स्थान में सि होंचा हिंच हुंचा ने स्थान में सि होंचा हिंच हुंचा ने स्थान होंचा ने सि हिंच हुंचा हिंच हुंचा ने सि होंचा है। । मिल्ट हूंच में सि नि होंचा हिंच हुंचा हुंचा हिंच हुंचा हिंच हुंचा हिंच हुंचा हिंच हुंचा हुंचा है। । मिल्ट हुंचा हुंच

#### 

 रियात पर मा हेर हो। । यायल झेट ट कुल झुँ अर ८५व पर। । इस म्रक हुट गड़िर गुर अस पक्षेत्र संपास पकुत्। ।पसु व गड़िर गुर गड़ी त्यल मुक्ति सु तर्। । माद वन द्वाद म प्रुल त्वेद इंद में म्युका । लब रूट में रूट में केंब हिंच म रूट । । हुट बर रूपट रूट केंब रूपट अधर विष है। । इस प्रमुद्र माले क्ष हम मान मूर प्रमूद प्रमुद्र। । बुर रूर समय उव हुँ पिरे रेस परे छेर। । परिण मैस हु गदस पर्वे कर दम पर पर्वेदा। इस क्षेत्र ग्रंट क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र एहन हेर महिया। । सदल क्षेत्र मल्य पत्र क्षेत्र न प्रमुल केद लिगमा । अह्द कू नेब लव जन केट एहुद नेबेश की कुटना । न्द हुर लब न्द न्येल हिन्द कुल म बळन । हर बेद लग्ब हे छ न है। ल विचा । ञ्चि व कुर शूर ८वुमल इत्यंब कुर मंब्रिय मंब्रिया विषय. री. मुन इत्य स्टब प्रवास पश्चिम पश्चिम हिम्सा । स्निन् हेन सन्य हमा स इस है ना । मु रर्तिल र् (इ. २० व) पत्र अर्द्ध नेट छव च पत्री। । मुँट 미정화, 월도, 1월다 글 단미 복화, 등학 오다! 1점, 청구 퉗도 먹는 당신 난비 훨, 결망, लिवा । पार्वेद ८८ हेर ब्रुप ब्रुप ८८ ब्रुप माळे। । यद लग पति मार देव त लियाय योहेल छटना । नित् मा हेल खे नेव हैं ईल उत्तेर छ। । नाई मा निवेद्रभूर'लयः निवेद्य मूट सि.की निवेत्य ट्ट.चेवेनयः ४८व चेद्य सः पद्धे स्वाय अर । वि.र. प्रश्निय विश्व देवे प्रश्न प्रव विष्य विश्व है। । अर्ढद प्रवट द्या पर केटल सुरुट हुंच पालद। । जद सम दे ह्द सद् मृज्या स्वा । । न्य र्षा प्राप्त व्याप्त व्याप्त वे कुन न्य प्रमुत्। । ५८ वर्षात्रव अपन्त वेषानुसाहगायमा । है हिमसा ज्ञास ५८ में पुर भ्रवाय रा लुका । तम्भ्रम. प्रे. यहेश तर. प्रबंग. रंट श प्रवंग प्रेड्या । अहेश. प्तवन हिंद त्या प्रमेश के प्रमाश के व हिंदा। । अधि के हिंद हिंद हिंद हिंद स

मुखे हेव मुब्ब कथा । महेव म के. छ. एक्र छ. ह्मिय मर महें सा । ही र ह्रिय सद्य मिट कि रेट रू है पढ़ी। |कू चा चार्स मुन्य पश्चेर क्षस रेस प मबेदा । हा है य मेंद तहेय नम हिन्य महे हिला । हिंद हैन य मेंद ना बना ह्निय छन पर्ने रिस्टा ।य स्य तिम अष्य से क्राट्य ह्निय तपूर । ह्निय मुद्र व्यव त्या व्य मेश द्युत्य लिंग । द्वाद पञ्चर इस स्थ मुख नाद्वा मकेंद्र हैद पर्वेद। ।विज्ञात देश क्षा हुँद भिष्य तथा हुँद पढ़ी ।क्द पस मूल हुर दश्चित प सरार द्वा ला । स रवास वासल झूट लहें व हिट ह कुल पहुंचा । इस प हो ल ह हार हुँव प हाला । ते बुल हुँ प प हें प हो देस नेल ८८। । स विग हेट देग झ हेरे ज्ञा हल ही। । मदे मल हुल रहेमल वर्षेत्रव पत्र क्रुं' त वा । छु' ५८ ५ व ५८ ४८ ६० ६० वा वा ५५ । खुव विदेर पञ्च पत्र व्रुद्ध: 51 व्) अक्षलय पर्वे क्षेट.र्जट थ। । अध्य तर.ज.प्रवेत. महाय म न हराया वा । कनया हुँ १०१ स्ट व हिय है दल रहें र री । दे [ह्नाय उद रहे और थे पेय केंग्य गुँच औं मा । दिन नायस बूट र गतुम रतःपदीद'पकुत दुर'स्त्य। ।दमानेय तुत दिन पर'शेत से गतुमा म। । १ सु न सुत्र श्रेन् भेर भेर भेर में १ दिया । विस्त स्न द स स्माय दे ह्मार प्राह्मित । दि है द इ केन्य एहमा प्र हो पाय है । वि पा मुन 다취다.되다다.[집,먹는다.너성,] 41 | 월 용 라니 외우소,나군사 다 봤는 회상 일 1 | व्यापाल वृष राम पश्चिर, हूर, योपुर, भुवा । सर हवा ग्रांट, पश्चिर, पहुंच हे. क्षेत्र ५८ बहुदा । वर्षद्यपुट ए. ए. पक्षेत् वर्षा की पाद्य स्माय स्माया । ५ व ले.रचे.पिबा. ६. जूचेब टेटच शह कूबो ीहेट एहू बे. अभवारेचार से.च चे बे.चे. बहै लुवा । क्रुं बळे ५ 'मृद्व' मृत्वा व्यव द्वा मं ५६'। । में प्राच्या बुबानहुब खुल लाल्यास्य सुद्धा । ल नेबानहुकानवानु नानि ।

न्तर पश्चर कुल पर्व रह रेपल केल ल हुन । लक्षर पहूर हर्र छन स्य र्या प्राचित्र । । पञ्चल पार्य मानुस्य मुल्य क्राय दे प्राची । पञ्च लिट्य एक नेट लट होर लेव तर अक्टबी सिंदिय एवंच नेबल स्वस त. ब्राबारक्ट केरु पोबंबा । ब्रिबाब पानुने या हा केर एक ट केरु की । अकूर मध्रेर मध्य ध्रमेश होरे जाश लहर रेट अबेरी । मेलेर कट में में अंध्र पन ग्रेट ब्रीज तह भेटा । विट तर कैन त ह. तबुर कट तह. होरा । जर. महेल ईश विट अर महेल ७ दूर. म छ। । ७२.४ मचे. अर्थे १ अ अष्ट्रमे. म्बिन्य इत्रय ग्रेस म्बुट्या । दिस दे हेद त्रबेल एट घर ठद त्रीम द्या । हु अर रूपायान है पर हीर होर प्रचरा । ह्याय रुष प्रस् वादी प्रस त्य्य प्रुक्त में। । इद क्रेचि के हॅंप्(इ. 21 ट) ईचात ध्वय कट ता । बिहुर लरद चब्द बु पदे क्षेत्र क्षेत्र गार्थिय। १६.१८ चक्ष्य पत्र प्रच्यान्य अस्त्र 5'नेता । ह म हूँ ६ है द है ह द 5' रहण । ने प्यत् दस' गुद् ' अठून' स्व क्रूंट हैन नदा । के त्युर पने प शुव क्रंट केव परे। । एव लय'न्ये' च प्रदेश तर्थ के कैर.पथा । जिस स्था, अश्य रेचर के जिस प्ररे.चस्त.रेस्।। बिट एडिया इस म टिया वार्याटस ब्र्यानस है। निर्मेद्रीन इस इस मान्य हु इयाय. पर्ने. तपु हुरा क्षित्य से बंध र में इंदु प्रधियाने द अवस पार्वाया । पर्वा तपु.जियंथा ।ह्रम.ज पत्नु.पत्र्चेश्वय.ह्रम.प्रेंट.जय १८ वंशा ।वत.त रे.प्रि. हेर् ल बुन्यायि के बन्ना । न्यल म सु सु प्रना कु के व म रमा । न्यहे व ष्ट्रिं हुर. प. ज. नेय. बपय. जु. धर्मा । दिव्वे प्रयः हिन्य वेद प्रयः छ. नेयः क्षारमुंरावदी । लटाव रूव रस्य श्रुव पठल प्रस्य ग्रुव हिला 미역:철자:러구'라'라지다 주지, 그러기 | 11 대 월드'은 종'다'했다'동제 | प्रत्यत्र चेत्रक्ष प्रचेर चिन्द्र नेन्द्र नेन्द्र क्षा ।हेल गुना प्रचेता स्थाप्त । विक्य गुना प्रचेता स्थाप्त स मनेन नमर हैं न केन लगना । यह लग हुन हद न न ह से हल वहुँर है। । रिश्रमिश रेट रितिर पथ हुंस दी ईल उत्तिर तर्चीत। ।रूम तपु पर्पेल बैनीय. हूनिय तपु क्षा प्रीर रहा । रूरि नियल छ मिय हैंरि बीनिय क्षा प्रीर छो। न्य बना लास नासुरसा य कुन नाई इससा हा। । कुन गु कुल घँर हार सर पसास अभ लहेब नहा । इब हैह है है देल लिंड प्रवासन हुन । निशेष हैंर निर्मात प्रमाय विषय विषय विषय । विषय विषय विषय विषय विषय हल दु पहेंचा । अर्के क्रेस रूट प्रेन ह्राया दूर वहना स्टल मुख्या । दस केंग हें हेय से हेग इतर तर्चेर मन्। । वू रेंदे मबेंद दर्गे दय सर सुन्य पञ्चे तर्थे (₹ 52 व) पठ्ठेया । पञ्चे प पञ्चे प रेश हम वेष वुर तहण पञ्चा। 美네성 궁의 네트의 및 Ag 연성 옷스 네상이 봤어! 16万 다.스트워 스드 ద설.너네 मूट रे प्रह्म । अ हेर थिल जिटालय चयार्मे सैंबोध खेखा । मार्थिय अ धन कु धन कु केव सर लट्। । पुंत्र से सकाह्न हैरा र्ञेन नलुना प्रा।। बिन्य दय भ पत्र मदे. म झुनायर मबेदा । दिया छन छन छ । सं प्रेना ह्यें यस ञ्चिता । त्या कु नृहस न्द क्ष कु खूट **च गुदा । विमा केद लद लग** हुन है रख्न र्व.री । हे च.ह. ब्रुट.सीच क्रव ही सम अनेवा । ब्रुव.स. नहुन त ज ज्वल खर कुनंज भटा। । तट्रे अकून, नुट हेटु, जूल. कुर नश्चित मुब हे। । जि हुड नमंड जून मैं ज मंबर न ब्रैंब रटा। । उनस ने जूब रेब. द्वर ८व्र ह्वाय रेस पहेना । १८८ व. १३ ईल ८व्र पस पहेन वहिना कुं अर तथ ह्रार्ड्य एसंट ट्रंस श्रम्य रेटा । जि. चे ह्राच छ पर्यं पर्यं यह स प्रवास परि अव त्या है। । एस्यास सु मु 'न्ट' हॅन प्रवास सु ए हमा में । दिला न जनम अ.पन्न निर इत्या प रूटा । वि. स्वेष्य हे हे वेर से प्राप्त प्राप्त 형! 「돌'따돌'도 다전되'의 [P다 국의·원| [월두'오죠도' 여디적' 현지' 영국 최도'

मञ्जे द रेस प्रा । हिं पर गद्र महान श्व भेव इस रहें र प्रा । से हते लिस मेरे हे पर पूर रेस मामले। १३ म चुँर र्ट क सर्स मारुस से हिता। होना थे ये मेंच रच्य सु मायार देस कुं। | इस दा यहा कुंद व्यव याचा छ म् विम्या विषय । विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय । विषय रुष इंद रम् भूर्वाया रूर पश्च है। रिह्स लिय विषय है प्रयथ है विष त.रंटा ।पल केंदु ईल उत्तेर विशेष ५ विषय होता । ६ व व पट श्रुवीय प वु हिरा । कि' मैट है व अकेंद्र हेव युक्ष ध मावी। । यद तम द्रा मक्स শ্বৰ দেবীন ইশিল (র ১৫ ন) নিম মা। ।লু খুম ব্যব ন দ্টুনল ব্ল রন प कृषाया ।व्यर युण कॅल मुँ इस २ पुर यूर प र्र । ।के सिल कु व सुल मकु त ल्ख्र देव दें। । द्रेग्य महत्र ख्रा हु मी द्रा त्र्र ।। रू खुकाचनक स्वाचिन वे मन्य वर्षेत्र रेनका । । दक्षेत्र केर कर मक्ष मद लच देव भाषा देवका विश्व दिए दिल प्रति यह मुख हूर तए प्रवेश । म्ला अ प्रमुट पर हुंग पर्देर पर्दे पशुंदय है। विष पर्देर दि प्रभुंद इस्रात्वराचर्याचेत्। हिस् सुरह्म रुचेराह्न रुचे रह्माचेत्राचेहेस। । इसारिवेराकारा मेनायाना स्वारा हिया । स मुत् वाह में देवय हे खंदा क्रमायायाः। । मुन्ताप्रस्याप्रसम्बन्धाः स्वयायायायायाया सुन स्वयाया । गुन 과다 다른다.라.왕.됬다.크다.나름이,네 나는 전 회.됬다 다양.크다 나름이 될 의상 मा । तहना स्टमा हमा चैन पञ्चन प्रमाना नि ल अवता । दे ल गुन हैन रतः मुद्दान्त्रायान्ता । दिद्दान्तार्दित् नावायाना हेल दर्जाना दे दान गुर्दा । ह हिन्द्रिया मे प्राप्त देन मे प्राप्त विश्व । दि मे प्राप्त मन प्राप्त मन लुकान्दा ।न्नार महित वे ने का निकान महितान निकान ह्मन् केद्र मेसुकास ह्माया देश गुद्र । १८५४ गुट्र नेट नट नट नम् नम् स्था वसा । गुन्दें स्पर्दन 'द्रम' द्रेक नेद्र नेद्र न्युक 'द्र पन्दा । गुन्दें स्पर्द देव ' इत्याय मार्वे व भेव हे। । इ हु दिन में बुद केंद्र द्वेव मासुक रूटा। हुँट र पुरु ठद हानाय कुँच लेख उट पहुँच। । युद भेद परे हुँ र भे हूँ नस निर्म म सरा । रनित पढ़ी हैंद पढ़ी तुर दु तहन प तथा । दि प्रस् में नेब द्ये देंद हुद हुँब २००२। ।शिन २ हम म इन ना नुस्र यस हिद केन ने मुंबा । हिंद क्रिय चंदे हिंद ले सेय बद्रे. ह्याय है। । पय ८८ क्रिय पहुँर हिंद कुषि শ্ৰেষ ব্ৰ দৃ। ।অহন ধুলা એ नेष(३°53 ৰ) એ છે বৈ লেষণ না । ভ্ৰু सिर दियेल सक्षेत्र केंस गुत दे भी सुना । ही देव ही सि है दि है दि है पर्में अ। । द्वार लट परेंद केर प्रे लेख गृहद ल प्राप्ता । प्राप्तिः ह्वा स्व विर तर पन कुन ता । हूर चबुर पूर येनल धिर नुमन है. श्रेर बेरना । सुर, रूप अञ्चल लूप पटिए बीचेबा कि श्रिय अपूर्वी ।श्रिय तर बीट एटिया ही बल अष्टबल हीर है। । बहर हैन ईंब रेन ही अरु है से रवीता । कूब हैने. द्रम् अल्द ने वे अवालम् म । दिव द्रस दिद्र मुखला धुमा केव हिम्बारेस वे।। मद्यास्याय म्हेन नम तक नुब तकर द्वाय मुद्दी । । । । । । व न्व नद्वास्यन्य हुट हेट हैं। । दे भैं रह हूर हाने हुन ने स्थान हुन । देते अर हुट वैशाञ्चन हुन धन र्नेन है। । माहैस इट रुगे र्टामाहैस शेर रेन रुग हुर। । भू भू में ला. पुल सहय चिर सबर विष प्राया । मूं भ केल रूप पह्य. हेल महिन सन्त अर णरा। । धन र्व हे पहिव र देव राया विवास र हारा। बुन्य न्वय वेश पर १ अवय क्षेट व्याप न्वया । दिन न्यल एहना हला रेश लस इस वर पकुरा । किट हर्ग्य सहदस गुद हर्ने वुद संद केदा। हिंद हिंद है द हे द हेर केद खिर लहन है। । हिंना धरान हिना खान हेन केन मै र्ना वित्यर वृत् हेर यदे के र सह है। वि सह मु रत र सम हैं दूर पंजल पा । रेनेर बर सब हूर पंबंध जिया पिता प्रतिराह्म । र्खे.१८ श्रुप ८८.१ श्रुप.८ लम र्लेंग ।स्व क्षि.१८८.वंश्वास्टर वंश्वः स्वे अप्ट.

खेन पर भूभ रेश कैंट मंद्र स्ट ईय अर्थ हिंद महेद पर भेमल हो।

#### 4. ਵਿੱ' हे' हेन ' भरि ' श्रें अ' देश' अत्र ' दन' नहिं ' दें दें दें ' हेन' भ' हे' हान ' हु' प्रश्रह' भरि ' श्रें प्रश्

मान्य देवे विंत् वर्षेत्र अव तम् गार्डेर प्रेत् प्रवे। । ब्रुप प्रकुत् प्रकुत् लय हि त्युर हैट स मा । जि म देश मधित हैं स रेश मीट्स सर पर । । इ च बक्द चरुव बक्द (इ. 53 च) शेर महिल सु २८। । ब्रु २५० स्निव सु अक्षत् परनाराज्ञाना । विषय । श्रि हिंद ही हुद हिंद हो स् हुन । १९५ धर गुद मु पन हैं पन ह में पन में पन हैं पन हिंद पन स्था के द मूर प्राप्ति होरी । प्रम झे लब जन नहीं हव महन क्रम हिरा। । मून लब देव रटानुहैन करा है। हि ए हैंद संट हैट लहेद संस हैंस ८८ । दियार्स्चे व १ वया थि वयर क्षेत्र पर पु पश्चिम । पश्चिम पु तक पर क्रि.पप्ट.स्थानविषान्ता । हिलासविष्ट्रेट क्षेत्रकेट हे हैं अर्टा । विज् · 희 미경미' 두드' ỗ리' 디 조작' 쪼미지 퀄드' 본 | 타' 짜드 조미저 두드 본' 디 저 휠드' ह्याम्करमा । पश्चित्रस्यानेत तह्रदाम्बुस्यात्त रण्या मान्त्र क्र तक्री. विर वे अधी । रिग्रीश र मूर क्र थे . चंट अ र से से ह्या । तिर्यः श्रेमः क्रुयंयः स्वयः ह्यापः पद्याप्ते पद्यापः विद्यापः विद्यापः विद्यापः विद्यापः विद्यापः पवि शेषः मुब्दः पञ्चत्य प्या । ज्ञाद्वमः श्रेम्य ग्रेषः ८६८ महिन्यः १मः ८६६ प्रतीय। विचान्यस्यास्यास्यास्यास्यास्यात्त्रात्ते विचान्त्रात्ते विचान्ति विचानि मिट मिट मिट कर होत र मुद्दा । वामा केट रिमा एहेव इस य यह त हैंदा । ह्रचयार्था हेराक्षराव्यात्राज्यराह्नि । श्रिम् विषया महिता ग्रेया हेरा भक्ष १ प्रमाण पश्चमा । हिट है हैट महिनाय के भर ग्रेप पर पर। ।

बि पर्दु है.मुंब इंद प केंब.एर्पव भूट। । पिठ्य पब एवल पब ऋष पी भाषि विष्यू । । ऋष्य भीष देव की व्यक्ष की छे की लुखा । । भू श्रुप अट ८६ म म रचुन सकद बेर दे। ।केंस १९ रे न देव १९ त रहेन नहीं।।ष बुरि ब्राय तम हेट रेंग मदे के हुन। । मिल तम हे मबिद म में केंय है द मा । दे पदिव हे पदम सकद ने द देव देव तहम । इद पहुद ५ ग्रीम प्रमिन प्रमित्र प्रमित्र क्ष कीया । हि ताय ४ प्रहेब पायत ता स प्रमित्र 54 व) पशुर्। ।अळव पठल भे नेते हेल सु ८६० पर पन्र। ।देल हेनाल लिस हीर बचा परव बचा छट माहेवा । पटिय त स्थाय स्वाय क्षाय हिए। एट्वेर स क्षिय पर्वे । । श्रम र्वेय क्ष्य १व ह लेट द्वेट प नेवे। । क्षय १८ वेट छन अञ्चय ये ह्रियं राष्ट्र अला विद्युत्य ये ह्य प्रचित्र ये प्रचित्य ये. अधि। | ने हैर.कृट च अवय ल अवय छ. मेवा । इल. वर पह्ना चय प्रवित त रट. ह्रेच ग्रंभां । सेंश अ श्रंट टेट उत्तेश अ श्रंट चंद हुर। । रट ड्रेट देश बेर हेन हैंद केंब सुर लहन । ब्रिंट हेरे तनान देव व देर व पर्वेष मा । प्रथम तर्व में 'र्ट मुल ल केंद्र है प्रथ तर्ी। । रट यव में प्रयोग त्रेव प्र अरेन्'यरे। । नव्य पदेव मे नेय प्रेर्य परे केंस है प्रेर्य । न्तर पढ़ी नायाय झेंद य बनाय याय नु मेंदा । वर्षर व क्रय हेंद मु ईय केर सर तहें गावर मा १ मर्थ में मार्थ महम हैर हुद गुप दे। । रोस स हॉर लाम की क्षेत्रस पालेर रामार रामा पालेरा । साव रामा मिर सूर केंस केंद्र बाद छेद नहा । य न्याक्षियल कूर लेब . बीन हर चल न्धेला । ब्राल लेबल न खुर. न्द्र प्रम मुद्द रेन प हेरा । दि रखेंद धन केंद्र नहिद एकत मेंन्य तर्द्र विश्व भवित श्रेश सैवायाल स्वाय देशाएतूर हो। विदेट चलुष्ट. 51 म् प्राप्त राष्ट्र प्रमु १ वि । भी प्राप्त में वि । प्राप्त में वि । प्राप्त में पञ्चन। । महर म अस रम रिवेर म रिवेर स के नायर। । ख्रेस म' खर ना**यस**' एक सम्बोध अपवेदि। । सिस्ट स्या चूट पवे बर्य कर किंदिस पर प्रेता । ह्रि म्युस कर प्रमुट र्वेष म्युस म्बेर सु म्रम्। ।म्रेट प्रदेशे मुल कर पञ्ज परा ए पत्रहीं । पानार नाम्बन हीर ने सु पदी हे हूँ न नास्का । हिँ 🖣 है र है। 🗎 व इव स्थाय वर्षेय यदे गुव हिंद रहा। 🧗 व रब देव ले पडु हुना लस रु छेरा ।लुनाय (ह 54 प) नासुस नर्धना देल छुट छुप लम मुद्रिमा । हे प'मदी स्दर् त मनेव महेदा । दल वर्षे र में हम द्व त्र्वि <mark>स्न पस्त तया ।रद १८ घर तर्</mark>द ग्रुस त सुप्य सुर्व । क्ष पकुर रत मूल र्र म इस सर र्म । श्रुष स छट हुई लग कु रेस स पर्चेचा । एक रचन कर केस रिम्स पर केस रक्षेत्र महार्थे । हिं के पन हॅंद इदि ९६ँ६ वर्षेय केंद्र हेंया । यर यः द्व पहिर देय ९ हुद ह्या यर र्वा भुषि ति पत्र प्राप्त में देशत पर्से था । स बैर ४ से प विषय रेट द्वेट हे केया । पट छम:सेसस मक्षेत्र देव हिम मध्यः मध्ये भया । रह मध्य र्दि । हुन प्रकारकात्रापर प्रमा । हुन सु के व स्रे प्रमान है साम महिला। अर्द्ध अर्थ ४४ ४८ द्वानो कुर्व पन्न पश्चन पार्थ। विज्ञाप देश पार्थन सम रहेर'रह पर पढ़िदा । हित हैरे'र्भवस रहें प्राच नविद पहें प ल। । मूं ब्रैट र्याय ग्रेट विटे तर लबे.जयां मूं बिंद तर्केट कर थ पड़े हिंद. नेश्री ह्या अक्र व विवास र ति हर र देश हैं व सर पत्र पति । अर्य इस वर्षेर १वव प्र प्याप्त । ब्रिट मान्युक कुर सक कु निह्ने महत्व हे। । व् वृत् तिर्दर त्यान् देर से द हा मार्से हा। विषय वृत् निरम्प र्टार चेत वर्ष पर्वे वा ।रचन कुर्म थे रे वे वे वे व वर्ष । १ अस ते व स तु व कु द न सु स द न प्रे ने स । शिर द र वि कु स स द द न अस्य हिटाने । कराया द्वराम केर पढ़ी पढ़ी थया हैय म नाइना । है। बट नाबटा न दे हैं द अध्य श्वामी |हिंद रिच्रोस स् भेष सक्ष मी व कळ अब न करा। | लिंदर. ल् पष्टमय त पहुन हुब लम ल मिंहें शा । वाब हम पर्वे रट लम हु. ाष्ट्रक विश्व विश्व विषय केट पर्व पट श्रुरा । বীল্ল ইথে মাঁ৷ विवय माव व इवा माख्य हैं माव है में में माया । १३ वय माख्य है। या पार षद हैद दे वहेंबा । इंट्र मासुल (₹ 55 व्) विव क्षेत्र क्षेत्र सः ग्रुट कुल पश्चमा । १२विष् अन्यान्य के विषय के विषय है। विषय विषय है म्बिस ह्यूर्यायस्य स्थल स्था हिन त्रीम मुख्यारह्स स् कु कुर रे म्बिक चेला । व्रिवेश के इंध प्रमेर मेरे व जान कर नहीं। चकुर्'चकुर् शुर् अर चढु मले हैं। । ग्वर केव महुव हु ग्रम् रण हुन्' न्द है। |न्गुल रोवेर रावेर संय समानी नेन्य इसन रोस। |ጝ፟፟ጚ፞፞ मह्य न्यर प्रवित समाय भ्रायुय पर्वन्। । श्रुव द्वय प्रव ५व पर कर र्द्स ग्रुप ह्यत्। । ग्रा द्वर १ वयः सु नेयाययः रतः मुला दया । रिविरः तिः मञ्जर च प्रदेश तरु. मेंच अवर. श्रुं चेश | विद्यार प्रति च विद्या देव : केव : देव वर्ग । निह्मा चेव प्रमुख सम्मान । वर्ग सम्मान । वर्ग सम्मान । वर्ग सम्मान । बेर-र्न हिर हे हेरे केन हु नशुस्य। ।न्य मार्थमा न्ये मार्थ सा वेद मृ खा । इत वालुका प्रवय करा हूद दा हर वायता क्रवा । सिराविसया इ. हुन नश्न अध्ति इवस नहीं । हिंदानि निक्या भेतक नहीं हैं हैंदे लका । इ. चंद कूल चंदी तन जना चीरे स. टंट चंद्र सा विश्व ट्रंब द्वर्य बर् स्नब नवु तन् निक्न निक्रा कि मिन स्वर मिन स हेंगुला । अवर वुन श्रेंच म हेल अवुन के श्रेंच दूर । विद पर पश्चिम देन बिर विभयारिया हिर हवायारिया भद्र रे. हेरा । जिमानी मिबिर मेरामियामा ब्रुट् १६ है। । व्या ब्रुट् वटाय ब्रह्मान्यहान है। । ब्रुवाना के दार्थिया ।

भवः अर्क्षेन परेदे नवसाल हुर। । नवरः रु पसुव प्र स नस्ताराहरः वि चली । ह्विर च चले . रट चर्ट लंब धेंट. च बेट हो। । ले. च दे हे हे च ले वि. ब्रुं र तहन केन तकेत। निष्ठी नुष हे निष्य हम स्नाय के निष्य हा। नियानि निर्माति निर्माति स्तानिया हिरायन्य केता हिराय स्टालिय हेटा ह्री इस मूल लया ।(३ 55 म) लय-८८. दुय-८८ एल-प्यून प्यापन्नेया। परे हैं न के हैं प ये मेश विषय हरू व पडया | पिख्य ख्यापडल न हा क्रुंसन एडना में हुँर री । हन्य मंड स्व हद हूट में हुट क्ष्या । विश्वमः हेर हेर ट्रे.पम की च्यंब प्र्यंत्री । वक्ष अर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र में , कुड़ा । ज पंच पंच में या में या में तिय हमां हर एकरा । अष्य प्यय में स्म इत एप्ट्रें गुपावन है। । १३ वन मेवाना केन इतन दिया प्राप्त । ला । विराधर स स्व रचेद ग्लुकार्स्ट् स्ट दला । व्रुप्तनार्चा व्रुप्त लब पर ट्रं रहा । द्रं प्रवास है तर के में बर् हैं वा पर्वे । । पार्वे व पार्वे वा पदी श्रम्य द्वापर निवेति स्वा । स्वाप्त के क्वाप्त विवासी विवासी विवासी । लग्न त्युट लग्न ऍग् हुट सेसब द्राया अहे सी । बळव द्राया चक्का प्रचीतः हुं या क्रें**टा क्रंटा प्रचाय।** । तिका क्रिंट र देश क्रिंट पार्थेश ता क्रंट पथंश. चै। ।हॅंद्रान्त्रन्यान्यान्यान्येव र्वे हे मिन्यास्य स्वा ।हिंद्रारहेव के समाद्याः ट्रेव टेश. थराष्ट्र जथा । पञ्चर. ब्रैट चाडुचा. है. चे. पाड़. अव रचा. जुला । खेर. च. तके मरुष ने'मिंद्रे'मिन्द्र'श'न्यम्। । श्रुट'में'हिन्'म्बस न्ये'हेंद् १ अस मृ्चायानाध्या ।रटानविदायायाच नवि नि छ उ.नि । १४ वय पदानवि नुसार्दिन मुसलारम्यास्त्रम् । त्रासार्त्रसाहेदान्यमेदान्यदेशम्बद्धान्यस्य विद्रा, । ब्रें विद्रविद्यं विद्रविद्यं विद्रविद्यं विद्रविद्यं विद्रविद्या । १००८ स्मिन्य स्थाप मिष्टे रें ये रहा दे त्वीता । इता पहुंचे इस मेंद्रीमा सिर्म हिता है से मेंद्रीमा सिर्म है से मेंद्रीमा सिर्म है भेव य यहव पुरा देव तय्वा अवत दु धेव। । यह दें 'क्सरा या ही केंद् शे**द**' त है। निय मुंब हूर माजल ह्य यबिट उत्ति ब्रै जिया । इस ब्रैट व अय बदल में निपान हैंद मानुवा । राम लच्ची है बादे लब की मुेल ब दे। । र्रिन मायाल ही जिल पहें दि रेकाल एक प। ।(१ रहि १६४) व्यव लागा मूट दल सूट रु त्ह्रण धर पन्दा । तन्त्र स् अवर वृण क्ष ह्रण वह्र द्रात्तृरा । वह् खन्य ह्यं यात स्नाय खन्य पर् हिंद ने । खन् केर हर हे के सं द्वार ने हिंद पर ठवा । हीर वे अर् हान्य हैट यंदे तुन्य न्युय तया । ५८ य र य नेर धेव अळव धुण केवा । इस म स्नाय नम हेय सु समुव म हे। । निषी क्ष. मेर्थ अपीय इस अर्थ ह्रीय अद्यर तेला । प्रितिल मूं ज अ क्रींट अपिए. सेर गुद् ल विवा । तिवल लिग्य सूट लट वरेद बेर सूट ठम हेरा ही तम्म निवस निवस में निवस रिप म है। । प्रम देव वेशव हैर हिव है व के व के मा । श्रेट च छेव हुण श्रेय ता. क्र्य सेट ट्रा । स छट य छ। स्रेस या सं अर मिश्रम् अरे मा । में म्य मिले प्रमास मास्य सम्मा । प्रमार मिले मुद्र पार्वेच तत्र प्रत्यामु पर दिल। । पार्वेद्यानीय भक्षम स्रिमाई परिट्रमा मधु १अ मजूरी । हे म जू. हुए सूथ मथ ४अथ थे क्विए। । <u>१</u> वेब म भवर. हुैंदे प्रत्य में टे हैं प्रत्य। इंचिय जियब विषय जाया है या जाता है या विषय जाया विषय जाया विषय जाया विषय जाया विषय जाया विषय विषय जाया विषय जाया विषय जाया विषय जाया विषय जाया विषय जाया विषय है। । ब्रेट में हे ले नेय रचेपय प लेया । प्रार राप श्चेत में स पुरा मुहेन त्युर पर्। विन मुन क्षियं केवल अंत मुन पुत्र पहिन्दा । पर्च पर परव पर छ छ व व केंच केंच व केंच प्रमा । या स प्रवासी पार्थ कर है। र्बेंद दर। । त्युना यस विद केव पकुद र्यान्य रूप दु पहुँवा । रस छूट लिवास झ्वाल केर पर्केट एकार ज्ञान ४६४। । वि के ६ व तिवा कुर क्य देवा म् । पेट अंतर प्रति हैं वें पाष प्रथ वंश्वा । है. अर. है. है. अ. है. भ डे.ला ! रे े ज ल धूर म हूर ने म द्या । १४ अथ पुर पारू, म दे नी ह.

म्बेर कॅग ए। । युव भेव ५० छे ६ हिंद रच कृ द सुद्य वया। 🕏 र प्रतुव इत्तर्द तह्य व विया । वय व विय कुँद मान्द वनेत्य हु उ ब्रा। इस निय है भी उसू टीन है अर उकर! ।रट हुर ट्वट तह उक्तय (इ 56 म) बेर मादर र्गु भैया । बि सब महुद हुँद मारुव रिमेम्य ह्य धर विष्ठा । इत्यालन विश्व के हैना नीका । अत्यक्षन दिन्ना नाम सु मुख्य तम नु हिरा । ने मलेव हैन नम हम तहन हैव क्रम हम्मा। एक्निअ अर अति हीर जिस देश मूट रें.४०। ।क्रू श्राट्य हील चेशुंस ही नावर तक्ष्माय सेन् गुँया । । नाम में है रैस समुद्द पर में नायुस य में या। । ইবি ৫ৠ সন দামৰ পাৰ্ক শুৰুৰ জীব দাৰীনা । বিচাৰ পাণী দাৰীন সূৰি দাৰী रत्यर चूला ।हेब नेब न्यायल हें त्री न्युकरत्नर पर ५८। । । । । । । केद में केल गुर्सेट मेंहा । किर चेट म स चेट यानाय हे नेट खनाया । चेट सेवस हु स है पत्र मेंस गुर १८। १८० द्वर पदेव केर एक हिर पर गरे क्रया । से में न सितर हुँद निगर दसर हैर हैरे कुदा । एट रयनस न्रात प्रेय मुन प्रमुव रिंदर वि पद्देर। । कन्न मुव परे हूं ८ अर के रत रे हिरा ।रट अथथ भ मुँख तब व एक त बरी । जिस हेर ते भ मू. ति विवादि निर्माय मुद्देश हिंदा । तिकृत्य केर् प्रमुद्ध स् स्वाद निश्च । अ नित्र क्रूब हैन है नहीं हैल हैन रहा । श्रु अमूब रहेर अर पश्चाय विषय अर । । असे मेर हिना पहार नायुक्त में के प मोदी। । नायुका हाल भारत तथा सेल महाका हिम्म म मेर सेल भारत मेर स रविश्व विद्यूता । ज्ञेच पर्जा बु. बुर हु श्रेट झेर टि कर्चा । विराध प्रवास र्ट्य रमेन अक्रव पर्यत ट्याला । अक्षव हेर्पच क्रिय वस भागत है छ. वै। । गुर्व हिंद देव देव चेद तह प्रवे मिदया। । ध पकु द हे हे ' छ' प्रविध रोत्र.रेट। १६ूर पष्ट्रत शुभव ग्रे.प्रेट.पर्वेट प्ररे गेशन च। ।श

तक्री. तथि के वि थनर. एइ.चे. रट.। । ब्रिल ध्र्य रंगभ भ श्रेष क्रियः भ ध्रमः ना । विष्य छव् नन् पकुर मर्नि है है । विहे रमरा। । हे ह्यर पन हिर्में हैं। अर्'रज़ेंट निरुष(इ. 2. वे) नेहन । अधिर रज़ें.नर नर्जेंट रहिर स् है ती दी । पश्चेत ८८ ८वव ८८.वर्श्नर.८८ वलवा.वर्षा । वर ६ लश हिर ह्येर लम पुना प्राप्त का अन्य के निवास के निवास के निवास के निवास कि निवास के निव नवर न सुल एवा । में सुनल नेर छैद है द दे दे दि र सनया । नहें द धे व प्रद वेवव गुद नगरे अगवा । नगर नगर दग वित् अवव धिर क्रेन ਉਂ ਜ਼੍ਰੀ। । ਰਕਨ ਬਿੰਨ੍ ਨੂੰ ਐ ਕੁੱਕ ਨਜ਼ੁੱਕ ਉਂਕ ਨਬਿਕਾਸ਼ਰਨ। । ਇਨ੍ਰਾਸ਼ਨ ਮਕਾਰੀ नी ही प्रत्यम् हित्ती। रिट्स नी प्रति प्रविद्धि में हिल नी से स्रा ५व्देर रट स ट्रैग्रांस ४ अस पश्चर । विदेर तालस दे छूपालस व्रिट्वे ला। न्यट हुँ न्युल बुन्य हु। । अर्थेट लग्न हेय ५८ झें म लग्न र हुं मय है। । सबर-अस.चे.चेत.टेबंट.बेट वंबरट्ट्वं। । उत्तेय चे.रट अस्थ.केश. न्ना-मु-पद्ध-पद्धेता । नेन्य बेल-ध्नाय-०६व श्रुप्त-पति नवर-भी श्री । निश्रन ल महैन ८८ महैन मुख्यानहैन ल महैन । मर्द ग्री महें ५ खुल में र ख़ैव वत अरु.श्चिता । ज्राचा वावा वाच्या स्वावा हे न या पाछे व य है। । हें राना व वा मञ्जूब पति देव। विव अव क्रियाय मयाय विव क्षमय मावप वया रामा । अथवारकूषान्ववीयवायव्यायावर भ्राप्ते । तथ र्वार्वित्या षेत् देव'त्ट'मत्न ।त्मैटस'सु'मरुत् वस'दे'द्रम्'स्रेस'स सेस। ।र्रः हुँसस' निम्बार्या हिन्दुन क्षेत्र कर कर हिम्बा । इ कुर कुषाय दे र दे साम हिन्दुन प्रव भग ट्वेग । ह्वायारेमा क्रेशाया है रहेते देशात हैं रहेते ही । क्षेट्र हेशा **गुरुमा गुरुमा निर्** 

ह्य तर अथय धर है। । हैं य अर ता है त्या ह्याय तर हे में ता हैया। । मूर प्रवाद क्ष के कि प्रवाद के प्रवाद सु इद पल कगल केद सुप। । हैन तहेद से मेल सर्केण मु सुप केद दें। । है. ईट्य ग्रेट चड्टय नवर ग्रेय प्रमेल च. ग्रेव। । म्र. स्ट चक्ट इट इस निय वर तु हुन। । नावव की खल हर के नेय नमद में हुन। । वमक नेय ८गुवि रिवर रियोग्य तस देवाय पशुःह्वाय। । याञ्चाय येवस वाश्य रहिया प्तथ्य.चित्र प्रवेश में चित्र प्रवेश में प्रवेश केंट चर्थे द्रुय कें. केंद्री । वनय रनान । दिन में हैर न्म्य वर ने मनु है छुर। । तमर मर मन ब्रुर पञ्ज बेट रहे के द सुप। । मौस्र केर रहे में स्ट चेल पर रहे द ए लेखा। त्रेभ परि हुदः हि ते मेन्य वेन तेर पहेश। । । स्थापः पर खन बुन्य ल्हना नेत् पहुन् पान्। । नियम में मैं सान्युस हैन लेहे । एन प्याप्त में मा लया कु ले । कु ले न ले हिंद न न न ले ले हिंद तम हिंद । बुद्य वया । ले. कु. प्रमुख संस्थर स्प्रम हेम सबुव द्रा । किद हिंद हु तरे पहल भरे. नवस्त जीर महीता । रिह्स. दे. सेने. छव हेनर पश्च प्रमेट. हिनान । व परे हिरान वन कर देर पुरे हेर ८ केर संग्रामा । पि द्रारहर मरा दिवियोश धर्मात्र प्रकृत क्षेत्र क्षेत्र प्रमुख पर्मा विश्व रमः वयता गुै प्यन्ता हिन विद्या में । सम्भान्दा सामक सम वर्षेत्र के हिन स भूटा विष्ठातातराम्य त्मना देवल केट बेरामा हैरा विषार हेराने देवा कुं प्र त्य्रवास्ति हला । श्रेंना अर प्रोप्तवा है स्था है र तह व स्थ्रा । तर तथ विद्याय मान्य विद्याय निवास विद्याय निवास विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या वेबाभु पञ्चित छ। | हिं हिंदे ले नेबा समाराय राय प्राप्त श्वा ।(इ. १८ व)

है क्रुविय ४४४ ग्रेय हैं विशेष बर्टिंग्तर्मेण। विध्य प्रदेव रेव में में पर देवाय हैंचे प्रजीता । हूं हु तथ्ये शूषु.खेल Gr तक्षेत्र श्रीता.वी । Ga ६ टेचो. ପ୍ରିମ ପଞ୍ଜିବ ପ ମୁ-(ଲି) । ମୁକ୍ତ ଅୁକ ମ୍ୟୁର ପ୍ରିଷ ହିକ ହେଁ । । हिंद पड़ है हैर इंद बन हैंद नहींने अहेंद। ।दन हिंद देन हैंद झेंच सः नाश्चर हे हो। । ज्ञान हिंग श्वर शेल । । श्वेन शेर छन्। । श्वेन शेर छन्। बस पम केव घमन ठ८. पश्चेत। । ज्ञेन ह्येन ट्ये हिंद ह्येत हुन स्ट्रें है। विषय मेव हेव कवाय श्रे बंदिय सराय क्षा । श्रे बाय सरित्य देय. भ त्युर परे के द त्युप। १६ प भेद त्युपर झेंग्राय हैं है प्यस्ता । भेप नासुक न्ना तद्मस मु नासुका है रही । नुन केद दि स्वयानगर नन हुना में। हिन। । पञ्चित्रस्य प्रवा केव महुस्य हिन्दाम्यय प्रवा । । यस कु सद म्या इर व च ब ब ता हो। । ने न व वे वा चे न व व दे व हैं न व र व जा व व व व व ह् ह ब्रेनात्तर ब्रेंबर्डबर्बर स्नान्तर दंर हेर स हे सन ह सक्र पहरास भ्रम्य ह्या । विवादि में गुर सराम् राम नासुर रमारे दारे के रे सहर पश्चिम मानाबुक्षाभेनाकासर हूँ बामह महेब महेक नेकानु गुवानिया हेकानु मान लय हैने प हेट ह उहुर के पश्चन मार्ट अंतर है च है निरंध पक्र पक्र पर्वे ।

### न्गु'दा दर्गुन्'दु'र्थ'न्न'स्य'क्वै'नैय'दर'द्वै'दा

#### I গ্রু'অঙ্কর্'ন্ট্র্'ন্নে'ম্ন্রা নাঙ্গনান্দ্র'ম্না

बाद प्यद गुर ही किदस समा खरें। दिस केन पर्में दे पेर बे के व हीर व लमा । १९व र ८ ९ में मठन लम ८ देन ९ मुन मिन में व महर स्व लास प्रवित्त स्वत वि.र्म्या विम्व म्वत रम्ब ल हिर प प्रवित्त प मा ळेनिय पम बर प क मधुद र्नो पम मध्या । मकद न्दी न्दी व्रा র্ম র্মার হুগে লছা । বিধু ল প্র লভার লাল বিধার হৈ ল বল । ।(ছ. 28 न) ह त्युल न्द मले क्रिया कुद त्युद है। । यद द द्द स्ते य स्नाय मले र न्मे। भि महेर नार ल न्थेनस महि एर नस्तर। ।रनस म व्यट विट प्यन्न केन देव है र हैं नवा । दिन्य सेवय हुँ न पर नवि उ केंब **ए एवा । ज्ञुन ५८ वर्ष नेय केय कुन ५८ तहन तर्या। । ७८ १८ मेर** केद घर घरेद य घले महिस सा । ज्ञितहम खेद'सम घले रूट रहेस रहेद' विन । में मधुन धुनम र्शेट र्ने केंस होत हैट होता । इस हैन नकुर र्शेट हैद तहे त है 'महिन में दा दिस' केन हूं द द द ने केन स न सन या दर ! ! वरायाक अव्वाद् दि तुर त्युव त्युव त्या । विष्य सम द्वादमा महिन मवस स्वाय है। । तहना हैव य के सूर्य प्रत में य रा हैन। । र व बेव अंस हिंदि संस्थान रहे अट लटा जि. चेन हर हैं रेजे के बेल चह छ।। वय'सर'पर्वर'र्षेप रहिन्'हेर ह्रेस गुै'सह्ने । पद्धे स'न्यर'र्षे प्रमृष्टर महनाय पर ही पा पार्व प्रय हारा। विद्व वेद नहिया है पर महन्त्र नहिया है पर म.बैनाया । अ.७०८. अ में ट.म स्वयं प्रव. १व स्वा । नर्मा. १.८ इ.स. न्द्र महि म्हेन्य या क्षेत्। ।देश रही न् क सब्द में शर् ही न न स्व । । सहतः ख्याक्ष्याता सुराम देश क्ष्या में । वर्षेत्र भव दे हेर पावर अर्थर १८ न ष्ट्री | द्वि.से.वी.कर्युट्य सर्व.रट.ट्र.ट्री.टा.अर्व | वि.सू.ट्र.टेट.क्ट लव लम्'मर्द्रातमञ्जा । अर्थेर श्रीतामकुत्रश्च मामुत्राप्त । मामु इ.तमिर स्वाय ४वाव ८ट मु.४विर.८८। विष्ठेय भूट. छ पुन मुन त्या हार यर ९६८। । हो यहेव हें न्य हला हार हन हार यहा । हे हा अह्य श्रेथ ह श्रेर ह.हवांबा ह्वांबा । विह्नांब तालाता लूर प्र प्र वच्च वर्षे. न्हेला अति तथार्मेल बैदासुदारद्यायान्द्रवासुदा । वन केदादने पर 된 다양 다 그는 지구,다양나 | 튀시.라마(유. 20 d) 없는 다.당성. क्ष्यों । मुभ पत्र विराधर पार्य वया यावय भेषया है। । अर्द्र युका है पाया हे कुर्लालद्देवायर हेर्। ।वन्यायहव व्ववायमार्मेटार्नामर वयानेया । वन बेद त्रद्यालव १व रदावुदा बेबय हेवा अधिराद्य वराक्त बेदाद्या इस पर जूला । विर पर लगप विषे रे वे कर त्येर के। । सहसाहित ज्ञान तर रेने तथान्रे थाई वया हा । रियम्य तथाल राजनान मेर मान स्वारासर | भूष श्रद पढ़ी पकु पढ़ पढ़ि पहेब सब श्रदा | हिब द्दासाद्दा - निवास महे प्रमुख्या । निवासी पर्दर स्थित के निवास के निवास निवास महिला स्थापन मृंगमा । ल्य १व विट तर रव देशम मूट रें प्रवृता । तथ के वितासम सामञ्जू रेमामर्थेत् मुद्रा । देस क्ष्मार् म्याम म्याम स्ट्राम् । स्वरः पथ तसूध ते अधर विष्यं अह्र नार हे बेबा विषयं विषे केंद्र अधरे हूर. हैट गुद रें द र्यन्या । येन न्युअ अभाग हैय य न्युअ अ र्यं प्र दें। । अ ध्रुपःक्रयःपश्चः चर्षाः भ्रदः स्वरः स्वरः प्रदेशः । रुदः पर्वदे ग्रादः सः ग्रादः नुष्यः विन'न्येनवा ।नेनव्य'नुव'हारवामेर हे'हे'हे'हेन्देनवा । युव'सर'हुन तर मूर्व हर प्रथम भी विष्या । भी रेट म्का मुख मालका महर्व दि । विष्या बेर्'र्ने' ह श्रेर्'परि'ग्रिव में 'र्द्र'। ।पश्र्र्र'र्द्र'पश्चच चुरे बर्व्य'ग्रुग्य' ट्य.क्र्य.स् ाय व्राष्ट्रीर परेट.क्यंय.संज्ञायत्य.स्य.स्य पर्वेय परिया पक्ति,अबूट.अंग.चेल.धूनेव १४.४८.थ। विग.७४.वेट केप.अंभथ टेतपु. य पद्र परित्य। हि रिधुल सम्बन्ति नेय मैं वस में बन्दि निम्मी।

ळ्याच व्रद्रान्द मेन स्टारित्या विराधन वर्षा विराधन स्टास्टरालयाच विद हुद मुद्दी । बिळद मुद्दे श्रीयः यदि कुँद ग्री धनवः नेव हुदा । दिव हिम् हेद व्रेंग सल रेट है.हैर.नजूर। ।रेने.न.हें ४स्वर्थ व्राक्ष व्याक्ष र ६५७.व्या ८६म । मृज्यारा सुयाम द्वी सुय हिलाका सुय सुय। । मा सुल कर ५८ स् ५८ ८(₹ 59 प)कुलाबेदा ।२० दण्लाई बेदार्द्राचुदार्द्र ल्झाद्रा । इस पत्र पत्र । ब्रिव स्वाय होव पड रत यर बंद , प्र श्रीता । है। रतः विभयः द्वा महत्र प्रवार कुल केदा । वि मिप हिंदः क्षेत्र केदयः ह्वायः द्वादः नश्चरः ह्या । द्वापायश्चर मश्चराये । स्वरं हे । स्वरं हे र **हॅ**नव'दब छ⊏ स'रेब'छैव'र्ब्वेट । ।कु'नबुब'द⊏ स्व'र्ने ३'र्नेट'र्5'र्न । नेत्रः श्चेतः रेव श्वरः ले नेत्र ह्वापहु रश्चेता । १८८ व्यरः व्यरः ह्वापश्चे स्वा वह प्रेश्वरव्या ।वह धर वहूर नु अर पह देल हेर रहेवा ।व वकुर व्यामहर्म के स्वायाद्वारावद्वादरा । विद्वार्थर हर् हेर केवा विहे द्वर पश्चर ९४व। । १०वर श्चर हेट १८६ व १८वट १८ हेर १८वट १ वे वर है। । व्यवर विवयःतिम् प्राञ्चर स्वयः द्वायः द्वायः ह्वा । विश्वः प्रवयः वर्षः वर्षः वर्षः ठ्रपःइथःकृषः८८ः। ।क्र्र्यःङ्ग्रह्मरःष्ट्रिरःशयःयःपठुरःण्रद्यःद्राः ।कुः वक्षव हिन् चेनापरिष्य शवाद्ववापरान्वनापरिञ्चानवार्थ। ।

#### 2. 여덟자·당·북·ੇ '현기' 다다 '자' (사회' 동최' 다. ' 제주기' 다다 '취디자'

क्ष्यायास्त्र स्टाल्स्य स्टालस्य स्टालस

र्ने में दे हिंदा । असिम में समय मार में असम रमें । । में में में प्राप्त पह मैं में प्र केंद्र में र होय। हिंगल रेस ए राप्त हैं प्र में स्व में क्षिया । हुँदि ताम हुँद बूँच ताम कुष हुँद बूँच छे। । द्वे के देंदि वायाय सम्बरः विम केंद्र व्यापना । पटन पन हिंद नेवन में रचीत है में है। । रट नहींद भूर। पट्टें म बूम तथ ती.हूं बू ब्यु विश्वया । दिसं शर धनीनाय सथ हूँर. ผล य रू माँ। ।रे(र 60 व) पड़िव हे प्वय में र रे स हे। ।यू के हे **गं** ण भै गू ने नदा । ले ले लें सुरु से स गु इसका । बिद नद हें बिद कहूँ के कहूं। । ५५ ५८ हेर ५५ ५६ हेर विंद हे दूर विंदा । महिल महिल सल निवस निन सम स पहु मर्जिन। । तियुन ह्युन हैं। परि तियुन ह्युन अर्थेन समः मी। जिन्न सेर ८६ म ८ कर सक्ष्य दी। विम मेर मट्रेंट ८५ र प्र हिंदि त लुका । तहूर द्वा क्षंट पष्ट ज पुन श्रुक त बका । क्ष्य अकूप क्षंट हुन मिल्रियाच् लेब द्वना भुवा । तराल कर टेट्र को पूर मेबाल कहूर। । श्रील. अहि दियह वृद्ध व वृद्ध व विष्टिया । यह व अहि तह व के मुन ल्युप ल्युरा ।क्रेंब्रश्चर घूर ग्**रुव्धः केर र्गुर**्रिया ।रेब्र स्रद बेब्रयः र्ट अथय वैट तिट विश्व ही। । टेट्य अ त च विषय प्रविट लग्ने हे छ। । किये. बर्बर ज्रांच्य सुरि द्वार पश्चिर के श्चित व्। । दिव रुक्रिर लिग्य ख पश्चेद रेश सर हिंद गुना । द्वान लग कर वर्षेत वनम निर्दे हेंद ल हैंदा । ज्ञान इति प्रमुद्ध देन प्रमुद्ध हैं कि व मा । इस हव हे से हेद प्रमुद्ध प्रमुद्ध कृत अष्ट्रता । ८८, ज प्रता भाराधेनायातपुरस परि वीहेया । रे. प्र. मे. पे पंता प्रकार अभ्याप्ता । पार्व प्रकार स्थापा प्रवास । । Gय.टच छट ८८ छचय कूचे.वोरं यः क्षेत्रयः ब्रूटः। ।लथः क्री टूं ह च**ुं** ब्रैंचः सःमञ्जान्तेन । मर्चेन ५८ भारत्या महिना स्वास्त्र सामि । सन् देना निहना दै अव्दर्भन मे भेरा भी। । दे के चेंद अदे संद 5व बढ़ीर गुर घटे। । स.मे. ष्ठित् यर गुव रेंद् परुत् है लागल। । में दे देव केव यह लल गु रेंद्। । न्ये केन्'न्ये स्व नेन देन वस्य उन् महोवा । स सन रेण य यहु'नहिस सुद् हेन तर्रेम। १९६ हें ५ यह य कुष मर ५ करे छन्। । दे दल झूँ स लस नवस वे रम ननार सनाय। । एहेन हेव तन्य मह सव लम क सहस यस। |प्र अरे खेल कुर स क्षय है ८र्ट्र चर्च्र। ।(३ 60 च) सबर हुव हे हे अञ्चर दूर हैर टें प्रति। 1विट प्रतिध हट जूल हे पर्दे छ्ये. मुध्य पर्वेत। ।रट.वैट कील ख्राय लूटर वार्यय ह अष्ट लियाया ।र्यट द्वा मञ्जी हिंगन अस सिंच वन परस १ अस। । सिंध हुर ५६८ सर पत्र प्रस् रट. प्रुप्ता । क्रुपाल की लाल समूर रागे रट सेल हूर हो। । हैं। अस लाल. मम न्यार महीय अस हुँ न या । हुँ र सम मही ममें न में के कि मानस अर्थेट । निट्य स अस पहें व श्लिप पर बेट तिहिंग है। सिंग लग शे श्लिप बदर हैद ले नेवासी। रिह्य हे हुय त रेट चूड पत तथ ग्रेटरी। विश्वयः बु ह्य रूप रुभारत बूर मेल.मेहेबा विव रच कर्मश्र च प्रश्न हैन भू विमुन्य विदेश । यह के व क्षित्र के व क्ष्य के व व व के । । निर्मेष हि है ल. इरायुः नहुन नहराया । हर पहर प्याप्य नहन् त्याप्य नहन् त्याप्य अव्दा । निर्देश पर्नेर एकर '२६न हैव'न्यर युन वर्षेता । देश'यस' माना र प्रम होत मार्च मार्च र होत में छेता । ए तुला महत समार्चालः कृष्ट कुष्ट हि स्वाया । वावया प्रय प्रवापत केष ठव प्र में वर्षेता । वर्षु मान्द्रवाम् में स्वास रहार प्राप्त रहार स्वास विद्या में स्वास निवास स्वास विद्या स्वास स् मह । दिवल वृद्द्द्द्द्द्द्र पक्ष पक्ष पक्ष पक्ष । दिल ह्वल देल त्वल त्वराव हुनाय केवा । छिन छेन यहवाकेन अनुनायान वास नहा । 

#### 3. ଜଣଂଶ୍ରି'ଅଣ୍'ଜମ୍'ସ୍ୟ'ସ୍ୟ'ନ୍ୟ' ସମ'ମ୍ବ୍ୟ'ସନ୍ଧି'ର୍ମ୍ୟା

ह्री. च्रेट च्रिट्ट च्रिट्ट च्राच्या च्रिया च्रिया

व्युट्रायानायुक्त मासुकार्मा उपराज्या । साज्ञुर मार्केर प्रवार मानायाज्ञुराया है। । हैं के दूर के हैं दिन वहन पहन पाकी । विन्न तीन में न्युस प्र पाहन मर वदा । द्य दे प्यञ्चेत मस तर्दे द द्वार मंद्र स सु प्यदा । १६ र १० छ म स पहें ने दार हित के ने विष्या । किंस प्रमुद्द समें क्षिय सदिद स्व में निस्स स न्या । हिन्य रेम हर दृष्टेर् गुर दे भेदाया । तिवेद में कर वर्द हेद म् इंस ८ हर हो। वि केट अ बीच क्याय वें यात चेंचा वर संवी विदेश र ल मेंब रेचर चय(इ. 61 च) बेंब ब्रूट रेटा। इंबेंब रुख केंब उद्देर चंदी. मल रेन तहत देवा ।हिन र्येम मु हे सिन नद्द के सिन मही । ।इद तहन ब्रेर. हे. द्य तत र्यं वे. प्रेया र्यं य त. चुनः प्रेय र द्य व ह्या व ८८।।। चैयाय मूट एखेल बेंद रे. अधर हैंद हैंदा । इ.इ.चेंट अध्य हैंव मैंदे वित् समाग्रता । विताले वास्ति हेता है नामा हिस वासा । विताल वितास मान्या । गुव'रदर श्वेष बेद'नेय के'देद'। । गुव'यवद क'यह य ह्या मुल'श्वेय पठय न्द्र। निरुष्ट्र हें हुर लक्ष्य है कर विकार विकार विकार है कि है विकार विकार विकार विकार कर है कि विकार कर है निष्ठे म न्यान्युक्ष कर विद् । विद स्था स्था स्था के व हे य व युव प्र दि दे। ।य कु र बुराल खला रु कु मा से दा विषय दे हिंगल रेस खुनल से म महिर रस मा । नदः नै देना देव खुद अदः सुदः र्वे मः स्वन्या । देव मुहेव खेद अदः महे नमार्ट्रम्मम् वर्षान्त्रेराकुरका । द्वारी क्षार्ट्रम्मम् स्वेबातिका । भूषे प्राप्त प्रवास मिला होता । वश्चार विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त र्वाद के विं के तर्र विषया । र्दः चर क्षिन् न्दः व्हान निर्मा केर् प्रदेश । वि.रेट. ह्य त श्वट. श्रुचयायहें दे श्रुचा हैला । तिया थु.वे. श्रुचय प्रदेश म केर विम मा । विष पृष अवत प्राप्त प्राप्त है हिन । महिन दारा लाम हु 'हे मह मना दला । इनि तमिम गुन मनम तहेन हेन सहन दु हुना।

च ठ स न् गुँ । । तु पर प न् धेय व द पो क्वे व खेप न । । क्रुँबस तहन तर्नेन व्यव निवाद में महेन धर छेन। । यने अकेन सन्य स १ निष्ठ में पञ्चल। । श्विस केर क न्य हे रेनाय पहेंद ए हे। । निर्दे हैंद हिं से भटनाम नाबुन मुद्द तरह रूटा । भेव (ह 62 व) हु श्रृंच मेट नामेट बाद के कु न्दा । मार्थिक कु दिन मायायाय महेद हु खु गु। । निर्देश मार्थिक बुँ प्रस् सपुर प्रसुख यद हुँ य पठय संगय। । प्रार्ट में पहुं य देव म्र रुष मुष्य बुरा । नमन मसुर नन रसेल हे मु मह्य सन स्था । नुष कु रिवर धर र हे हे तही रियं हिन मार हैंने मार न्सुत्या । गुद गुत्र च सुन्दिन्स ह्युन्य निष्ठ सु तन्। । पद तन न्दन न्यम इन नुष हुँर म दे। ।मञ्जेन रेस दम स न्बंसि महा के न्नंस नेम। । विवाय ता विवाद मा दिवाय रेमा वाव तार प्रमा । शाम मा मा अवता विवा न्त्र स्वय प्रा । प्राप्त अध्य केर तथ न्द में भे न्या । न्स क्रें अ सूद बुद्दिन व स स स्टा विस्त मह्य ग्राय मान स्त्रीत मान हमान रस ही। अश्च मलेबा ट्रेट द्वा च. ड्र. रचा भ श्वायां । स्थाय पार बायम ह्वेट अश्च ह्या. मह्द महे के। १२ म म ८८ महत्र इत हर्षे कया बुन्या है। । कैन्य हैंद अहब जिर हवा तर्था हिर तर बेबाबा विश्व त अष्ट्रव ह्वा स्टिंग ए एक्ट मूल क्रा निर्देरस तेल भ भवेद. द्वेत्य यह स्ट्रिंग विश्व । इल वार्ट्र ब्रिन्य लय. इंग तर केल त हेरा । निर्णित ने ने वे च में त. हेर हीर तर पदोरा ।दे.रच गेब कुथ.८द्ध बैच.अक्टच.ल हैंरा ।लथ.कै.लबे.जबे.जबे. चन्त्रात्र्व हुन याह्यायर न्वन यह स्रवता हा।

#### 4. শ্র'বরুশ'র্ম'ন্'নাস্তর্ম'ন্ত্র ম'নেম'র্ম্ম'ন্ম' নাল্না'নেমি'স্নানমা

돌 소리소 ۾ 로드 Ā고 다양 다석스 됐어 튀자! 「층 다고 꽃네석 너뭐 싫다. मर हैं र पन पढ़ी । अगुर पर अहिर पन हैं। दर, पहुँ वर पन हैं। । ८ वर प्र चर्षे ह्र प्रथम प्रथ स्ट ह्र। । प्रथ चर्षेत्र स्व मेर्यः की सार करा पर पढ़ेरा ।र्यु अर रॅ'कुट अरुर् प है नु नहेन । ह्युल २ विरालव उट र्ट र् पिकुष ज्य क्षाया । पिकुष पिकुष ज्या प्र व पहुरे रे रहीया । वि भन बर्ब में रूप के भूष स भक्ष्य पबींचा । ने सब क्र बाप कर स से उपलेख (इ 62 म) लुनाया । नेय रम मनुष्य ग्रैय मध्य धूर्य श्रूव २६ म ५८। । मन्य त बबर होंद मेंट केंप बुषय के पहुँदी। इन्ब ४ मेंट होना पढ़ी पब ४ वन्ब ध्रे लब्दी । चर्च रूच पहुंच ह्व लब्द पहुंच क्रूचिय लब्द प्यूंदी । चर्च पर्यः हिंच बर् क्र्याय ह्या ह्यार प्रवास । विश्व वर्ष वर्ष ह्या वर्ष व्यवस्य विश्व ह्य पहुर तथा । भर्तर लग तर्व त ह्यंय ग्रेर है यंथ भरू लेखा । भर बुद्य इस होन कहन हेर्नम्सुस दृद् ध्वा । हिन्स न्यन यस प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त बुर बुद ल सन्या । जद ५द स्द सय ब्रेट चदेर तम देंद छेटा । पहुर लेव र्वाय पर्वेट श्रुंट वी युवाय लया । विर्वे रुष्यंत्र वा वर्वे रहेन्य केर् र् हेर सी । लम ह्वाय के नवत गुव लच्ते हे हुँ हैं है है । । के लसुल पहें न्द सद्द यर नेस पार्चे । नियम नेस हेर प्रस् हें प्रस् रूप प्रस् बहरा अन्य तथ दित्त कर का निया है। यह मेर विश्व प्रमान कर व महित देश मूल क्षेता । ई. डि. प्रिंट ज्र. हव कुब. महिला । हता पहुने किया मर्बं हेर पर महिता। । प्राप्त हितालय प्राप्त सेहा हिताला । प्राप्त सेहा हिताला । प्राप्त सेहा हिताला । प्राप्त बहरी । अवर लम हैन मिन हैना नह मिल क्य है। हि है है सम्बद्ध

न्युअ: ५ अ हुं । । अहं र हुं ला अष्टि वा कुं ला र क ल द है। । यु व क त रत रनित के निर्मे केंस हैन रहा । शुंकिर विकास रनित्स हैंर छर तर एक वेश विषय संस्थिति हैं एक के निवास मिल से प्राप्त के ह्युट पार्बिव व रही व पर्टा विश माल प्राप्त रहेव ले पुरे ह्युर य पार्यका । वनका मूल हुँ न न मुन् गुल ला हार्। । ल वु हा रना स लक्ष के ना के न हो । रति देव देश अभ ह्रेर चेल पत्रेर त लट । विश्वर पान देश पहेंचे पेखेर. यानिश्य है। १ मिन्न समार्थित समार्थ में में में में विदेश में न्त सहय (इ 63 व) वेश व सन्य त्युवा । नाव हुँ व जुन नत वसन नमस हेर की था । हैं र लब रगवार होत हैं र वेबवा है के ही। । हे कि व की रा पर्ने पर्ने संबंध वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । वित् दर्भे स्वर्ष स्वर्भ स्वर्भ दिवास दिवास दिवास हिन् पर्ने हिन भी। रिश्वत्रय तारत्वय भुै. भूष पथ जिट कर्य द्वता । श्रूचातारु. बेट पहचा है. सम्भ इत क्रव ह्वाय हे क्रव स्वत है। । । चर कर् वेर राम क्वाय केव त्यम निम् मेला संप्र हे हैं माले हिंग हिंग है माले हैं साम है स लय तर्य गुर । । सद्द ह्रेन्य इस न्वन नयर क्रें र युव के दे भी। । र्वा मदी ल लट वटानिश्वराच रु.चुना प्रमे । अवार हिना क्षुर प्रट केंद्र महि करे पद्धेवा । पर्देशय प्रस संपार्वियाय नेयानवया प्रमाने हो । विपाप्तार करा पर्दर नियान मुक्त मिल्ला मिल्ल मिल मिल्ल म त्रम्य त्र्यम् त्र्यम् त्रम्य यान्द्र-चिंच । नियम प्रदेश हव दव लग ह्या के क्षा । विस्त या प्रदेश लग बैदाअक्टे. व्राप्तारेटा । हेर व्राप्तार बैवायाया बैटावधाया । जानीया क्षेत् तहेव चहुःहुन्।त्स्वयःसुर्ह। । महेव्।अर्थेट वेवःब्|अवःर्हेट्-**यूटःप्रे:वे**वः भी । अर्द्रव चुर अयर द्वेव श नाज ज्यं हव हमाया । खूट पा दुना पा हमा

पश्चा पा चा बेंग्ने प्राप्त पार केंद्रिय पार केंद्रिय पार्ट्य मेंद्र मेंद्रिय प्राप्त मेंद्रिय पार केंद्रिय पार केंद्रिय

### देश'यर'ब्रे'या पञ्जा सहर'ब्रेड्र'या

# अर्ळम्'कृन्'ग्रि'सेन्'प्ति'प्तिम्'त्न्'

क्ष म्यय ने पादीन होता । तम्या पाद ख्रात्तात्म पान्य हीत है। । व्य म्यय ने पादीन होते । तम्या पादे ख्रात्तात्म पान्य होता । र्पेथ.रथ.थर्यट भ्रमःपथ स्टाश्चर ता हो। । श्र. ह्र्यंथ हा श्वर ता हा ह्यंथ. पर्। वि नद्य सुन त्य सेन विहे सपर स सुन। विवे में नहुम स्व त्र हैर थट्य केया । विट क्व अथय क्षेत्र पश्र वध्य कृष्णय ह्वाय स्वाय । इस्मुद्धि त्रामा मुचाय मुँ मुं त्राप्त हर। जि.मेच छ्याय मुँच द्वार त्राय मह्य मह्य मह्य प्राची । विष्य भी मार्ट्य कराचेत क्षा क्षा मार्ट्य महिता मार्ट्य र्दि गृहेश सबर धेन ह्र पहिन यहेन या । दिन स लेदाय से इस विदा यह न्द्रीया । स्वयं यह वह वह मुंद हुँद हुर घर य लेवा । वन नेद स्व 5 व पुत्र पृत्र केंस ये ५ वे८ सा । ५ व प व व व स्व हेन हेन ये आ । क्षक्रमः वा हिन य नहिन स अर द्वा नहर । । दिन नमल हिन्द त होतः मक् केर पकुर रह हवा । तनार विन शहर य प्रव केन व हेर हैरा । हें बें च तिर विष क्षित्र क्षित्र विष विष्य में हैं व व (६. ६५ व) नर्गेत धर अळव न्येस चक्कवा । १९४नच न्दः हेन केव सिन्य हुन कुव के तकर्। ।तिम्रार्ट हिट मु अळव ळेवालस्य घरटा। । धुन युव रहा पर्वेद अन् परि महत् है प्रचित्। । के ख्र पहिषासमा प्रस्थाप्य पन्नाम तर.रेवे। ।ब्रुबंरिट बर्टरे कु.क्ट.तब्रेरे.त.बंबेश ।ब्रैल में.एक्ट व हा त्रिर्'रेज्'परे'र्न् । इ'ळेन्यच्चाय धयार्न्द'यहर्'हेर'र्र्'कु। ।वेट रुष् रत्त पर्वेष प्रमाश्चिष प्राय चेरायक्या । पार्च क्रि.सस्य मे ह्यूय स्रवःसद् यः हैं रा । जुन बराहे व नर्दराय परे ५६ हन । जि न खुवा वव न हे र छ छ । त्विव १३ वरा म अर १ र ट. केंव हिल हेन । खेल छ १३ व श्राम्य जब हिन र ना ना स इदा । पहेन पाले नेस बन केरावहिन ख्लासा । महिस केरान्य सम् हुना बर क्यार होत्य है। १८६व बर मेया छ गुव खर हो सिंद हुन। हिला य नण म हैन के बहब य हैन। । हि हैन कर हैं म हैन तह तह म नुद्र में ଇଁଷ ଦଝିବ ଅଞ୍ଚଳ ଛିଟ୍ ଅଞ୍ଜିଆ । ଛିଷେ ଞ୍ଜି ସ୍ଟିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଜୁଅଷ ଅଧାୟ ଦି ସ୍କାରପୃକ ।। मुद्र मुद्रि हिंद मंबल १० छेद छेद छेद से बद्र दिर्ग । । हिं स महस्र ए सुर वा बर्ट्च हेरा । पहिलारे सी पहिला चेता हैं। भेय पहेंगा । हिं पल रदल धुर में देश तथा माना ।क्रम हेन सूर केन हेन तहेर सूर द्वा रका ।अप्रेनित्र कुष्णाया प्याय गुरा के प्रिय प्राया । प्रिन्त्र अधार षिन प्युत् मुल क्षेत् गुरेला । र्वि राम मुल पारे पॅव रुव खुम हु प्रेला । नव्य र्ट देश हुद रत्ट मिन्स स्व गुद रखें। । गुद पुट हेश द्व हु एक बचा प बर्। अद्विद पह क्षेत्र पह 'म्रेन तह अग हे हि पहेंदा। नुह ह्न वा वह सुद हिन हेन त्यु ला । दिन माहिन सि वि कि 64 प) तहेनक केट ने 'तहा । हुँ ५ ५८ 'ई नक धर पहुंच 5 न सह ५ 'अहेद वार्षका विषय रेट अ ८ ट्रेंस वर्षे वक्षेत्र अवितः रेट अर्थेट्स विवास वन केर हैं क्व. हेर जहन हैं। । उट खन हैं नय क्षत्र कर केर इस पर धर। । हुँ वल ८६ न वट पर वेल निर्दे हें व महत्र वेद। । ब्रिंव विवे बह्द नेव र्व र्व अप हम हम । इत्रव रु द्रम पढ़िद्र ह हम वे तहम्ब चिं। शिंद प्रते, हें चे वे ल भूर चन कने या दूरा । विने हें के रेट श ल्डेस'गुब'सहेद दें। । नहमार मुद्रस माहेस स्रापट र ह ह सरा । **स्र**ः ल अ मुत्र देश ही प्रवः पृत दी। । तिनास नवसः तिनः राज अठव सनस सः पिष्ठेयार्टा विष्यास्त्रीयाञ्चेसास्य प्रस्तायान्त्रीतान्त्रीयान् क्रेया मुप्त भक्षर रेता. इसस. ग्रीस. श्रीस । १८८४ तप्र प्रिंट रेतित्य तप्र पर्या रीयो. ह.र्त्रा । सुर प्रयासिय मुक्षा मिन्न हरा मिन्न । विश्व परित्य मिन्न मिन्न । ८कर्.रटः के. क्रुचेय बटाया । श्रीत तर र ४ वश्य श्रेट ल्राट्य खे. श्रेटा रा. हे। । विनायदे रायम् ता । भ्रुव नुष्य के तकत्य प्राप्त स्था । । सक्ष्य है त्या स्था । स्थ्य स्था । स्या । स्था । स

# 2. প্রবাম শ্রী ব্রবামিন বিশিল্প ব্রবাধিন বিশ্বর বি

स्वाय में देश विशेष एत्य ए विष् में मह मह्या । तिया पर स्वाय प्र छ. मुंब बीच त मोहेबा । टेंब ग्रै ४ ब्रिट ब्रूट. टेंचर चटेंद बीच. त महना । मूट. मंद्राक्षंचय है। जियान्तर्ना स्य शुप्त हित के व स्वया । नहा इराध्यीय है है, मेर रेवट अर्ट हैंरी । इ चरु अब वह तब अने रच ८व्रस्य-५८। विक्रिय-५०८-५णुन्। चस्त्र-सूर् क्रॅट्स-१८स-१। विक्राकेदः मकु ५८'वर्ड'प्रेश ग्राय देवस स्। ।@८'ह'रेश'स'सेप्(क' 65 द) अद' य.पूर्वाची विधिषः हिंदे श्र क्षेट्रपष्ठ, श्रदेर्ध प्रथा अवा निषामी, श्रमी श्चर द्वाति. येट विवा रहा। । वर्ष्टर पुरं अकुषा क्षेत्रारेट्वा क. य. ध्वा चकुरा । तम्बुलायहे क्कुर्'रु रल के'रेल'य'यखुरा । वर्नुर'हे 'हेल'ये 'संरह' इव मृदः अर्थेन्य। । न्ववः पुः तिवः स्याधः इतः सन्यः अदः न्युदः सः गुदः। । हरा लिया मिट से हुन देना या तह दे यार ति । विदेश से प्राप्त हिन से ब्रिंदाच केसा । तर्ददाचरे देवा तहेदा तर्ददा सुरा झावाच वहवा । देवा खबाता קבאישָם חַקיפֿר פֿיפיריםהן ואַישביםקקיבֿגישַדיקביקבישבי व्रेवा । मळ्ट द्य ८६८ मेर ब्रैर. १८. ८ ने ८ मने र. ने वर्षा । ट्यट. ब्रैर. **८६म'हेब'८मट'र्धुम'म्बी८'रट'र्ध्वा** विश्वश'रदेर'रूट'मट'सस'सस' भर्यूट्रत्मक्षेत्रा । वृद्ग्या १८ दूर्नामम्बद्ध द्रमा १६६ न महत्त्र महत्त्र । । ह्यूम

श्रम् प्रस्ति यो पार्ट्य परियान परियान स्था । विकास प्री क्षेत्र स्था । विकास प्री क्षेत्र स्था । विकास प्रि क्षेत्र स्था स्था । विकास प्रि क्षेत्र स्था स्था । विकास प्रि क्षेत्र स्था स्था प्रा विकास विकास प्रा विकास विका

### 3. 폭'産'현계'대유'정의도'원제'취'대의자'원'제통하' 대'주대다'대유'됐다자!

द्यान्तर का च्यान विश्व विश्व

र्द्र दस सर्वे । विष्यो सर्वि प्रति विषये। विस् बुदि नुस सु क्षे सेल रह हिन्। । धर धुद लास लाह सहर शुना रहे ला क्षा । वर्र व बु एव शुप वस धुर प या । पहेव हे पराव पाइव पाईव **णुँ देर् माबल ला । सहेद मुद्र मा**श्रेष ळट द्वि मुँ देर् माबल अईट। । मुक्रेस सूद ५न परे दित सम सूद म मुख्या । सम्म र्स्न मर मन र्सेम परे बैर प्रदेग प्रयोग। निर प्रदेग सूर द्वर स गर्दे ह्रताय येश हीर। । प्रिंट. लन्य गुन मुद्द इस घरय इस सेन नदा । विश्वद तहन हम कर हिंद हैन हैं दि है। । यस नेय सम पठ में सम के न सर्म के न महैं या दिन् माया रेल हेस प्रेव माहेस न्येमाया । माहेन सन् सहस हेस न्ट्स द्र द्र व मेरा । इद य इद भेद यरे हूँ य व दर वेदा । यकेद हैं गुरु नम न्य स नम महमान महमान केन। । हिन तहम हिन महाम प्रवास प्रमास न्देन कर। ।न्द्र भर ५०६ ५८ न्ड्निश की भी सन्स महैस। ।सर्र व बूद हिंद द व नहेन चुर या । ह्यु ५८ छ नेय ५ छेर छेर छेर १ छ ० हन मा दे खूंच एकु श्रुट के मुंब से ति चहुंबा हिंब तर एक्ट के चेब बाद लट स बाद्यक्ष बद। १८वे थे दिन् मुक्त कार्वेट दक्ष घर में हुव। १५व मुं दिन् चंद्रात क्र. प्रदेर. प्रदेश में विश्वेद. द्रंश अवर होते सेंट अक्ट क्रेंच विश्वेदा। हु। प(इ 66 र) हेट अर देय पर एकट कुर्। विश्व अप हिन होग में दिर । क्रि. अम. चिन क. भून पर्तेल हे बधु सूर । विह्न ए. पूर्व सून दें हि.दीर छ प्र चीबेबेबा । रि हुंधु से छ अक्ष्य राग्न चा बेधुब हा। ।सिंद च्र बारे अथ हा. पुत्र से द्र हो। विश्व ता ह्या ता एहर तह हा पुर सी। विष कर्'यम्ला । येर ग्रे लुस हे हिर यर यत्व रूट ह्वा । श्रम्भ में न्युस ल्यानाय वय छे नेय ही। विकास वयस वर् प्रत्य ही क अर्द्धत्य ही। विव

ल के श्वम बुद तहन कर्द दू चेदा । दुल केंद्र धे बद कर्द पुर कर र बुन सैनका । भक्र त है र पन व इया शह श्रीय व मुवा । इ व विव हिम अक्ष । কুল কুল কা । বুল নেইন লব নান বুল বুল কুল কুল । নিলেল ট্রন

। কুল কুল

। কুল ह्मिय रहाम हुँर परे प के। ।रह पबेद बेर् रह है ह हे कुद बे रकरा । त्मिन केर व्यव अग र्वा मि मे नेय हैरा । तिक रुव में सब सब मु व्यव यन् व स्व तर्या। । मध्य नुन हैं न न यह वे क्व नव च न न । हन यह से निर्द प्रकेश पर महिन् स परे। । है सेन निन्त म छेन नर र पन्तुन हुँद।। वाया वायुस ह तथुल गुर तमें वादस प्र तर्दा । हिन यह प्रार ध्रवा ख लाद मिंद त्य तयन्या । श्रीय य गुव स्त हैंद हेंद् यद्य कुष य। रेंहे वर्व अरे इ न एक ट किर निवस। । मुखे दें दें जे नेस र्शेल रिवर है। । हित्त हिन महिन सु केंब प्र महिना मुन्ति है । दि है महिब प्र हैन क्केष पर्वत पढ़ी। रिनास सहि सु स एउ हो पर्वत सम हुन। । सु पढ़िर बिबाय वार्थीट. में . रेट. छ. पंच ही। १२३ घर घर है बा प स्वाय टे. अर. त्युर। । इस मु अ१ अ१ है दें पढ़ित् हैद रद पढ़ित्। । इस सदस है ग्र ह्युं लव लग मार्व स्वयर धुन । ह्युल मु ह्यु मे समुमाय मे हे व तर है। । न्त्रावरस् (इ. ६६ न) ने हेब न नर् रूब ने हेब से जूरी । ने बब से नवर ईस. वल ही व वल हरा दर। । हिंद हुल हिंच इक मेल दम व वले। । तहुन म चिल नदः निर्दे अन् हैल हैला । परे पाके में बद पहना रद पहेंदे है। विद्यानस्य हेर निरुप निवस त्युर र गुरेश र मिर परि । देनस गु र हे. चय रंग्रीभार्ध्य,अवर.लय पर्नेट । विक् वे.द्रवय कट रंगे.चर्ड.३.जि. म्। किंटे.नुट केल.त.ह है.हनाय ह तकी। हिनाय क्रव कि जहनाय क्रट कि. ल्.रेट । टु.प.लेश.पट्टेश रहि.चर प्रमि प सूर्यंश । मिट्स भूर ईश.पत्रीर. विशय, देवा, होत चल, तहा । इवाय, देवा ट्र. लट बल्य वायक, टे. प्टी । वायुवा, सुदि ३ठाय ग्रीयान् सदि मार सहन्द्रा । मादि न्यास्य हम सेसय ग्री रह इद धेरा । त्वय दुव देवाव इवय पदे केद रद पदेव हेदा । ये नेव दुव तहम वर्व हैं वव व रत वर्षेद केदा ।रत रैम तखेल तमें केद केत इस के हैंना । ग्राया पर ब्राम परि सकत हिन् ए नम एवा । कु' के पर्या वसन ले मेल जिल रक्षेन्य लहुन । बेह लय इसस संनय छून व जल रुंच कुर। । हिंद हेद अहम हेद हुन प क्रु में २०६१ । २ मेंन मेद महद मेद मे त्युर मस्य श्रेष्टिया । यदे य ति श्रुप्त र यति व श्रेष्ट हे म्युसा । यदि ह्रिष्ट श्रेस रिट वि.च रह्य कर पर्वा सि वे हिंद त पर की व ह्या प्रकार स्था । कुष रह से मार्थ कि रह हुह में खरा। । सूर हम हुल रह सकद र्ये है मन्या हैन मनुदा । बद तह्य यहित के के के में में है से मरा । बुलाब नदः क्ष्या केन देव सहरा के नाम 'हुन । नाबन पर नेच मह इस दन रकटा सन्म वा । वितृत् श्रेत स्य मिं ८ र प्याप्त स्य नेया । सर्रे र व केव य म्युस न्द इस मारे क है। । चैंव (इ. ६८ व) जैस मेन ज भाष से स् वित तार्थ । हिं हि. हुच ततु. भवर बेच चे ४ तेश वी. चे २ वे ७ रेचन तृ १ से प्र श्री।

# বাধন, ইবাধ, ই.বেরীম, বিবাধ, ট্র, বেরা, বিবাধ, বিব

के र कुर में हे अदेव घर में ए हो। है के न देव दर न्वें दस पर महित म क्षण । रिनेर मेर हें हे दिण नेत नज़र सरा। । में हेंग महस हैर तर्ने सिंत म हिन्या । हर ज्या महिन्य दि जि नेत श्रुम्य बक्रमा हा । देश नम हिन विश्व कर्त में विश्व कर्त विश्व विश् मिरे नित्त । रिने व निर्मा निर्मा मिर्म हिंद रेम र प्रा वि नि व दिन र निर्मा हिंदी देव वीता होत जना है। भिं विदेट. श्वीमन स्व नहरे तर तर वह ज परे। हे. व्यत् म न्दाये नेयान्केयायेवाने। मि सास्य मुन निष्य वात्र वात्र म्रा म्बे देव हुँ र परे गुव म्बे हें व मेर मेरा । इं द म्ब व व व प्र पहेब ध मे नेय हा लियम क्रम हेर हर्य महि व्यव हर हा । तर् हिर नहेर नेद हुन नुप हर्म हिना केर रहा नामा निवास हिना नाम के मान निवास। हना कुद र दाय बेद स्पान र दाय विषय पहला सुन । विद्य द्व श्रुवा हे हैं स हे दर छ । हे न ने न चुन चुन चुन चुन परे तम् दे न नहर। । हन नु ह मं सक्द १९६७ व विषय मुख्या । सिंद्य मुखुर छ एस ६६ छुँ र छे वनका । ह्वल मुं निर्व छ निर्व छेर कळव १०० र । । ह्वनव कु छर् पर कुल'न'न्छन'नेत्र छेता ।(ह' 67 न) ई'हे हे अर'न्न घरे छे खन्ने । बाक्षाक्षेत्रम मराद्राराख्यं बहुत् है। । रामाचित्रध्रुवासुवे वेमानु क्रदार में वा विद्यार देवय हेवाया प्रवेश क्रवाहेता विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया र्ट हेशन्त्र अहर्यायर मेशा ।वाब्यत्यन्तिकेटारहेरारहेरारे वारावेरा देश। १९ मु ५८ अधुव धेय एलाव प्रमुद्ध गुवर मूल। १८ प द्वाय स्थार त्र्वं देग्'रहेद्'बे'सुट'र्ट्'। विभागाति हु'तुर'ग्रेंद्'सर' देटना । गुन् गुटः देन केन मनटः महि सुनान सः गरिना । सुः मे रम्रायः मेर् विष्ट क्याम् निष्ठभाकी। । ह.म्.म्.म्.चना हुन् चुवाना । त्राप्ता । देवः क्षणं हें र वायमा वायम हवाया अवव रागर देर । । अक्ष हें र वायम सम हें वा

क्षेत्र द्वाल क्षेत्र । १८८ पहित क्षेत्र महारा हवान क्षेत्र सहत्व पर क्षेत्र । । पर्वित्यं रहित वस अवित तहत क्रेव ह्यु स होर। । बिर विसरा गा देना के क्षेत्र र्षेत् महुत्रकृता । मिनुल छ हस तमा रत दूर लमा पा हुना । गुन णुर खन बिंच क्पांच त के के देता । निर्देश का अ.पोळ किंव मीत के घाता होता । मोर्ट कर् ह्या बार रह नवार रूव नहिंदा हुन। । १३ म ह नवार के बर कुव ७ पूर जिया । १६४ मी देल सेट्य पट्ट. जि हीर ट्य था। । ने सेन ईय. ७ तैन रा पढ़ित क्रम भी भी । क्रम साम्य भूग सम्म र्गु धुना रे रे ला । बिर हैट त्र प्रवा । अववायाया हिट हें प्रायः प्रवाय सद्व युर में या । क्रिय सु मिलेर मावस है हिर तकर मिले छेता । यो नेस मासुस ह्व मिहेट मासा रहः अल प्रका । जूट्य भी अक्ष हेट एहूर तथ प्रियम प्रकेर हूर। । ज पुना स् लय प्रे प्य हे मु सा । ह्युल मु गुव । ह्युल मु गुव । मु त पुल पुले प्र गुव । सहपा । ह.से.ह हैर पेरेस पेरेस प्रिय प्रति तस प्रती । भट्ट (इ. १८ ४) व विट.क्रूस हुन स्व स्व म सुरा । विष्ठिय है रहार् व र प्रेट्स सु हन्य वया गुहा । णब्द र्दे रहा इहा सहस्य मुर मबेहम महि समा । निग्राह्म साहम बेह 5 त्र्वा<u>चे</u>त् ग्री। सिवासस सुवायुम कृत के तकतामर तयुम। नितम स्ता इ.७वर. लेबेथ कु.७वर्श से.चे.चे वे बेरेब ल रेचच तर से चर हा विवे. मरे में गुर सका मुख्य मा मुख्य रम देव में केरे सहित महाम स मासुका ..... भावाब तर हूंब पर, पहंद नार्ट्स मेंब वि. ग्रेव वित देश वि. त पराश्वर हैव... स्युक्ष सुरे रण्याचे देश'यर हे प्रके प्रवस्य परु'यह। |

## यवत'यर'न्ने'न'यहन'ने'नेन्न्न' हैंब' पर्दे'न्नेन'पन्न'ब्रेन्डन'।

सर्व पर व्रस्त है'पन्निसन वस पड्सन क्रम गुर । । विषय देवे क्षेण नि द्वेणय कुर निष्य चुर व। । स च्चिर्य प्रैय प्य तर्वेर हैन प्यूय प विया । वामय द्वाय वर्ग म क्षेत् मर है हे तुला । ने ह व मर महूद बित्य र्ने हुँद न्वीत्रा ।कूथ मु.पिट्य २४ ह त्वीर भू प्य रा ।अक्र हिन ही नम रेर हैं नमः मान होना नि हिरे हान नुः र हुन रेज्य स्यास सरः बुर। स्रिर' स वान्य प्र त्याव बुर' महूर सेव जुर। दिर यह है। में हि ८८ पहुँच ८ वीस ८ अर्थ । तिबेट जीवस की सबुद सालकर पर्याप के बुका । रहा तर् यद हार खेना झें हुह हरा महता । नाबुह केद तनातः बुनानिट.तर प्रान इसका बिटा। चिंच ने हैं। ज क्षमस् प्रें क्षस पर्णा। म्यान्यव स स्रे प्रमायान्य स्वया । म्युट रच मु के व ह पर हाँ भेग पहुत्या । दे द्वा पद्वा निक है प्यदेव हैं निक भेद गुटा । अट दु र्वा ५८ ५८ पत्र पत्र पत्र देशन थ। । पहेन न न न व व व व व वित्या । शुवानमृत्दे के दाल्य देव नायल हे देव । दे अव वर्ष इसव पर् हुरि क्ष रहाता बुदा। विश्व विश्वस देव रेचे हुन प्रथम हूंच प्रक्षा । कु हु द्वार राम राम राम हिन्द सबर हुन है। । इस (हैं 68 म) गुडेग् अटब में व में रलट हा बैर हमें रियोज रिवीज र में बेश कूथ में शिवे रहें . 

### 42.82.1

#### चड्रमः नूब्रागममः चः मेगः छः सनः छेन।

प्रथित, जुनक, केंद्र कुल में तो के मि की । निबिट, ट्र ए में जुन महेंद्र, म

नद्र तर्मा । निने च महत्र स्व वेष वर त्रा प्रदेश । व्यम हतः रम प्रेष पर्हर छ रम। हिं छेर मुर्थर छल पहुर प्रहें केट हु क्रिया। ब्बालर अर अपि श्र विष्य प्रस्ता । (१ ६० वे १ विष्य रेगर प्रस्त न्या प्रमुन् परि हा स स । । प्रदान प्रमुद्ध सर हिन्द स्था हिन्द स्था है स ८८.। भिसीर तर । ज्ञाय तथ तथे व घर्स तथ. में स्था । ८थ. घटछ. विर् पर प्रज्ञ स्व र्वाय प्रवेश पर्वपत्र। । । पर ५ र्वे म मार्षे र्वे । बर्र मही वा । सुव अप मक्षण म मेर वेंद्र मह तुर । विव मा अरब कुल पहेंद प तिर हें जल पहेंचा । र ह्यू है ही पुंचार के द कुल प वा । क्षि योव अ. ब्रुच प्रथम. ब्रुच पा रूथ हैं र प्रथा । जिस प्रजूर र प्रथ पेष्ट शवर. सूर्य पर्त्रेय. पश्च प्रिया । वि. रूप हुर पर्व मंद्र संदर्भ सर. पर्वे वि । इस त परि.ज.जब.जब.भेचय.पद्ध पद्धा ।पद्ध.पर्ध.पर्झे व पश्च प्रवेश हूंब. तर परी । इसात के जात केचे तप क्षित विश्व है। । विवाद वर्ष वस. मेल रम'मकुर सिष्या ।हिंद दे तहेव कुं महाम समार्थेर कृंद ता ।माबाद क्रम नमुम प्रे कुं तिय भव भन में । ध्न सर द्नि सक्य के के के प्रतित्वात्त्रात्त्रीत व्यक्ष प्रथल पायतः वृत्त पात्रे विष्य व्यक्ष पात्रा । प्रवित्वात्त्रा । प्रवित्वात्रा । प्रवित्वात्त्रा । प्रवित्वात्त्यात्त्यात्त्रा । प्रवित्वात्त्यात्त्यात्त्रा । प्रवित्वात् न्द्राभाक्षामा विदेशिया अर्थ। विदायसम्बर्धामा केद समान तर् ला । मर्ल च मर्ल छेर हेर ल्डेल ही ५८ हा । छे सम छैर हमस अव पाय पाय,कूरा,हेर्। ।वृत्तात्व के पाय बुर,तिराय,ए केर तर तहेरी।। हैंचे त् च्यूर चबिवाय. इश्र हैंट चीट श. छुद अष्ट्रा विचा अञ्चल देल. खेद. बिट कुर मुले हैट दा। कि हैन पकुद गरे बेट रहल से सहर है। हिंद. मंश्रम.ब्रेंब.तथट.ब्रील तप्ट.क्ष.क्षंट है। । तक्ष त ८८ देव ध्रट पखे पट्ट.ल. श्चाया । बुट. अट. कवाया लहुना अधेश. टे. मुटे सर. तरेवा । वाधे त ता भु सहेन् तहन् हेन देन निवन निवन मान वान वान वान कर वान परिंद देशव तथ हुश क्वीय पुर तर रे चेर्या । एत् ६, (१. ९३ प) प्रेय. 면·비 튀스 투자 다 오시 | 나도의 밝는 너희 의 를 이 피롱·보고 휠시 | 1절 의소 नुष्य व्याप्त में विष्य विष्य । । यह महाय है मु कव पत्ने पहें नह क्षा । विश्वभ देव महन मी खुद स ह्वाय सर विश्वना । पासुम स तहन हेव इसम्बद्धानुष्य तिहर है। । द्वेंद्य य दुर्भेषय सु य द्वेद य धे दद व्यवदा । न्वाय विश्व हिंद द्वील विद्य है राय हीता। विश्व खयह विश्व खुल र्व पन्ता,मोरब क्षा । त्या नेय श्रीर धनात हु मोबल मेपु ताला । हवा है मिल ब्म न्य मिल हिंदे ८०५ कुला । तहल हेन नुस ने कन्ये एन धर व्या । स रवस स संवास नुल स्थिर रह सुवास नहा। । वा तुवास नुस केह सहस सर्व परि सुन्य गुम्म मुन्। । पर्व म इन् महुन रचुन मुन् कु केंद दे। । चन्न सब हुट बन्य है चिते बन हम न्यान । सब सब सहमा हेन हा केना क्षेत्र सर मञ्जाना । तन भी हेन न्धर इन तमुर बुन सन मेना । विन ल्मान दे लह है अर्स हिंद य हवा । विन केव हेर ह अअय रहा हेर स. ही जिया हैं देश नेय १ स १ से १ वे पर पढ़ेरी बिंदा व में स् अदि तथ पर्दर त्युप हेट। । यहित मत्र कु' हुन' प्र दे' में द घले किया । वन्य नुः सर् प्रमेद व मेद देन तुन्या । सक्न द्यर प्रदे हिल बुद बाद बिय मुम्बरी । देव नेव न्याद प्रवाह केव तर्वेश तिक लें ही । ने या क्षत्र वक्षत्र राष्ट्र या रहिता । विवाक नेव प्रति प्रति हैं हैं इस मुसुस नरा । विद् सर दिंद मुख्य हैं है है 'सि खुन्या । मा द्रम मुखे लय. सेर तीम ताबु देट चरा । रट. दू अ ध्यात क्रव. क्था से तिला। विशव वार्षेत्र है.तेवा.भरा श्रीयार् हिंद शिवा विष्टित.रूव रशांतित है. विर्वेर प्रमुला ।एविता यह अभय क्ष मान्य क्षेत्र स्थ विया । (इ. 30 4) ल. तेय जेव ने त हे.ल जैंदान पकरा जिल में विक संक्रमें

पर कुल पहुन है। दिल प द्र में यन लग परन परि। बिट विसन दे ला त्त्य छेत न्मिव अठवा मी । पाउँ में झूब म हे हुद छुँव मर्र ह्या। । पादका मिश्रेस त ल स्वाय प्रवेदि ५८ में दी। विषय प्रवेदि तहेन हेन विसस न रुख न्युम कुला । एट् पर पत्रल पवर श्रुद ने हुँद त्युद पा । गुद लस ह न्द यर ब्रिन न्द्रन्स वुन्य पश्चेन हेट। । । । पर न् ब्रिन य पति। विनाय साथर बुँद सहर्। ।केसल पश्चेर उस गुँच खुँर से स्निय छ। ।८०८ हूब होना तरु मार बना अष्ट्रम थें प्रदेश । माश्रेश तरळर की ुर छीला अव इंसिक्षवा । विक्री रट कुँग सञ्चलका तस्र ८८। वित् केन रुव पासुका निवाय पर दिल हूं द स्वाया । ज्ञाय प्र कुर हे ज्ञार ह्वा व र्र अवाया। तकत कुरे होत प्रमाय हम अब दुम माम मासुस। । ५ ँस मानमास **छ**न सर न्य ग्रम् बर पद्म च हुन । यस्य स ब्रम्प दिर स्ट्रम्स स्वा में हुन महे सुदी । बहर तरु. पड्ड म रह दे बेबब बेबब चलेबबा । तत्र तर्थ पर्धर. न्जेब ह्य एवंट रेपर व हीर। ।हैट हर बर्बेबब कुट वर्टर व्हूब बहुर बर्ध केया । ब्रुव ४ द्रिर शेट ४ टेब वेशव तपु जेवव हेर चर्चा । पड़ी. त. निव.में. रेज ४३४.केर के रूबा । भी ८८ बुट विश्व विर तर रेवे च जबा । नर्रा अत् अर्थे स् विषे र्या विष् क्वा विष् । ।र द्वा अर्थे र्याया संहर क्षभानी.तर्जा विश्व पर्तित हूं.ह तकट ज्ञाब खु च त्रेशा विद्राचांबाज अक्टर तथ. हेर. झंट. ज़्रा भेंद्र इला । रट महोब ४ म् १८ में है में ब (डे. 20 प) श्रीत भीर नरा विश्वास कर परी ला है व प पड पह मा है वा व निक्ष प्रदेश पर प्रत्य निव्यात्र स्वर विष्य । विष्य विष्य प्रत्य । विष्य विष्य प्रत्य । म्राम्पानम् । विकास मिन्न सामि । विकास निर्मा । 다음수·영仁·구仁·美괴의 다.尚! | 모시·집·아는 지 문·영소· 즲仁·다양·열에 | बाव्य बाजुडा ना व वाया माबेदि निर्म है। कि विधु न नहीं में है न के स्व तहत्ती । हित्र क्षेत्र अला देश क्षण तहत् पर क्षा । प्रेत पर्व प्र रिया प्रम स्वाय पर क्या । हिर् मुर प्रार पानार रह मध्य पर्य मुक्षा | निमार यह से दिन है दिने ही है। । निष्ठुत नहिंग हैं अन्य नि देते अळत् १८। ।देन ळेण् ८ हो व बर हुद हाद ५५ व बर्। । पा १ स व पिट में कूब राजर में से में देते। 184 ह्र्य त ईशब तर्दे य त्थे **वि.ध ८८।।** विष ळेव घ इसम रिवरिंग वासुसर् छवित्। । किंग रिवरिंग रे में ५८ है पह्च चारु क्षा । जिंद में दू स्वर्धर स्पृ, द्य चारु क्ष्ये । दिने च दंद स्. मर अधित स र थे। । अठव है द अठव पावे पावर र्व र्षे य म स्था। मनुद् हि तह हिंद हर खुट इस महाम दिन । । युव सेव मायद स्मार हैय प्तिर किर ने पढ़ी। विर बाबुश बाबिर ६० वस्त्र समायस वारा वा वा है।। बाबिक स सम्मित सह मैं स्थल रेट सू है। विसे स खुजारीय समेर स किय मावन हिरा । र्म महत्र हिर अयम है हे तहन इसम मुना । येग नमन हुन कुर हूं हु. हुना त रेअसा । इ.सर पर्नेत प्रेंप परंच तप्र नायं प्र्रे. त्रका। ।तर.त क. वंब पर्वे पदा.चंदु पर्वे. खुला । य अथः चंदु . सं प्रणा हिट कुष प है। ।वह विकुर विषय वर्षेचक कुष्ट हुँ दें शुवाब वका है। ।विल्र 8८ प्पा बेर अहर पर छिल **इ**अल प्रुपा । पत् पि मृ त्युर प्राय अ्पास (इ. 11 व) है से में थे। । तथर जा मैं र ईर प्राय जीवाल कुर हा चालेशा । मु नायुक्त होत् नावि किता न निर्मेत्य सम्म नकुन। । किन्त के केव रेना रहेव पद के पकुरा । कुल में हं॰ संगय गट बग द्वेद एटल पकुरा । का है पट हु.स.म मब्ब महेस लम्मा । हु कैंद.ई.मजिन ह हूर घटनाया घष्ट कीमा । ब्रुप हे ब्रुद प हिंद य पहेर पान्त हर। । सब दर के पार्च लायाला का ननमाहित है। दियाम नियुक्त मामद लग् मानद्वनामहि। । मह्नद्वाम निः हैनः

स्बुदि ब्रीट अक्रण तर्रा । हे क्षेट एवल ब्रेट क्या तर.त्युर विला । नव्यापदी पास स्वत्य पदिहार दाही। विवयम सिल १व व्या हिन वल छ । । विं भाग ना है स लस हव वेंस मा हि र न स । विं द मर्डे स मन्द सहर देने वर्ष हैं दर हैं न र हैं न विष के व व व व व व व व व व व व नित अरु जूजा । किंद टीन जूनक ८८. मझेब मक्क नाडू मुछ नाम्या । बिंद ध्रव चीत कुर श्रू श्रूब कैट घटना भ्रुट। । इत्यूब ची ट्रू टेट टे हे e चैट. रबैर क्षा । मध्य त क्षेत चक्षेत चूर टि ब्रेन क्षिण। । तक्षेत्र तर् मीले अ क्ष्य कुल बेब न्द्र कुबा । निवः पहुंच खूल पहुंच न्य केब बह्द प नद्रा। नक्षेत्र के क्रूब परेल क्षेट ब्रेट वि कु लिनवा । जिट क्रूब पहुन नधु न पर क्रुंव बुद अँट'चर। ।८५० अट्द धर बुद ५६ अरे लियस बूल यहें था। बिद 워도 콘미지에 열 두자 필드 현 '다이! 「콘 오필지 및 모델이 다시드 최어 월'두다' खर। । विट. रूल पर्वेश ह्र पर्याप. प्रमाह्य पहुर प्रथा । पार्थेश पार्ट्र. ख्या ह्युत व कुर भेट हे व कुर। । हिंद अ व व व व व व व व व व व व व व व पक्रुत्ता । प्रस्ताय के चित्र हुँ र हुन पक्षेत्र हु। । क्र. क्रेर पक्षेत्र प इस प्रीट बेट बेश्च हो। जिबाब ज्ञाल बैट छल बेर बैट खेर छ्वाय प्रथा। पदी'प(इ. 11 प) द्रया पार पार पार साम अत्या का । पात्र मा हे स न्त्रायास्य मुद्राप्त । स्त्राय पहिंद्रमाय कु.विस् व पाइर श्राय वार्षा बर.वैट. पहीं जिंद के जिला विस् हिट अ्चल ब्र. देश कूल देर दिल हे।। इभागान वर्षे तालवं पाना पठल पार्। विषा पहेर्वं मेर्था मेर ट्रेश स्र विमेय क्रा । प्रव. २व. में बु. भूव क्रा. मित्रय पश्चापाय. क्रा. मार्थ क्र पाला सपया. महिते प्र मं ही । वर महि सब बावद प्रे महि मने का महिद्र हैं । स्वरः ब्रुव-द्वे प वक्त हिन तहना हैना देवा । श्रिव बते वक्त हैन पहेंद हैन दिहे दर्व य केदा हिन विनय श्रदः बिदः द्र ए द्र य न्युकः हुद्। १६ म क्य तकर् १व चेर् के हुँर र्स्य हेया। । र्मेव श्रेम गृहे च म म व स्व स्व . चरुआ । विश्वेश प श्रीर च≥८ रूष विश्वेश ह्य पविट है। वि सेव रूप पड़. इ.स.च. १४ ८मे। । अ व्यय व्यय मेर व्यय तथ १४ ४४४ तथ। व्यय विषय. 휩ㅜ.즁.ĝ.러미 스네리 튀그 미용제! 「티드 뜀드 저夫ㅜ 디텀새 용네서 비결和.듕4. खिन्य सन्ता । १९व ह्र से दहे से घर हीर पन् दशा । एट पर पन् स्व विषा केव सं वर हेन। । निभेष स त ने विषे दिन में विष् । । श्विष लूर भट्ट. श्रूप प्रभाद्य घरत तपूर । विश्व क विट. क्वि अभव रिवार घञ्च घ साक्षेत्। अिं मिर में में व र्मनाय हामान्। । अक्ष निव में हिल स बढ्रबल हेद.रट लेला । कू.चेड रेवे व सुट में स्थ्य जूला । ह्या.वेट. ब्रुट ८८ महिट छल ब्रेर पर्य समया । ब्रिन स्ट ब्रेन ८६म पश्चप छ.टे. ब्रुट बनला । रूप राज्य अथय मञ्जीर क्रि.रट रू.स रहा । क्रि.मी.रट.मधीय. ह्याचविष्यभ्याच्या । त्रुचे कृषे लघाह्य वर्ष्ट्राचव्याच्याच्या पर्षे त र्मिय र्मेश्वर प्रवर हैंद पर्षेट ह्राल प्रवेश । वि. ए केर. सिपाय ल ह्या. र्टान्द्रिन् वरात्रहन् ।इंबाम्द्रेर्ट्चं र्में प्रमायते व्यामहे व्याम (क. 15 व) ब्रुच ट्रेंब क्रिट.तर पर्टे . ब्रुप क्रि.चधु.चेर्डा । ट्रिश.क्रुच ट्रेंड्य.ज.ब्रुव ब्रूट. क्र.च. चबी । बिव भूव. वे. ब्रैंट ईपाल वेरा श्रे. वे. चन । धा भूट. चर्चेपा बेंचेया ईसामा रका छन नवस्या । असम परि कर राट द्वेर पर्दे स हेर हि सन्या । हि त्वार व्यात ग्रे.द्रेग्।त वेद.धूट री ाड़ी.८८ विट तर डेगे.तप्ट टं**ध.कू**यो. क्षा । मु स्वाप्यानाम् स्वाप्यायुक्षास्यास्य क्षा । दिल क्ष्या म्हल द्वे १ वस्य प्राप्ता चह द्वा । में 'हे 'हेन' चह तमा देश है । दें च च व वा विश्व है। दें द चकुर्चा चक्किय जिन्न सम्बद्धा । चार अने चकुर्च ल चन्निया न देश । व र्राच ब्राह्म वर्षे तर्। विश्व प नव्यत्यस्य वया क्षा कि विष्य परि प्रमा विष्य देर में निष्य हैरा

इंबरम्ब में बर्देन्या पठ्टा । न्यव वर्षिताया त्या मेम्बरम्ब हिते द्वा है। । क्षि प्रविश्व लेव.त्य.ह्य त.४क्षुल च ला ी मुंब नेपु.पंषु.थ.७.गुरु.ह्रेंट.व क्षा ।रदःविदःद्रयःववदःद्रःद्रःदेय क्ष्य ददः। ।द्रव्यय द्वेःवःह्वर ह्वः न्याना परि स्वया । तिहना परि नावस नकु ५ विव मेर निम्ना । ब्रदः इंदः रुपां तपुराचे थ. छ्य. केंद्रः चेत्रः चीत्रः विष्यः विषयः विषयः विदः नन् र्ह्यून् दे। ।रदः पद्धेदः कुद नदः द्वस त्युर न्युसः नुः त्रु। ।र्ददः स त्युसः य करानाहर कर अही । खलान्या खलारूव ने में नम होन लामहा । महेना वि.रथक्ष.१८८. हूंचे चोषु क्ष्या. टूर्व तक्येटा विषय चेत्रका हैट. चू.लि. प चर्नेस. पर'पत्रेव। |र्व'पहिर'हेस ८६व'पत्र १पस'सबर'पस गुर । । से प्रायुस चम्राल मृत्राचु गुद्र गुद्र रही । हे नशुक्राल स्मार सक्र ना सला नहित्र नहित्र ल्टा जिल जूबा, बाजू, हवा, बाकूब बीट. क्वेट. पाबुद जिला विस्ट पाईद बाजू. नै.पास.नुरे पास.पप्र यमया ।पास.स्पाय.क्षा.पाबुध.स्रावयानेयातर. पन्ता |१ना'नद्याकृत्यास्य चन्त्रः चन्त्रः चन्त्रः । (ह. ४३ व) गुद्दितः न्ना हिरास्तर हिरा हिरास है से है। हिरास नाम हिरास नाम हिरास है। विहर नेवा हे सेर नह दिला देशन ग्रेश हैना । क्षेत्र न्ना खिता क्षेत्र ने किना 물자'리 1월문'등'라'는'라요도'를데자'라다'다조대 I라는지'다토다'라다'는지 क्षेप्रदास्यक्षर्भव १६०१ । इंकान्य विकास ब्रिया स्वाप्त विकास नम्बा व्हिर्क्षेत्रः स्ट्रीन्द्रियः सम्बन्धः विष्यान्यः विष्यान्यः विषयः नमना निवासी विकास के निवास के भट्र अर्थ है रेट प्रत्य प्रति हैन माना विष्य देन हैने BC-본고,리 |네글네서,Q.다서어 네스로,니트 네스 저도, A 어서, C 은데, 다립다 | निर्धास्त्रम् सर्वे स्थाप्तिन हिन्। चर गन्ति । निर्ध्वास हिन्। चर गन्ति। करामेय वे.हीहा ।दयानेवनाह्मायराष्ट्रीवरावरान्ते। ।वरानेखना न्त मुन अवरे न्ने नम् ह्या । निन्द त रनेन में हैन हमें रहेन ने म मन न्ता ।न्यय मु खुद अद खुद विशव हु अकेद ला । गुव यह व विद् मब्दि इस न्ते कुल पर मन्ता । अहन गुल खन्त हर नेल नु प्वि हर यहा । बिर भर प्रम मार अर मेल विह मादी। । श्रेर माहेर सकर न हेर पहेंचा लेज है। । कूब जि.पहेंचा तह, अक्द हेर. चे बेंबरा अर बिट वी अंथ. रेट च दब बुच. में. त्यूं लां । ने. वी ब हेब हट पत्रेल च पन वुद्धिर। विधि विष्य दुष तु दैस नावन सर्र पष्ट्र देया। विस् विष्य केन सुर्व म म म। । मक व हिन सेन पल रम न है नेव म स्म। । हैव ल सेन ने कि कि क़ैन पासुक चापाय प्रमाना । पासुक य वक्त क़ैन कु की येण य त्या । वेग नम्ब १व-र्षेस ह्य न्व-टेस केग न्ह। । एड्ग ही मनेव मले मसुन सु द्य पर्वेट मुक्तमा । हे स.मंट बच सर्म भूर प्रतिय वि सब्धा । रिन्ने.स मीत भवर र्व त प्रवय, वय था। । रट केल से रूप (इ. ८३ व) प्रवेत, से रहेब, प्रवेत. हे। । पश्चर प्रस् पर पर्व केर छेर विषय हैं निया । तस्य प्रस् प्रस् हिन भेर तत्र र रटन । इनिय व ह्येर तर रत रहे निष्ठेया हैया । है.रेट. नथभ हूर घट ठून विर् तर एलवाया । कृष मू. मर्चे अस्य में बुच तथा । श्रूच नेर्. श्रू. क्ष्रा पश्च ने सर में व हेन निह्य ने बु हैं। हैना नर्से अ. च हीर च न ८ व था । हो सन चुन अवत व अव द का से का रूवा । नेव.वेड.पोरंब रेट बक्द हेट ट्रंर.पहेंचे ता । वि.एवंब रत.रेवे पश्चत. नश्च बैटन प्तन हो। निबु.नर्देश स हन कुर ब्रेट तर नन्दा। नित. अधु, इस क्रम प्रधि है पट्टे त मेरे था। विस्त न ने हैं से पट्टे मेरे स स. प्रतिल, हेर्याया । प्रत्यति भे. तेर्ड्य. प्रतः प्रते अर्द. र्घताय विष्टा । पार्ख्य. ता. है ८८ बट चोल्य स्.स् ल्रा ।ईश्याबिच ८वे.सप्ट महेब. वे.स्ट्राम्हेस. च द्या । च द्वे च न या स्वाय त्याय त्याय हो विकर हैर च नाति व

म्बारमा है स है। स्वर स्वर से में नि न न न वित्राम न में ना म्बन हीर प्राप्त कुर ही रह पढ़ेव रह। । इस सहल कुर ही तकर विपया माबुक गुरु पहुरा । भी सम छुर माबे हिनाय कुर क्य प्रत्य पर्मा । सर् हिन् म् राय कर्म स्थान मूर् मालेर ज्ञान मन्। विन मर कर मु. हिन्स द्वमान्त्र सर्ममा दिसह मारेस द्वम धन्य मे द्वा । मुर् में रिमे 월'도드 명도 따도 51 13 월도 축대 유출도'풮'도로 도'로'도글! IR통제'ឺ र्यार पश्चर पश्चर विष्ट्र रुष क्षण. रूषा । । । । । अ ही अहर हें पाय पश्चित. प्रेष्ट. न्द्रव ग्रुप है। । य सम तन्त्र पुरे देश प प्रुव रेश पहुंव। । हा भेर है। र्षे स्याप्त प्रवास्त्र । पर्षे प्रवास के प्रवास मिल्ला । ने लट सु सुर दे सिय पदि र्शेष सु। । इस सम्बर्ग मनुव नम सिन् पर वृ (इ. 13 प) र जिम्या । मेले ज.जिस. अभय २ ह्य च्रुप्त मेर जिया जिस मेरेसा। अळें द में ने ने प्रत्य है नियम स्वाप्त मार्ची नियम में न नमुर दमक्षिण दर। ।हेद रहेद कुंद गुः क्वेंरान नवे किय नहुया। ।दनद लाममुर मुदिर र्गुल रामर तहना सल कुर। । ध्रिं रेलमें रहन मुदि छेर लय न्यानामन्। न्य क्रयान्यश्च चु-न्दः वे पश्चितः चु-स्यान। ।हेन ल्ह्रें त्य के प्रिन् त्य प्रिन् त्य विषय है मार्च त्य प्रिन् विषय है सार्वित विषय प्रिन् पश्चिम क्रिंर.घर पश्चिरमा ।विराधराक्नी,उपस्थाङ्गकारूभाववस पश्चिम वि ब्रैंस.पप्र.जय पत्ने ब्रैंस.पप्र ब्रेंब्य.पक्षेत्र.पत्र। ।र्वा प मह्य बिस प्रसियः खते' चुर ल चुँरा । हॅर' छेर' चुर' खेर कार छे ' लाव ल ल'रा । । रहला में चडुःम्हिन दे.रेन चर्यरे बचयान्यता । कि.प्रतीरःमार्ह्रेटे.वे.हुने स इस रेने. लना विट, केंट. र्ज . वाराम स्राह्म हता. क्रवा. टटा। विट्या. स्राह्म ह्या. प्त्रत्य, क्ष्यं श्र्यंथा म्ह्र्य होटे. क्ष्यं किट. यट. त्यं यं हित्य, अष्ट्रदे. ट्रा  वेशानु वा केर मुं के केर पर देव | विशव पर केर पर देव पर पर वे देव रे द्या मिवन पर्वाप भ्रम्यायाविहे नि मानी । मिनान्युन केन केना मह्र प्रम क्ष प्रदेश प्रमा । तहल पुर माद्रम पर हेतु क्षेत्र वर महरा । इत्रार्देव देशार्देव न्वेत्य न्त हेशसान्वेत्य मही। १हेवामामहीन्त्रिमा त्र देश. में त्या पढ़ी । विवास दे ने या का का प्राप्त के ने का प्राप्त में के प्राप्त के ने का में मांहेब पानीबिल वित्यं क्र्यान्यं क्ष्यं अह्रं। । अह्रिमाल्या विवास विवास न्युन् याला । दे व हेन केन क्ल व केन हीन यह हाला । युव कि का म त्यन्य परे प्रवेत्(इ. ४४ व) तर हैं।। । ज्ञिन हेंन प्रह्में वयान्यत्याः महन दु नहीं नवा । मदेव महिव हैं में देश हैन अव व हैं दे हैं। विव मन्य रतः रवे वेबः तथः रवेब पवः रविदा । विवेव खेवव रतः विवेदः खेववः एवि त्रम्यः प्राप्तः । तिर्ययः र्वेष श्रदः त्रवः हेषः रवेषः मृषः प्राप्तयमः । प्राप्तयः TI. ด้. בו בי שי מדי בי שו ו הו בי בי שו בי בי שו בי בי מו הו הי בי בי הו הי בי בי הי הי בי בי הי הי הי בי בי הי चर्चा छर, क्र्रेच्या पाष्ट्र, च्रेया राष्ट्र च च्युराचा व ख्रिया । व्रिव व ख्रा चा ना पर हे वा या व न्द्रम मृद्धे न्द्रम् भेद्रम् कुर्मि गुःद्वर् द्वर्द्या ।देः तयः स्मायः गुः हाः नः विराधर प्रे । श्रिःशरा उदालहिना सामा स्राप्त प्राप्त । विदेशा श्रिः ह्नि.ईश.चबुरु इश.इस.ला । द्वत प्यथावर्ट. दे श्रट पष्टापत ज्या हसायक्षा। र्देव के केर् र्पार राया राया के क्षा राया । मान राज्य राज्य वा मान राज्य राज्य मान राया के राया मान म्न. र्ह्या, ब्रुटः। । पट्रे में या. इ.पा. लग्न. र्टेट दे. क्रा. एवं या । प्रह्मर प्रते हे या. र्श्वन्यानवर्गान्यार्ने त्वर्ष्ट्रेन विवयार्ट हैटाईसारटाहेर् खे.चर्नारा B. 9七.너 스큐스 네ac 너동소.!! (ഗୂ네.) | 15억.디 디근소.디.떠소.너네.ㅁ오석. त्रा । नयमानय द्रम द्रव में खेट क्रिट पावा । श्रिमानम क्रिय । मा ह्रिय अभ्यान्त्रात्वा । प्रतानमुन् याता भ्रम्य प्रदेश नितानम् । किलानम्

गुर के हैं। नि दे दे स्मानी हैं दे दे र के न नि सं के न नि सं के न नि सं के न मन्य क्रमाय पहुंद देश । पढ़ी द रेड़े। । मून हल. देश प्रदेश मेर्ट अवस ग्री. पर्वेग, यम्बर, पहुँच। । निविद् २८ मेर्चेश्व रचे. जिनेश पर्वेष १ अथ १ ४४. पविदा । पश्चिमाय प्राप्त हिल ८८ ८ प्राप्त स पठला । हिला अवूट क्रमाय महेन द्यापार परि न्ये। । न्युन लहना म्नामार छलान्य युनायर छन्। । बिट. ७ चेल. ध्रेच. ८८ क्रि. १६ ४४ च) ह्रचन चर्चन ख्राचा । पार्वेस. घ वर्ष. हैं देवी. तपु सेंभ रूभ जा । बेंदे भूट ते त हूर ज्यूंद लद जब हा । है. चन १व र्स स्थान है। कव पर्वा । रिश्लेगल द्यार स्य स्थान स्था ह्य पर्नेया ।रट.केप.ट्र.टट ट्रेट.एचेप.क्र्य.प.श्र्येया । ह्या.क्र्ट.क्र्य. परि·न्द वर्षाः मुक्ताः वर्षाः मुक्ताः । पश्चेत्रः मुक्तः मुक्तः मुक्तः मुक्तः मुक्तः मुक्तः मुक्तः मुक्तः मुक् भरेशानवर्या हुस. हुए हुरानवु भक्षता २ भा हुस। नियंभाता नेया र्घत्राधः अन्-स्वर-स्वर-स्वरायः । कुन् गर्हर-देन्-तात्वनायः खलः ग्रुपः परिः खना । इंच भर रुभ चे हैं के इंभ चिन ता । इ. इ हम कुव चेटस हम सू. इस.र्टा । पश्चमन्नाचन ग्रॅमायहारवर पानिश्चारी प्रमी । ग्रिस्म पश्चीर इथ.७.५५ श्रीम.तह.६५। ।पश्रीर.वे.ध्रीर.वेर.वेर.वेर पंखे.प रवर.८८। । सहया है नया प्रतापित स्वाप्त स्वाप्त । भी भी सामित स्वाप्त क्षारिकारान्त्र । इंग्रारकायक्षा १६ ग्रायक्षा । रु.त.र्बेट हेट.हेट.ड बट.टे.४६व । लब.जब.के.केंट.४२थ.च.वाचेट. न्यर वर्ग । वर्षेट देव ४ ६ दर नदे रचे वर हैं. हर नेरवा । हैं ल. ब. ७ हैं ट. नि ने गुन्ने महिल पर मन्ना । है द मन महुन पा गुन् हिंग र द छन हाना। रॅव'र्क'र्र्र'न्यल'युन'कु'केव'र्य'र्ट्'। |र्वेट'केर'वट'९हन'क्व'र्वे' म्बंबाक्षायवया । पद्धायायद्गारम् पद्धराचेराचरायु लमःज्ञलः वर्षात्रे क्षेत्रः देशः सम्बाधितः स्याप्तः वर्षः वर्षः सम्बाधः सम्बाधः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व

अकद पठल वपल मूल अकद बेर्'रे'पदीद हैर्। ।ल'द्रे वपल'मूल देस' ह्निय है ल पत्रा । ल हे अभय ईर ल पश्च अध्य प्रविमानिष्या ।ग्रांट. हिले तनाना नेंद नावन नम र्खाय मादीने १ अस्या । अद मना विनास केंने मेंन साम (इ. 42 वे) त्रिय से तर्वा । त्यापानिष्या ही का अध्या प्रवे से हिन् मनुद्रा । हो सम् अद मन श्रेम ले मनुद्रा सुन । लिम्बर मसुअ मिन देल पश.रूश में ब्रूट पठया । पश प्रतिय प्रेर प्रत्य श्रेव श्रेट पश.प हो । र्धार प्रथम न प्रमान होता होते प्रथम होता विषय प्रमान मेर परिषय मह मिन अधर है नेश । अरामह मिन एक पिन मिन से पिन निव से खेना मिश्रेया । प्रमाद्य पर्वत स्थि देश स्था विष्या देश । विषय प्रभ से मा लव लव क्र टीव ८८। विष्णालश भर् क्रवाय हैट त्र होव क्र वस्ता। नियं प्रियंत के म कूट म्.कार ये रेट.। Iष्ठ. रूप प्रियं प्रियं प्रवास मिर् ल स्वाया । वि वेद प्यार प्यवयाद्या स्व व्यवस्य हा । प्र धर सः संग्नासुक धुे अत्य। । ५ ण्र ५ अर दग वि प्यद लग गरें ५ सुल घरना । **₹.**ई४.ईप ७०.च्र.प्रेंट छ्य चेंब्य क्या ।श्रर.चयश.च्र्य ८६४.२४. हेट लब जनानक्या वि. प्रत्यारनेण तथ ह्र्य भवर तर रेगूर हिरा। ह्रंह्रं नश्च के पहेर श्रीय श्रीय कर रहा। विर्वेद हिर्देश सम्याप पार हिन हिट्-स्वाया । द्रिय च च केट्रच यद सर्वा च द्रि हर च स्वाय स्वर अवस से घटन पालना निय तमानद्र है निय देवातर है। पर हिला न माद्यान्तु पाला स्रवया प्रदेश नियम हैन स्वापित सम में स्पा ५८। |५वें।च देस क्षेत्र ६६०,५८,च०न्यत्राचित् ।क्षेत्रास्ट्रेंद्राधर्षेद्रः म्राया में विष्या क्षेत्र हिन् महा विषय है है ने महा क्षेत्र है ने महा क्षेत्र है ने महा क्षेत्र के कि कि कि क न्दा । वित् सर प्रव हव दीन तथा देशका न दर्श । काया स्वास मान दे'लब विद्रारयन्त्रा । बद्ध मुक्षात्राच दुर्द्दा संस्था सर्वा निवाद ।

इथ क्रम रेंग्रे प विराधर चेर्य दय द्या । विशेषाता हे हे येव पर्याय स्थ ला । नार्से व वि.वेट व्रेचन परे प.क.रेट ह्विरा । पत्र क. ध. थर ही छ. न्वं न्य (ह 75 व) व न्य । १५५ वर नुया ग्री तिम्र विहे वन् विहे स्था। निष्य. १४ भीवल चीता के अपूर्या नीचल हैिए। निष्टे प्रांत पश मी ईश म्बन् हैर पहन हैरा। । य में इस म्बन् एता पर पे स त कर भव स्वय ४६४ ब्रैंट.तपु थ्रेंपा । व्रव विश्व पथ की ब्रैंट त ब्रैंट. मझन नया । हा ने न जुर हे रे हीं दल है सम हा । द व मनस र हें हैं ह्ल ब्राम्य ग्रीयार्ने । विषे ब्राट ब्रीट्र तामा हेल ट्राम महेल ला । हिं में 출도 링도 도링 'ㅁ 책' 우리 도드! | 조계차 출도 윌 도드 월도 종대 명도 다자 विश्वका । एल्रें संपर्धः में व पार्वे हवा मुल श्रुंद पारे हिला । में मारी के पारे वे त रेचा.बैट. तर्रेदा । तत्तु त रू रर्बेर छ्.च ईश.चर्सश खेचया । हि.बट. 렇다'다워드' 링크 다왕주'라'〉 NI I 회의의 현의 미리'의 다동미'용다'X 미리 기회의 न्दा । वर्षेद भ्रें अध्यय तम देना एहेद इस पढ़िर पर्मेन। । वर्ष अहेस. वत्यास्य ह्येत्राचित् द्रम्य पहेता । वा.वे.र्पट.घ्रु.पस्ट छलास्य. विश्वभाषया विद्वीताययाद्मेल विद्वेरावयायव्यायाव्यात् । वि है निवा चबुर न्न ह्विर-कु-न्द दे। ।श्रद्भानबिद्ध-तकर-द्वल-तम्ब सद बान हुन्।। ह्यें ता के बे के अप ए हेरा पहें ब पार बार । । इस पार मि पार लब पान पार स तर्। । य प्रमायद्वातर हू नवातायवर वेष वया । एवय व विट ख्टा बह्द.री.मुटे.तपु.क्षा । नेद्याच्छाताम श्रीचयाचबुद्धार्टा हो । सक्दा १९८ होन् सह त्वराता प्रमुद्दाराया । विन्। न्युवार स्वरातः सुद्दार हुदार हुदा पदेव.र्था । तु.सम्.द्रमं.कृरं.ल. <u>इ</u>ष.तृरं.पधु.पस्या । श्रम्य.क्य.रट. नविष्मु द्वार्द्व हिष्पादे । विष्य त्वार त्वार द्वार द मनना [मुनःतम्बनःहेन् सुःमहेन्याःम (इ. ७६ न) नेनाः । । नामः हेन्यं मन

हर हम द्वा विव क्षेत्र तल इसला । दि दे क्षे देव द्वे प समल जैल पहेंदा । न्हेश य न्यत स्वाय शुव स्टल प्रस ग्रीय ता। । श्री पान स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स् में सन पश्चित देश में था। ।पश्चित में ६ तह लय.पढ़ी लय लया परना ।लय. केव चकुर रत चहु प्रिय गुँच अठव क्षय। । रूस्य गुँच छट ६ गुँच स चकुं ५ ५६ है। १९वे६ में ९५५ ५८ के व म नुनुन्य प्यय है। १६न ९६ व ट्रे. ए त्रेल भीतर ह्यें ८ के छट छल। । नायुष स ह्याय ग्री अधर ख़िया कहना न्द्य श्रुषा । तस्य कुन सर्र पहुंद रत पहुंद सि पनि । दि म अक्ष में इस म्र रूर प्रमुल्या हुन। । अह्य विर हेर रूर हैं रूर हैं प्रमुल्य क्षिश्रमाथा । प्रत्य विश्विम मह बिट एडियो प्रतीय मह क्षि। । सिट. प्रहेगां हु अळव २ळ८ कुरे य अळअय ५८'। । अळॅव ५२ मु थे'५डे'प'छु५ यर पठना । वे श्रेप हेन तुन द मं अठन हेन प्राप्त । पन त्मा मा प्राप्त । क्रम मु र र रेण्या । जे नेय छ र र पर्व र र नेय पह है। । ज्य रव हेव लय. मूट. रट. अब्दर्भ तर चन्नेदी । चब्रु. त ४ तथ विद्य देश नविन. इ. ए ग्रीर. लिया । मुख प्र एवं वर्षे वर्षे प्रतिल दें न हेरा । नर्य, रूपे विवास हा म वर्षक के के प्रति । वर्षक प्रति देश मार्थ के स्व मा के सा वा बेर र्व, अह्ट. ६० वर, वेट घट्र क्रयं, क्रयं, क्री ायटश. क्रेयः क्रयं, विट. तर, चेलट. **हेव**. नशुराष्ट्रिय पश्चरा । १०१ हेरी प्रनिष्य स प्राया रेमा के ते प्राया के प्राया मारवित्रहेमा हेन हेन हो। । । मन दिन हेन सुन्य प्रमुक्त हिन्य प्रमुक्त होन रता । के निवन वर से दे पार में ल ईल निस्ता । स्वर दुन में ल स केव द्राप्तः माल्येवः वे। । सद्दः ग्रुम नवसः सः हः द्राप्तः केन । सक्यः १९८८- । विद्यान्य द्वाराष्ट्र विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य । विद्यार स्व (इ. 16 व.) १२ रच.रचे. वश्या । जा. वंश ह. च. इ. इ. व. १ वी. व. वंश व दे.रेब.रूब.ब्रे हेर त्र वायल.च.हे। ।इथ.त.चर्च.त.लब लवी.चर्थ.चर्छ। ।

य चीय दी। वित हुट हेन तह ट्रेन पह ट्रे

#### सर यन पड्न में के हेन में पन्न पा

ह्यर लट पहुंच रेंव हैंद में नमल प वे। । विन बर देने प ग्राद रेंव श्रेट श्रेंस द्या । अकेंद् धर महेंद् हेट महत्र महे द्वा महत् पुत्र। । पर र्म प्रत पर्वे त्य प्रम स्वयं पर्वे । । र् प्र वेद मध्य हीर पर्दे । क्रेम के द लुम्या । के सहेद तहेम हेद खुद क्रंट म देद धर देवे। । दुस प्रमित्र लिल ट्रेंस इस मालमा तहार होर महना । के मुद्र सहद मार विल स्व ह्माय के लिम्या । मुन्य बेट हुन महन तहम हेन कुर महय मन्ना । मेर्रेश त हूं र ति ट कितालश ने मेना म खेला विचा त के किए एक स मेर्रे. मबेर् शर्रा विदारित मुल महे अहर मा उप हे है 4. LE. GE. Land. BE. Lg. 10241 1624. BL E. G. Lg. Eu. वन्ता । नमुस्र वः नसः विदेशकार्यः सर्वेनः देशः वर्षेतः। । सिनः निर्वे स्य ग्री त्युर कुर र्ट सुवा हेरे वावय लिवाय है। विदेव या दवा परि के ये दव नेवन्तर्मत्। । पर्वन्यानुष्यः स्वायः स्वार्यः स्वा । पद्वत्यः प्रा प्र-, नृष्ट हुर. हाय अपराय प्राया । ह्या पार्के र प्राया हुर हुर. हुर. हुर. हुर. चष्ट. देला । ह्रणान्त्रम. स्था (इ. ७७ व) ने बर्व देश क्र्य. देर क्षा. च व्या । िंद्य.र्टा. ७ चुल चहे. कुन्द्र. कुय. एचुंदा चन्द्र। । छि. च चनेया नहेर चहेर. न्दःतकत् १६वः वयत् । विन न्यवः वेनः केवः सं परः व्यापः न्दः। । वृतः

अभय पश्चित रा. वेट दे विष्ठेया में जूला । इतिया रूपा तायर है ट. रूपा वाये अ है। द्व पठया । व्व प्रव पदि हेव स्म परे देश विसय पन्। । प्रम परि न मवयाक्र क्रिट एह्न हेन लगा । नाब हाल स्वाय नेया ने हिराह्म समाना सक् व हेर होना य के किंद्र माना सहिता । हिं हे होना या नहर हैर माना त ब्राप है। विश्व व ब्राय प्रवाद प्रवाद कर समय प्रवाद । पार्व पर पर चुें न वह स पर हिंदु के न' पहें। । न दाय मु ' इं ए पें स में द न है त हो स क्षा । है। ल पडेय पर पर्व केर हैं पर्दा । मूब पर हिंद रस् हैं हिंग इस पढ़ी है। । पथम तस हैना पह ने सरा हैने दिल पनर। । पनि प हित तह्य ही पाले लें दिया या हैया । कि ले हिया या के छत ही से देस तता । न्यत हन्य हा अर कुर न्रेर हेर यह खन्या । अद त्न न्रेर हेर ह्या चकुर्नेर हरे राषा । क्षेत्र सम्बद्धनायरे हेट तहेव ब्रान हलामन्। । रन् म अष्ट्र हिन देन महिन्स निम्म में का महान महिन हैं। मिना लग्न-मु-लन्-लन्-ह्न हुन् महे-ख्ला । ह्र-त्युन् वत्-कुन्-महेन ्र विर् तर.पश्या । ४ अय.वे. धट्य.तय य पश.प्रमूर् क्ष.पर्नरी । पर्वे.त. विव भूर लर हुव.यरय.मेथ ६७। । ज्ञिनय.ग्री.पथ.र्टर.र्ट्य.ग्रीच.विव.भूर. ८८ । विव भव, अष्या, ८६ अ बेट ४६ व. देव में . छ। । ४ संब में र. में ज अ. इ ५ में र. पढ़ेर, जूल पश्या । अधर. बैंच, देश, तर, जूल, पष्ट, ए वंश. वे. पर्ने।। बह्मार्ने व र र प्रवेद र वेदाय वह वद हिल र र र । विदेश स्था (इ. 77 व) नेयामह्राक्षासर द्यां पहा । शासराह्यालया वृद्या सहार त्याया मन् भी। मर्नि हिरे पद्न कर्षेन् पहेन् न्द न्य हिन् लहेन् ला हिन पर्य पत्रले मा कु बद्धरात्रहेनान्हेरात्ररा । तिक्षानादेवायात्र्यायात्राम्या हेस्र पत्र प्रेन्स पासेप्पति चुन्सहे हेन् यति प्रम्म हे प्रमानम् साम

व्यथ रूप अप्ति ना यह अप्ति म्यार अप्ति मार्थ हिन मार्थ

( Louini )

Jahrenourming range Candrorant

gatespertaninkerden gatesteralmenten franke

Jahrenourmenden gatesteralmenten franke

## 

ब.भः मृ बूं.मा.२ अहै मृ बं बं ला वट. हट में छु भे अटर रट. र्टान्बिरास सर्पास्तर् सुराळेनाय महि महिरा । र्मामहे क्रिया स्वापतः न्तः अक्ष्यः परः रनः श्चेत्र परे ग्वेत् श्वन्यः वे पहेव नामः विषा । पत्रयः प्रसः भर्- १ के. अष्ट्रां, एतिट. लर्ब केंद्राती होर पत्राङ्ग प्रटा हेर्ने तीया विवा . मेर. टे. पर्वेचना । कुर प्र चिश्वम. में अवर . सूर मिल प. हे. अ अहट पट . इ.स. अ. भुन्न । पहुना हुन ना स्थानी भिन्न वा स्थानुता हुन प्रमान वा स्थानी स्थान हैंदा निम नेट, प्रत्याद हिंदा कहत्य नविष अट. प्रवागी दिन ह्या गी. मुला । द्वः गुवः युवः तः युवायः है । ठव ल झें । वशुक्र मुकः तः छवः प्रव ८५५। । र्यातानिव अट्य क्षेत्र पश्च त्रायात्रातिद्य स्ट्य क्या ग्रेय के क्षेत्र देवारक्ष ।। वबाबानर है 'शेर्' रुक्षे केर्' खुब 'ग्रैंब' हुन 'र्नु बहर्' मे ब हु। । (कै' 1 म) पट्रे. प. क्रब. म. पश्चर. मी. हूं. हैं. पड्डिंगी र. लाव लेंबर बंच या हैंहें से के. ब्रैस भड़्य.तप्ट.बुटे.एवीर.वीट.केट द्वा ब्रेट चेर्च तर तखीत्रा। ।तट खेत. विराधक्य, द्वापर केंद्य, तथ, तर्य, तर्वे वे तप्त, दे अक्षर्य तर्वे ला । जा. पुरा द्रायाची माने हरे पहें त्या गीर् झूटका है ता हमा करा माहेरी अधिर महिना क्रिंग्नम्पर्विता हेर्याय हर्याते वाया रेर्या हेर्या हर्या हेर्य हर्या ह

लत लेश.बेतस.ज.परेटे. रू.हे.भूट. ध्र.स्थाया क्षेत्र अह्टी विषयाया म्र बित नक्षेत्र नेवल तह भेट हे हा । दिल ने बिम में व रेट हे हा ने मेर चक्रैर ७६४। ।१स.अर् गेर.ज म्ल.क्रेर.ब्रटस.प.छ। । वीय घ कर स्यः हैट.वंश पव चक्रीर.पर्टी । चर्चा म्नूं.किच ग्रे.श्रच चख्रे द्विं.रूच चला । में में में देश अपिए अधिर पेलेल बेंस भूव की की । रूट, ५२५ श्रेल अधित अधित इस्थ ल'म् नर्हे श्रर। । नहे धर नस्य महे (का 2 व) ने बिर एर् नम्बर चर.वै। ।भ्रोतप.रेट भूय वितु ख.श्वप.अवप.अवप.अय.अ.ध खेब खे.ल्रब पहणा मर-बुना |हॅन'णुट अळन'हेट खुनन अळेन ठल गुन अळेन छ'गुन **गु**न्दे हुर्-ह्रेचना । रे हुर-धू-ज्य तथानर चंबर चंद्र के ह्रेचन दश हो. र. ह्रास क्षेटा । नुब प्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र महत्र महत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वाक्षेत्र । खिट र्ट.र्रेन्यायारी अद्यर न्यॉर्ट हे हुर्मा । र्याय द्वस्या ग्रेस रमानुः पद्भव य प्रा । वि प्रवापन प्राप्त के मूल यर प्राप्त प्राप्त । द्यान्यूव वयानिबेटार्व वायव वरावती। डि.लट.वर वार्टावयक २८ अबिर तह, मं . एतट मैं त. त. ज. ह्या अर. ह्या त मै . अष्ट य. र ज मैं. अरं तर वि.बुटा। 1रे बंब तथकात रटा सुभाविटा वी. पंत रताल तहेव बंबा दुव कुषाञ्च बाब्यतान्त्राच्च कृत पदे जिन्द्राच्च पर त्युरामात्री वे कुलामा स्व ८८. प्रथ्यत्त्रात्वाव तरान्त्ववात्तिः त्या मार्दराप क्षेत्रहरा । दि है. प्रि प्रभ है. एहं ते. हूं. द्भ बुवे. रट. एट्टू, हैं. जूंड. रेशर् ता देशका है. हैं. तकर'वरे'वरे'क्षर'तु पङ्गव्या हैंबा'वरेंबा'वरेंविकर'वर्षा हेंब प्रवेश हेंबा'वर' निने विद्यास्त्र प्रत्यक्षं प्राप्त की द्वा पर निने विद्या पर निन्त संमुबुद्दानी द्वा वाबरादनी बिद्दार्द्वा मुक्ता मुद्दार सहनाने द्वा दे।

न्द मं यान् गु न्द त्यान्युक्ष। मृबुन्नी ख्य इसायर प्यत्न प्रत्यः इन्द्रिन्यपरि धेन सेन्यम्बर्गाः प्रस्थान्य स्थापर कन् से त्युन्दिन्तः वेष कुट.रेज्य त अक्र्स चक्ष.पूर्व.रे रेथ.चक्ष चध्रा । वर्ष ह्य.प्रह्म थे कुंब.तप्र.कुट.रे.अक्र्य तर चह्र्य ता व्यक्ष.त अवर.

न्द में अद मह्रव मायान्युवा अन्निस्य सून् मृह्य न्वा सुन्नुन्नु मझ्द या देशे द्वामन् या दे लासम् ह्वामस्य महा । न्दामं दे। कु गर भेर री। प्राप्त सवाल निष्टुः स स द्वाप्त प्राप्त व (का २ म) वै र रूर् म् भि. हे. भुष्टे. दे. भु. या. में स्थाप है. यहा है. या छा राष्ट्रा था। वेय व है। स्था שַׁיבּׁיפּׁרִיבּא מְׁא שַׁיחְצֹּיבִׁיןְםילָחְירָחְד בַּיּאִישָׁך בִּאִישָּׁ יַחְדִיבִאיייי बदशः क्रिय रायाय रा. ट्रिय राष्ट्रा खेल रायाया खेला. ट्रे. चेर्चाया रामः छेनायः ह्रिमः । रत् चलेव वुर कण म व से से सिर रेणक केव में चले कर चरे चरे जर में से हैं हैं भूषिष्य वर्षता यासुई:प्यागुव पृ:पातृष या स्प व वै मासुर रपा। रद्रंभूकि दुर् त्रुष्टुःबहूर्। हे भुष्टाःपश्चातान्यवा बार्ट्स्मायाःवाना नर हूर ना नि है नहेर नहरा यह है . ल. नेया ने जीर रका रवस वरी झ.र.७.विव.वरकार व्.वपु. १ व. २०१ व. वा बुकाने.वपूर पट्टें च. में. न्युक्रके.त.वुट च.वे.लेन्य श्विर लाक्षन् श्वेत ग्रे.टचट पु.चेक्यतप्रा । ।नेवेक्य मालाम्युक्षा देवाचन्यान्यम्नामा ने हेन्द्रिकालमें खान्या हुनामा थम्रोशः क्रिशः ह्यः पश्चा । प्रदः मा देशः द्वायते प्रदः पुत्रः पुत्रः वा वरः प्रविभाक्षे अप्तर्भ पार्टा। स्रम् क्षेत्र प्रपृत्रिया पार्थे अध्य स्रम् **न्मुदे दशःमृद्यः स्वादः मृद्यः । स्वादः स्वादः स्वादः । स्वादः स्वादः । स्वादः स्वादः । स्वादः स्वादः । स्वादः** म्नवसारिक्षे में में दे द्वापारय के दिवाही। दि वितादि दिवाह दुवादी। दे पर्वत् नानेनात्रःपर्यः न्याः न्याः न्याः न्याः न्याः हाराः सुन्यः सुन्यः । इवक् ग्रे चन्द्र हुं भाष्ट्र के पा इवक है पर क्ष्य पान वह व पहेंदे देव ये के दे'दमालदे लाक्षद्र पत्रमा विदे दे दि दमाला विदायमा महिन के खा हुदा हुदा

य बिनाय तथ ही लिय क्षाय ह्या अर हीं र.प हे लिय ही नाट बन (क्षा 4 व) पा. रिट च क्रे बुद्र। अर देश चर्सर पार प्रसेष पार्श विद्य विद्य प्रस्य पर प्रथम है तहनाप्र तमुर'प र्ट । बर मुद्द क्रेन्स हेंन्स केंद्र पर'कर् अन् परि केन् नुर्वे। निय देश में के एक लाव प्रस् व पर्व हैं से परे में में सर। दिलह सरातकत व स् नासुस गुरा पाके प्रस् । । माहे साथ दे। मुँदे हु त्य न्यत दे नहित सु केन पर यह में नेय न्य यहेद यर यु यह रेंद्र " भक्कर राय बाबु झैर हूँर ल जाया स्वयं भीय गुँच वाजूर वय उन्नय न से छ .. मुक्रेस सुरक्षेत् परि हार तहना निर्मा रह हेन सुद ला महल मु ने निर्मा पर सहर प। श्र स दे गु दि से लय में व 5 व गुन है। प र ए ए र रे से लस मूर धर विरामा अरु में से धर में द्र लस स्मिन्स रिराम्स मान्ने लिल नु पुर पर देव कव केव पराश्वासर कर हा सर गुरामाने। गुन मु मिल मू लका। अस्य मेश बेल ४८ चेट में हैं चेश रेट. बेल.ल. चेडश रार. बुराय दे दे दाया स्व श्रामहा । ब्रेंग तमुद्र यया यह य मु तुराणु प्रमार्थि बिषाचबुर अक्षरायर नेयर चबुर रुक्षातालय चबुराताले रुवा... ब्रुव महे छ नेव ब्रुवव ब्रुक्ट है। बल क्रि झें बब वाहिल हैं। यह हैंब. मस्यान्वस मार्केन् लान्यस स्व श्वास्यान्यम् महिस स्रम्यार् निरान्ति है ब्यय ल ब्रेय:परि'नुगयाणुराभेद'र् 'गुय ध'केद'र्ययातन्त हेट युगातकलः चर अक्टर चर्। विशेष च दी इस न्य हैं विश्य महना । हिन्दिन न्यम् सेन् रे हिन्दिन मार्ग सहस् । निस्र र है धर द्वर पय.कूब ग्रेच नेश्वरा । विष अकून ट्रंग्रेच मैच.ल.सेग्रेप्यर मा । विकास है। तहेन हेद स नद चेन स हम अह हुँद गुरा मेद पु दस सर देव दा हिंशास विश्व के छिल विश्व की खिर इ. दे विश्व की अ विदे द ह्म अर्ट्य पर प्रव हर् गुर में पादी अर (कें 4 प) पहन हैं । भेर हे सर् कर में केससामसार्य याद्यत यर तम् यात संग्राय य हैत दे तहें वा मुख्य म न्यम मु अन्य दे रे रम हीर मले हीर खब न्य मह मही मार्न म महित नु सार देया मन अहेय मेन की किय सु म महित मी अक्षर हिन अर्देर पर हिंगल मेट पर्न अर्पा महिन अपाय पर विद हु .... हर पर नेय रव गुेखिर में दे हैं हिर क्रियान तहिन हेव न्याया विवर्त हिं हैं न रेट हे हैं रें निर्दे केंय गुर नया नर अहर ना रेर हैं संगय तहन हेन न युव धर वानम ध सुन जुद क लत्द के वसून ध सेन क केन .... तर श्रेंदर अयालन्याति देश तर मूलायह सिट मून्ट हिर पह अक्र के मेन पहिते अवर धेन हे इस पर चेंल पर मे मेन अवस्य पर सुद यन हिं ... नुस मु निन्ता मु द समय ता सम्बर्ध मु स मु र द र द समय ठ द दे मुद नु म पर र र र र बह्द च दे'ल'चन्तर देव'इव'चर मुख'च केव'ध्याखनारकल चर'चमुह्। । निर्मा दे मुला परि सदा न्द्र मुन्त र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप हूंब हि इस इस पर प्नापि छि इ । ए । ले । दूर । तम हूंब । प र प । पहुंच । पहुंच । प्ति पहिं प्रति अर्र प्रमुख्य है प्रमुद्र पाल व है। । प्रदेर प्रश्न । मनुसादि विमानामनुसामिति युवासितामाधिकामिति विमानिवासि अयुवासिता 5 मुन धार्म हत देव वेवा धरे खन्य हा नुस हे नम्ब दिस में देश में दिस मा पर्व 'छव' प्रव 'द्रा हिं । त्रीर स्व स कु स कु रे वा परि द्वा परि द्वा परि द्वा । तर्। विश्वभायान् । वर्षा विश्वभाद्दा श्रीन् यहिन्य विश्व हिना । 다크다'전'월드'다시'품시'웹'드립드시'덴토'메5의지! | 텔데'다리 따다'듯'밀ᅩ 멘트' कुलाब्रबाह्रला ।शु प्रति अटा ने बादी अन् मार्च मार्च हा विकास है। विका धर.बै.तेर्.वंथ.क्ष्यंथ.त.वेट.क्ष्य.अक्ष्यं.र्वे. वेयाय.पश्चेट.क्ष्य.क्ष्य.ता.वर्ध्या. 

ब्रेन्'नु रद हैन'लकद के कु घर केवल ठव क्वल हैन हेल पहन प तम्बन... पित स्य में 'सुब गुर क रंस के प्रसुद पित य रेल मुं खेद प पाठु ल संनाम परि'पत्र मं हुँ न्'म मु 'सर्वेश केंस गुं'न् मुंद्र गुव हु' मुल धर गृहस्स मेद। रचंब वी बीच्र क हुट बंब कट्र तर वीट. क्विंत तब कील त. बंबब कर् ग्री. ... अव फ़्रियुर गुर प्रुट कुल अस प्र्वि र्वे हिल गुरू दिस म स्टियर प नु तरी परि द्वायद्वाय म मु दल केदाया वहमान्यम ह्यापि केद मेल न्न न्र तकर १व मेन्या म्या विकास मिन् में देश केर पर में में स नित्व मुं अक्ष मुं से हिम । हे स सा । तिन्य है होन के द स र स मृं हुव पर पिया अर्र र पहुंच ने सेव पर्। । पदि प है। रेनाय विसय स संबं हुन ज्ल निवय तथ नहां । रुवःन्हेश लय नुव हा तर हे य हुट । । निर् कुरं भी तबुंद्र प्रतयाति हुर अहरे.ता ।सूर्य एहरे वि श तकीर तर यश्य भारत्ता । देव साहे। महिते कुत् वेवसा ठदा गुद सर महिद की स दिन व्यवतायहार्म्यव वा विवय यहे यर विवेवतायह है साहा याह्य के दिल हैं न्द्रायर प्रवित्र द्राधित हित् कुरिन्दार प्रसुर हित् स्था हित् कु न्द्रायर प्रस् त्रव्यवस्ययः यतः वर्षेत्राष्ट्रन्यन्यक्तः। वसःश्रेष्ठ्रन्यक्रेन्यन्नः 톤미지·디추 우리·다'미용지·현지·시의 현'러드리'봇미지'필드 더 다뤘다 여자 용격' 취지' ल्या पा अदा झूटा ह्रा स्वरापित है अग्युव ह्युट स वसा पदे पा केव संसावितः तर.दे.वेथ.तपु, मुंचुंधू, रवंबाति की वाष्ट्र, केट.दे.हेट.दे हैं र.वंदा केटा तर. बहर्पा पण्तरहेव सुकास्य के हैं हे हैं न र्वव जरे मेर कुर परि संदर्भ त्ह्रव् मि.श.रेजो.पटु.पचेल बोहेवी रूभ ताबिशानी पर्केट.तप्र.में.शहर क्रुचंब-८८ चढ्ब-त.ज चेब त.कुर्द-तूब ५२८-तद चमुष्टा विष्यःश्रा । प्त्र दे. रू. हे. द्रेयो. तर प्राप्ट भारता क्षा १ व व ) शे. ह्याया सर वहें दे हे ।

मञ्जाप द्वाप्त द्वाप वाष्ट्रिया प्रमान्त्र प्रमान ह्रस मही मन् मही । प्रमास है। यह न्या सुन महिन से हु स स्व मेर गुरा । माजुर लगन में गन मारे मेर महें व दलव मार्म । रेव केव ब्रेट वस अल पा है पक न होता । है न 'हे नह भागान ला प्यत न मा है न न हो। । हेन ताकी अप ह्वीर जयाचिर पर ह्या प्रथम ह्या नार भेष रव भीष रवित परा चेताचे कुष त्रालट.रचे तर हिंटे तप्र ध्राञ्च की बेल ताका ले.पा.६व लट. हेर्ना माल्य प्या चि.प.पट्रा. हुमापह प्यायाचिर प माल्य चिरा क्षेत्रायः तुष गुव पञ्चर् पारे वार वर्षा र्क्ष अळेगाल पहेदावयास्त्रायः स्टेंग मालाम्बर मा निर महित मेत मु नस्त मस मसुर रमाकु केदा मानम ह रे'र्ज्ञेस। गुल्ट'लुग्य छट'र्ड'रंग्य प्यट हे प्वेद'र्हेग्य'यहे'त्रं'व्यं गुं'ययुं' קב אָפִיתיקמק בייתה קביתהיפקיםיקח פייפה שקימק פלקיייי मति भुगामसम केस गुद वस महाम्य है। सद कुर देव में किर है हि दु हिंद भैंत तर क. द्वां झ. ५ कर तर होर. हीर ही च हर ही के कि कर हा जा हैं से देश हैं दे चुन् गुः नाबुद् १६८ ५ विन ५८८ ५ व गु क ६ नव श्वः नव ४ वर नव नव ना नेबाचु अ तुब पति नाव व प्रतादान पर हैन व परि क्षेत्र खु तरद य क्ष " रमाम्द्रायर मुह्या । बियाया । पार्रेयाय दे। श्रीयाद्वेद द्वीपाप्रदेव बिन्यागुवा न्वांन्याम् म्याम्यानहे न्व च कव नता । किन न्व च कव नता अक्षत्र हीं र. प्रथा । प्रम् लाय विषय है पहुँ पहुँ पर हैं। । खेल पहुँ व पर्श्वराचन्द्राच्वराष्ट्राच्चराच्याः हित्वद्रात्त्वराच्याः विवासरः मझ्दायर मुग्नादै र्वादाय देवालेदाल। दे लेका मुनादेव मञ्च देव मुक नर्रायस्वा (से 6 व) रेशिर्व किन र्व के कि क्ष सर सम्रा में रेस न्द श्रे स्वायान्य अळअया हुरान्द देवाय च न्दाशे स्वाय चर चर्चाय स्वा

पच्चित तर चींच च् | |

पच्चित तर चींच च् | |

पच्चित तर चींच च |

पच्चित तर चींच च |

पच्चित तर चींच च |

पच्चित तर पच्चित व्यक्ष व्यव

## नर'रु'न्वे'न'व्हर'वै'द्र्या

## देशःस्यः ध्रेपः वीत्यः वितः ह्रेन्। प्रसःसः वीत्यः वितः ह्रेन्। युन्तः वितः हेन्।

## त्रन्त्रः स्ट्रिनः यथन् स्ट्रिन्। विन्तः विभन्नः यथन् स्ट्रिन्। विन्तः विभन्नः यथन् स्ट्रिन्।

इ. ६ स. टे. ८ छुप, बुट, चिय ता स्थ्य, मैंय, मैं, त हैं थे, ता प्रांच्य, ता चंद्र, प्रांच्य में या में या मे या में या

प्रहिम दार में रूथ में ह्वम श ल विद्य हमान में हिल मिशन ल ह हेर.पश्चित "" हित्यावस्या। दे'लामहेव वस'र्स्य प्य ह्री ८ द्याय महत्या। मयस मय 축의 디木 근저 다! 젊은 다전 미구적 더 스디디,다 부의성 너, 눈의 디木 夏 소 다시 사. न्द त्रम म्यत येण्य यर यम् हिर हर हर य न्द वस्त हर सिहे व यह त्राया मुद्रे सबर.विया तर ख्वार प्रयुक्त तक्षा विद्यं प्रवृत्यं मु विद्यः स्टियः सुः ह्माया परि देश पर हो प है। य रेश में हीत प पहिरे ग्राम्य से इस पर मल्या पर्ते । विस सा। । १९२० हु । वर् प्रमे व रेस धर प्रमे परि र्देश ग्रद्ध देशा में देशा समुख द्व दृष्ट सहि पक्षा दृष्ट से है हैंग, मु रेस न्ते से सिर स्राय स क्या पर तकन् पर तकुर ला माहिय पार दे ब्रुथ त में किंद घड़ व्रु. ज़्र प्रायन में मर्बा, ब्रुथ तर में घड़, ब्रुथ है ... दुस ८ मुै । परु स क्षेत्रय पढ़ी पढ़ीह यह अन् नीय पमुद स हिर **ना**टय हेयः... सु'यदन है। दे'तय अर के दर्जय मेर हराद के तर् यह केर से। निस्ता मान् रेशति हेरार् देव पह जीव क्रम्य दे श्रिय स वर्ग माहेरार् । । मही ताबु भीचयात्वे परु मादित महा व प्याप्ता मानु अपि मानि पर तर तरु है। इथ त कि.तथ.लैचे.त.क्ष हिश्य.ग्री पश्चित.त.हूंब। टीचे त.टट.चटेबे. चल नेय रवा वर्षित् चल सेवल सेवल सेवल हिता है विश्व **हुद। ८८.**च.वथ.चबु.तपु.तपर.पुय.रच.गु.लव.लचं ।८चे.त.८८.चद्र. मार्वे नकुर महिर्देव स्वर क्षेत्र मा सवायुद्धानवादिहे स्वर स्वर है। नेयान मञ्जयायान्यस्थातेनायायराष्ट्रन्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्

 ब्राट-दे. मार्ह्रे ता देश ग्री-प्रिट-प्राप्त किया प्राप्त क्षेत्र थे. प्राप्त क्र थे. प्राप्त क्षेत्र थे. प्राप्त क्षेत्र थे. प्राप्त क्षेत्र थे.

न्दर्भाषान्केषा कु केवान्द स्थानुदाना बेद ने मन्द्र सन्दर्भ पश्व'यहा दिस् मालार पश्चिम अर्ग्याप्त्र कुराप्त्र दिन मं दी ह्रवाल हे के प्रमुख में निवास है। विवास है। विवास है। विवास है। तर्व में प्रें के रहेत के वाय व तया मुद्द वह बिटावसय मु अके विवासरा प्रचेट.पटु.र्में.रेट कुर्व हैं।.रेट हे संगात देशय ग्रे.र्थेष द्री व्रेश ग्रेट पश्चरया विवा महिलय साम महिल चु ति चु ति चु ति चु ति हु त बैद'मैं कु कुर के समानु श्रीस मही । १८८ में दे। है श्रीद दस'समिते दिवेदस' मान्ने मन्नान्ति वि तर्तान्वेत ही। हिन्दार्यामनमान्ने विमासर स्रूट मा है। ।न्रुल'मेरे'रेन्यामययाहे प्यर'यर यदा ।त्रुल'मेर्'देर दर्माथ मर्नेर्पा निर्वा विद्वार्थि के त्या कर् विश्व विद्वा विद्वा विद्वा मार्चे। इ.जूर्वसाम्रोवह रविद्यालास्त्रयर विवास भूरातार्टा असस रुष मिल्रमाणुद्रादे पादिवार् स्वर के कर्ष पादे क्षेत्र मुल्या इसमाणु । विनयाहित द्वाया नित्र मा देववा ही । विवाद हिंद केंद्र व व तहित व वेदः । मका निर्णाष्ठि तह विश्व निर्णाति के विषय निर्णाति के विषय में विषय में विषय में विषय में विषय में विषय में विषय क्र्याक्षेट्राग्री हेद्र लच्चेला प्रकाग्रीया के प्रमामित अध्य है पर सूटा मामेद्र है। रेतराक्ष्याणु रचिरमा तमा निर्मा हा से सम कदा ची देना मा समा निर्मा हो से दारा क्षेत्रामारेना पत्राकु प्रमा । गुन पहनात्र हैं पर परि के वे के महत्रमार 7 म) हुर द्या है । यर यद रे । वस्त्र व्युक्त प्रुक्त है र वि वृक्त हुर । या वृ त्ता छेत् बद्य कुषा देवल के पुन्य देवदा बहुद्य एवं तु हिन हे देवता श्वितः वित्राचार्ते । त स्तिरम् मृत्यान्य । वित्राच द्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्व

नर। प्रनेत ब्राय मिर ब्रेंब ब्रूट.रे.कैंट.चपु.क्रू प्रतेत कुर त्राच ही, प क्र्यंस म कर नम में लया तर में व पर महिन में। मिहेल म दी कें ल मी निष्य सम्म म्बर् निष्य सम्म । । विष् क्षा मम्बर्ध सम्म निष्य सम्म हेर्. मुन्ना विष्या पर मु लग हिर प्रमण में अक्षर हरा विन माही परे न्मित्य प्रवादित् य स्वीय पांसक्ष सह स्वाप्त प्रवाद में में रे काकर हट हैं निव सुप्त हुट मारे हिन लक्षाक्ष म निवर हैं। इट बर गुट के " त्रश्रूर देत। इस नह्त गुल ज्यापत्र स सक्ष्य पदीव 'न्'ने विव नामेनाम तर्भीत श्रेव श्रेव रत्। वित् कृत श्रेश्य प्राप्त देशय ग्रेपिट हिंद परि श्रेव प्रअचि । अवस ठव देशस ग्रेस तस ग्रे क्रिय स स्व.तर. चलन्त सप्ता । क्रिलाकुर गुँलारसारु क्रिस स स **स्नाय स गुँपर** मुँव सूर भ्रत्यंत्र राधः बुटः विभय में अष्ट रिवेशयः प्रेय परः श्रेट है। अटशः में अरवा स् कु.जबां अटक.मेथ ल र्चेक.तेज है.चयथ त्रथ तथा विच. एवं प्रथं प्रवेज दे न्न'रु हे ती । बुट इसस में अडू नक्षेत्र ता स्वर र निया हो । दस 다. 축다. 외독 스. 및 석 회석· 및 단석 성· Ā다 시 | 1급다 용다. 성역시· 설· 교육· 취· 다석석· ता. पबुरा । श्रूर, जभ में भष्ट, प्रथम, जय, देश, ब्रैट्य, मृट्रा । प्रथम २४, जय, इसल में अष्ट्र, पथन तथ, पथा । त्रियं भी ये , बुट, देशन, में , अष्ट्र, यशन कट, त्रचुटा। । पुट कृषा सेससार्वार गुवाची इसार सुतार्दा। । प्रसमार द् बहिद प हैंद्रलातहन्यापति स्वा । श्वरातमानु सक्षे वसस ठद सद्द्रिंग 8 व) पञ्चित्र भेटः। ।वसःसम्हिःद्वीतस्यःतःत्वस्यः वरःत्विदःहः। । ह्यें त में अष्ट्र अर्थ रेट रेट अरेट रेम अर्थ | ह्यें दे केट केट रेट केट रेट रेट नर्नेनंद्र, क्षेत्र, त्राह्म । द्वेनंद्र, ग्रुट, देशवाचे, श्रु, ग्रेट, व्वेट, । । नर्भंत ताअवतालयाबुटाईवयारे रेराक्किता विवय ठव विवय द्वित्य प्यका त्रस्य प्रतिय । । मुक्तका मिया प्रतिय । विका मुक्ता क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

मिश्रेय त.बुट.चर्यूट.ट्र्य.ज.मिथ्या क्रिमे.च्.चर्यूट तप्ट.बुट विषय हुर पहना ने ने ने हैं हैं में के हैं ने ने स पक्ष पर है हैं जन हु पन्ना दे लक्ष के बहेद 'ग्री 'रहेन' हेद 'छद 'यर 'दु 'दहे 'यह । दि है दर में लान हैन। खेट'नबर्गा हीर'नइंदा सिर्'नर'ने'म्बन्'हुं'झैंब चढ़ा ।र्ट मंदी म्ल विराह्न अस विश पह ह्या अब है। । विश्वमान्य अस्य अप्तर हम के में स देवा छेन 다! [조도.출도.중석.집다.중대, 다.다.석스.다.구] [축의 다고 출도.외토스 內·석석. चट. क्रवं अष्ट्रही । चार्ची र पत दी प सवी पचित होता । बुक्स चार्डे। चीट ची. के ब्रिंग्स में दें। सम्प्रित स्टामदेव स्वाप्त मान मान के के प्रमुद्ध स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त हिन् भेद देव महिन्य दे दे निद्या सम्बन्ध निवास निवास कर मा भेर दे। निवास म्हेर्न् र्यटायरे म्ब्यू सर्देर हैं। ।देतर चेट्रिल.चेट्र.एविल.ड्रेट.टचे.कचेव.ग्रुअ.अ.चर्चेव.तथ.विश्वय.पश्चेव.दे. ८८्यःयःरटः द्वटः द्वसःयरः द्वाःयदेः द्वटः केः वेत्रःग्रुः वद्ववः प्रवः।वट द्ववावः ःः न्दःरेक्षःशुःवाकन्षेदःपर्मन्याकन्तेन्यान्दः स्व या रदाने दं वेवा क्रैंदः पर्रः भूटकः श्रुंद्राक्ष्यः स्वायः पर्रः चैवः स्वः प्रः ग्रीवः स्वरः दिनः । 저도적'회적'국저적'한'전도적'월드'당적'한제돌에적'다다'중 "국적'다도'월드'저도니 (क. १ न) ग्रेन.वे. खेलाला प्रेयाना कृष अष्ट्रहर् श्रेष्ट्राना श्रीहर वितासी द्रार्था राज्या लरट में नास्ता नकु नकुर देट निमय कु नार्न पर्ट स्व व नादव है है ... श्रुयः हे. ह्या निषयः रतः एवययः में अक्षः भी निष्ठना भरतः ह्रनयः तः नतः । देशः मेड्ना,गु.हेट.द.ह्टा.चेट्य.हेट.गु.ह्टालट.हेट ह्टा श्रे.सहना प्रशे

रवालवुमलाकु मळे तर् वाद्या श्रु दे रेयागुराश्रु द्रव केटारवालवुमशा में.अक्टर विवातर बैट व स्वाय हैंदि लिप पत्र ४८४ वर्ष क्ट.पर्तेष कुर व्यय. प्रभुत्र है। है अप्र है। दे हिर अप्युव प्रमय कर दें ज्व सु अपर । असे रम हिंद'ल ट्रिव प्युस कर हिंद है। |यादय मुया मु अके विद इसम मु अके ८८ । । पञ्चल त की अष्टर श्री ८ द्वट राव थे प्रह्मा । द्वरा प्रियः प्रायः स्था । विश्व त है। विश्व रचुेत्व कुं कर् वर्षेर्य वयम में हिया । देव या है। दे.जार्ट म् व्यव्य में विर् धर है। वजाकेदालया बेटाइवय मु अहें जा व है' केद हें र हे से दक्ष का अपिर दें हैं दें से पाद सा पाद सा । हु दें पिर हें दें दें दें दें दें दें दें दें ट्रिं पुरे कु अर्के र्वा ल लेवल घर वादल। । बिर इसल कु अर्के अधर रहा न्त्र केन्-मुं के पर्दे में अष्ट्र ने अष्ट्र ने अप्तर्भा विन्नियम में अष्ट्र रेव्वेटयाम्बद्धाराय बद्ध क्षेत्र विष्यान्त्र । ब्रियानास्य रविद्याना बेमबर्डव ग्रुं भाषा बद्ध कुष्यं ग्रुं प्रेव किया स्वाप वा पारे व किया लियंबा ग्रेट हैं पा ही। हैंति क्याया दला अप्याय है देनाया प्राप्त दें। निहेस त ट्रीयश्रे विट्रायर है। । सास्युक्षाया सास्युक्त है। । दे द्या सा ल ब्रेन्य दे नु प्वदेर नद्या । देर पु प्व इ र हिर हिर हिर हि प्य प्य प्य प्य । ग्य मिर प्रव देशव में अकूब देशतर होया | बुब मा | विश्व मा में दी दर हीन ने मुल वळव मुंदिना हेव वया यहँदै द्या मुंदि यर विमाहित यह मं में द वंबामें द रायह 'व्युर' येबाहे (का 9 व) वा व्यव रहा वराय रहा। न इं अर्दे न्यार नि मने म ठव र्याय म के वा के त्राके सहेन में देर देन न टे.जय.बेट यटय.बेय.केर.थ.ट्रचंट.चंट्र,बुट.बंड्र,च्रं व्यं व्यं वेंद्र.टे. विष्, कटात. रटा अपूर्य अपूर्य प्रापित हैं मिह्नांस ग्री खुटा प्रथम देश स्था लट रेची.चलचंबराय. कर्ं अर्ट. तर. च केरं ता. ख्यां सं वट हूं । वा बु. स. खेरं. क्ट. है। बुट. इसस. थ. थ. प्राप्त प्रमा । भ. भ. प्रमा भ. प. पडे प. है। बुट.

क्षम म म देश भरेश तहा | निर्श्वा त.ते. तर पहूर त लुबा | बुब त सर रा कि ल कि दे रेट चार्यूरे तपू दिर तर है। बुट में के बे अट. है च लुका । ह्नैदर्भक्ष स स इत्राधर मेला। वित् प्र हिस इसल घर्ष पर। ।कूर क्ष्याय भ्रम लूर. है. तर. श्रद्धा विश्व श्रम्य प्रतिदः प्राम्बद लदः विदः म्बर्ध प्रस्य स्वास्त्र स्वास्त्र केत्र केत् पद बुट.व.बट्य.मेंयाचेश्वा । प्र पर बट्य मेंब अट मेंद्र। बिय बटन कुष में विद्यास प्राप्त विद्यास स्वाप्त तहेन्य यस ही न्यत्य वसा सामर हरे दें । दे चलेव ना हिस ही दिना है हिते देन। रद में देन। भेद में देन। देने देन। देन सुते देन। बर बेरे हें दा बत्य कुष में हें द इसस न्दा किट इससाय सरायहरें ह्रदा । श्रिम क्रि.ह्रद रट. लेव चलट.ल्रदा । श्रिम लस रवट. वेम दशायर. ब्रुटका विस दें गुः छिन धर नदा। हिरान्सुसारि हीर पति धानु सर मन्द्र व मद्रेन न्यं श्वाय विष्यामध्य हिराणुद्र मृत्यहमायस हित महिराणा नुः अन्तः। अहव सर न्वातः सिरं बितः व स इसरा के ता श्रीव स श्वाय स्टरा ब्रैंद-ग्रे-विद-तर-रटा देव च्रु-वि-विव-क्ष्य रटा अवव-ध्य वि-ध्या हुर भ्रम्य त(भ्र ७ घ) रेट र्बय जा जि. हवा दे. क्यातर. रेवा तपु. प्य कर. स्वाय पहुंच तार विर् तार है। विषय अट. तथका ब्रिया श्राप्ति हत है. न्दब्धा । निष्ठेव च वे. चन वृ चन द माल निष्ठेवा रन्व च चन ५ ७ ५ ० । बुच हु च हुद सह । । द स दी खना अधिल हुल खद न हना । हेद'म्बस्या । व वळेते द्रार हिन्दिन हेद'म्बस्य वर द्वा मार्वे द हैट. तु. श्र. हेचा पश्चिद , खेट. चोदया । खेया ता हो। छा नेया चोट. छद । यञ्च दय पर बेट अहर नेह खेन अवस में देश सर माठना में वट रे पहन हेर निमन

कु अळे दे वहीं विविध्य यह द्वा वि अधि अधि की के दार मा मु नाव स य है सर मु पर। हूँ व परटाले नेलान् केंद्र अहैं 'हेंद् 'द सूद है इस पर रेंस म प्रथम मुकाम विपायर मार्थ पर्दा में प्राप्त के वार्त प्राप्त मार्थ मार्थ प्राप्त मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मा अवय न्यर न्यर वस्य कुष ११ म नहम ने मुन खुर खुर स्था । रहम हे मु | Para मु अर्थ देश दूर पु रहि पहे तह में हु मिनस में व पु राय राष्ट्र ..... **८**चेथा श्री अटब क्षेत्र इसायर क्षेट सहराह्मेल क्षेत्र खेटामस्य मादी ८८ हैरा मं के मिन वीय प्रमुद्ध पर बेट रिन मदस पर मुख्य से। । मार्रेस पार्वी दे'लद हम केद पर'चे श्रेद पदी यहे। । तहम हेद'चे'प'लम'पम हुद वाश्वस के। । ने व स में ८ ने ने ६ हुर ख्वा पर हरा। । पञ्चे स पर र पर प्टीश्रय अक्ष्ययः हैं र केंट.के.अद्धा । हें ट.त्.अ. ध्व पचीर खेट.श्र श्र लट । ो कु .बर्ष्ट्र .ज.च हेद .पूर स्वता चरल च है। । बर्ष्ट्र ते नी हील भे .च हुन ने उटेल. बिदःखेदा ।मृद्धै-८६ श्रुदःसं बे 'हॅम्'मेयः मृतुदःसरे 'बेदः दे 'सः है 'ठ बः देग्' व्यदः डे वा देशम ब्रीमायबै में मन विम् सुन दम महत्वाम हुमा द्वीयाद्वा श्चिद् हे दे दिन् क्षेत्र ल शुनानी बर कु नित्त करें ल क्षेट विदे तह नि हे ते कु ल विश्वता देव दी। देव वादे देव वादे देव वादे हैं दिन RE. तपुर पहिना हेव. की. विश्व में १० वे) ने हेन ने बंब कर मा भारतीया विश्व ने का **ख़ॱॻ**ॻ॒ॸॎॺॱय़ढ़ॱॾॕॣॸॱ॔5ॖॱॺ॔ॸॺॱय़ॱढ़ऻॸॱॱख़ॖॴॱॴढ़ॖॴॱॻ॓ॺॱॻॾॣॕॸॱॻॱॾॕॗॸॱॸ॔ॸॱॱॱ म्। द्रिन्नाम्बर्यस्यानान्वनानु महिन्दार्भित्तन्तुन्ति नहिन्नित्रन्त्रस्य च. ब्रेट पोरेश च। दे. ब्रेट. (N. व्रिट. तिया कव. च्या प्रश्न पारेश चारी शाम हो। 뭐다다양,다당,너무희 날로 줘 너머松,라 다 전리,다맆,너 웠다.네짐마,甶,^^요로... च्ह एह्या हेर कु.विश्व पेड्रयं.ड्रयं.वेड्रा ।एट्ट अरूर त.च देशय.कुय. क्रम यह रहना हेव अव कर प्रमार लार । रदेर दे मा रस र र ना कर हर् रामान्यविक कु.पिटाचे हें स अ.एचंटावही दि.वंबाह्मावराचेंटावंबा

म्ट.२.२८ त्र.त्वत.पड.पड्र.पञ्चय.पथ.८हत हेव व्र.चट्य ह्रेयथारार... प्रमुद्र है। देतर हैंद के या चे पास्त पक्ष प्रमास स्थाप सक्स सहस हैं राक्षे त्रिन् हेवा दे वे पायनापक रात्रवासक कुर कुरि हेवा हेवा दे वे पा स्वापन राप्ति व्यास्य का अक्षेत्र प्रह्मा हेरा दे स्व स्वाप्त हरा लिंदसामान मुद्धीप्त है दार्मा के हिंग मेसाम कुन महि दि मित्र मित्र सा दे इसम गुरार्स स्र मु सळ. छव ता.ज ताहेब.हट. व्रि. लेग र.र्स तम्राता... र्दः। वस्त उर् गुःसवरः विराधन केव धन पर्नर पर्दापकन पहे। दे. २ अ होने दे. अष्ट्रने में श्रुप सह से ने बेच में उर्व होट. लुद कि राम देता है..... रमव.तपु हर हैं द वार्षिभ २ भ. हुवा. वे वार्थित अ. हा वार्थिश त विर तर. टे. र् छे माल महिना के समेर में समाविता ने सम रहें न पर हैं न पर् पर्दा निद्म है। दे के विद्म खन के बद्म हैं स कह सकदा विद्म पुरे नर्थे.पर्श्वयान्तेत्रं एह्ना,हेद्रीनत्रया ।ध्रेर.सं.पञ्चीयाभरायवं यापप्रापर्थः विश्वभाषा । अभ्यह्म देशम् वाया । विश्वभाष्यः । विश्वभाष्यः । नैन्यान मुद्दार देशे मिरासना केदारी रेप्टरा प्रान्त केदि विदेश स्त्री स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र र्ह्मत कृति कु' काळ 'डे' पा फीट्' ऍट' श' मान सं' पाते ' ऍर' पुते ' पार्ड (सै' 10 प) केन्'' म् नवुष्यम् मेर्षेत्रम् मि हेर् की मियय ग्री की ने कर कर नि शं र्वते पार पार पु विद्यान दुव ख र पा कु विद्या हेव पा हे ना पोर्यः यो सरः विवयात्वास्तरस्य सम्बद्धाः हितः चितुः विश्वस्याः स्र सहित् हर्यः ज्वासायते ष्ट्र-प्रवृत्रअष्ट्र-प्रदेश-किन्द्र-प्रवृत्ति के सहर्ष्यः सर्-द्रा वृत्र-विकासः इव.त.पच्ट त.वेंथ.त.वंथथ.ज.पहिंतं.तथं बुट.८ट्रेर.श्रेथ.तप् अथथ.२वं. इनसः ब्रेंद् : ब्रेंट्स या प्रतः सूना प्रस्ता ता स्ता के सहेत प्रता ता ता के स ह्यंत्राकें। श्राथहर्तात्र्यंत्र्यंत्राच्यंत्रच्यंत्

अस्तर्भात्यतः इस्त गुर हिर्म हिम्म हिम पर महिर हर द्वार मन् खिल हु ... मुद्र प्रस्त नुपाल का । पार्रेक पार्दी मूद्र पार्वेश रहे ल लहा । नियम स्व झेन म देल यसल इसारमुट सनमा । बिट देल मह नासक हेर मुँ तहेना हेन मुँच। ।रम मञ्जूर र्मुमल हुल हें हे मले विल लळन। ।इ क्ष्मिय कुट न्तुंस सङ्ग्रह मृत्या । अभिकहेन् हुट म्युअ सह हिमा हेद बदि किं द सबदा बद द विषय ह्या हिंद हमा बुच द हता मसमा पुर रु इस र पुर । अळ सम इसर सा ये पे पे ने ना गुन मरा सदस सु'न्नत'ता वस द्वेता हेट हेन हु न्द्वटस ह्वेनस न्ट के के त बुंब छे.च प स्वाब त बरस कीस में बुंट.र्ज पश्च पश्चित्र सेट मुंब गुंद वंशारमान्तु पर्मूर बेट द्विमल विस में हे महिते स सक्सर ठवा मिर्म्म के. क्रबंब तार प्रेंट जी र क्रिय क्रिय क्षेत्र विश्व व व व व व्रेंट्र व व व व व व व व त्दै भी कृष सत्त इस सर क्षेत्र सह दे। । पार्ट पार्व देवा भेव द्वा भू वियातर विविधा । हिंद विवेश ४ दृद हूर नायद जूदन ही देश तर हैट. बहर केंद्र से सब हुलाय। विदार सरी विदय में किया केंद्र र्मा पुष्ट सरी चलुनार नेट द्वा केंद्र में इसस ग्रे. द्वस सु केंद्र चर (कें. 11 द) बहरायह श्रुव याकु के र्यह मुं दिन है। द्व अपा क्र या मेव गुना मुं र्ट्रिट ह्रॅंड सब बच क्रव्यं श्रे रहेड चरवाचंब्र्नाचरका ग्रेस हे पह देवा · श्रव में मार्थ अपविश्व में दिन अह्व तर हिंचेश तर एक्ट में चंध तेर केश त ... रत में अर हार प्रांच हैंदे हूं वाया से हूं व श्रव इसव व वावंच त है हैंत तह. मु तयत विष कु के दे मेर इंद यर बर दें। विष प्यत् दें। विष पद त्दे वे पाउँ स प'न्द स्व देवा । ति पावद श्री मादे मादे मादे पाउँ प्रथा मक्रा । शिसहेर् देरे द्वाय सु हुद् मह हिद्द महि हिद्द महित हित पर्व मारान्य स्वाम देव प्राचीय ता तर्नि विष्य प्राचन कर्णा सुर नरा

महिरामाश्रीचयार्टर प्राप्त ध्योपामार्था ।

बिरामकथ क्षेत्र महिरामके पाउचा मा कृष महिरामाश्री ।

बिरामकथ क्षेत्र महिरामके पाउचा मा कृष महिरामक क्षेत्र महिरामक

## 

महिन्द्रेन वि । बिस्यम्भयाक्षेत्राचि व्याप्तः प्रमान्त्रेत्। विस्यम्भयाक्षेत्रः वि इत्यक्ष्तः महिन्द्रिः विस्य विस्तान्त्रेत्रः वि। विस्यम्भयाक्षेत्रः विष्युत्। व्याप्तः विश्वः विद्यान्त्रः विष्यः विद्यान्त्रः विष्यः विद्य टब बूट चाबेब टट के बुड़ी के चोबब चबेट चधूर । इ. पक्ष का चक्ष चवट. केट क्षां हु चिन्द च पूर्य चा मुट चबुषु इब कुचं इ. पक्ष चिन्द्र प चाष्ट्र हिला हु मिट चूर्य घा मुट चबुषु इब कुचं इ. पक्ष चिन्द्र प चाष्ट्र च चटा बर केट केट प्रट. चु उट्ट क्षा. जा निहु. टंट. चेश्व बे. जूट च पव बूच बर. बूट कु. उड़्च. हु च चिट च हु। बुब अक्शबं.

र्ट मू है। चस्रलान क्र.अध हूट चस्रल ८८४ न हो । स्वित्र चर्टर ছলে। দেশে বিনুষ্ট বাষ কৰাৰা । ব্লিব পৰা কৰা বাব প্ৰ প্ৰবিশ্ৰেদ্ধ रिवेश । पार्ट्रे : क्रूट अर्थेट पश्चेल प पवट प्र याग्या । पश्चेल पवट रिवे वुद्द क्षेत्रक इसक् गुरेब देद प्रदेश सु सुद्द पर श्रुव तक वि अव र् च दशका, भी, जब अविव क रेची, जबा वा चांचल च के. अ. ह्वाया, चांचु रूप में रें कूट. नम्भार पर पर्नात है. पेट लेब रिट्या वेशा हिनेश पर्दे श्र. श्र. वंश हिन प्रदयः मायद हुद निवाय केद मेंस महम हिम एस्वामामायहेदादसाई हिस गुहारा बिंदीने तर के बेंद्र पर बेंद्र पुरं के बंद्र पार केंद्र रही विक्र में के बेंद्र प्राप्त के बेंद्र के बेंद्र प्र चर्छ होट. टे. देश श्रीय हैं बें बें जा च चहुर ही चें थे हैं हैं हैं क्याया ना अस. है कर मु जुद नैदाहरे श्रम नेद रस दय वेगल पार्श्व यारियर प्रम देदायर " बर निवेर के पार्ट हिंद नराम निवस निव्दा सि (के. 15 वे) हैं स्वस कीय.... बद्दार च वे.बारच क्रिस ड्रेंस्परिवेस्तापु हैसारी चेबावयाखा अपू पर्दार् चन्नेसा संचवरार्ध देव में वित्र केर् ५ महेर् मस महाराम मवरार्धरायानसासः बुक् कुर हे . तह रेजेर . तप्र कर्र . जन बब्द क प्रता क . पुन्न क प्रप्र मर्द न लुक सक्षेत्रात पट्टी.ज.सक्षेत्र स सर्वे. ह्रेंट अब्ट.टे.चेब्रेटक. सप्ट.ट्रे.टेट..... मध्द'दे। ।

महेश ता है। हिट. मुंब. ६ . प्रजीवया महर ही. देशेश र वर प्रा 192.

वयः अष्ठः कृषः वृषः चर्षः पर्वः पर्वः । । द्रवः स्त्रैटः शः सरः द्रम धर त्वेश'च'सन्। १२'रव २'चर्न श्चैर चले विर'सन युवा ।रे'सूर हरे' विद्य के व सर्क्रानियामञ्चाम परि के व मियाने हे हेट र् निवर मियाने प्रमर विट.इ.। ट्रिंड, हेट टे.इर चबुर.कर. है. कैर.चवयावय हेर के. นะ บลูบลายลิ สิจาชิล เลขลามิเริา**สนาะเ**นฮะเลาลานผิดเนิเรลา. . मराविषान पना विमनारम स न्युनानु रेवा के मिलेवे रूद मिलेव रव मुन्द्र राप हेर पूर विद्या विश्व प्रतित विश्व व व तथा मिन पर्मिन नि प्रविष्य स्था मुक्त स्था मुक्त स्था मिन पर्मिन स्था पर्मिन स्था मिन पर्मिन स्था मिन स्था रेहे हिर खुन इसम मुन में। नि हर लटा हिन र्में र रेवे न महेर मुं मन्दर्भ परि हुर द्वारे विषय प्रमानिक प्रमान देशा है दिन है दिन है रिव मालव त सर्माय मि. छर पंजित्य स्। । इ. श्रीट. बन्ध. १८ छ. अकूर. प्रमेट. विर-तुमा । धुन-मः अळः लनः मकुनः विरः लयननः मः द्वे। । रे :रमः रे मिनुनः म्चर पार्व क्रि. जिन पर पार्व अर पार्व के पार्क अक्षर निवान कर पार्व र विर विर विर वंबार्चाटाकुरालाखेचातराचेर्याकुटा। विवादात्राक्षाकुरोहेटालवाचेर टि.रेताचा क्र-्रामुन्द्रिरायसन्यन्त्रम्यावयः स्। । हे खेयाया हेना पठय ग्रे (क्र. 12 च) ब्रेष्। । व्यु पढ़े 'के 'के श्वाह हिर'यर रण'रता । मुकर'लक' चुव हिर 44,4666. 人,如人也,然也一 10 如果如此,44,日当日,强人 如此,日日 大知. मदी। १८.५.व्रेव.च्.व्.नरं.इसमादी.रटः व्यं.त.वी.चर्डर.५२व स.हे। बर्मिं के. में हैं हैं हैं विवास हैं हैं जो विदान कर में स्टान हैं हैं जीवा स्. ब्रुट ब्रून्ति हेर वंश्वायित्र देवीत, देवी वंश्वाय चर बेर च। वेश्व स्. हिन्द्रातातुमायते अक्ष्यत्वस्य महामायते छिन् सद् कन् मम्मादी ।।।।

पहेन्य मु:द्वापयापर्म् र पहें। दि:शवर मृहत मेट तहेद सम्यःम्बेरः रे मुद्रा । पर देशस पर लग पकुर हिर रेल सक्ष्य गुरुससा । रे रे रे देवे'सबर द्वैपन दे'द्र सहदिन पर'र्षेष वपन गुन गुन दन पश्चरपति । रे वितु व है। दत्र में जा १० में दिन। मा १० मा में से सद्दार सिंदा प्रमाया में मारे वास्त्र त्रुद्। यतुद्व स स हुद सहद हे प्राये र की रे प्रायुद्ध। दे दम् मे यर द्वास सु अद अन वर्मुन्द्र ध्वायते हुल मृत व अर्रे अर्थ वर्द अर्थ वर्द्र नुम्नान क्षेट देन प्रवाप्त वाप्त सम्भाष्ट हो। व्यव समा च कु द वे प्रवेश य द द। विकास קבן שב חקבן מבא חקבין קבא חקבן ביב חפקים न्द। त्युद व् अभीव स ल के निवेद स न्दर। हैं प ल के निवेद स क्षा ल्। ।शिर चल्ने शिर सर्व चक्चेर.रेट चश्कातपु.रेत्नेचला ।श्च चेश.ल्बे.नि. धिमान वी प्रबुद्। । यर जिस प्रमायान्। हैं स्बेर ब्रीटा। विवादा मार ह्येत। विस् ह्य हा हेत हे हीत केंद्र पढ़ी। निरंतु खनापत खनाना ह्नेर संया नदासंया निवधा वृतानु निर्मा स्वान्य सक्रमा स्वा प्रा रमान रहेतल द रुअत्तरमधेदा झ.मेआ (क. 13 र) समीमा शिक्सा नु मदिते इसमार हिटाकेव् मदि दूर सु सु प्रदार हैटा हिटा सुदा मनु दानु दानु व्यात्राबद्धत्त्रासुराद्देश । अर्देश्चीत स्वरादण वे मेव प्रावता । अर्दे हे । इससाथसाम्बु प्रियामा मान्य परि के परि न्या मेलामा मुद्दासर सह न्यी ।।। म्बद्रायर व्रज्ञाता म्बराज्ञिता बत्याज्ञिता व्रात्मराज्ञिता मे दाह लास्वायायास्युतिहार्मादिराद्विराष्ट्रायुत्रायुत्रायुत्रायुत्राय्युत्राय्युत्राय्युत्राय्युत्राय्युत्राय्युत्राय त्यत्रात्त्वत् हूट् व्यत् पर्याचन्त्रायार्वायाः ह्याचि व्यव्यत् व्यत् व्यत् व्यत् व्यत्

विश्वभारत है। पराचारा खेल देविय वया ग्रेट ट्रे इ.वर्ग देवे । वर्षः पष्ट.चीट थ. इ.स. टर्. केंट था विच र वे अ हे स अक्ष क्ष खेवीश पड़ी दया । वि एतत. छ. तत्तु. द्वैत्र तत्त्वेत् चै. अष्ट्र र. एज्। । अष्ट्र. ए व्यक्षः हर्षे. इप्तिह इंट. त्य पवीवा । ट्रे.ह्रेर. ह्रेंब्र. अक्व. राष्ट्र ग्रेट टे वापवा पाहर्षेषु श्रीट. बुबाराध कें. अक्ये. बोट. खे. वी प्रवाधाराधाती प्रवाध देवा. वृदः तु रे विनायः प्रमु तिर्वायि अळअलाखु निव्यारे हु रे वि निव्यार्थ र देवानुः वार्षद् देवः । देवे मुदाद् वे वार्ष्यद् वार्षद् थ। दे विदेशः गु पर.रे. ह्रबे.तेथ.ब्र.ट्य.रेच्य १४ वे.पथ.है.रेट (थ्र. 13 प) ४५र.प्य.. बैर.त ७ भ.ट्र थ त.बुंब चेर्यय.त.प्रिंद्र.कैल.च्र.भ ट्रंथ.त. यंदंब.तप्ट्र.भक्ष्र। 지수, 나는 농식, 닭, 몆, 난는, 소리석, 쪽대, 콘트, 육, ᆁ는, 침육적, 오는, 취, 성급은, 네석적, 셨... बुरामाळ बेटानु प्रमानळ दासाम बुराम अध्याम महितासुना । देवे सुनायाम बेर र्यामःस्यय ग्रैःकुरावीराम्यायायान्यराञ्चेत्रायान्याम्याः व्रकेटेः निर्दारा ८५.म.४४ ६.प्रेट.जर्मे,८९५ कु.मे.अ४८५४.८८८८तत.त। हे.हेजस.४. 

लयम मा विच विषय व मान करे निर्दे तर म वस छ हार महा केल ही है क पहुंद हिट प्याय या विट ह्रेंगल द मन बेट में है नहिंद रह. य दंश ह शिंद हारे बाजुर की में अध्देश द्वार स्वाय ता देखर के सेर के तकी के पकी. न्द पडल हे अहे अ हैंस प ल लब पत्व पत्व पालन सु पक्षेर बंच धुँपाल ' पढ़िंद की सक प्रति हम एक्ट्री निस्तु प्रतिस दें हिंदी होता हुस है पह भीत 된다 요즘지 김 의다고 본 중의 전다 다.날 훓이 이지 중지 않다 다운 뭐 여지 뜨린 ''' बेल पु प तपुर बेर। नैर रेल हे पर सक्द परे हीर भेद पन द ह्यूरे हिंद देव मान्य था। राम्य पुरे हुति कुल व इसल गुँच १८ धुल दब व पर मुंद्रिटा अभवाय इवका हसू क् वर्ष प्रेर दु त्युर पर पन्द्री। अंश र स्वाय मू श्वाय भूट वृश विर तर हूंवा । शिर विषय विश्व वृ अंश त्यन्य द र्यम् रत रत् न श्रेत्ने एत् स्व स है। अस केस हिन् सर द तळवाल य दल। वर्द वहेंते च लग मेंदन हीं द मी विद सर वयुत नर्ट। शिट देर शिव शिटल त क्षय गुवा पहें स पर की व गुवा पर पर 5. है स हीत किया वास्त्र सार हिंदा हिंदा देर से सार दा हा हा सार सामा ताःस्ति के कुद स त्युर स दब दिन निव वर्ति सदे प्रद न्दालकाः सुद रुगाः । वज्ञद व सद् वि धुर दे सद् तु ज्ञाव हा । ह स्वव (के 14 व) भेद स न्द्र इस्य के के न्द्रा । शिर पहु न्द्रिय में दे द्वा ने दर दस रहस शिर मी ब्रेट ख़ब मुन्निय म ह अम ब्रेट मु बेद में वि व मादय मेटा माबद साईश्य प श्रेष्ट पर्म च नव्य स रेटा । श्रेट खेर देशस वेपट नार्के. व्रुष्ट श्लेट. व सद्य इवस द्र पुन्य वर्ष्ट्र रव सद्यार चलेद द्। ।दे लाके लेवा इ'म दे भेर रव मेर हव भारहन परि व दुरु है है। भव मेर एतक भेर हैंना न्युंन् गुें पहुना य न्य के यय के देश मुन्यायर यन्न न्। ।

चल म.द्री रक्षेल म.ल रेबाय.बंदेय हे.य.ल.एम । रेटे ठस्.हेस्य.

म्बर्भाकु' सक्षे केव घर है। । हि अब ह राम मिट म्लेट खे. सक्सल सदा । हे बंद ४ में .त टीय जप घ त्यां हे इंद देश ८१ शूट हो ४ में त यो बंध ही बंद .. मारंबर्खुल प रूप के रूपाय है पर प्रविच वे व के लिंग है। रे ल रुखुल मिर तर्च म दे तहस्य हीत तर्दे रिंग न्यम कर हिंद स्म हे मु द सदर सेन महिन्दुल म केव मा लिन्हें होत रेक मिंदि रम मुळ मा ळ मा ड प्ट्र के द्या ६ प्ट्री महैय.प्ट्र असा ह्या देन कर अस है.क. पह रशुल प पर्कित् रहा। दे'र्म स सराह्य पर्वे रे सर पर हर रार रार रे द हैं 'रिवर पर दिख्या । के अ सुरा र खुण तरका है ज़ैरे सकर्दा। रत मैरे व व र । मुझु केरे व माया हु में र म केर ने मही मही वर्ष महें ईसल में अध्याम्यां से कि.सेर करी कि सेर हें लात करी से समय वसवा ल छ बराना गुन्दि बर ना लिहाल हर नव ना नहीं हैर नियामा महि हराकेरान्य मार्मस्याने चार प्रमाय मनुत्रस्त हर। देवर हिन इसस र वृति सुन में पादीव नु मानस कु के मन सिन पाते दीन ने एक मान क्षेप्तमाता बिना के वा के कन्य कर्'ल'देय च बुद्'अध्रत'न्डिन'न् के दर्ने स'स्। । है 'केरे दश्चल'न' न्न दे'रे रेत्रान् अ'न्न'णुद उद्दा हे सं'संदि(लें' 14 व) लस लस गुव वदे' इस पर मु मान कर में रह वाद य देव पा केर् पर पन् रेरी । तर्र र नमु मालेबामालेचय हिरासिट टें.वर में है। हेल्ट क्षे के हिबामहैव कें.दब मना द नम्म केम नि रामान्नित वर त्युरावका विनानु हिन व दुरावन गुरा" ब्रद्राचस संस्था रागा तिर्धा ता स्तुराद मर्स्य दससा सेव्याम विद्रामसा सुसा मर्ते । भि न्याय वे तहस्य ही दार देते दिया दाया कर साम है व भी न्याय है मिलामा नीव हा नवया मेटा। देश लियर दु रहा है अस। ज दनाय है गुना रता मिन्न भनाकर सामाल स्वाका स्व ह ह हिन नवत्ताहै। दे ह ह

मिते माद संभित्त विद्या दे 'श्रेष स्टिंख स दे 'श्रे देश'स मावद प्र मावद पुं"" ळाट हो। ।टे जब झे.चेव के.टिवांच की देव च वाहिंबांच व ज ख्रांच के टिवांच. हिं धर्तित क्षे कि कुत हैं है राज है ही श्रेशन में ब्रिट चंदर सूर् चर चन्दे ... । भे द्वास देश पर हो हरे हा सम रव सद हैं मेद हु हिर से ह्वा नर रूट यस यथ यज्ञेस भूष ज़ैस नेव हैं दूव तस के देवस हो। । हैं र उसे दै'वर ८८ छ'८८'वस सम्परे हुँ ५'सुल म सेव बेट। 📑 मरे नवस वै'कु' अर्डे केव यं है। देर हा श विनवार प्रति विनव व नवस य इसस कर में सिर स प्रवेद र्'महर्यापर प्रमार हिरा है। संस्व दे सहर रे में महर्या लद । द्व हे 'लया रे राम है राम है मिट केट है अठ अय अव है कर है मर्के है है र 5 ' क्षे मे व 55 वर्षेर न हैं नव नियम है नव है जाव मे हैं हि पर "" ८८ मुं न्र द द समुलाखेर लास्न्यायि न्य रें के दें देस माद साम र न्यु=ल स्। । १५७ विकामानुन्ने तिक्षामानुन्ने तिक्षामान्य । गुदः हैर शहे क्षुं युरः नवेना नका वद् नारका वहाँ ना में भारत हुना सकार में क्ष ट्रे.हेर पंच कु.च.पन्न.चरे वंचानर बैटा। है.ब्रव ट्रे.ब्र.व्री.पंच. यहुन् वे स्व(के. 12 र) त.के.पर्ने.पर्ने.कुर्न्ट्र, कुर्ने.त.कुर्ने.व.कुर्ने.व.क लत् वृ खु र खु है। दलव परि देव कु द्वापा हु हुर परि। ।

मृद्धार्थात्वार्थः स्वीकार्यः स्वीक्षां स्वार्थः स्वीद्धाः स्वार्थः स्वीदः ।

प्राप्तः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर

भर्दर व रिक्रीताच वश प्रतिताम में प्रत्ये ता देशल में व्यव वाम वि प्रविद्य परि मारक था इया छ प्रे हो। के लिय ही इसम हिंद केट मार्थ माय कि हिक. त स्वास प लात पहेन या है देवाल क्ष्र पल व दे दिवा गुट दे द्वाल गु .... म्बन समाहेद टु'लयुर'र्। । हुन'यते हेट द ड'म्बुम'ए के'म्बन । दमः बैज. कि चबर. ब्रूट हिर. हे. व. हेंग । ब्रुट छल स बाबे प्रटब एटेंब हूं जान. बक्रम् ।क्रम सबर ८५१ म नर्दे हिन नन्य ५८ महत्य । १८ र मह हित्व सुम्राहु स्वान्त्रम पु मानस म हा दमसागी प्रवस्पितानी। देशम सुम्रा इ इ.पार्वेश टे.चोत्र त है। टूर है. तक्येटा व क्षर के छि.पोठेशा रेचे त पढ़'नहिन है अपड़'पहेब सं'पना पहर लहा है अपह पहेब है मुद्य द्वद में दे। दर् द्वा ने प्रें म म के के दे द्दा म बद व मिर्देशाय है है। दियद देव मान्य हो। विश्व दे हान्यंव में हेरे माद्य प्रदेव ्रितान्त्र, हे तथार विदाता केरायी । क्रिय घवट अहाता ह प्राचीय अहार. म्दया । द्वन्य प्रिन मेट प्रश्चित्र मेट हैं द्व क्षेत्र मदया । दन्द देन क्षा अहे स प्रेंट स र तुर माद स प्राप्त र । । तहे स परि तम्र स र हि । त्रचक्ष'व'नव्या । (काँ 15 ¤) वॅर'सुते क्वेट'सर'नव्य ८८'नुव'न्यस ब्रुरा । पानर-सिन्। मदः र्दः स्त्रेदः प्रदेशः स्वरः मुः प्रदः 그리,그 축, 꽃네요, 길쇠! | 물소, 그소 오른네, 근다, 영다, 중, 물, 그다, 드다! ब्र-रावनाम नद्रान् विद्रार्या वार्याः । व्राप्तरान्य द्रमः १ नद्रानेदः

कं फां । बीट टेट श्वी हो र प्यांटि घर्ष श्वार प्यांच टेट । । जिल भट्या इह

32 त्रद्र । । पान अक्रम पान संर अ र्ष प र्म है। । सुअ रु ह पासुस हु के इस ग्रम्थ हैं। |देवर प्रत्य व पनु प्रेव के विष्क्र सम मान वह विद्यान में विद्योग हुन हुन हुन प्रमान कर कि विद्ये देंद एल दश की .. र्याग कर छेर रत है स देव में केरे म मंत्र मन इ महिम मेरा माँर मा देंदे हैं हैं हिल द व्यंत्र ही हैवांय है हिल दे जा टावा कर थेंब हैंद के वहीं .... द्र तब्द स सु क्षेत् द्र माहित तथनाय या। स माले मासे म मी रू मालेव ल रूप प्र कु के क्रुवाब तपु बर्ट्स भु थर च चमी ६ वीट्य वीच चमा बुट .. निद्यास सुर तह स्था। देवे हरा मुंबे दे रेव ये केवे म य वि हुम सूद मैस महेनल महे निर्देश में मुक्त महि हैन हैं में किया महिह हैं के दें। न्दुं व सेत् में क मूर्य म स्मान नक्षेत्र विष्य । यद केष्य प्राची दिल बाद खेर टें अरेट चर्च राष्ट्र ग्रंट हिर के व क्या । रेष्ट्र नर हैं ने व विर खुन दयन कर हैं स मेर सर मेर ह हूं कें नम सरे कल रहा। कर रे रह पर चर हैं हैं निश्व हुत्त तनुर में किय निरा निय हैं निश्व व रहेश परि क्षार्दा पुर कुँग्य द र्मार यह क्षा ने होत क्षा में यानी क्षाय रहा। लट. ने. रेच में है रूप है व हैंच में बैट बर अक्ष्यं व रेंचन प्यंत्र की बेट. लूट ब पर्टे व चर्ने ज बुब. चै च बैंट टें. टें त्या क्ष्ट के च वें बैंच कुट कुंब टें . . रमन् कर् ममु रखनायमा (के. 16 व) सारा रहमा ग्रीक रमन कर् स्

वहुर वृत्व हेट ९५ँ५ ५ मु ४ अय ४५ ९ वृह्म व ५६। देथे देना द ता व नियम म सु सुति में योग का का की या बेला मु म क बोट नु नमण किन सु महु न्त अधार भूर नु न्याणा ळ न हेल या कुष र किर यह शु यदी य न्ता। हु द इंग में हैं बैच सक्सर के कूर चाईंट लेंड़-उर्थ द ख़ेरा नै च टेंचल क्ट टेंसे पकुष रहिर पहे बुकि दा। हेहे रिस्क व पकु पुंद गुकि केंद पहे प्रोकेर चै वि ५८। १९५८ युव इ ४ प्रेच मुँ प्रवृत्त वस्वव व द्वव ५८। ചାୱାଏ ଲେଟ ପାର୍ବା ନୁଟ ପ ରାଜ୍ୟ ପ୍ୟୁର୍ଗ ପର୍ବ କ୍ଷ ମୁ ହୁଁ ଆ ପର୍ବି କଟ ଯାଁ ଯାଏ ପର୍ଚ୍ଚ है। ञ्च ५८। व प ५८ का प ५८ ५ व कांव ० के प लब क्रुंग धरे पर् ५ है है सुक्ष यर्ट। स्टिं के राव वाहेब र्ट क खुटल गुँ वु र्ट। हे बुँब गुँ पुण्य क्ष प्रमिन बाजूबा पानी क्षुंट टेट परकारा ज्ञाबर प्रकास ग्रीबा भ्र विपास क्षम 독기적'다형도 미국도 월 4 미재도 다 다 따미 4 본 환 여자 급 다 ặ러지 퀸 माब्बर्ट पठका पळा रूँ। । रे क्वेंट बब बायर ह्येब कपाया सु सा ।। महेद महे एवन चेल रेचार ईव रहील रेचार चोबंदा । ६ चोबंध की चोदल रेंदे. केंट ब्रियम व. रूभ रा पढ़िव मूट, वंश मूट टे पड़ित्य रार है श श्रु रंथ. भवेद मुे.जब जब वैद् पष्ट बोबेज लब बिट श्वीय है.क्ष्य मुे.उट्टेर प लेज. ट. विंद प बंध भीतर ब्रीब कवाय त है वि ध चहुब तप्त है इसस क्रट. त पथा न्द घर वर्नेन् यर पार्नेपाल गुद छुं केष् भु विषय हिन् न्द स्वय पदे व्यय 🕶 तथा पर्.ज. में में अस में अस हैन. हम हैं हैं से ह ही पर्यास ह अस में बरा कुल पास समायते केंस ग्री प्यात पान्य हित यते न्यात हिता रूटा मुब पर्वेष.तपु.पटूर लूब.ज ह रचर.क्विर.तपु पर्वेष रचेष। चेब्ब.क्वेब त्युल परि विषय श्रुप ल'र्चर चेत्'यरे च्ला त्युल'र्चर चेत् ने तर्द थे. इब हैंगे. में । ष्ट्र इस प स्थेश बीबेबर विशय बोरेख तर हैं वे । बीर है निंद 5'रिन भेर छट'ड है। ।(लै 16 न) दें हेट स हेर दाट हुन के

नव्य स्वदः ।दे दन्ने ने दः दः हर स देश स सन्त न वन्त प्रस्य है। न्द्य नहु दुन वृद्द क्ष वृद्द दु महेन्य सर कन्य वृद्द । दे द्व गुद श्र पर्व हु ज्वान पर है। देवद अवादेश प्रवेद प्रवंश नहिंद रूप ला हैन ता, श देवे तप क्रम तमानात्व क्रम त है। देध द्रमानी विदेवतात्व, क्रम क्रम्बर्धिकार्य व कर्म है क्ष्म कर्ष धव क्रम्य परि सर्व व रहेंदा द्वे द देव दें त्य के के के के द स्था कर स्वाय प्रवृत त्य के व इंदर वृक्षका के अहेद कुै वद्य व दें देंद्र धारे कदम केद है मासुका वसका मान्द महिस स्था नद मैस मेंद अ'य हुँस ने हिंद गु विंद नद मानाय प वहिषाना हता पर कर । दिन में विष देन अवासन महत के तुन महे हिंद गुः हिंद दद नासताय ना है स'ना के 'बेद नादस नाबद **बर बेर** हेर। अवत'न्व'क्रूट चर'द्वेन'यते'तेन् वायत हे'वायुका चयक'वाह्न वायुक य ता केन्'गुं'स संदे'यन्'य वे रयानु दे'यदे'धुर'न्ने'य'देस'यन्नस'नैद'ने'म्द" स लय हर पर देवे हरा परे परे परे में सम कर प्रमुद्ध र स कर् केर् देवे । वरे व रे केर कुष भिरा र वेश वत्र हु रे प्वा की प्वे वा लब लेव त. है. इब दे चूर तह रेव के प्रेर हे. वंबेश विश्व वे वे वे वे स्यावति हिन् त्विन्तराय कुरात्वाकाकन्तराके नाति हिन् केन। केन्यस चह चह्नर वस्त तस मुन धर घर द द स मुन मन मन स मिन स चर् स् मु, समस २८ जय रचन वि. मक्न में किर नह , रचन वि के हैं स् मुह मान्य मानुकार्ता वान्यामार्ट व में दाव क्षय शवास्त हन की हिर धर अ.के.पर्ध अ.के.पां हैट.ड.पहुंच किर तर १६.व्यातमायक्रीर.पापमार्थे मन्यानहे महित म मेर् पहे मेम् महित मा समानु दि दि माम मिर्म मानु स (क्. 12 र) तर केंद्र चंद्र के वृष केंद्र चं अहूट चंद्र के च.र शतर देव

हिः च ब ह वि भेव हु अर्थे हा मवश मव व नह ल वेल वाल तह ला संव न्द्रभूम म मूट द्राजेर निर्देश स्था स्था स्था स्था मार्था मार्थ मंड्रेमयाग्री अवर विमाना प्रवासनायामा अवराम होस ग्रा वराही त्मस्यापुःके प्रतिः धुनायान् विषात्रात् प्रतात्रात्रे विषयः विषयः विषयः विषयः मन्द्रिता मन्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान् अद्राचन । वृष्यं व्यतः निव्याने प्राच्या प्राचन वेत यह विद मन अर् दें। दि लय के के पा दस रेंग के व मी पर दे तथ गय पा इसय ह ब्रेन्र् क्रि. प्रकाषिक विद्या सरामिका मुद्रा हिवा श्रव रे प्राप्त श्रीह विदय किन्'यर'त्राट ग्र'ग्नेग्य य **र्यन्य'यर्'र्टः।** स्नाय कुर रन्र देन तयः न्मदः धुन् किव् मिते न्वन विमायान महति न्मद धुन् क्ष भ्री पार न्वनः । मेमालद्रायम् अद्यायम्दर्भे । विद्रादेश विद्रार्दि हेश द्रवेद के विद्रार्दि । देन्त्वाकी क्र्यं द्वित्व द्वित सर अहव ता स्वाप शवाद वृत् देतार वाव सरा **ध्रम्वत्याने न्मा**र्मेट व्यामेट पुरक्षियात युर कुष्यात युर कुष्या के के बिट विट यह या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् नमद्भुषानीकारवयाकायरारदिन्द्री । द्रि देशायर वेयव हुरान्नि नुर्दे **इं**लाब्र'हे'त्दे'क्वल'ग्रे'ष्ट्रिअ'अर्थे'रेल'खु'ॲंद्र'यस'अर्थे'रेल'ज्बल'ग्रेट् द्वा बानत विभामा बेया चेता । स्टान दे पा है। हे बेट रेला पर चेर पत्र हिता। मिष्ठकामालम पुर वे विष्या मेर नासुकानिका के इव रहानी वे वर रहिन । दे'द्रण्क'केद'हुल'लक'श्चर्यायर'रुद्र्द्रा ।दे'हुर'यन्द्र'यहे हुँद्राम्हेब यमः वृद्धः न्युत्वः कुः वृद्धः केषु ग्वरिः स्ट्रिनः हेषः कुः मध्यय प्रवेगः दवः कु मर्गेन सः हरभुष्यादे १६दर्गम्यास्यादा देवत्या गुर्थः नेत्राद्यापारे मानेवात सरामदः। मुन्यान्त्रेटारहन ला देरलबरन्द्रवाह हेट (क्र. 17 म) मनवारमार प्रवस्त कु सक्षेत्रे पार्गे द्रापित द्वारा दे त्या या कुरा प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान पर पढ़ी प्रस्ताय की पार हम है तस्य में हिंद हम का में मा निह्न स्वाय की पार हम है तस्य में हिंद समय में में प्रस्त में स्वाय में स्वय मे स्वय में स्

पहुंच प्रवृत्त में विकास कर प्रमृत्य प्रवृत्त के प्रति प्रवृत्त क्षा । प्रवृत्त में विकास कर प्रमृत्य प्रवृत्त के प्रवृत्त क्षा । प्रवृत्त में विकास कर प्रमृत्य के प्रवृत्त के प्रवृत्त

 म् द्यार्या हु प्यार्थ मुख अकेट् द्या अधर द्युष पर तहेना हेद मु पर.

महिश्य म कुष मर मन्द्राम दे। दे मद म्बुग्य मेद ही अकेद हु मले है। । नित्त तहेव 'में 'स्वा रंग भेव 'यावस सुस सेद। । देलत या सुपस ब्रेन्'यरि विस्त्र स क्रें' सकेन स्'विदेर मुन्त है। रिवर वर क्रे ह्र नर क्रे ह्र नर म्हूद द्व द्व द्व प्राय तपार बीप वय रेक चीव तक प्य पूर वेपव गुट। तर्रेर म् परे पर श्रुप्त देश ग्रुप्त प्राप्त वा र्म सर है ह हे रहित रूँ सम त्ह्न में ह्वेंद्र परि'न्यासु'व्य स्पार'ल्र 'स्वराय स्व सं'यूक्षपरि द्वापर '" वुन् हैं लक्ष ने हैं हैं बिट करें च लक चुट वक तवक वु हैं वालत हों. के केट विषाप निवास स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्था हें इस नेवासवर प्रवास देशायर इसायर चें दायर दसानेव सवर प्रवासे क्षे अदः मेर् दें प्रमादि इस यर प्रेर यह के यह मेर हैं। महेदा त्रा वेस दे क्यार प्रमान दे हामा है पर तर हिन तर केया मादे गुद्दा र्रेट्यामर् द्वामारे द्वामारे द्वामार होत् हिटा रहा देवा ही हा नावद " य तपुर चर्ति र नेया से दात दुर में य से दा में के द न्व गुर वेव अर त्वारान्य में रावन हेन नृ अकेनामा अव ख्वार्मर न्त हर मु हेद त है अके दायते से अलग्य है प्राम्य यादेर है सार्या हैनाच्दास ब्रेचायासम्बद्धान्यस्याद्धान् रहेनाचीरासुदायत् स्दास। हैन नदः विषया देवसा श्रेत सम्बद्ध पृतदः तस्य सन्तर स्था । दिव णुद वल केर मा बुग्य केर रिने पा देव में इंचा द स हिंग सर्म सर रेस यर सुट पा न्ताक हैं तक निरामित अव अव अव कि हितारे तह की अद है जिन वस है कर, ब्रेट. तपु, एटे. पुंचा द कार्टे. पर तथा श्रेट वर्ट कर कर क्या प्रचाया तर हर जा दे'हैंद्'ळॅर'व'वदे'वब'देश'वद्यात्मकन्ब(के 18 व) यस देर'ष्ट्रपा। देः

पदिव म् इस मेल गुंदिक निरावसामाता सम्बद्ध प्रत गुं रेसल पर वस देर । र शुर पन सर्वत्न सुन गुन हुं। पन ने न न ने र दे रहेन गुरर त्य गद्य मेट क्षुव देट चर में बब प्या देर मद देवे बेबस व्युप्त पर मेद हु क्षायक क्षेत्र मा ।दे पुर मानुमान नेद पारे मानवा पादी दे हैं दे र दि द मुं ह्म हु न्निन्य पर केन्द्री खल न्द नु हु क्ष रहन्दि स्टार्क मि लखल मान्सक दे हेन नुनेरानुमाधि धेन दा । तिनेर सद्दामामानिकन वियान विनय केन्। वसस रिमा केव की केटा वस होट 5 पर नमा मारे मावसा न न्वान्य गुर स्राथा न्वान्य केन्डिय महेन्यादे न्वद यातान्वा मु पुरुष्यर १९६५ म ६८ । सदस मुस्र स्व में के लया गुरा। न वुन्य नेद् परिभावन गुःस्तार्दा वर्षा वृद्धेर्द्र परना हेद्र्र्रा परना द्विपन न्दान्यसा देश प्रसामक्षर्भाग्वनस्थित्। विस्तानिक्षर्भा בולי בין יישביקבישב קיפַקביםיקבין קים פֿקיקיפַי פיפּקבים וֹלִים פּ केव में भेर् पतिव सर्वे वाची कुर गुर्वित वार्रव रहा। में सामार्ट पर्य के है. पष्ट, बेपय, ग्रेय, ग्रेट, पंचीयां अपन मूट, टें. रेपयी, पष्ट, श्रीपष्ट, जो प्रश्निक, पर पहेन्य परि देश स्वायत स्वाय पदि ति हैट दे ति है ति है ति है ते हैं तर चढ़ेर.र्। । विश्वेचन विश्वयः चन्नसः चित्रः चढ़ि । वर्षः विश्वयः चित्रः चढ़ि । वर्षः ब्रेट नदयः नयुम प्रथम नहिद्दर्शना नयुमः नयुमः । ८५५ मा सः ८५५ कन्यः ८८.चेषा विवायत्त्रस्य चेषान्यत्वाचिषाः ग्रीतिष्यत्र खेल चेवायात्तार्थाः वांत्रव संवावत द्व पदः पर्वे प्रत्राप्तान्तान्तान्ता है क्वारित प्रवाचनमाने चर्दिर मुनासायाया वस्त्राम्तृत्वियर हिनासेत्रस्मात्र म्राटास्यानी नव्य व (क. 18 व) ४ तथा ते. क. न स्वाय स् क्रियावय वर्षमा वयमा व्यवस्ति व न्युक्ष पर द्नी कुष स्नम निष्ठेश पर द्रिन्निक्ष पर स्मा 55.54

क्रमाकेराम स्वास हे रूप माने नियाला वास्त्र पास्त्र प्राप्त में ह टे. श्रूस म हुर था तहेन हैं द कन्याय यदे के हिंद पु अय देन म देना द। यसमानहत महिनामहे भी होता हे तर्व न क क द न मित्र हैं द पर हैं द पर हैं दे द देवित रेश प्रवेष सकेद्रवस्य कट्यामा स्वित्व द्वार्य । कट्यारेश के ब्रेन अर प्रवास निवृत् नासुकाया द्यारेन मुं क्रे प सन्य नेया द्वीय स् । तर्द्राम्बल व्रारेल हुन दे हीटा केव माली । शिट ख्वामकु द्राप्ट्रा त्या क्ष-द्वाबान्धेवा । व.चंट. दक्षेत्र च.चकुर. चकुर चठव च.क्रा । ५५ र.च. बुबाइ ड दुवा है द पु प् । ल दें द प्यति व्यव हव तिवा य वार्ड स् द हे द हैद्रावस्तराष्ट्री : सत्रायः स्ट्रिन् : कन्या प्रायः स्ट्रिन् विस्तरा खेल मान्य यः : : : त्रिलाम्बद्रार्धित्रप्राचेत् स्वायार्द्रप्रक्षेत्रस्य हुन । स्व श्रे हुन व बदःश्चर्। स्व तथन्याया हसूते श्चरः हे श्चर के प्राची दे प्राची श्चर वृद्'यकुद्। दद'र्वद'में'रव्युं'द'र्व्युं'दद'ले'द्रग्यं'म्हेल। ढ'द्रवुल' चक्री यट.रबेश.पक्रेर.चरुब.चर्ष्वय.चर्रद्र.च.थ्य.६.६.स.व्य.६.६.स. वै.ह्ना ब्रन्थर तहना हेद कन्य सह स्मान्य खर ह से पर्ने पर्ने पर् १a-मद्देव-मूट-दब-सूट-देट-अकेन्-सब-२म्-प-ने-नम्-११-५-५-५। । न्दन् । नुष्के महु न्दर् लद लद रहें नुष्के नु नद ही द नदे व नदे रहें नहीं **र्बुल'न'नकुर्'रुर'लबॅ'र्र'कि'र्ग्य हे'र्व लबॅ'नड्र'वुब नब लर्र्'र''''** तर्दिन्यः है 'मृ कः चकुद् 'दुवदः क्रम्यरः चब्यां वे विकासिव दुदः वर्षेरः पर्वे तथर. सर् वित्र विद्याप्त का ब्रिंग्स विद्या के प्रत क्रिया के विद्या महित्य विद्या देराचहुर्। । ल.स.र बेसायह,रेमेन,स.रेसराय,संस्थराय,स्थर,हेर्ट्स

म् न्यू म् म स्वास्त्र म स्वास्त्र म स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व

पह प री। के अकर्ता प्रस्ता प्राप्त के प्रस्त प्राप्त के स्वार्थ के स्वर्ग प्राप्त के के स्वर्ग प्राप्त के के स्वर्ग प्राप्त के स्वर्ग के स्

पां मिश्रेश-पा-अक्ष्मश्रान्ते पां मिश्रेश-पा है-दे-'लश-मिल्य प्र व्यक्ष्म व्यक्ष्म विद्या प्र व्यक्ष्म विद्या प्र व्यक्ष्म विद्या प्र व्यक्ष विद्या प्र विद्य प्र विद्या विद्या प्र विद्या प्र विद्या विद्य विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्य

त्तः स्वरान्तः स् स्वरान्तः स्वरान्तः स्वरान्तः स्वरान्तः स्वरान्तः स्वरान्तः स्वरान्तः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वर बर मृद्व याद्र । अब कुँ प्रीयब दर हमा यामारेब य प्यान हु किए इट। भू लब पर्य में पश्च पह योलेंट रेयंब स्वंब केंट बरे.पर्.पा 되다. 다고 회 영소 다고 뷁요 다 없네요 됩니 다듬어. 회요. 년. 여도 외요 정신. 다고 ..... अवरामार्टा रसुर मार्थ स्वाय हुन अस रेश महीव रूटा। वर्नेरा 육, 근회, 여성, 동역 회사, 중소 다양 하상, 및 , 역신 보험성 스립션, 다 다양, 역실 같, 다양성, परि'रि, दें देशक के लि संदर्भ हैं हैं वि हैं। देशर वे लट संस प केंप. केदःरेय मद्वे मदे के कर बन नु चुय मदे सं ए मन् दक्ष मा स् सु न् । मूट प्रमुल क्षत्र लग कु सुर ठव मु के ल म हुते हैल हुट वहा व मन्तु रेर " हैलारे रहें रावि हैल बर् य र्टा वह ब बैट। प्वव देवन में मेर झाना इ.च पथ है.में ८ चैर र्। । ज २ चेय ईश्व कुथ हु ध त.र.ज बचारें. महिल महे में मि ममु खुम म दिन । सह दिस मि बिर छ के व इसस में खिल न्द केरे कर बुल हु ह 'न्युल न्द सहद्यापर मन् हेट'। द्र रेन् विश्वभाषातिश्व क्ष्यं हस्याच भूरे ता रहा। जियातवविशाहित भू सम्बर्धा स्थित ब्रीट चर्द्रावि चक्चेर घर ल्रंद्राचन्त्र। रेश चल्ले च लटा ह्वें हैं हैं शे हैं व च. इसस हैसार चुर र् हु न्रारायर छ हिटा रहे द ह ह न्याया तसर देश छैस मुद्राचनारा गुरादे का नहन द्वा ने बराद्रा। के कर गुद्र स्थार स्वान 다.첫·홍석·그룹·윤·그중! 다 어드 툂드 첫·윤·그룹! 뭐'청'정 리.철드·전네'구'. ८ळॅं'बेटां चुल'केद'रेय चढ़ी'च'शे लॅ ले.चर्ं.ल.हेद'खेंचे चेहचे चें क्. 51 व) महस्रापपुरस्र स्राचि। अंश १ १ मिनुस्राप्त के स्राम्य । स्राम्य । स्राम्य । मदे लि क्रूट क्ष्में कर देश पढ़िव में हा अर्ड सार युरा यु व मृद्धार हिन हो है तपु.तर.रे. पुन.तर.वे. बुटा विवाय विशय त. इनय. दे. मू. मूपु. विवाय न्यन् कन् न्वला पर ज्यान अक्षापर प्रमाण क्षत्र शुः तक्षेत्र

महिनायादी वद्रावास देनाके दिन्दिस हिन तुना दिवन केदा वयादै पार् पार त्रीय य प्रा । दि वया पार्क विते यर पुरत्येत लंबिया। ल देव ब देव पर पिन पर र पिन पर्ट , पक्रेर जा । जिल्ला पर्में पाने हैं है है है है है जिल्ला बेंब घटनार्बेर्या । एड्स्स्ब्रेट लच ग्रैम्स्येर विर्पर रहनाया । वेप्ता ह्बुति ब्रैन तदे व मार्ड मंदरकु लासन्य ब्रुन्य विदायते क्रेर के रेन बुद "" बद्यार्श्वित न्रामुत्रा अस्यार्वे के क्टार्स्याया स्वता प्रेया पुरेस या सेत्री **इन्'कर'ळे'ऍ'न्पन्'नेन्'बुच'पाव्स'रेब'पर'ज्ञन्स'ठव'ज्ञै'न्दस सु'णुर'हे।** बबर के में महु परि पर पुंत्रीय परि मझूल सम्मेर में दिशे बबर सुन वहा बर्डेद'न्युक्त'भुै'पञ्चल'यम'रूर'धुेद सर'भुेद'दे। देवह'र्वे'स्युक्त हु'सहै' नुबासुगसुगमेरे पञ्चलायाम् पानुबाह्य प्राप्त विष्या है सुग्यरे पुरारे पुरारे पुरारे पुरारे पुरारे पुरारे पुरारे द्राष्ट्री'नम्नल'या**ह्व'यान्त्र्वं व्यान**्त्र्वं पञ्च'यते'तुनःसु'कळॅद्भेष्टी'नम्नल' ביקקיבקק תפַריצין ולישקימישיצֿקיצריאוּ פֿריאון וליקא בּיאי चडु'म'न्य'मकुन्'विदे'मर'रु'द्रवेश'देर'मकुन्'वि'न्य'मञ्चादे पदे पर दर्जीन'' यतै'त्रवेल'त्र्भैय'न्ना'तृन्य न्द्रिन् हें। ने'त्र (कें' 21 व) य'वर्डे 'वर्जुन्' चर**ंगुः** प्रिन्। याचर्षः प्रकृत्ने दे । दे । दे रे दे दे । अञ्चरः प्रयास्तुः ने । दिनः अञ्चरः निस्तुकः । **बुैबाळराधुैदायराचुेदास। वदरायहायादवायमु**दाधिरायरात्रसायहा बार्षम् २८ सं हे दे द्वाल दे पर प्रमूल है त् विशं चु विरामविर मुहत्या ๆ§ส.ชอด.ชอีบ.ยิง.นส.นร.อิ.โอป.ก.ร.2-.2ส.ตองล.กร.ชอัง....

मान् होय स्वायाययाम् या स्थाप्त प्रवेर महिस महिस गुर विना सर मन् दें। । गुन अष्टिन ब्राँट केन सन अ र्यंग रेट में के में द्यन केद नुःरायेश नारे प्रेष रामेन द्र प्राप्त रद में देंप अर होन नुस समस मुसः । अंश च तमुँद'यर मासुराय च तरी हिंद वेग केद मुँ रत सुगाय तबद'यारे'''' हुँ पाल खु प हुन हें । | दे क्षेर व अ धूं पाल बूं पा हुन । पर गुैं। पर गुैं। रखेल रचीत है क्रूबंब से रचुर हैं। दिं व ब्लिट रेंदे नेब्द लब दसद स से दः क्स'कुस'क्'स'मे के है। श्रीत माब्द मासुस'में दे हैं व मी तम्ब सु श सित्स हुँ पार्षः प्रतः प्रवः प्रवः मायरः पार्ययायः मे वयः परि धुर प्रवः म। ८ हम ह्में है पत्र गुैं त्र पेद'यत्रहीट ९६२ है ते य इस्त्र पत्र मृद्र प्रीत गुद्र """ क्रॅंचर्स के 'बेट से हुन याल बॅन्स यह न्त्रिस गुर सु या यभ्वेत हैट न्त्रियः नर हा नहे हिरा नद्ना रन ने हैंद माल सन्य माल देवा व हमल है। सक्रम नु, ब्रैल, तपु से ५ दूर, ७ क्ट में वपु, ब्रैल च के दे, श्वट क्रेंचे वर ५ के दें. तपु, में मक् मीमाह मुद्दे श्रीट में श्रीट म्बिन प्रमाय हिन पर नु त्रमाय है। 54 है ह्मैद मासुक मु दद दयारदी दे लका मु का भवा दें। । तदी दे दिने पा महिर तय ग्रेष्य द्या वेसकात स्रव हिता त्रेर वे कत्व मुस त्रुताया भेवःसा ८८६ वे बेरे नवसः पद्धः ६म मे रमस सस या भेवः है। ८६८ वे न्में म महुदे अस्तु अस्ति न्में मार क्षेत्र मार मुद्दी म क्षेत्र (कैं 22 क्) रिनेर कें कि सर मुंद्र यह मृद्या भेवा रिनेर के पार्म क्षे पर केमस'पामिदा स्दिर'दे हें स्थल पुरापते हें हिरे मृद्दार्स्ट दें बेस ८८। अदि न्व सामबे त्यसामुद मु न्युर में दे रह्युदि ही हार स्ट्रिम स्व 

न्यामदिते रेवान् रेन्य मदि य'न्न'णुरा ।श्चिम तर्नेते अते तर्मानादे इवासर प्रवायल वसासि होने से एल्स है। पर्र हें अ में से निर्देश हे दबारिस मुकास हिन है पाई का या पट पासुकाय स विषय मेव हु सद पषु पर हेंय.भुेंय न झेना हा था पढ़ीय पुँट प ईषाय बंध बांधर ला रख़ें.ड्रिट .. ला क्षेत्र स महुन् न्यून में खुन हैं हैं पुति में जन्या मुन मस ने सन नु इंबरकेट टे.ज. इंट. तरु. कुर्व कुर्या तथका में २४.की. वंबर टेट स्वीय मूट्य वंबर हु 'रखुं व इसमा बुच केट म च उद् देरदा बुच चारा समा । अराम बना व देन प्रमा कर विष्य के प्रमा विषय के प्रमा व्रमय म न्दा दिवे के श्वी संयुद् भी ता । न्दा श्विन मित के व हेन भी वा है हिन त्रहेण हेव'व'बूद'यर युर'हेद'। दे'पद्वेव तु व पहुद म्वव दट'हु'गुरे क्षतः मिरः मिरः वृता वया सम्यायः सुरे क्र सुव मा वेद महत्यव वृष्णक्षे प्रमाणित्युद्धि १ दि इत्यायम् हैनवायाम्यानित्वि स्नाव गुरा वृद हैं। । विश्वराणी वय रण्य पारे 'र्ण्'णी' में व 'चित्र से सिर प्रार्थ ' ब्रम् ब्रह्माय प्राप्ता स्थानीयाम्बर्गाताम्बर्गाकन्य सम् मुन् हरास्न सम् बुद्रायसम्बद्धारम् मेसर्दे स चट्रायस्मित्रम् महेर् देट ब्रुस धरादे देना है क ह्रेम् के द्वा पर अर्थेम् देश विषाय पुर ति (क्ष. 55 म) स्वेश ग्री. तर देश विषा র্ব্রিন্ র্লন নম্প্রিন্ নে ন্দ। স্থানা নেশ ক্রান নেলনে জ্বীন মিকে নে নস্ত্রীন नप्र.बुर.विर.प.प.इ.वेश तथर वैट रू.। । ट्र.वेश चेश्व.एरूच वेश तथ्.बैंश अ:भ्रेव पर व्राप्तिरः वृतावयार मुवास नियम नियम प्राप्त प्राप्ति विरामहत्वारा नर.लट. अर्च तथ से विने नुसने किट. हर् न. पत्र विवेशने व में .चरट. वुद् विद देव हर्षा प्राप्त के देव विषय में विद व ना विषय प्राप्त विद । पर्सन् दसवाके पर मुगलाय दिन दिर न्यं व र् प्रमेश दल। वसर कन् गुन

चन्र हिरार्वेन निस्द्रिक चरानुद्राचनाम्य मुलाधारे है। मुलाधिर व्या म वित् चयाने बंब चक्रवय हे न्द्रम्याने ना वित्न में नित्ना में मिन सब .... यम। अवय तालय भ्रेतायह क्षेत्रामह माडिय वे वे वेटा। हे वय हमा क्षेत्र ध देशक कृषे त पंथाकु तर किर पथा केल. तूप, तथू. पालय. ४ अथ तथ। वर १८ में प्रयान्य के विषय विष्यान्य विष्यान्य विषय विषय विषय विष्यान्य हेर् हैं च चैट.च ल्याय इस चैथाश्वेतायाय कि.चट्र.घष्ट्रभवर.वर अकूर सी... वित मझल माप्नुम देन पुत्रामदेति रैकामराप्ति माप्नुम में । ।दे लार्चनाकति नुब दे हॅम्ब स्दानी मझ्लाम देव मुर्दिम। याज रहिन मार्सुन हरामानुदा य ब्रुट्य य दल बूँद् यहुद् गु द्याय वर्षुर कःयब्दिःयव्बिस यदे न्हेन मुः…. पत्र मालुस स्व। ह्व ह्यस्याय न्यायार प्रेंगक माहित है। पर स्राप्त पान्त प्र ह्या अनाम्हर् परमा में र्वापित सम्मान सम्मान स्वापित स्वापित सम्मान रमाया रमाया में हैं। हैं निष्व मुं मुरामायेव दें। विदेशमा मार्काना गुद्ध रेक्ष यर देवका चढ़िर ग्रेका है। हिल्द हेव कर कद चणुर ग्रे गुनुर सका कुल देत्रक्षय हुद बेदा देव्यक्षियकी हेय प्राप्ति प्रह्मापार्याप्य (बर्(कें 28 व) बुद में यह हे वेंद्र मुद्देन क्ष्म यस्द्र यर द्रम्बराव वह देन्स सल कर कु न्यार वय में स्न हर क्याय हर। स्वय यवन में यह बहेब मानद दु लेद हैं। नकता) बेहे देन्य प्राचा मु पार्यन्य के छेत् याल हे हु देन्य प्राचा हे हि द छेता माल नेबद्ध प्रवास बेबाची माप्रवास करने हैं जी मानी हैं है है ।

स्त्रुट यर'यन् है। नेतर'ईन'बर'बर'वंब्युत्र'यंत्र'वंद यह्ययादेः विक्रित्र विक्रित्र विद्रात्त्र विद्रात्त्र विक्रित्र विक्रित

मिल प्रुप्तिय हेर् क्षेत्रतर प्रमित् हेर ठ जेलात हैर प्रमुख लय मेब्रिय . विदः। देश पर्दर्भ सं कि क्रिंद अ देश मु मा हिद्या मा सवा मु में व अहे सामा । देह पर्दे व. भ्र. इ. पत्र के अप पत्र रेजें त्या । देह, पर्दे व्र हिव. बजेंब. पत्र रेजें. देश पर्व म दि.पार है.एर.पासावीस हित प्रवास है.देशकापा 다범네.다.다크드.덫당.현네 덫.등.형세.크고,夫! 1시설 튀드 성대네세.회.회.고고, न्केंद विद्याप्तार प्रमानु विद्या दे हैंदिन हैंद व लद्य प्र प्र प्र में विद्या तयम्बन्धायस तिम्मान्य पार्व पार्व पुराधित है। रिल ग्रीस हीय पार्व सुस हु ह वाबुक्ष-द्रः च रुवः मत्त्व म सुव वय बद्द द्वद पु अह्दः धवा हितः । बह्यामा दे निर्मा के निर्मास विवास निर्माण के निर्माण क ष्ट्रीत्वान्त्रुअः श्वेः श्वेतः नामुक्राला द्वारा देशे दुः हे सहस्य देश्वत्य कुंप्तिस्यः **ष. १४ मिलिक प्राचित्रका विकास पर हि. पिरेश प्राचा वा प्राचित्रका अर्था** ह्यं वे अन्य ग्रे तिर में र में र व्यायक्षेत्र क निर्म मान हो हो हा तर निरम्पा देशिपुः हे ' सहया स्वाप्या स्वाप्या ग्रीप्या मिनामा ' उत्रासक्षेत्र का महिन्यामा उसरार चैत्र'व्र होत्। त्रान्यत् चेत् या हे। दे चैत् कत्रत्मिर वित्र ह्यूराया वनता कत् गुद्र हीद मिठमा मिंद्राथा द्वादा हुद्राया न स्मा प्रेदा हिता। दुरा महिना था चेश्रेय श्रारविद्यान्त्रे स्वर्थाचेय ८८ तके.वेदार्टा ४ द्वा केरानाक्ष्या. ग्रैसंप्रमान् ज्ञानेन्यते त्यसंपर्ना प्रमाणेसंपर्वे । नि न्याय बढन् र्वे स्त्र कुष्य भूर म्लाय हिन्स केव्यारे हेला समुव्य में र केट स्वा केर र र प्यन्त्राक्षत्राता नुवागुद्दाक्षात्राह्मदाधनायमुन् इत्स्वा न्ने। नामकु ग्'हॅग्य'पर श्रुंद्'पर हॅग्य'स्व'में'5्य'स्य'त्युद्रांप क्षेत्रें। दे'मेव'कद्रव्

खुद है नम नद द्वाद वद इसम से हैं नम घर चन्द्र मा रेद केद महुद ख्याब छोट ग्रीट पहिंस श्लीट खाल केर ला द्वार पा क्रूंपल गुँचाराम्टिर ब्राबा श्लीर । म देश मन् म न्य में के के म मकु म अब स है रैयाल सर तमुद मार्सि र्।। दे दिन के मुद्र गुद्र शुद्र केंद्र के केंद्र घर घर घर्द ख्रा नासुक केंद्र दे। केंक्र न ने देव केव मनुव वै। दव म हेर मालमा समा सम्दर्भ देव में के वै मालेर लबा पुर देवन कर हा चनु य हैयल हैं य दि हा है। अ महिना लातर न्यम कर झूँर नु रम् बिरा 🗦 देवे अधुय सुस हु हु मासुस अद कर 5 ब्राट केंद्र र्यम्य एक्ट र्यथय उट्द्य अपिर'य रम् 'तुस'य। कुल ध्राय के र्षेय पत्र विव प रूट। र् ह्य खु यद बेर पर प्रेर प खेल दस सम्बर लक्ष'रु चुर'य र्ट । कॅर'यु रेव य के वै'के केव यंदे यह 'म्'ठंब बुर'यमुर् मा अक्ष म र्मन कर्मकुर हर्ष स्मुद्द ब्रिटा है। अक्ष करम व्यवेश महेः कु' लब लच चर्चे द हेब र चुंद य। प्राम् कद मर्चे हे विराधन मृत्व केद यर चेत् हैं है हिर वर्त्रायदे लय वयव वर जान यर चेत् म (ल 24 व) बिण पनु प्रेव प्रेय हेर रा । पद्वाम रेव या के दे लुया था रह्त रा प दबालुह सदे दे तमुद बेदा देन द हैं दार्वेद वार्य के दावा के वार्य के वार्य के वार्य के वार्य के वार्य के वार्य के कुषाकार्य ब्राह्म अर्थेत् यो । ब्रीटार्नेते योजकार्स्ने भावसक वर्षास्यायम् । चुेन् केम प्रसम्भाय नम् सबुद् य। सु सम्म म पर्यतः द्विम विसाधिया सेन् गुम लर्नेन प्रवासित नगर ने से स्यूराम बेना हिंदा में सा हेरा है। । हिंद से देव म् क बे हेर भ्रम्य त अर्वातस्य र्वे वास्य भ्रम् विवाग्ति अर्वस्वत्यः ग्रेट में या वेद में द्वा वेद या वेद या वेद विवय पा हो प त मुना पा हो प त मुहार के प्राप्त का क्षेत्र मुनाय पा हो प त मुहार प्राप्त का क्षेत्र मुनाय पा हो प त मुहार के प्राप्त का क्षेत्र मुनाय पा हो प हा । शह मार्य मार्क के कट मेल मामार १ वरामा हेव मार्वेम सरद रहता मिटालव महाअपि हिंद । मुल देश हिंद सह के महार हिंदा हैं स ेर्र पञ्चल के र्गेय पर वर्षे पा अ रेल लग्न के प्राप्त पर वेर पार्टा

त्तुन्यर चेन्यते र्याते र्याते प्रत्ये प्रत्य कर्ष्य वर्षे वर्षे क्षेत्र क्

मन्द्रात्मक्षात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या चन्त्रयात्राच्

रट.अक्षरं स्वाय.ग्रीय.श.६वाय.तपु.स्यारटा। क्या.त्र.विवं तपु.क्र हेपु.

र्दः मृत पर मुेर् पर अल क र्दा मुंद द हर शे मुेद हिट खुर उस मुका

स्ति के बे प्राप्त के स्वा के स्व के

ल ट्वट.व्रेट्-त्वक्षत्व.क्ष्याचाक्ष्याचाक्ष्याची व्याद्ध्याची व्याद्याची व्याद्याची

वर्ष पायर. ट. कु. खु. तर्र ट्विल, तर्र प्रार्थ र य य , ब्रेट्य तर्र ए भू , तक्या , तर्या , व्या , व

वया के द्वाय प्र पुर तमें दे हैं पद माद य हैं स्था दे दे के ह्यू दे ही र में के महिन नेस रह में ह्रव हिन् ग्रेस नसस महिन महिस पर उत्तर हे नावल या लला दे वल लाटल हे लदे सिंद 5 दमेव या लल हुन यह दन्तर म न्द मने म ने तने मेन में। । बिना स्व मारे सा नेन सन हैन सन रस स ह्युदे ब्रेट पुरकेषय केर पर छुन में। । भु दे वेंस सवन पु नवद रन नैस मुद्र देते हेल सु प्रश्नम्य प्रस्म प्रसम्बद्ध मान्त्र मान्त्र प्रसम्बद्ध प्रमाण वसर्दि मानाय में स्रे रेस सु हो पर तमुर है। पार में के ह्यूरे हीर व स्वयं द्व वित्त ग्रम् संवयं तार्देश है। तर में लियारवाय हिनान्त वि मु म लम् ह्युन मु के इवल मुम दे पादीव नु त्युन में । ह्या के द्वव म दे खुका हु ह न्युल पु न्व त्यु हु हिंद ही द ख़ब द्वार पुद न्हें दें दिन द नव । अदि तहेन हेन हुट है। । दिवे देना हु हु हिन नेवा नवस्य नाहन नहिन स व्यापाद्व-ब्रुलापञ्चन्य प्रसार्वेषामञ्जरमञ्जरमञ्जूष प्रसमान्त्र विपार्वेद 🗥 वाज्ञवास विसस सु हो। दे दवा ग्राट हिवा सस मेंट सह वसस वाहत संपादन देर वर्षेत्राने कटल परिष्वहिन हेदालदाकर 5'नेमल उदान्डिना'गुट केदाा मध्रक्षाम्बद्ध विनामा विकासि ।

पश्चिम पार्च पार्च प्रमानिक्ष प्रिणाणिक विषय स्थानिक्ष स्थानिक्ष प्रमानिक्ष स्थानिक्ष स्थानिक्य स्थानिक्ष स्थानिक्ष स्थानिक्ष स्थानिक्ष स्थानिक्ष स्थानिक्ष स्यानिक्ष स्थानिक्ष स्थानिक्य

मह मझल मार्सेन्यामहे सबरा है सामित है से के किय तहन में ।दे तर मर्व स्ट मक्ट म कर मह क्या । मयमान्व महिल म सर् कर हहेना मर.मुरा ।कत पह्ना.मे.परा.म पर.मरीय स्ट.वंस ममीर तारी हरे.मंबत मु निवस सु होव केव'म्'लर्जुस मालसाकर प्रमास वसा झूँ रालरी सव वई हराः खु'न झुर'चुल दल दे'हैं र गुर'नस्नेशल हे'नलस'नहद'नहेल म'सद कर ···· तहनायर त्युर री । बे.पर्व कु.मेंडेचे होल प लव.पर्व. अवरा । हार. लत् के मतुव् गुव् भी व कर दे। । हुत् मार्थेल मलकामान्द्र मालुकाम वव कत् रि हिर अय एह्ना त. पर्वे रेट क्य एह्ना च पड़िन हील घ.लर. मतुव र्वाट महि अधर श्वर केस सव मतुव तहिन में ।दे दन गुव हिन्स महि व्यवर रहे मुल में रे र पा गुट हु बर त्र मा पर हेर् यह हुत सह ब प प्यथान्व नेश्वभाषायव कर लहना पर लगुर रा ।दे नेश्वभ हेट लहन ब्रुद्र-प्टः पठवः पवः है। । पद्धैः परः प्रेः अप्ः तमुद्रः पवः वहेनाः ॥ प्यथ मान्द्र माञ्चलाया दे के खेट में लाप हिना पाते मु दे के हि दे कि दे की दे मा नदः मठवरम्यव है। नेतदः मववा महव निष्य में व के वि निष्य मान गहैकामाव निष्यापने का माजिकामाव हिमाने के के विकास 26 中) \ \ 9 | \ 9 | \ 7 | \ 9 | \ 7 | \ 8 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | \ 9 | पढ़ी.त.र.भूर.र.चे.अर.तय.वे.र्षापविट.पध भेर क्रीय. ८६म् पर में दें पर में दें पर में किया है से पर में किया यह जेर के मेर या दे दें र जे प्रति मा हेद हेद के र यह महित हैद শীক'ৰ্মা

इ चढ़े प्रमुद्रा ।दे द्वा देश हैंदर वर्षे अवस्य स्वाप्त काव में प्रमुख्य केद'म् हैं। देव, केद पढ़ी, तर्वे, कर, पति, हैं। देव, केद प देवल हैं। देव, केद प न्य अश्रमाया । कनम नवस प्रदेश मुंदर रेर रेर पर प्रमूल दे। । श्रे मुंदर लर् पर्वेशय पय प्रमेश कर बहुत । ह्र्य भर वि र प्रीश र में पर अस प व्य प्रमुख महि एसस कम्बामियि मराप्द । ह्यूहि व्राप्त कार्य प्रमाना से व् वय पर्वत विहे मरानु रेशेमामानु साम हिरामान के किया महिरास नश्रेल न के हूर्-कर्णय न ल.चर.नश्रेल बेडबे विडिट ल.चड रेबे.के.हे.हे.से. विवास वकुर् विवास के सि वहु वह वह वह समामिल र वह विवास चक्रित्र वर रहात होत हार वार प्रताप विषय वार के तियात योश्वय हे र ४२.भर.चर्.तम्येर.धवेर.धवेर.प अ.चर.धिया.चर्.तम्येर ... ब्रमा व्यम् पर्व प्रवाचिर् विषयान्त्रवाना क्रमानमा त्रामानमा प्रवास बाक्षे पर्वेषय पथ वर्षायह छिष्य पर पत्र वर्ष है में। पर्वे रहिन्या पा यर यक्षेश पठु: न्यु । क्रिंन : तहिष्यायाशाम् हेषा हे । तहिष्य या शामरा प्रमेश है । ८ह्मान्द्रेद स्थालेमा क्षेत्र अक्षाय स्था सुद्राय र प्रताम स्विताय 91 मर मझभाकु नुते एव नु नवस हे अर्दर व कन्यान्व सारहिना स्ट्रिस मही ... 티·국(해· 27 व)국 MR도 다시 다취이 용·伯·국·저도·다·다본러자·다리다 회···· पञ्चलाय प्रकृत दुः वै प्यञ्चलाय केव या महिमा स्वि वि । दे द्वा के सहिद त्रिः द्वद तुः वुक् गुः हुद ब्वा द्द यम्भायाय के कदा गुरः अवतः विवेत तुः सः इय. हे. प्यंत्र ज़िब. श्रु विपाय चील प्रहा अर्था विचा विचारी के. रेपर्या बर्। ह् इ.रच.४ इथवा ह्रटे. इर. मुदे. हैं बे. च्. च इ.रच. हैं. केव. चहु. खे **ढॅं या गुर्नुता कटा वे इसायर बूट सहर्। ढॅं या गुर्दिर वेर के** हेर्यारमार्थे क्यांतर् श्री अ. प्याप्टर इर केपाया धारार है. स्या यावर चॅरे'न्वमा ने'द्वमण्ड्र'मन्ड्र'यरे'वन्नमायारे'माधुःमधुःमरे'हेव्'वन्दर

대유도 다'워조·폭! 1

पडित पहुंचा हुन, में निक्ष प्रत्य कर मान्य प्रत्य प्रवास मान्य प्रत्य प्रवास मान्य मान्य प्रवास मान्य मान्य

## बुद् झूट टी माईट त श्रीयथ. योधेश तपुष तपूष तापूरी ।

## 

पह के अक्ष पत्रा ट्रेट्न क्रियां ता ना के कि कि प्राप्त पत्र के अक्ष पत्रा ट्रेट्न क्रियां पान के कि कि प्राप्त के कि प्राप्त क

मुंद्रम न्द्रन्त्र्र्त्रम्

मिश्रेय प वै। यानर'न्त्य हुट'से'हा ।य'न्गुल हुस में मद स्रीत' नैत्पारे पर। । धुव य अभीव य नार्ने प्तर नाइन हेर पर ना । नेत्या बबादी है निर्मापर देता। विस्त समित मिसस ग्री-रिस्त स हिंद र्मील खंदर म ठव' स्वयं सु दमन कर हैंद स्ना स मह प्रमाना देते हेद' दम रेवा महीद बे रह सह र्मियारियर देशस ग्रम् रिमेयस गुद दस हुस में रह सहसर माब्रे लिय में मेट अधियावयाने पर पर दे हि में सर पर कर्ष रे या गण न्ग्रैल'लिहर'रेले प्यट'र्' पुल सर्व। । ने प्रा'मे नर बुव है प्यट मे बर् मिंदे सं स्रि किर हे चिर रेग्नेल राजा कर ना है प्रिया के रेग्नेल स्थ प्रीया क्र'न्गुंभ' हे स र पुत्र। स'न्गुंभ केन र पुत्र ख्रस्य र र गुन गुन वस हिस में रे बब्दान्त्र्भूर-पुं संस्थि कु कि सुसार्व्युर-र्रा । दिहे हेट पुं हु दे हा रवटा नुप्तम्याक्तरात्रम्यान्याक्ष्याः महिष्या विष्यान्यान्यान्यान्याः विष्यान्याः महिष्याः महिष्याः महिष्याः महिष्य मदासाही दे में लहामिल प्रिंग्यह मदसाही दिहा हैन देश मलेद हुद हर्ष: अग्रेव ता क्रेंट विना हेर की। क्षेत्र महि महि महि हिट खेन ह पड़ी निहन. हेर-ब्रेट-स्व हेर-ल-ब्रे पर्वेशस तय-४ तिय-टे.प्रट्य त.वे पर्वेगय २४.शर्-न्यान्त्रित् मानुनायायायावि तार्यम्यायावृत् सुन् सुन् नित्राम्य हे स्र सुन् सुन् तकाकाकि कुर्भे मिनका विषय प्रति विषय प्रति विषय प्रति विषय प्रति विषय । वकाक्षेत्राध्वाची पराने स्वाप्ता सुरावा समीव पार्वेर हुन । निर्देर पार सर् नदा स्वायक्षयावयाक्षीम् वृत्व (का 28 म) नीमार वर्षर द्वारे पुरादेश हि नदः नर्षे अत्राम्याष्ट्रा दे ते नेदान द्वा है। नहुना ने मर दुर्दा । द्वत छूटा नरार्थे पुरान्ताराष्ट्रीत्वरायाः । वृतानेरागुवाण्यारीव केवारा प्रवेवा नबर'य। बुवाबेर'य है दे द्वापान गुन् गुन् दे दे ये के बन्दा

ह मेला सह्य द्वा गाने निर्देश्यामा है दाने माने निर्देश्यामा है दाने स्वाप्त है दाने स्वाप्त है स ण पुंच ग्री। विश्वस्पन द्वा पर्वस महि विसव स्वायामहे। वि प्रिन विषय पर्य र् हेर र स दी । वे रमारेटामा बुकामरार मिरा बेट लघटा। । विवासि हेर ने कर हैंर खन है पड़ा यानी लार है सक्ष्य के उर पह कर कूट लेबो.चर्ड टेबो लूटे.चन्न टेबोर.लूज चन्नट च.लेर कुट बोलज.चन्न वि..... मक्षम वस्त्रम्यापुरम्त्रम्य याष्ट्रम्धे व्राप्त्रायते उप्ति ह्यायर प्रमान वसस उद्'तु'मङ्गर'वेद'लयुद्म मा वद्र'स'लस'रैस'मवेद'यु'स'रैद'मरे'द्र' ब्रें व र्टः पर्वेश रेरे हें विष्ठ मध्य एक र त्युर क्रिक्षेट व्टः मह्मस्य । १ ःः ब्रिट हैं के द्वा गुद्र । देर मृद्या गुंध के द्वाय रदा हैं त गुँय रहें हैं । र्मायान्त्रम् सम्भित् मत्राक्षुद्रम्भित्राष्ट्रित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भ चले च त्रुरापुराप है हे हे हे एस महिन्द्र मार्य मुख्य स्मित हिना हे व कु क्रन्'न्ब्ल'ह्रव वर्त्राचेब्र्न्'यहे'व्रिन्'यर'ब्रन्'युन्'क्र्र् पःर्टः पर्वेच त्वापन् पर्। । इ.परः क्षेत्रच छः हैं हु हू प्राखना । हुद् संदे र तह के अवर न्यमा कर हिंद समा महमा मी कु हिंद र द की हे मन तः ६ इद्यान्तर एवा जीवा वर्ष्मर वेदा। दे व वा बुद प्रति। विरावदा व व व व गुःचर न्यम् कर् हिन् सम् यत्र दुन् मी क ल मिर अक्ष रे मासुक होल कर । । । नविश्वाम्।।

मासुकाया है। हा पार्चार में राय कर्ष मासुकाया है। हिर हिर है का महिर हिर है का महिर है

ह्राया की कराम्बन्ध मुन्मि अकूत पश्चराया हेर्डा उपर प्रवृद्ध मु २ दिन् ह्या अह्रा अठव् मा देर पुते दिना होता प्रवेश रे हे। २ हुन नेल पर्सेर प। रे विर कु अर्थ र र र वि कु ४८ दे अध्याप र्यन् क्षर चकुर चकुर चकुर ख. इ. इ. चकुर ५ द. कुर चनुष नेषुष। वाषु १ ६ देश हेना मूदः पनु । परु । वर्षः १८ । वर्षः भुः । वर्षः भुः सुक्षः व परिवा इसस मिन् दें। दि न्य मिन्स हुन सम्मिन प्रमित रे वसा । स्व व्ये कु भक्षप्र, भवर, विचा, ध्रीत, तार्चे या । जिल्ला, ध्रीत कुर्व स्, जब्द, ब्री व वर चेबिट वा। रे प्तर्व पार्व में हिंदे मिर खनाया । निग्नीय विमालिय क्षेत्र के निया हुन विवापर्क्षर। । दे 'कुप' ईंद' य' प्यंद हुद केद' यह । । दे सुर' प्रवेश रे यद' कर्'दे'लॅंट्स ब्रॅंट्'ग्रे'स'य'बेस'यु'बेट्'। प्रदेश'रेदे ध्रे'सळसस दस सद् क्रे कु कर्ड शासुनानी मराग्री सादी श्रीयामपुद मार्स्स श्रीय केद मालव ग्री " बराम्नियामाने। बेटान्प्रामान्द्रि हैं। विष्ट्रियामान्द्रिक्षे ब्र.वहवानरान्याना निवास मित्र पहिला है साथ प्रवास मित्र मिर प्राप्त प्रवास मिर प्राप्त मिर प्राप्त मिर प्राप्त देशे सबरासदा द्वेशे कु ' सर्वे ' कु ' करा स्वास्त्र मुन् ' खेर' स्वास्त्र स्वे ' चायाक् वार्देदावी शेरवेयाचनवायानेदादेदीयवराह्याद्यीवानीप्रवासय पश्चरःय। देःम्हेस्योःकुःळर्'णुः त्रतुमःख्नाःकुर्'यरःमहत्र्(तः 29 प)य वृद्धां के कि न ते प्रति ता कि मार्थि मार्थ मार्थि मार्थ मार्थि मार्थ मार्थि मार्थ ब्रुट्र'वर्षर द्विन् कुर्-नु श्राम्य वर्षा कुर्-नु वर्षा क्षेत्र वर्षा कर्षा वर्षा वर्षा ब्रुक्रायर गुरामाधेवाबेटा। देग्ह्रसाधेदाक्षेत्रवाह्यसार्ग्यायरार्चाकावेटा न्यासरान्वतापरे के रामानु का प्राप्त के प्राप्त के मिला है प्राप्त के प्राप्त 5व् केट्र महा ।

पढ़ी.त.द्री लब.ब.र्चेश.वंदे.पहेब.ह्रेच.स्वेच.पढ़ेह.रंवेबा । प्रेंट.अ.

हुन म दे। ९५८.म.मडु.मडुन मंडनंश र मड्.रीम मखी । हिन म প্রমান্ত কে শেষ্টিব। । ক্রুব নের্ব শেস্ত বাস্তী ইনমান কর মন্ত্র स्तर्षुद्रक्रिंट्रि के अर्द्ध्या है। दर्दि विसस् व पर्दुः विदेव वाह्यव नुवन्यः हरः मन्दः पदे देवः मः त्र स्वतः स्वतः दः दे द्वाः तः महे वः परः न् सुद्यः ः । वा दिलम्प्रम्थात्र्रिम्ममयावायद्वाम्हिम्य्य्रम् देशस्यादी **न्युल'म'ले' न्युल'नुन'रक्षं'न्म'। ।के'न्म'कु(कै' ३० म) केद रुन्नेन** हुन । डेस सा । ने प्रनामी मदस छल दी। हिना महिर प्रीस स्विर प्रीस स्विर **য়ঀৢঀ**৽ৼয়৽৻৽ড়ৢ৾৾৾৾৾ঀ৾৾৾ঀৢ৾৾৾ঀৢঢ়৾ঀৼঢ়৻ৼয়৻ঢ়ৢ৾৽ৼঢ়৻ড়৽ঢ়ঢ়ৢ৾ঀ৽৻৽৽৽ ब्रेट-दय-रेश-धर। मुर्शन्। अप्तिन्य-द्व-दि-। ।5्राय-वे-दि-सुद्य-ध-व। ६'९म्र,के.के.बंबानरेंब.ब्रा निक्रेर त.ह. ह.अ.के.रंट चर्च तर. **८विषानानु मिर्वामायसम्मविष्यम् विषयम् अर्गण्याः समामस्यानुः ॐरामः** वःर्रः मत्रः रेरः मद्याः म् । यःर्ग्रेशः के के दि सामद्रः कः महित्रः सुः गुनः पदःब्रेटःसरःक्षेत्रवेर्दा हम्बर्गात्वराष्ट्रा स्वर्थःब्रेट्र्र्न्टालयःयहःब्रेट्र देवसामाभ्राद्वसम्हे। प्राप्तायान्यानुनानुनान्यासम्बद्धाःस

ाप्त हैं। । तिर्देत हु तुन दे। दे रम गुै रसुद म दब ब ब ब ब ब ब व व कुल के द पाले प्र रे राम की हिर द सुल इ ह पालुका दे दे हिर अपीद प खुकाकर पर पर दिन काक पढ़िर है पाना तर्म प्रामा प्राप्त स्वा ल्खुल'द्यार। म्बद्'ल्खुल'द्यद प्रेट् इस्स्स्। । म्हिस् म म्बुम्स्'म्बस् व महु हुन हे। रे रमणी र्यायाय करम दिना में व मु भर्तता भ्राचिता भ्रुष्ठाच हे पित्ताही स्रुष्ठातम् वा वर्ष्या वसस हुता हुव केन। न्वे कुस हे के प्यदी मैंस में ता कन केन न्वे । न्ने कुट। रॅन्न्या। कन् केन्'रॅन्'ने'कु'मदी। अभीव मरि'सुक्ष'न्हिस मुै। कर। हेर् खरा। करम केवा सर्व व राहर्वा करमारेया है। समक्षे इसस म्दर्भा । म्युम्याम् न्युम्य सेन्याम् हेन सेन्याम् महीन हेन क्षेप्यतः केत्। तुः नेयः केत् केत् कुः क्षे प्रकेतः प्रवेत प्रवेतः पर् स्वार हव देशक वार यातर वार्य टक हो। १८ हे तिह तह वा हेव नी विषय ब्रेन्पा बुका हु : ह पहिन (क्षे : 31 व) पिक्ष पा बुका ग्रीका पहिना पा ने प्राप्त त इ.क्रेंद्र, रुभ.त.लटा विभवानीयिष वे.विनायानीयिटा मेंद्र, क्रूप वर्षाप्रवास दे १६ सु परि देश प्रसार विमायर मात्रम्य केता दे वस मात्रम्य प्रसार वसार्ट्रावस्याद्वस्यक्त्रवादान्याः रहेर्वावस्यागुटारेसारादे छ। तुसासा ह्रता याडेटा। याष्ट्रावययान्यानीयाक्यायान्यवाह्या । .

त्तर, ग्रेट्र तर्थं क्षित्र म्या क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्षयं

म्नर घॅ 'गबुरे ५ मुँगस। मे १६ ल है 'गड़िर बर 'द्रावर प्राय हर्म में इस ' त. है पन पेर टे बिंभ, तर परमा त ब्राह्म का से हर है। से पा ब्राह्म वर वश्चिरादा अर्घा देव तहेव दि त्युरा विकास मुद्रा रा विदेश कर्णका **स्थारिहराज्य कुन्य के ती, रटा केटा नमेरिट हिरानमेरि भूपो पकुर्या किया स्थाप रा** मुँग्। दिच ८ठ्रेचय. स्वाय. स्वाय च स्र. स्य. चर्न्, श्रटः दिटः रचाय. ग्रीयः चर्मेचय मालका वेसासुरम् तहत्वामा हेन्यस्य स्वामान मेर हे ममुन्या से सुन् ब्यय'ग्रैय'विर'वर्डेर'मब्र'म्'र'रु'केय न्यायाम्य अस्त् र्रा । विकादे द्वा विते ज्ञु । सत्र ळेन्त्र धारमा सुद्र धिते दें दें दें दें वे वे वे दें पति क्षेत्र सहस्र द्वास हः …… मैं पन्ना विभाग्न. विमान् . पन्न रामान्य पन्न प्राप्त स्य श्रीह है र हवा कर्णस णुद्रा नहीं चर तिक्षेत्र है व द नहीं द द व स्तर्भ है व स्तर है व स्तर है व दे प्रकर न्ध्रेयःहे। अन्यात्राह्मारायान्। । बेह्नास्य स्वाम्बा । छः श्चेत्-स्त्र-प(क्षैं: 31 प) १ 'इययः स्री | ब्रिय प्रसूर-र्मा | देः सूर-रिवर पृद्धेः ष्ट्रिक'ल'पहेत्'परि'ङ्गर'करि'खट'मॅ'वे'कघर'पव'हे। ५८ प्रवेत'चे'पकुर व' ल.हो । श्रदः बद्धः बद्धः भृयः घरः हो। । बुयः इटः श्रूटः श्रदः सर सः सः वितः वसःवन्दायाद्वा बह्दायहावन्दाङ्ग्रीयाहनहि ब्रेन्पृ हि स्टायाहुनानीः वंभाभितराता । मोट्रेटसाउव भूमी मी. में र में टसासब्रेटा । बुसाचे प्रसिन् म्हेस-दर्भाम म्बुर-दु-१६दि-म-सम्बर-सद्म वस्यक्र कर्-गु-द्वसद् कु सर पहर पार्टे न र दर है अस्य सह है छ । दे निवस्ता दे देन वस्त हर र्-र.जे.५नव.न.न.त. हेब्र.न.ह. इव.जे.५६व.न.प्र-.नप्र वै.धर ४.१३.मे. इ...

कृत क' श्रन ज् बुद न्ता । स्द ने स्द नु हुल कृत श्रना । दल नु दलस हे हिर महुद दें। ।दे सक्ष में महिद में महिद महित कि क्षर मिरक महिम केद गुम् इस या सं स्म मम्म व हे नु र मनु न् नु र तु न नु र विम । सर् र व नि स न्द मु सूर हेर'नमुन व संगय म हमय हेंग'यर'क गयाम विवादी। मायल पर्सेर हिंद रें हैं हैं ति स्वेय परि। विश्वत देशल निर्वेद पर्नेर हैं नाडव नाषव खुद्रा । मुं सूर रे रे थ मेट य पढ़ी पढ़ी पूर पार मेट य द्वा. र विकार रे व नवस य है। व सराया है की व व न में नाया नहेना खना हिस व नवस स स्वाय रुमारार नामस मझेर छिल.टे. नवस प्रेट हिम.बेमस.... गुैर्दर मं दे लियं रहा कु सर जी व्याय सर वय पञ्चर व दे हैं। सरे 靑미 전도자 현미'러자' 월드'다리 월도' 본! 그리 용고' [라라'드드 플 '쿼지' 독자자 본리 नु मुन दल दे देश दनल रिंदे नियान रिंद का प्राप्त में हैं जा स्मान में रिंग स्मान हैं। मःस्वायः विक सं सरामावय महि सराकारे प्रमा में हेट पु माजर (का. 32 व) इसस क्रेसादस विवाद्य कुं स्नरादे द्वा स महान मेर चुरा महे हिस चिसागा न्यर येन्य है। नेतर है के निष्य हमायान्य । अर स्यापान्य । होद'य र्दा | बहुन्देद ह्य न्द्र दुव के पहा | बेबाय इसवायक है स व्य सहम् रेट में पर प्रमुद्द वे रेट राय स म्प्रव मह्म र प्रमा क्षाम्बद न्दानुबाके नाक्षेत्र दे नावया पश्चिर कुर कुर प्राचीयार दार विष्य हैं से ही । दि ता है मा भूम रंभरा तर्राती झुरात चलुरमेलयाग्री लय जम में विराधकारी न्वर'न्टा हापा द्वापा धरारा सहन रेट पढ़ी नर्षेद गुरम लग्-र्रु-पुर-पत्र ही न्वर हेल पुर्व ।

इर महम ।रे.पन हेर.बम.रे.लट हे हे.विटा । पन्न क्षा प घटेर क्रा है हिस बन पुरा । दि ल है न सुन से द र से द र र र र र या य दिन ने द पुन र ८ च ६ त वाद व वासुक्ष वादिव हु । चुल सके ५ चुवाय हुव दे रह । खर वादेव । ल बद हुन दु दे खं कर निर्व । खं कर दिन दुन दूर सिंद्याय दे समा न्द्रन मु र वुद विद दे त द्वन्य है वि केन हिंद दुन मन्। द व प्रत म द्व 출도 다중 미용적'여도 용도 등적 출도 국'국'의 독단미리 철도'다면도 다리! 중 품도' खारे जिन्दा के दिया है। विश्व है किया वसन करा है में विश्व है है विश्व है करा विश्व है है विश्व नु चेत् व क्ष म नद है 'अ'नद हुद में दर्भ हा हा म महेव ने के व हम हैव हम विभ बच चार्यभाकी,रवि.च वैट.ह्रा विष्ठ प्रचार् क्षि क.रंट है। सथ. 필,명화 없,대설 | विवाध, टेंया पड़ी, या पात्र पात्र या प्रमान विवाध प्रमान विवास देश नृगर वृग् पार्ट 'स्टि' क 'रे 'रे 'श केल बुग रेल पु ' हे 'पु व कि ह ह कें न हा है ব্শু'ইঝ'মেল্ল ব্ল'(জ' 32 ন) নত্ম'মা । । । । । । । নত্ম'মা त्मॅरामाञ्चे प्रावेद क्षारेद्यान्य वयायदानी क्षारेद्यातकरामि वरास्य गा २सःन्बरे कु ॐ८ र व्ये प्यदे पुद् प्रिनाश हेद ब्वा ठेस पु हे पुद कि ह सः **४**५/५ वार्ड। है अया हिस न्हेना मर्चे प्राये खुदा कर् खुसा हुदे का न्हेन है हिस'बन' हे खर'केंद' ख'केंद' हुन' खे हेस' सम्दार दराम दस'या प्रदासा दे इसयागुटाळेयाल्याययाहेद ल्या ।देाययाष्ट्रियाल्याप्ट्री देवायलेद गुण्यद र्रदःपाषिद् द्रा दिःवाश्वसःग्रीसः व पार्दास्य पर्वः ते नुनायः के क्षाः नेस हैं। विकार ने ने के जिल्ला के कि कि कि ने के जिल्ला के लिला के लिल हेव.लग.रट. ले. पहेव. छे. पडे. र्यांच पड. हेर. हा । घ. पर. प्रांच व व व व व ब्नान्द्र के हैं। इस ब्ना बिस दिन स्ट्र मिट्र मान्द्र है व ब्ना खेस देर साम्दर्भ गुद्धानार्ह्मण्याम्यार १६५५ - द्वाल पर पुराने। विश्वाना द्वाना प्रमान

महिना मा हिन बन बुक मकु रे ध्य दे मय देन अ'बन रिन एक म दे से महिम में बन के श्रम में क' के व सब एर्र न्म्ब महे हैन री । ने हर पर सर्दि तथा है। प छेत् न्द महिल त्य मैदा हिं पा छेत् वे खेल य वा । খাদিখানার ৰিদা ই প্রান্ত দেইনা । বিধার। । মৃত্র দের ব্রাট্টিল ৰিদা मार्ड के है। से सकद हिन प लेव'व पर्मिन सहस मि नुस प कि खुमल मिहन ह्निय र्मेय तथर हुव । रेह्निय तत है अय विष्य ह्न येय देव तर्म. हैं २ विस्त विस्त विस्त विद्यानित विस्त विस्त विद्यानित हैं है समित विम् लिया है विवस् विंग नहित्य है। यि नहिन्दिय है नहिंद सि हैवा । बेल हां। दिल व ल जिलाल हिल बन सुरू म है। हुन हु 'द्रा हिल' है। महिल मुहेब तक है बद हि है हुद महे हैर। हैव के व महेब रह रह में बम खुल दुरे पर्ण हेर् ठव् मु (का 33 व्) हा पापड पहिन रे हिंगवापा वार्षिका लिंदरही देव हिन्दु केस बनाल बन परु नहिन हुन परस दरा हैन ब्ना स ब्ना स हेसारम् द्र पठन यापसूर वसाविमार्था द्रामसूर द्रामसूर मते धुर रें। १देव द्वाण्य श्वामिर द्यार द्यार व्यार मालाह्य मान्वित मुल्हिन् हेट दे ल केल हा बेला जान्या प्राप्त प्रमुद न्धिन कर व नहिनाल संग्निहन मु पाई है हिन सं देन मन न पार्टी । ने हरार्वेट्स ब्रुट् पुरे स्रुट स्रुट् स्रुट हिस इस्स म र्श्वेट् प्रवर प्राचार विद्यार तपुरायन हे सन्य प रें स चलु निवस हिला निवस मार्थे रा में रार्थे निवस ग्रीटरी प्रिंटर हल मुष्य महाराष्ट्र तम् है। नवरान हिरानुसम् न नमुना कर् नुना मन ब्रीमान्यमा छमान ह्रेना नुम नामन के पुन मान्यमा नुमानु रामा क्षान्यान् चीना देवा सुना देवा मुनादेवा न्गुद्र। न्गुद्र हेल न्धेन रेक्षक्त नु ल्यु हाय है खेरा है। । अवहराय स्था हुर.पड्र.प्रेश्य.सं.एकर.प्रे। द्वाहुर.दे.कु.भर.कु.यर त र्यु.इर.पद्य.

महि विस ने स नवल क्ष्मल गुल सिंदल हुन महि खुद स नुल हुन नहन हुन न चलन न्वंय प्य प्वर प्वर क्ष्य उन त नुय हुँर चरु प्रकेष क्र वर ह देर त्य व्रॅंर पाठ पिठेय की विवाशिय पाठ्य सार्ता की स्वा बना रे त्य क्षर Barat 국·美미리 디자·오죠지 다 N'전드리 튋도 중이 휠 도리 蓋지 다중'미융리 '' मबिट्य रा वे हैं स्थानि व रा श्रीर पा प्रव में। । जिस श्रीर मिंपय ग्रीय श्रीर वहर रखेल र्या होता । वट.र्. विश्व द्व विद मह श्रेष सह त्य ल रट रह में तुल क्वेर पह माहिलाफी हुट हिल पालीव तु कु मालन पाने पर मावल ' मर्टा क्षिश्रद रे कैं. च प्रश्न हैं च चहल चर र पर्केर व हैर । है रूप. 33 म) त्यु दस्य ५ में व पर ही म ५६ वे भेद दस्य त्यु व ए पहन में व रा 55'म'ने'क्वल तपुर पर तपुर। विलाम्खर्स म स सि सि कें कें कें कें षर रहिता है द 'तु 'त गुर पा द द । वि इसम गु 'के 'पद से पा वु प द स हूँ द वर्षेर्'चर्षे,तप्र,तर,रे पत्रल चर पर्वेर,षा क्षत,श्रुवं रें.कें.पापब,द्रे.ह्रेरे. चर्चर ग्रे स्वरन्त रहा. तरार रज्य र खेटा। के स्था लेटा क्रेंटा चर्चरा चरार वकु'मरे मर'नु'में' मर र गुर'म'र्सन्य'नुस'हैं'न्द्र। दसहानुस'में 

मु पबेर स बेर वा रह से है। कील पहेर है तक विन पर है रेपट रे बेर सह रेट स् प्रस्य सह रेंच बाबिक ह्वां बहुन महेंच तह देव वालिक खुस ह्दा माखुस य पुर नी पुल ग्लुस ह्दा य वी य हमाल उस तिह्व परि नुव मुडेम हिन् स्व नु मिलेन में। ।तनुव म व यम य न म मिरे हों मिले. चैंट भंगया ह्यांब लंबा हे.वया रुष क्रिया घाषा था पार्थ महि बीट मादी मुद्द वस सुस स्व स्वास सु तहनाम तिसारित समिद मिरि । । मबेर म रू र्म की नवर निर्म केन केर। दे हर रही पर एटल गुर मह्न यते कुर् समा हे हरातहेग हेद अग्द कुरे पढ़िद दें। I(के 34 द) देन यह मुन्यायया मह्रद् यर पद्धि । मिह्रेय य दे। यह नुया सुरत्र नुय चढ़िते लॅ' ज्वत्य है वि केन हेंद हुन चकुर नद्य मते हिन्या एद राज्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स स्द'र्द हैस स्व'नश्व दे'देशद से हैंद मले पक्क दे र्दा! **ह**र्द'स्व कुं' बदब कुषाकु के बहुना परि 'दुष दरा। हिन हिन के हिन मकुरा मकु'दे'ता'त्रिंदे'क्रें तहन्।यदे'नुब हे। देतर'रेनव'स्व प्रम तहन्।स्वराम ब्रम् वि सन्तर पर्सुर व्याम ए पर्यु हा पृष्ठेण स्त्यापरि हेय स या प्रेरि सः ब्रुंट चकुन्'चकु'यरि'रत्ने' वुना'र्वेट्रा इन्'चे'बेट्रावे'ल न्वट्यनेन द्याल' लि. पर्वे. क. वेश्वी. त. त्रवे अ. क्वियाता दे. वंश देव प्रथ त्रवे प्रथ पर्वे त्रवे त्रवे **८९८ मेथायाः प्रेरिः हेम्बरायाय हैं अर्बरायाय कुषा ग्रीः केंबरायायाँ है। हेरिः** चकुर्'चकु धर'रेश'कुष तबुर री हिन्स'ल्द'तहन घर सं'रे'र्ट'खें. श्चैर-वृष्णभर'श्च'र्लेदे संर्प्टूर पकुर पकु'पदि'र्वेष सप्तह्रण'य'र्च्यास्रहसाम् देवे के दिना में लख्न करमान है दिनर ने हेन परि करने पन ''' बहै 'रुब' सु 'रुदे 'रुदे 'रुद्द मञ्जूर 'ब्रैट'। व्हे 'र्द्यट' में रेन्ब स्थव सुदः पहे ' मुल में न्वत मुल तर्रेर हिनल एव बुनल दल ल हैंद चमुन चमु महे अधर हुं ब्रीट ब्राम सदे या याँ पर्वम देन हैं नम एवं एहण में । देवे के ब्राम मिर निषय भरामा मुद्र सार्भेर तकीर तकी ता प्रधि करा है। रेद्र भवर है। न्यम मे रेनाय लय.वैद पष क्र्य में केल.त्य में मूं नर्श्याय व प्रम्मिया... ह्रवार हिना त नि तुम तुम्न दिनु र यद देन्य य दिन या र्योरे संस्ट्रिया मक्रि मक्रे म र एड्न कर्टा ने क्रूय की केल स्थ मह्म वया ह्न य पदिया परि, इस ता क्षा पर, वि, बुटा। है रेपट बंध पश्चाय है रेर हरीय. ପ୍ରୁମ୍ ରସ (ଆଁ ଓଡ଼ ପ) ପୁର ସଂକ୍ଷର ମୁସ୍ଥିୟ ପରୁ ସହିଷ ର ସାକ୍ଷର ପଞ୍ଚିୟ ଓ नुः सदः मृहेन ति सर सुर या नेते के दा क्षर यट नुस स ति हैं । ह्याय रेब.र्या प् बुब वे.पय शि.श्र.त्र्थ दया ह्याय र्व पहेंचा तर वेर... है। । बर्दर व के रलाया संग्रहित के दिनाव हव नाट व चलुनाव या देरा ह्नायास्या यद्वापुरहिता क्यापुरश्चा देवाहिता क्रियाम हैयास्य हे.चलक्ष.क्ष.७ वर्षर.चर्। विश्वकाता.हे.चूट टे.श्रूक.इव.तथ चू.घर. वें क.ज. मर्भेषातप्राप्ता वादयास्योश पर्दरास हिंदास्या । पार्वे पार्वे । विद्रापार्वे । मार्झेटामार्काकामाल शिर्टि भागामायुग्यमार रेविट ४५ देवल हेनल हेन दुन कुंकन्। खिलास्वालावे वका सामता में मार्गान्या कुरा हिन सामा बद्यासु र दा हु ' चन्या । हूँ द ' दा यानर ' द् द र ने च है द र ' द द सम् । र में ' देय ताक्षेत्राह्मद्राय्राद्राप्याक्षा ।क्षेत्राय द्रमानायात्रायात्राय स्व ५५.७. म्हेर-इस्त गुन्नास में मारम हे हिंदारि दुन्नास स्युरा । सि है स्दी द्वार इत्रत गुःसवर दःनाचर द्वाया मुःपर विभावे हिंदारा नगा । विद्या म्बर देशन हैंदायर रहिनायर रेड्न प्रति कर के के या प्रति रहिना है। पहन्याकी देवताके अस्वता देवाना निवास मान्या 를'Äㅈ'용ㅈ'다5q'ጅ미차'다ㅈ'이Řㅈ'다'아'제=ㅇ'역미'Bq'ヹ'미움피' B저 당'이! दे ल र प्र यर व के से हुन इ इ म बि न म हा म म नुव सिन ला हे है हैन 5'नाबर बन छेर चबन यस व र्न चहु ह हुन रूट हैं' पे छेर रूट चहु '' मुहैन दे ल दुल मुै 'लिंद लेंब' दुबद 'यहे लें 'यमु 'हेब र सूद हर्दें ज्व केंद नुषागुःतिहर विदे वादी पानु यादिये में निष गुःक प्रवास प्र वि वासुकाः। ८८ हुनाय नायुष्ठ है। देशराखें नानु मंत्रे बन हिंद सन से हुन में दे स न्द्रेय गुंकिय पर्नेय प्रवादिन हिंद न्द प्रके हेर स् रच्च था दे हैं प्र (का 35 व) वर प्रमुख प्रमास व म्युव प्र प्रमुख तसुव तसुद प्रमुद्द । १दे बाबुका के व पर छेन स नहास है स्वामा बाहुन स नुवा व वास्त्र स सुव महै मह्न है द द दु मृद्य है। दे एयह में देश मित्र है है है से मैं मह मिन्याह्न प्राप्त प्रीक्ष के विष्य विषय ब्रुब्र'यम शुल न्व में में के अरुव्य यस वृद् यहिन दे रहिन य सूर। ब्रुब्रायते मु पर द्वा माचे मेर ग्रुंक र्द्य र्द्य प्रमानी प्रमानी बनामसुक नुस कृषिर प्राय वस्य विष्ठे साम कुष्य देशा है है साम प्राय विष् मृ 'नुकेश'यरे दुन्'रे'म हु'हैं दुह्य हुर'न्द्रिय देश यह स स प'यद्वे दिरा खुकारु सुका है । दे विष् पुरे कुषा सुदे । बुषा भारत हुर व । बुषा है स मनु । दे । स्थ र्तुन्यात्रस्य वा ले म्युअर्रा है। देवे अवर वा अलामालकर हूर न्वॱबर'रुट बन्'रे'वह्न्न'स'पद्भेद नु क्वे' रॅब नृत्द न्वन्त्र न्दःक्'ळॅन्'ग्रे' मृत्राम्ब्रिय में रत्तुकायुव ब्रिवायुकान्य है विदेशमध्यावाद धमकारुन्य क्रूट पर तहना हे तुल चले केद मां निश्न हेन्स नेटा अर सिंदल हिंदानी। देशमाथसम्बर्ध हॅन्यक्ष वृत्त कुष्त स्वाप्त हुन्य है। श्रविरामाधिव वृं। ।

ग्रैस लेबेस पट्ट हु सेल टे. क्रिंट तर बेट. खुवा ।

प्रेस लेबेस पट्ट हु सेल टे. क्रिंट तर बेट. खुवा ।

पट्ट ता. प्रतार. खुवा लुब. ला। ह्र क्रिंट विश्व विश्व हुंट. तर बेट. क्रिंट विश्व विश्व हुंट. विश्व विश्व हिंद तर पद विश्व विश

र्। ।८८.च्.द्री अर्थातर विविध देश श्रुटा मुंब प्रेडे.च हे। विव अर्थ. मान देवव गुन लेल ने के हेन ने ने पहल हैन में बेर्य ने ने हर हरा म् भवतुः रेने पथ पर्मेश हे. पर्मेश तथ रेपट बर् मीट टे. पथ्टे. तर मेला । विष्टेशासाल विश्वका ८८ स विश्वविष्य अधर है। विश्वविष्य अधर स रमःदेश पनुव नुस ख्व महिम ।(कै 36 व) ने पविव छुन्स क रे मिंद सुन्। न्द न्ना । १९ द्र में स्व मेन द्र रूर केन्य रूर। १९ में कर पहुं हि नि रे चले था । मालु १९ र्स लेख समाय ह च कुर कुर समय महिम । ५ में द । घरे क्षर दे 'दे 'चकुर द्यम कर दें। ।दे 'फैब' हुँद म्बुअ' पर तु हैं अ'बैद' बाबला । बुन माने । बाबनान में अधित मुल झारम मंतुनाम मुन महिना। दे महुद श ञ्चन हल नहन । दे महुद श कु हुल नहन । दे महुद श रे मिंह मुख मुडेम । दे महुद स खम मुख मुडेम । दे महुद स झह मुख मुडेम। दे महुदास है। बेरा कुर निवाल हैन । दे महुदास खार नहन । दे महुदास नेन नहेन । दे परुव ल दयानहेन । दे परुव सर सं र स्वाय सहे केन्य महन म् । श्रर श्र. हे. ने ६ पढ़े पि हैं मिट हो। । हिं पढ़े पि में हो। ० देश निष्ट्रा निर्वेष ८ देश ति चक्के. जिन्द निष्य हिन् तबन्य साथ न्त्र्याय देव विह्या । निरायय है । मा कुरा मुना मा विह्या साथा भवर बुंब ने हूं। भिन्न जन्य ममिर जन्य कराने हुन हैं। ने बुंर प्राम्बेर **ब्रॅंट सॅं। देल वे रेरे कुल'मॅं'रे'रम वल ब्रॅंट' न्<b>लुक'के'ल**ेटन्'हेव के'मर'ट्र' क्ष्याचार्यः चिष्याचारा बुद्धाः विश्वेदाया चित्र क्षेत्र विष्या विष्या इ'पदिर'न्मुदे क गठेन दे। ।नुस'सदिर'झन्'ठेन्'स'हे'पमु'हे'पु। ने'के' स् देना हुन ह देन है। । खुब हु खु द देन खुब हु है देन खना नहन । २.४वित। क्रियासक्षेत्रकार्टास्य प्राचनकार्यामान्त्रीयास्य

इन इ.इ. पढ़े ५८५ पन्न रेंद्र छ नहन है देश में अधर श्रेर नहन म है प हैन हुन हुर यद ९५५ हैं। । इन् रहेन य मनु हैं। नु १ दे से सु हैन । दे है भूत् हेन स म्न हु तथ घट हैन । जन नहिन स घट हेन म्यु मक्तु सब (कै' 36 म) बनानी न्नु प्वकुरे कर्रा । यह हैन सुक्ष सुन स्वा सुन दब बुक हु भ' हैद' बन नहेन । हिद बन' खुक हु भ हा न नहेन । हा'न नह रेम'यस स्मिर'य ने थे 'न्द' हो सकेंद्र यह 'म्हिस द्द्र'। हेन स्वेस यह निष्य ग्रे.नेर्ना है। विष्यान्य निष्य देवानित्र महा नर स्ट त्यूर है। । दे.के.विद्राचे स्थानवं बाला भीत्यात्व टेंबारेट श्री.रेंची देशक ग्री.क्र. ल श्रूचे ... तातकी हूट वि उत्वास्त्राचरायर वर्षा चारमा ग्री निषय वित है पर्वाता चहः चाद्य केन् महे पर न् नाबिल चहः हर्षायामार चुनामा केव है। विश्व प श्रम् व्यवस्थि। विमायवस्थियो स्थाप्तात्रस्य यास्य। विमार पुर लक्ष क्षणान्त्रे स्टा है। । महन्यं वर्षे स्त्रा स्वर हेव स्वर्षे । विद्र मे व्यवतः दे भे ने देश सुप्तान् स्वाद अप्तान मुन्य स्वाद स् ने न्वा नहे व वक्ष न व्यवस्थ विवयः इ'न्र' के प्रवेशमा है: व्रें में अ बेबायरका वायल छेन्। वाबकार नामा मिष्ठेयार्थं नहीं यद्याचियां वेयामा है ना अटा अटा प्रतियामा है। षत्र,क्ष्म,मु.सुट त.पविट.हु। व.स्र.विहैंक्षा स्वट्य मेश्वराप तिर्चा एकता.स्रा दिसायाक्षात्वा देवदायान्ये केदानी हिसामदि येदायस देवा के हेंदाया केट नेय देव द्राप्ता केया नेय देव के एवर प्रमा है व केट । दे द्राप्ता कुर केट । दे द्राप्ता कुर केट । मिन्यायर प्रमुख्य वारायात्रवाहुटा है हिन्दूर त्रुव गुटा देवे राट प्रवेवाणा रेनाभाकारिवरामाधानी केलावाकारिकामराम्बनाती वर्गाम रनवामरी  

## 4 तिर्मन्त्रात्त्र व्याप्तेन् व्याप्तेन् व्याप्तेन्त्र व्याप्तेन्त्र व्याप्तेन्त्र व्याप्तेन्त्र व्याप्तेन्त्र

अन्य न्यानाना रहालायान्यावन गर्। । वा विश्व द्वाट पद्च श्वा । निह्म है। यहनाहेब नह में मुँ त्य मुह्न स्व नहीं विश्व द्वाट पद्ध श्वा । निह्म है। यहनाहेब नह में मुँ त्य मुह्न है स्वयं पढ़ित हैंद पड़ित मुँ मुंद पत्र पाय मुह्ना सक्य सुर प

म् १९८ मुन् मुन स्वाप्त स्वाप

स्वा को द्रा है क्षा है क्षा पर क्षित्र पूर्व । । अस्य के क्षा प्रा विश्व प्र विश्व प्रा विश्व वि

बीच छल। ट्रेड हुंद चर्चन चट्टा । ता खेद श्रूट चुं पबेट चट्टा पक्षेद्र पट्टा | ट्रिड ट्ट स् ल म्हेबा लब लब. महिन म बाबा की. हीर चक्षेद्र या हूं र की ही ही. सम् हे चर्चे

खेबा, मू खेबा, ट्रां हुन माडे का जिट है। क्रिंड बट क्र्यां वा हवा, मुंबा ह्या क्रिंड का क्रिंड

न्बद्'न्न वन्न्य अर् य तर्न् व न्दा सेयस रस वस गुद न्बेरि इस' तर केंब तह हैट.रे जब की चन कनेंब क्रिंब पत देव तर ही व त हींट ... मलागुद मिलेरि इकारील मेदा लेख नम। गुद मिले मिल मे मेद मम इकारील ळ्यां रेंचे रेंचे में में प्राप्त कर की अप्तर के मा के चार ने ने मा के चार ने ने मा के चार ने ने मा के चार ने म 38 व्) य दर। प्रांत्र यातमार दीना नीतार देव दर नार वन देवा रू मन्न्य महि मन्न्य विद् स वर्षेत् म स्निय हे हिन् हेन विद सिन्। ने वस्य ठन् गुर खुन्वारे अर्थेर म ल क्वां मान्निय सर बन् मवार्ने व ग्री में केव ' " मुद्र देविग्रम्म मुद्र पदम में । हिम्म मुं हिश समा सम मार्म पर् हर् वेशन च अर्वेच तर विश्व हैंचे रेट क्रूचेंब त्राचेड्चे तर श्रु भूचेंबर हार नित न्नाम्मला हे साम क्रिया है के मिर्ट मान निमाने हैं है द स्याम स्थय उर् नु अस है। हेद'विद'दें' देव' पदि हैं। । स्वादे स'लद ह्यूट त्युट खुद केंद्र प दूट कुट त्वचुरः खुद् :स्ट : सेद : सम्म हैव ग्री प्रद : सं । ये वि स् वि स् वि । सेव स् वि । सेव स्व स् वि । सेव स्व स लया पहुन की खेलत दव त्युप ला इल तर्षे र के व मिरे कुन नु गृह लग त्युवान्युवार्तु पद्मापि स्मावासु र्ह्नि की तहन हेन है। पहन की सेवल ठव दम्। **इ**न् मञ्जू माष्ट्रिय की प्रकर माबि के मेल ने माष्ट्रिय नम् केंस अधुद त.ज विषयं देव वे. हैं। है.बंट.बार्डेश प विच वे देव विषयं देवर प विच नु न तहना हेव जी निषय हेब में नार इस पर चलन में । स्वीय वितय वय न्वत या तथन्तरम् नाम व इसस नु मन् अँव भवन तर्र रन्य .... \$4.4 2.6 BE.E.I

इत है। । तसमाय तस देंत. रेट और हुमें स्थाम अद्विष चेंश्वर था। ट्रिस्ट. लब कुर ही प निवेर प्रवा १६ व्या करि नुपास्त प्रवा निवा 디퀘이 디 西미지 디리 중 여气기 월드 컵 중도 취기 등이 되려 팔 축 원도 여운이 मिर्दे के हैं किरे नहानम र्हेंद गु हिंद अ दिन मादे केद (के 38 म) हेद दे ला लिय प्रत क्रियामिर त्रायाम् साम्य साम्य क्रियाम क्रियामिर वृत्व स स्त्रा सर पार मन् मन् । जनमार्भेन'महे सन् सन् तुन्वेत तहेन हेन की विसल न्वत र्न वस सर्में र्न हिर हे दिंद में। विस त्युद पना उपित स प्रवी उन्तेर पर अन्तर्वा य प्रवि मि.य प्रवी के. श्रुप य प्रवी केंद्र प्रथ व मंब हे इस'य स तम र्हें प्याय हैं प्याय हैं है। देवर देव खब क' से दे से स स र सं ल्ट्रेय त लय रवाय त प्रक्रम्य भेट.र है वायं य त.हेर. हैंट पंट केंद्र मध्या... हिंद देने स्राप्तां स्वाय त्या व एने य तरामविश ता व में अवस दव ही अर्वे की ... षत्र ग्रेशः महत्र पाळवे. हुए। ्रेंशः स्वेदः **टें.शः पशः इ.**शः स्वोध पष्ट चंडी वेशः प्रा अप केना का कशुन्यका मिं ता क्षेत्र वा कित वारे के वि इसरा ग्रे'हें रनामायर तिस्थानाथा सूद्र म केद<sup>्</sup>र्वे। । तियाना स इसराथा निस् स्व न्रामित हेनारनानायर अधिवाही। दिस्व वास न्यास सेनास में निस मन्दर्दुः म लना लन् अद्रेल हुं '१न' नहिन् र न्। । । वे द्वस गुर दे थे हॅन्य ता । ते हेर केन् हु स्वत् व है। कि मरे मार्न हुर साक्ष्मा । चैसा मालन् अधिमातदाना थेया । तदु चुन हु त तु अ हु न्या स् । त व नया या भ्रमान्दरत्याक्षया देश्ययाष्ट्रगुट्नित्रपुट्ना द्वियानस्यर **\*|** | | \* |

लक्षान्त्राच्यात्रच्यात्र

अपिर ग्रेश संभ में में राया संभ में में में स्थाप में ने में में रहेश म लमा अन्ति प्रमान्य म्यानि में निष्ट में भीति में में निष्ट में भीति में निष्टे में भीति में निष्टे में भीति में ह्य नाव्य क्षेत् महि धुर न्रेय महि सु तम्य गु होत यस मव्या महि मु मुेन এক প্ৰুষ সকৰে ৡিব এ বিদ। ই(জ 39 ব) ইন ব্যান প্ৰ শীৰ ইবি এন हैन पान हैन यर हैन य प्राया य है हैन नम नेन पेन या हैन य प्रिल हैं निश्र स स सब्बा सह चि.मुंद एव निश्च स संध्वा स स.माहेब.सूर्.स .. समा हिस हिंद शेद शेद शि स्टेग हेद कनाय हवा व हुर पु 'मेद' पय देवे दाद 5 पुल है। विन सर ह अमन नि तह पह पह पे पे पा मान किन ले ना न्यु स तह्म म लया सेसस हेन् ग्रेस दे सेसस ठन तहम हेन् ना । इंद मु तहन हेन मेन मृ के के के मान दर्गना । दर्ग म मान वास वास वास के मान म्बुटला विस्त श्रद्ध देश देश कुट सेंद्र संभेदा विस्त प्रत्य म ब्रैर लेबब उद ८८। व्रै सन् मृ त्रहेन हेद कु निवयर दे है र हु है प सन्यः मु त्यस अध्व धर प्रवाप धर सेमस ठव दम म मु सेमस रूट । देलट पाउँ वर दे द्वा में देंद्र मुखल बाद बेबब हुद दें। । खद सु स्वाय द्वा बहुद ब मति चेत् म मृत् भेद बे दा दिन मुखल मदि केशका दे मृत्र हुत मुखल दि र में ग्राय मा स्व सूर म महासारकर हिए। दे स्व रह मही व मनु द हरे ह्रें म हो हिस द्वे के द्वे देश वार्य वार्य वार्य वार्य कार्य से स्वर वा वार्स स तालित रे श्रेवातर है तारी श्रेम लेल गुं केंच कर मुं हित रहेन हेर मुं मिलल मुद्द दिन सदस सु महत दया तहन हेर में मामनानाबर द्वारकनाय पर केर दिन मामन हेन के निमल हैं दायरे नम सम्दर्भ माने हैं। |द्येर व्केस युरे हिंग में चिंद मेन्य में पर तुन पह देव र प्रिक्य पर प्रेट् हिंदा विनाम ब्रिन में कर वह कर्रिन बर्धा है मूर पहन वारे हेर् में अविष विष वर्षेवा वह होरे हर प्रमान प्रविद् हैं। प्रिट्टें स्पान हिंदे प्रस्तान हो वे हो। प्रदेश हेद ही निभन हैं तथ तप मू भीतय (छ. 39 न) रे हेरे हे दें ल लंब हाज तीर बोबंब ता. ଥି के.घंड भुग.च हैंदि ଜିल टें भ बैट बुट झेल ४ हैंद घंड भुग ल बैट घ ..... न्दा। देवे हेव इस यर मेस यवे केंस ठव की कुद लेस का नामित है। न्येर व क्षेत्र सुरे सुष २००१व माव थ अरे मु चिन हुंद यहु द्र यह व म व न न न क्ष देवे'लक'खु'नाबन य पबेद हैं। ।थेल सुर नादक यदे हुल झ रप दे' न्न बेबल कुं मन् कन्व कु बंद म २ व लब नम्द मूर ब्रैंट लेल में शु रक्रें पया हैं टया प देव केट र निर्माय हैं। । तर्र रावय में हिर तह म हेर में विश्व परिण बुंग य व पबिंद एकन्य यर मुंद यह धुर रिष्ट्रियय य दर। म्द बिमास दे है द दु हिंद की मबब दु से वर्ष महे रद मबिब कब की महेद " इस धर नेय धरे राष्ट्र पार्विव भव धर धरे धेर दे सार तु पार्ट्स ध सेव धर दसा חבי אָמיםמי צַּאִיקרי פָּקיםמ שַבילד חבַּק בוישִקי אָן בּיפָּאריף יחי ५८ लिग'५ग'भ'क्ष'म'५८'है' अरे केंस उद 5 इस धर ८६ँग ध मखेद'र्दे। । इस्र मेर ग्रे क्र हे तर देवा रहा हेवा मेर केर हे तर है है है र्नेन्'न्ट'न्**ड्रेनस'न्ट'**न्य'न'सेव गुट बूट'नर्रे'सळव'क्रेन् ग्रैस'र्देन् **बू''''''** ळॅन्यायान्दास्वायानवेवानुत्यकाणुःह्द मृद्देयास तदीष्यद रद देन वयाः व्यक्ति हैं में हिन लेव 5 वेब जहार निहा ने का ले हिन लेव के बार हैं का के वार हैं का लेव श्रेम मेश हैं मार्थ पर च परि रें र नुमान्द पर्याय मिर्माय के किर हमायर """ नेवाधिरकेवारुन के । निर्मारिक हिन स्टाम् नम् स्व म नम्पनामा है निश्च न्द्रः म्राण्या में विष्याया में विष्याया में विष्या में विष्या में विष्या में विष्या में विष्या में विषया में हिंद चर्ड क्षे प्रतर रचेर ला हिंदाचड में हे दिन गुद में पह दि पह हैं यर ब्रेट्स द्रा शुवायर ब्रेट्स द्रा प्रिवेषल सु ब्रेट्स है हि इस्याप শ্লুঅ'ব্ নৰ্শ में ।বি অ'রুদ দরু'ম বি এখ (জ 40 ব) পদ বদ পদ ८ह्व च ल ख्वाय चहुन चे हे वा हिं ल वह री वह प जा स प्त महर बाबय म रेच है एहव अस एहव हे ने पत्त के लूब हिन है है विवस दे। । वि क्षेत्र श्चेद्र पर प्रेट्र कें रहा कें दि ने प्रेट्र कें रहे के रहे के रहित प हिंद मैक हां विकासित्र, रेच मैट एखुल, पट्ट मूं, सैपक, हैव होरे हु हु यद्ग म पुत्र अस दे'सूर मुय'य है। । बिस महादस यह देगनाय है। रेस हु' हुट। धिरट टूर मेण च विषय तथातर्भव त टु. ईषव ख घर हुट तथ. हुंद पदि में दे दल दे तहे व परे हुंद हैं। । गुन कुंदि हदस मासे प्रमान मन मह्म म में म्यामञ्चममार हला क्षेत्र क्षेत्र मर मुन मन श्वमायर हिम "" 본 | 1점8점 미국적 구드'중적 젊다 원드'P의성'대적 다ろ다서 ㅏ 월로 다'宁'구미' म्द्र म्ब्द रूट म्ब्द्र प्रमुद्द निहुद दे तहेंन यह हुल गुरु रहियस गुरु छ। वेत पल प्रवेषक अपवेद पर ब्राम्स । विष्य पर ब्राम्स के दे वसन कर गु ज्याय हे में 'स्राय' हेव धर हेर धरे हैं हैं है विव' हैं। । प्या है हर वित पुष्य सरीपृ विवादन वुरावुरादि सेरामेर मालय देस मुकान्नर निवसा भैयक ब्रुपेक के एकिर व हैर एड्से हेरे क्येक तारु कु.लट टेव्वेचक.क्ट.टंट. निस्य व नाम्रान्द क्ष है। हूंदान हेर्न कु अकद हैर उन देव खर खर खर तर न्वय पार्षेत् वया समिते न्वया स्वया देते हेया सुरहर प्रमृत् परि प्रमृत न्यत अन्। हुट न्द्रेय सर्पायस द्व स्व द्वय न्य विद्वर प्रम पार्टि हिट न् नेत्यात्र वास्तापदे वास्ताया है । पर्ययाया वास्तायाया है । पर्वेद हुलःखुद् इत्रयः ग्राप्य नेदःखुद्रःय (का. 40 म) लक्षः त्रागुः ब्रुदः यः वेदेः दृदयः "

म माळ पर मान्याम्या ने यय कर बेब सु हु सुरे कु'रसुट प कुरे ५८म अम्मिन्दि प्रमुख स्मिन्स निर्मा दि त्या दिस समित त्या तहत हिंदू द स्मित्र व स्मित्र न्द्राम मूर्ये प्रति मृद्यास्याम । दि द्वमस मूर्यस्य स्व ह्वे हिम्स हेद 지도 밀도 다'루'다ろ다자'다'에서 황도 전 뭐'면도 도미히 다운'마리저 중에서 오틸드 " हे दर.रे.प्रविर.मू.क ट्रेट तप २४ अप.वी.पोर्थायं अंचयारे व ब्रह्म्या क्रेट । दे विश्व देवेत्र स्व वेद नात्र स्वर विश्व है । विश्व लवा तरु.वार्य श्रेतस.हे.तेष्। १८ हेर.रुअ.ग्रेय प्र वी र्ग्रीपार्धर देव हैर चूर, चर की चत्रिय व देशक है. है. च चलुर टे. हूं चेश घर एकेंट, च. लुर .. वा ।देशव तरमाहेन कामान कर रूट प्रक्षेत्र मानिया है हेर् म बर्नि दुर्दे वा विक्रा न्तर वयः भेवः व। वयः हुर घः न्रः नः ने प्यरः वयः ग्रैः मन् कन्यः ग्रैयः मङ्गेय परि ने समा में दूर पाष प्राप्त पाय प्रमा से किया है स्मा है स्मा से समा से समा से समा से समा से समा से समा से स विश्वर हुन् 'नद केन्यर मान्येन हु 'गुर मारे 'हेन हुन् ने खूद मान श्वर है।। हर्-दुन्। तस्र रन्यायिक हिन्दे कुम्बस्य त्युन परि हिल स्ट । प्रव ह्रवृक्तुन्या नम्ब ग्रेष्य भ्रेष्यान्य मान्यान् । वियासन्य विष्य ढ़ॕज़ॱज़ऀॱढ़ॕ॔॔॔ॱॾॕॣढ़ॱय़ॕॱॺक़ॺॱढ़॔॔ॱॾॕॗढ़ॱय़ॱढ़ॕ॔॔॔ॱॻऻॺॴॱय़ढ़ॱॺख़ढ़ॱऄॗऀ॔॔ॱढ़ढ़ॱॹॗऀॱख़ॿॖॱॱ प्याञ्चर्यान्तराष्ट्रस्य विद्यान विद्या विद् वक्दार्हेट्ररुद्राची वर्षे तथा है। रूपा ही वर्षे वर्षा वर्षे तथा स्वीयानहरू हैं हा निर्देश **ब्रेंदे, रेबर, मृत्यान, तालक्ष्या, तालक्ष्य, व्राप्त कर्या, या कर्या, व्याप्त कर्या, व्याप्त कर्या, व्याप्त क**्ष्य मा अन्। त्रा हराता हराता हरामहे दनाना ना मा हान्दिरानी बे'म्दुर्। मुन्नि(अ. 41 र्)न्गरामारमारमाम्बन्यति वहत् हिन्रहर्मीः वर्वे जया है, पंदर्श है, पंदर्श है, पंदर्श वर्ष में इंटर है, है, पंचर,

से स्वास्त्राचे हुं हुं ता क्षर तमरे ता क्षर्य ना सूच कहु किया क्षर विचय हुं हुं ता क्षर तमरे ता क्षर्य ना सूच कहु किया क्षर विचय विचय क्षर विचय विचय क्षर विचय क्षर

में हुन। मुन्द प्रते प्रते प्रते । में हुन। मुन्द प्रते प्रते प्रते में प्रते

मध्याची । अथय ८८ अथय विट. अर्थट्याता स्तित्ये वी । १३ व. म्राय वर्ष क्ष गुदानु त्याँ परि कुं। । वे दिने दिने म बना मरुव देव श्चेद कुं। । देव म हे। ८५ म पुन रट पन र्व माव्द ५ गुर पति केंब वनन उर ८५ म पुन गु मुन्दार मुं। ने सर्व महिंद्य महिंदा मुन्दा महेंद्र मुर्दे मुन्दु स्मर्का वै। प्रोराव केन प्राप्त प्राप्त विष्य के केना ने के केना के केना के केना के केना के केना के केना के क्षेण'न्यन वे हेव कुं'वेन'कुं'न्न प्रवास'वे'प्रवस'कुं वेन कुं'स्व'यदे'कुरा विचल वै.लेल ग्री.नेट क्री.लब.हो। लेल क्रीट.तप वेल तह होटा। सन्दर् क्री. गु ८८्म'अ र्स्ट स अन्य स्'अ'स्'अ है अ है अहै 'हेर्'हेर्' हैं रिन्दिश मर हुन्यते मुमाल बुच मार्षेद्रमारे हुन। समाम वे हुन्यते मुमाल बुब स बेर्-जिस्नोतिव ब्रु-हिर्मा-दक्षः ही क विषाम हो। पर्वेश-निव ही। म्याना हुना हेर दुना है . ५ वैट. हुट. तर स्थ महना लामहन वी . ५ वं सार चुरामाने खेर हेना रिच्याम चुरावे का खेरा छु। रिच्याम के ने मान के ने समस वटालव रहवानुष्य हेणालयुट कुं किवानारा अवसाग्रीहियास वहनायहे क्ष म्बर्यान्दा वेवव गुदावद हिदानु ने हिदा केदायान्दा । तित्र प्रवि गुर्व गु अक्षर हिन क्षे स्वाय देशकार्ट अक्षर नाबुद क्ष्य हेल्ट वद हव टे.के.एवंब.. लव.त के.सिंद्र। १८४ व.५२ व.सिय.सम.क.त. व्या.सेव.क्रम.सिट.सैर.सीत. माभेव दें। । नियेर व सम्बन्ध दिन से में में निया के नाम में निया है । हवा ४ में. प्र हे. प्रेपूर्। । प्रूय,४२ च कं.याक प्रया है,या है,या है,या है,या है। भ्रथानी में लुयान है। वया देवयाने एटा में सि. दे में सि हर प्टाम है। स्पर्मा प्रोपित स्राप्तास्य मारा स्राप्तास्य स्राप्तास सिट्'अ'पश्चर हेव श्रांच्य. वद. ची. श्रीशः अहम। अप्तश्चित्यः सिट्(ता. 42 व) अ चक्रेब.रु.धेर.ग्री.श्रंष धरेश.ग्री.ग्रेंड्रा ।अथस ८८.अथस.ग्रेट. चट. व्यस. वहुकानेता हेन प्राप्तिनेवान याप्ताहेकायाप्ताप्ताहिकाने स्वाहित

त्रिक्षः या श्री कुं त्रिक्षः श्री व त्रिक्षः त्रिक्षः त्रिक्षः त्रिक्षः त्रिक्षः त्रिक्षः त्रिक्षः त्रिक्षः व त्रिक्षः त्रिक्षः व त्रिक्षः त्रिक्षः व त्रिक्षः त्रिक्

प्त्याके तिष्। । १.प्टेया त्यां प्रांच्य प्रांच्य प्रांच्य प्रांच्या त्या प्रांच्या त्या के ति हैं . ट्यो क्ष ट्योड्य प्रांच्या प्रांच्य प्रांच्या के त्या प्रांच्या के त्या प्रांच्या के त्या प्रांच्या के त्या के त्या प्रांच्या के त्या के त्या के त्या प्रांच्या के त्या के

न्युक्रायावै। दे प्यटालपुर पुर गुर दिलाईन है। लपुर कापुरा मिहेशाकु लग्नसाबेर परातर्ता ।हे सिन् नु। लग्नस मुदे क्रस क्ससाम्राही दः ९५ तु सः पु सः क्षेत्र व स्वर्थः उत् ५ ८ द्रार्थः स्वरः यहे प्रशः यसः ९ प्राप्तः । ब्रियः ब्री.बिधेर प्रथाधेर्वाञ्चरयानाद्वेषय र्यायाचा रीयायधाद्वीयाब्रीयाञ्चरायाञ्चाता द्य भवारत्यापतव **स्रास्ट प्रमेवयापप्राप्त्रीयात स्वयापार** प्रव्याप्ता ब्रद्रायान्द्रा। तुवाबेद्रायवालय्वासाल्येदाबेर्वावादेरधेराद्री ।द्रवा कु। । तत्र न त्र स्प्रे दे द्वा कु जिद्द ने विष्ठ है दे त्र है 다시는,다당,처디석,실,집,역도 됐석,다,보험,링소,칍,蕇,나석,츱는 출,钕,는희,다,는다. निग्पानग्पान्यापु त्य्यापु भव्यापि (के. 48 व) हिर। पन्न मंदि त्य्या पत्र मा |देशत श्रेमञ्चेत्रं या र मादे हिंदामा निया है। । कु दे ला मे 

चल्ची ने में हिट में हिट संपरि मुं ए में की में ने निश्य स्वाय है स प्रतिष प्रचेश प्रचेष दे,श्व.वर्ग विश्व चैंच क्षेत्र देट.कू व व्यवः रेश्चचंत्रः तप्र कुरा । क्रु. ल नेज्य के छेर मान्य ज्या के कुरा । क्रुर क्या महीर यह है क्षंत्रम्भभग्गुव्देश्चव कुरस्यां नित्रहर्षेत्राया वे कुरि कुव खेवा छ हो। दे क्षत्रः ग्रीप्टरप्टरः मीप्टर्स्यस्य सुरक्षे प्रायम् । स्ट्रेन्यः मिटः क्षेत्रः सिदः सिद्यानः स्व चह.हेर। नेर कैं.ल ४२ंब.भ.वैस.बट.ल्ट.तथ.४२ंब.वेथ.कैं.क्ष्य.वथय. रुप्-कुर-कुर-भेर-भर-पासुन्यन्य-प्-१०नाय-प्र-स-स्वाप-पर्। । ลลลาส์ๆลาริาลิสลารุณาลิสลาผลายูณากาครุลานารุณารุาษูานารุฐิสามา देशःश्रेषय सःरेणयामयुव गववामेदायराह्यामहत्यामहत्यामेदा वहत्यास्वा **२ प्याप्त अध्य प्रमाणक में अपन्य अपन्य** रत प्रतिकार होते ता दे अर्थितकाता है अर्थाय विचा तर मुचे हो अर्था स्वांका इत्रय भारतान्त्रियायामारा मेवा देवा मे द्वारा में द्वारा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त मरुव परि द्विन्य कुर दे न्वान्य कु कि मकेद प्रदे पा पदि दे । । रहा सव

विश्व या अह्य ता मूटा अहा जिवाया केराच ने ता जा ब्रां की। कीया

प्रमुद्धान्त स्त्रा स्त्र स्

स्टा ट्रिट ट्रीट ही ट्रिंग की स्ट्रा मी बावाब के में हा। स्ट्रा ट्रेट्न की ट्रिंग की बाढ़वा पत्र मेंट्र खुट क्र्बिश त बाढ़वा दे बाबंबरता... स्ट्रा ट्रेट्न की ट्रेंग के बाढ़वा पत्र स्ट्रा क्रिंग के प्रतिस स्ट्रा बट हा.

मिंहेश्वास है। श्रेश्वर देह श्रेश्वर प्रमान्त हिंदा मुं तिस सुर्गुरा ।

न्युस्य द वे। सळव १९८ य इंस वस सळव न्ये क्स यर न्ये बना तर है ती.लयं छ्यं की.एतंब बी.कीर ता है.एट्र वी.यधेतावाहा की.एतंब.ह्यां विश्व. तर मैं तथ श्रेय में में वे में दे में दे में तथ प्रत्य से दिन में में श्रेर्म म लब भ्र.रेमे वा अट भ्र चर्षेष्रभागः तिर भ्र.पश्चेष्रभेगः में वी में चर्षा ल्येलायते र्व भेवायत समुव यते कुं लेच गुरा छ। देलरामा सहरमाया न्दः स् च सद्धारम् वा विवाने। न्येरावालन्नाम् कार्यान्याः की क्रियाः म ८५५ कवाय प्रया विसय मूर अविश्व.मी १ व स्थरमा मञ्जीताम है। स ब भेद'यर। दे'लब ६६८ पह एकब ग्रेम्ड्रेंद स्थायमा क्रेंद्रियाय व ल बर्द्धत्याय न्दा हैं व स्रत्यायायद देनावा के तदाना स विवासी। ९५५ कन्यालय त्य्य द्यार्द्र्न्वन्यायश्चित्याः स्वाद्याद्यात्राय त्र्रान्य त्याः लव व्। विविवानरास्त्रीय पर्याक्षेत्रावर्ष्ट्य पर्याकुः प्रदेशः वर्ष्ट्रायायः बद्दा हर है। किर नेपंतर है। पंदूर मुख्य रेट । ४ द्रिर मुख्य नेट न्ध्रेय मुद्दे में मु महद्द्रामान्दा। द्रमाय परि खला सहद्द्रामान्दा। खुल(कै. 44 म) ने क्विं अब्दार्था निया विकास सहित के स्थान विवास प्राप्त का सर्वत्य पर पूर पारे है। द्वार व ते निष्य का पर ने व निष्य है र विव मि गुव मिद्दित मन् कन्य स्पर्न स्टि अयु त्यत्र मुद्द मतस। क्रामेश स्नाम तर् सूर्र्व अर्दर्या स्वर्ष्य स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र हो देवे विषय हुन स्वरेश्वर स्वर्ष

इराम है। मिल्री के मिल्री में प्रमास के मिल्री में मिल् भ्रमा मी देश पृथ ह्येर लिए मिट चमा देश क्येर ग्रीय प्रस्य प हेर अथय दैद .... क्षरामा जाता में विकास में माने क्षरा में विकास में विकास मिल में विकास मिल ८हर्। परि पहित् सूरम ठव विवायापदिव पुः नेमम पुराक्षेराप वार पानुपाया ८ह्रवे.तपु ४ह्रवे केंट्स १वे.लुवे.तय.वे। अथस ८८ अथस पत्र वेंट्ट य. मेर्रेश अर्द्धत्यात देश त पर्वेश ह्या वश्व अर्द्धत्य पाले द्री । १३ व. ब्राट्य पा. लब हें व झटल त ही दार हो दा वे गोव र में हु निषय में बे में निषय में बे में हर्र्रात्र्वाराते र्व विवास। नाम मन्द्रिम् वारार्म्य मार्चेन मास नेना मुन प्रयापर ग्रें र मुं देया प्राप्त मुन में देवर मुं दे र में प्राप्त का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्थ का कर्मस्रिटः। बुं इंदरायस्र दाक्नीला कुं माले मिर्स कुं हुन ब्रद्यागुः र प्रयाप्तयाप्तयाप्त्राच्याप्तियाप्तिया है व क्षेत्रया है हेव प्रेताप्ता है प्राप्ता **ष्ट्राचस्रीनस्राद्धाः स्थानस्याद्धाः स्थानस्याद्धाः । इस्राञ्चेत् दे तुराधेतः स्थानः** निः क्विन् ग्री कु त्या देवा क्विन की कि निमान विकाने व्यापन विकान विकास चल स्राथ हर्षे के के खेर के के कि के के कि के के कि के कि के के कि के न्ने'म'लस'तम्स'त्प्तात्वर्षात्वरम्ने ने के प्रमाने के प्रमाने के प्रमाने के प्रमाने के प्रमाने के प्रमाने के प क्रे-द्वेष्माभक्षादेशेल्य्वकासुर्वस्थलायशेखुद्ध्यासुम्याक्षासुः है। दुस्रामहे वृत्तापञ्चलाक्षु व्यत्वत् श्रुटः या दे के दिने पत्तं त्यद्वत्व गुटः। (स. 45 व) देते. खराहेदाखटार्याच्यादेशम्बराम्हेम्'तृ खटामाम्बर्गान्द्रामा मदीवार् कुरिके मान्या मन्या मार्थ गुरा हुरे । तथा मान्य गुरा हुरे । कुरि क्षा हुव । कुरि मा न्ने पात्राधिव हे तिरामा महेव मि वही । ब्रिंग कु समल ठ न प्रमु न पेन पति कु मि वरात्रिं ता वेदाला । विद्याताला ने प्रति । विद्याताला ने प्रति । विद्याताला ने प्रति । मतः भुरः चेत् चुं वृत्रात्रतः दे भूयत्रा तत्रा ते निर्दा तस्त्रा स स्वीय त है। देह क्षात्तर, देने त.हे. में अस्थाता वे प्रकार तर तमें त. स्वीय त है। देह क्षात्तर, देने त.हे. में अस्थाता वे प्रकार त्या प्रकार त्या प्रकार वे त्या वि प्रकार वि प्रकार वि प्रकार वि प्रवार वि प्रकार वि प्रकार वे त्या वि प्रकार वि प्रक

महिना वे मित्राचि के मित्राचि मित्राचि मित्राच मित्रा

| अर्देट मान्दान्थेन्यायाराष्ट्रस्य दे न्येन्यायायरे नेदाये प्रदाने केव'वेव'वें। ८०८.पुंब, मूं वे, घुट, कि. पूब, ४८८.४८ वी, ८४वाव मुद्दे, वाञ्चवंत्र मी, देव, ता ख्रवंत्र. न्द्रवाशुः वर्षः वावाद् दे नेवायादेशः वर्षः पुलानुः वर्षाः विदाला नेसाम हेना मक्या देशसा ग्रीस दे 'देशनस मारे हेद 'दे 'शानस्य खटा ने हिला । । NA तह्न स्ट्र अपी पात्र करा पुराया र साधिरा के वि । प्रीराव क्रूं प्र **कुष्दरमी कु के दें 'बेट'मादय**'यर 'मेट्र'यरि **डू**ट्'दे 'हेद' के द्याय बेद'ट्'ट्रेस' **ॻॱॿॺॺॱढ़ॸॱॏॖॱड़ॆढ़ॱऄॖॸॱय़ॱढ़ॆॱॻॸज़ॱॻॕ**ढ़ॱऄॖढ़ॱऄढ़ॱॸॆॱख़ॖढ़ॱऄ॔॔॔ॸॱॵॱॻॸज़ॱक़ॖॆढ़ॱॱ गुदःन्दिते द्वायर नेयाम प्राप्ता युदा म्राया स्विता स्विता स्विता स्विता स्विता स्विता स्वापता स्विता स्वापता विवास्तिः हेव 'द्यदार्थे स्थाप्ता के 'देव 'दु खूदाया हेवल । स्वत्राधार विवास रदःरदःमी हेदःददःमवसःददःमविरःगुरःयः इससःस। । सददःयःगुदःयनुसः खु'रुद्दै'ल'इस'य'द्युद्दर्गयां खेदाते। हेद्द्द्द्रारे वेद्द्राय सुद्दर्शयां स्रला क्षिग्नाद्य त्य्रयास्त्रके प्यराह्मित्। तिह्यान्द्रदायान्दरत्यायाकी । <sub>व</sub>वःधरः नृष्यः युवारः क्षेत्रः सर्वे । दिवः स्व । दिवेष्यः कुवः नृष्यः विवेषः कुैद्ग्म्रेष्ठ्रयाण्याचेत् कुर्वेष्द्रप्टान्यत्यायायेदार्वे। ।देश्याचमायवे कुैद्रासा त्र्निः द्वलाम्युक्षाय्नायाः हे। न्यायाः क्ष्याव्यायाः द्ववय वे न्ययायाः स्या न्दः बहुत्यामा कुं पिठेणामा विद्यायायाचा स्राम्याना हे बहुत् केन् प्रमुखान्दः ह्रवासराहर्त्रायान्या। (का 46 व) न्यस्य वानायाने प्राप्ताने निवास के चेना मरः मृं रिच्चेन् केदार व्यवस्य सामा स्वरं रिन्य स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं रिवरं चःन्दः। षदःवेशःचःख्रसःस धुन्यःचरःचुन्ःचः४अःबेन्।सःस्न्नःच<del>ा</del>त्रुअः लय. लियंबर ५ देर. है. थ. हेर. चर्चर. चर. चेर्। १रे. हेर. मुब्र चढ़ी. कर. चय. अन् नेयः ह : अत्र अन् नेत्र कु : अप्त कु न्या हु : दा स्वर नित्र न्या सेत्र स्व हु : सर हु -इटः। ग्रेवं.चेहेब,थथ.चंथथ.क्टातय.पुंब.घव.त्रक.केंटःरेटःत्रथ.पूंब.त्रब. म् ब्रिट्राम् प्रतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतानिक स्वतान

मुंति हित मुंत प्रमें दें। । मुंति मुंत के प्रमें पार्वित प्रमें प्रमें पार्वित प्रमें प्रमें पार्वित प्रमें प्रमें पार्वित प्रमें प्रमें प्रमें पार्वित प्रमें प्रमें

मिश्रमः म वी की भर प्रमान स्था पर प्रमान स्था पर प्रमान स्था मिश्रम स्था ନୁଷ-ପ୍ରିୟ ପ ପଠିଆ ପୂର୍ଷ ଦ୍ୱିୟା । । ଏହାଷ ହେଏ ହୁଠି ,ମୁସ,ପ୍ରିୟ,ପରିୟ,ପ,ୟସ ଅଧି लस्या । छेर कुर छेर लस्य भाष यहत कु यह वह है। । भुर छेर छैर कु कि अर मह रम्बा म दे निष मह र में व दे व में है। हैर मह में मह में मह रम्बित व कु.चेल पद रचें व रह्य कुबे.ला हेंपर बीबे.ह्व.बी.कूब कुबे.तब ल्य्यायु मनुन्य याम भेदाना दिद द्याद्वित्य दे हेट लाल्य्य यु मनुन्यः र्चेर बेर्'यह केरा द में हैर्नु ल ल्झक सह कर कुर ल्हना पहेर ना रू बह्द'यह । । तम्ब पु: ५६व अ विव हो। त्रुव अ पुव श कु तम्ब ६६वः गुः इत्रः नृष्याः वे १८४८ पत्र स्। विष्टुः रत्य स्वत मुक्षः प्रमुख पादे पाद्याः महिः त्वस्य स्योभेदा है। दे देन म रसुर् (कें 46 म) महिर्म र पुन है। धुर र्देव मियानिव महि नाव स समय सार्व हिंदा है व दिन है व दिन है व है व है व है मु पद्मित्रः द्वार्टः द्रायं च ल स्वायः तः देशय प्यायं एतयः प्रवं १८८. द्वटः वरः न्युन् पारे प्राप्त नु युव है। क्षे रेला कु रेव मिवा के लेव विराप्त वा वा वा वा परि द्वारी प्रा १ देव पु सूर परि द्वारी प्रा रेपाय पाद्वाय प्र प्रा प्र प्रचित्र.प्रह्म म् । ब्रम्थ १व में क्रिंत्र.प्रकेश.प. वे.स्म.श्रुव में प्रचयः 

न्दः। देर स्वद महि इस देन । सन्य मन्य महिन सम्य है। 리스 희망 및 소설 급드,다 네는 성소,다 점되지 오는,丿 | 범너 외8의 및 튀.너석. चिरामा देशस दे मुं स्वर्ष में स्वर्ण सिंहा । दे देशस मुर मह के पह र्यहर नु पुन्न व न प्रव मी। सहर प्रव म न प्रव म के स्मार्थ के हैं। । है र र्ह्यामा इवस हिन्दार के प्रमान कर है देव पर महिस सुरह ना धिव है। गुव वस हैं द'र्सेटस ग्रैं मुंगुद नाबिदे इस यर नेस य दिस्य यहें चन कन्यान्यानु स्व ५८। क्यापर मुद्द महे कु बनाया सेदायहे स मंद म्हिस सु १९ ५ प्रति हिर। देलह दह में गुद द स ह द सहसाम कु गुद मंब्रिंदे स्म सर मेवाय र्विरायह स्थाप्त प्रमाण्डम्य स्थापा वस्य र देशा विषय मुख्यारिंद्र, चरु गीव वया हेव स्मान्यता विषया १८ मी मि ही ही देता हो है ला निष्ठेश्रामा नेना पारे पारे पार्च र दे गाँव मिलेश क्रा मेश मी हिन प्राम्बना वंद'द्र'देवानम्द'ल'देवे हे वंदेवे हेवान'द्रा हल हिनल वंत्रावानिक लबालबार्णु बाबते प्राप्त कावाय विवास हमा अपने की वार के का गुः ह्या रिन्रायदान्तरं चर्दर्वायद्य मुलागु खुन्य (के. 47 र) ह्या गु.सेट्र कु अधुव मालेग्यामा मृद्याया प्रति ग्री माले प्रति माले प्रति । प्रति । प्रति । निद्रा दे तायहेद द्रायद्या क्या की भी विश्वता विवाय की वायदा महि इस्रामान्ने 'हेरानेस्यमरानुरामधे स्थानेदानुदानहे त्या महनामाने 'हेस नारापा चन्द्रेक्क्ष्म्ल्रियायरारणुरावते कुराणुरायकाव चन्याकेद्रायकान्त्र देशः तुः ब्रे : वत् : ब्रे : त्रे : त्रे दे : त्रे : व्या : व स्। ।लट:व:सुक्षवि ग्रे:कुं र्वटः। हुँर:चुंट:नी:कुं लेव नहेव:व:वर्ट्र पालेवः है। ८८ मा है। गुराम्बिरे देश हैर में कर देश रेट । महिल पहें। स

तार्। ।

ब्रिट चीट ची मेश राम देश ४ हांची मान विदे में में मिन के बिर मिन में से साम के स्वाप्त मिल के से मिन ची मेश राम देश ४ हांची मेश राम के प्रति में से साम के स्वाप्त मेश राम खेत खेश के मेश राम के प्रति में से साम के प्रति में सिक्त में से साम के प्रति में सिक्त में में सिक्त मे

तर्। निट.च्.ल.चहेशा श्रीर पहेंदे.स.२८। नु.संच.कु.दंब.पचेंदे.तर्।।
पचेंद्रे.पट. श्रीर पा पच कवांब.चंद्रेथ.कुंब.प्रंट्र छेल खेर.चेंट्र.ट्र.पट्ब.
चंद्रेश हेंद्र.पचेंल.पर्थ.चेंह्रेथ कुंबरप्रेंशिल.छेल। हे.हेंद्रेश्व चुंबरक्र्यंत्र.
चंद्रेश हेंद्र.पचेंल.पर्थ चंद्रप पंच्य स्वयं पाक्र्य प्रंप्त पंच्यंत्र प्रंप्त पंच्यंत्र चंद्रप पंच्यंत्र प्रंप्त चंद्रप पंच्यंत्र पंच्यंत्र प्रंप्त चंद्रप प्वयंत्र प्रंप्त चंद्रप प्याप्त चंद्रप चंद्रप प्याप्त चंद्रप चंद्रप प्रंप्त चंद्रप प्रंप्त चंद्रप चं

पश्चर्यकान्न्यरात्ति सम्मान्त्र सम्मान्त्र

महिसाम दे। श्रीन्यामिक माम्याम् देव प्राप्त । हिंद स्माया लक्षात्रात्रात्रम् विष्यात्रम् ।दे लक्षादे ल्युद्धात्रम् अवस्याविदः ब्रुटा दिल्टाइसार्जीसाम्बा मदनार्वित्वादेशन्वदर्तितेया ।मदना म्बद्राकालमानहित् प्राप्ट्रा । १६५ प्रमाप्त व्यवसार होता मना । १३व माष्ठमा उद्गत्त्वरा वित्र त्युदाना वृत्र त्विरः वरः त्युरः वरे द्वायः देः दः ददः दः विरः तहे दः यदे व्यदे व्यदे । यदे व क्केष गुःबेदःस्यारहर दुवाया वर्षेद्र हिन् विदाने। दिःया बहेदःदश्यः स्रापः हेदः ब्रम्थः वर्षः म्हार्के वर्षः क्रायर ब्रेन्पिते त्यस त्रु में न्। दे त्यस ब्रेन्पिते हुन्। यह त्यस उन् ⊌ב פבון בימאישב מאילב צַ פֿיאַבאירוירבֿ. פַלי המ הֹשוֹ בהּטוֹם. क्के'लबाबबारमारेमारुदार्दरासान्दालार्यम्यान्दामाद्वेदानेदामदेदारुद्वर मा मदेव मदेव'लड्'म'लदे(कैं' 48 व) वे'महन्यत्र'व् हॅंट'म'हेट'ग्रै'कें'तधुल'्नें'' व'भव'हे। तवन्याद्वाच्याच्चा अर्दराव'क्रूटायरे'क्र्याभयादे। ।ह्रेटा द्वे.चैलःपन्नःपन्नेद्। । देनःद्वः। गुदःह्वः हृदः स्टनः लन्नः गुनः पन्नेद। । भवादी अवसामवा विद्यात में विद्या विवस दे प्राम्य का मार्थ में मार्थ में मार्थ में यम् कन्य प्राप्त प्राप्त । प्राप्त प्रम् । प्राप्त प्रम् । प्रम् । प्रम् । प्रम् । प्रम् । प्रम् । באיקיבראיאיתשיקי ואיפראירואיקיקיקים וליאָקיציקיינותרי

मेर्डेश त. इस पुंत क्रूपंत प्रमेर रेट मैंर प दी हिंद पंताल अरायांगे. केशन हिन् ह्रेन श्रेन दी। । रह मैस रह हे स रेना रह होन किना । नाजिस मस वाह्य तहित वाहुन द्वर हर सम धरानेना । जिंद ट्राह्मर म सक्र पह्रम त्र नेया है। अवस्य पुर त्र पेर बेर प्रयान विनय सुर मुना । शेर मेर अक्षय विर ब्रेट तपु रिष्ट प्र रिष्टा रिट्र ति हैं व मेर्र हैं के कि प्र हॅनक'यर ९५ँ८ व'चम'**अँ** व्ह ५ँव'म्रै ९चेल य वय ५ँव ब्रूट'म्रेट ५८। क्ट्रैट इ.चक्टेर पष्ट्रप्रोजना २८ वैंट.र्यूटश.येयल ब्र्यंय. श्री.येयल वर..... मन् मिन् म स्यानेय पर पु दिन तर्राहेषा न्वारं वादी। क्रेंय व्रह्मां पर सर्ने लया विवास सेन्'न्य (सै. 48 व ) वर्ष मु.रमुरया । इ.स. दसयः ग्रद कु नव्य प्रव है। रिटे प्रट प्रय व रिटर पर दर्ग । वि एव रिट्य पर ए ब्रुवामा खेबा । देव पनुष्ट म भूमा हामा ब्रुवामा निष्य में पा रट, पर्वेव अ पञ्चित्य तर वायल या इस्राय बाट हिएट र बाब स अट तर तकर पा रत पर्देव गुन्न'र्म परि नेवन हेर्'ह्म स वेर्'परि'र्म'ठ्म'ठ्म ग्रै ८वै८स दे.पर्देव हेट.रट्य,ह्रांच् हरालट अ.बीवा तप्र बीच श्रेष्ठांश्राप्ता यन्नान्ता न्नित्यात्मन् व केन्यात्मन् कृत्रेन्यवा खुलाख्लाक्वः लेर किंद चह रचीचीता भूरे चहु का मुक्ता है। अभय किंपा पा **८५**-वे५-नद्र-क्षर-जीव-जीव-जावे क.२८-धनव-केर-जाव्य-क्षर-चार्सेर पथा---गहार प्रते र्देव र्दर रहेव प्रेंद ग्रे वेब मान्त्रिय व द्र मासेद महिब तु महिब बु'र्बूट पर्वापित्वाप्ववाद्या विषय खुल लाईवाद्य प्रवास्त्रमः विवाह्मनवर्द्धना म् विदाहे प्यान क्यांव की हिंदान प्यान्त यालवर विवाह है प्यान क्यांव की हिंदा प्राप्त विवाह है रणवायाम्या इसानेवादाता विवासकार्याता न्वदावीयाने विषया ह्या द्वारा हिन्दा है साम हिन्दा है स वह बिट.जू.हु। जिल ट्रे.ज.बक्द बर.उह्द वा.के.कु छट चू होट वबाउटी. ८२.वेर तस अभय.वेर मृ.क्र्यंत्र देशय वैय.तपु.एरे.वेरी देश तम्.क्यंत्र. महें पर प्रस्त्र महिनारा के दिन पर महिन पर महि बुद्र'प्तर्रान्वीन्यागु'सुट्राम् 'मुप्ते हो तर्राह्रे मुं तर्राह्रे मुं तर्राह्रे मुं तर्राह्रे मुं तर्राह्रे हॅब्-क्रु-बॅ-रैस-तु-प्रमुव याप्रेवाया सहेंद्र यहा रेमावे रमाय दृद्र गुव १४ व. भ्रम् । बियारचायात्ताची व. प्रमाण व. १४ व. भ्रम्या पर मुन्याप । नि=(कैं 49 व) बेर्'स'र्='। कनवासुल र्वर्'नु'निहेरामहे लेव्'स'र्न्न्'निव' 최조리적 B로'다적 첫두'다'라빗다'원두'Ď'라석'처성' 54'듯'별도'국적 따드'첫두'월' थधः भ्रे.पाला श्रेटा अक्षक्षका मुस्याम् योज रिष्ट पर प्रवित पर्छार प्रमाण 최특·뜻·저戶도·다·중·도도·본·제·취제·다저·당저·다 황 | 은·용도·필·제·제·필·제· न्या अप्रमाना मान्यान्य त्या विषया विषया विषया विषया विषया मञ्जानिकानी में वास्त्र कार्यमा वे श्री विकासकरायमा समुमामा

न्युक्षःमुद्राष्ट्रेष्ट्रस्य न्युक्षःम् । मिट्र् क्ष्यःमादेः न्युक्षः मह्यः । । विद्यः क्ष्यः । । विद्यः क्ष्य विद्यान्त्रः स्वरः निद्यः निवरः निवरः निवरः निवरः निवरः । । विद्यः क्ष्यः विद्यः । विद्यः क्ष्यः । विद्यः क्षयः गुद महिरे हेट 5 रोसर ग्रै पन कन्य में ८५ पाईमा मनुम पदमा पर्या प्रतिष वैद भ प्रट. त. देशत विश्वभ.वैद है। विश्वविद्याल स्वेब तप्र. केष देटा दे 'दम तहे द महे 'इस नेय की कैंगय' हे 'देंद दर। रह में सुय सु बेद महेंद क्रूट वरि पन कन्य पत्र के लिंट लाहुल कन्याया क्रूट खेसर गुै हिंद न्यायला । मञ्जीतयाहे । लिंदरायरा लिवयाया है। वर्षे है । कुदा भवा। इया माख्या इय न्युवाञ्चराया । देवान्युद्यायते द्वानुवाद्याय मार्थित्र मुक्रान्यत पर अहर पाष्ट्रारी । क्रिंग् गुरिष्टेन हेद नामुन्य सन्यास्त स् न्दाने के मुने वा विश्व मानुद तहत्ने वा का है वा केद में है। लक्ष विमानवित वेदायदे विदे यामुया |देवद श्रुव हे यम्दाव। मन् कन्तरं गुं असु भारत केंद्र में हित्र हित्र हित्र हित्र हित्र हित्र परि न्डन्य क्षु दे र र न्या पु रहे स्वा ह र वे द र न्या व्य क्षि क्षा ह र वे द र न्या व कॅर्'प'क्षर'बूद प'वेशव ल'न्र(कै' 49 प) दबारे'र्पा'ल र्द्व'र्'व्यद्द्र'यर' बेद दव प्रमान हुन मु तहेद परि खुल हेर में। बिद खुल ल ल दे दे महन्य कॅ'बेक'भे' रॅल'पू र हॅम'म'दे'म्बट हॅम'में ।गुद'म्बेट इबानेबा हॅदामेट ळ्याबार्च्यान्द्रमान्द्रवासान् इकायरानेव महाळ्यावाच्यान्द्री व्यापञ्चर्याने पर्यम् व्यवस्य का अधुव्य श्रीप्ता पाप्ता के माप्ता के माप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता मसनास्यासासासासामा कनाया नायर प्राम्यापार महीव नु नायस या है। र्देव भी पन कनव पे बंबु पहेंच पा है केनव पा कुर येव र र र र वी खुल हैं न मक्या प्र हैं में अर्' ग्रैया तहें व' स्या व' तहें व' हैं मा में जिया ही। चन कन्याकु सर्व भया विदार हिंदा है प्राप्त है व रहे हैं पर है व रहे व म् मृद्यान्य प्रत्रेष्ट वि.वेर् । लयान्यान्य य व.व.म्.म्.लयान्याः मी'लिस देस मह्य तर देव हे. तर् देवो. त. हैं टे. त है. तयो. क्यंबा देश ता यं बंध

मुं अयु पहुंचा विषाना में प्राप्त विषान में प्राप्त विष्य विष पका हें व स्टल पह हिंगन है। दे लेक एक पक्ष पक्ष स्व स्व स दिव स दिव स ब्रेन्पिर रिव्र प.ि. वी.किंट पर्ने बीच है। हिवा अ ब्रेन् पर पान कवाय ही. अभित्र प्राप्त व प्रक्ति। देहे कुंद में यस प्रस्त है। द हेहे हेद पर कुंदा है समाय स्वाम पह युव व्यवस पन क्रेर पन के कि सह खल पट र्व पट खेल है। मन कन्न एकर पर रच्दर है। बिर मुंद रोहर में में मुल प्रति म दी। हेद लबेल लिन्स स्न कु केद खन देन दा । तिस्ति वर घर म सकेन, सरम र्वे. हैं रा । पट्ट हेर. प्रूर. पष्ट हैं यो पर्छत यथस वर की या हू. स में यो रा लक्ष चुर महन्त्र व क्रि.म.लब चुर। दे लेव स रह दे क्रेर स लब चुर म कॅन्य रेम गुरु पहुन्य प्रयासम्बद्ध उर् गुैर्ड प स रेन्य में भेद पर नेय द्या। ने क्षित पर महिन में ल महामल मन हेन तमिल खन्न हेन ह तम्म मतन। ल्मरामर ल्लाबनाचेर गुंचु मर्म(के 50 व) मुंल्हेव मा केंद हुद हैना ब्रुवायरे अप्रेम्पार्म्पार्मा विष्यं कर हिम्पारि नेव रच गुकामिव ल वे म्विवायर ह्रेन्य वयारविषानिषुरासन्दिन्यवारविषाञ्चराने क्रय हार्बेट पाष्ट्रयाहेटाग्रीः 

में प्रधितः क्ष्मा प्रधितः देवानेषुः क्षयः विचः क्ष्मा बरः चैटः क्षः मृतः कुमान्तः ।

प्रिक्षः चाराना चर्णा चाष्ट्रा स्वानेष्य कुमान्य स्वाना । दे त्यवः स्वयः वदः 
प्रदेश्यवः स्वयः चिदः चार्यः चितः चार्यः चितः चार्यः चार्यः

नित्र है। ये विन निवे ये निवस सिर क्वें इन इन । हैं निव है सिरसः कुषामा पुरा व हैं नाब हे बेबस ठव व मुद्द मिरे हैंव रेंताव के हैंन दिन मंदि पिद्वित प्रवास से पुरावा हिपास केंद्र मंदि सुप्त गुरादर्ग सुपास श्चिर रुव हिन चिन नह अदल हेल खे. लहुर नह टेनन टे. नेश न हो। टेलन. नाबी भुव नुन हु रे रे न पानि । अपनेय पर रे रे पानि । देया प रें व रे ९५५ त.२८.। १४.०० वर्षेत्र.२ वर्षेत्रत.४ ४५२.त.२८.। चेट २४८. [म्ब ह्या पुं'रेट पर ९६८ प २८। इब्र प ह्या ह्या ह्या ह्या हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स ह दे.हेर इव त.टी त्राप. इ.ति वब हिट. मुद. २४ में (क्र २० ८) बब्र चंद्राय है। देते कु अठद सुद मुन हु रहेंद मदे ल दे। कुँद प्रद नाहेस मा लेदस <u> धुव मुष्य ग्रुप परि कें य ठव भेव व गा नगा नम नि रम्य वैद यम ४ वय स्थान</u> नु के उत्ता विस्याण्य मूल के उत्तावहार्श्वेष स्राध्यारावण्यात्या देव बेद्रपु ६६ँद्रयादे त है। मृद्धे देवाय बेद्रयम् ह्रबाम् महन्य य देर ĸẫ노,&,렕⋈,突ᠵ ዿዿ,ᆒ८,ଖቬ여 다.ĸẫ८ ロ노,ਬ네,ㅂӄ,풽q,∠ヒ,│ ૬섬 Ħ. डव.री.४५८.त.री.केर वा तश्चिर.री.श परेवात्तव अरुवात्तव अरुवात्तव अरुवात्तव अर् यर'ष्य वे त्युर'परे क्विंद'न्द । हर'ष्यद'प्यक्वुर'तु'यतुप'यर'रेर्द् हेना व वित तह होर. ज्ञान तह रविया छ । यह हार ही र विवास है व पर। שביקישב וש פשיבוקביטדיפלקיטישיקדאים מיפשיטושלישלי निवे लिंद श्रुन केर र त्युराया हन कर र तहर विव वेद र विव सर वयुरा परि क्विंद र दा। विष्ठ मान सु र दें द र पर दें मार दन मान मान में मानि र मे उद्देश हैंग विवादार्त मार्व दे हैंद मार्दानाना नवि उपे उद्दानि हैंद

माहिष्य तथा महिषा मा निष्मा में स्वास्थ्य सम्बद्धाः। नेहिःस्य स्वीदः विम मृःसम्बद्धाः।

न्द मं दे। भ्रव अन् गार्मा म्य त्रुष है। ये मुद्दी । हैं म्य स्थाय ५५ ५ महन्यसम्बद्ध व्रिं क्रींद्रालया में विवाद क्रिंग मान्य ने निर्देश स्थाप्त क्रिंग मान्य क्रिंग मान्य स्थाप्त क्रिंग मान्य स्थाप्त क्रिंग मान्य स्थापत क्रिंग स्थापत क्रिंग मान्य स्थापत क्रिंग स्थापत सु ८६व पर मान वा मी निम्हारी मिना है से हिम मिल्रि में निमारिय है। मा है। देवत हु प्यत्रम महेंद तद्य केंद्र में मिंद केंद्र में अवत स्वार्द्य में है। **४:वॅ'म्'व्य न्म्'यय'र्षेन् य'ह्म्'यरे अद्यर'न्द**'व्यय हे'न्४याँ न्द'''''' सक्ष क्षेत्र हित सु'स'मुन। (जैंग 51 द) रूट'मदीद'सुद मुन'मुन समानेद' म कर्पिते अवतायस तर्याहे। देर् मायल हैंद महे क्रेया हैर हमार्य रद प्रवेद मिर्दा स्रोत स्राम्य वा क्षेत्र मुल्युर सेद ग्री द्वाद सामा हिन्द त्रव मृदःनुत्रद व्यामुच वाषे क्ष्मंद रदःमुद्दानी को नेवा के द मि को विना हे द व्याव्यास्याप्ता भूर म्वयं स्था । गाव्याप्न व्यवस्य ठव त्रिम मर त्रम्था प के रेन्य सं हे दा ये द्या में या बेद राय है स पशुरादया कर है दा ब्रुट 'नु ' केन केट लिल्लाम नट मेंलाम नट मक्त मा केन 'ने के ' सका मु 'मूंल " ल्लिल क्षेर्राप्तमा द्रमाना द्रमाना द्रमानु हर्न हर्ने हिन वदा युव मार्सेट वदा नामाना विवास मा में वा के दे हिला । देवा की का विवास के प्राची के वा कि इसस समर् सेर्'र्'में स मर रियुर में खे 'वा सेर मुन फेर मार से संस न्वेत्व गुः सु न्दः वे व न्दः पद्धे क्यान्याः हु ह्याव गुद्द यहेन् यदः सः gxg,action along and and the second and action and and action action and action हुँदाकेत् हैं। दिवे स्यापकामवे द्वर तु नरातुका मेंवादित प्रेष गवि मवे।

चुन यह का मुंबा मुंबा के स्था मुंबा मुंबा मुंबा मुंबा यह मु

मिकेस में वि भीस मिकेस सब मिस्स हैन हैं प्राम्बुम्या न्नानिहे रहाम बिन के भी नेवानिहें से समामासम स्व हैन नुम्बलाय है। देहे न्द मा भूर वा रियाम न्द्र मा बेर मा रिया देव में हिर निष्ठेर बेर वह ह मं ज न्न ने से नेस प्रसम्ह दं प्रमाण प्रमाण प्रमाण के विकास मार्थ है विकास में ल नेस महित् मुसल ले मान्त्र संखु मान साही। मात्र हुन य लसा हे व हुन वै ग'र्न'श्रा ।रट'म्बैद'र्'दे'सुद'शुम'मा ।(कै' 51 म)बेब वा ।हें मिंते वृंत्राय द सिंद् केद् भी अवत अवत अव ला रहाय बेद मी वृंत्राय द तकर मृद्धिक रवार् मृत्यार्थि । दे मृहियारमा स्राप्त विराधिक विवास ह्माल य के व्यर प्र व्यापार विष्ट्रेमा य र ट्रांस स्वर् स्वर प्र विते प्र स्वर न्द सदस हेदा । डेस सा । यो नेस प्रसम्बद्ध प्रमालुपास दे। हे हे केमल प्रतः हैर में में प्राप्त महिते केल वसल उर्दे में रहा पहिन बुन्य हे न्युकानु नेयायर कुरानेन । देवान्युस्याय हराक्रां क्राक्रां दब द्ना'यरे हॅ' व्याक्षुर'यबुगाय ययः ह्यु गासुस्राप्त प्रदाय सेद'यहे' राहरे रह निविन्नान्त्राणुद्रास्त्रकृत्रान्त्रान्त्र मु ब्रिय धुन हुः सुन म देःहुद्रान्त गुद्र " बेर्-र्। ।रदः पद्वेद मायलः पर्दे सरः पद्विमायः मान्द्र मासुकाले द्वाः रदः पात्रतः गुद्द वि देना देश वह स स सर गुवा व है से द दें। । शुन्त हे ह्मांतपु. का. मुंबर खे. मबियंत्र संबा अद्वियं. सप्टा क. आरंधांचे सरा खं क्षर चो वात . . गुर्-'चु'म ५८ चे ५ महे द्वापा खुल खुल ठव '5 'बूट'म वै' के ५ 'हूं। । वि' नेवा नै न्याग्नन्य्ये प्रदेशस्य करम्बेरिक राज्यम् विनायसः

बद्याचित्र ही देव व जा मेवाट्राचिष्ठेव एविट चर एवट्राच हे। हिट्राच पर्या में वेश केन् व प्रव हुद स्थित केन् मुद्द रहेना केन्। । मु अर्के रहन परि सदस मुब क्रब मुद्द अन् पर र मुरा । बिव क्षा । ने पर मा या मोबी माव क्षा व द न्मेदिश सु कॅन नुस रॅन सदार न्हिस गु के न्हिन न्स्य यस मु हिन् न्ह्य र खु: केर्'ला दे'व्यातयन्य त्य रदार्दि मे निर्द्याद्वाचर्य यहा । क्षेटा बर 5 मार्थ पुरुष मार्थ भाग्य भी प्राची मार्थ सु महि गुर प्रीर्य दय \*\*\*\* त्रिंद चर तथन्ताने मेंल सर अधित यस न नुद न् वे दूद नु तर्देन दे। ति त वित्र वत्र स मुते क्वां ए स्टर'र प्राप्त कर्त स्ति मिता व सेपा प सारा ब्रीत म स पुरे खु 'णु झूर 'ण्वरा'भैद 'शवा द्वद ह्वद म म है थे (कें 52 व) पुर य वर बिट जारहर कूर हैर विवासान। वीर्य वर्य देव देव अहर हैंजा प्रवासना या केन् अन्य स्था के के कें मिल कर में व के माव वा स स स्था । दिव व न्द्रीय में मिले प्राप्त मिल्य स्थान में मिले मिहेल हिन् में पिट य न्हेंय त्य से ' त्तुन् यान्द त्तुन्यते वृत् यर स्त्रित् हेट। दे सूर व हे से हूंद न्यत न्चेर केन्। र प्रवेद म्बल मुंद न्चेर केन्। शुन्य हे रेना हुंद न्चेर· बेद्'दु'चबुन्द हे। देतर'हें हें न्व द्वाद्य प्रदेश सेव द्वाय हवायर न्नाताके तर परिवास। रहापद्वेत हेता क्रिया विषापर प्रेस के अक्षार्थ स्था त के.वर.चर्चेवाथा विवाध ह.र्गोच ज.विवासह क्र.च्यांचूर वे.हे.अ अर.त सं. धर. प्रविषय श्री

ब्राह्म अप्ट्राम्ययम् के दिन्द्रम् स्वाहः निक्त स्वाहः निक्त स्वाहः निक्त स्वाहः निक्त स्वाहः निक्त स्वाहः स्व प्राप्त स्वाहः स्व

लब ह्या व यांबी झूट केव में पटा। देह इस लब ह्या व सूटव झुट झूट म न्द मुन्य व्यव्यव व न्द्रम्बेव ह्याय मुहे बेट झूट न्द्र। वन हिन व लिंद पर क्षें लय लर्चे द्वा रत सूर में बेद मिस्रय कर से रा है। दे स्वस वर हिंद जीत हैं। तमिर के हिंद व पाय रह पर वय र्वार प्रवित्त प्री हिंद वा " कुरं मूर्य मेश्रम प्रस्य खुंब मैं। वेट मेश्रप प्रस्ते मेश्रप रे.सर. नुस हे वेते झूट व में अ तमामस पर रह मासल। रह वाबेद में झूट व हें न एर मे निर्मा विनाय हेरे ब्राम हित केर परि वस समार है पुर में है पष्ट क लगर र कैर.पष्। विर अन्य ग्रे. से पचेर। प्या वृद्ध अहेश स्वे क्रेव मृष्ट च्रुन् लका युन्य हे हिन्द रकर महिन्न सरमन्यना (का. 52 म) रूर किर एकर पधु बैट प श रचीचेश पो । ल सुरा केर.एकर पधु जूटश ह्युंट अरबोबां भी क्षेट रकट नायु हू चू अरबोबां वा चो धेय छट. हैर एकर पह है प अ एनीचेश्रामां अद्यय मूल हैर एकर,पह, द्याया अ रनान्य या न्न य मे नेय है तहन में सदर हैद या अन्न यह शुन्स हु सत्यापाय पा पर्ने प्रविधी, बूर से, इव छव है, सिंहा । बुब प हैर र्सा । देलर र प्रति इलालका वरण मुहे चुराया प्रति । अव १व कु उसलाका रत पढ़िन श्रुल श्रुष देत देत रेत । अनियाहित इस सवार हिरापत श्रुरारता इत नु है लक्ष हर नर म है। महि दूर नेते रहा है ल दे हिर इट लट रिविश व रिविश निट दिरदाय मित हर। निविधित सहिव मित में म्नें लूर तथ रेचे तपु. बुट रेट थ रेचें तपु रवितार्श्वेट अर्थेट. यपु चेंचेर ग्रेट तर् ल बुन मर्ले । तर् हैं में लाम्बि कि दाल मा द्ना दे में ल स के दास एन पर छेन पाय के बिना नितन मुद्दे हैन रन में व में व में व में व चैर् महे क दयाभूषामुद्धैर्दा व नैयाद ह्याला मुदाचेर महे कर दय ल्लुल'न्द्रिर'न्द्रन्य दे। नुद्द न्नर'यें'ल'बेर'येंर'ल्लुल'कुद्'नुव स'हे

म् बुब मुह्। ।

बुब मुह्न मुन्न मुन्

मार्थेश ता दे त्याय श्रम्भ कर मी प्रवित द्वा तम्द तात मार्थेश

न्रानि कुर्म्न विकासायाष्ट्रियावयायानेयाम न्युकान्या सहित्यास्य न्यानेया

स्व हैन हैन परि सरेन यार हैं स नेन य ने नट नेन य ने मृहित सुद् रहेना सुव धर्मा । गुद्र महन्त्र धरि सर्मा पर द्वार व मालद नु'न्युंन् यह क'न्य मुख्यां । मिले ब्रूट्ने र्य लयायुर यराम नेव यसा कुरे केदा दे हेर खला दु नर प्रतास दक्षेण्य पर केदा पर्ण रूप पर्ण मेर पञ्चत् पर प्रत्नार्धिते मुन्। दे नासुका पुत्र कर्ह्यत्य प्रवादे के वा मध्र रिवित माले। अर्र वर्षित मध्ये अर्यामा भीव सुब मालाखार कि चर्। भिर्माति ह.च्रु.क प्य ब्रूट्य प टिंग है है। रट भर लया ६ व अवस में बहुन यह । रहिल व लेल में अहन व रहा। (क्र. 53 म) रहित विदेशविदेशकार्य पार्टा वहूर स ह्वां पह सर्वां सर्वां सर्वां सर्वां चर्ष य तथ की बर्गायार्टा बर्गेय प स्रम्य पर बर्ग पर्टा है। हरासरिय पाइस पाइय पुर हे रताये सूर मधे अर्थित दि। दियाला । दे'लबारहिंदायरे केंद् दुन निर्वेश म दे। विदारमु म द्रम महसाम दरा नेव पवारत्रेन्यपार्ता स्व तहेव प न्ता स्व देव प न्द। खुलाल केटलायान्दा। हें द झंदल य र नव स है। दूद 5 है नहेना र् ८हर् मार्ने मुन के के कियामर्। दियान हेरार मेलामकु निहेस मे हल गुन्न त्राम देट त्रिर है। है इ लिं प्राह्म प्रतिक पहु नहिना वह 5 हें व स्टब म मह पहिल इसस है नक मन से सक में सके मह पहिला है की महा निस त है हुव एन्रेल लेपांच श्राप्त विच त तर्था प्रश्नित माना प्रति प्रता है। चढ़ी भव चढ़े झूट र् नर र्वा देन देन महि इस सब कर केर् की नेवाय हुट है. रत है अ नेय य दत हिन हम स अरेग यहां ।दे लब प्रतिपाय पर्टे विर है खल हा। । इंदानहीं । दिव याल स्वाव यह केट दु त हु दाहा। दि त्य श्रेत वर्त् मु नद चहेत् मात्रुग्यासु तहेत् मात्रा श्रेन् माते तहालामान्दः

म् श्रुट रेट चिंडीचेल बुंब दिए। १८ जब तेल की इंच त टीचे ज पुंच प ही. बुंट. मके द मि हैं मके द दुन रु. मुद हैं। |दे सम खुल तहे द मदे रेन महें। | दे पाय कपाय हिंद पर बार्र कर केर पार्र | दि पाय खाय पा देव पार होद महा । दे लक कुष कु लेव प्य मार्ट हे किर लिल रेट है लेव पर लेव यहा। ने'लब त्वुलारानु'अर'बूट'च न्ट छेन्'य छुट वर्त क है'त्युट'अ'देब य " मञ्जेर्मा श्रेर्मा हि । दे तथ महिम्य सेर्मा हिम्य र्मा स्ट्रिय हे श्रेम्य क्रें नहीं नि(क्रं 54 व) लब मन मन्द्र व म न्द्र में नहें मन नुरु हैं लट.रेट लट.रे.ट्.हेर ७५४ चय.७६४.च४.चै.६४.४चेप पीचय श्रे ४६व म महु नहि स नि द्वर शयान्य मेरा सकेन महा ।ने शया हिना स सर प्रमिल ट्रेंस क्री हेर प्रमुख पर्दे प्रमुख क्षा कर हैर. वृत वृषः रतः व्र रेण त्रषः श्वेष्वरे रत् गुने र रतः । वृषः वृषः गुण्वयः सुषः रहेलः व न्द। बदल नु रहन ने केर केर में 'ल स्वाब पान सा केर न्द वा अवाब सु ब्युवाय नता नेते क्षेत्र अकेन दुनानता केष तनुषायय रेगाय नता चने ह्मन ने करा नार्ट । श्रुटानाया श्रेरामार्टा स्थापार्ट स्था ने सेदामा न्दा यद्भिन् सह है प्राचालिक स्मान्दा सहसाद माहि व न्दा न्दास ववासह स्वाया वाववार अधिरायह वर्षे राता वे ध्या व रेरा अधर एक वा हे ५ दोष. क्यांब. ब्रे. ५ दें. पहें. पहें. पहें. पहें के. पहें के. पहें के. पहें के. पहें के. पहें के पहें के तर्भिष कि. दे. पूर्य कि. यह विह्न में अन्यानर विद्या चर्ष का प्याने हैं है हिंदी १ व श्राच्य च कं. दु.ळ. पुन्य कं रहा. हा. या. पुन्य च हा. क. प्रमान च व . ह्याया. ब्रिन्टि । स्वा अवस्य वा विषया स्वा वे क्ष्य हेन् गुःन्ट मिन्ट्य अन्म । वयः चित्। गीव वेश प्रष्टुलाचार क्षेत्रला स्वायाच क वे चित्र क्षा स्वाया स्व लाचन्न हु हैनायान्य। व्याचा वात्राल चन्ना हु हैन यान्य। नेत

मालमा निम हु माल्य मालमा हु हैं माय निष्य हुं मालमा निम हु मालमा मालमा निम हु मालमा मालमा निम हुं मालमा मालमा निम मालमा मालमा निम मालमा मालमा निम मालमा मालमा निम मालमा मालमा मालमा निम मालमा मालमा निम मालमा माल

पिष्ठिय प्रस्त हुल श्रुंब प्रस्ता । भुषि भु हेद में स्पार्टी प्रस्त मुंब देव देव भु तस्य प्रस्ता हिंगामेंऽ. प्रस्ति प्रस्ति क्षा श्रुंब प्रस्ति में विश्व प्रस्ति प्रस्ति हिंगामेंऽ.

में है स दी भटफा हुन ४ दीर म बिमा होर हैं अब मा जबा । इ.समा.

हिंद विन गुन हिंद देव दल हैव। |दे लय है हे दे एय सदल हैय इसल दे कें १ूर श्रम्य तथ तथुरे तपु प्रतित्य अ के छ. धिर ततु त् अंचार रहा चेरित्र। क्रांचियायाम्बसिचीयासुर्तर्त। तमीनास्तर्र। तसी बिंद श्चेष परि तय प्रस है र्षण सर मेर सेर घॅदे रुष सु सुँग्य प्रवेर रपुंद र नुस्त स र्सिण्य पर हे परि (ले 55 व) ह सनुन्त स र्सिव सरि सुन् न्त रचुर " मिर हुव में अन कर नहेला क्षेर निर स मिन डॅर न्सना में न्द्र अ क न्य भेद के न्य पकुर्णी हेव न्याया पर पुत्र। देव प्य तहिर स पढ़ी शुन मार्रेस प्र पर परस पा प्पर में हिन में ह नाई में न्युव ल अर्न पि देव सु में न्युक न्य नुम्युव। न्य परि नुस मु न्युव मु हेर मेर पर व ने रमु न्युका रिहरास हा सर्मार मार्थ हा ने लक्ष में व पर इ से व पर्व पर्म पर्दे हैं है प्रेश है या लब लगे लब वुर्'राष्ट्र कृष्टास सम् मासुकाय समित रा यक्षान्त के मेन कुर राह्य राहि ..... ह्रा गुव हिंग गुै। देवा ले। वाष्या द्वाप्य मु देवा ले वाष्या स्टाम बेद मु विन ले'न्स्य गुै'कर नावय हे लुय'स्ट्य स हमय स'ग्व ह्रेन न्ट न्द ''' रेश मु ४ में र प पढ़ेत् श्रेष स्थ कर्याय भेर मैं पारापूरे।

वया कुर नहें सिना ता नहें वे वया के निया विषय के निया के निया

न्हेंबिय सिया है। विश्व न्युक्ष में त्य मुंच द्वा है स्वा मुद्दा अहल कुषि में हेद में मुन्दु पुने हिन देंद प्य में दिन प्रमेंदा एन मेंद् दुन नदें कर दुल डूंबियदें।

कु केंट नहेंद्र त क्षेत्र थे वीं म् ।

अथय कु केंट नहेंद्र ता क्षेत्र थे वीं म् ।

कु केंट नहेंद्र ता एट्ट, निश्च ता निष्ठ प्रमुख प्रकार के विच लिय, ज श्वाय कु केंट नहेंद्र ता जिय किया विच क्षेत्र के विच लिय, ज श्वाय किया विच के विच केंद्र विच निह्न विच निह्न विच के विच के

न्द्रेश्वरादी भटला क्रियार हीट दा हीत होर हुं सब दा लखा । इ.क्रम

हिंद येग गुव हिंद देव देव होवा । दे तक है हेरे खेब अदाय केंब क्राय दे मुं १ूं ब्रूट्य त्य पश्चेर तर ४वीर तय के भु पर पत्न त्या अपार्टा मुर्म प्रमा क्षेत्रसम्मालुक मुत्र स्रम्म । मने मस्य स्रम्म मने बिंद श्चेष पार पाय प्रिय हे श्रेण यर येर येर प्रियं ये. व्याप्य पार्वेर प्रियं मबेरि ह स स स में व मुँ भे में मबे निम्म स सा ने व स स्म मेरे नुसाय समाय पर हे. पहुं (के 55 व) इ सनुन या ह्वाँच सह ह्वाँच रूट एनुट … पर श्वर में भेग छूट गहेया क्षेट गरे ह'पदेर न हाग हैं र र्मुणय में इत्स अ कन्य भेट कैन्य मनुन् ने हेद न्याय मर पुरा रेस मय हिन्द ल पड़ी हीर माथेस माथेस र्ट परस पा राम सं लंदे हेद की ह माई सं न्युअराय व न्न परि न्य सु में न्युव न् न्न न्युव। न्न परि नु सु निश्रम में हेव मेर पर कानो रम् निश्रमा रिव्र वाला स्पर प्राप्ता प्राप्ता स्मा दे लिय ग्रेस परि इस्व पर्व पर्म । पर्व इस मिर्ट स्व पर्व समा लिय ପ୍ରିମ୍ ପର୍ଜ ଥିଲ୍.स.च. बाबेश ज जूबन । जब टि... पुंच गुँबा चर्बातह ... . बु वेन ले'न्युल गुै'कर'नादल'हे लेल ब्रांटल ख'हेनल'म'गुद ह्रेन'न्ट'न्द ''' न्य कु रचेट च.चबुंध श्चेष श्व क्यायान्य त्यां ।

द्या क्षर पह सिट प्राप्त कक्षर हैं। जिट स्वाय बक्षर पह स्वाय क्षर हैं। क्षर स्वाय क्षर हैं स्वाय क्षर हैं। क्षर स्वाय क्षर हैं स्वाय क्षर हैं। क्षर स्वाय क्षर हैं। क्षर स्वाय क्षर हैं। क्षर स्वाय क्षर हैं। क्षर स्वाय क्षर हैं। विवाय क्षर

हु मिन्नेता हु विश्वसान्य से नेय है हु मिन्ने मा मिन्नेता अय हु नेव र्वेर न हिन्। जे वेब गुैब रुन्य म हुन् न्। । जद विनाय नहेन दब हु केर मक्किन्। देव विवा से मक्किन्। विवासे सम्बद्ध दब गुद हिंदा गु हुन स नवत्य स रव्या नवत्यते हु हुन स्थान सी प्रमान नि म द्राया नि न दे हे हे न क्ष्यं विषय तिय पालय तिराविया की क्रीया प्रिया महा दिन्त्व दे का रह में गुन हम गुन मुद्द मिल हिन महिन महिन महिन हुै'अ' देव ता दें'ल बहेद ता दूर राज ताह प्रवृत बादेव हूँद अ'बादेद कु बुव ' निता दे तथ देत चढ़िर से नेय तकर दित सर्वेत व है। देतत वितर्भ न्नर म राप नु अकेन या भव कुद ब्नाव कुदे झूँव अदे कुँ पुवा। कुदे हुद वी रु' तथ पुर । दबर 'ठॅं 'र प रु' दबर 'प' तथ रेवा' ते सूट 'पते 'र्सेंव बहे क् विश्व अप्र. थ. प्रतान वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर वर्षा न्वाराह हूं व अह के विया यह इ तय विरा विरूप रच में विरामालय. नेब रत रट वैट में झेंब अधु.कें.विया अभ पेंट में ६.जयःपवैट.ह्। रि. अटः वेतः रवः र वृतः वेतः रेषः वः वात्र कुरा कुर विषय ग्रैतः रूपः विश्वेता ह्मना ते व सु प सुदा प्रमुद्धा प्रमुद्धा के व स्था प्रमुद्धा । सुद बन्य क है सूद सन दे कि हे व हर् सुन मु हिन्दा अर्घा । विष् मे हिन सह क्षित सन असल. मूट एल्ल के इंट.च अब्रूटा ट्वेटल इस.तर ट्वा. तर ब्रूव अस द्वा वन् परि वृद्य वर्षे परि हैन हैन है। दिवद गुन हैं प गु र नद वेन वे। लक्षा के वित्त के के का के का के के कि के कि के कि के कि के कि के के के कि के कि के के कि के कि के कि के कि के हिन् ला द्वन्त है। इ.हिन् कि.चेय है। हिन्द्वय हैया है। ले नेया हैदः द्रि र्टान्द्रिय । विर्यायस्त्रार्टायानेय सुः श्रेत् सरीयसः विर्या स्त्रा 91 1

पदी पदी। प्रमुद्राम हेर स्वाम मेन मार्टिस इस मेरा। ।रे र्यास विष्य ग्रेट पर्वेट.त.र्ज.संबार्ज क्रे.ध्रे.चे.क.रट.चा अल परट चखेर ग्रेथ . कटाय के नेस कुंगिन्द्र रूट इस स स्वायाय होत् स है। रटान्र सम् क्ष्या कर माला दे रामा मिला के प्राप्त कर के माला के विषय के वेय गुैं मिन्द्य में न्द्री । बेर इसम्म स्य में वेय गुैं हथा में न्द्री । य दसम लिय के नेय कुर्द हो दें। ।(क् 26 व) छ दशान लेय के नेय के जिल हो स चेत्रद्रा ।व्यायपर द्याय स्य मेर्न्य ग्रीम्वय मेर्न् ह्रा ।वेयः स्वय कुलायर प्रस्तरास् ।दे लाका स्ति प्रव हल है। गुदानु खूटा प्रदेश्य देवा य नद क्षेत्र हैना मु न्वत्वा अ त्युराय हैं दे हैं र स क्षेत्र स नदः क्षेत्र हैन मू न्द्रमा यमम क्रान्त्रुट्यारेद्राया केरी स विनाति र्ट्या हुत हेन हु न्द्रमा क्षेट्राम क्षेत्र माणुद्रानु कावता प्रकासिता कार्यो हिन्द्रा भी वा गापुद्र हिन्द्र केना । हु 'न्द्रा ह्वा'य' अष्र 'द्वेद 'यरे 'त' नेव र न 'द्व 'हेन 'हु 'न्द्र वा । क रि.जया वियान अर्. तपु.क. इ. वयय वर्ष वार्या वियानयत. रेन. ने ह दुय माध्यय ठ८ ल नव्या विद पृत् कुरामहे ह विन व्यय ठ८ ल मव्या कन्याया बेर्'यरे हु हु सेर प्रवस ठर्' सम्बन् स्ट्रिं बेर्'हूर परि कु केना ने दर द नविष्य स्था । वे १ १ १ थया है । दर गुद मु । हिम है र ग्री के ह्म निष्यान के विषय में मिला के किया में के मिला के मि ष्ठै वदः गुव पु अक्रमः मदि से भ्यान्य पर व न्यवया श्रे वद ने पु प हैं न् तप्रमान्यक्षराम् द्वाराम्यक्षा के ब्रामी मुन्म सुनायदेशायम् स्वर्थः पिष्टेशाव नवियात्वा । विदासि । समा स्वाप्त हव । पति । स्वाप्त व विया प्राण्'त्र प्री'अत्रत्यक्षेत्रपरि हुर्श्विष्यण्याव्या वेप्तर वहवा नव्यायते हिन्द्रायादान्या गुदानु मिना हेन गुरहा स्वागुदास हिन 

क्यान्य स्था । विश्व स्थान क्ष्य क्ष्य स्था । विश्व स्था

मासुस्र स त्राह्म पृष्ठ मादि भैस प्रिम ह्राय दे। सेस्स उद विस्तर गुद अरस्मित्र केर्द्र विष्या विषय विषय अरुरा स्वाप्त स्वाप्त विषय अक्रदा । पर् हेर.प्रधित तर क्रंट चरु अञ्चय २व क्रे विश्वय प्र बेहि.यह स मुल गु हैट प्य ह देर विव हट विव थ ने वा ह ह असल द्वार हैट मे के विंद में कुंद लया तहिन हैद में एक य मैं वेसन उद वसन उद ल दें चलुंब मंत्रेचंब तह हैंद च हेल हत्यें ल बर ब्रेब विच च चलुंब रें नेबंब हा। बेबिस्टा रूरिस्पर्निष्या हैल्यमुरुवि वे सुरुवरमु या । बर हैं द से वस द्भव युग महीदा । ने अय ठव शुम द्भर मा मा ।दे मदीव निवेत्व सह व मेंव दी। विश्व मित हिंद दिन महल सर श्रूम। विव नार्टा यात प्रमुर भवा रट रेगाले मेवालया मववा कित प्रमु त वै अर पर्वेव वें। । धन ग्रै पग्ना पर मुझे अर्ट्स वें। । जे नेस हिन ग्रेस विषय यर वेदा । द्वार पट्रा रट भर.जना लट द्या.यट्य क्य र्माटका दी विसम दव गुव कुराट कुराला । मुर्टा के नेम हल रु पर'न्युप्य'र्थ। । १६ ल गुव पु'पबर'र्घ ब्राँट केव'र्मार पुन्य गुर्या

सदस कुल मुँ हैं द में स्वार दि अठव द्ये स्वार मुँ ठें र ठव टू स्ट्य । ५८। हैट में मझ्व महे अर्दे क्वय ६८ देव मु हा म सब सुद ६८ रेग्य मल हैं द म हाँ मा विस्तृ मारे दिने मारे मिनेस मारे व गुरेस स मह्द द अर्थित पु के दुत्त परि देव हा'क दब्र म शक हैन मन गुत हाँ मन रेपाल मा स्य न्य स्य प्र पुर कुप सेस्य (स 57 व) द्यस गुर हैं न्य द्नर्भर परे ' ' नवस स त्युर व हर्रे स कर्षेट पस हे र्र्श्र र्ने स देश केर सहस कुरा में वि निश्च म हे हेरे निवस क्षेत्र सम ग्रेट ही निगर हीन मा लट निग मह हा. यस मझेब व न्रेंस सु'यर्दे ल'रह मलेब नु मर'र्नेर'रह दूह अहेब नु'' " रकर तक गुद ह्युँ **५०**१८ <mark>क</mark>ुँ५ धर **२०**१व ध वॅपिव गुँवापादा सम व्रिते ''' न्वत कु केर न्वत्वत धर बह्द ध दे दे हैं मु न्यूहर रा वस हैंन्य धर ' ने'न्न'ने'हन हल'हैन'नड़न मर्ते। ।नेते हन क्रम हे सन हु' नर्भत् व। अत् लिन्यान्तापकर लिन्य साम्या द्वामित्रा अक्षेत्र सर न्युत्या है। देवद हैद यद के जे ने अ दे हैं दे मु ए दर्दा के ने व ए दर्दा दें द **९'न्दा देन्य'गु'र्क्रय स्'न्दा के'नेय गुे'र्ब्र्ट से'न्दा हे'**व्र'र्टा चलेव श्रुनाम हेरे क्रिस स जि व मानव मानव मानि हुनाम सु स मना परि सूट पाला ।।। १६ श्रम्यायाक्षात्रा स्ट्रां स्ट्रां त्रां त न्द। वर्षेत् व्यन्तरा झैं 'ग्लुक'र्य पदिव में केंब व्य ग्वराहे। सु हेना बेट न समा दे ब्रूट है**ं पादे है**ं आ। । मुख्य में ब्रूट दी। पूर्व कि ह्या बकारा की । क्रूब कि.क्रु. चुंब कि.क्रुरी । हू चू.कि टंब. रत्राचेषेष्यः । विषयः हे 'स्' अयं गुर्व सिन् । विषयः । नितरः रेपायरेः छ. नेबा में . कर छ . व ब . वोव ब च ब . ट. है . ख ट च . कर . च र । है। इवा . च हु . हं. प्त रटार्निट्य क्षेत्रियाचीयात्रिक्षात्रराक्ष्य प्रयास्त्र श्रेत्र अहरी दे हिन्दियं तमुर वेद प्रवास मञ्जूद्या द्वा विदे हैं विदे

णु महेर तु ग्रुर यस रेव कव लघुट स्व त्रा। र्दिर वेर केर बेर प्यस **देर** ह्मान केर हर। ये वह सरस कुर सु जान मन देव यर जान महिस हमस सु पादस सा । ने पादीव नु ये मेरा स पार्नि वस पावस पास न हा है व सिंहस त कि दे चर त कें! इव तह दर दे शे.रेट होट. विश्वसाम ख्वीय त रट. न्याय प्राय के विद्या (के 57 प) नेय वि दे राम कर देन पर महम प्राय अक्षाम केर मि भे नेव का । अवदेव सर श्रुट सवाका कर हिंगा के नेव का । ले दल सुद मुल मुन मन मुन से नेल हा । दे बलवा कर केंब है द द र मेड्रम तथ क्र्य रहित्य ल प्रेय हा । रूर्ट के प्याप्त हिंद न कर हिंद है। रैना य'ल है स केद यस रूद दुनार घॅटें। | व्यद हिन स्नाम यस केर घॅटें। | द्रवा तर प्रनेशतकारेकर.चूप्र विश्ववर्ष ईविश्व तथ केंट.वीप्र विवीर मः अद् ' मा अवे मा हे। दे ' द्वा' गुरः खुक स्टि द्वा मार्दा । देवाल स्ट क्ष्टः पस सहत चेद्रद्वार में 'स्र प्र प्र है। द्वैदस दे पहेत हैद के दे के क्ष नेत्र प्रवस्त मुक्त मियायर विवेषस्य मास्त्रे हि. प्रवेर अर पत्र हे प्रवेद .. मंचेनव तरु रन्य सन्दर्भ के र मुर्ग है दिन। प्रव हव हवाय प्रथ २व'स्.कु.रेटा जबारेटा हेव सरकात्तव का जूब तब तथ रिटी रची तह. लक कथा हू रखेल टे. ह्वेथ चया अव ग्री द्वाय हा । थिट कि.लूटे. चया क्षेत्र. 용가다도 월드'다 오루드'전도 얻고'철도'다 황 이 이' 취지 웹'토드' 김디제'다지 최' बश्यानी हुत्राह्म । तिवर तर्यानी तकर महिराने नाया खेन तहत में हुत् ह्ना । बैट.त.रे.अर.४३८ तथ रेट्य हैबेब ४३८ तधुर हिट.ह्रा ।४५४ त्त्व न्दायत्ताष्ट्रमा स्वाप्त विचानुत्र विक्तान्ता । देना-तुवारिवा स्वाप्त लद्य सुः ज्ञा वर विष्टुंद् सय हैट है केट राय में हूट है। लिट्ट रव त्यु परि:ह्र : अप्रेष्'मे अप्राप्त प्रमुख:या प्राप्त क्षेत्र के स्वाप्त विद्या । ष्ट्र अ.र्जिंध्य पृथ ४च.र्जि.पूर्य.चय.च्चे.चय्थेथ.४८.घवुर्य.च्चे.क्च्य कं.प्रय ईशक्रवी.

वकर है। विषय बद्ध में वकर विष में मेर हेद समावहेदायह नेम रव मा ।रेण पर तत् नुरेण पर हुन पर नेस रव मा ।रेण प सर स ल्द्य प्य विव वेद की नेयरन में। दिन द्य लदे है द क्र प्य क्र प्रत नेव राम मान। सार व (के 58 व) विकेर वर्ष माने वि मान माने राम ষ্ট্রিন শুনিৰ মন লে। । ইলান শেষ ল্ভাৰ ইন্নৰ মন দুন লী ই নিৰ बिल मु हे। तर दल हैंन दुर्च में नेल रय का के व में रेना म के नेल में का ल महन्य महा ।दे दम गुम महि दमाम हैन ल अ क न व हेर भेव सुक बेबब त वे कटा। दे ताब कट द बेबब त बूट महे मु खुवात वे कट है। म् मिने पति भेट तक पद्धि भेट जा। पद्धि भेट तक में जूट पः चलेव व्। विद्या म क्रियाम स्वाम स्वा क्ष चयाचुराक्षे। क्षेत्र चैदाशासने मिन्यस महिदासना ने मिन मस है। विदः वद पु ना बुनाय महुव एकर म महिव वि । । दे दन गुदः गुवः छेद सया £'פְּג'פְּב ביבישׁיבׁ בֿי\$קן וַ£'פָּג קִּדִיבִיב שׁיבֹ בֿישׁקן וְבִיִּתּ वान् मिनामा के केना देवन है। विदेट हिट हिट प्राप्त हैन पर पर हैन वेद। । देश पान्या। दें र पुष्य पर्येन् भाषा न्येर द प्रिदे न्य से सि पर्वेदा । नि श्रूट दे ले दे हैं र श्रूट | बिल सा

मुँ वेदुदै र्सुय ग्वय था। देदै ग्रिन्य वै 5ुट म्टि झुट्टू रवर पदे ग्वय ः ष्य प्रा । इसे देर केना ने नाबाय ष्य प्रा । त्यु देत् इते नाबाय ष्य व नांब्य हे। बाल रचीर लाया कुट्टं (क्रा. 28 त) रूव कुब नांबल लाय थी। हिब क्रव प्रतुष्य म विष्य मा विषय स्पर्म मुख्ये। विष्य प्रति में परे' ₹ ल षट सा । श्वस ठ८ स खेरे रट मदीव वें। । देस प ८८। ही न्द हें हे ब्द वा । अपने हें या प्रति के से हैं दे प्रवेश । बेल संग्य के केर पशुस्य वा ।देवस्ट में मुर प्रवस्य प्रस्य परिः मु ह हा। रह प्रदेव र्दि नु मावस्य य सुक्षाव्य में स्वर के हुए सु व व से दे वे ने ने न मावस्य है अह रूट बुर है विरू। । हैंद चीह रूट चीबल लब. हैं चढ़ीर कीब तब के. चढ़ी है। ग'है'न्येर'में ह'केव वस देंद न्याय में सूद व तमुद वह हेव मेंदा न्र न्यार द्वाय व वव के खुल ल तह्या यह हेव के नि साल तहिल व व र लकर महि हैव छेता निल हुन इव दशरद इद महि हैव छेत दें। । इद मा रत मूल दे.क्टब तेव ज बीच त है जि.चे.कैंट शेंद हेरे हेरे त रेट तर्श्वय व वट इ.ि है जे.चेब विदे हरि जिव का रहान हुव दे विदे ही र वर्ष हुव स प्रवेह राष्ट्र हूर। हर् मुं र पर्व दसरहर प्रवार नामार हिना ते मुं द निर्देश हैन से पनट में हैं पें रह प्रति विषय है निर्देश है परिवार है र क्रियाल पहेन नव मन्यास। । ५२ ५ मर खुल सन लस में बेग ले पनर म् ह्येर भातबुर्टा प्रक्ष त किंद्र ह्येर था है जीवशावर्षा स जारहिल द पवट सूप डि.शूप द्वेग ज़.8अथ यूट.जवज मु ब्रैट.प ब्रै.क्रुगंथ प पालूर्य ..... क्रें। विश्व श्वन ठव व कर येमल गुरे श्वर महे द वर महा से वेस गु २कर म्बेर म्बर्स । इत मार् म्बर है है थि मु कुर में भागवन तर्हा कि. मुंच ग्रे बेंट च. बेंट बंचल, टें. विच तर्ह से वे धूब बोहेब. लब जा

पह मा है व इस में स ने व में में स में मा में में से में से मा है में में से म

## ୩ଵ଼ିଶ'ସା ୢ୵୵ୄ୕୕୷ୢଌୖୣ୵ୄୖୄୄୠୄୄୄୄୄୖଞ୕ୣ୶ୣ୳ୄୖୠୣୣୣୣୄଌ୷ଽୖ୶୳୷ଽୢୢଌୖ୳୲

## 1. क्रॅन्पालेन् क्रॅन्डन्डन्ड्ना छै। सम्बन्धः नमेन्यायाने स्वाधः

ने देराने के त्वं ने के स्तान स्वान स्वान

म्बल र् हे हु खुट जिम्ब की से ट्ट बुट म्बब्ब किट तर टे ट्वे चट्टा । ता व्रील तह सेब बुट उट्टर घट्ट त चढ़ मेथेब चहुद तह. द्वा ट्ट्ट पथ टे ह केर मेथेमब तह दिला बटब किब तह दिल द्वान.त. खुट चबुट.

न्त स्व श्री त श्री क्ला वर मुद्दान स्व रेश त मक्ष्य मही । ना नेते क्ष वर क्षेत्रस स्व मुद्दाना न्द्र श्री नाते क्ला मर ना नेते क्ष वर क्षेत्रस स्व मुद्दाना न्द्र श्री नाते क्ला मर नुष्टे क्ष वर क्षेत्रस स्व मुद्दाना न्द्रम स्व रेश न मक्ष्य मही ।

न्द मं दी तहन हेद तहद मह कुल म नमन केन लया । मन्नल पवत बहुर बहुर करण क्षेत्र में प्रतिया । यह नेपर हेर. पहनाय अ8 अ (अ 59 म) बेर् भूणुरे कुला । है और दब बायरे ग्यबंब स वर् में और रू निर्म मिश्र के बर ला हे श्रीन सम्ब में ब ईसस मी विनय है निर्हें श्री लय होत लय. बर त के बटल चय हैं बेब प्रदेश पहुंच हें व ही प्रवय कर बेर त देशव की नि.जू. की रापड़, एट्टरं त का अक्षत कील व लेबा ते पड़ अक्र की बा. मह्म परे ने चलेव मनेमल म केरे हा म नम देव केव हैन में ल समस्या मह्र गुन के लद म ह्रवार् हुव हर। दाक्षर कर्षायर द्वार प्राप्त तहना हेद'द के रहिन्यान्यान्या। यहे यारुद की रहिन हेद द दर्गन्यमा केन्प्रा महूँवे न्यम कु बहनाहित व सरम कुष न्यम मान्यामार्था सन्यामार्थना सन्याम हुट स्टर्य छुट,त ⊈श्वय ४९६ बुट तीबुय प.प्रूय ग्रेट क्रूँब.तर अह्टे ट्री ।श. हिंद्य य व पहुना हुव मिन्नम देश से करारेने प्रमाया हुया तराहा... वर्षर पर्छ दे पर्वित प्रियान स वर्षेत् में गुन हु प्रवित्तन साम स्वापा द्वापा मैंब के श्रम ब्रिम प्रवस श्रम रहेब परि रहेव परके के के हम में देश पर रहें व तर प्रज्ञ म प्रवास। दे हिरायम्य कुर हुवायराम्य माइवयावी हुवा पर्मभ'न्ता के चुँव पर प्रमुख पा**क्षण वे खुव पर्मण वे खुव** मझभ'वै'नेव हु'अद'भ' झॅव'मझभ'द्गिव'म'हे। मझभ'म'मबद'में 'रदे'

त्र्व यह हिन हु खुव पञ्चल पञ्चल केव हुन छ है । स ल्रन य प्र देव य " क्रेद मं बुंब मु । परे क्रेंद पश्लाश सम्ब क्रा के में होंदा में देव सुद पश्लाश पक्रीर हि पर्य बंध और.अ हे दी **बुंध** दी तार झूब पञ्चात प बाटब कीय पक्रीर. हि ५५ुँद। देवस सुद मझील सुस मक्तु ९८स दस ऋद ५द मणींद म खेस मु नर हैं व नक्षण ल अटस केश नक्षि है न ए हैं व पर अर् हे नक्षण न पवट म् जब मेबिटब तब अकूरो मेबिट राप केशन जब अबार लाज ना. पर्वेट च जय। वे.सेच पर्ट्र ह्रेट अब्रूट ह्या पश्चेल त घडट ह्य पट्टी जानर क्री सम्स मुल देव मु म मम्स देव केन म वि हम मुम (के 60 व) र मुँद सर "" पखें दिया। स्थय केंस केंद्र प्रमुद्ध प्रदेश स्था सहित्य के स्थित परि मुद्धा परि मिट्स हेस सु सहित ये के स्थापित के क्ट बेंब ब्रूट.रें. चेत्रव तार्टा। इवि.वेट केंच में बैंट त ब्रूट तह, क्र बेंत्रव. तहन हेद लिदेह अर त्यापा के ल्या मा निविद्या मा निविद्य व्वेंब.हे। ट्रे.जय.र्घ.चर.अथय.वर् इवया.श्चें.चंच क्ट.बुट क्र्य ट्रंब.टे.श्च. पिष्ठेर.तथ. ब्रु.७ व्रेच.ज.तम् जि.जया क्रेचिय वा के कट पेय क्र.तय. क्रु. ल्विंद्रंदिः। षराव्येतामाश्चेर्त्ने पाद्यानेत्रं श्वरः त्येश प्रमाण विष्या के प्रमाण विषय त्रित्र हिंदा र्या मुल्ला संस्थित के कि प्रमाण विषय विषय ्त्रासु सदस कुष कृदाने विनास तिहर पारहेन । सुस वि । विस्तावा हे हि.स.ट्र. ब्रैट. । चक्कै.त.स.चैक्कि.बैच.त। चक्कैर हिंदू र्ब.बे.वैश्व स. त्र्वेद्दार्थन्वत्रत्यः <del>वृत्रादे ।दे</del>देशस्य स्वाद्यः द्वाद्यः द्वादः द **७**बर्न् युव न्दर्वामुर्नर्न्नित्रस्य क्वर्न्नित्रहुत्रव्युत्रक्रम् न्दार्विरान्दानुष्के न्दायम् वायविष्यवस्य विष्यवस्य मान्द्रा मे प्राप्त स्थान चर्त्र-१८८ वर्षः वर्षे दे पत्रमा पत्र-१ वर्षे बर. बट ब. के ब. ट्रे. ट्या. मु. श्रे. कर हो रे. पश्चां में हैं . पहूं बन्ना ता ट्रे. पहुंच यो में द

चुं अक्षरं नांश्वेकाल पहेंच वक्ष क्षेत्र पारप्ते क्षेत्र सक्ष पहंपाहेट हा वं केन् पारे व्याप्त स्वाप्त स्वाप्

वित् छतः पृ 'युनाय अळेन पञ्चेतः धर नायुत्य हे। वित्य ता स्वा गुद न्नार म्या । पह्ना हेर मार्थ म् ब्यारहेर मा । श्वम म हिन् ग्रीय घट छनः ब्रुण्या व्रिंग सर ग्नाट पुंग्य क्षेत्र मान्य । स्राथ स्व के व्यव मान्य थ নাৰ্দ্ৰ। | বিষ ৰ্নানাৰ্ব নাৰ। সহৰ কুৰ ৫২৭ কন্ম ন্ন ইৰ নীহ। । श्चर म् हेन्या परि नेय केव रहा। । तहना हेव ह्या पहल शुर वार्या । स्थावीत किताअव्यव प्रमुद्दि । बित्र स्थाय प्रणाप प्रमुख पर मासुर व यस मा ।ने'नम मेन य तरी'णात्य यते'म्रि'हिर'त ह सामन पार्य यते हर्ने द्वय वे.तर वेंर.तप्र.ष्ट्र.पर्र्थालय ४८४४.वेग्र बेंच त बेंब वे.च ४५०० . हेब'र्-ु'चुट म'रिवे श्रु'ल'सर'र्ट(कें 61 व) हैल'सर ग्रैव'युन्ब नेट पुर''' हरे'यर् रंप'स्वस म्स्याने। यद्व गुरारयान् हे हेव यारदे सेस नुगुरे रेन्या क्रेया । विव हवारेन्या ५८ द्या ५ न्या व्यक्षा विषय । विव हवारेन्या विषय विषय हिन्। । <mark>पन्ना</mark> नीया कन्या परि । स्था । हेव पन 'ग्री १व वना एकेन 'पा था । या ऱ्पा.बु.च.मे. १९४ ४६ वर्षायाता.बर.तर श्रेष वर.प्व । १४४ श्रेष पथ.वरेत. हिटःबुन्यःपञ्चेत्। षटःन्ययःपह्यं प द्याय ग्रै'वर्द्राम। र्ह्रेपयःपङ् **न्यल'यनेक'म्हेन'ग्रैक'रुनुक'पुक'न्द'रुनुक'यापुक'क्क'यर'देक'यरि'यहेन'** या अत्याप्ता यह अतिष्या स्थानिया । व्याप्ता विष्या विषय विषय । विषय विषय विषय । विषय विषय विषय विषय विषय । विषय ब्रुराम बेरि पर्ना मेर पुरायय। र्वेन बाबेर परि रिवर मार् रृष्ट्रें वा बाबेर च.अटथ.मैथ क्टथ.नध्.ले अक्ट.नथ.ईथ त.८८ू.ले.वंट.नर्थ. अटअ.मैथ. १९८ पुरुष्टिया विकास स्वयं साम्यास विकास स्वयं स्वय न्दाक्रामुलाम देप्तन्त्वर्षेटाद्वाव्यम् मञ्जेदादेणम्यात्वर्थान्यः विहे रहेने 'पड बायर हरें दें ।

नुम क्ष तहेत मु महुन् अध्य रम हैन गुला । हिन् महि महि महि हैन भस ह मकु महम। । खुद मझूब विम हैद मुब्ब सद प्रुल से है मुद्दा । दिव लट् अर्थेट प पश्चेर स्वाय टे अर पार्यंटया । ह्या त क्र स्प्र ई हूँ देवन लयाल मुद्द विषय सु यन्द्र वा क्षेत्र हे यद द्यार लया हिंद मुद्द य प्रम् । प मान्त्र केन् य पार्कु है में क क्रिन्त्र या व सम्स मुका है दिन तर्न पश्ला प के व में रहेव प बे क पु प बे क पुर है। पश्ला प के व में ने ल श्चिद्र माले सह अद्या में बीद प्रदेश श्चिद्र माले सह राष्ट्र माल श्चिर माले मुल म हिनल मुँ स हुद हेल मु म दिन मुद है। ।दिन बर्द द दर्द मुँ (क् 61 日) पर प् संभ न में अक्ट सेंप लेंब ने नह संभ में अक्ट हैंट स सम्ब पर समस मुस बस सक्व देव केंद्र हैंद में म मुन प ने हैपल में सु " हिन खब हूंट नेट चर्च तर पहुँर त धि.व बर्ट वाल बहूर तर बकूर हुट । मधर मुझ ने केर में से गुद दे पादिव दु अर्केंद दें। ।दे वस दुस मावव देना व चुक्त ने देश हसूति हीं मध्य प्रिक्ष मध्य प्रश्नम महि गुले २ ८८ पुर हिन गुणे । बेबर म पर्में हैट। जुल यें हैपर मुँ स पूर रट बेन के रहिस सेनास बन हैंट परन प वेट ६० है अभग यह रंग तर पश्चेर, रें पड़ेंग मूं । रें. वस दे 'द्वा वीस स वद्द द स सिरे बिद वी सद द्व द्वा वसमय दस वहें सः हिंद पर्देश में श्रेष हर अंश्रय प्रमुट हुट बुट प्रबंट देश श्रेष प्रभ प्रेटा प्रम. दे पहेन मनेमस'य देन केन केट येंस हैयस गुेख पूर ने यदे य हव गु हैट तु के'न्यम् बेन् तु एकट कु यर खुट यञ्च। ने माईद हु खाल खुटी बेम बे २ हुंब दे हुन रय प्रवेगय सु बेट यहनाय दय के न्यम बेन केंन् य सु "" ८६ लख तद्व सते वॅ'रत्य सु तॅद् बेर गुद तथन्य दसल महेन्य मुल ''' घर तकर मु य ५०१। पिष्ठेल य वे अधु केव खेंप है। रय मु यह व य वे र पु पहेन्य परे कुल पर्। न्युस पर्पाद परि है न्य तहस द्वल है न्यू ह महिनाय दया। मुल अय द्नाप हैन केद दे के तिहानय ए है कहद दनहै। बिट'नु के तिस्वाल यर तसुर व केंगल ईंट कट वर सुर वहूद हैं। 1देंदल प्रथय मुँ मुल ध्र प्र मु अकेंद्र रुल **मुँ ख्य प्र श्रू**प काद्र क**्राय ल ख्याय रा** ज्ञान कनाय हो त रेट तिर अर तू जिट चर्ड हर। ४ हम हेर्य ही प्रथम था. सहेत् न मल्या मानाम मं लिने हिन ला निम स हिन विमान सहिन वहा कूँचल कुर्य चेबाल एकट लूल तारु घर टें जिंद घर्नेय कीट विघ पहेंचे थेंद भ महिंगल म मल्द मुन्दार्हि मारे हुल श्रम् मना रह हैन मुन्द स्माधर हैन परि प्राचीत बंध हीं वे पास वे पर (ल 62 व) पड़ अस प व पहिंच हें व की.. विशव रत में बोलूब कुट इ.अक्र ती बैंद त रें अब वित तर बैंर हुए। रत रे श्वेन्य स स पर् पर दिया प क्षय हैं। पर सहर पर हार 5 हैत । र्वेत्य व अर तपुरस्वाय पश्चिर्वय श्चित तथ क्षेत्र संस् पक्ष प्राप्त प्राप्त । देते के मुल प देव केव श्रेट मेंस पहें बरायुस संगय मेंव ५व ८ पण ५ बेट … तार में बंब तर्वित्व त कर बह्द हर ब्रैं वंब तर्वेष बर्ब मेंब देर चैर केंग वेशव द्वात द्वार गुर गुर पश्चाय नेट केट्र पहेंद् दव रहेन हेद शु "" प्रमा के अहर पुंग्यमाल य यवत संग्ल क्षे प्पृत के से या के हैं। में मुत्राय तिस्या के दे चहुर मुनेनल म नुणु हमाम हेल मु मर खुद महूर धर सहराही। । बेश र मिट हूर। । विषये लट सहया मैश मु. हेये जय चयत या तप अहू जया मुत्त क्ष्य रायर प्यार मारे मुल मेरा मार्थ ह्व राष्य स र्वा सर केशस मार 5 मासे 5 बुक्त माला हिंद मुंगे के केर केर मेर महेर प्राथमिं प्राय शुद ल सद हिंद्र महि बेहे निद ह तदेव मानव की बुद दु तहाद य महि के हैंद्र मु म्याय नेप हूं तय छट पय नेट हैं रहें व के व य व । ल सट मेय है पय भर्टेट कु परिश्व तथ तर्मेष. हटा हित्य ह्य तर्ने वय यथ विव. कर. लग स्। हेर हैर हे के पर्वे पाने का भीय पह केंद्र कीय प्रेस केंप है खेनल पश्चेर वय ला... सिर स केर हेरे केर कर इर नि हैन हैन पर निर्मा पका ने विक ने सनक मुँ हैं 'न्युअ'न्दुल' पर पर्यन्य पर के रहेंच है। पञ्चल प पकुर्'मुँ ईन प नित्वस्तिष्य पर्यं विवस्ते प्रायं वर पर चिरापर द्वां में साराय में न्ता स्त्यं नासुकायि कर्षे भवा हि स्र मर्डे स स्व तर्व ने प्यविद निनेनल स ने मु श्रुत स क्षर दूध मु स कर्ष द्वर नुर मु र स द्वर त्रव दे पद्धेव मनेनवाय अहे व केव ल पहेव हे द्र वर्ष मुन्य मिक्केर म दे मिक्केर तु क्षेत्र गुर न्त्रुर्य म रूर । कु (कें ' 62 म) केर रेल मर। र्वेण सर विंद गुैकार्देव प्रेंद सर्वेद स खु सरे से रूंना नीय वै सर्वेदा । डेय दे मदीव नानेनाय म सहव सुस 5'सहद वय धुन्य महोत महि र्षेन स दे पदीव म्भेन्य म द्व कर्ष वर्ष में हुद ह केव मर कद म्बुद्ध की । दि सूर विष्य सर ख्षा सम्बेत हल वेष य के हर में इत यर नरा विष् के द हैन लात अर्दे देशक ब के बड़ म नु बर बहुद म देशक दें जिट्न पुरे नुक "" " भ्रम्य प्रमा स्था वित् पर परा। श्रीव तहन र्वे न स मी श्रम्य प्रभी र परि पुन धर र्वेनव न्वें देव निवें वर पंच व न्न नु नुसुद्यापर सद्देव प्या श्रुपाय मञ्जेद ग्रै श्रेषा स तदे 'मिं' दर्र देव श्रुपाय पाउँपा मु'सर्देद सर देव हैन म् रुष न्रीन्य कर पश्चिन्य साथ वे हुँद सं छेन्'न्। ।

मही सालाय नाहिया होना दावा मुना कर मुना के वा महिया क

में ब्राह्म के द्वार के द्वार के द्वार के द्वार के द्वार के व्यार के व्यार

दल दे अकॅ प्रचल है। । बेल प्रदा विषय के सह प्रचल है। । न्यर यदि कुष अळव शुव यदि वर। । वत्त वि तुण सूर न्या वि दे। । यद्य कुष द्वय वे द धेय अर्केत्। । मूद्य मेर् प्रेष में कद पर दे। । लेय रहा। यह य कुल लेपाय अहर दय पशुर है। ।यह य कुल हेर् सुह पर न्य हु। । पनुव वि पनुव क्षेंद द लेश वर्ळे न्। । यादस बेद प्युस य दे य दे। वित्र म्युट्य स ८८। अहें द्राया इस म्हिम्य सर से रेद के द দার্শ । আনম এন দার্অ শু হ অম দুন। । (জ 63 ব) সুন ম পুত ধুন तालवा विकासन् पासना है समार श्री म देशक हूव पक्ष समार न्द्र केन न्युक्ष के सक मर्नेन सर तर्नेन हैद। तन्ते सुन्य में न्द्र सेन परस पर र्म सरमा। हिन् गुरुन्। महीव मनेन्यास स सम्ब सुस नुः पर्वेष हिट बिंगल पर्वेट त बंच पश्च पर वायल था। विषय मार्य छट् न्युक त पुणु श्व य द्य यहस्य है यदय कुष दें श्वर्य भी यर 5'रे'''' चलुव मनेनाम प एतिमासन मार्थेस ८८.चि स्वा मश्चम ल प्रश्नेव.चर्मेर. सहरू.. दे द्वारा प्रमास प्राप्त में हिन । अहें द गी खुन स दे खूर व मुणु खून म दस देव केव नहुन हॅर भे पर भेका नाम केत प्रा में के विषय सर से सहर गुै'पर'गुप्य'बेर्'ग्रेय'प। रे'द्य'ह्य ग्वेग्य गु पर'ग्युअ'ध ८८्य' निता गुर लावसय उन हिन्देशा । श्रेव पर पुर पर श्रेव पर स्वाया। कन्य मरुष यत सन मरुद्र गुद्द दे। | शेरह्मिय मर्जेद दृद्द हुल मिश्रय गु।। अर मुल पर्वेद्रप्य पर्वेद्रप्रव्युव ही। । बिल पत्र देवे के वर हिंद् द्र में न्युअर्हेन्य पर अहर दे। दे वस सन हन हे रे प्लीव निनेत्र प सर कुल न्वे महेर्'गु'र्चुद्य'सु'र्बुवय सर'बुन्य स'वर्षेद बेद'। नेद नु र् प्याम्य पामाविषाविषात्वेषात्वेषा प्रति पश्चित राज्य क्षेत्र हेद ख्वा प्रति है। श्चित प्राप्त कर्षण विनायहरू निवासीय केव में माववानमा है एस मान केवा । रहिण हेद रहे दरह केंद्र ध क केंद्र हम ईंच सु के मदस दरह केंद्र स केंद्र। क्षु'मे' में ' च्र नाद्य अकॅन दन दल्ट में द्वेत क्षेत्र यस क्षेत्र अक्रय दन बित्र बेर्। ।रे र्र ब्याय सु महस्र महित्र सुर कुल मर गुव हु खुल महित् न प स्टा । दुस पर क्रनेश पर्ट क्रिंग में र पश पर्ट्र प्रतिश ह्नें स्व सेट क्रवाय पर्धियय वस पक्षेण त र्वा पढ़ के बाहुबा में अक्ष्य पत्र वी लखा . . पञ्चमल (জ 63 म) हे द्वार ह्व की व्यवस्य है दें हैंद की के कद्रद्र सहद्र यर प्रमुण्य स स्वाय स है प्रवेष पर तर्दि ला दे हर तर्व सहित है रह्म अक्षय दित बर् पर केंद्र माहित सु हित्त पत्रा अहर पिनाय है निष् रवस उर लूर तर शि च पत्रके कु है हैं हुए ४रूरे त रहूय लुब ली लिट पन है। एवनन लिप ने हैं त ई अन एर्न केल व नेन ने सूर मल है'म नाबन में ज़िन हिल बिन नम रहेल मर सम्ब है। निन्त महन म क्षय ब्रेंद सेवस मारस केर परुदा । दे दस मारस केर रम उ र्बेर प ह्या।। पढ़े प्रवर्षे पश्चम हीं पि तचीं व तर सहरी । विधि में व प्रवर्ष हैं पर द्व एक मुर ९५ँद। । इस्ति है समादी समावाय मह्द सह सुनाय है। यम्य मुल क्राय पर हे प क्रम अर बिमेश पश्चेर त बेश पश्चेश हे पश्चेत म चार्य भेर्' पर्व'र् यर्य क्य केप त्विस स वि से हि से स सहस पर प्रमा निष्युद क्षा ल श्रुव स उस सहत् हैं। । दे वस मझल स ग्रह्स से द न्यूर सत्य कुर खुर रव्य पकुर वि पर्व हूँ त अकेर हित कुर कु व कु कु व कु हुर। अञ्चल रह हम मेल हुँ व एक सहर हैं। । दे वह महत्व हो प्राह्म स बादस क्रिय पर्दे वोधेस अष्ट्रं दंश ह्री वादीश क्रिय दीट क्रिय क्रिय पा परियोध तर शहर द्वर । हे बंब पक्षण त उत्तर स्व विद्व वीच बार व की य घरू ह महेंस पर पुरा है में नहुंस पुरा पुरा हुए हिंद परि एक पुरा वस्त रहत हैंनाक सर्कार्त्व वर्ष वर्ष कुष में बिष रहें हैं। । विष के व है सब मह वर्ष खुष दुवै पर। । मान्य बेन हे देनाय कॅन्य न्यान न्यान न्यान पर पित्र। । याथ केन के प्य यान्य कुण इवस मान्य बेन् पाद प्य खुष दु बाद प्य नाम प्या उस प दीना नीय कॅन्य प्यान न्याय प्याप्त समृत् गुष्त। हाँ व पाद ने हे दस कुष अस प्याप्त पायाय गा (की 64 न) प्र- प्योप्त गाव्स बाव्स स्था।।

पाठें । पाठें वाल पाछुंदा। शुंद पार्श्वेंद्र छल द्रेल। शुंद पुरे केंच पन्द पाठें।

द्र में दे। वेष केद स सम् वासुक द्र सं वासुक द्रा । <u>१५</u> कर पर्वेद द्रम्य ग्राद्य ग्राद्य प्राप्त हिला द्रा १ हिम पर हिंग म हिंद येमय न्यार प्रमुद्द न्य क्षेत् ख्या क्षेत्र प्रमुद्द । । । त्य गुप्त प्रमुद्द क्षेत्र प्रमुद्द । न्न्य मह नमा । विन म केव मह खन्य सरम अर् किन सल के म खेना, Nब मुह्य मेर्'म्<mark>युम'र् क</mark>्षेत्र प्रमान मेह सम्प्रमान हि नेतर हे पहुंद स'स्यापमा स'दे'न्द में धेद'यर वर्नेना ।वने दे'यस्तर म दमन केद गुना | दिन दम। मान्या केद्र निहे व दे हे न व मान्या । क्षेत्र महि तस दे कर मुद्दे हैं। विषासन्य निर्देश में दे हिन्दा स्वीत निर्देश में अद्'ब्राय'गुरु दे'हर पञ्चल'य ज्राय केद'य द्र येव केंग्व गु य दयः प्रकार द्यं व प्राप्ति पर हिन्यापर मुन्द्र । निश्चिरायव दे दि का केन् पाल स्वायाम्य । वार्ष्याम्य देशाव्याप्त द्वाप्त द्वाप्त स्वर्भ कुल गुः लाम प्राप्त वित्र सर्दे 'लल' स् । वित्र' पत्र दे। । केन ले हेर न्द्रिय सर। दि दे पर्देश ह्दार्द्याम्रायाम् प्राप्त सेन् सान्युर्वा सहा म5्द'र्'मर'कर'वेर्'मदे'र्द्दश'भ्रीसम्बद्धर'य'द्देस'द्द्दर'। वर्ष् कर<sup>्</sup>र्सभामाभय ग्रुरः| मञ्जूबामा<mark>ग्रुरसामेऽपाम5्बारुपन</mark>िपते क्रामामरा

न्य यर पर्वेपश्ता । बुंब यश्वर्य पर्ट । ख.झ.ळ.रट र्डेपथ पर्ट रेतन. मनेल गुना तरे हरा हार हार लेकर राहर क्रमन गुना न है वाल म है पञ्चल प ज्ञाद्या वेद प्रिवा तर्त पर त्युर रें। | देते हेस सु अस (अ. 64प) नयां श्री न पर व स्ति व स्वाव पर विच्न न वे नम्न न निव्य केन्यों व तिहाँ । दिते हेल सुल प्राप्त म् प्राप्त म वल महार हे स मह म 용성 원 팀보 회사 등 정신,근 첫 설치 미래터 디 피트서 멋스 비료의 회사, 토미석 다기 विक है। क्राय कुष कुष गुव हु पवर में बुप पर वेद मेर रखुर री। दि हिर पश्चल त साद्य भूट खेल दे ६.वाबिल मुन बाद में ब हुट हूं ए हूं बुव . बेर रें 'बेल द पन रन द मर्गेंद सर्दा ५ में द नकेंग है द में नर्देश दे मध्य निर्माय म दे मिन्न म मान्य केर म न यस यह निर्मायर महीयय म .. भेव'हे। रेण्य गुै'स्। दे'मबीव ग्नेण्य स वै दस्य स दरा द्रा महन्यर के बुक का । बिक निष्ट्र मा क्रिन क पि हुर च दे.रेच च वि कु ब. बेटब की बंदब चर्चेट ईल इ रेट. च लंदर रेचूंटब च है। प्रमुख केद रे थ वि हा ब्रा'न्य सन् हैन स्वाय मान्य केन पयान्य केन न पन्नाय पर द्वाया महिम नहा प्रमाथ के हैन प्रमाद प लकार्य माल चारक केर्र् चुन्त्र महे ब्रुच्य नहिन हे दिकान्वन महिन र मंबिर्य तर्दा एलपाय त मंद्र निर्मे त्या में या चे प्री मंद्र ही मह ह स्थार ज्ञान्य केन् किट नि ने ज्ञान्य नावस नावन नि नि नि स्थार स्थापित स इ हिरे मर नु महीस म मारस केन कि मेर सर्न मन्दा सहन मालुर रिमेश रूट अध्व धर छ। इ ल संगय अपन ध सट धंय मुट्य में प्रवार हम हु'मर्थ मान्य केन्'हेन्'मन् हेन्। मु'र्सेश'न्न'स्य केन्'सम्य सम स्यत् माक्षक कुं हुँ प्रथा न बेर पार्य के प्रथा किया है किया क्षान्त्र वास वात्र के दिल हिं भे त सराम् निय व संस्रान्ति साहे.

मार्यम्य म न्दा माद्य केत् हुंस मार्थ ह्या सरद ह्या सर्थ ह्या स्थाय कर उव् (कें 65 व्) ८८। विस्तानहृद् ष्ट्रिंग्यर २वॅ व ८। । युद क्व बेसल न्यत मन्य मेन नासुमा । गुव मु हैं स यम सहन्य भेव। । बिय हैं निय लस केव में वस ईस सर मायल बिटा। न्म्व सक्या हीव लया। न्व नस मुत्र कुत गुै केशव है है त पढ़ीब हूंन बर बहूब टे चेशव तर बह्र तक... न्त में ब्रिंग प देश मानात मर नीश्रीत्य म श्रीत्य निव्ति मार मिले. हैं के मिल . य दत्। अपन्य त्यार वर्षात् वस्य दत्य से में य में के नाय में व मु मु के व में वस्व यस सदस कुर रवुद्राच हुन न्यार वह धेर न्य रेट घर वास्ट्र य र्टा रनिर हुन रेस हैंदि अने तर रन्तर हुट नेट क्व अकून प सु रहिने. म दम गुद्र स्वर दे द्वार मुख्य मुख्य परि धेर दुवर पुद्र हर मुख्य म द्वार र्दे देश तर जिंद्य रेट. चर्चा च स्वीय रट चक्षेत्र क्षेत्र हित्। <u>र</u>ेशः न्द्रेन सर्व दुःमान्ने त्राप्त वार्ता दुःमान्द्र म् वान् प्यथम ब्रीयाश्वाविय पर दें विष्यं हेर् हूर पर हिर सरामाह्यारायां विषय पर र्सम्स-न्मृत्रायहे न्वदः नु सर रहन् यर मुव यह धुरारम् । ५५ स । । । । । । □월C.Ę.|

दे वस केंद्र देवंद नेस रयायबंद नु युर केंद्र सदस कुस दर्भेद मक्रम यद यम पहेद प्रमुद्र प्रमुद्र दस प्रमुद्र हे मुद्र के प्रमुक्त प्रमुक्त म दब मनुद मिर मिर भी क तुम मर्थि। दे दब मुझ बेरे ऐडि़ (कें 65 म) क्ष में हैं व र मुर केर बरब मुब बर वे बहर पहुँ व पण्र प वस पहर है बारक अर्'नाबुध सब व समुद्र स वे नाक्ष स दब सह नाहेना गुद नृ हेर्द ' मुँ पर पर्चें रिट। हे दण यस केंग्स हुँर दे से सिंदे ही पेंदे स दूर स দ্দ ট অৰ কদ নল্পৰ ন গ্লান নল নিই কুদ শ্ৰীৰ নাৰ্ধি ব্ৰহ न्त से मेस गुै कें नस न्हें स पहुन्य पर सहित है। । तमार देन नम महल ५५ ठव परु'द्व है। । महें व त्युल त्युन र्युत स्पुल हुन युन्य के द मनुद्रा ।द्याद हेंव मेल राम ठव वे मादल बेद मिलेका । पार्मेद केद हेंव प १९५'दे धे सर्दा ।दे षद महर्दिल्युय इन में ब धुर'मर'मन्। ।धुर मुद्र के अब इसक गुैब अस वर्षेट् यदे 'सुद अ अपन य तनार देवा नाट 'सना मे न्यत मैस न्यत यह स न्य य उव मात्रा सेन मह हुन । समेत महें द समुख क्व'ल्युल स्वा महे चारल केन'मचुन्। नमर हैंव नेल'नम क्व'म्राटल केन' पदी इसस गुरायम् र हेट। । यद्या राष्ट्र य वे हैं व य दे हैं स दूरा दे सर मर्हे द वर्षेत्र रेच सूर विट तर ब्रिय.बाटब.घट.चंब्रिय.लेच. १ घ. हुच चुब जन ह्रेण्य धर रक्त धर प्रत हैं। ।

क्रिंट ल. स्प क्रेट, स्वांचा स्ट्रंट क्रेट क्रिंट क्र. स्टां । द्रिय चंद्यंट स. स. क्रेट क्रांचा क्रांचा क्रिंट स. स्प क्रेट क्रांचा क्रांचा

र्व व्याप्त अधिव तार अस्त ता तता अत्य मिय मि वित स्ति ता तता था र्भ । नृष्ठेव प नुग्राह्मिय पर सहत् य हे इस य ग्युस समा पर वा सर् हे कुद लया अया ठद वेपाय हेद (कें 66 द) में 'रूट। विष म दसद. लाक्ष्यायान्ता । मार्रेकार्य तत्त्रायम चुन्म न्ता । मानुल महे बेह दा महत्र्यस्या । श्विं प्य मिंद्रे विष मिन्द्र मिंद्रे विष केद्रश्यस्य इसस गुै धुराय रेंस पृ धुदाय पहुरे ह्यूराया विमान्सदास संसाम इसस मुे.हुर.वेट ब्रेचन सूर्याचे व ही हीर यां चेहे.चे प स्थान में भन अर्थन पर्ये । यर मु पर क्षेर वर्ष पर नेव यर हुँ । यवव वर मूर्य वर हैर नेमम रव हीत परि हीं दाय है इकाय प्रवेतमा है ज्ञ में बद पर बुकापरे बर्दे 'लब.वेट क्व. अवधार्तार देशव ग्री.श्र.वर त चर्चेर.वे. चेबंटब त. देशवा. है। अवसावक्षेत्रय वे चत्य प्रता वसवायात्या ह्या व्या महे मन्न न मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ म न्दा हैवासामबी न्दा केन्य नहेय न्दा मुद्द मुन्य स महुव न्दा **बि'झेन्'न**हेस'न्र'। न्तुरस'ह्यस्य'न्हेसा कॅस'ग्री'स**ॅ्नबे'**'न्र'। वर्षेत् स मुहेन तृत्। व्यवश्या अवश्य व से बत् या देवस तृत्। मृद्दा फता लकालन्कामार्वेम केट अवर ब्रेकामर बहरार्ने। ।

द्रा द्वरावर्षेत्रयावर्षेत्रयावर्षेत्रयावर्षेत्रयावर्षेत्रयावर्षे विष्यावर्षेत्रयावर्षे विष्यावर्षेत्रयावर्षे व सक्ष्याद्राच्या विष्याक्ष्याच्या द्वर्षित्रयावर्षेत्रयावर्येत्रययः ति दि की की एक टें हुं हैं र चांचेनाब त संतन देट घुड़ ए जील घड़ां। बित्तव तर टेते. ब त कून तर्नम की मुंद दें में ये नामल ए। । हूं र त छेटे हूं ने तहीं र त छेट रंग हुर ह जिस जु (कू 66 त) की मकूर दें म की कू से नाम प्राप्त चुड़ किट तर कुन ह तम जु (कू 66 त) की मकूर दें म की कुन से नाम चुड़ किट तर कुन हुत न तर्ना र मा मुकूर त से त मकू म ट्रंग बीन त चुड़े म ज्ञार ते तष्ट से तम खेर तमने हुं हुं ने की मकू म ट्रंग बीन त चुड़े म ज्ञार ते तष्ट से तम खेर तमने हुं हुं देन की क्ष हम हें र टिवर ..

## 

अपन्य माहित या दे प्राप्त क्षेत्र मानिम्ब सारहर कु यह हिलायन्त्रा स महिता वर्षेत्र सङ्का कुल यन्त्री।

ब्रैर पर्। । स्ट्रीट पर स्वाय च्रिय मुख्य प्रति नियं के ब्रिय प्रस्ति प्रवय मुख्य सक्ष्य स्वाय के स्वयं स्

म्हेश साथ मासुका क्षेम नकद हद विष पुरुद्द सा क्षेम सके देव स स्वक्षण पुरुद्देव सा मानद क्षमक है हे क्षेम सके क्षण सक स्युद्ध सके।

भह्दी । चर्ट ए मुं मुंब तब अटच केल एट्टी । दे अ के बूब त क्षे क्षे क्षे श्रु मुंब तब अब कुर तृत हुंब ज हूर नेटब टी। । तबि नेब त त तमें कुब अक्षे ट्रिए मैं तम्नित्व हो। ट्रिय हेंब नेब व प्रिट्य अहट त टेट तू है। वे बूब त ईअब निव्य मुट नेबिल में व नेब प्रिट्य अहट त न्सम कुन जूट ने श्रूम म.कंट सिट्स प्रति प्रति है व्यव प्रति वर्ष बद्ध कुष झर कुलाल कैन्ब चर्द न्वेन नेब ब्न चर्द घर व कर् रु ''' पर्हें प्रस प्रस्ति प प्रमु है केंग्र त्रुस्ता दे वस प्रस्त प तिहे सिंदस कुल देन खुन्य पहुँद पणुर प व्यद कर ल प्रस्ता र न्य पहुँ में परिण है . प्रमुख केव प्रकुर सक्द र्योते कु प्रमुप्त व्य रगर स्व में ग्वय सु स्र स न्स म मृन न्यर धरामु लहुत्स भेट। दे(क 67 द) दस न्यत स्व चै नावक वक वस्ता संगाय अहर स मह नाहित सहय स है। रेटर श्रेर स स ल त मुल सु र्व गुत कु रुष ग्रम केर वास्त्र पुत्र केवल हिन्य पुर हैन्य सम के व मिरे है व उस मेव हैद। दे व म ई हे रे मादव सम बुन्स म हुव कित् क् क्रि हो में रहेट म गुद ख्द क्षेद ला धुट हम गु नैट दूट नु क्षेत्र ल महुन न्स्ट छे म सन म महुन महुला हुन में नहन हे मि न महेन पढ़ी के हम समय पढ़ देना है नय पर जिस निया है र सहर है स प हा हैं या हा है या ... यदे यर समायदे सर्राष्ट्रेद यर सहर् हैद । वर् य रूट में भे प ने ब पत बदब कुबाप द्दा दे हैं द 5 रेट बसर हेब दर स्म हिंद अब तहेन हेन पर नलस महन में अन दम हादस हे हैं दे हैं सब तहन सन ' कर ल वर्ने न कन्य निम्म विष्य विषय कन्य मुल हिंद र्येन विषय कुर केद 44.455 51 1

भ्रतीय संसंबंध कृता। कृत्रासिक्ष स्टारम् असस द्वास्त स्टारम् स्टारम्स्यम् स्टारम् स्ट

इंबब य प्रविष्यात्राहे। हिं हुति ही ८ ८६ हे ५.२ यह या कुष हे केंब के लिंदराया तथन ग्रेथ. के प्रतिय प्रत्य थी तश्चर हो । बुब तथ हो । बिब दें. तश्चेश. पः प्यान केपः कृत राया । प्याद याते हेन स्नातः सुराया सुराया स्वातः स्वातः सुराया ग्युट्या । ग्वि दु नुः देव परे न्द्र न्यं न्यं न्यं न्यं द्वा व प्रमाय प्रमाय न्यं बेद्रायदे में ह दुः अहेद्रायर हेन्यायर यह य क्षय वेद्राय प्रेद्राहे। प्रयास्य बहल पर बर्दर। हिंद स्ट्रसंपरि पुन पश्चल प (कें 67 प) रूपण हु बेर् परे में द रें य ह तहे न हे द विस्थान में हैं हैं ये हैं द की बेदान हैन ह कुराध देर दे चलेव नानेनास ध द्वह घँदे हैंना देश पुःचर सहस कुस दस बेबब ठव कुँ देव बहर् दे छ दव शब बर्ब वहा का अर पद दे देंग हु बदबा मुब परे द्वा पववा मुका के प्राचा प्राची य प्राची य पर् ५ ५६ लट र र हो दे ने अवल ५६ में मही द व व व व व व हो। व व व व व व व परि हिलाति मा मार्से परारी अहरे में हैन पर्या रेता रेता हैन हैं वत्य अपन है। विशव रुद स्ट्रां है है व सर्द हैर। वि पा स्व पक्र कुलाम हेन्। । सन्याकुष हेन्'नु'मध्य युर'युन्। । न नुन लन्'वे बहेव मा हिंद्। । यदयः कुषः वद सं हिंद् । यदः वहद्। । देवः दृष्ः । स्तुः दृष्ट सः लबा द्रवायाणी सार द्राप्यमालास है। स विवादिवास है र अराधि व्राप्त है र अराधि विवास है.सहव तर हवाय तर सटय क्वेब. स. खेब. रेट. । केंट. ट्रेडेट चर्डेब त. पर्व रिवं रिट्या पश्चिता प्रवासीय की वासी प्राप्त स्वास तर.बटस.चैब वंब.पै.बेध रुवाय.बे.बेधे.ट.हूं वं तर.बहर्ट.ट्री बिंब ख्रवांब. प्रमुद्ध । प्रदास क्रम् क्रुंतरम् क्रियाम् विष्यानराम् विषयः विषयः । विश्वकायरः न्नाय मुख्यावर्षेन् श्रेन् सबराया । हिना बेदा हिन बेटा न्यटा हेन् हेरा हैटा क्किया प्रिट्यासिराएकट क्रियासियातय ट्रेंच अहटा वर्तेची प्रिप सेम कुराता **록**저자 큅'영미지 정'피드지 러드'두드'친' X미지 여러'두드'퉡드 여러'르지'이럴**두'죠''** 

मदी मर्गेद्रा मृहेश्यायरास द्रामें व्यामपुर्वायरे मर्गेद्रा मृह्यायरे । मृह्यायरे भ्रम्पत्र सु 'न्न्' म त्र मासुक्ष प्रमुं न द्वा श्रेन् म व का म म ते भ्रम्पत्र सु हिन् के द् नु '' व्याप प्रदेशमुल पार्वस्य स्यार्थिन बेराकेव येथे न्यान प्रमुरार्वेन केन हैं " 로 명 : 당치 하다 로 나이트 속 퀄셔 링 전드자 휠드 톤데지 다양 쥐도(해 68 4) 지드자. कु'महे द्वा पहन हे हलूं पह द्व बहरायर पढ़ेर प बहुद पर हिंद .. इ.। । ह्य भुरे. टे एक ट. मैं चह क्षाल च खेर त मे हे ख हो। वि. हम ह्या. भव मुन्य मिन्यति दि पुरस्य मुल मिर् हेस य न्दर न्य मिर्ट मिर्म में भव.रे ७०८ में. पर क्षा पक्षेत्र तर पढ़िर है। जह यर में नेपेश त पशा न्दर्भते देश देश देश हिल्म मन। । जट नेना बटवा केव हेरा बटवा केवा । व्रियामा महन रहेर बटव कुर्या । देयः न्द्रा पर्दे परि विस्त न्दः वृत्त्व सेन्द्रः नर अटब कु.की । विविध्य ग्रीनियय ग्रीरूच कुर टी (४८ूट कर्वाय राज हिट. नेर अटब की बिब पर लिट में हैित निवास मानि हैं ल पर बहर में। **श्चनः न्यं र**ाम्यान्य वर्षा प्रायः स्व हुन्यं प्राप्त यः हे द्रुन्यं प्राप्त व न्मायुन्याक्त केटा । न्नित स्वाक्ते में दे महत केट केट मार्म RB पर्नाभशक्तामुलामु अ गुद इदारे दे कुला मुराहेन । देव हुना मार्गरा पर यत्व कुषाद्वाप्ताद्व प्रभे प प्रदेव पर वायुप्य पर मे अर्थ । हे सिंद में पड़ेश वेद दवा मंडिम १८८ है अदि के रिखुल ववत प्रवास समा बद्धाः सहर् प्राते पुरुष्टे । विवाद देवा सुद्धा में दा सह दे वा वह द स्या लक्ष'क्ष र र विवाद महिर्दिन केद'ल देव तहेद केट विवा वर दे हिर्मि दर सदम् कुषामरामद्भेत् सत्राष्ट्रा ।

न्त्र मा स्वाप्त मा स्वाप्त मा स्वाप्त मान्य वित्य स्वाप्त मान्य मान्य

क्षिट तर. टे. अर्थ दू। ।

क्षाट अ. भीर अटल की श तपु. पूजा प्रेय तर प्रमेट त जूबाय युवा, कुर जी, ट्रेट ...

क्षाट अ. भीर अटल की श तपु. पूजा पर्नेय तर प्रमेट त जूबाय युवा, कुर जी, ट्रेट ...

कुर जी कुर की राट प्रमेट जूज राज पर प्रमेट त जूबाय युवा, कुर जी, ट्रेट ...

कुर पा बीर तपु बू. रंथ चीट य अर. प्रमेट वा बाय के. बीर. रंथा अप प्रमान की या प्रमुट.

कुर पा बीर तपु बू. रंथा चीट य अर. प्रमेश प्रमान युवा प्रमुट. विचाय प्रमान विचाय कुर प्रमान विचाय प्रमान विचाय कुर विचाय कुर प्रमान विचाय कुर विचाय कुर प्रमान विचाय कुर प्रमान विचाय कुर विचाय विचाय कुर विचाय कुर प्रमान विचाय कुर विचाय कुर प्रमान विचाय कुर व

लिस प्रचान्त्रवे नार्चेचान पराणा । मिलामसार्याय प्रमुद्धान स्वास्त्रामः चित्र प्रचान्त्रवे नार्चेच प्रचेश महिद्दानात् हो। । छे नेसासुः रटा। श्रियार्यार् नियात्मेल मेरेन समेल ग्रेस वर्ष महत् व द्रार के ह्र है. रहे बंदु ध्यांब. 2. देवार श्रेय सहरे. तादु क्र सरका बैद वश्य ग्रेप चर्चात. तथा के नेंच गुं खिल देना केंद दु घुँद घटा सदस कुल द्वाल गुंचा दवार वासुर हे " बादम केय.वंदा अर देव हुँव है. जिय त बिताय वंदा हैं। सेर एक्ट के क्ष मञ्जू पर मन्द प द्र बहुद परः मृद्दार ले हिन्द ले हिन्द के के सबत्ता प्रोक रूर के लगेल हेता किना मलेत मा ने सर सर सरस मुक्ष क्षेत्र बंचक मुँ ब्रिय यह द्वेण हे लाका है हुर मृंगु ख्या पक्षा । मुम्य केन पासुक नु केनाय स्थापय गुम् । । १२ म्व व म्वाय दे रहमा । ह अन्य अपने हेन यह व नवसा । ने के सिन्य महुदे महे निन्न ग्रैया । वल हैं हैं , कर है, न्यू ने हैं। विश्व शंपह रहित्य हैर देश रेन नर्छ। विव म्बल में हे अर. रच च हे व च व विश्व हेर. रें व व के च. हेरा दे. हेर. पश्चित्र प्रतर्थ र त्रा । सर् हम मेन हे मद र्म हमना । र में प रर्ष घर प्र घर भेरा । चिर हिय हैर घर चलुन्य दय गुर। । । निस् क्रव पर्न इसमारप पर्वमञ्जी । नेसमा वर्गावुरा पर पुर्दे प्रा । क्रमा गुन्दिरास्याम्बराम्द्रा विवाद्या व्यापना वात्युरामु कुराञ्च वर्षुल वाकासवा गुट्रा र्द्रामुद्रार्गत्रसुद्र सुव ठद ला । धुन्यायहरी कुलाम ह्वेद्रावेद्र 5। रिन्य सब बिटबार्ड्डिन देव के देन। विन्तर्द विन्दान विन्तर्द विन्तर्द विन्तर्द विन्तर्द विन्तर्द विन्तर्द वि है हैं व परे दिया पुर बना दिल परे मार पह दाय केवा दि पढ़ित दें चल्चि मिने मार्था । विव मुख्य स्था ।

अथय पश्चिट्रयंत्र वीट्य.अट्र.प्रिंश.ट्रे.कूपंत्र.पथ्यंत्र.हे पथ्यत्यंत्र.हे पथ्यत्यंत्र.हे पथ्यत्यंत्र. पक्षेट्री |प्राप्तिःभृष्टःहे.कुपं प्रश्चित ट्यूपं वीवं.ट्यंत.हेट्र.प्रथा केप्त.पथ्यः वीट्य अट.र्जूपंर्यात्यस्य.वीय.हे। श्चिटःय्यात्र.प्रयात्र.हेद्राचरः पश्चित्र पा वीवं.हेट ज्ञेट्र.पा.य.यर.वील.इथयःपथा ।ट्यंट क्रूपः मिरासहर् हिटासहर्या मु स्वाय है स्वाय में स्वाय है स्वाय में स्वय मे

दे। । १ व म्राच्या प्राप्त मा बेस न् । मुन मबन त्या म्राच्या म्राच्या मुन मुन मुन मुन म्याप्त म्राच्या म्राच्य

चल्नी माने। देना केवाल यद द्वाहनाकारेना नामद हेन । तहना हेवा हुन हु जिस्स मुक्ष न्या यह प्राप्त प्रमुन । प्रतिम मुक्त स्वा के व हे स चीत तरु श्रिम्द्रियं अटस मैस्यान्यर प्रश्नाम्य स्त्रियं रहील लका द्वामी ह्वाम क्षेत्रक्ष मी प्रीत्म हे सत्य मुख प्रवृत्व प्रवृत्व विता देव में दाव प्रविदायि केराया । हुन्या गुर्दिमा केदाद्वित्याद्दा का नेया न्वेर अन् के म्वास सुमावाय व्यापित मे न्वे प्रस्ति मा मुम्स पा है । मृत्या श्चित्र हिन्या भीत्र पावे वा त्र हुन्यान्ति विदायम्बद्धान्याति ध्रीतान्त्री । दिन्यानि दिन्यानि स्तानि । नव्यासन्तर्भव द्वास्त्राचित्र हेन्यां न्याद्वारा देवा प्रत्या निवास निवा मु केंबा हुदि चलुनाबानाव वा भेदा हिन्दि में नादा रेना मानावदा बेदा मदि में सा रा । नावद्यत्रित्नाक्षेत्रखुकाग्रीकान्तरही नवद्यास्ति प्रविनव नवस्य विव्'वैह्रा मृद्यागु विद्'न्द्रम् द्'न्व् मृद्रम् विद्'विद्'वि । हेन्यायदे ह्रमाश्चर प्रयान्दर्याचयाह्नमा भेर ग्रीमिल्पायय विदायश्चरायाही

मित दें निहें की द्रीयातम्द्रकी महत्त्व नद्र केंद्र हिंदा ल्डन मेर की हैन म देर मृद व न्दर हैन मारे हैर है। स्टिन हैन न्दर ी ह्रा श्रद सहर र ह्रा की के सिंह रूट हैं। अर्थाय स देसवा की विवार महरू क्षेत्र सम्बद्ध विकार है। स्वाद देवे मूर व माजव केर सह . बेन्दा विकासन र प्लब्द प्रा (ल. 70 म) स्पर्न देव द्र न्द श्रूद हुन है पर्नेदा । न्द पढ़ि हुए म्दल मुदद देर हेन केद देशका। त्र निशुस देन दु हाँ ह के न्य र प्रस्य पदेन। । सन् पन्न य नेतर पस् न र्म केंद्र रेम्ब म्युक पुरम् है। अवत प्युक ब्रुम्ब क म्य पुरस् मद्भा मु केद केद श्रुव ए बकर कद दद दय पति है में बदब कुन है व बबर बुन बंध नक्र ने.रंभ न है लट.रंब हूर की प्रांश द देव नेप्रा ।क्र सेप्र नेविटन पन के मेंब.कुर्व हार क्षेट घर रट विट घ.धूर की विषेत पन किट .. नदः नार्वे तिष्ट नु सूद व के वेश हिते देवाल स हित ग्रीत ग्रुवा केटा नुस श्रमक क्द ट्रिल्ब्रिस्ट्रिस् क्षेत्र देनायास्य स्व स्ति द्याला त्रिस् ये क्षेत्राया वया वापते न्मुंत्व गु अधरात्रक्षात्र प्रतास्त्र प वे हिना नेव केवाया सुन य पर्नेर्पा बेब मुर्हा । बर्नुल मुलाल ब्युकाय इक्ष ग्रे में वर्नु म्युक व में व केवर विस ते पड़ियंश त स्वाय, इवाय है हु ब्रिट. दें स्ट च हु रट च बुद खिल श्रीह ब्रिट. में हिन् भेद 'द्र । तर्देश अरि द्द 'ट् 'भे' अहे द 'श स्निश प र में 'पा से सल उद मु ब्रिट च ८८.अब्रेब.तपु पोरंख ग्रे.अक्ट्रच ४८ ४८.ची ४६वा हेब हुए.पांडीवाय . मु नियम प्रमा गाउव क्षेत्रपार गाउट व द्रम मु से सह गावम मु ह्मा केद्रा । रनामामि प्रस्य में स क्षेत्र मा प्रायाहित ही पर प्रवित सम मुपायहै। नर्या नल्ल लक्षान्ताल स्वायायाच्यां पह मे स्वार्थ प्रमाया प्रमुद्राय प्रमुद्राय है मदरान्वय गुर्मा केद सम्यासु मान्य या है। इर अपाहिय केय ह्या है। स्टब सुदे बेटा। हे स्वाप्तिय दे ह्या सुदे नदवा है सु प्रस्का में बेटा हु गुद

अहित हिंद रव रव अव वास् वंच वाले दें। वाला पर दर्श वाहर विद् अवाक समेर किय अस्। । दि द्वा शव विद्य अस् ह्वा हु है ही सद्य स মুখ 🖟 সাদ্ধ ল ছপাল টুলা 🕇 🕳 বাহ বাহি লাগ লাগ লাগ লাগ লাগ নাগ 유미 드드 독대대(회 71 목) ろ다 모드 등 절대 다도 모든 마드 모든 다 된 등이 이 राह्म है ने बधक बर्न अधिव न श्रीय नह असीन देखा है ने श्रव नामी व यम् न पह बुद्र त्यत् हेय अधुन य य पकुन नम् त है - य द ।। हा वन महीत्य पर द्राम्यय य मह प न स ह्या न न न में न म न न न न न न न निश्च श्राम्य केश विविध केट प है दिस्य प्रमान अ ही व में अंश स्रा ने महुरू स रैक सर यह नव सामा । इस में निर्मा उन न स्था न चर श्वर व उट ह। । दे.ल घटक भेष बुद्दा नमन बुद्ध विद्या विनेतिक पत्र पश्चिमक पिशक हार्य स्ट्रिय प्रवास माद्र अर्थ पूर्व के प्रवास प्रवास यर सद वन् यादे हुते द्वाद धुन केद मेरे न्दस दे सेद ला दे र तकता मु द्वा चन्द्र स त्रेत्र व्याद्य मु तकत मु द्वा व वे दे। वाक्रम मे ह्युल मिं में देव दिव दिन कि द ता वित में दें दे पिट खें में ब में में में प्र के में में में में में में में में में न्द हुँद मुख्यानु महन्य पडु मिहेष हुँव पा दे नेस हुवापि पद लग हेना र्मा ।दे भू सुरे रिना के द देवदा सुदा के बन क्षा क्षा क्षा हुदा प्राप्त है न क्षा प्राप्त । स र्वापित स सम्बद्ध परिषयन्त्राम इस्त कुर्युद स्त मे र्वे प्रते सब """ ग्रेन्न'पञ्चेत्रन्ताक्षेत्र'प्रस्कु किं देश्यापान्त । क्रिंगपार हूट सहि ग्रेन पदिव है। दिवारिकर पदा विदार अधि विवयः स्वाय पर पर्वे अरस्विः न्दः वेन् द्रमः पर प्रविन्यापा १३ व वित्र न्या वित्र न् न्वसः क्षेत् सरः म्युत्यास वे १९व र्षेत्रः ग्रे न्यू द्वारायान्य म्युत्यास म्यूर् स्विश्व पर एक्ट की पह पढ़िर प क्षर्र में भी भी पत्र प क्षेत्र पह ए में पर प्राप्त में के प्राप्त प क्षेत्र पर एक्ट की पह पढ़िर प क्षर्य पर पढ़िर में भी भी प्राप्त प क्षेत्र प्राप्त में के क्षेत्र प्राप्त में क्षेत्र प्राप्त में के क्षेत्र में क्षेत्र में के क्षेत्र में क्षेत्र में के क्षेत्र में के क्षेत्र में के क्षेत्र में के क्षेत्

## 3. ଞୁନ୍ଦ'ମନ୍ତି, ଖୁନ୍ଧ'ଣ୍ଡିକ'ନ୍ଦ୍ରିକ'ନ୍ତିକ'ନ୍ତିକ'ନ୍ତିକ'ନ୍ତିକ'ନ୍ତିକ'ନ୍ତି

के.कट्-मे, देश्-टीं-टत्रं सूच टूर् टे.श्र्यः तर्! । तपुः क्षाः श्रीट्र तप्ते त्तां अह्टे. तात्त्रः तप्रेश्च ने. चंचाः देवां त अह्टे. त्यां देशः त्रीं प्रस्ति तप्त्रं से देश्चाः विष्यः । अह्टे

मुदि हम पर रेल प गर्ल पु बुद मेंट रु झूट प लब पहमब हे महर पर । ह्य तर है में विद्र बेल नाम्स नु होर यह नाबीर मुर य में व यहा सर् हे देव में के इवल पल रायनांच में ५ गुँ किएस पाइवल गुँच नाई के छ ५० । । पर्वेख हे अहर तपु ⊈अ चिट्य पक्की ६८ पर्वट.त ७ धूचेय त रेट । ঘূৰ भ्रम अ प्रव.त द्वेच त कुबे मू रेन क्वेचे की क्षेत्र जब एवीं स्पर्म। न्यन ने रैनाब प्यानेंव वेंच नु लहेन पर देंब य बन्ब कन्(क 72 व) बेन् मल अप्त महिम मु 'यान्य कुष गु अहर म तरे कि दरें देव म केंद्र मार्केर ''' तर भुर्य मिर। द्रीम स के किर. मी मिरिल में खेर भूर ल स्रिय ये सीमाथ स वै अकेंगि मी अहर पा पा कु पा हैसा देशा हैशा है तह कुर हा अयथा धुपाला हे कि द्राय लहन हे व अधिवा । लहन हे व ' गुव' ल न वे न व व वे। किंस ग्री' भी पाय था बालूब तारा । शिषा, तापुरत पाषु व श्रे क्रुब्ब के क्रुब्ब के क्रुब्ब । भी पा अरूब तर है पर्टा रिवार हिंद बादय देव रहे. पर्टा विश्वय ही पहिंच न्द मह्मक्षय मान्दा । मार्च विष्युव स सम्बन्धान्दा । मार्च व अति हैर. त्र. बांचे वाया निर्देश है यह सर्ट हूं वाया पर है। । चेर छ या क्रुय ग्री प्रिराम्। विशाद सर्य धर म्मीन्य सहर दस्य। मिर्य खु'स'न्न'देन'इसमाखा । शेन् य हे शेन् न्वस यर हुँदा । देस न्युटस य Q 조'폭니 |

बैद् दे ट्याट, र्लंब की वाबंध की सेह्र, से. ट्या ता हे या, ट्यार, त्र खुस से. ता. है ता. त्र क्ष प्रत्य की वाबंध की सेह्र, सें स्वर, त्र व्याप्त की ट्या, की ट्या, त्र की त्र प्रत्य की प

स्र स स नाय थे पांतु क्र्य पश्च किं में सेंट में में में प्र में प्र में प्र में में प्र में प्र में में प्र में प्र

क्षेत्र सम्बन्धानका श्रद्धा हेर में के स्पादर महिन दि हैंस वुष पुर वृष् बुँट-बिटस यह व्रू वृष्य २२-विवृष वर व्रुवन यु रह्त वु ' -निम् स पहेनाय सराप्तेय पात दुन् स्त धर्म द्व स व पत्र रम प्रकल न श्रीत श्र गुटानिय पर्वन्य हे श्रूटान्युड है जेर द्र र पहुट ठटर ५ हे व प्रथ स्था म महेश बंध भे जिर महेश मर अहर. दी ं हे भ महिल्ल म महि. वे। ब्रीम नम नुस्तरम असरम देनात हे नीम नुईर मा सुर भा मुझेन्स न है है। कैंध द्रेशय रेटा। अंध टेर्डिंश रेटा। कु ट्रांचके (कू 13 र ) नहुर ट्या विकेषु रचेय पर्वेटा वेट वेच. युवल ८८८ व प पर्वेट हेथला. ने पहर्यातर वेश्वापंद क्षेत्र है. ले जार्य हेन्य म लेट घट शरूव पर्वेट वेश . . नेबिट्यानुष्टा क्रैनिय श्र. ह है। ठूटर । टिंबरेट । है. च.रंट । अध्य व्य प्रा १ व अरव महा नियम हरे है प्र अपर हत है की है प्र अस चह. विवय केर तर होरी अवस वर्ष ही है वस समा विवय केर तर हेर. हरा। नव्दायराद्दाकेदायादरा हूंनसर्दरा ह्वादरा महद्रात्त्रा ५८ । प्रमान मान्य अवस्थान वेत् पर्वा ।

अह्ट हूं। । अहट हूं। । अहट हूं। । अहट हूं। । अहट हूं। ।

ता. खु य त्र प्र (क्र. 14 त) अक्टर ट्री ।

ता. खु य त्र (क्र. 14 त) अक्टर ट्री ।

ता. खु य त्र (क्र. 14 त) अक्टर ट्री ।

वा. खु य त्र वा व्याप विकास विकास

मन्व मावी शेन हेरे श्रुंसल एहन सद्दालहन क्रिया हिनाला ।स है में श्रील ग्रेट में हैन नेय रेगल में श्रीता । विट क्या अध्य रंगल विस दयः [현화'러드 디지 지다 듯' 말도 다리 론자'정 떠드자 다 주지 듯 찌쉬찌자 캬 짧' 좋다 '''' न्यां मु स र र र र र र कुल में र मिन रू र र य हे र मु स र रू र मिहेस श्रम नस्क मिहत की मिद्रस्य दम दें द है दे दे 'दम में हें मुस दि स्वरः" व्रम हिल्दा बेदाया द्वार केदा बेद बेद बेद केद केद केद हैं है दे केंद्र केद केद केद हैं है है केदि हैं केद र र तहना अवर खुन म केनान हरा नुसासरेन मर सहर गुर वन मरस हर "" विव दत यक्त यह यसम नहव हुंसम तहन हैत हे तहें व क्स सुव द्युत" बुट, देश भ चूल घर घर्डे व त टेट । जिस कु. केंद्र जिट. घर्डे व इट. जूचे घड़. महार बुग्य क्व इवय गुट त्रुव हैट देय के जैंस पर प्रमुव प ता स्वास था। द्या रा श्राम हे पर बाह्यांश वंशा हि.शिट हे रहें वंद्र ह्यांश की. स टिंग. ह श्रीताश्च गुर पहिष वीयात्रत्या के नीम वी तहा वयात्र महिषा । हैल त्यु नाहिता इसम हेद'रेर वास्ता म न्र ह देग्त वाहिता गुर के वास्ताम त . अवाकायते द्रापत च ब्रुट् हेट। अव ह्या मी द्रापत श्रुटा स है ह में केट सक हिन म नेय मिट किट किटा हिन्य धर है नेयायर च सेने मिर किर किर म्बर रनाम या नामित्र प्रमाण मुद्दी । मुद्दि सहेरा पर सक्त पुरु प्रमाण प्रमाण ।

ममुन्य दे। र दुन न्यंत दल सहद न्ये रन्तु तयर। । हु मे इव मध्याय प्रत किम हिन मन मनेनाया । ने वय प्रमान मिन ही में स समा क्रियानिय सुर सर सहर्'या यहिय मेट मेंद से द्वार मेंद सरे यु से येन्य " श्चेष अभाष स्वर सद प्रस्त या पार्वेद या सूर मी दि सामद पर्व मु है है ए एर मुस महि हे बुन ह्या हिंद. है उद निश्चल स वन मु निकेर मु सर्नेन नद। रिर्वेश नाद व रांग्य सक्त द्ये इसिय रया हु न्याव दिद रेंद् दु रयर यर ' मुर हैट।(ले 75 व) हु लक्ष्ट पण नेब लब हु पश्चरम हे झेव में भेर. पर्वेषय वेश। श पर्वेर विषय रेट रेचट च्रु भक्टर क्ट्र पटी | बुब स.स. ब्राबि तरु कि पर् ६ परुष वीय पीर किप श्रेट प्र वोनेपाय स द। वि माहि वस्यार्ग तिमरामते क्रून महीव। मूरामासुस मी मन्या में कर्य म नम्म हुन कुरारहेन हेन रहे प्रात्ति मा केन मंत्र गुन नस महन मारा "" स्वेष पा.ते.स्थल ८८ व्रियेश पर्दंदुः वेट. क्षेत्र स्थल राप्त स्थल ग्रेश द्वेयेथ ... पहिते सम्म कुषानी दिन सम्मिर रमा रमाने केन्स पहिल में हैं पन कर्" " बेद महि'माँ वस ममुदा बदब मुख मु बेद खबब ठद सुद्दि मेर र्यान न अर्पय रहाल याल ब्रायाय रहा य द्वाय रखन्य रहान्य रहा हि । हि वन म वि.म क मध्यातम् नवस्य भूम मुख्यातम् मु खुर म। सम्य कुर तिहेन हेन'न मुन महि के केना रूप मानेतर केना में बेर बर म कर्षेता हू भए विद्रभव श्रेय तर ह्रीयंश भूट भांतर जात्र वे तहीं रा हैं न गुैस गुद: नुस न्सुस ग्रु सदस कुस ग्रु दिद: फॅन् ने र् ह न में ग्रु द हुव: हैद : मिरे कु न नि म दे हैं म दवराने हैं नि मुद्र प्रमान महिन दे हैं में क्सल वटानु प्रमुद्द व्य पहिट यह हिट नु हैं से मागूट परल व्य ब्राप्तर " रु निवेगका भुद्र घर घषर। इद ए अर्द रु पद्न देव पद्विग्य हा।

न्ण्य दे। नेद तृ के मचन मार्थद ठव मनुन् गु हो। । १५ व सन्स र्द महत्र मुक्त परि अधु विश्र महत्र। । दे द्र मनुद्र एक कुल म द्र मनुन रेल की स्रे स नवे हैं ठव क्षल क्षेत्रपर सहन मरे हान न क्षेत्र " " सक्स वस दें वेर हैं स है मर्न ग्री नवस नामस मेर महार मना हैन ठव रत हैं ५ गुँच है देव के पानर प कहेंद प श्रेंपल रहिनाय सुन हित्य 😗 निद ने व हु के पवर परि के कल के ले है। दिया कर पकुर हु है विर एक मिट यह रिसेट में क्रियाय रेब त द्रम मुन्न हैर प्रमाय तर बेंस तह, यम्रिति (क 75 日) ८६ नम स उट घरटा। हिंद नासुक गुव वस नामव ठव दे ८५. चे न स्न पन् देशव ग्रन हिंद हैन मुं हिनक में अर्थेंद करें कर सन हैन "" मिन्न परि न्त्रम्य श्रुव पया ने न्य श्रव उन् प्रम हिन हैन में अहें य परे सकें र है व के मर्ने द म क म द कि द वस सह र न म है। पर्के द वस म है दश मुैल वर ता श्रे द्वा सक प्लेटक से चेशूज प दी। पश्चेल प देवचे पे अरे. यर केंग्र महिन पञ्चयन मेट अवर वि पार प्राप्त में बहे हैं हैं रहिन पर गुद्ध ६५५ नाम सुन प्रमुख्य पर पहला गुद्ध मुन्य नाम पर स नुन हे "" न्यं व व मन् ग्रै है रव्यं र महत्व म इवव कर महत्र है । ने र्न लक्ष द्वा के 'श्चेत' पर हिरे पुंक द 'केद' पर द्वा वी के व के दिल पर द्वा पर पर्व का ब्रे'पुर छव पु'श्चेब'यर यहर् य संग्रायायर्रराव पुत्रस यह प्रेर हे रहित हिं। वस मनुन् ग्री नुस्रम् से रह्मन्यासम् महिना ग्रीन हम ग्री हैन मेर महानय महि वसः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वर्षः ।

पञ्चा वै। पत्रवानाहत प्रेच पत्रि प्रेच रहेश रहेश रेव वहें निया के प्रेच पर स्वाया प्रेच पत्रि प्रेच रहेश रेव सहस्य प्रेच पत्रेच प्रेच प्र

स्र-देशकीयार्ष्ट्रभयात्र-विवाया हिंद श्वित ख्वाय सहय तर चेय तर पहेव न नहीं 'न्ना हैन रहेला सन्यार हिन सन्य हैन ने रुभ न सन्य नर म्बिन्य देश। देश में के झेंद्र श्रु रेट्य एकर में हे हैंद पर देश श्रु श्रेय पुरे B. अष्ट्रची च जू ब्रैर. च ध व. ब्रट. च ट्रेय ठलवाय चष्ट्र छ सेव में ड्रेंचय चड़ीर मल मेल तर.वे.च रेट अरूरे टे.वे च बेट.इएट वेट । टे बाबब कर अथव गुै अप विशेष पट स्वायि सेव राम गुैक रेवा मासुक विष हैट। ह्या ने.स.बुट स तथर ट्र.ड्र.से.विधारेट इ.पहर्य क्रेय तर्थ प्याप्ट्य गीय की. न्धैत्य सु हा व अदे पा अदः द्वाप्य स्वाय परि चुद कृष मु सद्द (का 76 व) पर ह्रेनवारायत्व क्यात्रा । देह बेच श्र व्रिवरायनवारहव श्रावारा ब्रमः म्रान्व प्रदेव प्रा मर्न् है व्यय ग्री सु गुव प्नर में रूप प्रवाद से मेर ह्म म झु मुख्य भुष्य भेद हैं। दि वस दे प्य बिव मसेनाल य सेट हु स्य पर्वः श्चिर्ने द्वायापर य रवन्यायाहे। सिस में कुद दे कर में देवान या सम्बन्ध यस केन नु पहेंन यर अहन। केंद्र मासुक तनेतर इसाय नुम नु मापेल नेदर ब्रुं नियः पद्धरे ८९६ पा इयव ग्रैय थेनाय सं नियुष्य वय के याग्री प्नार पा पा मन्ना इंट न्युव में हर क्या गुरा मकेंद्र हैं देखन पहुंद है किल मैंट अ.पंभीयं तर.वेट कवा,मैं, भेटाल ची चंत्र वं य प्रथा ची वे वे वं प्रथा न्चेस मर सहिन। पर्व सन न्हेंस पर हिंद न्युया कि रेट र् तकन । तर्व स्व वर्षेत्र तर. वेट केत के केट स.ज श्रेव श्र प्रदेश तर बाग्नवीया पर्व स्वा पिति पर स्र वि प्री की अर्थ है पर पर तकन । पर्व स्रमास्यास्य महास्यास्य महास्यास्य स्रमास्य स्य स्रमास्य स्रमास्य स्रमास्य स्रमास्य स्रमास्य स्रमास्य स्रमास्य वयामेर वु में दिहरे दिरानु पर्वता पर्वरायके के मेर में लाकू के दुरानु पर्वेचे पार्व हें बात से प्रेप्ट प्रेप में वे रहा प्रचार मा के बात है वा में वे रहा प्रचार में के बात है वा में क्षेत्रय ग्रे.ब्र्यं अर सिपाम पर केल क्षेत्र महेत्र हेट महेट महेट महे सिप मा.....

मुं रुप्तेर त क्ष्मंब बेंद क्ष्ट कालुद तह क्षा कृष क्षा हूं। । होना त क्ष्य तह सेना प्रति की श्रीय क्षा वालूर पाय की बात ता कुछ क्ष्य की विष्य ता हिए। । अन्य की श्रीय वाल ता कुछ क्ष्य की विष्य ता ता विषय की श्रीय वाल ता कुछ क्ष्य की विष्य ता विषय की विष्य ता विषय की विषय ता व

मुख्या केन म दे। कर्य स्वीय वास्त्र मिन्न हुन र व हुन वाद्या । · ट्राटेश क्रम में प्रिंग स्थान मुख्याय क्रम | | हिन्य स्थे स्ट्रम मुख्य मेर बूँज क्रिंद्र टिंट टें चलेंबाय तारु क्र रट बुबानाईबा तारु क्रूय बत (क्रू 46 टा) था. ने लहेन हेद म गुद कुँब के हैं नव धर न्में त्य है। वन वे श्रुव स्व रेंद न्यत ८५ य य व्या । म५५ है ६ स् दे केंय मेन म६न नेय हैं। । सुल मध्र गुर में मर के तुस मसा । के ह्य दगल ८८म है ५ ५ मदल मर छ। । बेल पास्टल ने युपाय तथ कुट ६२ छबुपाय य द। यह स सुव भी अधुव क्टल य महीम सुन उद रिवेर रिवेस समा हुम हु है चर्चन में रिवेर न्ट हिंद हुन हें पूर्य वस कूस हूंव तर नेश्रात प निधेन में व भाषेर न व नमी . वुंद ज्ञान अ ब्रुद्ध हे पद पानुस 5 पान्स प पहुंच प्रसम्पट्टल व इसरा गुः न्यान विवे रेश व विवाय यर विवेचय है स देश यह सेश्रय रव देशस पत "" महस्य हे पहुर है है में दुवे पर बल बीय प्रबेशमा द दे प्रवेद मने प्रय तल क्ष में अपूर ज्ञानश्चर र बुब तह श्र क्ष क्ष रब मुख में वर.रे. नेबंब .... मा । दे बयालार है अर प्यूर ब्रैंशय यहरे कुट टेट ब्रूट हैंट पारी देवा गुन्वनाय स मानेनाय पह के हि है पवट प्रमाय विदास से हैं रे प्रमाय नैस दने हिंद ने दहस वर युर दस स हुनस देर सेट ने है हैं। के द वर से हिंद मुद्र म दूद ही दूद में जुड़ुकाला महूर म कहत हैदाही महि माल केला के । । गूम बीबरमबुन्बरमारे के खुन्बरमार्डरे रिहेन हेन मुद्र म केंद्र म केंद्र में बाहित मार

रट.कूथ.84.तर भेष पर श्रिषट.वैट.च.र हेरु वि.वेट क्वा.श्रंभव रेतर .... अञ्चय पञ्जित अविवारि क्रय ग्रीरिह्मराज्ञानाम्यात्वेय वीत्वयास्वे क वांत्रर लब बीच तपु र्षाट्र जू. कुंचब कूंट च सेंज च जूबब चैट केंच अभव टेंचर. .. न्द से न्यान में अने यान्न गुद लन्स याल है हैंन है यह देश यहीर "" मदेव मामबेर में माना मुम्म निर्म स्वर सुरे हिल मुन सर महान नु प्रमुख हे द्वा प प्राप्ति कर्म प्राप्ति करा प्रमुद्द प्रस् स से रापना प्रस् " न्य पर्वे में या। तहिया हेव व न्योंव सकेया मासुस ग्री में या स ग्रुटा दे वस रेल पर रे में ना'ण'न्द (लैं' 77 व) श्रेंस दन् स्टा कुल'में हे निया छु' म् विद्यार मिरे दे विद्या मिर्म के के मिर्म के म लाद्य पा उद मी मूंट विराश ख्रांच पा प्राप्त पा देश। हैं हे रेव में केरे विदाय सेवाक अने य परे वाव या है रेवाय प इसय सु इटावा न्द देश'यरि न्व'लयाम्डवय हे ख्ना'वादर'न्द्र'न्ने यरि देव कुरहिर" प्र केष्यं देश पान्तविश नियम्भा अक्रम बिर पा स्माया प्रम्यास चब्रै'चन्द्र म'स्य'र्द्य'म्य'र्द्य्य'तु'क्य'च चब्रै'स'मर्गेद्। येग'य'ळेव' चंद्रिः रेनाव वदः मुः भुः न् व अष्मात्व अन् पः मुदः रह्म पृः सुदः मध्दा व्यक्ष नुः स्तित्रा प्रमानित्र प्रमानित्य प्रमानित्र प् खुबाडु र पाखुब पु 'एवाञ्चु' त्युल' केव' मिर्व केट पु 'र गुरापव्यापर सहट "" कुट. मूट हिर प्रथम हिर हैं हैं प्रयायवा राप रिव प्यय हिर्या है। यह री हेद'ल स्वायःतराबद्दल चे बेब्द्रस्य अध्ययः व्यवस्य अस्यायः की वेया पाः गाः मस्वायास्यायात्रियामदेवित्रात्र्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्य मर्नरक्रन्न संक्रिर्न्न म्यान्य म्यान्य विष्या विष्ठ्र मृत्र म्यान्य विष्या 
 בַחַריִאִיאַ פִּיחִבִיאִראִיַּהַאִיהַאַיִרְאַרִיּהַיַרִיאַיִרּאַיַרַאַריִייַ
 חקא נוים פֿים פֿיפֿיפּריקאינהאים יה אַריבי אַריבּין אַריבין אַרבין אַרביין אַרבין אַרבין אַרבין אַרבין אַרבין אַרבין אַרבין אַרבין אַרב

यह महिल यहा अम्बल सुरद्व त्र्यायह हिल यह द हिन । अ म्द्र तहेन हेद मुद ह कुष धर अहरा । दे हर अहर धा अधर धेद धरे भ्रम्य भ्रु केरे तर् छेर वे पहरा विके परे तर् तर् हैं पे वे प्रेय प्रस्तर । व्य केंब कुर पूर केंद चर बैर त रेट केंबे. हुन बूंद क्रिर क्षर वा श्र प सूध. यर देश मुल विविवत हे हार अदि रुष केंच रूट केंच अ विव स इस यर रम्ने " च व । बर् हे द मध्वा तर्म च म हरा के व है द द के त्वाया द । हूँ व पर पहुंच पर बुर्य भेग प संगय ग्रम्य वय सग्र परे पु र्ह सम मिन्य मुं(लं 77 म) य अ ग्रांय हे में ह पुर हु रहत नु मेह खू य हुह में " मर व अरे मुझेक्स मि ता सेट मेरे हम सूनस कुंस चलुम्स हे सूट मरे रहु" नेय न्दा इत्य न्द्र नेय यहेत् के तिनु नेय न्दा सुद्र स्य तन्य यर तर् नेय शुन्य वासद्। गुन्दाव में व में सहर सद् मुद्र यह क्रम पढ़ी. एवं पोसंभ पर्देव हुट बेज ही पोरेशय त. पर्देण। हे चंद्र होज स् रम द्वार दिन गुद हु कु रम मबर र्वाय महारा हिम हिद हेद हु दु रहे हैं ब्रं बर पर पर अर् रहें व पह हूँ व पर बहर प बहर प ब्रंपव पर सवाद कर **लियां प्रमेट रेट जियां हैं ये में चयश में 2व ज हैं अथ मर देवां वयां धर.** प्रथमाने व पढ़ी पर रव अवत ल पहेंद दश है य के वाल पर हाद रूप .... हिरं त तार्थे था. हे भारे बातपार प्रीत्य से की. तर जान पर बातपार के जा तार्थी। बन नर्न रे.है.रेट बुड़ अष्ट्र त की छु देश अष्ट्र हुट में.चर्ट केट ने ग्रैस'न्य कुर प्रमुख परि सर्कें हित भ्री हुए हु हुद हुए से से सेट हुए हु । ब्रेन्-सह १६व हेव ह्या निवृत्य स्वायायायाया हिन्दे से स्टारम् नु मुर पत्र बर्टिट. ईश्वर बिट्य पर्ति है सिंदु हुए तश्वर ही खिट. तूर बिंद स्थ बं टेंडु कुलार्चा साञ्चेतात्व प्रा प्रत्याय ठवानी के दूं ही का र्यायाय इसल नीयाका मकुन दु मन्त्र है के किर खुल नु वर्कन हैन महिनाया नेम नुस हैन केन मन

त अब्द स्थ त अक्ट्र हैं। 1(के 78 ब्रं)

त अब्द स्थ व अक्ट्र त के क्रे च्य ब्रं र व्याप प्रवास क्ष के अव्ह र व अट्ट के वि त ब्रं प्रवास क्ष के वि स्थ व व्याप क्ष व व्याप व व्

नाश्वम प दी। ४व ह्य समावाय एक एसिल १व माश्रम ता। । हान कुर लियांच खे हेर बिया पढ़े लिख अक्टरी । क्रिय पहिंद सी क्रिए कर झ्यांच पट क्षेद्र ह्र तथा । के कुर पुरुष र के लार शुद्र केंद्र में । मारुल पुरुख र इसस १व वेंस न्या यह व यहा । १००५ नुस इस न्ये स तरे स खेन न्येंस ला । तर्नेर वे स पहुते न्यत धुन लुट ह्रेर यन्ना । सदस कुर ग्री सहन म तन्त अर् तम तमुद्द म इसन देन म के कुद में मेरे दमद नेम से अधुद म बद है। । दियेर व १व हैं व खुन्य ल कें रहुल कें व में १३व महिन म अत् अव केनाय भयामन प्रमा विना केवा केव प इस्स में अनाय सु हेव. बिच मार् के ताल दें के बहरका धिर पन एतिर मन मार्थ हे पून ग्री किस्ता. स मार्भिर मारे हुल ५८। भु केरे कि गुम् धुव सिंद नु मार्गुन हु बन सर प्रज्ञात केट। देव देव चुँ प्रस्ट राम्बन्ध स्था स्था स्था सुल सु दव् ऑप्टश शे तद्रा | किंच गुप्त बुष्य यद के त्युर है। | बेच यदे हांस कु केर पन् यार्श्वाय एड भेद प्रा क्ष्म के हर ने प्राच पर नेद मु के लट ब्रुव अंट मे निर्म पु संदय मुंदिर सूट म देशय दे १व स्वर्थ में भी भी नेया. ति'भैव'यर क्षेत्र'ने'हैं द्वद'यर वृंधस श्रं मह्य है। नुस सुतर दे मार्डिय इस न्वे सारहेय पर केन् पर न्में या में पहे तहेया सु

तकत् धर मु म अधेव सा व्यह्त म महुन मुहुत मुहुत मुहुत मान्य समाद हुता लटारवन्य प्रश्नुप गुरादेव केव खेट घर न्युट्य प्रदा देव सहर तर ज्ञान यह पहूर हैट रट। हर पर्र अपल पर्ना नेल हैर प है. ह्रचीय तर क्रेंट च पथ उट्टर. है य चढेंद्र टेचट हैं वे मैप क्रच वेशव तर जिट. मूट.रे.रेट्य त रुष्ट्र इंस श्र ४वट्य हे रतल किंद रत्तर म्.वर्य लच हिट यस महिंद यह केनल सु महद य सुर म दूर अधुव यर मन्द यह। लिनैर हे पहुंद व्याय उद अष्टिंद स दू र दू 'विते मासुद रव अहंद स अवेंदः' ' म र्देव किय जाता हे महीव मानीमान महि(का. 18 म) इस मर घर म हे हूर. न्युत्र तथ पुर अहम पेद'णर । वेन य के हुद ने द्ये य छेद दर्भ य यर' इंट है। एक्पेश त के. के रूप त पना हूं व त न्यार हे व न विषय ग. वंश क्रुश अपूर ब्र्वा अर.वश्लर.वार्ध वर क्षेश वर अवित व है.वी ब्र्वा कुर्व क्री खिनाय केद सम देते हेव तशुद सर वर्द् दा। वर्ष स देव में के हिन वस त्र मुद्द यह अक्रम बुद में सं कुंस-द्रा प्रमंद अक्रम यह न्याम क्षतास्य अहल परु.अर्.लय उतिर परु ज्रु क्यू नरा। अहरस सिर व्या मन् मह के रखें कुर में रदा। बि टर अब पर में र इसस केंट लित्य के द सं लिया त्युंदा स्वाया अर्देर व विवा के व मु अर्दे कि व लिया मा मझ्द व नैव नु लेगाव पर राणुर सा अद अदेव'पर राणुद परे अदे'न्द। ल्तुल म दल ल्युट मादे देवा म शुद अर ८८ १द र्वेल ग्रु-हे र्वेट ग्रु-ल्वावा लुब्रायस ट्रेरल अर्बेब्र तर ह्यांच्याच्ये झालकात्त्वीत रेटा हेतेश यह्रेट. चक्कि.त. ब्रुचे ब द्वेच देश के के ब्रूट. सं. प्रताप क्षेत्र प्रताप क्षेत्र विष्य विष्य वसान प्रमाद व प्राचय पर ए ब्रुर में। महिस में स्वर हव महिमा स्वर महिमा पञ्चेस व के त्योग हिन्मिकेस गाम प्रवासरात्युरायस के विवस सा । सहत्य हित रेट. ट्वं पार्डेर मंबियां पार्ययायाय १व व्या ग्रे हिंदि विवं पार '

मुन्य तरी व मन्य तर्म मुद्रा विव य वे देव यर खेन य केव यं ते ही म्बन दे देन केद हैं दे में स्नाय भेद है। दे भार हद ईय स्नाय स के त्रस्थ है व नहेन पर्टा देन के व स्वाय य दन पर्ट स धेव दें। दिल अर्केंद्र माब्द गुद्द सम्बद्ध सद्दे पर मुद्द सर्ह । ।दे सर सम्ब कुल तहेन हेन नु कुन महि समल है लिन हे उन नम स हेनल छेन न्द व व नुन तम् इव कर खुल है'न व नवल मैद उद न क्वल गुव में युव सॅंट नु सूट पारे सद्द क्षेत्र दे। शेषा ध शुव सॅंट तुषाय (ले 79 व) यस हित क्रिय सुन्य रहे भेद'स। विन केद सुद क्रांट स भेद मारे केट् टु 🖫 मारे निर्व मु इसक मु दूर है हिर बेर पर मह क्षित के देवा कुद में अर् पक .. RB द व देशक छेव'यक'दे द्वा ल हैर'यद'द्देश ग्रद्ध शे तर् व द्दा ऑस ख चित्रक के क्र में पुर्यं पर केर किंद्र प्रकार क्र में के वित्र केर मान कर तकर्र्स्थाम बहेस्याम चेर प्र्मेस सा देवे छेर वर् कुर्खेन्स बहेर श्रम र्ट अमेरिन सम्बेश सर मान्य सक्नं गुर। अहर स सह माहिन गुँ निर्मे च हु . च हु ज क स्था प्र क स्था विष्य के जास दस स्चुट सतावा. विष् तने दल सहत है। दे वे वे कृ ति ने वार सर्वे दा देश सर्वे दारे निवंद लट बट हा। जिनम ने नहें स जया है र हिना हर ही जिनम हे न है है. च रदा च सत्र मुन्न के विचायह के नेव मु हुँ र खल रदा महान चु भक्रम में सद दूर लेव,तार्टा। वीश्वराय कुर्य तृष्ट प्रभ तर वर त लुव,ता. न्द। विना केव प्राप्त रूट हैन कि समें निम्स मिन सम् में महिन सम महना भन्न में निवाय है में निवाय के महन के मिन में केंद्रे इंदर्श इंदे दुवर्दरा खुल विजय दे दूर देर ब्रवर केंद्र न्दन्स सं अ न्दन्स सं देस सन्य द्यु प्रमास के में में से तर हैं न स तर है न सि में में दे र

## 

भ्वाय पढ़ी पार्ट नायल ई हे हें ब्रंह अनाय गु ही दट ख़ैद प्राय प्राया । विद्यार पुर्वे पारा नाहीया। विद्यान गु ही दिवान ग्राया।

निस्त में प्रांत् पर है हिरा प्रांत में स्त्र प्रांत में स्तर प्रांत में स्तर

बर मैट. चर्च सूल नेबर में मिट पश्चर पर्। । पश्चरापुर क्षां ट्रेप क्षां नेप क्षा में क्षा मे

र्ट में हिट विश्व में अक्ष.में.अह्ब.तर.विट क्व तह क्षा हे.पश्न.

र्ट मारी अपूर अर्थ बटालट बालीय क्षेत्र हुव हुव वि विद्यानित का

मुख मने मिन हैं में दें। । मिले लय मिले हैं में मिन सि हैन सि । रत ह मुख सब मुखे ब्रम रत ब्राथ है। । कि व स मासुक स्व गुव सदम गुवः मृ पाना । पार्षे व व समित कि दि द प्रमायल हो। ।स. पर छ. मेल हास. ल स श्वीय पर्विषया । १०विर प रत श्रु तद लय ८८व य पार पुरस् स B # 다음·돌리·夫너 리 | 공구 를 썼다지 더 버드더.스디다. A エ 다음 붉고 다 계속 2. वबर में हिन निवेदस रत युर में से मेंस विदेखर मानेनास विदे हैंद में ..... निर्देर अरे निदेश्यम निदे ह्या तु निर हे निदे सम तथनम धरे ह्या है "" क्षेत्राय रहाञ्चेत तुः हे नेय सय रह हुत रेन सह ये नेय केत नवि वेनातुः । रद'यर गूँव है। इदय ए दूद हैं नय ए दूद येयय के व प न्युय हुव गुप मृ'स्द बेद। रिवर रद्य गुद पद्य गुद हु पबद में बेब पु प कुरे होना त च रेच बुधार हिंच त वश्य १८ मु.रेबुट्य सं हे तर ही तह रबूच त था। विव व तर. तथी तह हूट मिट दश पश हट टें परेश तह दिव मुंशा हैय. मुन रेद मं केरे सुनल। प्रेंट्र सरे बर्ल प (सं 80 द) र्म केद मा म्बिंद वु पुराया स्रोते परंद स बेद हे धुर झूर में प्रद हद समय उर सहेर " त्तर प्रियम केर केर त बट प्रथम सं. पर छ. पुन विकास स सेपाय पानीम .... हर बट.रे पर्नेय तह.क्ष कर क्रम के मेंह रट पहुंच रे पर्वेच श्री।

वर्क स में दे ए जा मुंब या के देरे तह दूष त कुर हूर ति बेबेब मां विधित. सर्थ. त्र्रां त पहें पार व्याप हे हें या । युग कि ग्वय न प प हिंदे हिंद रेरा षदः। विदुदःमदिते तुवःक्षेत् दिदाम्यस व्यत् सेत् मर्गेत्। । विस् ग्री न्चैम्स गुवः दिम्प्रम् सुर्थेस मृत्यसः । दि वस पुत्र मृद्द मृद्द सदेः मंब्रि.लब.मंब्रि.केंट टे चेर.तष क्षेत्र रट हू थ नुंब तब क्षे.लब.लेर.रधिंत..... नष्ट में अर्ता तहित रे प्रिंत स हेर बैट यह एमें नह विश्व कर अर्त में में मर म्बिन्स दशमहे मरे शुन्स हे केद में क्रुस हे दे द्वामी दे दु बिद्या नियस देश तर. त्यूर त. ही र हैट. जूट स श्रेंह. इंट क पस. रूपेय हैंह. मिल प्राचित क्रेव अक्षर्धान्त्री विस्न समित्री अवत प्राच प्राचमित व क्षत ही होता । मि प्रिंद प्र पार्म्यायाचार वित् वार्यत वी वार्य मित्री पार्टी प श्रीहरिष्ट वी रे ल प्यत् श्रुंब कुद मुद नार केद बढ़ें 'रायय' मारी 'न्युंटर द ब कु की 'हुंदर' '' प्तृदःमदेवे त्राय रम हे हे द महे में प्रथम ठर्द व सदय कुष मु मुद्द · · · ইনধ ব্দ দেশু দেই থেক গ্রীকাৰ্য স্থান প্রীক বিদ্যালয় করি মা। প্রীক (জ ৪০ च) च्.चे पक्षे.वं प्रांत स्वेंबत्त वीचेंवं प्रेंचेंच कें.क्र च्यूरे त.चब्था. मुकाके प्रिय हर कर बर पायाँ र दे क्रया गुर्र मेर पर देवा का वाप पार र वियामाने देश ने श्री मीश्रीय श्रीमाश्रीय प्रव हेव होव लग्नानय ने रेम लग्नामय मही परे र्द अहर प दे देन अरे अने द में नहिन ने नित्य के रार्ट अहर प " भेद हे 'कु' के बिद्दा वित्र सह पुत्र तदी ' इस दस पुट्ट द सहर **पुत्र सहद**' त पर्न द अ.व. ह्मां अ खंब की. टंट. अवंध चेला चंट. श वें अ था। । कूब में र हर मेंबल हू ह हैट ग्र द्वारा निर हैट प्रथासर क्यान म सि.ही। हीं अंद रें व व क्टन केर पर्माता तुना । में दम विव मारें व परिव प्रायम हुंद् हैं। । सदय हुल हु स्वर्ध । स्वास गुद् पत्र में । सहद स हैं हुंद

८६ भे वित्यास ८५। । मन्द्रसम्बन्धार्द्रान्न गुप्त स्वरस्य सु नस्य गु कैंट च भ बुट निश्य भी में सेन निश्च रे मेनव साहै। प्रव सेंद्र रेंब बेंद्र न्याता में है है द यह बेट रिट । र देर प्रत्य मेह देश स करव त र. अरि बिट रिट । अप अरि नुस सु कि सा के द में प्रमाण या बेस मा भी देना में हैं ल से न से हैं . इंस नी दिंद लंदर में हैं . संप्रं संप्रं से हैं रे में ब्रिल त रेंस मंबिकारी. हैं व त देश ते व कर हैं र मी. अटल में व मे कू. देशल रेटा। इंड. विद्यं वृत्र वेस्यं ठव मुैं विस्यं कुं अर्डेंदराने हुन स्र्निन तिन्त म मही निर्मा बंध अविश्व विदा.क्ट देशका.क्ट क्ट्या.कुर् दक्षेण त पट्ट हिंदर या विश्व देर अप्ता परि सेमस उद हमस एक एवं पाप्त । ही बेट ए पुर प प्र सदस केंस देशता ही तर् लस त्राया नहा । पहेंद त मार्था पार्टा वृत तार्टा लम्ब बितातामा स्वाय पट्र हिन में बैट पार्व क्वायाल हैं पड़ ब्ला क्का अका क्षेत्र खूराया प्राप्ता विष्ट्र पुराख्या देशे में प्राप्त के ब्रीट (का 81 क्) कु अर्ड र्स्याय बेट ठट् केट परस्ट बेट देर व बट द्वा नहेना में हेट में · तहेना हेन देह देश से न मेडना महन सम्मान क्या के प्राप्त माने म माक्षय महे मराम्नेगयार क्यार स्थार स्थार स्थार मा इस्तरा गु विद्युत्यति हुन्यता हुन्यता गु समु केन्यता नु सम्म नु प्रतित्र विकासवागु द्वान अहरामा १ दिन ने विकास वार्य । विवास विकास रवार्ने व्यापाल स्वायाय वै र्टा क्षेत्र विषय परि है क्ष्ये पार्थ है क्ष्ये हैं है या है। र्वेट्यालागुदाह्यायान्द्रिव्यस्याच्या अार्क्ष्टाच्याद्रेव् व अर्पामानव बूटा विद प्यतारे भूर बूट पु उटाय भेद दें। । दे भूर द मिर्द समेद समेद ये गुन्दु पावट विते बहर म हे हिर म वस्तर ठर केट लिए दि द्वा में किट या सु \*\*\* ८5'न'मेर्'दे। ।

मेर्रेश्वरम् हे. इ. एकट मेश है च च है स हल ल मार्थेश ट्रंस न्दा

सहर महि हुद यर रें। ।

न्द में दे। ने सब बेदार ने तन्त केन वनक अन्य तसुता ।न्यन अर रूप रूप अर्थ अहंय कृष था। । या अर ही रू हे लिए वंस वियय अकूया. मिक्केना ।ने सम बेद सदेरे म्हाय मु तहस मरे केन हु र्वेण अरे मदम मुस गुद मु तबर में हिंद गुँच प्रतय स अन्य महि हम त्युस केद में स से हु रह म्'अस सेअस पञ्चेत् य हर'यहूव् वस सदस कुरा यते हुल दद सहत् यते'''' र्भ य प्रमुद् यर अहर दे। तर दल प्रमुख य र्पण मु अर यह हिंद रेल मु बिद्रावसय रद चबेद इस धर चर्नेद ध बेस चु चर हेंग सर समेंद्राधर : इथ.तर धर्तेण तथ अटब क्रिक भ्र हेर्य अहंब त कुर हा ज येशर ही ह ह न्हेन खुल दब ८८ घर घट छ्य अळ्च रृ धुन्य पश्चे ५ र्। अश्चे य रेअः मर्जु न जुल तब केंब नब हिन । । बहुब सर महन विष् केंद हैंब है मार्गेट हो। १८ कुर अटल की अ पूल में ह ट्लेंटल तर पर्वेचना । टे.वस में म देश पर मकुर परे हिल मझेर है। देशर है। प्रेश महिलामा जिनाम हीत ही (के 81 म) यम ट्रिसे सिटाम देव पर हीर देव सरक हीता लिंदर ह्रा प्राचीय तर हैंदि तह टिंद में क्ष्य अध्या हे.वंब सूच ने हूद हुस है. पर अब प्य बेर हिंद लेपब दीव डेब धर धूर हे बदब कुव द्वे पर हैं " ब्रुंब ल.ष्ट्र्य ४४ कुट जू.चर्चे टे हेट.ट एहर ल ४४४.घर.चर्बते.ही। पर्व हु'₹ सिरै अधर भेव में केरे खुट में इस पर पर्नेंद प देश पु परे भे • मूड के थूर भट्ट तर ह्यंय त बट्य में ल तह. ब्रिंग चर्ने वंय प्रय सेंह . न्मिन्स पर पञ्चल केव महिम मु प्रबुग्ध है। ।

대 |국미리·대출유·아声도 전문·의학학·지원·철· 등 학교 | 1년·이석·전도석· 미경화 회·크는 환호 최·어卢조·전·영| | 의로는 디·집의·중 문과 더 는디드·어즐고, 미월석·다·성| 전도석 환근· 환호 디센스 최근 호포 美·통 스포트 | 1회석도 ब्रैंट राज्य वर ह्राय पह से कि रट कि ट्रा में एकर प्र रट वेंद हुट है.. हुँद गुँ ८८ लख ४८ झूट ने कुल घ देनाय छ दगुँल ८ दिर जाटव लख ८८व 🕶 मिर्दे हैं द र पुर तु पर्ण द हैर। अूर क शक ब कद दर द्ये पुर करन ब्राह्मिय तर्हे हे एक त्में और बैंद त है। बैंमिय तभी रे तह है वे हैं है लिए. म लब मुद रि। ।दे द्वा गुद अ वाबुद बुवब के बद म मुब मु क्विर विह बहर प बुब हु हुन य र्वर वर्षेर य हे हैंर वेन ने वकर हुल धुन्य " मुठेन भेद थ। अहर य ने न्न गुर यु हुन गु अहर य दे अ भेद हे ऑद , इब की है में दिन इस दु रह पर **म**ही। । दें व स चेंट दु श्रुंब ए सुर हेंग अरु अर्में र प्रें यम्ब प अण्य महे ह्या वस्त वस वस व से ५८ हर मुबर हमान गु मुन धाय केर हिंद मारे हैं हे तकत निर्देश हैन हिन पर माना में है हेरे निवस बन के हैंव सल नुवर्तु नबर में ५८४। विवद तु ५८४म ५८ हिंदि सम्ब कुयाप्म। हैं हे बेबब प्यार बिंग्य अळव मु हब माम्य पु अस मञ्जूद स रेनाल मनुहे द्गुल हिन्र कुं अहेंहे हिन्र मेंहे अने व मेंहे क्रूर खूट नःहै। हेन्। नहुन भन्न। (का. 82 व) नेयनः नगर र्येन म व मः मेना। हें हे के बब द्यर द्वार या छे। । गुब पु पबद यें गुब ग्रै पद्वा । हैं हे ' बेस ६ ५ ६ १ । १६ १ १ में १ में १ में १ में १ १ । १ स म दस महि दयह धुन विवा विवामस्य वाराष्ट्र मा

प्राचित्रका प्रत्य मु प्रति मु प्रति मि प्रति । व्याचित्रका मु प्रति मि प्रति मि प्रति ।

ब्रै.पत्तितः हूं, हुंह, ह्रत भ्र प्रतिभव थे. येजा | हुंटर, बर्टव क्रेब जंबर घड़ प्रथा वट, कुर्व भक्ष, क्ष, व्यंच र क्षय थे। | ब्रिट, देट हुंब त कि बर्व हुंचेया किंद्र सेवा विट, कुर्व भक्ष, क्ष, व्यंच र क्षय थे। | ब्रिट, देट हुंब त क्षय भी छ। | क्ष्य, श्री हो। | इश पत्रा केंद्र इतिश रुग त.रट केंट पहा । बुट.रट प्वेष तथ योटेंद्र है मुदा । ह्र इर रे. अर बैट च हे। । खेबा च बेट च हेर कू की भी कुबे दूर बद मुखल क्रब हिन् है पर दु पलुग्य याने हिन अब मेला है बद दिन ए देंगा मार कि. मुंब की झूट क में टेट बुट विश्व कर अट वा वा स्टब खे हीं टे चह .. न्द्र सु ह्या परि पर्ने प छे द सूट सहस सु देव म पा इस पर सूट सहर मृत केंद्र सकेंदि धुम में अद्रेश द्रायहुद हूंत में क्रुकायदे तर्यास र्दा इ ल्लाईसब ज बुट निवय है. में इ कि. इ. ता हु चेबाबर या चेब ब मेट बेटा ब. मुै. . हुष गुप्त अब कर सब हाय हरे हुव प्यान हु जेर सारायाय प्या हुतर र बुद्रावसम् विव के. द स्र्ट त हे. इसम बे. हस त के हिंद के हमीय केंद्र की प बढ़ रूट रूचे पुर कु'अळेंदे पर्ष हैर हुष प क्रुव क्रे विषय बिर बिर बिर बिर बार ह्युंद स चन्नत्य गुरुष्त्र सदः चर चर्षेद सःदेःद्वा दे छः वेख मृद केदः अळेदेः ब्रिट प्रद सुरे मर्गेर म लिंद्य सु छेद में रे सक्द न ब्रि हे पे प्रन पुल ने हुट द रच र पु व व (का 82 म) कु अहिर दूष हु द में देट प्यट है त्वाय देट ध्रे.चेश्च जरत रविभव के अष्ट्रप्र से प्रे.त.२८.१ थ्रे.र रब.विट खेट. hau zu.eñuu.n.a.xx.fic.ri.kulu.ñ.kei.fe 丈도 및 eñuu. प्रयाम नियम् प्राप्त क्षेत्र के विष्य प्रतानिया थी. प्रयास वि है। नियम् प्र क्रैट.च्र.जन। क्रॅट चेश्चन क्षेटच.पचैंर ५९चे छेप ब्रेग। ।रेवेटच.वंस. न्त्रील अहर ही । द्वानी स्थान न हेर न हिन तर. परेंचे रेट है. बेट. पंजर । १ अक्षेत्र रेग्रेंड, केंबे ईंग्रेंट रेग्रेंड रेप्टर. ल्झा ।बेट्राम्बर्याने,रेची,जन्छ,रेचट्राब्ह्रर,तपु,केंब्रांत जूट्या हिंद्र महे मु देतर र माविव महुव में छुद सर दम ह्य माधिव है। दे महिव हेर.रे.वर स्व.तपु रट.पढ्वा स्व.प्व.भ.पदल.तर.हैव क्रेय.वीय.तपु.

रत पहुंचा हो नेस अध्य दंग्य दर्भ प्र रत पहुंचा विश्व स्थान अदल अहर गुर रत में हैं में मसूद रु केर यह रत महीदा अवस य हैर सद्द र सहर ग्रेट हैं र खल रट सलायह रह पढ़िया पहिन रट र स लब मुल महे रह महीदा 5ुव न्युव हर् हम्ल बेर्'महे रह महीद है महुन के महना हेर केर मह सुन के माना म हेर नहल के हिन है निर्मा के में चाबिर बिचाल में अक्ष का के क्रूचाल तर केंद्र चार क्ष एकिंद्र में कि. पाल अक्ष . रित्र में पुर भी इस पर लगर म है। देलत हैं व मले खुनाय ले में य महीया खे पर इस सब **धे**र वर्ष द्या। इर्किट स इवस द्या पर क सब द्य में! अक्षर रहा। विश्व मिर किए ही सेश्वर देश तर रेच तर क्षय विश्वर हरे. अक्ष र्य है अहेल छेर सुल र्र णुर परि कुर रहारह प्रेय पुरा हर 8८ । चर्चा प.भूटे. तपु. सिंट सूर्जि. चीमुचीया ता लघा जी विश्वय कि चीमुचीया अ बुव हुव नात्त ध्वाल हे नात म नवि ल हैत स्वाल (स 83 व) वटा अञ्चल पार्वे। पार्वे पार्वे हैं रे. इ. हे सिल पार्वे होने सूर्ये पार्वे। अर्थेटा ह्या इस.श्रेट पर्व विभयात स्वीय है। अभय पर्व। विभ पर्व से स्वीय स्वीय मही। रेगाय रेग छेर रेगा छ रेग नेवामहे मही मंग कर महण सक् व रे. है त. तब सि. भू तब्रेर. रट. तब्रेव क्रिया प्रभारत्या स्वरा तथ महाराष्ट्रम व्यव्याप्तान्तील नदार्ध्य में किल ने क्षा की विद्या हैट इ.जया ४८.४च वरध.रवियाष्ट्रताष्ट्रतीया । ज.पंयावे ४त्र. प्रमूर,पूर्, श्वा विश्व रेट । मूर्या येवेट जया अन्य ने अधर, हुवे धूर्या. भ्रव वा । प्रबेचकारान्योंकान्यार्धक के केला । बुद्ध प्रवर्गना केरान्या दे'द्रम गुर बदक'कुक'रद स्रूद मै'मे' मैंस इस'म'यसक ठ्र'परि'मद्रम हेट्''' ब्रु'विष्ठुव द् वरे रवायाक्कायागुव मुखिन पन गुवामुग्निप्त सन्व वर "  त्य मिर्टा ।

त्य मिर्टा में कुर म् उर् चार्रेस एकर. चार्च ट्राट एकर कर ट्रोने. चारट मुंस ।

त्य स्वा से कुर म् उर् चार्रेस एकर. चार्च ट्राट एकर कर ट्रोने. चारट मुंस ।

त्य स्व में व्य में ट्राट स्व में व्य प्राप्त से प

म्.जियश्वा रट मधुंच श्वीजना उस् उर्वेज श्वीजना श्रे क्रमांच श्वीजनां स्था। माधुंच न श्वीजनपु भी मचेर न जमाधुंचा श्वी रट ने संमास शिवास्

त्रा से कि टेट कूच के छ चुंच कि ज स्वांच ताच ताच ताच्या हुए हुट ताच अभ का ताच ताच्या हुए हुट ताच अभ का ताच ताच्या हुए हुट ताच अभ का ताच ताच्या ताच्य ताच्या ताच्य ताच्या ता

周 四 월 天 월 월 7 के या प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय मित्र मित्र

म्हेल प है। दे के ८६ लय ८म् ८ तुल हुल परे हु। । वर्के म ५६ हिन तर भुव त युव प रुन । रिज् हुन निवस सु रिन्स विदेश के रिस्स हुंबा । ने हेर की टट लखलमें चलरील वह हील वह सी है यह बो हेर की विश्व स ख्य पर निर्व पुरे कैनिय प्रत्य स श्चीत पर सहर परे प्रेर कर " भुटं.तपु विवयाल अधिय वय ईय तर हूल व वयत ब्रीय भू विव तपु क्षा.... मुँब नुब नुवेन मु र्षुनवः पहुदै रहेन हेद मुँ न्यव रम रम्बय रास्य रास्य रह " नु सहन् य पड़ माहेल की द्वार हैंद य सकेंग में हुल यह ही है। देरेरे लक्द नामल मु देनाय मुना में में दे दियद नेय व रद रद में देनाय दद अधुव (के 84 व) व विदे व वहर यही। हुत्युत हा व तवा हु के नद्व व चनु चैव अर्मेव। । धु अ भेव व घणव च च देव। । वे ल च दु न र तुल नुगुरे अर्मेदा । मे दिन्य न्द्र न्द्र नि । विष्य र्सेट केट ने है द दु श्चा । निर्मुल पालय ग्री मानेव हे वर्षोवा । बेल या । ने सर मानुल घु र नुल मुन् वनका मु मिन् सर लाह ह्या मार्केट व्यव छेव संव तर्ल सा विनाय सहर बिश्र प्रथ पर्ने प्रति । इ प्रति । प्रथ की व व विष्य प्रथ प्री प्रा प्रथ है व मस्ति म हे प्रियाम इसम्म मिल्री के रिखुल के व में सके म में हाल मिर " मु क्वल जिल प्रति हिंद ला प्रविद प्र विवास सम हेल समुद तर महेर देश एवं माइस्य प्रति। मर अहर है। ।

श्चरं त्र श्चे हुन त भूरी । हुर्वा वृक्ष प्रभ हुव भूर पहेर। । व्यवस्थान स्थान स्थान

कृष कुथ निर्मात कुथ ट्रों न के न कृष है। ।

बाबाद या न कुष है। । के अ प्रेंच न के न कुष है। ।

पा अर्म मा कुष मा अर्थ है वा के । न मा अर्थ मा

मुना अभव रव इवस ह.जू नयन मु.अन यामुच यह नुस नही । निदयः रहन हेर श्रेषहर दे। हेरे त हिंदे. पूर श्रुप्त श्रुप्त श्रेष ती ने श्रेष प्रमान प्रमा ब र तुम ख्न नहेंचा पद्धराय मु नस्द युनक व्य ७ व व व व के कुरा नुब के में ने पारे नुब बरें। । माद माईन माने रासनुब य मेंन मुन सुरसा मर। रूँव म नमल रहनाय म सुनायह स्रेन। रहिराचिर हुन अस्य नमतः प्रमुख अग हुन मह्मद म र्मिन मार्नेट हुन्य न्दा अप प्रमेट मह्म न्यल र्युट पर्दे वर्ष वर्ष कुन क्ष्म न्द। नुस के में र्युक्ष परि नुस बुद्। । मार्ब कमाय रचुट बदल नु बूद घर। हुँ व माब्दि वु र्ल प इस तर हे. या अपूर बार्ट्र हिंद रेट होने स् हिंद लेबा बाहवा । वहेन स. ब्रम्भ हे इ.पर किर्ह हरा लब लब मुक्रि हैं बे हिं प्रमासित मिरे पुत्र शुर्दा । मन्य रहें छे पाइन महिंद बुरे धुल ररा हूँद य दुन य है है ४कदा। ४ मूर अटब मैय रच चर्ये धार्यवयाचा चर्चे च व रूपार्वे हैवे म हुन र्सन्य नहा हुस के ले महुन विते हुन सुद्धा । मन्य मनहा केन रस (के 85 व) य पुर मिंदा के र तयर पर। हैं वा या में बें व द प्रायत में हैं परा ह्या विद्र विद्रक्ष असल द्वार हीत की मुन्यल कर पर्वा कर संस्था कर स अ.कैंट ज.स्वेय त कैंट. र्ड. टे अ.टंट.। टेश. छ प्र.टेंबा हिंड. टेंब बेंट्रा । नव्य अव सना द सर मारा हैव.त.ट इट स्थापर केलाचा रिप्र मुर् प्र में त पेंद्र परिवास हिल र वाय पारितार में न पर पर स्वाय न। र्बा के मानितान्ता । मान्याम में स्ट मेरे मुलामेरे मिनाना हूँ न न्या पहुंचा पार्थर पूर्व रखाता रिवर पत्रवाया १४ दूं सह रवितारित करे.तारेतचे में अपे.ताला देशता क्रूब परेजा व वि वेच देवचे. मु बेद या दुवाके में १ में द युवायर दुवा सुद्धा । मादव मान्या नासुदे श्चरं भारवं तिया छिया ही भीय देश संस्था हैय यह हैय हैं। हैवे या यह प्रमार चढ़ भूँ मूथा र्मूर अ चक्रैर चढ़ वैट केंच अंश्रय रेवर देशय था। ऋथ से. नव्य प्रमृत् श्रुष्य सरा ह्रव सर्त श्रुष्य प्रमेश हा। तिहर के निष्य य मनुवा न्य यदि कॅस सर्' हे न्य ग्री पा स्टल वृदि कॅस वि स्वा चकुरिलञ्चला पाबीदया रिंक कू लू जिया विद्या थिए। ।पादिल हू हे निन्द चुत्त रुचुत्त यह नित् जुत्त तु। हेंद स जय सहद हॅनय कुल या। विष्य रेन्य म्युस सम्बद्ध मा किस देख परे देव वचव विम म्युट्या नुषके य खुळ मकु पर नुष खुर्। । मादक कुल यु कुल छेन गु कल अमेंद बेद वल हुँद मुँ गुद दणाल र घर। हूँद घ सूगु खुष घ। लिव्रि इंब घ घले. ला क्षमन्द्रिय प्यक्ति विष्ट्रिया हुन या मन्त्री छेन या गुद ८ चुटा कुंद में देव में देव या सवा ह्याया स्वामा ता हुना ने दूश त है जब पर्वे प्रेश से तर्झरा रेंब. कू जू पनी पर नुषसुःहे। ने सुर पादवरेन से ८५ व वहु पाईवसु ह्या यदे (के 85 व) भी हूंद रा पर पोर्ड स शि. दूर पाए। । तिर क्र पाय हि हिर क्र स ही टी ये हैं मन्ष । अर्द निर्देश मृत्य नृषु महु है तुष ळेषाया । ने नृष् मृत्र रर्षे । 다 복험성 회 역도 된 년 년리 다소 라 다양 영호 설정 꽃리성 다 등 등호 귀 모드 ..... मखेबे. कब जाब पर्वे चोर्ध्य से बैद पर घहर गय पर्ने भय वे क्य ह्या प्राप्त प्राप्त मुद्र हुन हु बस परे पद्न हेंद्र ठव टु चुर प द्द। सहद ध खेंद्र यस गु मान्य गुन्। गुन् महिन सन् केन पन। सुनि महन्य परु गर्वे मनिय के ८५ च चहु पड़िष खु हूँद घ हेर् सु कर्षण खुण कळद के ८५ च चहु … . मिष्ठेय खे ह्यांत दल पूर्व तल मिर्नि में इताल स अधिवे.त पर्छ मिश्रेम में क्यांचा. बै ८५'च न्यम्'न् बेन् यदे न्व बहन् य बै ८५'च यहु'म्हेब बहन् यदे'' महर्पा लेस मुदे ग्वे मर्प्स य महेव वस मुद्दे प्रमुद्द पार्ये पारे प्रमुद्दे प्रमुद्दे

है। ट्रिन में हुंच में अथथ महिंद न प्राप्त में निवास मे

त्नुं परि त्य चंदर्भंदर अश्व स है। दे प्रायुक्त दे तर्म अप्तेश सम है। ल्हेन बेर्-४८ वेद ब्राय एव रट वृट र्-नर-प्याहु-ल्धुल र्ट-ऋद हद -निया है. चुट त पहुता हुंब विश्वया से तूब रेट पतूब पत्ति ही. बट्य क्या. ... बुल महे मु इवस गु मु प्युट युप्त गु पहन्य मार होत महे हैं " लुब.ज अबूट ब्रेज राम तथ मोर्च मक्ष रह हेटल ये ज्यू पह होंबे जब मुँ... पन्न हिन कर है। ।ने हुर पर्य न नुस्य में ने लेंद न न्य में है है से स मान ल बर्ल पह मानुल पुः द्वान प्रवाद मान माने मान प्रवाद प्रवाद मान प्रवाद मान माने मान चबुन्य मेट बहर्य पर बेट नब्द नु लयर च द बेट लर्नर ह्नाय प छेद. प्रह प्रमुद्द प्रतर में राष्ट्र है। । दिल्द बिट लिटे में म कन्म परि के पश्च पर पर मासुस पुर धुन्य निस् प ह्व देव पु परे दिर व प विनय। बुंद ९६२ हूँव त छुंदे. इंद त रिश्र त हूँव तपु क्र त्रव चीबुंब बुंद ९६२ .. रतर हे. में विश्व बिवाय में तक्षेत्र तथ प्रीय पष्ट देश में नियम व्याप सा सूर पर्वेबल भूट। अंधु पक्षेत्र तथु, रें ल दू ई हु है, छू भी ये ही लेल भी. बर्के हैं ही द व व बुव्य भेट हें द द इ हु द हु द हु त हु त हु त हु त है व व व नुस्र सु दे स त मालनाव दें हिरानवस सु नार्दे न हीव में हुन में कुल में दूसस ग्रैसः धना छेन दें। । शुनाय के प्रकार परि हुन सार्द हे मान्द के हेर मी द्वायान ल नदसः हा । होनसः पन्न मुहे पहेद पहे दुसः सु नदि मुहेदः पु हे दे पन क्ट क प्रकी रुवतीय तपुरवेश श्रीतर ज प्रे.मी.भ ईश्वर ग्रीयः प्रवेट वेयः पीर्ययः... । मार्च मा मार्चे व तह रे सारी भी मांचित्र हैं। है है रे रे र हैं है हैं नव्य श्री । विनयाकुम्पहेर पार दिया सुर ना है। विस्त मार्ट सूट नी सिना पर मनवार्या । शु मा वामवा दे भित्र पक्षेत्र परि पु वास्तु १ ति हिन हिन वास गुवा मु प्रति प्रता श्रुलाम प्रता प्रता श्रुलाक्ष्य प्रता हुन के ना पुरा मिर्टा

द्रारम मेल बल मे नमेल लिस लान्स्य सार्धिन मही । मासून नद्रम् सु नहिन हु स देव पर तह्याक्षेट गुव हु तिहर पर नवस है। है ६८ क्षेत्रे त्रु म व्रुद् स्वरं मुक्य गुद चुद्र अकेंद्र सत्रे मादवा सु त्युर """ बुद्रा श्रम्य सुप्त हुद्र स य न्द्र स चुद्र स हुद्र में यत हरित हुद्र । ब्रा दस हैं त्युदा ह्युद दस में भेस ग्रें से रयुद हैं। । श्रुपस ग्रेस त्रुस महि पद्भव याल खुर्च है राजालुकायते हैं। इस्त गु ज्वला केन्। वट लजा व हैं। हेरे " नित् पहेन्य में जित र्वेन व अध्य महि रत पहेंद र्याय छेद सं हेय पु प्या मुन्ना महत् हेट के प्रस्त मु अकेरे पद्मा हेट ठव ट्रप्त निवर क्र.प्र न्यम बेन् वस ह्रान्युच यह नुसायव कन् त मुसारनुस यह यह्न या " सं' स्' प्रचु' स् इं द्रवा वाषुक स् द' द्। | दे व क' के' से प्रचु क हु प्रदे र चर.रे.विश्वंद व्ययः ५रेज, चप्तं च क्षेत्रं च क्षेत्रं च व्यः क्षेत्रं च व्यः विश्वंतः म् । दे. वंब. ष्र. प्र. तर्दे तर टे. बेंबब. जुब ४ टेंब तर, तर्वे तर्वे। ज्र. निर्देशका विष्युत्र कर्षा १८६२ के विष्युत्र कर्षा विष्युत्र कर्षा विष्युत्र कर्षा चरु'प'रु द्व द्वाप्य व वास्त्राक्षें युवाय सहयास्त्राचर्न्द्वा चुटा युवायः बद्यात श्रुप। वृप'र्षु न्य न्रुन सुर न्युट्य ह्याया सुर्य रेशायर त्यारा दे-द्याच्यस्य उद्यास्तरः र वृद्यायदे द्यायद्याः अप्तवृद्यायदे प्रायद्याः हे पहु पहि देश पहुन भारत बुव हु र शुरू है। । दे र प हु र पहुन की है द मृ ति रेट ह्यायाति रेटा। ह्याय ति छ रेटा हेयाति रेटा। विश्वा **एव र हैं द एव को बेब का । दे दब में पर पर द वु म म वे के प** विद्युद्धानिक के सुद्दानिक विद्युद्धानिक विद ह्मायावया हे हि १८कट मेया मार्गे ५ पारे कटया केवा की पासे मार स्ट्रे हिंगी  टट. द र प्रत है से दूर दें। । श्रर महुल च दुविस्त दस दूर प दर. ह्युल सब कदन केव पर्गेंद दे पाठन पाबुब संतद रह नर प बंगव हुना स । कृष भुँ रिविरि परि रिस् परि रिंद सहर्म १९८ हैं। । नाबाद परि सु नासुस रे रे बैट मुॅं नाबुट बुनाय ल छे क्ट नाबुध रे। दे रे रे ल पढ़ी पढ़ीर र्छे. पहें बहर म खुंब हु हुन रे। महूँबब सब बहर म मकु ह मकुँ र रु. बूद म प्र । सिंद्य मु रूब धर बूद सहर गु धुन सर्वेत महुदे बेतु त्युर बुदि। पिश्रम क्रद शेद स इसम है। से इ हि रहे ईस ट्रिप रे प्रमास सर स्रिप्सि । महु म्लुस म धुम्ल म्रे धर तु से सहेद तहेम हेद तरे अद मस मह मिल्द ह्विया त छुर पूरु पहेंद त उतिंद परु चापय की किंद त ख्वीय क्वीय चोदय . लहेन मूंद ने विद्यार पुंस दद। लहेन हेंद कनल यह हेल सु देद या के.नर्ष हिंद नेत प क वित् में है से स्वाय पहुंच हेर हिर पर अवस रव . इसन मु छेर बिवन च लन पर्टे.विशेट हैं हैवन पर्टेर पत्र पर पर्यं पर प्रेस है। हिंद मु पाञ्चणय अर हीद रुट इस नेय पाञ्चट पर कर पादय पर य पंद पापा ल अल सहर शुर रुष रेरे इस यर नेय य हैट हे तहर शुराह्माल (अ. 82 प) परि शुरू सु गुप दस अंद केद'केद'केद संगय विसय वासुस'रेस पर """ सकेद प्रव द हिल्द द्वैदय ग्रै रेग प्राप्त व प्रमुद **ग्**र्पेय प्रयासेयस ठव श्लेर तुरावते राष्ट्रिय च राष्ट्र च कॅर् च कॅन् श्रुव कॅर क केव चते चन् हुल ''' मु के म इसम दे गुद अष्टिद केंस हेरे मसुट राम पस हैं तार पुरा में दहें।।

मुस परि मुंद केत में संगंत्र में देवां त्यां देव बंद स्थाय में देवां त्यां में त्या

इश्वास क्रिया है स्वाह स्वाह स्वीत है से प्राह्म स्वीत स्वाह स्वाह स्वीत स्वाह स्वावह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वावह स्वाह स्वावह स्वाह स्वावह स्वाह स्वावह स्

## विश्वभाषा पद्मेष्रभाष्यभाषात्रभूष्यभूत्रभाष्ट्रभाष्

## 1. 口势句'다' 다라' 다라' 중 자' 즉 자' 미름다' 다라' 캐디지!

खेला बर्-नीट चक्षेच्रापट्टा । इला बर-नीट चक्षेच्रापट्टा । इथ चब्रेट चा जिट-जु. क्ष्म ४ (क्रूर-जु. चंग टे टंजे चा च्याह चर्मा इथ चर-छो च हे. जंग्मा चर्मेश्वराताम (क्ष 88 चे) श्रेचन्नाच हु। ट्याह क्षम चर-चर्न-व्या हूंचे चार्न्ड चक्षेच्र चार-व्यावह, क्ष्म जु. म्थान चल्चा च चर-चर्न-व्या हूंचे चार्न्ड चक्षेच्र चार-व्यावह, क्ष्म जु. म्थान चल्चा च चर-नेर-व्या हूंचे चार्न्ड चिक्षेच्र चर-व्यावह, क्ष्म जुनमान चल्चा च

जुल यर मन्द्रायहा ।

मिहेब स'ल मेंखुबा हें चें 'दह। हेब'केंग दुने 'घँहा।

चि.द्रा है सह में में प्रेष्ट में में क्षिय में स्थार म

मेश्वर्र-रम्प्त । विवेद्य-प्रिय-प्रम्थ-प्रम्थ-प्रम्थ-प्रम्थ । विकार-प्रम्य-म्यान्त । विकार-प्रम्य-प्य-प्रम्य-प्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-प्रम्य-

कर. १६ व मी. में . पंत ने पा प हिना प दे रहार द अर् पाया ह्य नार . पा प त्त्र पुर यथा त्त्र य पुर यथा देव न्दा केंग इसस प्रम कर्रे. पर्टर-क्षेत्र पर मुना | ब्रिय प N. स्वाया प है पिंहा | श्रिय प प्रहिता यही नवे श्रूट नवालिय परि है पार्व केंच मालेव लालट नव परि है पा वे केंचा क्षदः द्रा | बुब स से सि.८८ । श्रेट. ४८ व ल ४६ व सा. ही । क्रूब ल सिनव खुःसद्या देव पहु सा वित्यी ख्रामान ह्या मही। केंब मी से सहरा डेस म स मा पर्या वसस स तह म म दी। मह्द संदे । विष्ट म प्राप्त महिद हु माद्रमा प्र हिन हैन है के में हैं दे हैं दे । देव मा है ही। के ल लहन मा दे। हैंव त वु अर्द्र पर क्ष्यान द्वापर रहवात लेवा द्वाप हिन्ता नहीं नित्र रम ल लह्नायादी नने श्रूटाक्रंस बेसाय देखरी हो। सर्दे हे द्रा न नुस्स गुन्नामन्न महिन्दा देव मान्नामा स्मित्र स्मित्र स्मित्र हिनामानी निर् मुन्नी हम देशक द्वेद्र क्रम श्री विकार्टा ट मट एक चर्ड क्रम्पट. तक्षे परि क्षेत्र के दूर स्व कारद्व मा | बिल मा सु हा | देवामा सा तहनामा दे। न्ने श्रूट ने केंश मदी देव प्टा प्ने श्रूट प्या श्रूपान हैं दार है केंश सामित त्या ख्रुमाम्बर्द्दाराम्बरामाद्वीरहेकाक्षेत्र हो । द्वित्र ख्रम्य रुप्तरामान्धी खुनव सः रहन् दारे साम केंग्राह देन केंग्राह मान केंग्राह ल्ह्रद्रायते चु र्द्रद्र न्द्र हे हिर्द्र ल्वेल द्रुकादा नेव चु द्रमन कुरादे रूटा न्द्र ह्येदि'कळद् हेद्रप्रहेद्र पा है। द्येर द्राय देख मही । हर् दे मानेर मही । अ.वे.क.चर्रा विट वे.लट बेट.चेस्.चर् विवास.के.वे.ट भक्ष.टे.टे. एर्न्स प्रमाय करा दे के हुना पहें। विना परमा समय करा दे हुना पहेंगा महा । इसार्यस्य उद् दे (का 89 व) मन्ना सेन महा । शु रूव समान्य **ਜ਼**ੵਫ਼ੑੑੑੑੑ੶ਜ਼ਫ਼ੑੑੵੑੵਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼ੵ੶ਜ਼ੵੵ੶ਖ਼ਲ਼ਫ਼ੑੑੑੑੑ੶ਲ਼ਫ਼ੑਫ਼ੑੑ੶ਜ਼੶ੑੑਜ਼੶ੑਜ਼੶ੑਜ਼ਲ਼੶ੑਜ਼ਫ਼ੑਫ਼ਜ਼ਫ਼ੑੑਫ਼ भुक्ष-वे-रुविरः तरः क्षुटः यः शक्ष-रहेव् यः नृतः। विनः सुवः भुक्ष-विहेवः प्याप्त विश्व में सुर रेन्य यस प्राप्त पर मुहाँ ।

प्याप्त में स्व विश्व में सुर स्व यस प्राप्त पर मुहाँ मा स्व वि तिस्व मा पर मिला में स्व विश्व स्व में स्व विश्व स्व में स्व विश्व स्व में स्व विश्व स्व में स्व विश्व मा पर में स्व में से स्व मे

नासुक्य पारानाहीय। ५मु नि ५८ मा ५मु न ५६ सा।

ति.रिकारत क्षेत्रस कुंदा तिर ति पढ़ कून लूच ताढ़ होर हे सेर. ३ स ते छू। । इत्याय पाढ़ प्रायस किया क्ष्य हुन प्रति होन ताल वाला लिट व सुंध सक्य किटा क्ष्य वश्य घट कुंप्रमूच लूच पाल स्था रिश ता खुल ति पा स्वा ता हे टिवा क्षेत्रस पश्च सेत्य पट्टेर पाईच तार ति ता हो। प्राय ति ते कुं कें. वि ता हो है। हे पन्न एत्वा पश्च कुंद्र पहेंच तार ति ता हो। प्रत्य ता ति दे से टि तू ही। हे पन्न एत्वा पश्च कुंद्र पहेंच रश ता ह कूथा । वि नेट भ.

मार्थे साराय मार्थे सा सिंद्र महिंदा मुक्त मान्द्र है। ।

प्टार्म दे। प्रमे द पहेंद्र मुह्नाय महिंद्र मुद्र सुद्र । । । । । सिंद्र मुद्र मुद्र महिंद्र सुद्र । । । । । । । सिंद्र मुद्र मुद्र मिंद्र मिंद्र

प्ट में है। इसायर हैंग यस सम्बद्ध केर पहेंद्र यह खात सम त्र्यायस त्याव य कि द्या अद्विद यह छेर यस स हु केर् छे 89 प) या पा प्टा रह यह दे के विकास स्थान स्थ मुक्त खुनाक कुंद कुं नाकेंद्र मां हुं नाक सह ख़ुमक कुंक ख़ुम म क्षेद्र का मिंद्र खुनाक कुंद्र कुं नाकेंद्र में क ख़िस्स म मिस्ट ख़िना कनाक म मिल म ... मुद्र देव सक्तरमंद्र सह मूं में में केंद्र केंद्र केंद्र मिंद्र केंद्र स्थानक ...

मिश्रेय भेद हैं में भेद दें। दिना संनाय नायुष्ठ दें हैं नायुय हैं ने मिश्रेय भेद हैं ने भेद दें। विषय में स्वर्ण मायुष्ठ दें हैं ने भेद हैं। विषय में स्वर्ण मायुष्ठ दें हैं ने भेद में मिश्रेय मायुष्ठ में से मिश्रेय में से मिश्रेय मायुष्ठ में से मिश्रेय में से मिश्रेय मायुष्ठ में से मिश्रेय मायुष्ठ में से मिश्रेय में से मिश्रेय मायुष्ठ में से मिश्रेय मायुष्ठ में से मिश्रेय में से मिश्रेय मिश्रेय में से मिश्रेय मिश्रेय मिश्रेय में से मिश्रेय मि

मृष्ठेशम हॅन्'चेन खन मन् मार्थमाष्ट्रेश वर्षमान्त्रेश वर्षमान्त्रेश वर्षमान्त्रेशमा वर्षमान्त्रेशमा वर्षमान्त्रेशमा वर्षमान्त्रेशमान्त्रमान्त्रेशमान्त्रेशमान्त्रमान्त्रेशमान्त्रमान्त्

भू तथा क्ष्य क्षेत्र अभ्य क्षेत्र पट है. क्षे. ट्रमूट खंट त्राची ता | ब्रिय में बेट खंट क्षेत्र तथा क्ष्य क्षेत्र व्यक्ष कर्ट त्याप ट्रट प्रक्षेत्र प्रक्ष व्यक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यक्

स्। इस त प्रश्निस प्रमित्रमाय पर। हि. नेर व ज्यास पर वास्त्रसः मामिदाक्षेत्र विकासम्बद्धान्य केत् भीका है। साम प्रमास महाम म हिन भीका ५६। ५म६ ५ अ६५ म ३५ के प्र ५६। रहा वहनाम ३५ के प्राप्त । रहा द्रा में पर अहर प केंद्र ग्रैक दरा। मदम्ब म केंद्र ग्रैक दरा। <u>द</u>रु हैं ५ 'गुरु ५ ६ १ । अंद ५ ५ अंद स सु १६६ १ में १ जुरु सा । बेस महूद म है। देशरारेश रा चलेव लय द्या यराशर्द यर ह्यायायर सरस कुस वस न्युत्यायरे क्षेराद्रा वेवव व्यवसाव्य मे द्वाराष्ट्र सह पर क्षेरा न्दा देव स्वाराय विवाधर कुवान वार्ष कुरान्दा र्मा व में राम अपूर्व के कदल परि प्रेर रादर। अवन उद में प्रवस म हे हैं। मामदेवानु मामदेवान प्राप्त के प्र न्युट्यायरे हैर इटा। द्वट्य न्रेन नेय तहन हेर अवत प्रय विवाधर सहर्पाति धुरान्ता लिंद की न्तीय लिंद हे हेन यस में पर सहर्पे म्बिट्यान्तर केरान्ता। अवताम्केष श्रम् मह सका मह सका मुख्या परि हिरान्त। निर्धानु में त्या सु के देश में स्थान ला निर्देश मारे हिर दिर । प्रदेश के प्रवास र्ट हर्यार मुख्य मारे हिर मा दि ल न्युट में वर्ष त्युण् क्षाप्तराचय याद्रा क्षेत्र हेट तहेयल सहराक्षेत्र पद्रा अद् प् हिंद्-बिद-द्वार-प्राचेद य दर । देश धर-वायल बेद-देश धर-द्रवा धर चेद-मन्दरा बहुवायर देखनीर के बहुवाय के ना है प्राप्त के के चाल अन्यादि लेव न्द्र थ ले प्राप्त सहद्राया सहद्राया स्त्रीत परि हु । दे। इ.स.न्.चे अन्य न्य न्य ने ने केवा व्यव ने ने केवा न्दा । भुक् न्द देन (के 90 प) न्व स्व १६ न १६ न । वाला वास वास के तर्दिन केना । तदी निवास के प्राप्त सम्बाही । विश्व पन क्रायम के मुक्ते

न्दा । इस अलि विद् कुर्य न्दा । श्रीव यर मेन्य मेव हे देवा । विष् कुरं विश्व है लय लये हैं। विश्व ज्यान तर वर्ष है। विश्व के सूरं हुन हुन हु है। दे महीद निमेन्स महि नासन महि सर्वे स्था हुन हु है नाहिस स् एवित व विव व देव्रत्य केंद्र दें स् स्र. केंद्र तर वर्षे वह हूं अ है। **4 2 4 6** महेद तहम मेर दें मेर तथर र्म । है मेर मुकल तहे मेर सहस् महद पर 20 99 92 94 95 9u 95 द्या । श्र छ्नाय द्वेद पर्ने व क्रिय रहा। श्रियक्ष रत निव द्वे तर द्वेदा। लुस सेसस कैस न्द हैद न्यार छेन्। । यने हीन ॲदस सु मृन्द य सेन्। । 20 2u 20 20 नेयापुरिय प्रकास माया। । नियार प्रान्यार देवाणु नेय मालुम । 2< 26 30 39 32 33 36 34 इस रेपारिपास रखेल मूल श्रुव होता । बेटाने श्राट रखेन श्रुर्पट झा । इ. **\$< \$0** 32 च.यो ज.ग्रेस्ट्र.रेवेटको ।क्टल रेट चेट चेट.ट्रेडेट्र.झा ।झ.रेट.रेवेटल. र्ट मेन्य रा पबेट । दि.र्घट द है अ क्रिया । वि रेथर है ने हैं य स बेंचेबा । बराज कर्ता हर अ.कर जुरा । अ बेंब अ.बंब. वित रेट. करा । कृद् कन्य त्रास्त्रेस बेट झ गुद्द हन्य। | नियह म क्रिया हेन्य झन्नि । ५० ५१ , ७१ मुन्देवीर अ मेरेतक क्रि. लेपी सेपार विश्व मार्थक वार्ट स्थ्य परिट हो। देश श्रा

स्। । मोधुबात कीबातर यसीट या जाबुबा। यमाल ट्रा । यझेब य**ह**्या.

र्ट्यायमाहिका हे विर्दा र्चे पर्वा ।

न्द में दें। पश्चम प्यास महिन्दम केन है स सेन्। । किन्स मुख्य एव विम अवत यर द्वी या | बिस य है। दे स यगिरे हैं वे वि महिन् म महान म नहाम हिन् मेन हिन केन है मेन। हिन मेन केन स मासुस ह्या तत्व त ईन सहर पर तु द्नो प ठव भव है। समेंद स मुक्षस्यस्। पश्चप(क्षं 91 व्)य न्सुक्ष महें ५ दन केन ६ वा वेरा । करा स मालुस स्व वेंग सवर घर न्ये छ। ।ने वे केव घर मालुदरा ध कुल घर मण्दा ।महाँच मण्दर मुजाबुद तु नेव सर छ। । वेव दद। तत्स म र्दि एव समा पञ्च पान्सुस है रिप हूँव लेट। । धुण कु णानुस ५८० षरः न्य हवा । व्या अ यर न्य अवर न्ये या । अवस्य कुल प्रस्ट न् अवस मल हैनाला । बिल न्युटल म सुर रा । १६ ५ क द ल न्युल दे। सद्द खुक हेल न्यान शुर कन वर्षा । प्यत् कुन हा व स्या । प्यत् बेन नेंद स्द कॅस ५८ हेर रहेल दैट। । । । । । । । सुब मुख्य गुव वस हॅंद सॅटस हॉट हेंद म्युत्। बि परे यद स्व मूंद धर सहर ध मार। नि'दे इर सूर'म्युर क्षद म्ब्रेन म न वर्ष । विषय सहरा महर इ र्व स्व चि के र र है मर पत्रेल बुट। होर लग्न पिशय पश्चिम ही हें ब श्राटय ह्यार प्राचन स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य लब्ब सु सु है दि त्या रिन्य से वि वि क्षेत्र सु नि वि वि दि र विवास है दिन 🕴 पर्व कुर मह ह्वाय पह यत्या क्षेत्र स पहेर वया कुर पहें । दिलहा दस क्ष्या मी नियम न विस्त वा से हि है। ही बेस श्रेमक यर मासुम्य या है। इस मन् रेन्सपर दे त के है के अलिन सर मर न् म महार सहिर ... क्षेर'भेग्य पर म्युट्य'महें। बिय हैं। दिते हैं व यह अहे अय दा महें क्ष के वें म सर द्वे या यर पुर्वे या व सर द्वे या दें य यह या **%** च थर्चे. च च द्रा अ थर्ड्य या। सूर्य श्रे ह्र्येय या। सूर्य श्रे. रंग या। स्रम् ब्रु'मुम्म विवास्त्रम्य यह हिल मुक्राहे। देहम स्रम द्वार स्नायः बिद्'गुषा विन'सर द्वो य दे १व य'य इसस रय मृद्वार य यक्केद यहा। मर'5 म्बे म दे'रम मु हूँर म इसस के ब्रस्ट हुस सबर माईस इस मर " ब्रुट्य पार्वि अर प्रमा प्रमा तर्मे वार्षे । वि यर र्मे प दे भीर नुःदे स केन म नहा मेन मु सबर धेन मिरे धेर नहा वसर ठन् कि 91 म) । १६५ कन्य ५६ माय मा५६ । भीवानु १६६ कन्य माय मार मधर गुरामते केर रा । दिवामन में के सब मान्य मने म न्य स्व मते हुर र। । द्वन पर्वे. पवटात् वे. श्रटाची क्वनंबाल स्वनंब तरां जन्म तर ह्वरा मान्या केन मुख्य म बुर धेवायान्यास्य मही । स सहेक माविति लब है। इतात क्षबार्टा वेंबे. श्रूट बालवे. तर् । क्रिटब बें हिंचका त हैं . क्रें ब्रद्रायते ख्रेरावस्य वदाणु अक्रमा पु मुद्र मही । विद्यासु द्रमा माद्री रदा चलेव इक्षायर ज्ञाल मही । वित्य यु मुद्दा वे कु द इक्षायर ज्ञाल मही । बेय.या

पश्चिम स्वाप्त प्राप्त प्राप्त । निर्म्त । स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त प्राप्त निर्माण्य स्वाप्त स्वाप्त

स्द २५% हेर'ग्रेस'र्माय ग्रै'सम्दर्भमात्तुद्ध महेर्द्धामा स्वाप्त । महेब त.द्री भें.पंबंट बेंचब कु.वेंच कुंब.चश्चनब.त पंबंब.टे.श्चन ट्रांब. बेर ने प्याप्त में से मन्द्री देश मुख मुक्त मुक्त महामा परि मान है हैं। 출근 덫성,퇽 덫ㅜ.뤔네.ㅁ৫네.호석.급호 귀작 口Ӱㅁ석.디석.奻攴.듘.석.ㅁ오.ㅁ .... ८ळ८ तपु.मूत्यात श्रुप दयाद्यातर त्र्व पह श्राप्याद्यापा है। विद्। । निश्चर्मान्त्र मुक्षान्य विषय परि चन्त्र निषय निषय मुक्ष निर्मार गर्म ल्मुंट्रात्राञ्चलाञ्चल द्वाराचाराञ्चल यस तहस्राट्यल ग्रेसास सुव न्यारे त्युंट्रा त चक्रल तपु अर् वैट च.हे.विट्रा विवाय ग्रेथ.वेष ग्रेथ.वध्वय.तपु.चर्याट. दै'मर्डम'स्व २८म'वम मं सूट'मरे'हेट'टे'रहेद स'मबुग्य दया पुःरेरे (क. 85 व) व. रूट. श्रेव रय. चंड्रचयात. ज्ञेच. ज्ञेय. चंड्रचया प्रयास प्रयास हिंदा है. इ.मंबट्य त.ले.प्रेट्रा ।चंबर लट जूर २४ ८८.त्रुर पथ सेर.त्रुय.व्य व्वेद श्रमकारूरे, बुरावणे, त पकारी, तब्बरावीचीच तथ भे, बैटा देवा कूचा हैया. छ'न्द। १व इंस'न्द:र्नाचेव चेस'न्ह्नस्य स्थित्स्य खेराय हेस्स्य संप्टा श्चिषामान्दा स्पानितामा स्वितान्दा स्वितान्दा स्वानितामान्द्रेत स्वानितामान्द्रेत स्वानितामान्द्रेत स्वानितामान चॅते सबुक्ष कॅल ह्यु मार्मा गुरामण्याम्य मही मार्ची ह्यु मार्था हिलामते । ३व'र्षेत्र'य द्वा हे हे दे केंत्र'हें व द्राः । । तक द्राद्रा देवात्रायाद्वाद स्व नरः महें र मं र दा । अक्षेत्र तथन्याया में र में में र दे के र मुख्य व मा । ने प्रमाणुक गुर ने प्रवेद माने मका परि क्षेत्र स्तरे विषय । विष्ट्रिय विषय मञ्जयन्त भेटा । अर्द्र खुअ पुरु द्या मञ्जय पञ्चय पटि । यद्या चैत्रावर्ष्याचेत् रत्नावीर्षेत्रयाचीत्रावर्षयात्राधित। वित्रासी वित्रावासः

लुंद महिरासि धुनिस सुमहिराष्ट्रिया महिर्त्तेष सहिर्त्तेष सहि स्वास मुद्द प्रमुख गुद्दा स् मु पद्दादा द्वास सहित्र स्वादा स्वादा स्वादा स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य सुद्दाद्य स्वाद्य सहित्र स्वाद्य स्वाद्य सहित्र स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य

मधिषात है। तमह किर ताम् क्षेत्र भूता भूत भ्रता वहा तर नुःबळवल हुँर। वर्षरःवर्षुव त्युः व संगल य पर्गित्य इसल हे। हुतः हे के व स सर राष्ट्र प्रस्था गुर राष्ट्र राष्ट्र । । रे द राषे श्री राष्ट्र राष्ट्र प्रस्था गुर राष्ट्र राष्ट्र हिंद ल'दे अद देश य दम वदी अद शिव हैन हैन । विदे अद प्रदान नेतर व्यापि 'नु व विष्ठव व पर्व मास्य विष्य प्र मास्य प्र मास्य प्र मास्य प्र मास्य प्र मुन्दन्त्राप्ताम ना हूं ने पुट किया है है ये वा नाव निवा के समान निवा (का 92 न) द्वाकेन दर काने नारादर नार दन नेस क्र मारसानारादर " न्दान्युद्यायादे लाष्ट्रित् गुन्नाद्येद न्द्रित् चर्नायाद्या कु द्राप्तरमा ביקבין הַפֿקיקבים פּאיביקבן לָק בופר בּיקבין מיקיתקים ברי म् विकासर में व वेता । सर् रहेरे सह न नृतर प्रमान स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप हेसं'चग्र' चर्चेश'देश देसशं'ठ्र' त्रंदं, त्रंदं, र्ह्या ह्राह्य हें। हर्रत्याणुकान्यस्य यातास्य न्यारा महर्ति । वित्रा मेन । गुन् G८'लय'गु८'। पादश'अ'दद'द'र्जूट'विर'दुवा'र्घ'वाट'उट'र्ड्ड्स'नेवा । देख' स्वयं हेया थे. वेबट. तर अहरे, तर् ।

निर्मार प्र हेंद पर रेमल श्रामदश्यार मश्राम रा दे रित्तापर हे हैंद् हिना म अंबल में पश्चम म मह्म पुरे नाई मर हूँ व मह रेनल सु नवस महिन नियंत रा वे अर् हेर हे हैं। स्नाप नेय रा में पश्चा माराह्त पुरे मार्ड मेर हिंद पह रेपल सु प्रदेश परि मुश्रुद रव दे सद्द पर है हिंद में ... अकद हैं दी ।दे दिन में अकद निही दे देश म महीदा सुद हे मही संगरा न्दा निराधित तत्व म सन्तर्दा अस्त म हे मन्त सन्त सा ।ने न्य मिकेट म्व पट। हिर हे हिर हे क्या म विषय हुर स्ट्रिमे ताम है। दे ब्राट वे द्र के ल प्रहेंच हैर। द्र बर द्र र दे र वे वे वे वे हे. त है। नि में के ल ने हे हर अर में रह य मान है व दें। नि हर पर র্মাণ্টার র্মান লব গ্রীনা । ইন প্রীনাই রুদ্ রম (জা 93 ব) দ্রা বী श्चित्र पा मह्म पर हुर है। बेब म न दे द्व वसन ठ८ महम पर हुर रा। देश स्वीय पश्चित स्वा । विष्ट पश्चिस ८२० यह भर् । स्वाय ८५७ र पन्ने प्रया। र्दि भी नियम पुरम् सामा सामा सम्याप्त विश्व मिल्ला स्वाप्त विष्ट स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व म्बेब बहुल परे बहुल पा वह बहु हे ल बन्द प हनुर हिने मेंब्रेट्य तथा देव ह्रेच.ग्रे.रेचट टे पश्चन न मेंब्रेस परट बेट मेंब्रेस.ग्रे.रेग्रे. मन्त्रा दुः त्युरामराम देता भेता है। नितर त्रुल महे हैं द्विता विभव ग्री पश्चिपाय मेर्ड प्र हेंद मालक प्रक्रम हे एटेल पह एटेल पायक्य. य द्राप्ट वर्षेष मुक्षाद्वस यर न्यावन य के लिए द्रस्य द्रा । त्रुल वर्षे सर् क्रे. हेट. इ पहुंच रेट क्टबानर हैं रे त क्ष प्रत्नेर. रे. ते. ते प्रता त्त्व वर्त सर्व व दे द्वानी रवानु द्वे व केर वन्य व स्वायाया इसव हा । सर् किंद कें हैं पड़े पर अधवा है। पश्च प पत्न अर्रे हिरे रदिल च चैट केचा श्रेमश रचह हिंसामह क्रवाय इसाधर वालगा मा प्ता वर्षेते वर्षे हे हिन दे तहेव वता हैन के के प प्ता कर्षेते.

सर्द म सन्द लस न्द मुल्य न्द हैद दे तिहें मु रव ह न्में वह केंद त इस्त हां । अह्व तह ई हूर मेल रात ही पश्चा त ना हू हार हूं व ता. लका अर्व पर प्रति प के निक कुट बिट हा पर विषय गुक हें व केंद्य प तर्म म इसन प्र। सहय मह सह है दे कि व है द'ल तहन मह हल कु अहं दर। अह्य तर अह्य त ति विह्य विश्व मुं अप्र देवा प्राप्त में के प्राप्त में त्रा दे चलेव नानेनाव मारे केट मेरे निसंस मह चलेव कीय क्स मर दन परि र प म देवे प क र द पर य पाईस्थ है। । पालव यद स प्र हिप हिप्य लाहे क्ष्र न्या । बिर कुर न्र वे स्य न्र वय स्य पक्षा । पन्न स रय मानेर स बद हे हूँद मालुस में य द्वे हुल माल्व प्रद सेंद्रिं। विम दसद ষাৰেং দী ব্যাদ্র দুৰু যা নাৰ্ষ্ক। ইংলা করি (জাঁ 93 ম) দুদ ইংলাক শী ব্যাদ 5.वैश त बाबिश। वाबर इबाब हू ई ब्राब तह रावर रे.वैश त बाबिश है. महासम प्रमा हे क्रिन प्रमा द त्युर बेदा ने प्रमा गुरारेस पर त्य सर् महर्म तर के केंट्रभूट मिट र म हित केंट्रटा हिन पर पश्चा था निश्व हिंदानि क वस हिंद हिंद है दिंद लाता हैना नह है हैं वा न प्राप्त हैना न के किंदा न किंदा न के किंदा न कि न्द। वत अव्दिन में देव क्षेत्रयसम्बद्ध सदि तत्स व सन्त में भ्रुत्रयम्बद्ध माब्दानी है हूरिने। तर्ल रूट कर्र है है है मेलामला 18व रूट तमला छ। इताने रे। । वता अरे अर्रायत्य अर्द्याया क्ष्या । ह्वि ने ने नितालना अभव र्यर प्रवेर। विकासनिक प्रिंदामक मिलान निष्ठेय सरद नैदावन गुः द्व गु चलेर मः यह रच महा । अद्रः हित्यः अह्वं ना मुः अर्थ्वं महीः चर्षेत्राचह्रम् । अर्रास्त्र्य अर्द्रायालेयाचु चत्राहेत्राक्षेत्र वी न्वरापु पुना व मुं अकद पवि पवि पव पव देर पहें। दे ल वर्ष हे बेब य पार्त्र रं हे र्व के र्व के र्व के र्व के राम के देखा ने ता ने ता के राम म्बर्भाक्तम प्राची मार्क हैं प्राची । किया देव श्रीय केर मर् मिव हैं।

बेस रुपुट म क्षेत्र खुर्श ग्रह नुःग्रह बगुःग्रह मैं क्षेत्र ग्रसुटसःम र्श्वसःमसः न्द्याप्टा न्द्राप्ट द्वाप्ट द्वाप्ट प्रेंद्रापि प्रेंद्रापि सक्द हैंद्र ह्वा प्र अक्ष हैंद दर। स्टाम्बर हैं अकेदाल स्वायाय हैं वायत केंव दर। न्वित्य सदि द्व वया में द्वा मूर्व सम द्व दें। (त्रुवाया देव मुन दे में व म है। मर् कुव लका लुट प्र त्युद प्र एस याप्य । दिव धर बुर प्रनेश च हेर्। । बुल मब्बे क्व महिल गुल मन् निर्म स्था स्माम हेर महेर बैट त. ई. ह रेटा बैट त. रे. रेब बेट प्रस. एवंट व है। श्रु क्या वा अर्'ता १६ व. भ्रम्य त अर. ता अ चीय त बेशय. रेटा हैंट त रे रेचे. पश स्ट म दे हार महे (कें 94 द) बेबब मार्बर कुर मार्टा सुरामा सब देव नर प्रमुद्धान के कर् निर्देश स्थानिया सेव मान्ता हिस दस निव्य प्रमुद्धा मन्यत्य स मान्यत्य हिमा न्ता हेर्र् मुन्या न्ता व्याप्त स्राहेनाया न्दा क्रमा हैन में व वा क्रम है। वि हिर मन्य वि व व वे में ने हैं व वन वि व नहः हुर रहा नित्य नहेंद देश नश्चन सः नहरः न नित्र न । नश्चन सः चरुवायान्द्रवा देरवर्नुवीया बुदवर्द बुद्विरवेर क्षापर देव धर के क्रमान विक्रीयान है में विद्यान क्षेत्र च विष्य च विषय च विष्य च विष्य च विषय च कुदालका अद्व र्ते कुर रटालटार्ट लटा विश न्द्र हेन्या कुर बह्दरायदे क्या विवय य क्षेत्र के बक्द यहीय हे किर यहिंदर हे के त्व जा ळ्यार्रार्राभावत् व्यविषयाच्यात्राच्याच्याय व्यव्याध्याय विव्यव्याच्या दशः मदः दशः मदः पुरायते क्षेत्रः परि क्षेत्रः परि क्षेत्रः परि क्षेत्रः विष क्षेत्रः विष क्षेत्रः विष क्षेत्रः न्दा लदेवाकर् हेरे देव हैं नवायायर त्युर पर धेर है। वि क्रम हुन प्राप्त के विव विव विष्या । विष्टुर के कि प्राप्त विष्टुर के कि प

विष्ये तर की अपन्य हु , खे दी वर ता श्रीतात देशव ग्री श्रद ति हु प्र प्र प्र प्र म्ट भाष ब्र क्षमानाना । रह लम ल ब्रिन्मा के व्र मा पा नहां है मा हु व है सिन् म हे नहा से पद मेर हैं रा ने राम में मह मंद सर् रहिला मह्य त्र हे हूर न सुकान सुरसाय है। हे हूर नह में दे। नह बेन निव में ल हे क्रमान्ते ल द्रम तर ने पष हेर चर्न वामा हेन । महिन य दे। मि'व'अ व्राप्त रट:पठल परि:ऑटस:सु:श्वुर्पातर्ट्र सेर ग्रे रापट मेशन्त्रनाः ८६ व वेट त स्वय वर्षातातर स्वर्धात्र व वर्ष्ट १ वर्षा १ वर्षा १ वर्षा पर अवत श्रूटापार्टा। वाव अर्थ पाने पर मेंटन सु श्रुराय हैं विनन न्न हर (के. वर न) अ. बुब. तर हैन तर हैन वा नक हैंट. रे. चह चूंस प स्वीय तथर ह्या से वार्टा तथा है। व्याप्त हैर ये पार अधिर ... প্রনাম है। सरार गाहित श्रेन महि श्रुन। महिनाम है। क्रम म्मलागुःरहान्ह हुते मळवा हिता हुव का मानायर मृदायत हुराया मन् माधिवासव हा । जदाव ह्रवा मन् मुन र में व र म्हिन्युवासु वर्षा । विश्वित्मासुकानु दिनायदे कु अळव सद व किय देव प्यन्त चान्दा कॅलार्न्वाञ्चनाचान्दा कॅलार्न्वालाचितान्त्रान्त्रान्त्राचा माइस्राणी केन्'न्'रेस्मम'मब्दिन्न्'न्युरस्यम् वि धेरास्रे र्सून् न्युस्रन्त्रस्य मर न्वला है। दे त्य हरा न्या है। वर्ष हरा है कि ने के ति है। के ति שבילבי שַ שִׁיבֹּ שִׁ שַׁיִבְּמִמִימִילְ שַׁ מַּמִים בְּלִינובִים שׁיבּוֹ בִּלְמִים בַּלְינובִים יוֹלְמִים בַּ सिट. द्वार्ट्या विश्व कर्षा के अकेट्र इस्तामा है देव खेला होते । जटा द सिट. इ.रट्.िषशक्ररट्ट.श्रु.अष्टर.ज.स्वेयाताजा.व.क्रूय.ब्रेय तेष्टा ।ट्यूटय त. मद्गे.रट. ज्ञेश म्.रच्याचच्ये.ज.द्गे.र्रव. खेश.वेष्रं । जिस्तव. श्रव्य. रूप. व्याप्त. वुर् चरु.कै.ट्रे.च.चरे.फ.र्र.क्र्य.ब्रेय.वेर्धाः ।क्र.ट्रे.जय.४८ट्य.स.क्र्य.

श्रा मिल तल कूर्य ह्यां क्ष्र हेट हें यहां टियूर शक्य मंग्रेश जाने मं

म इता । अहर क्रम महेर नवस रमेश नहम बुसा । बेस सा । 158 स गुँच मञ्जूद मह है दे। अर्देह है दे हैं पुं मर अधर इसद सु के नाय सु चरुत् यदे न्वित्राकुर यद्गुन् यन्। यहन्।यर वुःयःन्वद सन् तह हिर दत पह देव में अर् हि मार खेव या हमस हा। जिर द पहेब पह हे है। 18व र्षेय स समय पर्ट्याय र हे ही प सद हैं व य देवल र दा में नियं ने नियं त्याना वाय पार प्रदेव पार हिन हम देव में अर्ट हे द्याया हा । क्षित्र सुरम् पर हो है। क्षित्र मर मह सम्हित संद्य हुना परि'यर गुैल'ग्रुटल प'इलल हां ।केंद् नु'यहँद'परि'हे दे। प्रविद'ग्रेल' म मझेल मर खेनेब देनेब तह किल ही केंद्र म विवर्ष पर खेट म देशक (क्रा 95 म) अ। । हीर म्बेर हे दी। म्र बम में केर रु म्युर्य पर्रा हुर च.रद्राक्ष्यतप्राच्या च.च्युट्याच इत्य श्री हिंच्याचाचह्र चर्छ है। माद्रमा गुवामी विदार में नव मर मुग्नि मेर स्वामन नव मार मुदान नव मार लब स्टबरहे.रेज.बेबरतर.चबेब चल वे ह्वाब त.चह्र तह.कं.खेब वी बेसास। ।दे.के.वे.वेट घष्ट्राई.वे कूर्याची बोटेसाबैट.क्ष्वंय वार्थेटथ तार्थक्या वशवान्य मुलायह मुक रवशाके सहा । भीव में क्या यह में है। चिरा हवा. सेवब द्यारे हैं हूँ द जेम केंद्र स्यार हैं मा है सम है। दे सा हमा पर त्वन्यतिःहे द्रान्त्वह्रद्रवायाद्रायातिः ह्रावेषाण्याः पुरे। दितराणुद् महत्र वाया वेसवारव्यवस्य उदायायवामान्यायदे नव्यायवामा קבין הַאִיםיקבין הַימּיםיקבין פּתיםגּיקאים־יבּאיאָקיםיםגּיםּ־יבּון द्वरः द्वेरः देश परः एवनः मः देशः देशः द्वेतः प्रक्रयः वरः देशः परः एवनः महामुद्राह्म । केरे मुद्रामहित्यामा बेया मुख्या महत्यामा महत्यामा रेश-इश्व तर-इश्व तए. क्ष्य में इश्व चंट्य-प्यंथ्य-टे वेंट त लुब हूं। टिन्ट विस्थ केंद्र श्रेट श्रेट तर हो। विश्व मान्य-प्यंथ प्र तक्ष्य प्र-द्रेय क्ष्य केंद्र श्रेट श्रेट तथ पश्चय प्र-विद्य प्र-व म्रेन्याम मुद्रम् मे रचय स्टर मदया | दिय स् | दिय स्नाय मुद्रम्य रच्चित्र स्था | म्रेन्य स्प्रेम्य रच्चित्र स्था | म्रेन्य स्प्रेम्य स्प्रेम्य रच्चित्र स्था | म्रेन्य स्प्रेम्य स्प्रेम्य स्प्रेम्य स्प्रेम्य स्प्रेम्य स्प्रेम्य स्था | म्रेन्य स्प्रेम्य स्था | म्रेन्य स्प्रेम्य स्था | म्रेन्य स्प्रेम्य स्था | म्रेन्य स्था |

श्रम् केट मंश्रम ह्य भवे त रेट के तह मेट चमे वृ.ह्म.त तह क्रे. ते. मार्थ ह्य मंश्रम ह्य भवे त रेट के तह मेट चमे वृ.ह्म.त तह क्रे. रे. मार्थ ह्य त स्वास्ताले.तिहा | क्रि.वावेट्य त.के. के. तिहा | मार्थ ह्य त स्वास्ताले.तिहा | क्रि.वावेट्य त.के. प्राप्त त.के. तिहा | मार्थ ह्य त त्वास हो। मेर्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त्वास मुट्य प्राप्त त.के.तिहा | मार्थ ह्य त त्वास हो। मेर्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ प्राप्त त.के.तिहा | मार्थ ह्य त त्वास हो। मेर्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ प्राप्त त.के.तिहा | मार्थ ह्य त त्वास हो। मेर्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ प्राप्त त.के.तिहा | मार्थ ह्य त त्वास हो। मेर्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ प्राप्त त.के.तिहा | मार्थ ह्य त त्वास हो। मेर्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ मार्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त मार्थ ह्य त त्वास हो। मेर्थ मिन्न क्रि.वावेट्य व्यावेट्य त्वास मार्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त मार्थ मेर्थ ह्या स्वावेट्य व्यावेट्य व्यावेट्य व्यावेट्य त्वास मार्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त मार्थ मेर्थ ह्या स्वावेट्य व्यावेट्य व्यावेट्य त्वास मार्थ मार्थ मिन्न क्रि.वावेट्य त मार्थ मेर्थ ह्या स्वावेट्य व्यावेट्य व्यावेट्य त्वास मार्थ मार्थ मेर्थ क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ मार्थ क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ मार्थ क्रि.वावेट्य व्यावेट्य त्वास मार्थ मार्थ क्रि.वावेट्य त्वास मार्थ क्रि.वावेट्य व्यावेट्य व्या

ता. त्रा. के. ता. त्यं. ता. तंट हु, कुंब, क्यांब, क्यं मेल्ट श्रूट, तर्ह, हैं, यूंब क्यं कुंब, र त्यं में में बंब, त्यं वेंट रच, कुंट, बूंट क त थ जुंश, तर्ह प्रतः त्रेंट, तें थ, यं कुंब, त्यं कुंब तथेंदे। विष्यं त्र ह्यं, तर्ह, लश्च, तंट ह्यं, क्यं वेंद्र, त्यः त्र कुंट, खूंट, वेंट बुंब तथेंदे। विष्यं तहिंद प्रत्यह, लश्च, तंट ह्यं, क्यं वेंद्र, त्यं, त्यं, खूंट, वेंट बुंब तथेंदे। विष्यं तहंद प्रत्यह, लश्च, विष्यं तहें। विष्यं तहें। कुंद, श्चें, श्वं प्रश्ना विश्व तहीं। कुंष, तहंद रितार तिश्व। विश्व तहें। कुंद, श्वं श्वं श्वं मन्द्रमते प्रमाप्त देव । वर म व्यापित समाप्त हे स सुरस्त व मही ।

म्बुस्य दी। ८४ स्रुप प्रद ५द ६दी। । प्रदेव पर्द्र से दे वे नुमा स्थ ण्युवरपु रहेंद। । विवद हैंद् दे दह सह मह्द महिंस में देव केन दे लन्या ह्वर के सर रे. में हैं ज़ेल हैं। हेर र में य द र इस मा इ स्थ श्चितायह ब्रेर पहेंद पर्य वेश प्राप्त है। इस पन् रिन्य पर। १६ व स्था न्ना देवन व तिस एकू स तर्दा । १८व . ७ वेंद्र होते तथा है व होटे चेंद्र होते मा । तक्ष श्रुप व्यव हव क्षेत्र व पश्च पर्व की। । पार्व व मार्थ मार्थ विवर् की पिवास पा अरी । इस स्रा । लट. मैं हैं, बुस ता हस तर विदेश त न्ता निवित्त सन्याम तहनाय तक बेन् वहन्ति, निवित्ता हिन्। सन्धे लया र्व केन र्व लग र्व न्द (कें 97 व) स्वा । विवर्हन ह्या य स्र छ| देरा । त्र प्राप्रः महे स्थः ह्या महल हारा । पहेर पर्य नेया स्थ नुसुक्ष रु 'दर्दि । विकासी । देवद देन मुद्दा महि व सन्त म सद दन महि र्वे केर्'यरे पञ्चव पर्वे य रहा हुन कर् रु'हु य व बेनाल यल ज्ञिय य ल्यायायम् ह्या म्याय द्वायम्य पर्याय प्रमुव पर्यय प्रायः मार्वसाम बुरामेव महिगमहर महस नहा। हैन नेश सनसमहि हिनाम बुरा लेव ८८ । मण्डिल लबाह्य सराकुल च लार्बम्बामामहेग्ट्दाम्ब्राप्ट । चाञ्चर भार्मन्य महे अक्टर हुन क्रम से हैं यह रटानंबर ल एक्राय कर यह मा चलायर प्रमुद्दार्द्दार्द्दार्थान्त्रवार्दार्वात्त्रवार्वा विषयः मुनसायाप्ते खेटा क्षर-'श्रुण ज्ञां पार श्रुप परि देव केव में 'न्न ह्यं म न्न। पुन हिन ह्या मान्ता विद्रापरे सून पर्वत वर्षतान्त्र स्ति परे पर्वत पर्वत वर्षा निवास बद्धः कुष य द्वा वैषर्द दु द्वा पुर वर्देद्र य श्रेव र्दे । ।

다음'다 라존도 달라'뙭' 독적 도달'다시 | 다석도'당라 됐' 독적' 도달'다 |

विश्व सादी वर्षर में हैं दि हैं स्व द्वार अपने ला किंदर से म्बुब्र मु हुं व दर्दर दर । । पन्द नु पन्दे हैं द्या पहें व पर्दे य मु दने च मिक्षेत्र सुं र चुर है। चन्तर है है देन्द्र र जे ल. दर्र है। चे च ने दर्ग दश त्रेल्यामा । । । । । व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत मारेन् (के. ३८ म) तपुर पहेर पर्य में भव हा । निष्टें न पर्ट ४ विर प्र म्बुब्रचु भृश्विद्र रेचे लायते द्रमे प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्त्र स्त न्द्राधि क्षंपिरेकारम्बाराया । ह्रव र्षेत्र ग्री मह्वाम है। पर्वा मन् नहीं के वार्षा दे द्वा में देव मह्म सद्दाया सहिता स्वाय महि।। र्श्वेद्राचढेरकारचेलाचाला रुट्रेल च अर्देर् रुप्ट्राओर् नेग् बेट्र कुप्लार्स्नाक तर् । प्रम् म् नर्माति से प्रमु क र जील पाला न्रस्य पहें व हि ए हें न लें रेअ'ध'नारुल पर'प्रेट प ट्यु'अ'रेन्स क्रेन्स हुन सन्स'ट्रा वस्तर्दे मह्याहे ने मार्थ में प्रमान मार्थ नियम हिंद में मार्थ के मार्थ में मिंहें र खेलात चेट क्वा श्रें अथ दियहें में दिया था तह वा संवाद है। विदेरा संव बहालायह कार्यालायहार् हे की वार्ट में बार प्रें विश्वा की निकार र्टा हिर पद्र.क.पंजेल.त ईंशता है, में.त. स्वेष हो ।

न्युम्भामा दे। पर्देत स्टाहेर हेर्पार्टा हेर्पा

| NY. ZC. 4M

नबु.त.बंट.वेंट धट टूर की बंदबानधें ताही। अ चर्छ ह र्यट.सेब. कुद्'ठ्रमा'ल'स्प्राय'मही । मुद्धार इसय कुल यह यगल'यदेव ही यर हारा।। मूर् बीबेट हुट.त (बू. 88 र) दशका बीट विट उत्तव हा । तर्धर त चेत बी. बर्दे सूचसं रिनेर के इसस पर्सें दसस दृद हैं 'ग्रेंस हुद' परि द्वाद पैस''''' कुल'परि'पण्र'लयाप्त्र्व पर्वया देवत कु'नेब्र लय वेंद्र नेब्र । देवतः क्र-चिंद में अथ पश्. हेब वेंद में अथ रूथ हैं अ हे थे हेंदे हैं। दि. ल पह्नी. हेद'ब्री'पिसस रदे'द केवा'मे'दद दस सकेंग मसाध्याप्त प्राचुर यादी कुल यह " न्युद्र र न देव हैं के कि दाय देव अ में जिर के न मिंग द र स य है द " ≌चस्रर्टरर्म्यरा पक्ष कुराश विष प रट.र्वे प्रस स्वा.रेर.री.पेड्या... तर में च लब ला हें हैं, ह्या है, निश्च क्य हं है। अश्य प्रमुख भूर वास्त्र. स्वेश व ए १६ ८ चट हैं वे वे वे बेंदि ईसब ८८। वट्य केंध वे हैं सात है. म रहे हैं हिर मुख्द छव देश म क्सर नदा। तहता हिर सहस मर नेन तप्र मेर् रेव । स्वयाप्तर वया प्रति च्या वर्षा कर रे वेटा तप्र श्रेमा रेल्य विश्वा अम्बर्ध में देव । हार् हार्टा का में भी मार स्वास वीच चार में में न्यं व केव यं देवल ग्रैयायहर यर देवायहै ज्वह देवल ग्रुट कुलायहै """

स्थान विष्ट पह भीन्य दिन्य प्राप्त । | विष्ट प्राप्त भीन्य दिन प्राप्त । | विष्ट प्राप्त भीन्य दिन प्राप्त । | विष्ट प्राप्त भीन्य । विष्ट प्राप्त प्राप्त । विष्ट प्राप्त ।

## 2. ਜ਼='नै'ਛੱਕ'दिन'चे'=न्'दु'चे'नदि'न्न्ना

स्वयः मृहेयः या क्रियः विष्यः दिरः मुः स्वमः हुः यम् द्रायः । विदः या क्रियः या क्रियः विष्यः विदः मुः स्वमः हुः यम् द्रायः ।

स्वार् सं । स्वार् स्वा विश्व क्षित्र प्राप्त क्षित्र क्षित्

मही। प्रिया संग्वास्त्रम् क्रिस्या देवक्षा । इस स्य स्त्राह्या

न्द्रम् । विष्या क्षेत्र क्षेत्र

प्राचान से स्वान स्वान

धुर सहमा धरव धरे दक्षेमाय य महद सहर हिन। महद ह त्त्वा स न्द। यर कर बेर लक्ष कीय तहिनाय ह सन्य हैं व स्टब स स मिल म इस्र लख रूप य नार्ट्र यह झें विस् मुल यर मुेर य रा रा । इस मूल पांच क्रिय हूं व सूर्य त्रात तर हूं त त रहा। जिंद हुना मुँब तर हूं , वंस क्रिय च इस न निर्मित् य नदा विश्व नद विश्व केन् यह विश्व स निर्धाव व्यवस्य प्राप्त । तर्दि यह विस्थाय प्रतिवृष्य व्यवस्य या स्ववृष्य य इसम मु हिर। क्र्य अप्र हे अहिर लाम मि रहें र हे स इसस गुरा दे। अहट झेंस से झूंट लस बंदीय वे ट्रें हैं बे.तर नेट तह कूब में ईस मुम्बर्म परवा संस्कृति रु वर्षि है। श्रीम प्यंत् कुल यदि खब गुँखा दे वृः प्रव व कॅव गुः इस ग्रम्ब दे 'हैद कॅव गु विम्र वे 'प्रम वेब'हे। कॅव गु लिंद सं रच मुं हूंद यह क्षेत्र है। विवादता वर्षेत्र च दत्र ह्रें काय दत के श्वानामदे सब मार क्रम में लिंग-राम में बनाने। मार्स मुदे हें प्रेरि हुर स त्रह्म यस तिराम तिराम होर में । बिस मन्द्र यस सा । विन हन् लभ हि. चे खेट रच. गेंबे. ल ४ ह्र चे व्यव क्ष च हे र. व क्ष चंत्र अ গ্রুন মেল ট্রি.নেম (ঞ্চু. ১১ ন) মেল জি.মু.মু.মুল এই ছুল ট্রু প্রেম্ম প্রেম ট্রা ट्यु अप हर प्रमेश भीता हरा भी तहर हा पा हे व है हे नाय भी पश हो । वि हेन है सुरायते त्यस सा । वि हेन है यर कर सेरायते त्यस मी यर हा । ब्रिय मन्द्र-हिन इस मॅल-मुंग्सस अट केंच मु रहिन्द में खसस उद मु सकेंगानु चिराताकी मि. कर्रा पात्र अर्र विषय त क्ष्य में प्रार्ट है परिट श. र्भवायातप्राप्ते । बियायाय स्वाय याची कर वास्ताय स्वा लक्षर्ने प्रमृत् चह्न प्रमृत् पारि नांस्य प्रमृत् गुराके व गुराके व गुराके व गुराके व त्रमानाकी श्रमान्यं प्रीमानक्षेत्र श्रेषा गृतःह्म ग्रेस् संप्यक्षेत्रपारेः रदः प्रविदः मु १ तिरं सं दे किया मु १ तिरं र सं १ सेदः दी । वित्र रूदः। नेर हिद

जाना साथ ब्रियांच माड्डम कुट हा । कुट ल मू तर होट साथ ब्रिट कुट थाना कुट बुट । मादीट रत दे टे.ट्स मावद टे उट्ट काट हुम सह ब्रिट हा । काट द कूट उट्ट ट्रूट हूमान साथ कूट टेट शह्द त झ्मान मु भुट काट माबिट जीमान परहिमा स भुजान स सब्दे

मोधुकार ही। पिट मुद्र म्हा ट्या मुक्क रूप ही। मिण पर छा सेव त्म् अञ्चर्ण मायया । विन्य मुद्र क्षेत्र मा **अन्य क्ष्म**ाण वीर सून। भर्ष भर क्ष्य बिर दा महिल खे. ही। दि ल है . हे च जिस ही क्र थ प्रम ही ह प्रदेश हूरे तथ वाश्वरय पर रश्च क्रय. वार हीवा श्री र व पश्च ४ र थ पर कैं उन्यास हू पू हुट वादाल बाद पेट नहूर नेषु बादू.चूर.कीर तह्य वा ईस . सर घूट महि इस रेन में । देहे सकद मादिहर। मद्रम केंद्र सहस्र कुस गु छ नेब २८। कु कुँव पर्वा प्रदेश पर्वा य इसन ग्रै कुर राम या प्रेम स यहेत वस मानुत्य मु नेते नेस म केट केन के नेते इस मर सूट म हेन केव मी। माई का स्व प्रमुख पारण गाँव वहां श्रीर यह याना कवाना की कारण यह सुरि . .. ५८।(अ 100 व) वर में नेव स धे रिस में झूर बेव सह सरमा स सेर यह क्षेर रूव रस पर हे चलेव ग्नेग्य पर चलेद यह द्वर मेर पहन य है अ लब रहें। 1 ने के नज ब हुना कर है अ है र है र बार हिना पता नहें नर नोचेनेश तश क्र्य क्रन प्रचे नेश्व क्रन क्रव क्रम वर्ष पर वर्षर प्रव पर क्रव पर न्क्रिक का । विन नमद य न्न नेक ने क्षर मे वर्षन्ते। अर्देन समा निद्धार ब्रिय व्याप्त निर्देश निर्मा । द्वा निम्न ब्रिय प्रमान विष्य निम्न विष्य र्द ५५.वेर.र्व २.४२४। बिश्व वर्षर व हैरा वे श्रेश बेबर रव के हर च्.भ्रट.श्रुबं.क्र.बंध श्रुबंध त से.ब्रैंध होट घर ४ट्टे तथ.लंब भ्रुबं.४टें.व्रेटे . 

मिते अधार महिल सु ह्या पर मुंद है। ।

पक्षित्र ज्ञ कट्यात्य त्यां त्र क्षेत्र हो । बुंख प्रतीट त क्षेत्र हो । विष्य प्रतित त क्षेत्र हो । विष्य प्रतित त क्षेत्र हो । विषय ज्ञा विषय विषय ज्ञा विषय हो । विषय ज्ञा विषय विषय ज्ञा विषय विषय ज्ञा विषय ज्ञा विषय ज्ञा विषय विषय ज्ञा विषय ज्ञा विषय ज्ञा विषय ज्ञा विषय विषय ज्ञा विषय ज

म्बुस स इस सर प्रे प स माहित। खुद सर पर । खुद सर स विदः

त्र प्रविश्व क्षित्र प्रविद्य प्रविद्य प्रविद्य है स्था है क्षित है क्षित प्रविद्य प्रविद्य

देवे दृद में ल महिला है। दृद सं संदे इस महमाना ।

र्या हुन कि । कि । में विकास कि सर् अर्थ । दे मि बिद न ने निवास स्था स्थ स र्ना परि शेवल उद के किसल देना देला में ना पर । मन्न बेन्य न्या केर्स्याय केर् बहुद मरावर्ष्युरामहे नाह्य क्षेत्र विषय माला सर्व यर प्राप्ति प्रेस्स उद इसस भेर तमुद मर मेरा स्थापस सरे क्रिय त्राय स तहनायर मेर हैं। । दे रस मुख दे पा बेद न मेनिकार म् यहित त्युल कुत से प्रेंद केटा देते तेप 'तृ हें राम हे द दरा सकत स अर.त.रदा श्रूर माअर तह बारेश कीश रे.च हुर बांचुवाय तह केल कूट.रे. हिन् सर मेन में। ।ने र म मैस गुर ने म बिन म मेनम स म हिन स्मुल कुन क्षे नहर ग्री। देवे देन' मु: क्षेत्र के ह्या पारे 'दिन क्षेत्र निम्क' दर। दिन्द न्युमः फॅट्य सुर्वा धरे निर्माणीय सेस्य रहत दे प्रा दे पार्वेत निर्माय परि खुल ल तहन दे। | बिस कॅस तिम्र मासुस ल मानुस मासुस ग्रैस पड़्त धर मान्त्र वर में व्युव की व्युव रा । व्युव मान्त्रिय में हिन महि नामा । दे. हेर ४ ह्या तह. मैं. अष्य ही यी वित. में. मेंट केंग अष्ट्र में हैं. न्नै पर रेसपाय पद्मा मुं कुं र हा या स्था रहेग हें द दी पर समस ल्हनाय न्द्र। ।रम'तु श्चेत न्द्रास्ट हृत् कु के नहनशा । वेस (के 101 व) मन् म हेरा रम मानिल मिर माल कनन महत्र कर रमिर मह निवानीयानम्भारावस में नाह समास रहना न नदा देवल हिंदा हैन है म् इब मुंब देन् मा केद में में प्राप्त सु हीद म न्दा ने दब हिन मह र्धिराष्ट्रि मेरेशकीश द्राचलेव मेर्नेनश चंद्र सेल ल प्रधि हेर च .. कुरं म् प्रस्यायर मुर् पर मुरावश्वर अस् । विवयं स्वर प्रवाय य सेया मर्सन् वस्य अप्येद प्रमार्थेन । मरानु मन्यादे क्रियाम नम् । । शास्य क्षेत्रवृद्धे गुव हिनामा । नाट नेया नेया दे आवसाम भवा । देव मन्द्र सहद्र

अव्याद्यां । वाक्षेत्र स संग्रंदे इस मादम स मात्रुम। दिन संग्रंद सा सर सा सम्बद्धाः ।

न्द में दी चनेद मदी भव नासुस महास च च हु महिस है। |दे स न्दः मान्त प्रदेश क्रांति में अष्टर हैन है। हूं प्रश्न मान्द्र परि न्मा क्ष बाद होना होना केद ही लक्ष होनावासु दर्जादक दव नाई दिन होन दक्षद ही। रेनास कद इसस वापसूद गर्दे। दिने सकद मुद्दे दे। १द विस इसस वा निवास तर पर्वा अह्रवे.अर्. कुंद्र वीशिट राम श्रेमल हे जिट कें. पखे. स्वांस स्वां दे 'द्रम' । अरे के के रामदेव महीदे के सहमिर होस मु 'हे 'व महीदे म मदेव म''' चबि लय पहलय हे द्वव यात व्रय या इवया इत परे प्रेर हे हुँद लट द्वा पर हूँव यस व दे सूद देस मुद्दा ।देलदाल्दिर लेंदद यह दूस मुद्दे लिप ल.र रे अ.रट जूट लेट घ र.रेवाय की बंबाय शे.८ वर का की घाट हा. ल चट्टे चल्ने लव नासुल ट्राचित्राय इस य चन्नु नाहेल ग्री लिंदर सिंग्च स्र परे हिल पहुन प दे भिन्दे हैं। देरे हिल अद है प्रमा स्टिन महिरे इ.स्.चर्षे त। वे.च चर्षे व। ४ वंश.वे.चर्षे तप् क्ष त्रीय च्यय त. वाबुका प्रज्ञन रारे त्यार प्राची विकास रवास हैं के संबंध पदी'मदी'न्द प्रस्थायि द्रम्थाया वृ गृहेत्र सुरम् हृद् । यद् । स्ट्रि पन्न पर्व पद्धिरर (क्षेर 101 प) में र्र में राथ र्वे मेन परि हिल गुरु प्रवास नै.पष्ट्र.प्ट्र.पर्वेश्वीयातप्ट्रिलामुखानह्य पा वहित या सवर व्यापाया न्त्रीम्सायते ह्या मुक्षा मासुव या है। यहा मु वे यदेव यहित क्रमाणु द्वस मुद्दस हेद् थिद् बिदा । यहास माम्बुस लामदेव मामबे संसा इ.प्र.वे.च.४चंबरविद्यव्यात्राच्चयात्राच्च्याय तप्ताच्चात पर्वरापविद्याप्ति पर्वाच्चा मामदु महिकाभव दें विवाद दें दिवा पर दें प्रवाद महि सुन्य की । हिका कि मारे देरे

खे. इर चेर विशेष्ट तथ अष्ट्रचं विषय दें टेंच थ हुय त हैं क्रवाय तथ्। । पहुंच प्रतुष्ठ क्रूच प्रतुर्भार अपीत त ईश्वर हैं. प्रति जीत चूट हिंद टैंवो बूरे. पहुंच ता या कुच प्रतुर्भार अपीत त देशव हैं. प्रति जी वर प्रति व तर ही ट्व्य त रं, वंथ पड्शय प्रति विशेष त हैं वे त हूं वेथ हैं। । पर्टू प्रत्य वी प्रत्य ही ट्व्य त हैं. वंशर प्रत्य प्रत्य प्रत्य विशेष हों त त ब्र्येय हों। । हिंदे.

महिलाम दी अवद हिन केन् भ नहिल महिन इस पर मालुका । सन हॅद सहद हॅप्य चकुर यं प्यद सप वरुषा । तिविर सिंग्नर परि सकद हैर दी हैं व तथ ने बंदश तह, देश क्र में ट होने हिना त क्र पूर्व ता प्र प्र प्र ल न्मिन्स दस गर्डे चॅर केम केद परि रेग्स कद इसस ल मह्द परि। दिरे भक्ष पोष्टे, है। जिस मिस एत्रेट पर्नेस पोर्थिस स्वीस पुर है वे. की सर् ई पोड्स. त्मिरासं बिस पुः बें वा ना त्याया दय इस सिव की पर मी केंस दसस ठर रत रत में अठद हैं दिव पु दिवेद सदे ही नियम महित सब में दें मिं द हैंद क्रूंब'यर ब्रूट वह क्षेट्र'ने'झें देश वहां दिल्ह बोबब कुल संह पिय वुः म् विद्या स्थान न्यण पृ 'केन्' । इसस मा न्रेस मस्य इस' पर वर 'परि से 'ण्युस मस पहलब हे' वि के केंद्र प हेंद्र की खिल पहले पन खेल देंद्र कर्द्र हैं पल पर्वेट. न्तुल मुदे (सं 102 व) कुन्त है हिन्द क्षेत्र देश मा व्यव लग ने देव महुवः र् १८८ वर्य त जुनेय तर हून्यात्र व्यव्यासी हैं ने बेश देश चीट्य वर् .... महिन में में द्य २०६८ धर सहि हैं। दि १० द्य दर में ना स्थ दे। महि कूँट म हेर्। सम्मन्द स मेर्मा तम्ब मुः ह्राँव म मेर्मित्र र्व सद्द ह्रेन्य पकुर दे। सद्द कुद लया नेयार प क्रेस धुद पादी। न्र्रय'म्' प्रकुर ग्रेय पर र्या प्रम्ता । इस गुर स्र हेर्' स्य नेय हेर्। ।

दे वय वयय रू मेय म हेन। । इस गुर सहद हैनय हैनय म नहा । हैं अर. हुेद ८८ वदर गुैक या । अप हेना महेना कर्दद हूँनाय गुट छ्या । कॅल मुझ पट दे दल मकुदा । देल म हुर दा दिव महुद दु दे। दल अमुंदि अर्केद मुंदि गुं'केंस पहु। अस नेस अर्केद मुंद पहु पहिषा पादी नेस मक्र नेर नेत । इस ह्ताल हैं र.च मक्र ने नेर चढ़ नाहता । हे हैं र.मक्र न बुंद के बि चकुद। अवर णुंच पते हुँद व अकेंद चुंद वहु नामुख। ऋद हेन बाद ब्रैंर.प बकूर होर पढ़ी। ४ सब दी कूब सी.बकूर होर मी कूब पढ़ी ईवल हा । निर्म में व हिन में महासादी। तमें में साम में म क्सर है हर महास हे पर्व पर हैं। श्रुव प रंस गुर में प इसस गु हर र विंद ने पर्व पर हा क्ष्म ल एकुल च देशय में हर. मेंय तर च नेर् तप हैं देशय हां । देश मुम्ब पहु मुठेम है। मृ'रेरे छ। रम रहेर। पकु छैद। यह रम रहेर। नुष्य या यह रच ९ वुँरा चकु 'वुँदा रच ९ वुँरा चुष्य या रच त्युंर। गुव प्नार'में इसस में 'रेस मबेद पुं' हैस सद' सेंप्स गुस मझ्द म क्षय हा । प्रिंदर मा परिंद निव्य त है निस्य से तम् मा वह खेल तम्ब खेल मु नर्ल पु देय पर मुर्'स्थ च रहे'ल ह्य'र्वेय'च इयय हे'चदेव प्नेर' चरि' खुल ल तहन च न्द्रा विकु देव वेवव ववव ववव व्यव विवास এট স্থ্রীন দার্মদার নমান ব্য ক্রম হলম হন (জ. 105 ন) মী.নাব্য রিনার ট্রব है का विवा सरा महिन खुस है है वाया देय सबल वाहिय स रया है से वादय सले सु म्द्र स्व तर्य म केव में 'तर्य म मेरे हुर रें।

वित्र क्ष्म ल प्रमेव तहा । नेह, भक्ष चिह, वे। सजा म् हुन क्षम ल प्रमेव तहा । नेह, भक्ष चिह, वे। हुन, प्रमान विद्या प्रमान वित्र क्ष्म विद्या विद्या

विवेवास म स्वाय रे.पद्धेर विवेवासायहा हैट महात्विष्य विहास हैंद परि व्यव में पश्चित राम देशव क्षेत्र हैं। १६े.८म ल हुए हिर जाव तर देशतर हो पर क्रिय रोहर हो ये देश विश्वा विश्वा विश्व के स्थ अधिव ही पर ही क्रिय वस्य उर्'गुर्'मह्न्य प्रवृद्ध द्वर व्यट व्यट्यामुन हे सक्र १६८ म्युस ५'येवस तर है अरवं व वं इ सर वंश्वरं वह हैर है सेर वंश हैं। दि ल एकर हैं। वासरे प्रस्य गढ़ी दे। । देव प्राध्य कर्मा हि है देव गुर्म रह रे हैस नाइस्थ गु. अर्थेट द्वंय गु. केल ६४ रेपट ४ अ.ज क.रंटा विट क्व गु हैट इ.रंटा वाट्य स.कर स्वाय थे.रेय.घ ह्य तर वार्यट्य तय पर हे हेर क्र. वर्षे 'बेस अध्यत' पठिष मृ 'पबण ५ गत सेंद गुँ मेंद हूँ य इसस ५८ ५ में व ''''' मक्रमा महिन्य म सन्य क्रम देव महिन मा क्रम मते द्वीपन इसम है देर "" मल्याप्य त्र भेट। देवट खेवा स के खिट में अर्द है खल के न खेवा लखा न्नित्य या उद न् पास्त्य य सर म रे न्ना न् पायल यर पहेंद्राया न्य है है। न्येर व लर्ल पर्क सर्दा न्ये हिंद न्या योग उद पर्क मा पत्र पर न्दर पा द्वा न्यायुव द्वापि भारि देश । वा पह्न व प द्वा व प द्वा व रेटा कि. पश्चेषा प दे सूट अरे. तथा दि. हुर. चे. दे अ अपूरी दिव स्वीय. गुैल-५वें ८ल-८ वर् ५५ पद्देव ध स्वीय-अट घर हिर री ।

नुबा पहुर प्राप्त यान्य में झे र्यय र में र क्य में लिए प्र पचर हि पहुर ड्रेंट ड्री हैंरे वेशन जया बेंच त छरे. तूश क्र बेंट ची विचेंट ही चर्छे. हूँ द प्युत्य द लया | ब्रिय प्युत्य का | युत् देशे कर् ल १ व व्यव ० ५ ५ ह्ल म्युवा । क्रिय गुे.सुट में रे रेशे.कर्'ल ८६८.ह्ल अट लट । १४ इंस गु ८र्न् एस गर्ड में 'ने बेंब' हैं। हैं 'म'न हम मेंब' है हैं से मेंब न्त। अर् हो यस मझ्व मर्जेस सु'स्न्रिं यह सहि यह ये में महुव में वह क्या क्रम मु.सं. मं में इंड्र में विश्व मन् म हे.ल मंबिट क्र में के इन हिंद लेद प्राया दे केंब खुद नहेन ने कद लेब बेद पकुद विदे बद बब देश होना लेश में निवद है बेच में हों अ बेर में। । लट ही सिन हैन में श है। सुर में विश्व ८८. है बक्ट ८८.। हेब धर्नेल जार्सन्य राष्ट्र ईस.नार्य र रेरे ग्रुम हॅग्य म दे कॅय सुदारे रेरे कि 5 र स्मूर बेदार में प्रारा दे "" थ्र पुर सर ९र्ने रें। । सर वि हैन हैं **व वेंदरायात नें र कवाया। वें** स्टा मिन समा १८ मिला प्रमा है। है। ईस अर इस स द मारेश सुर् है म द्रा वद हुद हुँर'व स्वाय ग्रेय वकुत हिर'र गुर ला दे'दव'रे'रेरे महिद'र्यर' क्ष सिर में मेर प्रमेष हर। रह रह में ने हेंदे हैं, में प्रमान स्थान हैं ने अ यर क्रिंव यह महत्र वे देवे कर तु वर्षेत हैं। । मुब्ब दम् मा महत् (स 103 म) मुमः कर् मबेरा । रे श्रम मब्द र्म वेन मा केद म मार्म मे निया निया है। यू न में हैं। त्रास्त्रन्य या दें। क्रिय मान दीन ने केट क्रन हैर म्य हैर.बंच.पंट म्.चंटश रें.जरा श्रेष के ब्रुंट.क पंच ग्रेय.धवंट. कुन्य बेर् पर वेया। ब्राट में के प्र यह केर् यह कर् यह दिया न्हेन मु महेन हिम किन न्या स्वाधित महिन केन महिन महिन महिन महिन हे 'न्या सिरे श्राम से 'के 'न्या' यह द 'चील' यगुर यह देव यह स्वा' द्वा दे केंब मु खदः मं म्हिन् त्वी पर बुव सं बेवान बुद्द है। दे हिर प्रव व वर्ष न्

लाब प्याप करूर बोबाब त है. हैं ट्रें। । तर प्रीर र्. | बुब्य मर्बेट कुट करूं बोट टेब जब बुब्य तापु करूं. है हुंब शुब्ब पन्न केनन कि हूंब टें हूंट तर होंटे ट्रें बुब्य बोबीट स्व तप्टें लाट हुबाब . टेब जब पन्न पन्न पन्न होंब होंब शिंद हां कु. कि हैंट बुब्य प्रीर पर ही पाष्ट .

नाहेलिय घुद बॅट का येदिया नाबाद ख्नाला गुं केलि विष्टि या नाबाद वा नाबाद व

स्वति तथ श्री ता हुं तथ त्वे कुं य पश्चित कुं य प्राचित स्वति तथ स्वति तथ स्वति तथ स्वति विकास स्वति विकास स्वति तथ स्वति विकास स्वति तथ स्वति विकास स्वति विकास स्वति विकास स्वति विकास स्वति तथ स्वति विकास स्व

क्षित स के अकू प सर्वेद स कें। ते. ब्रैंट्र-मेर्ट्र-म

महिंग में हुल महे अ हैं दिस मर हैं।

पक्षेत् पर बहर् हों। ।

पक्षेत् पर बहर् हों। ।

पक्षित पर बहर् हों। ।

पक्षित पर बहर् हें स्वार मुंद हें प्रता के के स्वार मुंद स्व

म्नेत्र क्या स्वार्थ महि हे. क्या लाई म्या मुंचा महि साम्र हूं। यूर् मिन्य क्या मुंचा क्या मुंचा मिन्य मुंचा मिन्य मुंचा मिन्य मिन्य मुंचा मिन्य क्या मिन्य मिन्य मिन्य मिन्य मिन्य मिन्य मिन्य मिन्य मुंचा मिन्य मुंचा मिन्य मिन ब्रायः ह्रेंद पः मध्द प्रतः पर्वे वायः पर्दः ह्रा । अह् : ह्राः मेश्यः पर्वायः पर्वेदः निवेगमा । ह्युल परि निव पुं प्राप्त कुर निव पर पर प्राप्त मा । वित् कु साम वःपबुण्यःपरे के लिं कु कु कु कु क्षा म लिह् च्हु हैया पर साध्वार प्राप्त पर सा ल्यं. २५ द्वा वस श्रुव एट्व पर्यामाल प्रभग प्रमाधित प्रमा म स अकूर ने कुराम तब बर मर निव्या मना रम मु मुद्दा विनाम बुद्य च ल तर्द्र में हुँ च च देव दु तक ह क च देव दुव च वा है व च व है ल में दे ब्रुट म मह्म हे न्यम नायर म रहुय यह न्यीय राम्य ह्या वया अहु हु हे स्वाय ३व पर स्वाय व द्वाय ए नगर पसुर कुर पहुर वय रें हे …. ळसाल कुर नार्र घर घर दें। । नारेर क्षेर घर्र रहार करान के नायर निश्च है। । हें हे अब हैंट. ट्युंश र्ध्य हैं। स्निश श्रद्ध । । निश्चेत्र हैं। म्नेर्'गुं' क्रेंर'वे। क्रेंव प सहवायर मुद्द क्ष्य यह दुल पर्ट दुल पर्ट द्वार क्ष गुैसप्तर मु न्हें न पारे के हूँ द प्यस पर्न के द प्र सके न मु मु न से स्र नह हेट इ.४इव ल.नबिबल हो। श्री नश्चट बिबल में हे ई लख हि.स नश्चर हे मने न खुट व न न चैल किर हुल है । पनु न खबर कि पहल व स चुन कुन कुन । तर विश्वत्या स्वयं प्रत्यावयाविरास्र्राश्चार्या श्रेट विद्वार्परायया है। हैं ब'मानीव हे निने द हैं में के मह व निव मह व मह व मह के मह के मह इ.रंट व्ययः चेष्ट्रं तिबेचन वस पर्नेस मैंरे. चंद्रंट्रा हूरे त हूर हि. चर्डु व क्रेंटे में 'बे' बेंब' में क्रेंब र चुट में वट में बबल प्रस्न वट व (क्रें। 105 व) महे सम हे हे समय २८ हेव.हम चल्चियायाय हे. क.हेच.हराल हेव तर..... म्रम्यासम् देवालुव ववानमेदाद्यरान्युद्यात्व। ।द्येवार्द्रान्द्रद त्रहें समा के व केंग त्युंट रु! । के पारि कुर पहुंद पन्नर कुर प्ववर रुही म कुर्र प्रेम पर है है है। हैं है खेर परि र में भारत प्रेम है है है है प्रेर परि र में भारत है है है है है

वितायते मुन्या वा मूर्याय प्राप्त वित्र वित्र वित्र वा वित्र वा वित्र वा वित्र वा दे जर में है महित बेरि हू ने देव महित महित है। देरे दर तु नद व महि निविधालय विदार् देवायाय अन्व त्राच रेविर तहना हेव पद तहन हेवा बालास्विता गुना बुना देन कुना मुना मिना मुना मुना मिना प्राप्त मिना प्राप्त मिना मिना मिना मिना मिना मिना मिना हुरात ब्रिज व्य विटावी,रिवेश ब्रिजिस प्रयासीराता करू. ते क्रुवेश रेट..... लहेन हैन पट लहेन हैन समालदमायदे लिमर पट घडम हे प्यम् कुर हैं" है गुर नबुत्य हे रुवाह कुरायमान्बद हुरा। । परीयहन विनामानेता वस कील पन प्रतिष्या । प्रदेश स्वर देश स्वर प्रति हे हे प्रता । इस्तिः ब्लीट-पु-रुविर-स मञ्जर देव मनेरा । हिंद पुन्न-इन-म-ह- व्रारुविर महन्न गुबा । नदब खल टुर हिंद इबब ल दमर छेद छ। । श्रुल मब महुल दबः न्तुत र्वा पर्मर पर्मर्रे ना बुरवा विवास माने के विवास अ.अर्.तपु.रेथ देश अटस मिस रामस १८.वीयायकेरातर वर्ष त रहा ह्रवाका श्रेन पर ह्रेन या रहे सदस क्रियानस मह्रेन पर महेन य निहा न् हेन स्व में दुन इन् मिरिल्सेन्य में दिन प्रति प्रति मिर्य स्व है है सिर् रिन् " क्रेंब्रामाञ्चल सहाभी त्यांच सहारे हे.दे.्राच र्षाचर मान्य केय सेट अवय र्याय . लिहे.नितं मू.रेट रेतर स्रा बेरे त.मू.चंबट तरेच । रेचा मू एड्चाय वेर. र्ध्रम् र्राटर प्रवस्था व द्वर प्रमुर विर कुर पश्चर वस पश्च पर . " नन्ताना हिन्स्त ने नुवादनायालहेन्य नेत्राना धुन के व की कुष (के. 102 म) रेनर. रेने से से पड़ि छट. ब.रेट चटल तथ है रच ग्री. र्र्यू. व्दर्भराद्दर्भद्दर मुब्दाम्बुलाद्यर वेद्राद्दर अप्त हु द्वतव सुनाद्रे **ढ़ॱख़ॺॱढ़॓ॸॱॻढ़ऀॱॸ॔ॸॱॸॕॖॸॱॸॕॸॱॺॼॸॱढ़ॺॺॱॸऀढ़ॱॾॺॱढ़ढ़ॴॱॵॱॶॱॸ॔**ॸॱॾऀॱॿॱॱॱॱ 

हेर पढ़ी.र्टा अंध्य ह पढ़ी र्ट से अंद.पढ़ी है पमिर ग्रीय पर्वेट देश. ह्युंदे हित्र वस्त रूप प्रारंपु पर्युव मेर शव विनामा मार प्रारं प्रारंपु वस न्बर लट रमूर तर होर तर रेंबा ईर्ना ई.इ.एकट वेट केंच त कंब. अद्व तर ह्वाय तर सरस किस हे. १ व में टेड्रेट में किट व में राट व म द्वा अव रे .. बत्य क्षेत्र वेट अभव रत्ता में अर्नातालाष्ट्र विश्वल हैने क्षेत्र में भी पार क्ष्य .. इन में द्वर धुन क्षेर वहस क्रुल वह दुस ल वव धर स्रिक् हे. ब्रीप भींद्र प्रत्य तिह हे दे और तब्रिया बंदा हारत ही के घर हैं व दा स .. हुन्य किंतु मुक्त प्रथानिष्य स्वयं कि रेट टें टिंग्ड सू प स्वयं पड़ से इसल ह्या ने खाल पत हूर प हेर लटक सेंद हेट ह पहर ल परिवास रस निर्व वि.ल नेत्रनेश हे शिर चलु वे च लेन चक्र र्जुल र्षट्र के र्वाट र्ष... ब्रै क्रुबंब त.र्ज्ञेबा हर्षेषु श्चेट ४८ूट घटु अक्र्बं.बंबा चर्ष ब्रेक्ट ब्रेक्ट यर श्रुय दव रहेन्य मे प्र प्र पुष अळद ब्राय रेंग मु अवद बेट यमुल। बुल पर रिवर इसम कुम कि कि लेख हैर पत्नि नं ने प्रित पन्ने पन्ने पर्व पर म दित्य प इसय पर्वत। द्रारप ग्री हे स्राप्त स्व स्व त्र्याप्वत प्रम बिट.रे.रिक्टे.टे रिक्ट.टेग्रैस रिक्ट स रिक्ट.त.रेट अटब क्रेश वेट शुक्रम .. इ.रच.गु.रेल ८८.थ१अ च.८८। ट्रन चूपु एड्रन्य वेट ४६्र.चश्च ८८। अंत त रेट केंद्र तपु में भू रेट यश्याताल हूं हु बेल एत्रेर अथ बेंबा है कि . .. धुनार्द्र चुल बुल हे पन्न चुन द्रम्य प्रस्य धर पविन ध 動りって! न्द। गुल्द मद्मन्द हुल झू ळेन्य स झूट हा । नुवारिन्द हु। दि (का 106 व) २५व यह स्थानव है। विन ३२.८ यत हिन स्व हिन्य स्टिन स्व हेद ची। रिंग रु केंबर देवेदबर मेखर रचंदर हेद अर दे। द्वा स्व के अर र्गुल, ४ पूर, जुनाय, श्रिल, रेखा । श्रि. मझट, ल. खुनाय श्रेल देवे, ४ पूर प निविध्या विषय निव्यः में विद्यः म् वि हेवा छ । दवा भवा भवा स्व

## 3. पर्यात थि पद्ध पा इसम प्रमृत् परि स्नामा

म्। चर ता ब.बर्! । श्रीयश्राचिश्वभा चाप्र पश्चिर प्रमानित वाचिश्वभा चापर पश्चिर

र्ट्यात्मा वहीं वहाया प्रतिष्ठ प्रतिष्ठ यह विषय कर र्ट्या वहा। हिं से से क्षेत्र कर प्रतिष्ठ विषय कर्ष

(क. 102 र) गड्डिट्ट प्रज्ञा माञ्चाल क्षेत्र क्ष्मा मुद्द प्रप्ट प्रज्ञा क्ष्मा प्रज्ञा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा विद्या क्ष्मा विद्या क्ष्मा विद्या क्ष्मा विद्या क्ष्मा विद्या क्ष्मा विद्या क्षमा विद्या विद्

यन नित्वल मेर पहन म देन मं के खन देर नु निन्न यर मु पति भेर पहु

मिर्देशन है। वे मू टे.ज.लंब-२े.टंब-पर्शना । जि पर्वे.४र्थ-५े. गुद्दान्त है पर रहिंद। वित् शुद्द मासुस चीया सर् रहिला सदद प मह्या । ने प्यत् रूप हुद केव म्य हु रहत हिन् न्य मह स म नि मं था न्ने १९ तु व स्य भेग धर पर्झे य धवा देव गृहे । पर्द्य ध द द व सद पदमा म नहें नक य खुल व न्न'द नदस यह न्ने हिंद वसक ठन हनुक की । या लद पर्व श्रेष दे इ.चंश्रेष टे.प्लूंच क्रेंष्य प चंद्य प चंद ह एट्र टे हैंद. तस सरस मेश अ तर्वेत्र तर. भुव दय की. र व जब ८८ था हे हैद कर. ब्रुत्द क्षु'दर्' । यस के तद्र' म दिन ब्रुद्ध के देश विश्व ब्रु' मरुवा कुला मक्र-महिन नेव देनायामा हेरु वे.म्.हेरु.देनावे. ५२४ वया नेवरानवया पर प्रव हित्यां । दिवे के हिंद पर्व प्रव ति व गुवारें द खुर के दें पर लामब्राम्य मान्द्र मुंग्छेन मञ्चमकाने। अ अति हेर् क्र मार्ड मन्युर महिर मञ्जू माम्रवार प्रमान्त । श्रुमान्त्र तहेत् न्तामुन् न्यार मास्यायात्र विरा चबुर्द चरुक्तताचरें दक्ष केव के रेंदिवट वधिर च हुन पर्टा है. मन्द्रवर्षे वे दूर गुद दन्दर्दा तर्वा रह्वा है पर रहें राव नामित्र मा क्षेत्रवत् । द्वे र्श्वेट स्यकु त्यत्राव्यव् वस्तर दर्द्व पर्वे स्या क्षेत्रया गुद न्वात मं दिन्द हिंदा या कुद बुवाय क्षेत्र यह बुद्र कवाय या पु व सुद्र दर क्ष पर्वे प्राप्त थ अप्रदे प्राप्त रूटे खेट क्षेत्र हे ले हे ते त तर्भानराम्बेम्य हे हे स्था पकुर् होत्य द्य पशुर्भारा । गुद्रप्तात म् बि. त्रं त्राच क हे अक्रमांची पर्यातालय हिर विता हे ति हर हित्य खे. रविराष्ट्रिभाभावन्त्रवाद्याहराचु अन्तर्भान्तर्भरावद्यात्रक्र सूर्वामावाद्या हिंह पुर र्ण पर्का धर्म है। अर्द (ले 107 प) पर नेस परा सापन मेरे बेबब ल प्राप्त पार्टा 🗦 ९५ूँ में क्यांब रेट ब चेल पर धूँ प पर वर्षेट हे हुन य। मैं ५व हिंद है यन वेद वास सहित यह। । मैट हुट वेयन मॅर महेद वस सु ८व ९८ सा । शुनाय । मदन हें 'मयस नाहद सहें ८ हैन ८८। १२८ च्र भ ब्राय है। पह निषय व्यापन विषय मुन पह न्त्रत दन । महेद दन रम मु महेवल मन गुद दन्तर मंग महें स म हैं देव वा । दे दस गुद नगर वर हु में इरे खुन नु धेद दस नग महॅं स प स मनु 'न्द क्षेत्र हैन मृ नात्र परि के रूप सुद केत् य न्द न्त्र ' चहुत्र त ⊈शक्ष ग्रीब कूथ चकें.चर चचूब धे.ह्यां शर गीव ट्यांट.च् वाङ्गा मि8ेश में पिया में या अर्द के प्रमुद्ध पास प्रमुख। प्रमाप्त साम प्रमुख। हुर महित महि हि ल गुव र्गर में मबुगय है । छत् हम है ति छैं गय हु । इस घर पहेल वंब सर्थ केल ईल श.रव पढ़ेब टें यल भ्र. हैर टे झेल विप धरा पुरु द्या १६ १ अद् मद्या येथ इति । धरा द्या येथ व व व व ही द प्रदेश द्या महस्रका अर् है वस्र वर्ष हिन्द सर मन् म न्मा म्मा महस्र म ने न्ना मक्षाम्बद्ध मही त द्वेषव पर बिनवादका हैंव नेव ग्रैव महेब हे हिट हे ... हुन म मर महाब हे ने हिन केर ने हैं। भार हे नव मान्य। दिन शुरुव गुँच मर्डे म'स्व तर्च गुँच'र्र मेर मञ्जाम महे मुद्धे मार रु'महर्म। रेच श्लुव मालार ह कर रा । नाद द्वा ने देव द्वा द्वा की हिंद हा है है के दे दु है। नाद बुद्धिरा ८८. हे हे पंत्रायमया ध्रिय त्र मान्। तर मिर्टा विश्व मध्य मा चरुत्र वहरू हैं। | देव विन्य दे भार की के दिय तर्माय केंद्र के कि पर पहुन पान्ता दे ना नेव कर्द्र पर नेव पव पह ने वि हैव तर विशा है.बंबापूर् ब्रैटाकुवे स्थार हेरे बात्में व तर अंट मेंह मिल

तिहार हो। के न्य स्व सम्ब स मा अ अं ले स अ अ (के 108 व) स्य स के स म दे पर्ण मिं दल ही पर पु'है। अ के भू यु दे नेल पुते कळद हेर रय ह मस्य पर पुर प विद'ने। तर्ने सर इद य है पर महम् प पहें रहा हैय स्वीय मन्द्र द्य प्य पर्व म इसय गुवाबद हुद मु देव पर मुख द्य य । हात सि क्षान गुनिरण्य केन् नु महेन्य लिंग केन् गु मर नु खुन ४० गुनिर रा म्नाव हे.चगर पर्ने.च.टे ज ले.चमेथ कर टेबे.तर पर्नेश त हेथ सेवंश स्वा हे अर खुद में हेंद रखेंय पुद धुँनाम खुद। । रेट में प्रम म नहिन सम त्र्व सन्य पद्म । १९६५ द्र सर्व स द्रम गुर दे मदीव कें। ।देवर महामिर हिल हे हुर दे वा अर् हे इसस दे खिर में न्य रा मु हद म सिर्मा के अकेर रे लिंद मा के अकेर री हेद हर र मेल र में मारे महेद मार रेण म दह अह द्वा मर ख्द म दे दे ही ही वाद दि हर स्व मर। इव विंव में चन्द्र धाक्षर माने इव वेंक में चन्द्र धरा करत कुल में चन्द्र य सद प दे प्यत्य मुल गु पन्द पर। पुद खुँ न्य खूँ पन्द द हर हर पल कुष्यद लग है। अटान्नापर चहेन सम्बद च अटान्न पराचहेन सहे हेर। ळ्यां चर्ट्र-रेट रिव त लट टेर्च तर दिव संदुर्ति: म्ब्यं केर् शूर प्रत्य .. विद्रा नित् सर्वे हे प्राप्त में दे खुद्र में द्राया वार स दे खुद्र वर सरा केन महिन वस क्रमान्तर्वे चरावे महिनासमार विसामित सन्तर्भ प्रवान में । ररियानपर केरान के ली हरान ही होर ग्री. क्य परियो चक्य परि हंय परवा व वर्षर वर्षर पर्दर प्रवर या नविषय पर प्रवा नि पर पर्वे पर हे हिर महु म दह के किर देर प्रेम के मिर के में द व मा बुद दि प्रमा मलद में क्र मृ मिन्ने वि वि देश दे मिन्ने क्र मिन में मिन में मिन मिन मिन न्द मन्यान्यायात्रदे दे १९व व्यान्य न्दा श्वास्त मे वे व्यानिः न्द्रमानिक्षित्रम्। । पश्च परि न्द्रमानिक्षाक्ष्रम् न् प्रमाना । १३व

ट्टीच मक्चित्र मन्द्र निवाद स्थान मिन्द्र मिन

न्युअ यावी शुव अव शेन य के इसस स न हिंदी । हिं कुनस दे अर त्युष्य चार्ते के स्था । चित्र के अस्य त्युष्य ख्या मह त्रुष हें 'हे' तहें वा । विशवानित प्रस्य नियमायम् रिन्त यह्यं च वर्षता । विव सूर य सूर्वातप्र नम् पार्कि क्रेम पाष्ट्र मूर्य क्रिक्ट म्थल है एलवायालित क्रि भीवस पार्या मुल स्था क न हैं व ब्राट निरम्मिल प्रति पित मु हैं होंगल। वास ल क्राह्मित हुन' चु मते दे त्य चुम क्षा नेयर रायर राय स्वा यह र द्वा है। स्वा द र् ह्र संदे अर्र ही। वेशय तस्त्रे प्रियं वा प्रदेश रेवा कुरा अर्द्र पा देशस म्बेंबतर मनि है। हिंगा ने प्रमर म प्रम मिन। विम माळे में बार था क्यांगुकान्युत्काराक्षेत्रहे। इ.चह हिर त हेर त माग्व हु तवता रता ८६व द्वल द्वा व्यव्यव्ये व्यव्यायं द्वा व्यवस्य ल स्वायाया इत्रय कुषान्यस्यामरे बुर रा । मन्न रन में इ नरे सुन पर हेन म १व स्वर बाषिदाने। वेनाम केदार्मिरान्सुम दे दे दिन्न ने सुल बाषिदामहासुर है।। बुव यमर् है। जिम्बार हैर यह व यह माव व कर वर व प्राप्त । विस् निर्मातित्वी त्री पर्दे है। जित्मी स्योबा म्बित.रेथ.पेथेश.पब.पेथ रत.श्रेतब.बे.तढ़ेरी दिया त छ्ये त्रु. खन्य रहेर बुद अर शब्द गते न्वर नु वय कर् रेर बुर अर् हे से स्रु, देव्राच्या ता हिर प्रभी पार्ट । विवास साधवात है प्राप्त देश क्त बेन्'यर म्युरस्य सम्बन्धाः नु दूर (के. 1094) वृत्रा हिस्सारिहः

र्तिर हिव देशक प प्रत्य श्रे. येवा के हेर ट्रेंब प्रा वावेश पर चलेर पार है है.... मने स्व मह हे स. हूर. रे. वेब स त. हेर ला हे. लब र हेर संघया थे. प्रव मु-न्द ह्युयायि स्वायाव्यंत द्य तुर में लेतुरे स्वाय केद यर प्युत्य मेरा गुद अप्टिंद ग्रॅंट केंद्र य विन्त दे शिट रिट ब्रुंच य में प्टिंश देश ब्रुंच रुव र र मंब्रिश प्रथ दिल विश्व ८८. अथव में. रें अ ह्रें में अ वर्ष प्रेय रात में पश्चर... त बंदू, पूर बैंच तह क्षेचक. बें श्रीचक, तर पढ़ेरे हो। । चक्षेरे तह. बेरंब करे. इ.है. वश्य कर में. पखेर त. हेट. तर हेल वा ल्र. कर देश में या अर् जिवस महेर पर नेरं व करे. ही | निश्नेल. नंबर ४ नें जिसे हे के पंबर रहा | एवन्य त हैं. चूंस श्रु वर् तथा विदेश तपु. बर् कु. ए जेल. त रंट विश्वर. ब्रेट क् में में नव महें दिन । अहें दिने क्रिय क्रिय स्वर्थ स्वर्थ महेदा । र्द्य पर्वेश हे. पके कि पके है। । ज्रिस्ट पर ट वेबस पर वेब्रस्य । हैट ह गयः न्यार माराया । न्यार्थित महिनाया मारा महिनाया । व्या यह है। अस बुसायह सर्मा हिस हैं मान्य यम मुख्य या निमा हिसा कृत रत्र से अ वाम प्याप्त विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विषय ८ जेलात लका १३ मार्केट कि तक्रिर. जेब सातर विश्वटका दिवार. तपुर. केस. मुः मृंग्य प्रह्म प्रया । मुः प्राप्ति के सि प्यम प्रयोग मुःग प्रमु । नुग प्रमु ते प्रमु । न्वयायर मन्। १६६ वे विरेश्वय है ग्राप्ता । १६ न नहिन नहिन विर्वाश है म्द्रित तह्र अस् रटा ।श्चितं र्वतं रहस र्वाता मन्त्र वा स्वस् । वि क्ट्रेंटा चर रे.चेदअत्तर चबुरी रि.लट कि.चचै.लेब.चर्थे.लंबा कि.चचै रेट. इर र्वा वर्षा नरा । है वर्षि वर्षि वर्षि वर्षे हर हिर । विश्व वर वर्षे कुर-बुनाय-हे। । यो-नेय-विट-छर्-थेष्ठ-मञ्ज्या । दे-दय-स-पक्ष-पक्ष-네 | 토리·디자· 취리·지디·투다·오토리·드·! | 중대(회, 109 日) 팀회의, 다짐다. नान्येद्गर्भेषान्येश । श्रिमामहार्थेशहान्त्रा । निष्यात मके समा निश्च ला । अह्य त अर् कुं उर्ज च ईअया । ह्र्यात अट रे उति चयाया। जिट <sub>यो</sub> जुड़ **नायुक्त ट्रिन्नाया । महि** स सि मासु हि हा ला । राम मुद्र हिनासी र्व व न में निव मा । सि हीं न इस व वेन पर हैन। । हन व रव रहेन पर लिंदर पर्वेता । ने सम मल्द इसम न्में सम ठवा । ए क्रेंट नेंद स मादम धर हुत। विश्व पशुरस धर धर री। दि द्वा वद्य सुर च ध्र वि बद्य कुर कुं तिविद्य प्रि देश चेंद्य देटा। व्यव लेख देश चेंद्य वर्दे य दे पायर हैद में मामल य द्वा मील सहद यह मझद हैल में लेग क तु स लक्षामित मुं हित् यर मुहें। १९६० महुन य मान्य में मान्य में सक्सर रहेन गुर। वञ्चा यःवाखुकः हॅर् गुेर् हे र्वेर् र्र वहल य ल श्वाय य क्रांकर् ५८। यसम्मु इ मिहेन में हैं मिहे यन सेन तुम सन्म ५८। ३व वेंस मु ह्रवाय प्र क'स्वाय ह्रा महीद तहेद म व्य बेर्'स'ब्रिय में वे ही। देश र्वि मुँ प्यत् पुरुष व अर्थे हे प्येर हें प्रस्य स्था स्वर्थ कुरु हु प्रस् व्याच्या विषय मार्चिय स्था विषय है। अभिनय ठव व्याच्य स ब्रेन सहर्षेता । जिल्ल सु सु व्व तर्त पर हैंना । यह स कुरा पर स स्व प्रथम में प्रमा । ने प्रवेद प्रमेग्य पह्ना परे मा। विस्य उद इसस स लव तरु हिरा । पर्मे प प इस मा झू र मा से दा । बेस महारस म प्राप्त ल्युर भेर महीव इस धर म्मॅर सहे कुर लया विसस ठव गुव में किंगल केद मा । है। श्रेन इकायर जादक ने श्रेन। । यह व कुस ह्याय मुद्द के तकना। मूल पर क्ष्य में देव त भरी । देव में बेंट्य त हैर री ।

इ.ड. १ थ प स्वंय प्याय प्याय क प्यी. प्रेट पर हैट टे.लेव ४ इ.ड. ... मब्निव है। दि सिन मन्न नेव र्स म बेब स्वेब मन्न पर दिव क्ष मुब मह्म य मेन हे। प्राप्त हर म्रुप्त र्मार शै रिचेल म यु इक् लक्ष सहर म लाय दे हिर तु न निर्म परे छेर। हिंद मारे हु न गुर लग द है है दर गुर नु'पन में में ज्ल कुल'प हुन पर प्याप हे हैं से देस दे'हर पन् प रूर। खेन व रू हे नियम यभीर यह कीन अस रूव यस निसम यह यन यह राम न्यत् मल्लर हेट पहेंद म नाइन महे खेल झन्य रचिर पह होर हो। ।इस प्रमेर मैं र वे बेर प्र १४ दे रे. हे. एकर य पश्र रेनर बैंचे ने बेल चंडेर .. त सेव व रू. ई है रे ज़ेल जेव रे. पवट स ज ख्वंब त वेट क्व अथल रेतर. केव व्यक्षित कुष नांबल व वहव वह हर वसुब व केव.हे। श्वेव रावे गुव. न्नित हैन मह स्रामि रमेल पर क्ष ने नियल पर मनन पह छेर में। हि बेद्'बु'म'र्म'द्र नहिद् म'देव। । महुव नेद हूँद म मंब गुद हुद स्नुव लया । में.चेच अ.बैंट.टू. इं.आंवर ४ म्. देशया । हे.च हेय लव क्षेत मेंया. श्व.च चवर त्र ८८ । विदेश किरायहर राषा सेवायाय हैर त्र हिला । क्षारमुँ र हा व अर पार कुर है क्षार वे कुर वेंग सर बु म में रहा कुर "" निरामानित यानेकामध्य य। नियमानु कार्यान कर कुन के सक्ता कार्या पवट. मूथ पर्वेश त है. पी. शट हुट.। राज प्रयट. प्रीप. तपु. कैंटे. अश त्रे में भुत् सर में दिन में । माब्द द्या में दिन स में दिन । स्ट्या हे दिन त्यतः विष श्रु. यरः चेरा विक प्युर्व य हरा कृर्(के 110 प) हेंब्रसः च्यावित पर्वेयातर पर्वेर ताज्ञवायाल्य, ताज्या वि वेचाय वैराध्यार. ह्या है, हे, जया, श्र. स्वाय स्फार ट्रेंट सार्म्य ग्रीयार्ट हिए, पार्य स्मयायी... है'न'र्ट्द्रिय'सर् में द्वार मैंक्'मिर्द्राय यन म'अपन वर्में'कु'बढ़ें वर्ष''''' नन् मान्ता प्रेयाम में हिते हातते कुत नहन य नहिन य वे यान हते 어느 선생 육.건강 출신 붉는 전네.다오.네용석.더 몇억 회에 말.그 다크는 덫성 ... चर्ने भूट ४ जुल कुर हूंट लेंग हैंगे डिल्ट अहरी। चर्नेय तपू कैंट है ४ लपर. त ८ द अ रताय में स्थार तथ्र से दें हिंदे देनाय हेव ८ द अ रताय मानाय दः 다양 회스 너희 청는 보고, 문어 날, 먹는 나는 이 집 되고 됐다. 회사, 다음 다 다양, 땅은.. थि.तर अहर त श्र्वाय अविष.त्रय श्रा । ग्रेंच ग्रेट व्यंतर प्रेंच चर रूप पह हैर। हिंद. य विवाहित वायर छव पहेंच तही। । विव रूट विद पर देते हुव पर रेथ प बळव पाइव प् प्रमुद प ठवा येव पादे छुर घवन ठर " गुट सुन य यं दे न्या यट परि पन्य यं हिन नु यह में व यं मुन ल मही व निश्चान प्रमान क्षा में हैं हैं कि वा की निष्टा निश्च की । में हैं क्ष है ध्रमान हैं है ल कुरामहर हैद रमद मसुर महे सकत 5 है। म मनद म् स्वाय पर्वर हरा इर य स्वर रे क्षिर पर प्रति पर । अ कुर लत कु.च.चंबट.चट्च रह्य ग्रैय.चर्च तर वंबट्य मेट छुई.है.हे.ह... हैर म्.घ.प पवर म्.४४४.वेर विश्वर.तर्व वे श्रीत त ४८४.व्ये है.हथ .. तर हिरारी दि हरान्य हे वे सम्ब के पहें व वे नव मानका है बैप जिटानिश्च में बैट पर्टा बिंद ब्रूट टे.अ सेने के जिट श्रेल हिंद रेने में हर. बूद म र्श्वन्य सुव् रेट घर नव्य नेट । छुर धर इत वर्षेर अहे कुर इसस वस'नुत्र बुच म केन्'मर नादक मर (लैं 111 व) नासुरक है। अमर'त्र्मः मु मळे'मन। नेयरम मुर्'देरम मुट हैर। ।रट में रट'म देव हमा है। नव्या । चिट क्या स्वत्य ग्री क्य देशव श्री । श्री तहना में तिय है स तम् म। । प्रमुल मार्थ में मार्थ मुख्य है। । मुख्य मु मिन देन पर ने मुब्बा।

ब्रिय प्रसुट्य हो। ।

सार सा द्यं की ट्रो प्रिंट क्षेत्र की संदेत व स क्षेत्र तह व से व तह तह में हो।

संदे स हो, प्रेंद स हो, प्रर पाने प्रेंच स क्षेत्र व प्रक्ष की स्वार स क्षेत्र स क्ष

१ २ ३ ३ ५ देवद **दे:**सूर्तु। नृतुनु खु भ रदसर्द। ।गुत् **हु**रि कूर्र्द स्टबाद **द**ः

न्दःन्षे हिंद सव में अद तु रें य म न्या मेय अद्दे केया स भेव से देया . . . महिन्य व। निष्य स्था केर हा केव येथे ज्नाय पुर हे हिन् सर गुर हिरा चल्द लर रेस मण्डे र्दे स संचायर मह्नास स सर रु पुत्र हा। दे के बंब देवे श्रेंच व पबर में बेब पब गुर पन्ति देंब व पक्ष पहना दर हें केंस में निवस सर में प्रें ने वस निवस स सद निरम म रहा। से नेस स न्दा भेन न्हे सन्दा ऑदस सु महन मन्दा मन्न हेन न्य म हे म्बे ए प्रत्य स पश्चनम् पय न्ने तन्द्र में मेरे ही में इसम हे हैं स न्र र र छिद म्हिल गुँच प्रस्त साल के कार्युद सर बेट बेट स्र गुर हे कार्ने ९५ँद ' " त्तर में क्रवंब अ बैंर कुट टंबे.तर्थ त ईश्व कुथ कि कि क .. .. पर्मा दे'द्वा ने'म व द्वा श्रम देश की स नेश शा ।देश हेल सु द्वा श्रम हा'बेस मु'पर्य'णुर नबि'ए'पञ्चनस पर्य श्चर यर प्ने २५व में ईर म केर'' मञ्जेर वस स्था केव मा वसस कर मेर ही मा नवस महब मा अर मणूर. न हैं हैं नहें हैं न नहें र जैसा अहें श्लेम अहें नहें हैस में नस जैर नहें **स्चित्राक्षेत्राहे स्ट व के.क्र. पञ्चित्राच्य क्ष.पष्ट क्र. पायवे.स्. रच वि.स्. रच्या वि.स्. रच्या वि.स्. रच्या वि.स्. रच्या वि.सं. रच्या वि.सं.** बुका बुक वर्ष पर्य प्वति र विराही । रे लिय बुक मा पर्य प्वति दे। हे मा ८ है ना हे द र द द स्था में है। नि ह ने सार है नि है नि हिं। क्ष प्लो त्र व स्म केव या । निर्देश य प्र दे शुर है। । स ह्रेंब है रेट प्रथ बेट की अब्द ह्य तूथ टेंबर ध्रिय अर्थ रेटा विकास है है है. पर हो । विस्था रू मूर्यार हैं। प्राप्त । विष हेर् क्षा नवस्था हिन्स ब्रेन्'न्वमा । न्द्रन्'लन् विद क्वान्यमान्द्रया । व स्निम्परेन्द्रसुटः प पा । पार्व श. श. हे. इयव है। । गेर ग्रेश प गेर. प. इय. प पार्थ । लिल, रूप श्रेम रूप्तर के स्वार् क्र. 115 में जेला वि. रूप इस.स.म. मचेर.

निविद्या | बुबार क्षेर लेव.बुटा। ८८.सेन्य क.न्यु क्र.तपु सेट्य स्टा दे'लय गुव दल सन्य है'य इसस गु ८५५ हल है ८५ व छर सर् गु ८६० मर्गेर म है वसल कर प्रराश्चा हैर में लियल हैर में। हिमल प्रवास स स्वास र्वे पर्व र.पचै.८८। । पर्व त.पबु.पचै चैल.त्र.पे.वृक्षेता । श्चिर हत्य गुरु य प्राप्त पञ्चित्र है। इति प्राप्त । क्रि. जेर प्राप्त दे प्राप्त । प्राप्त न्युक पर सहरा । देवे के त्रवन्य प है पय मिन बेस पु प सह 5 में स त अधर होब त पार्ड, पूर. ग्रीर पष्ट रेज पार्ड्स त कि पामी.रेट । य थे भू थे. ल स्वाय तपु तर्व त तकु तम् विष्य रेम्बर रेट । वेट कित अभव रतर कि तम् इबल गुर मुल यं ना देल्ल हुद इत्या वि केरे खल टु इ मुद में नाईन लग किट वेशर.रे. पंखेरश त प पंखेबिश शे. वेश्वप खेट. पंशेष प्राचित हो। जीश त चक्र. तमिरे. त्राध्यत कर युं. युंध श्रु लघा खेट तसे व की घट्ट लड़ा किल हा. केद में हिंदि, ग्रीस रस लिया बहुत के यह त्या है ये विश्व यह साम पाट साम पा है... यर गुरागुटा इसायर जेंस यह रस दे रस यर पुष्पर से बुल हे देहे हैं """ हैं अ लूब. बूं। बुंब तांप्र जिंद त्रेंब त्यं रायं त्यां त्यं भूट कूथ भट्ट ता ईश तर मन्द्रित्रित मान्द्रम् मुख्यायर मान्या देव के त्रुत म वस्त हद के चेर मर्गेद्। अर्दे हैं 'द्र सर्दे य हर के चेर स लेंद् य इसस गुर क्षे चोर मण्दा मण्द सहस्रस्य स्वा देर मुस्सा । स्ट्री स्वस्थाय के स्व क्तर कुंच रहे केर ४ हूर तालब क्षा रिवेश की बोबबात रेवा वाया है हैं जहें. रहे.रेजूब तर.मी.ल व बुंब.वी.तह बंदैब जब बिट.रे.टु.हेर वबार.वर्ह..... विश्वभ्राम् वहर्ताम् पर्वेत् ह्। विवादि पर्वे पाः देवस् पर्वे स स्वयः विश्व महें त्रीय मही ।(क्र. 113 वे)

## 4. 2'48+'हें - अते' प्रवासमा राष्ट्र प्रवास

म्तिय पढ़ी म स्रार्गुर हैंद बर पम छन्त मन्द्र। । स्रोप पढ़ी म स्रार्गुर हैंद बर पम छन्त प्रमाय मन्द्र। ।

न्द में भ महिसा सर्र पहला कुर पन् रे।।

वाश्चरक तथःश्चा ।

बा ट्यूटकः त द्वाः त द्वाः त द्वाः त व्यक्ति । विषः विष्यः विष्यः त द्वाः त द्वाः त द्वाः त द्वाः त विषयः विषयः

प्रियाय कुषायर प्रकृत् प्रकृत्। कुषायात्र्य प्रकृत्। रेणः

न्दः मृत्या व्यवा ह्रिन्य व्या । पद्यन्य विकास्त्र विकास

घमल ठन ग्रे ही मेल लिंद लिंद में गुव में ही न्यल महिन महि मर्ने में गुव " मु पाचर प्या रिवर जिर्द्य नियल सर्गान पर भी र्दा छ नेय ही रिहील तिह्रम् मी.अष्ट्र हर ता पा । पिर्टर प्रथय वश्च वर्ष व वस्य तर मिट किंच तपु इ.सूर केंब मुन्न मीन तपु हूर बेबान बट बारा रेथे थ ... निश्र पार्ट (क्षे 113 म) देवू दश्र मा श्री रियोग रहार में र अरे राम मध्य में अर्थ वित तर रेथ थी रह पड़िय कीय कैट यर बहरे त है। दरे हैर कूथ श्रीह खब खन क्षान व संस्व के निवेदना हैंद या है है निवंद व सन य सिर र क्ष रिव की कि.ज कुट बीय हूँ पिरेवाब ता दश.जब भक्ष घर पडीट ता बोट ... कार वा बाष्ट्रवा हा । विषय कर है या दा न्यूर तर बाष्ट्रव हू या सेवा । रहा ब्रैट. ७ विर प रें विषे अधि के हैं रेट। इंग्यं त कुर तू कुट कृत रट. अक्ष लका । तर्व सह प्युत् वीक कृष के तकर ५ मणा। । पार्वेष स पा ॥ त मु इसम में हिंग सर रट इट लिटल मुं दी। केंस मुहे द्वीटस लग गृब इट के मेल केंद्र में हे क्रूट कर रट चुट महे नद्दर हुद मुन हुन में मर्ने पर। हूंब'न र्वाय राजय, १८ में वित वट्च हूं हुं उष्ट अष्ट् टेंग्नायण हूंचेय . मुँ और पर, तथ द्रवाब रिंधु क्षम ती.ल पुंच गुँदा भटा भटार थे और त पांट्रवा .. न्द वर्न् गुर्भें या न्द याय पर क्षर मा नुष पदी सहस मा हैन क्यर रिगुर दत बाल पढ़ पर रे.क्ष्य रद.पढ़िव ह्रें पंत्र प कृत हा.पहें व स्थय .. क्र कु. कुट म् लट रेंचे तर्थ रे सेट क न क्र क्र क्ष कर क्ष कर क्ष कर क्ष मह वास्त वास नुकावासम कुद के तकत नु मर्च मर सहत ने वानुस मु तनुस 월드 듯 우고 다 저 여국 다지 저 다중 다 靑저지 컵 뛸드 땅이 이저 깝다 오두지 다고 " मलीयश्रश्रा । विवाश हर वालव स्ना हवाश लेश विद्या पहुनाश श्री । हेंद सा इस स्यावतार्वत मासुस व स्वाया । निर्वत्य व वन् निर वक्त सह रहि। हैं ने नुशा विषय में हुन स केल क्षा क्षा क्षा हैं है। दिह सर पश्ची ला. मु द्वार थ जर न्या यह युग्य हेरे न्यार मेशा य पहिर न्यार धुग द्वार मुःनाबद इत् रु। रुपुल द सुना च नम् र । भर रु : अहद रुनाता हुरः देव में केय पकुर मा बुग हु 'परे 'प दवा पुर व सब रम सुम म है रेत सह ब्रिटाम्बन ह्रेटा की पट चे चड़ेनाय च क्यम यी। ह्रेंब च (कें। 114 व) ने महीव नानेनाय म रेनाय सिरे कुल म इस म स्या स्व हैन मारे लिंदर क्ष्यं प वत ब्रंद र्वट पश्चि पश्चर पश्चर पश्चर व रहे व के किर हे पश हे रहा हॅद पुं सद्य कुव वा । दि दव प्षव हॅद हु खु पा सुल पव हूँद प शुप्त हे क्रेय हे 'न्ब्रिंट्य प चर्ते न्युट न्ट एकन्'यते छल हुन नेय बट न्यट ... बुर बनका में द्वेन पर कूथ हैं मैला क्न में काला निवस पर प्राप्त हैं अथ ल .. पद्नेष्पर महित्र तक द दल दुन दे। भु दि वर प्रदेश क्षेत्र सः नवेदय गर्रेत। ह्युत् वेस एर नवेनका बला क्षेत्र के नवे। रुद्र न क्रमयानराद्याधावाणी'द्वरायाचार्या प्रमुद्य हे क्रद्य पर द्विर्य सु न्युद्यः हा दिक्ति अन्त दिन्द परत महिष्य । हिंद पर्व मेन सम्हेनन हन स् ह्या । वित्र्युत्रस्य महिर्द्धव पहन्य देते के सन्तापि बेदार में पा देनाय हुन नी नवस इसस सु सुद सिंदा पठत नविति हुँद य हुन हुँच है। दे न्य मैकायान्य प्रमुन्यर्पायर् द्वान्यद्य क्षेत्र मु जेन तर क्र श्रे अवर प्रमान प्रमुद्द हर श्रे पर अहर है। । नव्द पर न्नानी के द्नार्य तिहेना संक्रेन नातृत्र में स्नात नात्त प्रमानुन या उदा द्वास । मुःहर रत्ता दे.र. यह देश तर देश तथ हि.हूर र्मुल रहिर हैं व तर है. महर्म म्यायानात्रत्वावीत्राहेते द्वा मान्यन्तु वेर्पाष्ट्रव परान्तु व्या स्। निव्यः अषु निवंश वी अध्य मैं अप्ति निवः निष्ठं में । कून महेव प्रदेश में अ.ची ताराष्ट्र द्वा पहरे पा । वा रूपा है दे . ट है . मैं ट है . पंखें अ . पंखें पा । भे बहेर् वा सम्बद्धान्य वा मुद्दा कर्ता मुद्दा करें वा में वा सेवा है पर है न वर् की.चर्चा, भू भी .चुट्टा ल अक्षर की. क्षेत्र चीट्या टे. या ८ हर चा थावर रख्ये. चक्चेर्ट्टा हि. हे. तुर्दे की. विश्व की। । हेंद्र तह चीट्टा ए हिट्ट र ट्या वयथ. चक्चेर्ट्टा हे. हे. तुर्दे की. विश्व की। । हेंद्र तह चीट्टा ए हिट्ट र ट्या वयथ. चिश्व स्तर की. विश्व विश्व विश्व की। । हेंद्र तह चीट्टा विश्व विश् अत्य तम हिंग र मा है तम किया मिता प्राप्त क्षेत्र मित्र मित

महिषाम रेगापहिष महामणु मन् मान माहिषा खाहिर स्वाया संम्यु सम्बद्धा स्वाया

चट्चे, त्र चीरा | ह्चेश्वः ता कुर्य तृष्ट चर्छेर ता हु। हु. श्रेट्टी हुर्था स्थान स्थान

कुर्-इन दुव वयु वदा । तस गुव के यु मन्दि देव सूर। । पहुद हैन

अविद्रांतर हें हं अथव टेच्य कैपा वेचया है। विषय की टेच्ट चा भीर हुट सद्गा वाटा सिट की से अथव होता वेच प अथा है से प्राप्त के प अथा है या वाटा सिट की सिट चार होता वाटा के प्राप्त है से प्राप्त का सिट की सिट चार होता का है से प्राप्त का सिट की सिट चार है या है प अट खा जा का सिट की सिट चार है या है प अट खा जा सिट की सिट चार है या है प अट खा है। या सिट के सिट की सिट चार है या है या सिट के सिट चार है या है या है या है या सिट के सिट चार है या है या सिट के सिट चार है या है या है या सिट के सिट चार के सिट चार है या है या सिट के सिट चार के सिट चार है या है या सिट के सिट चार है या सिट के सिट चार के सिट चार के सिट चार है या सिट सिट

न्य वेष तथ केषु-वष्यायान्या है। देश के तथा देश है। के वार वेष त्त्रीयंथ क्ष्य मी मिल हा है श.ख. पूर्यांद्र संस.ध्र.ता २ ४ है . अष्ट्राप्यंथ टे..... वित्र ७ बिनंद्र क्र.नंदर नर्ना श्रिजायह रहरात बिनानंद्र स्थय हैना २४ क्र.मे. ट्टैं '5' पहुष'हे 'बल' 5' के 5' दे य सम्बंदि 'बुनव' मर मह भव महुनव'' वस द्रैं. एट ७ तर्रात होता शिवाय कर प्रहेशका प्रधा 🖫 देश हवाय त व स्था बॅरि बुनाबाना दबानाबेर मुै हैं हो है न्नु किंद्र प्रमराम बैना मुद्द हे किंद्र नुः । बि.च प्रथ (थ्र. 112 च) ब्रथ. ब्रिडि. अष्ट्र रेग्न. रेट होते क्रिंग हीय ता हूर अथय. वस्यामार केरे क्रुन् लागर्देव सर्द प्रदेव प्रदेव प्राने वे से सव रहत "" नह के अप्रत में निवार में त्रें वय.रेचट.चर्चेर ह्र्चेय त ष्रव च्रु.क्वेर.एवेश.संच वैच.व. ६.चबुरु .... बर्द्धर्परम्पन पुर्वे हे महुद महेप्मर्गियर मुराहे। विद्रुपेत के यम्या । अवर मूर्त् अरे बत् यर रूत्र्युद्र नु वेश सरे के श्रूम न्यें व केव म् । प्रधारम्य प्रित् परिवाहिय प्रदेश हैय प्रदेश हिए। स्वीय मिट्य वसा मु बेर २। है.व.वै.२। मामा हे.इस.तर स्र्ध्रामिलक् में रेतर. चक्षुर परि तन्त्रहेत्र'रेत्र'पर'पपत्र। श्लिप'न्यंत्र केत्रच पात्रुं लार्त्र गुर् न्द्रं त्रु भू भेट ज हा सर पहें व केटा निवार र मार्ट हिर के में में भू न्दं सदास्थावनान्द्रायक्त हेन्युदानु में स महेन्द्रसामह्रवावन वर्षाः चाळेव संम्हें हेरे सुब रहिराच है शेर् पुंत्रमें परि में बहर हैट पा है यह हर्नु गुन्बल बेर्नित केर् हर्नित्य श्वार हेर्नित श्वार हेर्नित स्वार हेर्नित मेव दे। ।

न्हिनायालान्हिन। देनातहिन्कीकाळेन्यालनामुन्यान्हा के न्यके क केन्य न्हिन न्यक्षायमुन्यहिन् यहा ।

प्टेंब दल ह्व देन'सेव'८८'। प्नार एव ८८। शुस्र हु न्युस है 'हू' न्वस न्युम र पष्ट्र हिर गुन्स परि न्यर परि कृत वनस उर हिस हे ..... पञ्च न पर महिन् । दिन प्रायदि देन्य उद र मार्थ दे। द्वा नाम स्व मळें न श्रुंता शुः कुलालहें न मा न न न हुन स्र स्व तर न न न न न हिन निर्द केन हेर नेश्वभादे हैं। अर्रे 'र्नेट्य ८५४ ग्रै'मेशु मेशुक्र'य सका ८ ग्रुटः हा । हे.रेच जुब म थ्र.चूब बनवास्वाचेया । १८.चेर.च मूर्व वस श्रीयर. ल इल गुरु स्रा । दे दे रेग तह द पन के पन् कु पति। । दे हर नयद पन्न नेस (के 116 प) न्सुरस परे देन प अवत न्य क्षेत्र में क्षे प्रवास विपस । हिंद गुँच प्रेर गुँ: होनाय पास ल हो : हुई : बुद सब के मेर होय दय दस समार ल न्यूंटल महे इल मनुव गुलासल हा । ने ल न्यूंटल महे इल मनुव दे। मानेर में पुर पुरस्वे माने खुद खुद केंपन पर न्में देव पो में हिस बुद समा चुनायाकु खिन सुना हिना सरा दिन दा के द्वा के हिना सरी हिन हुर्द्र अष्टरान्तर र्मेट्य न। वयायिकार प्रनेट नबुय में पहना नय पहेरा निवयान्यापरान्नित्या । अप्टामितार्म् क्रमे क्रमे के के विव प्टा हिंद तस मेंद्रेर शिंद विदेशार कर रें.र्मेटस ता क्र पर्म मेंद्र हैं: लय. इव र्वट. च्राकट रव. क्रेवंब ज्रंव रेंब अरेश रें. रेव्ट्य वा क्रेंडिववंब विट बुबस स प वर्षता स्वीय बैठानध्रेय तर्बेट ४६६.८४.बैब.बी.४वैट.... माल प्र्नित्य माद्वस्यार्थ। १९१५ना वे क्रयार्द् व स स्य मामदार्यस ग्रीयार्वितः नु किर पल देन रहेव पर्दे पर्के पर्केश निर्देश ।

पड़ नक्चेंटे। जिट, क्र्म वच्य, मुट, ट्रम पट, ट्रमें हे चंद्र था। चित्र हु । प्राप्त क्रिं वच्चेंटे, हु। वित्र हु । चित्र हु । चित्र

स्वीयालयानकीर दे.रेरा दियर ईस्थार विद्या केर है स पया हु पर् बन के द्वर वना । यि वे न कु ' ८८ म छ प छिन वा। । हे पावन पासुस रु मा पान नाक्षा । नक्षेत्र नत् क्षेत्र म् निकाना बिन । तह्म मिर मे में मुन्य सक्सर मी। मिल, मृ.स्ः बुल मिनल न ला। निस्ट वसल छव मृत् सर्वे स्ट्रे चहा । नियर पर पर्न र्य इर पर त्युरा । देव न्युर्य पर पर अध्व नर। वायर पर्यापनाम्बर्धनाम द्वान व्य टामालाम क्रम प्रमुद्दा देश के देश. ਰੇਵੇਂ ਉਹ ਮਾਲ ਹੈ। ਕੋਟ ਹਾਰਕਾਰ ਨੇ ਵਿੱਚ ਦੀ ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਰਿਖ ਉਹ (ਘੂੰ 112 ਵੇਂ) ਨੂੰ .. वर्षराच चर्व केयाहे। है अप्राप्त हा अप्राप्त खुन्य हन्य वेस स रहा। द्द केद्र होग्य प्रयापय प्रति। किंय ग्री पर्ये प्रविध प्रति। ग्रीव ग्रीयः न्मायर वञ्चल्य म न्दा । सक्रेंन् म केवामा पुरुष म न्दा । देव केव कर र्ने. चायातार्था । विषय मैयायाताति चार्चेय तार्। । बुयातर्भाष्ट्र श्रेय क्षेया न्द स्थुव पर र्षेण सर छण देर के मु हि ज्द म हेन। दे त महेव हे हुन माह्याचान्त्रावहत्। यस्त्रावदायदे यदार्थेन तृ १५ हु केत् सं हे । यह पक्ति । । मुः श्चेन्य प्रवाद्भवयः प्रस्यः सुः प्रवादाः हैं हैं श्वेययः प्रवादः ब्रियदि में लेतुः यद शहल हे पश्चित्र'प्य'र्ट्र'हे श्रेश्य' र्पाट्र'बिल शहलाब्र हैव केया..... पञ्चित्रदेशः ग्रेसः खटा संस्थानस्य न्यातः विदेश्यत्नाः स्यावितः पद्भव हिट'न्यद पञ्चर'कुर्'पत्रि'। यस देव हें ग्रायावस देव से वार से साम से साम हिया है साम से साम से साम से साम गुंगु दुःद। अङ्क् पंहि। अः ५ दः अग्राय प्रमुत्ति रत्यार। ।दे ५० न्यामहत्यानु मुत्र्ये मासुस्य दे। । तार्र्षे साम्यान् ने दे तत्रा । ता नु क्षम् वीद मे वनवाक वार्ता । वीनवायमा दस्य सुप्ताय मेदाल है स्या । इं'व'र्गं'१२र'न्मल'च'ई'हे'ल। १'हे'बेबब'न्यब'न्यबं'वेदब'हे'छे'नेर' मर्गेता । नाबव 'न्म नाबव 'वं वा चुर पा के वा वार हैं। । दे 'न न न वा वुव एट·पक्रुर्याके। नि'न्न'न्ट'रुव वर्ष्ट्य'यर क्रेक्ट्र'स्यकार्यन्त. न्द्राक्षाक्षाक्षा देव पर प्रमाण है। में प्राप्त मुन्द्रवस सार्च है की निर्मा ख नामह मीर देशव र मूर के रेट नहीं प्रति क्षारी नवा क्षारी कुर्वित्र वे रे रायार पारे हेरायाय। व्यापुरे कुर् इवय सिन्दे खुल पु प्याप्त या के निष्य ही द पु : हो प्र वस प्र प्र व क के प्र व हु : ... चनवा अन्व दिहे चन्द् ख्रा तु लाहे ले नहे इसव गुटा बुन्व क्ष है लावते छे खना इन में किर श्रेय नयव केव या ननत राम है है ल है ... हे नेमन (कें। 117 प) नमन नहन सुर नुसुदन भेद में नेर पर्मेन पर सहन ट्रं बुब पर्तिट. ट्र.। विवासपुर श्रुवारित्रं ईश्वय प हैवासपु हैय चङ्गिरावा स्ताय पांबर ८८ मांबर ८म वस हिंद घ.रा. हुन भर घल पांचर क्रमंत्र हुन है. म् सं । पहेर हे द्रानर प्रकृत स्यान्तर सम् कृत एता प्रकृत पर हिर ह्रेचारिंधान्यत् वृष्यं द्वां त्राहर्षेत्रं या । रदायदेव ह्र्याया के लाया ८र्द्रेयःपर्। १८े.हेर.७व्.प श्वधः त्रयः प्रथःपर हे्यातः श्वधः त्रयःतः त्तुल परि दिन मैन कें में दिन में रामिन में दिन होने परि ही कें हैं है दिन होते । पानिप्नावनमारु म्हामबेद हिन्स पाकेदायर प्रमुद परि मेद्द स्तानमालमा कैर। द्वित्र पर्वः ग्रेद रें.रटः सेवेशः। विश्वटः पष्ट हेटः प्रापशार स्था हे। |बुब-पंबटक-प-पबुद हू। |प्रदेश प सैप-ईट पप-लिपव-मे-स्वा-रे. तन्त्री बैत-इं.बु.च्य पंतर्य मेर-पंतर तर्या पर्वेश । घिषर. त्वॅर'म्हेर'म्हर अकॅर हेब स्क'यर'स्वा । श्रेंच'र्यं चकुर'ग्रैन'र्युट' पर्व 'दर्गेदस' मेरे के। । लस ग्रै 'द्राद संस हुँ स स स्मार्थ सर मान्दा । गुव प्टीबानपरानम्बाञ्चनारम्बाञ्चन,मूह्। विष्युन महाक्षेत्रक्षय है। निवयः ह्मा भूषा मान्य चा अष्ट्रमा मी निर्मातिकर प्रमान मिन क्षा मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य

त्यर यर हैंव पार्याय केव गुवायवर हैं हे खेबब र्यात है। पर । रहा gc る・みありょう・ろ・ጣ・其・ヹゟ てかいくしょ・ご・ロウヒゼ すれいしょて エヒ・ナロ・・・ में क्रमान्या ब्राह्म वात्रम्य वात्रमार्थेन महत्य विदाय महत्य वाहित गुःस्य हुनः इस. हेर. इंट रट. अंस. हे. इंग. त है. रटा। हे. ते परे पर्यंत्र स ल्रुबं'चंदें श्रुं वृद् था ।क्रेंबं'कुंद्र'चंद्र। पद लग क्रंक्ंद्र श्रुंच'खगब दमन नुःकेन्'या'ल'र्सेनाव'यर'नातुम्ब यते कुन् इवस्।(कैं' 118 व्) नावस् चन्ना 美·養·黃州·瓊和·スニ·移丁·黃胡·母·도ŋ為 丁瓊和·R芦木 瓊·ནང བ མངད་ दसः व्याप्तान्तः त्याप्तान्तः विष्या विषयः विषयः विषयः विषयः 5.बिट कि.लट. अहरे. वंबा अंजिए ए जू. वा वा वेब. ब्वै'न्द वे'न्यामी कुन्द्रवस वे'व्यारेव'में केरे ब्रेंब स सर पर्याके कित्र हेब्निरे चेन् परे परे पर पर प्रमास मान्य प्रमास प्रमास मान दमादीनानी के निमान है दि गारि श्वनाय में में मन्ति रहा सर्व सर मर मा रत्युत् युवायावहेषायते रेणातहेदाळेद वाह्य यात्यु सब बहु र्याहाया म महिनाबातर श्रीतान्यवानकुन कुषानुषाता मानवान सराय हिवाहे हु त्युता ८म्ँ अ'लब'ग्रु'न्वर'र्ब'ळेब'८हअ'न्वल'चत्तेब'न्छेव'ल'छन्ब'ग्रे'क्वॅंब'चु'''' र्वम्यःरेग्'त्रेद्व'पकुर्'ल बुँव'पु'द्वययंत्रं'र्यर गृहर्'हेट तहव'र्पाय'''' म्भिन्दिरे म्भिन्यार्थम् स्थानित स्थान पत्र विष्यं में त्रायामय मेटार्ट्य मुवापक्र ने देवात में विषय । न्दाक्षान्त्रिक्षायदे ने त्वदार्वेता ने न्नातान्त्रुत में हे त्व गारक कर्मर वि. पप्त. क्षा. पर्वेष. श्रटः श्रीयः तः अहरं तयः श्रूयः रेत्रं श्रूरः प्रयः ग्रेटः अधियः ... मिटा बुवायि विष्या अर्थेद सराविवायायादा वावरार में अवाव विश्वता 

देश प्र हो त है तार्थ त

## निवा कुषानम्भदायह्यानुदेश्चिता न्यायदेश्यायराष्ट्रीया

## 1. पक्षेत्र'प'तयवार्य'पदि'खित र्'हे.हे.स.चर्रापद्र'श्रेवया

वृद्ध्यान्तव्यान्यः स्वाप्तः द्वाप्तः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः वयः व्यापतः व्य

न्दःमाल महिना श्वीप्ता श्वेष्यमातृ प्रमानहास्य । न्दःमाल महिना श्विष्यमात्रीयः स्त्रीत्रः प्रमानहास्य ।

म् १ व मादी तथन्य महे जुल पुष्ठ व विष्यिन महे । । यस केर ब्रैं भैतय मेरे व वैद । बिय त है। एहं अ.ब्रीट मे. में तेम लेप देंगा में ब्रेंग 명리 5·84·현 환·혈도 대리 교도 월도 다'도다 현미'다'교육'전유'온도' लिवायायण के.चर.ब्रींट तपु सेतयाब्रियाची विष्याचा । विष्याचा । ते.जा.विश्वा न्द मं १९व र वें वाया केर हुँन् यह स्वायायन् य वे। जुल यह कया । हिन् शुर्माणुवान्यात्रात्म मान्दिः माना । १३० समाह्ने हैं है मान्दर वर्ग विदे **ଜ୍**নক। । শিশ্ৰ লইনি 'ষ্ট্ৰ' শুন নমুৰ শ্চন্ ননৰ 'নলুন্। । নৃশ্' শ্লীন' কীন' बेहि'चर'र्' चुट चरट मन्। । बटल कुल'हेर् गुल ट र्ट'रर्' पहे हर ইব'কेৰ'ম' ऐका क्रायदे 'न्युन्य'गुव'न्येन्य पर्वेन'व्य मुल क्राय हु'''' वर्षर क्षेत्र पर वर्ष दे दे गुत्र द्वातर वं त पहुत् य मुहद्द व मुहद्द व व मुँग्यामु ग्गाना माराजी रे गासुका मु र्युका सु हुव सरी व मासरा धुणा रह र्वेर् " त्रम्'यर पुर् कुरावहत्या वया वया स्टाय त्र त्र हे मु मु म हि । स्राय यस' सर्हे ८ दे ' प्रतिसंख्या के स्वास्ति । स नु भ दरे विवादि राम् नु नु द विदायहुद याम नु द म महूदे प्रस्त सु हरे । 용'두급자'디오저'용'저'ŋㄷ'디즈'핏미지'디오'미봉'다'다 활도'디청지'다'푋드저 취미' मान्ता वे वा कु मा के ते पा के ते मा क 회수, 대성, 스립는 학교 집, 점, 도소, 너희, 당소, 교는 너, 활성 없어, 근, 좆소, यु के बुद म लें दुह रहिंदर दिए महर मान हुल द स स न है । दे सेंस  य है 'ब्रेन् मृदस'ग्रै 'यर नु क्षे 'यर 'व्रेद' में स यह यस। - भ दि में स ठव में स कूथ तर्धेय तथानेया.पर्ध्रभाराष्ट्रातिया । विनुवं त अहूर प ४विभा २ थ विर पर ग्राप्त केट। श्रुम तक्ष्ट श्रुम परे छु श्रुम राप हु पुर वस पहे प निन्। क्षेत् सल म खु'म्द्र' सला स्त्र वस स्'म्यु'व सक् केन्'सि सम्स कुषागुष्यासम्बन्धः गुःषुःमाषुन् म् बेष समामस्याम् स्थान साहे स्वयः चैत्र'मर्न्'हेन्'ठद ह्'रस्व चैत्र मर्ग। चैन् न्'ह्'पर्ड'पर्चन मा कुन न्यतः नुः हुः नुना र्षेन् । यदे सुन य देन नुः निन्यस हन वि.पर्वे.चेर्रेश्व.त। मस्व व्यन्त्या पर्रे सार्वे पाया रे रेस मेट सु सर पर्वे पा रे रे तथहर पर पर लियों ता दें किट था तारु, कु , ज़ूं द. ब्रिट पर्तायंथ की पत ही से अ. ब्रुट से. हैं , है यो, रात हैं. हिंद्यावयान्यस्वाच मेर्टा हैं है जीय स्वीचर पर पत्र पत्र पार विवस् रिण्यायम बेरे रेण्य सदायाह्र त्युल ग्रैयायम्ल म संग्य हेंव मरे पहन " तारवानु मासल वर सहर दस विकायम्य वी सु मीहा कु सकेंद्र हीर वी ल्हेन्य स स्वापञ्चन्याने (के. 119 म) रमार् विषयाने महिन स महिन। त्यन्य च दन् चंदे ब्वराजीयार्श्वा क्षेत्रेरे प्नो ह्वा चार्ना हु रहद अट में हु मा । । रत म्.ज.त्यूर १८ श्रम् जप्र श्रीट.रे.तर्षेष त वेशजात्रस्वं अह्रेरत मे केद्राया अहर् द्राय अहर में देशक अर्थेट म देश मुग्निर मुग्ने ग्राय अर्थेट म बेल चु'न'न्जु'नर्रे सप सु गु'स्म'न्य ह्रस ज्ञेंस स'नमेंन् न ने'स नम्नुन'म'''' मान्त्। मेन्यावर्षः केव व्यावस्य पायावान्त परिष्युप्तः नार्वेत् हेव सः चकु प्रमुखा क्षें क्षेत्रक कें क्षेत्र गुव हु 'न्ड्न सन्।मनः रन रने 'व्ह्व क्षेत्र वियासम् अहर्। ब्रीट खेव अह सर यह यह वा वह वाया वह पाया के खेला निर्हे क्ष दुरः वर् दरः पर सहर् व्यासुः रवः लयः त्रायः । दिन् सुर्यः केवायः न्दः लेग्यः वर्षेदः तर गृहद् रवयः वहुद् द्वा देखेदः वृदः ह्वा हे सेदः वृदः ह्वा याकेर्'में पञ्चर परि मान्द्रम्म प्रमान प्रमान दे मान्द्रमान है मान्द्रमान है मान्द्रमान है सान्द्रमान है सान्द्रमा

다자, 뒷에 다양 스피, 다옻 왜 다고 성자, 다 다팔스 네. 다성의 피우로, 다 피셨다... रवास्त्र शे. ह्वायातप द्य त ८ हव. श्वर व देव. ताह्वाय वर सिर वा सदस कु स हे द र विषय सहित्स महि सह मार कर मिदासा देहे हे स सु न्ना पर्रे अप्य अप नु पुँद गुप्द दे द्वा द्वा सहत् य अश्व या अप्तुद है। । दे.हैर ५२५ च.बिर खेब.क्र्याश्वालय ४वैर.वधु चर्छवे.वधु, चेथे र चया...त. रचया श्रे मात्रल प्रतः । वेन केद धर चान्यास लाईर मोनेन्य सह रखेल सः सब नि हिंद केट निर्दे पर नु चुट चलट पन्न दे। देलट हुँद मद्बर हैं है मित्र पर मित्र महत्य या तथा देव में मुंगा ।देव मह्र मह्रु। देव सहु के हा देव दवे क्षें प्रत्या देव स्व नव हा देव है से दा ब में ना देव शु वा देव खू के दें ना देव के ला देव बहु। वहूं। देव द्वे क्रिंट द्व वर्ड वाया देव लाखाना देव (का 120 व) णु खु र मा देव मः प हा देव प सः पहुं। देव वार्ष हा। देव हान में गाद लाद मा देश र्वो श्वेट शेट वो ल पहेद पानहर्पर पनर र्वे। । पहेद पर्वेश श्वेन बानुःसन् मन्द्रस्ति । तस्यानुःमही र्षमाय विम्तर् हरा हरा हरा न्नानी क्षान्यर सुरमञ्जू मार्ड याद्वायय ग्री हिंग या में प्राम्त मिन् सहित केवा मारा बिया । पर, क्ष्य होर. ष्टा होर. श्र. ष्टा र्या. प्या. पर स मा हे . प्याय स. चले. स्तानपट हेर. इ. चलेर प्रमा चया अध्रद्धा हैर अट. हो ाटे. भ. छे. म्नार्त्र प्रमार प्रमार में विषय में राम प्रमार प्रमार में विष्य में विषय म बुंद'म'हेंद ग्रे चल्द'हे 'झ'मदे'केल'महेंद'दंबर'देवे न्द्वस'टल'बुंद'म'द्दा। पर्दे वर्ष्याव्याचा चेत्र प्राप्ते वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे चेत्र चेत्र वर्षे चेत्र च

चन-र् पन्-पर पहेंच पर्न प्रवास है। वि.श्रम है हे सब की रेंच बे रेंच पर्रे अप्याद्मेशक ग्रीका श्री क्षत्र तु प्रमुख स्वाद्मेश विकाद । विषय विकाद स्वाद स् वनस उद् रहें द्राय सेवाय समानुस सर हिंद् हेट । वेंद् इसम देशम र्द ९६८.२८। सेर स्थाय त र्वातर्भात हातक्षात हातक्षाति हात्र म् रिप्तेनका मेर विराज्य मे विद्या लग विराधित अहर मुर प है लिवाया है अर दे निश्च महेन महे निष्म दुः श्वद बिद । निद्द हुद सद द्वा महें म सः दे द्वा ने नलुट कुंद धुनल नहेन हु पञ्चेनल यानदल यहद हराल गुै हायादल हारा पर पकुर्य धेय के नेर पर्मित् पर्मि। । चे खन हु स्व न देशक के खनक हर व सद्य मार्च मन्व मण्य ९५८ मध्य न्याम्य ९ में व में मध्य मार्थ मी विष बाद मु मा मु मान पा केदायर लर्दि ला वर्दे हैं म इस हर्दे में म्नानु मन् महे रूद लापुर महे सद्याम मान्य पर १व वें व व वें वें वें कें ਜ਼੍ਰੋ-[ न्यां न्यां नेया विष्यां (क्रि. 120 न) । क्रूंद महि पश्चिम भू 'रेहे सु'य अंजाय मयः चर्ने व तर कि प्रतर्थ तर ४ ट्रेंट्रिय ट्रेंट्य ४ ग्रेंथ ग्रेंग्य वर्ष भी व्राचार म हे मनुव भेव दे। । श्रम न्यव त्यव त्यव विषय वे हे मनुव है न न न मन्य मुल गुःचन्तर वेदायद वरातु १३दार्थेय श्राश्चे हो दिन्त विश्व पुत्र विशेषा महुनायतर वेद'रु'दुर'है। वेन'याव'र्रायत' अर्दे हे' तनत' देन' मदिद हैं। । देश वः कर अःमशुअः ८६ तमाशः परिः वें रः पः व्यर्भः पा दमा वे खेल झुरः हुः मठुन्यति केन विदायर पुर्वे विदाय विदाय के विदाय सन्याव स्पराया विवाहत विवास सराय मुद्दार्म्य सा है दूरान्युकार्य वदःद्वदः पुःरञ्जे वर मृद्यःयः वद्द्वः अदः गुदः है र्ष्ट्वदः मृद्वः मृद्वः स् םמיצ קק עד פּקָביפּקבין מיצֿימיל־יפֶּביאָריבּלי קַיביםה קַימּבּקיפֿקילי न्ध्रेणाप्तित् वै'वर्षे'यदे'वरे'वर्षे यप्तान्दावतुव्ययाम्बेर् वर्षा वकारे'विण्य

मिश्रेय स मायुवा चिम् केद धुद क्रॅंट मिरे हूं प्रेंट। धुद केद ह्याय है।

न्दः सं ता ना हे सा शेशका देश न्दा न्तु अर्था ।

चेश्रय य प्रवेश निटा है में देशय लय देह्य से क्ष्य मयद ता क्ष्य में कैंदे, विषय य प्रवेश निटा है में देश प्रयोध य प्रवेश निटा है में स्थान प्रयोध में स्थान स्थान प्रयोध में स्थान स्थान प्रयोध में स्थान स्याच स्थान स

की द्वेद हुं तह दे खूरा रा थे झेबों के तक्षी. २ झ तिंद ता ज कीज हा पाड़ी था थेखा . न्न मन अर्केन केंद्र महिन लगानित नित् क्षित अ खुला हे क्षेत्र इसल होनान नम.रे.चुंब हे.एकर १४ पर्याया अने कर हीर त स.पमी सन नयंब वैट प वस्य कर गुर सर् है'न्यन मु केन'य तहेन या क्विं में व क्रेन्य य केन ता तहर तहत त न के न है। है हा के या के अहर टें हें उतिल रट. सहव तर मुंब तह हमान हिंद वर हूंव त मि वहां । ने न वस होन केव य नु स तथेल देद । दे इसर न्द नुस सहदस सु त्यन्त य नूर्ने व सर्हेन म्ड्रेन्य परविश्व मा रवन्य मायल मू.क्र.रविश्वामा सम्यान्याय म हे, हि. स हूट या कियं केंच इ. यम्ट य हूट स्वा. य छ य छ। १ १ ४ ४ ४ ४ न्न पर सुन्य इंट खन पर न्हें य य सन्त रेन के व ने से स्वयं में के ला क्षे प्रता शुक्ता देवा के के विषय का मान (ल 121 म) इवस दय वे खुल नु:बेमव मीरः। इन मर तुरे खुल दय चुर पालह हा। दिहे के खेनाम केदायह बेद मन खेनानाचनन करारी किए मन 84 ह्र्य त रेचे. चू पूर अ पूर वंश ह्रचे त कुवे. त्रा अटश क्य ग्री. त्योर अ मर्द्र होय सेर.त परेत.तब हैय एलचेय बेचय.स्वयं क्रिय हेव छ्य प्याप उ'न्युम्याम भेदादी ।द'मेहू 'उ'अर्घ'म्य द ग्रंग सग महेरया प्राप म् स्वेष क्रियावेर पर्वत घर टे.पश्चा हे.टेव क्ष्य ह्या है त लुवा पर चन्त्रा । दे दया देन केद मे हिंद द्वार है प्रतान के प्राप्त प्रतान है या हिंद रनाम कु.ध.रविष्यानपु नव्यास्य प्रवाह्य पर्वेदाव दु.र्याट कु.च.र्थार् रविरा म। भु रेरे सु र वित्यामरे माद्या सु र तम्द्रा न मह्दा न महदा मानु र ते महदा मानु हेब.एत्रेल बोचुबंब बंब हूब.एलबंब स.चै.हुड्.से.बंट 2.एविंट्य.सह.बंबंब. सम बेहे में हिर दे लार्विया वाले हे ही में रामेर है के बेर रमा वालिया छत्र चेत् पुराण्या वेत्र में दिर हैं दस मारे एक केलाम खेला के स्त्र के न

स्वर्गार जीवा थ्रा ।

स्वर्गात जीवा थ्रा ।

स्वर्गात जीवा थ्रा ।

स्वर्गात जीवा थ्रा ।

स्वर्गात जीवा थ्रा हुस स्वाद द्वा चरुस स्वस्त रुप जीव स्वरं क्ष्म द्वा ही विकास प्रति की क्षेप स्वरं में स्वरं की क्षेप स्वरं निक्स हो ।

स्वर्गात है पार पार्वेद स्वरं की क्षेप स्वरं में स्वरं पार्वेद पार स्वरं ।

स्वरं पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार स्वरं ।

स्वरं पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार स्वरं ।

स्वरं पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार स्वरं ।

स्वरं पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार्वेद पार स्वरं ।

स्वरं पार्वेद पार्

मार्थेश तान् । वीचात् हुं क्षेत्र स्वाया । विच्या स्वाया । विच्या स्वाया । विच्या स्वाया स्वया स्वया

में निहुंदे खुल नु बदब कुब न्हेब पद धेद लब उद हाँच न्यंद ळेद सं हु ल्ला मुंद है। यद गर गरेगल मायल । हे हुंगल में दरे खुल रु है। ।द्वे श्चर प्याय हार केर मानाय या । दे केर ह्या क्षेत्र रहित य हे। । व्यर प्राप्त केर तर द्वेनस पहला वा विशेषित परहन हेन है। विशेष देन केन रा मन्द्रमा ।रम् पुरम्मत महीत्य मञ्जूनयाही। ।मदे माठव पुरदे र मूँहा। देव प्राचाय विकास का किये करी। तह अप्ताय कुरा पुरा कुै लिंकर ल र्स्नाय बर्र कुंद तु बर कुल पर लुट पड़ेद प दे हेंद कुँच ल हेंब र चकुर'खुल द्वुका केल चकुर हें छुँगका चकु'द्र के नु ह द्युर द्यल चु र ल चलुनाल हे छ व चन् र झूंब च ५८। वाईन लना नट ५८ वर्के र हेव मुे'म'मबे्रियम ५८। ५वे २५व सहळ म सुर बेर'यू विषय थे स मेद मु र्दर सहर तर्रा अञ्चेत्र मु मूल पान्यूय त स्वयं से राज्य र वस रामा महिल्ल में मिर्स में 122 म) देव हा केर्' म' कहर्। सूर्व सुल दब नेर धेव तस्त्र मा हुव इत्य निद्दे भेद दे अदिवास के विषय है जिल्ला कि कि जिल्ला के कि ज न्दा रेनकायते हेनक न्दा महून यह हिनका न सुका मुका माना र विरा स्तिर्द्धा द्वार्य व व का वा बुका की प्रति व का प्रति व व का प्रति व व का व व व व व व व व व व व व व बैट हे छेव चेंहे लक जून हिंच बर रेंचे चर बहरी हेव हेंबर देहन श्रु व इसम कु.इर.त.पष्ट्र्यं.इट इग.७४ प्यंत. २.व्रीत तथ.अट गुध.ट र पश्चे. हे अधर अक्ष पवर से महिस मुस्त पर हैं मूस पारा वा कुल में पदे हुँ र कु सःम वुषाल न्तः भ्रेव मामञ्जल बेटान्स न्टान्ना लब बे तहनामर मेवा मुका मह्मप्य हे मिर्ने म ठव र् नु मिर्ने प्र वस यह या मुख में दिहा मुह्न मह सह न र सह न g८ । इ८.प्र.भृ.यूनश.तर श्रे तिश्राधारह्य हे तहेव त ध्रेशःख्रिटाध्यू. परि-र्वासपर प्रस्त पर पूराहै। तिर्राहित्या मुख्य कुं दिया

तह्र गुर। वित्यस केर मानुस के मुख सत्र मुख वि हेर वि स त्र मुख सद तु मञ्जूर म मने मे हीत। प्रेंस सु मा म महिम महिम महिम के ने मु हम म मिर्धेश। द्रवाश क्रवाश जातम् व व व्या वाष्ट्र श्रवत एत्वा पाष्ट्र द्रवाश क्रवात. इ'म'नेबरमा रेण म हुण इ मा हिंद हैन महुत हु'मा ईंद हैंग हैं म्बी मून ने द हैं न ने दे रेन्य स द में न सदे रेन्य के नया विन स इस पद्या पर्य छ। पर्टूर् क्रुवाय ल बाबुद श्रीपय ये क्रूब रुव ल बाबल घर. वरूरितर्द। कूल ग्री टीहेरलाल वरूरि त विश्वेश। जञ्ज सैवल संविषया त्त्र तृते 'तुत्र'तु मु प्रतुत्र'र्श स्र र प्रमु पर म वि पर ह पर रदः में दें दिरे में देश मार्चेदः मा ल देव देश यर महेंद्र मा । देश बेद्र यर पर्वत् या प्रथम ग्रीय भे पिय धर पर्वेत् या तह महेव भय तदयायर দর্ভির মার্মধার্ত্ত্র মার্মির মার্মির মার্মির বিষ্টার্মির মার্মির মার क्ष्य प्रथम स्था महस्य मुद्रेष होत महर है सर द्या महूर मा हेल ८८। देते.पञ्चा.स.र्मा.समासम् छ न्या स्व मन्यान देव प्रव मन स लिए केट रे व केट योपान मंद्र रक रूप क्र्याय है ये वे वे व वा वि इर च. कु श्र्वाय पबिट. टु. ४ टे. कूर ४ कुच बोश्यत टे श. वर्बेट च टेट । ४ वर्ड. यते न्रेंच क्रेंच क्रेंच क्रेंच ग्रैंच इत्य देवाय या ता वाद नुत्र अ: इत्य या देव ···· केव खेट'य पञ्चव हैं देवा ळवाल हुवा भेव वासुटल। दे लाहर नेय वै केंसर वस्तरं रू हिंद हिंद नु'महन ल'द्यम महि क्र मुद्दर नु सह में न्य में स तर हूं र हट बंचया, में क. श हूं री इंग ता. टैंच दें, ता. टंवे. अंड बंबा दें अ. धर'यद्व ध न्दा म्व्र म्युक्ष'मुक्ष'गुद क्रूट'हेन् मि व क्रूव। देव'केव' ब्रेट प्रमान के प्रमान के माने सम्मान में के किया में के किया में किया में किया में किया में किया में किया में

हिन है। देल व. इ. मे। हिन छ. ता। देव छेट न खुन न हैन पहें न तह न तन स्टिश श्री ह्रेचल त सुरं ला चिंद ची श्री मा है. में जय ४ सूच तह लय लया है. विद्र। एकवायान में ख्वाय इसावूर चर्रेर श्रुप चश्चित्या । चर्रेय नारु चिर. लक्ष। रेवे.चर्रिंद्र लक्ष क्रीय मेंच घर क्रेंट व.एलवेश चंद्र. छे.टंट जे.चट्ट.वे. प्रवर में प्रवर्ग प्राप्त के स्थाय अर प्राप्त व प्राप्त के किए में कि अब क्षेत्र न्यं के के न ये ज्वासी जिल्ला क्षेत्र न में के विष्य मुन्य में के विष्य में ज्वासी में के विष्य में सद में द्वा त्यन्य ब्यय में य यह व यान हुन यन १३ न द न न दुन लच विद्य विद्य केट होगा केद ही क्षेत्र माद्वे पर्द्र मात्र पार्श्र मात्र होता र लिब इटावश्चिट्या इस प्रतुरार्श्चेर स चर्षा वर्षे , वर्षे , या ने वर्षे , वर्षे , या ने वर्षे , वर्षे , वर्षे , या प्राप्त सम् यह क्र इ र मोसा है के द र दें में के है सह दा से ने हैट इ.मीर.जर पर्य पार्याय यहरी अ.हे तेय में हूर ता अटल हैं य खुन गुन्न में बुवायर प्रम गुन प्वा धुनाके व में स प्रेव (के. 423 म) मान " वित न्दायावित न्दा। अपि के प्रार्थित्य केद मी द्वाराम्दरान्य ना ना ना म दे मानु लाव वा वा की व की मानु वा माने में मान हिया पर वह द मान देवा मान र्श्वन'न्यद'न्यत'र्घ'लेक'य'युव'यते'श्चेत रवस'र्स'वले य'र्सन्य'सहन् ने''' प्रमृद् यातास्व या के द स्यास द प्या दे गुर । द स्या स्या स्या स्या मु - 클도·육도·두본자·핀다 용리 전 다중자·다 뭐 '미주저 오른 저 다크도'전' 됐다~~ चकु र रेम पर मुंद पा देम सर्टा । विद पर हिंच र्वेद स्य। निया में . कुरं . सूपु . दूस बीच . चर्डेस ता प्रिंध चिट . किया वीय कुर्व से ता दूर मा बर्ब केंद्र वर्षे दस्ति दिव प्रमेत् । श्रीय प्रमेत्व श्रीय वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे कैल.यस ब्रे.त.के.ज.स्वंयः एवव्यवःत.लव.ययः र्ट्यः र्ट्यः र्टः वर्के तपुः विजः… स्तित.बोहेथ.ब्रेथ झेंज.ब्रेट.वर्सेट स्था ♦ ।य बोश्रिय.ज.बोदय एलबोय त.स्वीय.

केर् केषा । पुरुष मारे बाय दया केष स रहे या प्राप्त माल दा । य हे स रह ही ছ্ল দাβৰ ইবিব সহব। । তাল ব্লৰ ব তেই হ ইবিব টে ব ব্লাপৰ म्बुम्पुद्धान्यम् वेष केष केष्ट्रेष्ट्रं क'मर्ड स्ट्र महित महेण रस' ' ' लमामालुमायो मित्राया हा। तहम न्याय हा कुन् लमा ह ने सु हव तन्य हिनानु। । सं वे दिना मुद्दा वादा । इत्याय से दिन हिन हिन है। । पसूत' पर त के दे दे त अपना । अदे हे देल दे त 'इट' पहे देवा । इस य सर मं रम हु त्वेत्। । तहेष हेद रेष य हुद प्रत्य हेत्। । युद्ध वेत ८८.६० ३५ २.५०००। बिल पिट मेल पहेंद हेट ल मेल में में पल पा. महुत्र म तथन्यायार्थन्य अद्राब्यय पुराहे। रेन महे महस द्र वेनाम के छ मी है हैं द प्रमय ठन ल मैद हु माम गु मेर हैं व उट वर हैं नम "" न्नात पार पुराद्यामें पञ्चामित्र महिला सुरि में प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रस धुर र्स्स'सु'ब्रा'वर्षर'म रस(लें' 124 व्) चुरार्क्स कुर्व चुरिर्ट'रे''' ८६५ व्या व प्यवतामा पहिल वल मणित स्व पुर्व विवा वे वा हेरासूर केला 은'의 저미지'다' 독본의 정'미지역'적지'점도'회'명의'등' 유백 독특'최본도! 최본록' यर ने अप अंग्य प्रत 'हत' प्रयम्भ चुया से विषाधिर प्रत्मा हेर् हेत् स्र चुर '" चर्द्रवः चुलवः यहेरक्रवः ॡः केरवेदः यम्दा देः द्वाः वे द्वां स्वाः वे वादिः च वृत्र पर्दे त्र त्र वृत्य वित्र वि परुष'त्र वेग परुष'र्यम्ब'वर्दा । १९ पर वेग'म'केव'मेरे'वर्द्र' र्वेत् निवाया सुरुष्ट सेत् या लाश्चिय द्वित रहिवामवता य द्वा विम केदायहा र्ने द्वार मि स्वारम् देव महामार स्थानीय त्यार त्यार हुना मु मुँ तर क्षा पाइर. त. वृत्तात. श्रम्थ. वृत्त त. प्रवे प्रवे स्ट्रास्तियंथ. हे. भा लेर. या अल. तर. अह्र दे. तथ. है' जैन'न्द' सद्द' हैं गम जैन गहेगा न्त्य सरद' इस देवें प्रदे हैं दे 407

इक बचेर महिला कुर हा स इसक है। दें त्या केंस हिर इस बचेर केन सुन स वै पुसल केंस न्देस न्द केंग्स घरन् स'स्विस ध न्य वीस घट्टेयल धर ' प्रदेश पुस्य क्रिय प्रस्य म्या स्वाप्त स्वापत स कु न हा व न द रें व हैन इस ल हैन महिन महिन महिन महिन से स मामा पर नुव बुष के है यस कर्केंद्र हेद की केर पि दस हिंद्र एवंद्र य एट्वा य पश्चिमस यस हे. प्रिय में रहा. है है वर्ष व है या पर प्राप्त है है में सर्वे दर्भ मु वायाय पर पुँद हैं भोगाय पर वादर। देश महि ह द्वार पर चनित्र पर निर्दा देश नि के सह द य निर्दे देश निर्दा प्रमानी निर्दे केट में पबट विंदे पकुंद हूंट दम्ले केंद्र ह्यांच खुदट दर्दे मुद्रेस मु लुट स्टक् या केन् प्रम्दा वे हे यह युवा कु केन् मेंहे सु प्रहे हिया किन् मि न्दः श्रेषे परे न्व गुद ने 'भेव पर म्सुद्रा १६ न्म में (स 124 म) म रैब वॅद कुँ बावस य द्वा वीस नेस रव कुँ य रंत मु धुँद यह बाद हर हका कुँ न्नित्य य त्नेश वर वेत परे अव त्य ने पहेंद पर्य अहद हैं नम किद ... अर्केंद्र प्रस्त प्रस्य प्राप्त मेंद्र अस्त् था देव विष वेषा के विष के विष अ अव्याय प्रत्र प पर्वेय ता. ते. विष्ठ स्. च्य अर्. के व अहरी पर्ट. पे हे य के र्ने इंद बद बद पहुल पर्वष्ठ सब बचेद सहित। दे'द्रण'णे रेंद नेद हु पर्य प क्र रट क्र हिंदिन पर एनेर प महरी है देश क्र प्रिंट है बर्ध रेचर रे.वेब सर्ध, द्य रूप ब्रे वी वीबेट रव लेज.रे ही व सर्ध रेब्रेट व स कद्रा दे प्यत् यर य नुसुस त दे सक्र यहूर पर यक्ष पान प्रत सेर हरा। र्राम् ल पर्ये प। वास लासक्रेंर् पर्राचन क्रम सामा वास लामा करा वास क्रम सामा क्रम सामा करा वास क्रम साम सु में रेस वरे हिर र्णु स र्ण महिम मु सहर ध कि र हैं। बिस मन्द रे। दे'ल' बर्ट हे' कुद दे'रोग म केद में दे केंच घमन उत् में द'ल्म' महना है दे द

त्त कुत कुर है। अर्थ लख तह देव्या प्य पह प्रति प्रति प्रति कि के प्रति विवा कुर न्यार श्रुम संगय स्रम्य है नु ह गठिग में ईव गहर सथन। सब रेस दे। रेन्य ८८ क्रेंय व क्रेंय य'८८। विन्य देंव क्र पहुर प्रमृत् हेट ६८ देव मुैं कि है रैनाय प लूरी विस्व हूं नियं मैंव रेह्य तू चमीर लवं जाना चर्व हुल नेर धेन में सल देन पार्न लाया। प्राय कथल इस लग्ने पार्ट् पुः अक्ष हैन न्युल में में दल में ८६ न्य मुर ८८ न्य में अवरानहित सु म "" बुद महि न्सुय न्द! नेर बुद महि अवत इस मर हे दय न्स अहे सम तकत्। कॅल हैन इस रिचेन है। कॅस समस उन कॅस उद दिन म न्द केंस हिन् स त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र से दि विषय हैं दा कुर हिन सर हैं है रे महस्र मनुष् भुष मने मराम्भेगम महि केर म मह मरामान्य स नमम मर सहन र्ने। । देवद में दु है इसस सर्ने कुद दद बड़ेर मुहेल ग्रैस मुझे मेर मामार घर बरि प्रमृप्याय र मेला है (कैं 125 क्) य श्रेम्बर र में हैं वा पेर महिं सहय मित सेन हिनाय ह्रवाना सामा के सहय देवा मा सेन 절 지다하다 목러하다까요 다고 다양 '무취드라 유회의'링'다' 지다 하는 ' 불리'다고 ''' पर्वेद। है पर्वेद ज्ञानिकाम। अध्य अद्राद्यां से अप्तादा द्वार प्राप्त स्वादा क्षश ग्रीय ग्राम्प्रिय मिल्म्प्रिय विदेश मिल्म्प्रिय मिल्म्प्रिय विदेश मिल्म्प्रिय मिल्म्प्र मिल्म्प्रिय मिल्म्प्र मिल्म्प्र मिल्म्प्र मिल्म्प्र मिल्म्प्र म व अर रेब्रिश र जेला है त रेति अभ्य मेट दें च है व में बेर में है हैं हैं ि तथ यथारक्री वि.श्रेच.के.अक्ष्य अथथा.२अ.टे.बंदंबातर पढ़ेट ता. सन्य व अधुवारा हे देनव स्ता सद्दा हैनाय कुर श्रेता रूपवार प्रीना महेवा ह्में वे अर्थ विद्वार के वे वे के किया है के के किया है जिसे के किया है जिसे के किया है जिसे के किया है जिसे क विचया लाचु या हे में हे खन्या ग्रैया हे में हे के दे यह समय खु मगोषा मूर् क्रिक्रे क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष मंत्र क्रिक्ष क्रि चिन हैं व' पर पलें न। हे के पहें न 'बचक' न म। हैं मा म मन्त्र वास र गुर कृषिताम मालेर मा। हार्मार अविषेष क्रा हे लाम खाल इसल गुलि के नाई के हिंद रं स्थाप्तरा पुस्य केंय सामादित पृत्ता मृत्ति पृत्त प्रा प्राप्त मृत्य मृत्य स्थ केर प्वत हुँ द द्व अ केद मेरे हु म हूँ द पर म बेर दें। अ हे हि दे। न्ह्य मोदी.रह मही मानदी है। हे ल यह रहिय मोदी है य मह गोब है यस्य दस स्द: प हो। दे हें द समा स्म दे। इस मेल स प्र एद पते · य। । भित् गुःय न्य प्वदःपायुक्त है। । हैं प न्युन् यहवः व विवय निया। हिम तहेव मक्य प्रामधेव प्रमा । येमय में प्राप्त सेमय मेर् प्राप्त सेम से मेर् र्षेत्र इत प्रकार्त पञ्चेत्र स्वार्ता । दे प्रवेत वेण साम्युकास्त इता । स्रम् म मक्त प्रासुराबेदानाब्दा । बित्रामत्रामहु मपुव में प्राप्त हेव **२ ६६.चे य.८८.७८.मे.य पेश्य.६४ मे**.४८ (थ्र. 152 प) पर्वेदा हे्पा.प०स. न्युंन्'म्ब्स्'न्द्रा हॅम बेन्'न्युंन्'बेन्'ग्रै'य हे मुख्य हेन् ग्रै वहुम्'क्सा सहसाधर म्बाबना सामा बना द्रा सेसर प्रिं मे मु ति है व मे निवस । ह्यु प्रति प्रति । प्रति प्रति । प्रति प्रति । प्रत म् । प्रतिब सि.ज.बंबन,श्रेपया,ग्री.जव्य.सि.१४४ ४८ सेट. ख र्या बोबा सवर वुनाने त्र मा च र देन मा करा हैन नि कि मा करा हैन की लाज मा

हे.व.चे ४.५.५ चन मानहान। हर है नेबुर ने नेब है हैं र नेब र है हैं

हल पहुंद म दें निहें पा हैं पे ने के म मह सम्म पहुंद मारमा गुद दश हैं व बॅटश दट देस पुट में देस ग्राम्य है । मुन् १ एक दर्भ पादस्य \*\*\*\* न्द्राम् मा ने द्राप्ति कर्ष क्षेत्राम् इसायर वस्त में वहान हे। ने हरामहार रव गुर्ने व 'न्यमाबुद्र'न्य व मन् हल गुर्न्व मेल हे क्षत सरामधेर तालवार्या । रहेनामधेराख्यां ग्रेयामधेरामधेरामधेर छेना । देश्य श्रह्म द्वाय है कुर त्या दे दिन हमा हमा है। । हि थि त्रेच्य सु. तथा चु. दी । जि. जो. ८८ चू. चाय हुव चा । ईंद चार च कंद. च च हुय. ०६व छिन्। । अर्केन हेव गुव नवार र मन मवला । हेव यह महानार मकुद केन हिन में । साद मु सकें माहिया सबर धुन । प्रथम उन् गु दे मुद र् निया । बुबालिट चन्नेव तालिहर श्रेमान्यव क्रेव मानिम निर्धेव के हेवाम सुन्द शस तर्स परि र्ना मृति है पुरि सर र पुर्व या स पुर वर ज्ञान । निया विनायके हराने दने प्रत्य गुव ग्रीय ही य यग्या न बद र जेस मुै पक्षेत्र पर्द्र सं. पर्दे द्यारेट रह और टैं.सं.बं.र ६.ई पमुरे पश्चा क्रयानेषु,रीन,प्रमे .स.पर्व.६.पर्व.पर्व ना युन,ष्ट्र ते.रेन,श्चर रीन हर. प्रत्यातास्वीयातकेवातपुतित मैं कुर्यात्वास्त्रेट्रा मूर्वे विष्या यःमकुर्गमिरेश्वयम्यामरःकुःमर्गरम्। देवःश्चिमःमर्थरः अम्यायावि। " प्वतायम (सं 126 व) श्रापति द्वा पूर्वा दर्भव स्वर्ण स्मात्त्व। द्वाप्तिः क्षे। क्ष्युं। श्वाप्त्वात्तत्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त विटान्द्रानुपायहैकायानुष्य वस साक्ष्यायान्युं हे त्यद्यानुवानुष्य या कु' कर बेल'ला अंगान्यव हेर जैसारा मार दु सहर पार पार हा है पक्ति है। क्रम वश्याक्षर, श्रमा द्रमा, द्रमा, त्रमा, द्रमा, प्रमा, त्रमा, व्रमा, व्रमा, व्रमा, व्रमा, व्रमा, व्य माक्षे भुग्मा देव नाबी सत् मास्य स्थान माक्षेत्र मास्य मास्य स्थान दे देन मन्द्रभ्रद्रात्वद्रायरः हृद्राया इसामन्द्रिया मा

यर क्षेंब प लब मुन परि रम रु छेर म के रट कुर र महत्रल म हा। हिंब हुन र्निन्स हुँ प्रा कु केव प्रा। हेव रामेल पढु नाई य प्रा । सक्व हेप गलुस तथन पर हेंव प सर्वे है कुवा हेव तसेल की सर्वा नस्य अधत इस रिनुं निष्का मुँ रिनेश म हैं। न्ब्रि रिनेश मुँ महराय मानुवार निक्रिय महराय मिन् रूँ बेब पाबुद्ध हो। । पि ठेप ह्या ५ माँच ५ देव व पठ पर रिमेण म ल हार म बद्द सहद पत्र है पकुद देव म बेद हद। मुबल म दद रखेल मह क्षि है पेंड बेटब हुय केट बुर! बेटब हुय बहर त क्षय है य है ନା ରୂଷ ଏଥିୟା ପିଷଷ ହ୍ୟ ନା ୪୦ ଥିଥିଠ ମ.କୁ ପ୍ରିଥି ପ୍ରିଥି ଥିଥାଏ ହ୍ୟ ଥି. न्र'तर्त् र्। दिन परि न्यत धुन धुन सात है स न्या में सा । किन सरे लका नवल मेल दव हैं द यस महें का | दिन पर दिम हुन दका माहिस दे। नुस क्षिर कु तथा विषय में हार ये गलद स यद सह समस स ठद दे ब्र म माइति शु मु देवा देव न्दा। तहस न्यल ह कुर लवा थे में हुं खेश हिंश पहेंच हेटा । खें. ल द्वें तथ खे. ईश तर पश्चें तथा । ख. रूप सूज प. पर्मिण क्य है। । ने प्रेय हैं स पहुंच स्वीय कि प्रीता । दुस लिए पहेंच नद ब्र्या थ देवीय पेरेव की श्रियां अप्तर अप्तर प्रश्नावयान द्वेत्याकी श्राद .. 전·경·오트의 스디너 너희 꽃의·스토리 김·미리리 의로·현 근 의 목의·디스 디쉬스. हित क्षेत्र सद्दे प्रतर् (क्षे. 126 प्र) क्षेत्र सद्दे स्वितः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स हैं तथ मि वंश हें ये चेंद्र तकेंद्र तह थ हर ये अर टे. तक अथ त है अ है येथ ... नेहन रे.पर्नितर पर्वेट रस अष्ट्र गर्हर हैयातह हैय कुथाने अन्ति । हेल च प पश्चेल प्रदेश क्रिया विकास प्रत्येषा । श्वर क्ष्य प्रत्येक्ष प्र क्र अ.अर्. ज्याय के त्रेर पकेष पश्च प्राचीर जूर जूर धर अहरी विस् बरु.जब.जूल हून.बर नेबजा क्ष्य.नेबु.धेवव त बट.चू.नेब्ब.क्ट चेबर. पार्नु स पञ्चव। रूप पारे विक्रिक के व में र म्यूनिया में र मिन्यर हु। पारे

मूल दब बल भू. कु दूर तब एर पश्री। भूत बर्द क्र्यंब ग्रेंब हिंचंब ग्रेंब में नर्भाट है नहें व प्रमाय पर अहरी कूथ में में बाब पाई हुन अर है पन श्चर में श्चिम अ र्मर धुन हैं लिस कर अ मुसदा राम है नु मान हुन्य लय इंस कुल के न्द्र युव वड्डला अंड्रेन्य केन हिं वह हिं वह मान्त म्पाय प देवव ८८ तथा ने प्रवस मुकारी विच प देववा हैर पन वसायर \*\*\* न्ने'रुन्न में हेल हिन धर'सहर। कर सरहे'मन्न सँगल'महन महस गुर सर नु प्रहरूर है। सर् र द कर गु मान मा है न गुरा। नाय है कर गु.चं चं ब्र. त छ। । श्र. तप्र हे. अ वें तत्। । क्रूब इसव चेहे र ज्वाल द. मे। । किय व भेद ' इसव ८ म् ५ तर् । । देव ' म् बुद व मूर व मूर व मूर व मुर चल पह प्रमुद पह है अपिकेन स पह । । अर्र र द रह्म हिट कुद ह्म केद न् मुखी। भिर्म में मार्थ स्वाय में ल मन्द्र महित महित महित म मञ्जरक'मरे इस दर'न्मन्यर'न्गर। । सर्नेर द'लयन्य मरे खुल'नु' ह्मायापारायम्य मुयारहम् हेन पु चेन यान्यामहा । धेय माणाय मु लह नहुन लन वट श्राप्त्रं नार्ड अपी पर द्वान सर है दि । विर् तर प्रवर्ण त तर अ कर् टे.ब्रेंच त.जब.धे. श्व.लंर.स्टब ब्र.चेबंब कुर. न्हें चर चुर प(ले 127 व) क्षेच न्यव तु क्षुच। विनव केन्। खुनव ब्राह्म न्युक वे न्वित् छेत् यार्य त्रा खुक्तते या द्वेना न्वेवा केंस ग्रे मन्य य निश्व दे रज्ञा म ने प्राप्त है। स्व हिम सहस्याम ने प्राप्त ने न इन्पृ ज्नाम स नदा न्यत मा सु न्वत्रह्द वावद्या व्यव्पृत्र हिन्। क्रि क्रुंद क्रे क्रिय न्यं के दे या यही हि या है नि । इह मि क्रे हैं। कर नु पुरायके क्षेत्र न्यें महिला जलन यह नुगु हिन्दा वेदाने पवर स्मिन्य मुं स हेंद स दें दग स केर हुल पर्य सर् है है देशस हैं...

कट रित्या तर र्योठ. बुट तथक क्रीय कु कित हा । भष्ट पषु होंदे जब क्रीय तहेंदे त पश्चित्य तत् देश तर दर त र. रह दिला... पहेंदे त छुज बुट. बदर तिट क्य. पहेंद्र तर जिट पहेंद्रे त पबुद री। ह.

माहित्य सुद् केद स्वाय मु न्य हिल हा। वित्य स्वाय मु न्य हिल हा।

नि मारी। भ्रिक्षित कुन क्ष्म येन केव निर वस्त्र क्षित्। । स्नाम युव रिग तिहत हिंद सम मन् र मुँदा । जिंद हे केद म मही लग मु मार्ट हिंद मह कि है हैर मह्म निव पर्य में व पहन निव हैर हैर हैं के इसम म चक्रव म नम। मुलव नुःस मार्वेन क्षेत्र समायाय मक्षव मान्म समा अन्याय तर रें हे हे दे व पानित के एक प्रमाय ति लिए पर स्वाय तर स्वाय न गुल प्याद होत होते तथ हिप्य ग्री ट्र्स ग्रीय छ्ये त्रार ग्रीय तर ग्रीर त अर र् मुदः बिद प्रित् यर यगार प्रमु ग्रुब यर्द में हैर यर होग कें में अदें। के. देशन हुत्ते वर नुवारा हे टेर. त वंश तक्ष्मन अट्ट टे. ह्येंट. हुट केंग तर... युर ल। दे द्वा ने देन हन्तर गुर रादे देन तहर हैं द्वा पकुं हैं संना पुँच तर प्यंत्र हो। ।यर २ प्रय यह य युव क्र मा **स्वाया। ।यु**न हे खुः अप्र. ख्र. मीव तीप वंश ट्रंथा । हूंने त की ट्वं पश्च प्रंथ वंश्व प्रमी. द्ध प्रत्य तथा विश्व पर प्रत्य मेल श्व नय हो व प्रत्य श्रीर विनेताया (ध्र 127म) दे वस की पुल खु लू 'ते 'ते खुव पु सुका हे 'के व में ह्या नह त तह व सुदा श्चिम दूसव इस धर के हैं मा पा प्रा । लि है मी मि मि मुल में में मु मास देश मु त. बु. देव रे. बुर वस शे. तस किर तह ईल ए बुर अस वीयट त. परें य तह .. नियान मुन् हे मुन्य विवास देवास देवास देवाल है स्वाल है से विवास देवास है स्वाल है से विवास देवास है से विवास देवास है से विवास देवास है से विवास है स परि प्रम्म में स्वायं हैन पर है देशस लय रूप्य में मैर सर में नेयं विस बैंकेंग में न्रेंस युव वहुँस हैं र्युंन या श्रुंद वह के सर हर गुन्स। सदस

मुल ह्र । स्विल मैं र मृ.मृ.मु.मुन्य पन घट प्रट ह्य देव मु.तिल वल . ह्य इत्य हे सत्य कुष विंद् परि प्राप्त त्योल विषय सहत है। देतर श्रेप न्यं बर्ने प्यत् कराय द्वार वर्षे र न्य देव वर्षे राज्ञा मेरान् हेय दे नान्य हु" बक्र्य मु.र्श्वेष त १४.ज. हूर. मुज.री. हैट त १ अ.जब क्रैंव १ व्यक्ष तर वेष प बिन दे केन पर महेंद पया । ध्रेय श्रेम नमेंद केद में रहेरे नुय दय कुय निष्कृत कनाय सु मादय पय कुन नष्ट शुप प व्यव्य कु रपुर एट्य केद 💛 चर्। नि.कट. श्रर्के. ८ वर नथ्य यीच नह मैंया । लिल ने. में. हे हीन नह पर्वेट. पिटया. आ । । अ क्रिय क्रिया विषय क्रिया क्रिया क्रिया विषय विषय क्रिया क्रिया क्रिया विषय विषय क्रिया क्र स्त देर ख्राय कु द वस्त कर पत्या मारे देव देवर ह से से खेर हो जेर न् ज्ञिल म हर मर्डें स हव तर्व हैन मबुन्य मते न्य सहव में न्य वृत नृ न्यन कर स. पमी तमा ता वित स्त्री में सुर की लेल रे मैं ल स. अहर हु 'है' बेल पु ' प फॅर्' प देल पर्रें स स्व तर्म गुै' सक्व र्षेत्र पम रूर् दे ' स्वा त्रक्ष ब्रेट:क्षेट् ग्रैस:बार्ख्य म महम:सस:मर्डेस क्षेत् तट्स मुँद् है। म्याद म त्तुव पाने पर्नुत्पारे त्रुवातिक्राध्वय परे कुलायातिक्र पठव द्वर "" मझूर बेट। तर्न मंद के हिंद पर वि चुन पर विवर छित पर विव ষ্ট্র মন কুন মন্ত্র ব্য ইব প্র শান্ত্র শান্ত্র মন্ত্র মন্ত্র মন্ত্র মন্ত্র মন্ত্র মন্ত্র মন্ত্র মন্ত্র মন্ত্র द्यंत गुर्द हें देशकथ ठर हिट 5 रहर दय हैंय घडय गुैं हुँद ध कु केद दें म्हनम मन र्षेट्र महन ग्रीन रेग म रहित मह स महेन हे. लेप हे.पर हिन इंदर संख्या माना मेटा दे अध्याहि मुंगर है अर्ड देग में दार स्वाय है शुरुबद्धार्यान्द्राचरुवायसास्त्राच्याद्वार्यान्याच्यात्राच्यात्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्रा र् हेल कुर गुे होन्य प्रमण्डि हरायु द्मय गुेर गुर केर पहुर द्य अठे. रेप्ट.प्यंथ.रे.ज्रा. विर वेथ.दे.प्ट्र कुर.। पथ.४४४ व व वर्षात्व वर्ष 용소·중화·경디 다. A다 다소 중소·낮! | 경다.다.와, A다 다 얼마자. 그다. 영소·경소. वश ने श्रींट पह कील हा इसल ग्रेट कुल नेट हिन ताम झेल में जिन त नेट । 클리 워퓸·디워워워 디온·션이 근,트워 니팅 홈.포서 및 커质스 용서 됩니다 튀근... .. वमस क् मलुन्याये संम्मा स देन म तहेव मते न्यतामा न्य क्ष क्षुर अ र् अःवदश पर सूर हिर है अः पश्चर परश्चित क्रवाय पर के पता सिषः टे.प छ्र.चेर भाषर प्रसृष् श्चर देश पेशर इत्यं हे.ड्र.युगे.घर्, पर्वेट.िटशः क्रव स्र पर्वेर पप्ट, ध्रेव पत्रेल क्री. श्रे, अष्ट्रच वे पत्रची तर क्री. विषयी अ च लच ब्रेस प्रत्य च क्रेस च्रायस सहर्। ।श्चिम न्य्रेस स्वर्णस च लच ब्रेस इयन गुरु न्याय स्व मान्य म र्नुन मारी मान मूल केन मान्य मर सहरे है। नेतर मुस ने के व में स र्वा निवंद तथनाय मा त निवंद महान कुद वर्तन सद " त्य पश्चलाने प्रस्त स्वाय की पहेर प्र पान्ता श्रेष रेप्त हेर् केर केर यते व्रःश्वाय सयान्यत् हें स्वाय हैं प्राप्ति यरात्त्व य साम्बेत् रेस कें द्वेग्यायुः ह्युपायपयाम् र प्रय ५८ मर् । प्रयो हिग्यारेमायारेमाय छ। पर न्बु के व मामद्रा युन्यस्य कडारे खय रवन्यन्व न्बु र रे न्ना ने र्व मंथल. हुट. मेश प अ. ५६ टश. ता वि. श्रूट. मेंबर ज. र में श्र जय तर अपर हेर्-उद ह्यर पद्म स्व मा श्रु । श्रु । स्व । सन्तर्द तथन्तरपरे दूरेत श्चनः सुदेः मुद**्तिः** 128 म्) हमः गुनः दुगेलः .... कृषा है में ता पश्चेर इस इस विषय इस ता हमा हमा इस प्राप्त स्था रनेता मानामान पन केर्मी रामेल मामिन मानामान महर्। हैस व र् रे.तस्रप्र क.चर्चय त वंबल त बहर्तत्र्यवं क्रियः एटेस तप्रक्ते वेथः . 'भ.चै.dंबेट.टे.येवंथ त.र्ज.चर्ड.इ येटथ सूर्ट.येटा। अलवंथ धूर ६ पटु. मबिट ध्येषान्टारी श्रूबातान्तिनिक्ट तार्टातिष चधाष्ट्र मे के के के श्रूबा ट्रेस्ट क्रुनेय मंत्रियाल स्वायातामध्ये दिन्द्र प्रति । स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया महे नुवाद खुद अंद नु न्य व कालेद की। तथन्य महिर्म अन हिरे

विट.क्च प्रह्म. बिस हे.हु से. प्रषेत्र हे.र्चाल के इ घ्र चबिवाय च लय धि. ब्रेंच भे प्रत्य वंबाल मर्वे चक्के दशर्थन्य माव मर्ने मार्थ से व भ हे में मार्थः मिल खेल या पट्टेश त पश्चिम में या खेटा बेसा राजा में में स्थल पार ! मॅं मंद्रि श्रें प्राप्त श्रुप्त परि द्वारा गुर्शिश हैं गुण्य सहय दश श्रेंद म्बय ग्रें ह्येनल प्रस हैन ने स्नित्र के प्रमेश प्रस्त कर ने मुद्दीन प्रमेश स्नित्र हैं। कुरु र्या । वि देल दम महार मदे सक्ष मुख्य वि दे दे। । श्रम द्येद वि देश वनानमुख्यानुष द्वाय विदर्भियादे अकेन मे मेट हरे र्ज्य र्म बर विने र माहे। देतराश्चमान्यं व्यापानेन विवासान्य वित्री कुलायं वितर माहे मर्व 'न्द'र न्य पर'न्य बहुदय पर रव व हिंदा न्यंव खू किया मुँव। ादि क्रि. में व में में के प्राप्त क्षेत्र क्ष न्द्रायति व्रामानुनार्थेन न्या राम भेद्राविद्या कु न्यारान्या कु न्या के न्या भर १६ मि. हे. नंबल बुट झेंच च अहर चल में अंट. टे. खे. जु. ना चूर अंट टे. थे. है. तर विषय विषय पार्टेश वंश लिए ख्र. प्रे. पृत विषय मार्टि वृष् में हैं. त्रवंश कुंश चर्षा हेश कुंश क्षा वाया वाया हे ता वाया है। तह वाया 출근, 스트, 디오성, 디 상도성, 데세, 및 리 및 그리고 다 된다. 다 얼 늘 말, 다 형. र्हर एं प्रमु र्नं परकार सहर स्वार्ष । 129 व् प्रमुख वा विष्ट्रिय प्रमुख वा ल्दैयाक्षालवुराव गुव हुँद गुै कुँद विषयाक्षेत्र इत्यामेत ल्विरास ह्व सहर बर्द्र ह्रेन्व गुर्न्द्र सह्त। देर्लाल्य सब्द्रिलास सहित्। कुर्द् वयशः वर्र्ः नेव नु र्रं रखेटारिमराम् व्यापराक्ष्यास्य में कार्या में 핑마시시 | 기원다 된다. 그 '옷'에' 다양 됐다 저 옷 '를 '문어' 당'다 하 이 최종 이 다른다. श्चिम हैट चंदि द्वाल देव छ। अपहेन्य मदि म्लाम प्रहें सका द्वापि व्यान्यान्येत्रात् तर्हे हे यन् इत्राह्यान्य स्वानु स्वान्य क्षा क्षा है ने ने ने ने स्वान्य 5 विच पा महित के। देन में किस मन क्षेत्र हिन्स माल के हिना है सारेना म

न्द चरुषायर णुर य ल क्षे में दुवल व न्न यस ने दुवल तन्त पहे न्न नु हिंदे चेड़च.रटा चि.श्र चेड़च श्रैल बुट लब ड्रच ग्रूट हिर टे.ट्.टच रट चिक्क ने चुँव सक्ष कुँ°मँ क्षिक गुँका झुँद स व। दिले पार्निर बाल काल सन्सका नल अ रूप वेश कि.वैट । विष्ठ . मूं . हुर विश्व । वि. श्रू . हैर विश्व । मिष्ठेय स्वार्नित्रं पर्यं वर्षा श्रीत र्याद लय खर पर्ने वर्षे में वर्षे श्रीय भी देवातर चैर वंशावशास्त्राचाताल वास्वीवाराष्ट्र है.एसिलानकेव तक अक्ष कर हूं है..... हैल सु'यर गुण्या दे'द्य पश्चय है' छ्न्य है वेना'यर रेन् सहरा भ्रियः नृद्यंत्र त्रम्य पाने र सक्ष्या स्वयं निव्य क्ष्यः भ्रियः रेब ६. क्षे. ट्रेल धे. धूर. पंथेथ. **टे. जे**बल त घहरी धूप. घ बैत. हूप टे. थ. व़ैब. गुप्त नहीं में र. दे. सिंग. बेच थी। देश हैं . प्राची हैं संघी। देश बची में ता स्वाय है स मदीव मुनामि नवस सामानि। देश श्रम दम्बानमा श्रुंद म दे। दुस ग्री त्रम्राम्पुरुक्षेत्रसम्मा मिर्द्रुरुरिहेत्रक्रार्म्यनम् वर्गास्ते बेट ब्रह्मार् चेत्राची क्षेत्र व्या व्यवाखा द्वाने में हेर क्षेत्र सामित क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स बेट हुँ र माया महें दार्गा दे स्वापित हो नाम हो स्वापित हो स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्व न्दः मेरे न्दः में 'मनुब् मरे 'मबे 'म (का 129 म) हुद बन् ब्ला बेंब 'म हे बारि म बक्र्यां रहेत रल ग्रे ल स्वांयायहार् ह्रया ग्रुपा पर्म र स्वार र स्वा लियाग्री-रह्याम्। सन्यामधान्यमान्त्राम्यान्यम् विष्यान्त्रमान्यस्य विषयः । बुब पिट.चुब पडेब.१८.। वीय.ब्रूप.हूट.२८.पढु.पचेट ४ ५४.चीस.पड्सर. त्रिला बी. कुरे. त् तर्था वर्षे अविश्व हैं हैं त्या वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा 그帅는 용도 에너너 어린 회사 하여 다. 다리는 , 젖은 다리나 나 하는 사람이 하는 사람이 다. इत्य त. ब्र्येन्य चैतः तपुर प्रति प्रति प्रति प्रति । प्रति ।

मझुल म मदीव नु तिहर से हूँक मते नुम खमल'न्मर केंग हुै व लेग है ' " पन्ने र रेम मुब्द मुस्म ५६'। ५५५ में विम थे'५६ रेम य पदी य ५६' गुग्य प सहर हिट परे सक्र्य में क्य ग्रेंट पिट्स स इसस में बट बस तिमस तर्ने कुल में न मेन। धुल हें में नू रे म मह लुगल तरे में न गहें मेर बर्द र्दे। वि'दु'पूष्ण' बर्ड' हुन य ये 'हन। विनेद दबर द्वेल र्दर हैंग य मनुद र्सन्य ह्यत्य। ।हाँच न्यंद ख़ु के महि हन ठव नु द लेहुहै सम्ब म कुल महि सुह क्रमान में हुं पा मुद्द है क्षम दम्ब हारे मुद्द हम लब मनेव हे ' न्नि ग्री द्वर द्र न्य अव हम बुब हे वर्षे अव वस बुव। वदन अद से अ 디롱,터낭 스웨어 어肤고 스돗쇠,잌 릱호 호성 스디드 디딜고 디성,동억 튀성 성 길 시 प पहुंचा लार हु खेरे ख हेनाय ही कुल में संनय सु हेनाय हेन सर में हु त्यूल मुन पहुला लें दुव वय गमेव हे गमेर रुवर मेरे मुर शुव इत्या महर्। श्रूपान्यवास राजान में महराम मानस में वि र इस मा ठव पी न्मत में इस वर्षे मंत्र सम्मा में निम्हित हैया है या से पी """ त्रम्र (के 130 व) म्र स्वाय द्रम केवा वी र्श्वेत प्रायह द्र हिंग विषय हेवा \*\*\* नित् कुर्नातामहेव वयायुवाय स्वाम देशका दुव वय न्युय म हे हिते कुर " 국에'유결국'출气' 출' 출국 디쉬드! 집 때' 두 전국 대 원' 두 ' 교통' 축' 훈' 폭' 대도제' समाब्य सम्ब खुमार् प्रमृदावम मनेदाहे मनेद कु दिखेता विराप्त दिया मञ्जूर। सर्'रम'मञ्जूम'मस र्र्'र्यम। रम म'महुल बुग्य'ग्रे' ह्यु म बहर्। लें दुव वया मु न्युर युग्य ग्रीद हे मने र वग में है कुर। व्याप न्युअपा हैनाप्त्रं सन्यास्य स्टार्य युन्य सामात्रः दस हुदा तसन्यासः

**खल स्वाय के.रं.रंचा.वंबल.घर.अहरी** अह्रद.श्रुर.के.हेब.जय क्रेय चर्चर. ल स्ट पर सुर हे नक दूर है न कर दान कर में कर पार कर वस पहन प ..... 다졌다저 첫! [전8회·출조·네·젖네서 크·奏조·였더 근, 真소! [성다시·회사 회원회· हुँर ल र्रान्य पर कुर है 'पर्ड 'पर्क र राज र के र जै 'खल 'र् 'प्रेंब प खल रेरे สูดานังพิธาฐาริาคาลีก รุกัจ ทูาทูาราสสากทัศ ริากศร ชิราสูดานาาา रिधूर.तश्य ग्रीय. में र रेविटय ग्री.रेग्रीजारिधूर केर तेथ वंथा तश्चेषय तथ .. वस्य वर ग्रैयासक्रम मुन मार्टा देव स्यानुगुः सासु है विदान वस ग्रैया गुद दे'चिंदे तु'चिंद्रें स्व स्व गुप। देवे खब संमा सादे में रहेर परव मैट बैंच.त ब्रूच त ब्रूचंब.चंद क्रुंब ब्र्ल चयै.कं चर्थे.तष्ट, छजुल.त. पद्य. चर्चे दे। इ.५ वर्षः १ वर्षे १ वर्षे १ वर्षे १ वर्षः १ वर्षः १ वर्षः १ वर्षः १ वर्षः १ वर्षः पर बूद दें। । पबिव लट हें अहिंग हैं हैं थे पा । गुंग गुं हैं प वय हैं र हे.स्.मा । बु.स्रम बंचमासूर्यम हूरे तपु.स भए घरा । ग्रीन तपु.रेचट त्रीये. चर्य केन्'वुर देवय गुना । मूं हे खेन्। तह चडेर ता है हेर नेयल। । लबनान खलानु : इ. खुर चुरा:मार्चेय य मुँद यह इमान्य न न ने न्त्रा नेया हैं। इ.ह्यां,तप्र,क्र्य क्ष ह्या,तप्र,द्रथ,त्या,द्र,तयथ त्रेयाश वितायीरा। (ध्र. 130 म) नर्डें मॅर खुर सम्मन् अश्वनाय दे द्वा दर्भ वादा वाद्य स्मान नु'वहुद्य नैद'हं अधेव'द्दः न्नेव हे न्नेद'णे मुन र्वे न हान द्वाद हा । 러ố미'여디적'회사'행' '물리'국적 오토저'두디시'중'다리'월두'월' 오십시'즉'다'현'들때 ब्रेंट त.ब्रैंच टेटबा प्र.वें.तह ब्रूच.अ.म्,श्रीव अपन वितात पश्रेयात रूचे. त्य.ब्रेट चंर.ब्रेचय.ब्रे केल प्र.ब्र.य पर्वेल। लेल.विश्वय.ट्रेट्र.श्र वैवयः वनसंक्रित्रें व व मानर हैं दियुवा के खुव वस्या पुरु गुहिरे हैं मा सर्दि। ष्यु र क्षेरे कु र प्रकृत हुन रहरमा अस्तरमेल ग्रैम कु र द्वामीम यह हुर मि'नेल गु अपित त्यां व इसल'न्द पग्राप्तां वादवान्यान्यां कर्षान् गुरुपा है हे दे चुन गुः

हैट. म. घटन हे. पट्न अट. अह स्वाप्ताय रटा हिर हम सेन सेन समय ५ इट अ.मृ.व.स परेंज वंबा हेय जे.च न ज रेचट पर्सेर हुट कैंरे.भवंड. न्नान्त्र। संपद्ध न्धेय अवस र्द्र न्यस नुःसन् यस अर्केन मुन। सः इव वसर् गुन्यार् हेरे कुर हुव हत्या अ'शे हेर स'र्ग्या, हेले में स ह्निय रुवानार्रः प्राप्त म स्वाय मह्नव मह्नव सर नु महस्रमा हि दुव मु कुलमा के हु चु है पर य दर यर पुरा है सके ना ने सुन य य वर्षेता नर ब्रिन्स इन् सिरे गुप केन गुंगा दे पन कें हुन नमा अपूर कुर हुन नमा अपूर कुर हुन राजा र्टर्या श्रेत यत्याल सूर्यंय तपु पक्षेत्र तपूर्य विता अहरी वि. छुटु तक्षेत्र. वयायते में हिल में हे महित् हिते कुन कुन हिन निमा मिन निमा महित है। न्यतः व न्दा देव गुद श्वान्यवानु में हेव सुरव व न्या भ्या छैत. ह्र मूर्ड लेल में में में में प्रष्ट के हैं। नश्च ६२.त स्वेब न्येब प्राप्त निवास हिन्दी हैं। अ पहेवा स्वाय कुर है दि ए हिद्र स्य हा सेद है मैंर लंद दें हैं व वे दयद कुर व्यव द्या प्रवास वर प्रत्य शिह्मास वस हिम् तर प्राप्त पाठ माहेसास है। वित हुन् (लैं। 131 न) व हुन् यस सर्हेण मे न्रेस्य मुव सर्हेन नु सहिन्। मुहें मर हेन पह, हे मुं. हे. य. हेर जब टेंट्र ब्र. हे. हु. हु. व्याप घरट. रेन ..... नाश्व हुट नविव ज तर्झेद तत्र में में अपूर कील निश्य हू. व जद निश्व है हर्स. तर जिया अर्र व क्वेट त्र द्र प्य प्यट में पहेंद त हेद क्र हर प्यतः चरःश्रह्म दिश हिश रचःविद चर्छःतपुःर्यटःष्ठ्रचंश खल हैं. हिवास विः नेहरः म्न केव हि न स्था न मुँद हे मिन स्था केव माले में या नेव नहेव निवार हिन प्यथ क्रिया भी किया तथ प्रमुख् याय अक्रम में न्स्या मुप्त अस्व न् मुन्र ने क्रूय कु मित रंत्र कुरंत्र जिल्ला स्वायान्य में रायद स्व प्र सर्भायर द्या त सन्ब द बढरा छन् नु त्रवन्त्र या नेका ई छन्वा कु कुन नि । में निह स्वर

स्त्र श्राम्बद स्वाय में प्रमुद्द स मु किर हीय हिता। देव हिंत स श्रा के द स्टर्भ मुल स्वर प स्वाय हिन पर नुक मु व स स बुवा वी पर मार मुवा पर निव हैंची.चेंटल भूटे.त ट्रेर त म्बल कुल.चेंबट र्ह्मिय ट्रे.ड्र.हुची.तपु तर्मेर त.... लयनाय खल नु'हेव झ'हर नायल नर'सहर ने। । लन्स ह वह हे' नहुन केंद्र दिले बना हीर कुं मर नु मनर हमान ल रेम या तहेंद्र य त्युक्त स्य क्य अर व्रे । टे.रंथ रेताल अ र. दे. व्रे रे रंथा प्रविष्ट कील चू. व्रे क्रा ती. ज त्र यह मर नु'युव विव कुर् व कर् यर व'बर् युव विव'वद में'नुव'''' · निष्ठन हु चबुन्त रूर हुट न भेदा दे दे ल ल हु खू न र ८५० है। नर सरम् मुप र्येष कुत् सक्त धर छुट सा दे 'सत्र कत् दु'रेस स्वास सर रे त्य व विर । विर तर देव हैव विष र्येत विष वर्ष प्रत केर रूप बिन द छे भेल प्रमेल प्रमेद रहा लागार दू य मुँद गुह सहल मुल गुः पहेर त ज वर के. प दश अ चैंट। क्या या. र. श्री. ८८ अ वर मू. पची र दे स्व द्याव मैंत कुर है। निस्त तथा मैंतात प्रेश है। निसामी निष्ट प्राय सदस कुष मा सद हुद मेश मुबद यद के ह्दा स मि नास है में दू रें मा केद मॅं 'र्र न्व्र यत् के 'क्र रर्प स् (ले 131 म) में 'रयर' श्रूम'र्म्द ८८,थिट्र.प लुब्रेड्री | बुब्र वेश्वेट्य श्री | मिल्रेड्रवेश.रच.वेश्वर थ्री. ५व्रेंट्र केंट्रा । तथट क्षटाइसारचंट बावसातानीश्वस्त्राच्या क्षां । व्राचित्रः कैंटे की इट ज्ञाल की छर होवा । ल्रानाइ धूराडु ह्या घराकी नरामरास्टाया कु.लेल है चे जर २ इंट्र इचन कु कैज सर्.सं.में.चे.२ ईंट्र चेचेयतारंट,जियं.चे. 美.통성 스夫성 젊.음소 립성,다밀다성,다당 립다.다.뒃다 다고, 흡고 날 보어. 너무 다.... कृर्-कु'कर मन् कर्। देशह्यालय्य संनालासायायातिक न्युसानु चन्त्र यायत्र श्रीय न्यंत भृगु पत्त्र नहित् गुक्तालान् नहितामहितासहा रज्ञ याम्, यापप्र मेर स्वाय घर्टातय रेल एत्रे. मेर्टाल, त्या

월디 스틱로 अंट अ 회사 미리는 다리 및 첫미 월 '미정의 원 다형로 다 회사 다시 ..... अहरे. कुर । देश किर अहरे में महेंब एमेला मध्य में रे हैं. अह. में स त्त्रोभा में हे प्रेटिय ग्रे श्रुप यनयःसम्य सहर्। सम हुते श्रुपः प्राद्या गुन न्निल हैन यंत्र है न ल न रच ननल है नि स रच ल हैं न सर्म ल हैं न पश्चिषय तथ हे. ई टीनेट्य की टीक्षित र्वाटर पीत्र वीच्य भेट. पश्चेष पश्च पश्चय यर पिट महेव ह्या। राय अकूच.रट म रटा। टु.हेर महेब म.ह्यांब स महि क्रु कर में ल र में ल प्रेल मार च हुन में न प्रमा मा बन मर च र दुन त श्रमंथ कैंट अर सूर रज़ेल ताअहर टे.इंचेय हैं। रेट विटे.तर क्र चेट ईल. म्बल वर अहर। मेंबर लट अटल केल हैं व रटा। नहीं में हे हैं से हैं हैं से हैं में हैं गुन्न गुन्न मन् मुन्न हैं ने ने हैं हैं जिल्ला है के में ने में में हैं हैं में में में में में में में में में हिन्तान्द नुष ब्ययाके कृत मैया । नुष विषय कुन हिन से से सर विषय र्राचर अहरी विराधियां क्रामा मार हाल तथ मार्न खे. क्रामा मुंद है। अन्तरमाळेद मॅराचुराम देख दायेड्राइमाचे गांस में या दिन। देद রব হ'র্মন নার্ন মন্ (জ। 132 ব) দিন ট্রাইন্ট্রিন্ন লুব গ্রী রীন্ন নন। । । अवतः प्ना न्नेनयः पति के ख्नायः ग्रै ख्या प्त अवत् युना त्मे प्राप्त मुहः · · · · क्ष्य अध्यत्त्रेय नृत्यं यय ने मुष्यु तय व सुत्रायते कुल मंत्र क्ष्र्व य स्न देव 요들이 다'이들이지 다'두다'! 당이'다는 당대 만드'됩니다지 서울 이고 다들이 다지 न्व्यात्राहे में वार समायर रेगम स्व गुम ह्या गार न्ने हिर ने हत रु व्वत वयाचेव चेयापह्रमया मेटा। दुव ग्रेप्टिंग वित्र प्रिंते न्मट चुन्या ह्मा न्मा परव ग्रद प अवत द्या श्रुप्र सत्त विद दव श्रुप्त केवव हे अव हे विव स्थाया विष रहराम्ह्रायाक्तामहेत्रास्याच्या वयाप्यात् कृत्रव्याय वयताप्यापावता। रिन्य न्यम में मार्ने न्यापुट यहे के कुन्र त्योत इसका स्य वायय पुराहरा

कुं ह र त्रों स स कर पा के द दें। । वित् धर स रेहूर तुल विवय म के द म्र मानकारा मुंद हे देव हा लि.ता कर या प बेचे हे या मेर बेचे व कु शब तर. पर्वे तर तर पथ पर. हवाय हव के इस. वर्ते व हवा रे प्राप्त हें ट्रेस.र्घट.पर्भेर। अर ट्यं.पहेरा पह्नेशव घट बीच हे.पह्ने.ल हेर टे नहें ला रेनक हर हेर लय रचट कुर लचेल बर दन रद पठवार रहन सुर्वा हरानुंद दस तथनात खालानु शेसन तनाल माराहेन नर घर भहरी रेष्ट्रश्चिम् बन्न पन रेब बिनवान कर म मु हे रेब रेमल व मिह्र पि है हि पि कु'र्द रिपेस पहिस पुत्र प्र दे 'युस्य उर ह्या प्र जैस ः गुैका अववा त्या द्यत्या जाका स्टा नेका र सार पुर पावका अ पाई पाव প্ৰথম হব শুৰি ৰ্যেক'ণে আৰু আৰা। ইকা কৰিব কা ফুল ধ্ৰাক হব শুনি ঘন अहरादे। कुल मार्टा मुंद मार्टा में द द्राव केद मार्चन के मार्चन के मार्चन मुका मुका भ्रम्ब वसःवदेदस्यः प्रदः। यस कम्बरह्मय प्रदः। कुःम्र पुःपुस ७ मूर अ छ्वयः बूट लर च बच हे हिब टेंब ७ मूर ही चैव हूं व हो बंब बाब बा मृ पद्म के माद्य भी मुन हिन शबस ठर दिनास निवन मु न माद्र (कै' 132 न) नुब क्रिंस मु जुन विन बर हैं। नुब ब्रन्थ न क्र न ने हैन कु.संब.व जुहैं नंपंत्राच्य हैं हैं दें रें ये कि.कुंध नहें हें हैं ये अधूर्य सूरण चेरे व्या यास्विष्यायव विदाययामु किरारधियादिता। त्यायाद् रीयव गुत त्यामु त्रिर'स्रि'ह्रं ख्व इत रुप रुप न्त्र व्याञ्चेत पर मान्य हा।

भूट.ता.चैट.लट.कृतक कु.कृक.चे.लूटक.बे.स्ट्य.बे.चेचक.ता.वृ.क्ट्रंट द्रचक कु.चेचक... पक्षेत्र.ता.चक्षेटचा पिलचाव तट लिल.टे.डुचा.त कु क्ट.चू.क्ट्य.चे.ट्राचा.दे. ट्रेटा। श्वोषक त सू टेच इ.प्ट एह्चाक भूट.एचेटा। पिक.मुं.स्वाक.कुक. पक्षेत्र त दु। हुव बे.टेश.ते.लब.पब्टच्य.ता.ल्ला। दिश पेट्र क्ल कुक. ए.क्षम्य ह्म्याच पष्ट्रम्बेच स्राप्तापप्ट ह्माय २४ पर्थे.पष्ट्राप्ति वेट पष्ट्राप्त म्थेन मं इस म् ल लेस सहत पर मेन मु के म देस सम हूरे मुह हर महि हम्म नु दे दे दे दे विष में हे राम दे दिया में मा के में ते है है के महें दे हिए हैं हुंच तरु अक्ष मुंच पर्वेच तरु मंद्रिय लय विट केंद्र प्रेंद्र त मंद्रिय । नुर गुः पृष्टे १ रू १ वि मे स वि म स म स म स म स म स म स के स के म 워드 티! 워디의 디 칡'등미 등'면미의'디 목러적 두다! 본'건'론'두디의 원칙 퇴'등" न। इर टें य में यत्य में य चेंद्र पाला में तें या य चेंद्र यत्य में य पर्व प प्रकेष पूर्ण में प्र संग्र प रेस पर में व प क्सर में स सर् मु पसूर प बुद रहोल रु'पशुद्ध रा | दि लय र्घ्य र्घ्य रेट में प्यवद्धर श्चित अ. अटब में ब जि. चुब बेचब. गुबा ख्र. के वे दे वे वे वा पहिं कुर श्र. अष्टे ब. पर पुत्र। मुल्द प्यट सुट यह ब्याय प्रत्य तहत्व प्राय यहेन मान लब्द न्यां त्रित प्रते न्यात क्षेत्र म्या प्रवास क्षेत्र व्यापञ्चे अव प्रवास ŋ드 및다'뤗 라'펫'저'뤗'여도'콘미지 및 독'產'濱다'독지지 BA 티'저트도'로'첫' अन है'न्युअ'र्ट'। व्ट(के' 133 व्)कुर्हे'हे'हे'हे। तर्व मा ह्यु'त्युल' [ '다| 저도자' 평자 최용자' 출자 | B'미자도 현미'리 | 오토저' 드디디 [ 전자'다' क्सर प्राप्त पर प्राप्त पर मित्र पर कुर पर पर पर पर दे हैं विन्यति पहेत् प कु किर कुल पर सहिं। विप्यत्य गुर पवटः। हिन्य रेश मूं ता पर होने थे ते स्वाय अहर हैट १८ व व छे में स ब्राय लिन्य बेया. म्रायाक्ष म्रायाम्या विस्त्रान्यत कुम्म्रान्यत विस्त्राम्या ८६अ'र्चाम'दम'सुट व्यायमादुट चडु'चद्दे'र्ट'म्द्र'म्द मृदुट मट'र्घ''' श्चिम् सं भेद मुं सद यद गहर दिर कुल क्वा में द स वाद स य यह . 그렇는 신도 | 의절도, 그냥. 꽃성 너. 뭐, 도로, 너의 나는 선. 다 보고, 맛, 먹는 신. 그리도, 듯! रत है प्रमेश महेदा झ मुहद तहद प्रवट मां है हे प्रदे पा केद में हैं सहयानि में वे दें। दिह हे स सु रेश पर में व पर हैं स है। ले में स बपस न्दः ब्राके कहन वाद मा । यह मा कुल वाद न्यल रहेव हु प स् । अलास्य वान्य म हिंग्स महं नि । । वे युम हैं नि नि हैं नि । । दे'मब्बेर ग्रेन्य श्रुट चुट रूप पत्रह में 'द्रा । । यह श्रुट प बेर चु'पहुं निष्ठ मा । देश निर्देश की या महानय महि श्रीम न्में व लेदा । ने दश अपन ता. झें , ट्रेच, ज ख्रांच ८८ । विश्व र् ज्याय श्रुंच ८ूत्व द्ध त झें क्ष्यं हुंव। व बेलाई महुद केद स्थ मश्चित्र म हिन है। विषय म से हिन है महिन पर्म निट दे ल खे है नेय प स्ने य पह मूल च हे नेय ति दे वे य प्य बैंट च से हैं। देश्टः म्र ब्रां शुटः म ईं ५ 'तुब ग्रै वस्रव ठं द सिंह मार दूं 'ण र पृद्धे 'म। ह्रं भू खुट च नेल रच ९वुट ग्वस। वुच भू खुट च ट्ण मे द्वट धुग ग्राम्स वृत्तः क्षें शुद्राचा वृष्टे या। प्रमुख की माळिवाप्त वाप्तम के पेर के व हैं। हे 'दद्र । मृहेल माई 'व भ्रे के फ़ इस्स मा ।दे 'हुना में 'में मह हा के दायरे व्याप्तराकेत् सरायुराहे। साहेन्य के मेंव नाववतान्त हिन न नहा নেই কুন্ব গ্রীবেম্ব বেই ব নে মেইন (জ। 133 ন) ন ১০। তথা কৰা হ'ল কৰে। यदे अहर् या अर में अ दे अवस्थी हो या द्वा के स वा यह द दे प्राप्त पार न्नेन्रायहै पहुंदा है 'दरा हित यर वेन या केद महि पहुंद य है 'का हरा न्द। अ.१५४ ती. १५ वी. १५८ वी. १५८ वी. १५८ वी. १५८ वी. १५८ वी. १५८ वी. म्चिटःयास महेन नम मुट रूप ग्री सेयसाधून यरामझ्यस य दिना प्रेनास पारा बान्य मुच मु में कि हर पर पहेर माहीय महे सहित म है सिम प्रमें महित सहित म इसका तय के देशवे तर त्यांचाया वायर क्ष्याय की कि के अवत देया प अविया भूट भर्द्र-.पात्र ही लूबे २व तर्डेश श्रुपांबरट.हा.५ व एवं द्यांश्र्यांबर्ट्रहा RE4.다 되는 2 및41 1B2 다소.비는성.오소 회·등도성.점.다네요.달소 신는.평소.

लय देव तर कुर्। अ.मे.लय रू ह.वर्व मु.व.भ व पृष्ट् वर्धिय में भवर मं सहर है ह तुषादे र साव र मुन दु किराम है । महन महि महन में के द मर मुर है वेग म के लूट में मझद म वसल ठ८ ८८। मुर्'सर नेर मुद में केंद्र द्वि नैव नु कु सम्मार सहि दे कु व हुना ने दु स स्वाव व सावस म झें हुन ने "" ष मुल देव तमुह के म'न्ह। क्षेम न्यव तदे माहिब सव मह्द तम्हे द्व मै.कु.पर.अ.तैर पर नेपंथा हे.हु.ईज.४तूर.अथ तुर नेश पथ्यथान्य नवित्य प्रकृत व्या यहारि रहे रचेल या अव है रित होत या झरान हुल स्वाय ह्मण्य मु पह्नद्रपार्वया वद कु'के'य न्'सदर सहन्। दिन सहन् यदे पमून पर्वत द्वार ने छै'रपस'प'र्ण ल श्रम कर मा सरे पर्न् है'है'पुर " चुराय भवाही। तर्नासम बुस तर्नात्त सहस्य यह महत्य यह महत्याहिन म्बान्य च केव् में तर अपुर चर प्राप्ताय पर । दे भूर में तपुर चर मर रदः। त्रम्यव य में रेश र्'यहेयसंय स्वत गुस्तिष यर यसर यसर यसे पसूर् (ले. 134 र) पर्ध्य प्रथा है। रचया तर्मा पार्मे प्राचीर पर्धा पर्धा लवायहानु मार्था । जानु प्रति हीय वानु नु जारा गुने वित्र में हो तिहवाया रदः इंस पहर प्यतः रवा कु सहरे था रे त रे स्व प टे अस पहर पा प्यतः चर'शहर'त पथा विराधरातीयाताच्छेयातार है.रहे। १वाईस तहिरामी रखेंच पांस्वीयाचक्षमा चांचायाची तर केवीयाची हिंच ने मंद्र महि के अ.वृङ्गे हे.से.इ.पबुर.चेन्यतायात्र हेर् ता.स्ययाग्रीया हे.हे.हाने.तपुराचेरे... 다 융지 원이' 따지 저 특지' 즉 | |

टिकानी मिन्न पन मूं मुद्रि लिप ईश्वर से मिन हूं है है है ने पूर्व देश मबिर हैं,रेजे,७२४ जे हे वैर ज है अह ए छ्या टे. सूर, हैं, भूब ये बर म लूरे. म लका न्मेण महिन क मेंन में न् नुःहन में कार्यः न भेना न्मेण महिन मी র্মিন ৯'৪নাও'জুনা নুধ ইনা ছব'ন্ন নাম নুধ ৰথ ইন'লেন হল কুৰ ল ছব' यर वर्षर्व समा कुल व इंड्राम्य वर्ष कर ट्राप्तल प्रवस्त सारी राम में स्व माहिर म नेव मु अर बेरा। इमाँ मर ने व मबिरे नुक हा। अमा हूर कें मुख त्तर दिने पर्व मुँ छेद राम में भीरे खुल वस चुत्त व भव हे। दिरे छेद होन केव नेव मुंदर पर चुर वन चॅंद मैं कुलाममन पखेन दुंखेन प के हर ने " रिचें प नेर्'पर श्राम । ल'झ'लु'म'र वृष पत देश देश देश देश स्थाय गुैं खेग प लट हे.र्र.७ ब्रंट । अ.च.हें.रे.रे पेंच पर्च अ.तप्र क्रां कें। तिथ में अपिय प यम कर लिस देर वृष पय पश्च प स्न धर दर। वित संद र त्रेवं १८ क्ष्माय ग्री.क्षल ल.चण्डर,हेवं क्र.च ८ंचल च.च ४.चय ह्य ब्र.चबंद . मिर्दे श्रीम न्यें न मृत्र महूं ता सन्त्र मारा खता ने न कर है न मुलाया मृ'सुङ्क् 'र'बेस मु'म मुद्द (सै' 134 म) है। खल दे गुद द'लर्ल'म र्दा। मह्त्रात्राच्या विवा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विवाद क्रिया क्रिया विवाद क्रिया क्रिया विवाद क्रिया क्रिय न्य गुरिह्म स्रान्त होत म स्राम् नायुक्षाय स्वाय सारवार होना सामार्म नाया नवर स्निव के. क्ष देशव के दे हैं. देशे व तर श्रद च ला लेल देहे. च हैं. हैं. क्षेत्र प्रमे १ में त पार्श्ववादात् हैट.रे.तहत्यादय वायत इवाय के क्रापा हैंटारे.वर्ध है. श्चर लट सर कर तर तथा अववाय लेल हैं, है वेय अपट प्रदेश रामी कु. ल. कुव् अ.कर्.त चैट ब्रेट विर.तर हुव ब्र. चीत तपुर रंतर हैव ब्रे.य स्वय पर ... वैदःक्वतः ग्रे इंपयः ग्रेसः । प्रेमय वेदः ग्रे-१ विद हः प्रयादः 문미지·미롱·보도 필도 다양·다셔드/퀄더·힙·다랑리·다·靑다·저·랑미 다도·드도 역도 ····

पक्ष लिय हुं हैं हैं से देर पह श्लीपस्ट प्राप्त हों प्राप्त प

## 2. 可二型であり。 一二 一二 一二 一二 一二 一二 一二 二二 二二

मित्र माहि सामित्र वित्त क्षा प्रमित् केष हा केर मित्र मित्

न्द माल ब्रिका चक्षेत्र पह प्रवासी । इस माल ब्रिका चक्षेत्र पह प्रवासी ।

न्द्राची वि खलाक्ष्य कुलाने क्ष्या के दुन्ने के देना ने द्रा कर लब्दा स

विवाय है कि व व्यय पर्वा कीर प्रविद्यापर वार्ट्य प्रवर वित्र खुल विष्य हर्न प्रवर्ण बटया में बाजी पर्वेष तार्थे व व में कु मूर्वेष वं अह्यार्थात के में प्राया म क्दं.रे.अष्ट्र, मृत्या सिंतपष्ट येचेस द्वार में नार, पर्वेरा बुध जिस मधेये. चैरायह स्रेयमानी वा लिल वी तहर्वायमा है के व स्था है व चैया इत्यापि होते हैं विवादित्यात दे दित स्व होते हैं विवास क्या हित देशका हे पर मळे द पर में व दे ते हैं पे के के हिए प इसम सुर कर मा न्त्रं मुक्षारमान्यं क्षावहरामहाक्षेत्रं विष्यं विष्यं मुन्त्रं र विष्यं भाषा र्हिन्'नुबाग्री वेषा सरायुद्दायहै। सुप्तेनायुप्त्य त्वयाणान्युद्द क्रेणवायहै।।।। पर्कुर्'यस'पर वृत्र परि'तृत्र सु। रु'पा'है'बेर्य'वु'परि'कुल'में 'न्युर'ने ळ्यायाच्या च्याचा व्यवस्य विश्वस्य हे विकादक दे प्राप्ता ठदा की विंत् तु खुलाक हे जादका यदि दे नका सका विंत् की की स इस्य अकेन् म अवाय मन् निहल सम् निहल है निहल मा निहल है निहल सःकेःकःषेदःग्रेकःपद्गृपुःपत्तः। देकःग्रेकःकेदेःदम्'पःकगृवःहेःग्रुवःथ्रदः परु प्रवेश प्रति शेश अपरु पिद्धेय प्रति पुष् विषय प्रति है। शेष परि मेरे कुल परि वेंना मान्द्र हो पर व परि है। देतर केंना कुल क्षमा लब (क्र. 132 च) चैजह, केष चर्के ट.टं.। केष. त्र.टं.टंबच, चर्के, बंब खंडरं. ८६ॅ८.त.८८ । ग्रे.य पपु मिलाहा.वोयाताचेल ग्रे.यंथ कि.क्रुवीश क्रुपे जुराचर. न्ता कुलाम् नावान्य ठव कुरामित ख्राकृत्य कृत्य कृत्य क्राम्य म्बर् चरायान्या। पद्भते कुलामा १००८ वेता गुप्ता केता क्षेत्र समा स्वीयस या · 지·지·독·디자·출이·디 역제·경드·디자·양자·디국·万·주미자·주저·크디지·[마) 출구·万· पद्वन'क्वे'नार्चु'ल'पत्नुर'प'देद'पर्राहे प्राम्या कराक्चेत्र'म्

मान्त्र पन्त्रपाव कि कुंड़ा मान्यरि दिना हु विस् प वर्रेस कुर ह अभागतुरियर मिर है। पद्यं यह हैं। पत्रें यह हैं पत्र प्रं प्राप्त ग्रें ही ववालया व्रेव प्राया है। लेव व्राय वर्ष मान्य । वि दबः मुद्रान्त्रात्वाव्यात्वाप्तात्वह्रत अहिता हित्र नैदाने विषय प्रविणा है। ब्रयासुम्भाग्यद्वार्थान्यान्वसाय भिष्ठ्व। य यायेन्य हुन सेय साम्ह्व। न्नियं कया श्रेन् ह्युर निर्दे में वा वा मानिया है वि वे में है का ने न्या G⊏ चर्नेथ च जय। स्ट्रा-ब्रा-ब्रा-व्रा-प्रा-प्रा-व्रेश-क्र्र सेंट कें.चचै. व मर्नेट-न्बर-ठव् मुै-छ्ल-नु-नब-घरि-क्रॅब न्र-घर-तमुर रे। विवासट-नद्भव पा हेर कुल र नवा हेर पर्व र पा चिर हे असा गुव हु पा चर यहि हुला पा प कुर च.ध.रूचे.ठुचे.घच प्रांच. होय.पय.सट.शूट.होचे.पची,पा कुर्घे.थ. धेरु. विद्यानी प्रमा वर्षे हेद'हरस पुटा। नटायेद'से नेस गुटायबट'मेर'में हे सेटान्ध्रद'में नास्टा वरःवन्नवादवावर्षे वर्षे देवाचात्रावरः विदाह्यवाद्यावराष्ट्रवाक्षाव्यावर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मञ्जरप्यमः पहुं 'हुन' महि मर 'हु 'लेन' देख (के. 136 दे) ने बूर्व सं रुव 'हे ने ने हे<sup>-</sup>सॅं-5ुन्'र्डुःतबरःपत्र'सॅं'चकुं'न्टः'हें'नु'युवा निर्दःरवस'स्'वस'०**े**ते' द्र-विकासरारम्बुरावेकास्यामद्रदाष्ट्रमान्नेप्रवासराहरूकान्त्रमान्नेप्रवास्या ननःद्वारदेशः दिन्दान्तिः श्रुवाञ्च । देवाना विवादा । देवाना निवादा । व्यापत । भवा प्राप्त विकास द्येष्याच्ये भे प्रमाणिक स्वत्ति । स्वत् ॅददबः,याया मुला चंबाका ने क्षा ने बे ने बा रें व गुटा के ने प्यक्ष यह '5' ५८' में 'ठू' मिहिना है। हिन रच मिहिनान निम् क्रिंग पर्व क्रिया में प्रेया। मुद्रम् तम् विष्यः प्रत्यः क्रियः क्रियः क्रियः विष्यः प्रत्यः । दिल्यः लहस्य द्यायः हः चरे कु द सका कु 'स्द सार' देव मु । व ह से । व ह व र रे 'मे 'द ह व द से ।। मिलादा श्रे क्रासि (बेयाना । जि.वें. में । म्था राज्य श्वाप वीत्र । । बेय स्वाप ग्रीय खिट चर्ने व केर व्र.प्र व क.च.टिट रचक.कि.च। व्यव रच चानु चकार्याच्या श्री हुद.९७ टे.पर्वेच ता क्र्य मुँ मील च्.बूट तद्य क्षेत्र च्य ट्यंट जू तद्दे ..... व्यञ्चन्यातान्त्रकार्ये वर्षः । वर्षः स्वाताल व्यवायहार्वाञ्चरात्राचार स्र हैः मुं पन्न रट. तुर् एषवांच च श्रेव टटनां होतां हूर श्रेषःच क्रव श्रव वर्ताराजः चन्तरमञ्जूना दे ज्ञाता के केंद्र सार्गुताला चनुर्यार्या महाना मही র্মার্কের বাহমান্ত্রম সুইম (জা 136 ন) শ্রীপেনা শ্রীপ নাব্র নেইব নাই কিব্ । । । ल्हेना हेन अधुन लहनाने द्वार 5 मिं नहेर हन में ह्वाराय मारा में मानत हि । । पद्धं-र्टा। ह्रीलाबाह दश ह्यालाके.श्रामचलाखेरानेट मूटाहाखेयावाहाता. म् महर येवव त.चेश्वर कि ने देवा प्रति हित्य हैं स् में चेश्वर वा प्रति विश्वर वि चर के अपिद मुक्त रहे चार वहेंदा क्षेत्र में ५ १६८ महिद मा मामा मान दर ज्ञानर प्राप्त स्वार प्राप्त स्वरं मासुसर ह्या सक्यस सह ८ व व स्वरं प्राप्त स्वी स्वरं प्राप्त पञ्चनत्र'पत्र'शुपःहे। अर पहत् धर विन् श्रेव्'र्झ'मृव्'कुल' नु'यहेल'पहे'त्र'

नवर देयन संभाव १८०० १८ वि १८ में वि मी निष्य प्राप्त विषय प्राप्त में यान्याप्त म क्यम मह्मा तस्या हिन महेन मर महस्या इस्य प्रबेट्या कु.मर वस श्रुप र्स्य ग्रु.स.र ८८ तथ वे.भु.मारा मल चिते श्चिम न्यान में त्व सहै। की बित्रामी श्चिम ने स्व में से भार कर हैं जी राज स्वीय ता. श्चेष ट्रांच व हे. हूर चारीक रेटा। किर ग्री कालच घर रामा में हैर होटा भूल हिंद अर स्थल भूज क्रम संखित्य है. पृथ्य स्थल हिंद बर्थन सह स्वा है. . १ सब खे. धट्या मुटा यट भ भ मटिव रत है. अ. वैट. तव कट १८ सव. ल. व्राच्य बेबाबा क्रिया है, कुर त्राप्त क्षा प्रतिमा हिंदी ताप्त राज विषय विषय राज विषय विषय विषय विषय विषय विषय कैंद टे.वैट पर पर्या टेब ट्र.पबिट्य.त ईवव व्रेपंय पेठ्यं.टे.पर्झवव तर्रा मेल प्रमुख कर्म की भूर क्ष्म पार्टर वि पार्य खार है स्वरा विवा र्वेन'न्रेन'तुन। अटल'नन्ना' हर। ह्वेद स भूग' हेन् नशुअ'ग्रीस'नहेर'दस' न्त्र द्राप्ति देत सदास है प्रमृत त्र विकाल निकाल कर मान्य रहे हि में दिस् कु. ह्रचे. अ. लुब. ट्र्रा । ह्र्यं. लुब. लु. जुड़, चिन्न चेन. चट ह्यूंट, चड़ लबा । चट्य. 툿따와 젊,따당 쵲,열ዻ,죉비,워노,뤔쇠! | 나도워 스리는식,튀너,디,됮쇡,왕,성,불,스. कु'न्र'रु'अ८न्य वस्त्रु'र्ट (क्रि' 137 व) थे'ने' पश्चर। कु'थेन ल'र्घर' विकास्ट्रिके के विदेश्ववित्र प्रायद् हिंद्रायह यहेव यह का पकुर्या कर विकास क्षेत्रकर्'रस्यप्तिः स्याप्तः स्य पर्वतः नुःश्चापतेः श्चेष्वे र्वण्यम क्षेत्रायाः प्रेतः ¥1 1

प्रथम, में अप्राप्त के प्रथम । हि. दय, के पार प्रत्य त थे प्रथम । विष्य क्ष्य प्रत्य त थे प्रथम । विष्य क्ष्य प्रत्य त थे प्रथम । विष्य क्ष्य प्रयाप्त के प्रथम । विष्य क्ष्य प्रयाप्त के प्रयाप्त के

न्युत्य गुः इस त्युत्य सदत चन्न विः श्रूतः हेतु च देव है। नेत्र सेस ब्राट चर्ड क्रिया न हे. जेरेट रचया सं. वं. टप्ट, रेच्व ब्रय क्रिया सं. ई. खेय वे. नप्र इटाल र्भानप्र क्र्य पर्वेटा बुब नप्र जिट मध्रेय बटब ग्री विट वी.ज व्ययः दबरहेरे' धुन् सुत मु 'चडुन्' परि 'मू व विन मु 'पपब 'में 'मु स्यापि के प्राप्त 'में प्राप्त 'में प्राप्त 'में प बह्दायहे खुन्य प्यका पञ्चित् वस व क्रिंग भी मानव मा पृह् न मि ह हि । इत्या त्रमृत देन सम्य सम् मकु पर विस्त समा ने ने म मह न विश्व वर्षे 'वर्कु न्य अधुव परि केंब न्युय्य प'ल'वेंन् ग्रे थु 'शेंद न्नुन्य ' তব্'ব্ৰথ ব্ৰিপ দিন কৰ্ স্ব'ক্ৰ'ৰ প্ৰথ প্ৰথ ই'বৰ্ষপৰাৰ এ বাইৰ ইৰ শ্ৰী''''' विषय पश्चिर रट श्चर पत्र रें यं अं.श्व. कुट. यंतर मार्थ. तंदा पड़ेर वा.हेर ख्र... कुष कुै।श्चित रह्यं सञ्चारत्वुरः नव्याश्चव रहरया कुल स्यार्गुर स्राहेरा न्द्रिमार्स्याम वाद्यामानीप्रयम सम् नीप्रयम महिराहे। साह्यनाम्ह्रायाहर ल.रटा अ.रतिर.चू.हे.अ रेअ.अहरा छ.२४ त.४४ पश्चेत जातानटाज. न्मे भित्य हे दे र प्याप्ति पड प्रिया । के मि बिरा हिम्म दे निर्म प्राप्त परि'पर्नि, प्रायहर्। स्मूरान्हेन् नियह्नियायायरा मुपाद्यायाय मुपादि न्हेत गुरुरा न्वत्रासद्। सम्बर्धान्तान्तर्स्तान्तर्स्तान्तर्भवान्तर्भवान्तर्भवान्तर्भवान्तर्भवान् 5। युष्ट्र नहा इक गुहे र मन्य पह के र पकु र पकु र (स 137 म) चन्य मार्म्य प्राम् विद्रिक्षे र्वे प्राम्य मार्थे विद्राम् विद्राम् विद्राम् विद्राम् विद्राम् विद्राम् विद्राम इवल गुैरारुनुसाम। वेन माळे छ्ट में यह हे अवत ना निर्मा निर्मा अञ्चलान्त्री, पश्चेष्याम् द्वारा क्षेत्रा क्षेत्रा चित्रा विष्ये क्षेत्रा प्रति । विष्ये विषये विषये । विषये विषये विषये । विषये विषये विषये । विषये हर्यं पर्यं प्राप्त विषय हिम्यं के क्षेत्र प्रमुद्र प्राप्त है मिन् क्रॅब खु'बह्द हैटा। क्रॅबाबु केद'र्घ' पहुं बाहुबा। खर'य दृद हुं में देर' ज्ञिन, बूच तके, रेट. तके रें प्रथम विर्मेग कर्ष हें र जिन करे हैं र कि श्रम कि 데네지! 명구 디자, 됩니. 스디션, 광석, 면, 디트리, 통, 너디디서, 홀수, 줘, 됐네서, 뵜어.

लेब रित्तनार् , अर.त इत्ते थ थि. अर. जी खेन तथ है स खे. प्रविट है , वीच त प्रवे . इंद्रे.म्.रह्म ज वाचुवाय स सम्बद्ध स्थान स्थान स्थान ह्या मुन्त मुन्त मुन्त मुन्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान महिर मिर्मम हु नेदाम स्या स्रिक्ष मृत्म मार्म मार्म कर मह्ला पष्ट्र म.पर्ः प्रेश त पणर पर्सेय हे खे हे गमा श तपुर पर सहित। रे चेन, ज्याय तल कुर, सैंच, योष अ थे. तुर, तुथ, तथ्य वा च चेल. रूप ग्रे. सुव वा पकु र अर ब्रुल'य'र्सन्यान्य'न्द्र के जिल्ले'ल पन्तर'हेव'के में 'स्नेपयावय' '' ब्रामित मिन्न सुरुप्त के सुर्तानर विर हे। विदेशका अपूर्व पर विर धर वि रल गुना । यहन प हर होल नमर पठन बुन के व सहना । हेन मुल ने ल वृ अल बकेन मासुका चुँव पार के वा सु वे पार में। त्रीत म सु द स यर दा छटाय अपनेन यर में तस सन्दि सेनास सहेट सेंद प्रमान स क्षय गुरागुरामध्य याञ्च वय ज्ञराञ्चेत वेद । विदायरासु वेय कमाञ्चेद बह्द'यहै'के'मबब'षव बु'बक्ट्र'य'केव ये'मब्दै'मद्दीन्वः। येंद्र तमहत्वः हेन्याधुनात्मदान्युका ह्रवया छा हेन नेयाक्षराह्मर छ ८ हे हे प्रवेदय गुप्तर्वा लच किट चबुट्या दे.ज.स्य.क. १ अ. व्रेव. चर वट.वयावि चर.पे.जवर्धाय. पाधनार्दर दवाराधुलावारागारवादा। विर्ह्णे नहीं नहीं नहीं ने के वार् नृ 'चुट' व' रे' रे' ल' र वट य' के 'व्विक' वर्त्त ' वर्त्त ' खुल (के ' 138 त्) व र्त्त । नद्दनात्मन विद् ह्रेट.इ.तबुटल तर.चन्दा रिव.झे.ल.रेर.लेनं.नेहेश. प्रमुख्यायहै केर त्रायक प्रमुख्य विषय । प्रमुख्याय विषय । प्रमुख्याय विषय । स्वयाचीलानकेव द्वात्राष्ट्राची द्वानी रावधायहर्मा व्यवधायका प्रकारी श्चित् श्चर हिंद, वट हें , देश, खुर, त्या, श्वेश रेगे, एखुल की, वार्ष वे पार पार है. चब्रेटका कि.वोर.वंब.पी.प्रहें.सू.है। वै.ज्रह्न.सू.है। वै.वं वै.ज्रांसवीयः प्र.वे.त है, व. ब्र.व. प्र.वं ब. तथा हूव .लत अब ग्रे.टें ब.ज्र. तथ .व्यक्तग्रेय..... प्रेश, चि.कु.जिचबा क्रेंट.ंउटेज.जू। । ( चोड्रेश,त.चक्रेच, क्र.क्र्य,उटेज.च, ह.केर.चैट.च जरूट चोळेथ। अटे.

श्वन : इत्या पुष या केन : यं मा हे । वस्त मा खुल द्या व द्या व पत्र के प्यतु पार वि वि र जिन क्षेत्र प्त र क्ष माने प्राची प्राची प्राची प्राची प्राची प्राची प्राची प्राची प पर कुल में व न्यार पाय में हैं क दूब बाव में अहर दे। दु व के प्राप्त का ह. ब. भु. २. प्रेश्व ग्रीय प्रयापय श्रीय . राट चेश हो । यह . थे । विषय . पर्य . प्रयाप क्षेट सहर् द्य रम रू. चुर केट मब्रेद धर हेन्या सहद रमा रुप्तर र्पा पद्र ग्रा. पर्याय प्रा. मार्थे प्रा. या व्याया व्याय व्याय प्राप्त प्राय क्षेत्र विष्य क्षि. न्त हर्ना मुन है। निवस रेस महीत सामासा सूर न्ता म मेर में रं. २.व. ८ व पत्र मिलान अकूच रिने ८ वा अ. ४ वे कुव. अकूचे अंतर प्रीटु. न्तर में श्रुर पा लाग्युम कुलान कुप इसस रम मु पुर दिर केरि केरि नियान्यार मार्यम्यासुरश्चर पान्नेदाधराह्मिया हे पानुदास यन के के पानुदा नु जानमानि वर्ष के राम के विषय के मिन के मिन ने प्रमानिक वर्ष रवाचुदावर् वावर द्वित्यावयाब्दाञ्च द्वायाद्वा । तवत्याञ्चावयाया खुमामकु'र्यमान्तु'वृद्दा श्रु'म्प्यमम ठ८ ग्रुमाहेरे मण्राक्ष वेदा है' त्यात्माचमम् उत्'ग्रैमान्य पृ ग्रुट मान्युति'मकॅ न ग्वम सु'सुटमान्स धुना'' सर्हे र प्राप्त देश हैं प्राप्त है कर है। प्राप्त दिस्स है देश प्राप्त में स्वाप्त प्राप्त प्त प्राप्त गुैं। हैं। रेटा पर्वे प्राप्ता अर् अं वे पर्वे पर्व (अ. 139 वे) प्रे. हैं हैं हैं व सं से प्राप्त न्यल यहेन्य स्वाय संदूरमामकु ह। ने न्या लय हे हुन्य महिन स्युदेर कुल सक्दा सम्बन्ध सक्दा सुर्दे ए इस्ति है सामक्रम मुल परि सुर्वे पार्ट स पर्थ्य, मः प्रविदः पः भव्य प्रदेश सः त्रेषः व्राप्तः व्याप्तः व्यापतः व्यापत्तः व्यापतः वयापतः वय मुद्र-मुख्यापकुर्। । वि केद समिद पुर पुर मुद्र- से पुर प्रेस । । प्रेद मान्यस्यानिम नवस्यानिक केरामिना । अहरा महानि मि महरा श्चर-दर्भात्र-द्वरावर्ष-स्वापित्रःश्चर्वात्रम् भीत्तर्मात्रः विवाद्य स्वाप्ति ।

नाञ्चल हे नहेब न नहेनमानह हा। सारहि सान न सर विण साही। नाक्र.रचे.पविदा नाक्र.रच.चक्रल नाक्षिक क्रीय प्ररेण.च.हेल विल चारुच नियाल व्याः विर लिया प्रमाप्त क्रिया खुल यु विष्यु वि ही वि वि वि वि वि है। निवया शु में वा का लिए हैं हि दीन र लव कर नवम हिंद दमा दव हैन मिला में अदः न्मृत नुः पञ्चेत्र देद पदुन्यः पदि छ। नुसः मञ्जाय स रपर 원자·다랑도 열속 다저 두드 루·ㅈㅁ 중·튑도 다도·영제·다·씨! 꿇고 원저 제미속 芷· ५८ न्यं र्राय ५ व्य हे १२० हु व्य हे १ व्य है १ व्य मन्न्या महेन ह्राय ब्रायार्नो हिंद साय कर म न्दा तित् नु सु जिट रेताण. ट्रेंग चर्चे वंश ता तथ्ल ग्रेट क्रि. प्रश्न चिल. त्रा क्रिय वर्ष तथर तथ वि भूट भू पूट में पूर ग्रेट मेंबर पश्त रंथ प्रेट हूं, बुंब, मेंधू हैं हैं. सेट में जिट , प्ता च व प्रियं वार्षेत्र सम्प्र हे.हिंद.क्र्यां क्रिया है व त्या हिंदा स्था स्थापत ञ्चन देशक पन पर्वेष च प्रत्र किर्रे हो हिस्सू हिस्सू र्म्स्ट में तेन पन ८५०। ग्राम् र्वा स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य प्रमा विष्य मा ह्मिंब कुर अंभव त्रिवास सूनः वाबर द्वार ग्रेन् केपा सूर केर वाबर हुन ... हुक.वर वैंट वर्ण्ट.ब्रिट.जय.वर्केंटे.चब.श्रष्ट्रबी हुवे जय.विंटे.चर एलवेब भ्रेम अप्रिव रच के प्रवास मिल्य पूर्व पूर्व राज्य राज्य प्रवास माना मिला प्रवास मिला प्रवास मिला प्रवास मिला प नैस पहेंद पर हिन्स दस से छ पा लेस पर द। (सै 139 प) अरु र पर्निन से स नेव मुल कठन र्वाच गुरा दि खल ५ तुरा सुरा देव । १ वर्ष पा वर्ष पा वर्ष । कुर। ८वस्यवस्यायाः अस्य द्वानाम् वस्य प्रमानाम् वस्य वस्य प्रमान हॅ 'हे'न्यन धुना'र्सन्य'स्'म्यस सु'महत्य'म्'सृद'र्यन्।म्हन्'नृ'कैनस् ''''' 미정의 국의 축 는, 회의 용비 돛 미의 집 , 다형 로 , 다고 돛 비서, 실 , 다른 데, 다 다 다 다 나 다 나 다 나 다 पञ्चम्या त्रिक्षः स्ति केमा सम्बद्धान्यः मह्नु । यह्नु व ᄆᇶᇄᇏᆫ᠘ᆛᆀᆈᆀᇰᆁᇪᇕᅆᇸᇰᆉᆛᇦᇊᇸᆀᇸᆀᇸᆛᇎᆛᄔᅩᆁᆔᆀᆌᆔ

मझ्द पर रखेल रज्ञा सक्सम सु युग पर न्म्स नल के प ल दे ने सूर " उत् ह बेब नावत् म मुवास अव केन् में बेब नम म क्षय म बेन्। ने के विद्या प्युत्य द्या वया श्रीय सहत्। हा केव ग्रीय ह्या केव माय येर पश्ला द्वल प्रद के पहुष्य वेपलायल पठन में ह्रा क्रिल गुँ वि अक्ट दुः मैर। मिंश्य श्रिप से.प.च चढ़ी परिष्य मधेरी सेश श्रूपशेखा भ रूट के. सूर्यं ये विट द्रार्यं पर्वेष त वेश्वय त श्रद वंश वोश्वय भूट । धू.र ... तिगुला येर या परेद'केंद तिनुस सँग्य ग्वस ग्वे सदात पर प पर्नेद। षका नुत् गुै कापद पु र नो पन ने ब मु पा मि दस नदस नदि प नु है प नु र प नि मर मिन में ने से में से से हिट श्रम कर मुंच के से ने में ने में से मिन में में में से मिन य हरार्वा वसाहित स्पर्य में मुद्र यह रिने रिने रिने से में मिर में म षञ्चलान ल श्रेट षटेल ब्री.बैंब.खेब बोबेश.धेट ई पबैंट घड़ रस टैं.बैंट स .. इसमान्ता विवासान्ति होते इस तस्य विवास के देश में व पन्त पन्त पन्त वा लव् मुक्यामर हील हे मिन पान्या ठव की कुव पहिना छा कुव हीव मेल की क्ष्य मु ५६ दे तथ्य के मा क्षेत्र के में विष्य के विषय मानु न्रायु र्वे साम हिंद से से स सर्वे व साम नियम प्रायम स्था करान्य प्रायम प्रायम म्बर हैट में न्ने परि परि महित पहित सल केर देवल ग्रेट स्वर कुन रहे ल """ मह्यं यर बहरा कु'रित्यारह्या काक्ष्म प्रमा चु'रित्यारह्या न के ज्ञून लम हैं हे ज्ञून सर्जा सर्जा रहेन हिन्य र ठन मर में निर् । में केन द्रव् क्रव् प्यवत् या शुर् प्या शुरक्ताया नराया ह्रेण लार्ष् पार्वे प्या विव म्या वर्षे वेयाम्यात्रयम्। द्वां वाया हे हि। वर्षे व्याप्ताया मु पश्चातिर्द्धान्त सर्वायाञ्चेया अष्ट्र्या ल्लाच दी. यंचायाता दी. यंचारा या. या. या. या.

मिश्रेय मामाक सिनाया दी। महाकेद श्रीमा मान्याय मक्द इस मिश्रेय ही।। ইলেনের কুর্'। তথা ১ জৈর নাম ই'। ১১। । ল হুলেন নার বলেনা ক্রিবা নারীকা त्रस्यान्वयत मे द्रुव्यत्व्यत नुष्यात्वय य विक्रियात्वर वृष्णुः मे अर्दे मुन्तरा मघरान्नाल बदरानहें स नेद क्षान्यामी हासद मानीनेना हित्सानहर क्त्री पार्क्ष. मूर्य करा। तर्नात मूर्य क्रियाचे स्थ र खिल व स्ट खुल हु हु । नुःर्नित्वस्युष्याः द्वायाः क्रिया क्रिया क्रिया विषया गुैकादेर हुट नु'मक्केदामर ह्याका मह केद दे हे दि सि'स'र् दू मा पुनर म ृ न्यल'कुरु'म् न् नु'नान्द इत्य हे' खेद'लय'न्यन येन' छुत्। छ'नुल खना स न्न्व पर हैन नहन लासे पड़ नहन पहेन पहेन पर हैनल पर वट वस में मुल विराम्त् पुर क्ष द्याय दरा। मुद्र या है है द्याया मुक्रेस अपिदा पुरे मह वरायुरा यह क्व न्याय केयान्ने १२५६ मन न्या है हे न्याय केया है म् क्ष भ्रमानद्वम्या दे न्योष्ट्रेयालाञ्चनायान्यान्यम् न्यम् न्यम् र्गोव अक्रम कुलाअकवामहिनाचुटा हे क्रिय खटार्ट चे हिटामहिनार्ट वक्स ळॅन्याम मही मही नय प्राप्त १४० म) ळेन्य हे मही हिया दे य राये स्टार ८८.। १८ हूर.चेव मूट.मु.पेश्चेतालया.घट.टे.४६४.टीटश्चास.श्ची.घेट.छव. แล้ง สายสานินา ขี้นา ขี้นา เมื่อ เสยสายน้ำ สมคินา เมื่อ เกาน้ามาการ เรียกา बुबामबेब म न्मा है'हे'न्मलामहे स्वाकुदादर केदाहे हे लक्ष्यामुद र्वाराम्यान्य पदेवान्याम् स्वाप्तान्य प्राप्तान्य प्रा 다소.구.나소.영난 회생,다.삼.다 한, 첫의, 결식, 영상 집, 현생, 난다는 등, 다. 열석, 덫당 ...

य क्रवे. च्युं, व्रिट्य श्वे. विचात्तर अस्ट च व्रवे. व्री।

क्रियं अप्तार्थ प्रमाण व्रियं क्ष्यः। व्रिट्य क्ष्यं व्रियं व्राप्त व्रियं विष्ठं व्रियं विष्ठं विष्ठं

चंब्रभ.त.र्ह्नेर.४र्टेल.ट्री तं.षष्ट चर्केट.त हूरे ४टेल वार्वश.त४ट नुदा । ज्ञित प्राथमानमृत् यामसुनमानते हिमापि सेल स्रार्धि प्राप्त हूर्या अप्तर हुन श्री क्रूना मुल मुला मुला क्राया हुन बुला क्राया यह ।। स्तरा ने व ते ते तर र त्ये हे अ पति र तु स स्त में स स्त में स त्यन्त्रःष्ठ्यः वृत्रः यङ्गे 'हृक्क'यु'यः श्चुद् 'द्रद्यः द्यः वृत्रः यु'यः नृत्रुवः श्चनतः स्टः य रच. १ विदः बुदः च हे ब तरः ह्वाया खुः च इवा विदेश सहि । या विदेश स् बट् बट् कुल प्रति में कर में कि में चरःचलःवृष्टुलःलह्रदःमुःमुःमुःलय् (क्रा 141 द्)ल्टुलःचरे लगःलेदः…ः वयव १८.७ व्यवतान्तर ब्रैटवा वि.ष्ठ हैं ये है जि.पव सूर वर वर्ष ह र वे जाता 624. च. चर्चा ता. च. च्. च्री. च्री. च्री. च्री. तथ. वंभ. च्यीत। यः बर्डे. र्वे. हैं. यं. जंया में. त्ये. कि. पर्वे. ता. र्टा. प्राप्ते. प्राप्त क्षेत्र स्वाया प्राप्त स ब8्द'द्यारणुरात्रक्षात्रः चक्कुर'ठेटाचन्दायात्रम्यात्राणुत्रः वेषायापराम्द्रन् מישםן פריפּריםג׳אַםיאימיקיקיםיר**ִםמיפּ**בָּבישָֿקיםמיתובוּ בּישייקיבי लयर्नो हिंदानी गुरेरागुर्दा। मिकामार के कि दिला कु हि न लय देनी द्वाची प्रयापात्राचित्रम् व्यापात्राच्या विषया विषया विषया विष्या विषया विषया

बिस त्या अष्ट्र हूं। क्षेत्र ह्या हुं स्वास कुर्य हुं त लाय. त्या हूं अ में ये हुं त त्या या व्यव क्षेत्र में या व्यव क्षेत्र हुं त त्या हुं या में या व्यव क्षेत्र हुं त त्या हुं या हिं या व्यव क्षेत्र हुं त त्या हुं या व्यव क्षेत्र हुं त व्यव क्षेत्र हुं त व्यव क्षेत्र वें त्या हिं या व्यव क्षेत्र हुं त व्यव क्षेत्र क

पट पर्वा हिंस नुस्तर हिंद निर्मा तहेत है। । दें त्य विद्या हिंद निर्मा है । । है त्य विद्या हिंद निर्मा तहेत है । । है त्य प्रदेश है । । । है त्य प्रदेश है । । । है त्य प्रदेश है । । । है त्य प्रदेश है । । । है त्य प्रदेश है । है त्य प्रदेश है । है त्य प्य प्रदेश है । है त्य प्रदेश ह

न्द्र स्था विष्या तिष्या सहस्या सर क्षेत्। न्यु सते मन्

र्ट मृ.वृ। परेल.चडु.चनर.कैंब हूं ब्रेचन्न.पत्तचान.लेल.री । व्रर.

इति न्निन्य त्येश स्व भूग इत्य स ग्रेश । स्वेश ग्रेव न्न स स्वय सय मुंकर होला ।दे'ल'र्ट में द्र केंस तरुल चरे चन् कुर मुंच में ता । ह्या अर हैं ह्यां मी यर एल याय दाई लिल टे. देव ह्या के त पर्दे ता प्रमाय क्षेत्र स्वाय स्नित्र स्वाय स्वायं स्वाय हिन्स् प्रमाय स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं वर या यम् यदि सुद तरुत्व यहे यदि के तर्पररे रे। यदि यं दे वन बुब स सर्हें मकु त लब्द है स दद सब्द सब्द खुद श्वर्दास रे खूर सर… बाबाब च पत्रा । ८८५ बाबी घर्षाय ६८ छूट, तर हैं। यह सिबाय क्रिश्र वस्ट विह प्रमात जिंद हैं प्रवेश में देश नेंद प्रहूर प्रेश में में के रिल प्रक्रेस अर्में में प्रहे के व मबेरिस केर वा अर ईव पत्रेर इव की बर्ड हुन पन्नाया के सी। अर लंब, क्र्याय प्रधित ति.सं. क्रां क्ष्यं कर मिथ तर पर्वेच तर स्रा.चंब स् वर मी .. ही देव है ती जिंदानही सकदान में भूद चाहे ती जिंद है। सद्यारा चर मवस मान्द स स्मेमल स स मेद हु महिल स इसस सा । तिकद मेद की महुद पर्स दी विव विवाधन के विवा सर ज्ञान्य ल। वेना के द द बुद क्षर मह प्रदेश मा दे। द्वेना ना हे द ञ्चन-द्वर् यान्युक्षामार्थर् पुनेर् त्यान्य्याम् वर्षर् क्रिन् गुक्यस्य हे पिद्धे · · · ल्लियायारा में रेस न प्राचेत्रया दया पढ़ि पड़ पानुवा कु (का 142 व) मिन्या खा पर्वयापाश्चर् द्वापा तथा कु क्वापा विवास महना है पर्वया महन स्वापा महन स्वापा बह्र मार्मा प्यापर्वाम समारि द्वेता हिन कुरा मि के र्नो **८**5्द'नवट'र्घस'गु'रे'गु'स्'नदु। श्चन'न्घद'नुगु'रें,गुैस'रिन्।सुस' चकु पा रु प्रचाल अहर् पा स्वाय लय जिरा नह मार प्रवृ प्राप्त की पा ना हे से से स चन्यानेता। व्यत्नित्राह्मातात्वात्रम् कि.चम्, २१ भ.विंट, चर.संबंधाताता क्रुथाग्री.चर्धथात्रेष ग्रीथापरीलाता

बर्दे है कु केर र जेल कु में र गुद पु कर कर छेर य दे अहर। ज्वद पर इ. धरे. च केब. बेहेरी किरे. तर च कुब. बेहेरी देवी. जुब. च कुबा न्ने पर पर्वा में वा हिला विश्व परिव महिन ने पर्वे प्राप्त महिन हुन ला स्तर 디저 평' 교도 오요도 용도 회사 지 절도저 오루도' 등' 국'본' 국 중계 또한 디젤드! 1 न्त्र त हूं र प्रियः केंद्र प्रहेत्राचु पढ़ि तत्ता । १२व सकेर सके स्वाकु प्रहः वि.पर्नेष स्वाया । विर.पत्तवाय यह व्रेव गीव.सिव.वि.हेव पा । वायाप. मम बिम रेमर मेर्डेश मह होव.लंब ब्रह्मा । निरंत्र वर्त में हिंद्य.एट्रेस. लबन्त खुल कुःश्चित रहार्वा दुःवा भुःल रहा। हिःवा श्वे छ महिनाला रहिना स शुंदि कुलासकद कुरानायदा दे लया झरानायान्य निर्मा नुसा कुरा देया व्यः केषः निर्मे त्यः य रवः निषयः देः चिष्णे स्थायः केषा देव मे वस हैं है । कुर्य बक्दायामन्। वद है'द'र्'द'प्रियायय पृणु'येद। इक्षाप्राया शु'याया इं प्रामा अनिय प्रतिरहित महिया दे महिस स महिया ग्रीय प्रमा है। दे वस हॅंद्र झेंद्र ग्रैंपन्द्र मुहेस महिम हु रहेस संदे हैंद्र महस्र ग्रैंद्र महस्र ग्रैंद्र चढ़िर'गुन्य'य। ८६स'य' वेय'रम' दें ' 'नुन्य'य' गुन्य'य कुल' बळव ' हे ' नदरःम् चःम्हेल। ह्यं खटः छल ह्याया ह्याया हा वाद खला छटा हे 'न्छला हु। **च**ॱण्βेंत्रामसःकु'ळेरॱकळेर्'ठेट' २ येम' मरे 'कुं वृ'मसं धुें त'कळें ' श्रू' म' ळेव् (सै' 142 म) मैं मुँदाने अद्यासमानु प्रदान्त रहा यया महिल्या महिल्या ह्येंट. ग्रुब. तम्रेल. दब. ४टेल. चट्ट. दब. चर्नट. हे. बट्ट. टूर इस ख्यंब.... मङ्गर्याः है । त्रुवायिः मङ्गरामाद्वी पदिन्याशुः महन्। विद्वापदा क्रिया चॅ**५**ॱग्रै'२५५७१६६५थःच्चत्रक्षंक्षःच्चुन्द्वःचः५्नःधुनःद्वयःविवयः५८ः। ॻॱढ़ॸॖऀ॔ॺॱय़ॱॸ॔य़ॾॱॺॗऀ॔ॺऻॱढ़य़ॸॱ**ॺॕॱॺॕॺॱॺॸॕॱ**ॱॾ॓ढ़ॱढ़ॗऀॱॺऻॱॺड़॔ॸ॔ॱॶऀॾॱॿॖऀॺॱख़ॱॺॕॻऻॺॱ 

पान्नस्य प्राप्त होना प्रमुख्य प्राप्त प्रस्ति प्रस्ति प्रस्ति प्रमुख्य प्रस्ति प्रस्ति प्रमुख्य प्रस्ति प्रस्ति प्रमुख्य प्रस्ति प्र

노다. 회 월다. 스턴로 뉴, 열 당길사. 다 다르다. 되니 뭐 다고 요즘 네서 휴 의 다 다 ! 정도로 तारत प्रवापन व मिं में नाम ने वा नि में ने में ने में ने ने ने में पर्नेय पिष्ठेव संवाय ग्रीय एग्रेश म नम् र त्योश मन् सहर हटा श्रीय सि। इ. र से. १ मे. र मे. में से में हैं र १ १ में री । रिचय, रेट. में से पा पड़े र रस लय. खुर्दरा ।विद्रापदेरायमुद्रायासाद्रादराष्ट्री कायहे नाहात के नादिरा । वाद्राया श्ले. त. र तथा तड़ न व स्वाय ग्रीय निवाय पर प्रमेय । पर्य प्राय । प्रमा हेर निर्वासामा कुरनिर्वासामा अस निर्वासामध्याराम् ह्रच रत्त थन्नेषार्थत प्रमुख मं मुख्या स्रम्भ स्रम्था प्रमुख्य द्वाप्य स्रम् में श्रेप राश्चावम श्रापित हैं हैं 'निया है 'हैं निया है 'हैं। निया है 'में स मिल च वार्वेश पत्र। ब्रि.शब विश्व से.ब्रेट्रेट्रेट्य माविता मिलायह छा.प्रेयाला चर्नेट्र इट दे.लब ट्वेब चेक्ट.चु.कूटब बी.लब.ट्ट.च.लब.ड्री । गीव.अप्रेव.टेश्व.मी. रमा त्र्वायास्वयाणीयाम्बुर् यात्रीत्रान्यते सहवायाम्या व क्षेत्राता अह्रटाग्री पर्यट ज्ञाताता मुद्दा पान मुद्दा क्षाता हित मु केटा पर ह्यस'ण्ड'। चन्द्राञ्चल'लद्दे'लस'णुक'चतुत्र'च्ह्र'केर'द्दर'च'दे'छुट'शेद्र'स्द (क. 143 च)ग्री अहूर धर्मातान्य मक्यानाय पर्नात्यान्य प्राप्ता पर्नात्यान्य पर्ना न्न्यान्। गुद्र अन्द्राञ्चन्यान्यान्ययात्रय्याच्यान्युन्तियान्युन्तियान्य न्द्रः म्रायात् वेराम्। विव न्युत्याम्। दि हेव म्रा हि द्रा स चंत्र'गुर्व'पतृत्र'य २०६ ११ इत्र'तु'पह्रिं। प्यत्'व्ये केर् प्यत्रह्रम्य व न्त्रेय.वे.रच मेथल। पष्ट.कुरं.नैया.बब्रूया.गुक्ष.पद्धरं.पूर्व मी.बब्रूपु. ध्राया. बेद र्मन्य महर केट तकर १९व हीत यह हर मिन्य व मामहर फुर कहर १९व र्रा बैटागुव पर्वतार् । तकर् १६व पर्वता प्रश्नेता स्वा निष्ठ व ही देश मेन र न चान स्वाय ।। । सहर जी न नर के र मार पन व वियामवार्। दिर बरामहरागुम्मन् मुद्दान्य विद्रान्य विद्रान्य

मिरे श्रिम मामि के कि हैं के कि अह्रव ता अह्र ग्री न वर्ष न वर्ष न वर्ष अपन वर्ष व अप रे पर्यं वर्ष .... सद्य त प्रत सह तम्ब तामा द्वी पदित सु पान हो। देहे श्री पान मा सब के द का है दार्स स कर्द्र मार्चेद रूप गहे व गहि नन् खूल में नगर नन्य। देहें। श्चित अर्मनाक्ष्य ग्री-प्रश्चेष त्युल न्ट में मि हो मेल त्युट नावल। र्श्विम अ'लयव मर्गोव अर्केन में हो। देते श्रीम अर्थि नम नवस हेलस र्थि गुव न्तर हे. इ. र अथ ग्रेंस. में. कर होता अष्टर्थ प्रहर्ष अट जेल वेचे ८ ट्र चानाय परि.रै.पा.अहर कुट.सूर दी.पा.चा ब्रूचा.अ.वीटा। ट्रायंथ अष्ट्रअल वंशः मानतः जानम नृद्रः प्रमानान् प्रवादः मा पर्वमः स्वाद्रमा देनः स्व व वर्श्वर्रात्द्रव्रात्त वरुष दाः स्वाय व्यविषाय द्वायय वर्शेल द्वीया सद्द हर र ञ्चलाल्चा । नेया, मुब्रायाम् । लायायुप्या है । मकु ५ । मकु ५ । मु ५ । राष्ट्र । पद्गः हिर्मायः हरः निष्मः तरः अहर्। । प्रष्टः कुर् निष्मः भेवाः भेवाः भेवाः अहर्। गुःमन्द्रमान्दर्वेद्रा व (के 144 व) मह मुक्त अवस्य सम्दर्दिन महिद ผลาสาคุรคานา.2.ปล่องเสราสราสราสาคราสาภิยานา.3.ปล้องเลือ परुष विर् पर.रे.४००वयः तपुर.प्रेप.युप.वी.श्व.पप्र.रिवयः इट.रे.वाल्र.पर.. सद्दर्दा दि'सूर'यभद्'पुरे'कॅब'बह्द्य'स'दे'स'न्बेर'ब्र्न्ना यह केद बुकानहें त् वु 'दें व 'बु कहें व प् वृवा या ने बार मा जु प्रश्रम पार विर प्रवा """ न्ता ह्रिनेत्रक्षान्त्रवस्यापान्त्रेष्यात्राम्यान्त्राम्यान्त्रम् तकद् वद्वित्य द्ययाद्वे मह्दालया क्रयावद्वानेयारवादी वदाह्य त्यदःचरुवा ।दे द्वा चु खेर नाद दर चहुत चर्च व नाद । बिवा नायुद्ध בותילקן לקיקמיבות שמישבקיביקבין בקדיבקקמיבות וקבי ग्रंदी क्र्यान्वयात्रियम नम्बुहित्वकव्रहित्वयामरात्नेन्यहेत्वर्गामः

अर् पार नेय रा सि म केंद्र प्रिं प्र प्र प्र प्र प्र में ने निकेश प्र पार्थ केंद्र चना परव में विवारत रूप पस्ता पर्या । । रूप प्राप्त पर्सेश न्युअप्ती नेव रव हुँर्पुट र्ट हुँव वॅव नेव रव वन वरव इवव वा। महिल माही महेन महेन महेन महेन माही मिन्न माही मिन्न माही र्व तकर प अहर में पक्ष पर्य में पाईर में खे. जिस ईस तर बेबेबे त लट । वना परन वन मा अर्'क्ष इसका । बुल मल'गुव वस हे व स्टल महि हैं न ८८ । इस्यापर प्रतापित विषय मार्रेस सं केरी माना पर तर् विष् । में रिस मुै । ९ चे ० वर वर्ष ५८ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्षारी हिन्द । विश्वराष्ट्री अबेट ग्रेस पहुंच पर क्षेत्र वादवार्टा में राख्ट विश्वरार्श्ववाय ग्रे देश नेवन पर्वेद हर । निश्य पर्वेद ता.चंब कु.पह.हिर निश्य.ग्री.अहूरे.ग्री.नोवंब बेस मञ्जापस स्। । निःमबेद नुःगुद १६ द्वाप्त न्याना न्याना स्थ म्नावसारहिन हर देशनम् सह क्षेत्र देनदार्मा नम्बदायान्त्रेत्रामान्दा । विस्तरा न्दः तर्षे 'च' के नव व'र्याव के वे व'हे 'चते 'म्बन न्दः न्वदः चेते 'चन्न' हेन् हेन् मृत्य १५ अथय.१५५(थू. 144 प) श्चि.तपुर्धाता.५५ पत्तीपायथ ८८.। <del>र्वे</del> न यान रूपि सेन्य क्षेत् चढ्र ग्रेप्टिन हेव चक्ष्व म नवस नस्तर वार्त । क्रॅंप्-पर्द्धप् ग्री व्रिप्-प्यर अवशायकाम इसस ग्राप्-प्रेप् मानाबर प्राप्न-पास विदः तह. हिर. प्रया ग्रेया पश्चित् प्रया प्रया पश्च प्रवास विषय प्रता प्रया प्रया प्रया प्रया प्रया प्रया प्रया प्रया हें व : अंटल प प प प प करा पत्रा पार्श्वे प्रवृत्त है दे । अंद । पर अ कि व । पर पह से सारा पर्वत त नेवय कि.च रेट । १ वे.स्ट्य त.ट्र.इस.तर.वेट.वंटट.अ.र्जनी.त. ब्रुंबर्य प ब्रुंबर्यायप्रत्याचय प्रवाह्मियाय प्राष्ट्रिय यह द्विर प्रवादा प्रवास स्ति स सूर बाट बच ग्रेट चर्चेर ता बर्च र विवास देवा ता र देवा वा सूर बाट बच ग्रेट वा वा स्ति वा स्ति वा स्ति व हेव ब्रांट्य त पहूंचय तथर ज.र्चयाग्नेयान्नेट.तथ छ.च्यान्टरंट्ट.ल्यं हेव... इनसः पहुन् प प्रवसः पर्वः पर्वः । से स्वरः इनसः गुरः पर्वः प्रवः । महेद म तमत दीन भेद मन द मनस नाइद दर। देते र महेद में भंदा हर पर अर्थे अर प्रदेश पहेर पानिय पकेर पाही। बार बच बार्थ पर पान, मालेय म निवसार्नाम है निवसामकुर म हरे।हेर मु बर समाहरमा महान बेस मन् में। । यादव में 'म्या केंच हुया यीच एक म्में। याम्य म्म सकदा क्षेत् महुत् म तृतः। ।देःमबैत् रम तृष्टेःमहुःम तृतः। । श्रुम वेत् सर्हत्स नर विव त है। । के य वे द्वा हु र र त हु न या । बे य या। । दे र य मार य है। वन परम वन प अर.क्ष म्ममा विष रत। एर्स.चेस क्र म्मम दे'द्रम गुरः। ।माञ्जाय यस्याय यदि छ्र वॅ'स्। ।स्वाय स्। ।सहद् हेरः दे। द्वराम ब्वर महिं तर् ने वे। । अकद अर तहेद महे महम हेर हैं।। स्वायःस्। ।रमः प्रेपित महत् सर् रत्र वै महामय महिन स। । विमय न्द चरुत्रामानुन्त्र पर्व । श्रिन्त्र श्री । प्रमु प दे। स्ट प्राप्त दे मु.भक्र-.८८.। । विभव चेश्च च्याहे. विभव द पर्वेया । स्वाय स्।। बर्ह् न्यः एव दे। चरें मः न्यः न्यः तर् नः क्यायः (जैः 145 दः) श्याय स्। । श्रुमः नुन्दी निम्दार्भुन्यं सन्यास्त्रीत देश सन्य भुदा । देशामा संयोग मस सी ।

मुन्द्र्य स्थान्य मुन्द्र स्वाप्त मिन्द्र स्थान स्थान

ाविर्राटर र्वेना नहें व ने श्रें व अपसर देव रट सम समस्य धर বলবালা च्निय पारस्वायाम इसाम्राम् र देश हारा हैन हार्ष हेर सर्वा हैन सर्वा हिना सर्वा हिना सर्वा हैन न्दा अयुव धर कुव न्द है हि हुर पारे त्योल प है हि दूर पा अहन पन ने धैव'कद'मदें'कुव सुर परे शिंभ'र्देंद्। देशे'र्देण'र्टु'म्बि'स्ट्रे'द्रमापर सूद बह्र प्रवटः मृत्र्याया ग्रीया ग्रीटा स्था क्षेत्र व्याप्त स्था प्रवास क्षेत्र व्याप्त स्थापा क्षेत्र व्यापत स्थापा क्षेत्र व्यापत स्थापा क्षेत्र व्यापत स्थापा क्षेत्र व्यापत स्थापत स्यापत स्थापत रिण्यायर व्यद्र केट । विराधर श्रेषार्वित वेट ले प्यत्र विराधित के खिन्याञ्चलाम्बर्धार्म्याच्यात् सुप्रदित्। हे न्यह्यानुस्य सम्यान्य पानाम्य चह. हेर व्यय में अधि पय तथा तथा चराता रहा हिरान में तम्बर महेर हैर। पक्ष इत म न हुरावाचक हित स्वीत हेव। हुन मन्दि हुर पार्ट हुरावा हुन मह्त। टु.केर.रट.केट.मु.६० टे.चम् व टु.ट्यं.चर्च खूप.पुर दे.चन लच्दायाञ्चेदाययाष्ट्रप्राप्याच्यायया । (व. 142 व.) चूर्रपर्रा ्रहम्यः इतः चे द्रिः प्रमातः हेवः स्या । विरः धेवः प्रवादः प्रमाने विष्करः विदः। ।प्रदंगुःर्क्रियः ४८ र ४ १ वर्षः या रायः या सेर छेर ग्री क्षेत्रः रायायः छलः 5्रण्ट चलुण्याययय ठर् चुँद्रायर ज्ञानय है। चस्रुद्राय स्ट्राप्टर चुैर्द्रय खुर इत्याम्बर्यायाम् क्व रवन्यायास्य देने हे नेरावेदार विवास खन्य स च बुरः दंशः द्वरः दुः लेग्नः पर च बुर। बुलः द्वरः हिः ब्रंटः हिं ६ व द दः कुंशः वेगः केद कुष्ट्र व ता नुव या केद यं व हे र जि व व ता हा ना र ह र र मार व दि र व र र र मक्टर-हेन मुःनट रु.पबुनमःमज्ञारमुराख्टाहा। लटार्पनमामधुःमे। १८ के<u>ड्</u> 'ख'रॅ' ग्<sup>8े</sup> व'ग्रैव' कु' ग्**र'दव' द्वे' ह्व**टब' हे' पञ्चिर' । पठद' यहे' द्वि' ञ्चरे मिल्वारमार्टारार्वार मेरे हे रिया था मुरादया प्रेया भेषा भारती मेर्

यर ज्ञानसः । यद् प्रवेश विन गुट गुट पर ग्रान्स। दे हर रेन **व**न हैं। प्रम मार्थे अ मृत्र प्रमास क्षेत्र क्षेत्र में अप मार्थ में मून मुन्द्र में स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ध्य लट बे. कुर अहरे हे. ए जेश प्रेट कर ता स्वीश वशवश कुर्व के वार्ष कर हे. वहूर चट्रे. वर वश्चरा तर्रे. रें अप्तर्ष प्रवेष च्. हेर ग्रें अतिवासीय अहर. टे.पबीचक हूर पक प्रतिभ व.मू. १६ टे.चिचकात र हेरट भक्षम्य वे.व .... मबुनाय म सारत्युरारदीर म। विषर्भागीर्ष सुरम्हे निर्मु रहे मिन् न्द मि दूं न स्र ह मा मा हे स जुरा बु केद सहर पार दुस सु मह पु मा हा । । । ल्णुर के में संगय ल्णुर के लड्ड मालमल बिना मुद्द मर मन्य मेद। देवः बे बहे र त व में मार्थ मार्थ प्रचार र जो लाय है में र स्म मही र मार्थ र मार्थ र मार्थ र मार्थ र मार्थ र मार्थ र लक्ष.चर्चर.त.रेट धेषक जुरं में .कु.वेंट हा । हर्व कुरं तबट त्रवाबहर में में वे यमन ख्रेल यहें । हि.सं. हेच जेट. ति. ५ व्या है. ल. यमना । विट. तर ह्या. ल्. कुरं न्यं त्र में वा अहरी विदेश ता है। रंग व ल्. कुरं प्र पंजर न्यं त्यन्य(कैं' 146 व) एल रु'र्चेद'हे'पट्टें'ह'न्य'हे'हे रु'लय'अर्द्द'हें नय'कुद' ल्जेलायान्य पठवायान्यवावय पन् अल मुः अपि वर पर्नेन। हैं दें हे 'न्यत' स्व' ज' है 'नव' जुट' हि 'केद' ये 'झे 'हें ट्य' य' न्ट' त्य्व 'झेंद कुल' यहे' द्दराचन्द्राचित्रपष्टित्रप्रतित्रप्रतित्रप्रति । विक्रम् तार्टा है बैटा वर्केट ब्रेट रखें बाह्य स्वीत स्टर त्युराव स्टर्मा वर बु'न्न'सहर्। त्र्स् कृष ग्रेस'ह्र्य मुस्र'यर ह्र्र'पड्व'व्यावन् व्याप्तान्त्र'या स्वयःगुक्षःपन् न्युषःके पाद्वेवा गुर । कराह्यः प्रवासुः न्याद्वेवापायः । विवास तथालर.बुरं विश्वथाविवश्ये वीचेश्व तथर.दर्दा विराधर.थरस्य.देवत. इ.वैट्रेपथा ४८.रथ.वट.क्रेपल चेट्यरवाच ये। । म्र. देव चेट.हेच. ४वैट. ष्ट्रीर.घ। क्रि.चे.चे.ट..घर्यट.वे.ला । म्र.च्रय.व्रचयःत.**अट.**ताष्ट्रीट.।।

लेश जिंद चर्चे राप्ट ह्या प्र कृषे स् म्ने जिंद सुन्न रत ग्रीय तहे हे. तहेब श्लेद . टश एतिश लेब, पंश्वेश त जब पुर ह्वेबल क्वे बंबेट जिबल स्रवंट रेब बंबरी न्वित् या व्याप्य मुत्त तु स्व सर् मुत् क्रिय सु हिन्य स बुबा नाय सुत प्रम ब्रिट में नार्श्वन अन निह द चलुन्य परि रियुस अस हैद हे रहिद में केट... कर त पथतथात स्वीय पर्वेर मार्थ थर्टा अर्ट्य हे बोल में व के रिजेश. तियात खेव मुद्द ति व स्व दिद वासर त्युर के रेपाल यर सहित् हे हे हि ह्या मै यस्त यतः न्युत्र धेव य महव स यम हे न्र कु सासु सहन यामेव दें।। क्र.बुद्ध प्रमाप प्रप्त प्रमार बिट श्रुट लग्ना । रूश पर्केट मालम हट लगः यथ देश ट्रिंट ग्रीया । तथिट तह छ. मैंव तवह म्.भ.१ अथ पनया । तक्षे त इ.रं में पुर में व वर्ष में विषय संवर्ष व प्रमानित वर्ष में व रहा ह प्र रेट हुई प्रवट हूं वे छुई प्र पश्च हुं ए बिंग ही पर्य में बेर क्षा कर (कैं।146 व) कु.वर्षर विवश्य। ह्र्यं,पूर्ध श्रूव अ.वं.वर्ष्ट्र पार्थ प्रेर क्रेय चनार वा रहे के रव रवर कुब वर्षर कुब ट्रेंट्ना नहन हैं से के ख़्रा के व च निर्हेन् म ब्यन वित्र केत केतानेकाम वित्र है। महेकाम हिंगा प्रमान के कितान बह्र-तालय रुष कुष पक्रिय प्रकेर हैं ते हैं बे हिंदे मूर्य कुष्ट श्लिप कर बेर्स स्थाप हैं हर् क्रियं देश के जाता चालचा भुष्या क्रिया है भिष्याचा अवर्ते हैं। एं जाता ता क्रियं है हर हरानुसुस सहराष्ट्रेर एकर् १व हल रु.प. हें समायराष्ट्रेव नामनाला सुना । । । वेर'प'पुर्वे देव श्रव'स'र्द हुँद केद'य'नेस'प्र'गुद म्बिनस'ग्रीस नेर होर. त्रीयः पाद्भ अर्ट्र. ह्रोपल प देशः चर्षेट्र पर्वेष पद्धेः पद्धेः वे विश्वसः ६ भः पड़ि हे। यम सन्देर्न में इस'न्धुंन'सबु'खेल नु'हुद महे'मन्द्रायहे'æ' केंद्र चन्द्र मू.८ केंद्र चर थ श्रेश्य तर चचय.श्री । मू.लिट.चर्यर श्रूप रचतर. रिट ते. तथ होग। । nr ६व. पृष्ठ श्रुच भ ज्ञ. जिट घ. घे. ज्ञ प धिट. **व्यवस ग्रि** 

पन् अल पहेन नम द्वेस र्गे पनेस यु प्रस कु · केर हील पर पन् अल · · वबर त्राप्ट क्ष्मायायर चिर हा। दि ल शहर हेरान मेर मे परेर विष हॅद दे। नेयरत य रॅस बेद स दे। । दहिल स समुद गुरु अर द्वा सन्दा। हें स सर्र महुद दल। इस गुद सहिद हैं र एस ने स हैर। । दे दस प्रस ठ८ नेल प. हेरा । देल इस सहिदा लस नेला मिले. मेल हे. ह्रा प्रथम मिले. एत अष्टित म नासुका इक गुव कर्दव हिंगल हैं गल म नहा । हे किर छेव नि अयर मुल मा । भीन हमा महमा सम्ब ह्माल मिन खना । हल इस हैं?" हिर.प। डे.ब्रुट हिर प। अधर. क्रिय.पट हिर प। और दुर्ग पट हिर प हे १ अय सु. घट ने हुँ हैं र प पत्नी क्ष्य कु. में. र्ट रे. इस पक्री। । देस क्ष अ'हेर लब ८८ वर्ष व द्वव वह रवस वि.हे.८वे.वे.वे ८५४ च्.वक्ट.ट्री ने लान्द में क्याया व्यव उन् (कैं। 147 व्) वर्षे पर अधिव प केन वे हे हा हि केंद्र में इस म स लिस मास्ति हैनास नहिन ल सद्द सुसार् सिंहि म रूट। महित प तक में कर पार है । सब महिल रद पहित केद पर हैं निय मैंद ह्माय श्चेत स्नुत्य वयायत न्य स्वतायह नु नुन् राहे श्चेत यस न्ता वासुअरम वादी वसम ठ८ मेन या है दे। वादी वसम ठ८ वाद वन की वदन नेय हिंद धर हिंगल पर है के पर अधिव प दर । पर्व पर इस गुव सहव ह्रत्य ह्रेन्य राष्ट्र ह्रेंट प.री अधिर.पंख्य में ह्रेन्य प.ज रट.रेपट.रूप नर वे.पष्ट, वेर वे. के. अरे.पंडिंश पर्देश हे. सेंस तष्ट, अंभय रेतष्ट क्षाप्ट क्रा नित्त कि.त. दे. अर हैव तह हैर. त दी का हत्य हैर त ल पहेब बय. रदा हिमामास्वरामुका हुराम है। अहित महारामी नेवाहमाहिमार है। ब्रे परि हैं नवायायहर में राष्ट्रायह क्षेत्र अधिर जाबुका ग्रीहर या देववा केवा रा पठु'न्**षुक्ष'ल'रेक'ग्रे**ष'र्श्चेद'यरे शेवल प्यते द्वल'त्र्पुँर'प्र' प्रुव'य'

सें द्वां स वेहवा लासद्वं तर ह्वां स विद क्व पह क्वें राव है। अद्वेद त प्रतिया ते. क्र्य भी ही। हिंद तालु तास्थ्य तारु देश हीर देश। प्रतिया ते. अधरायुना वन केन गुण्यन लग न अन्य हिन परें। यनेन महेल लगा कें ल' देवल गुद में खुल पेद छेर। । पेंद 5द पलल पल गुद हेद छेर। ।रेग तपुर ह्य प्रतिष्य ह पूर होरा शिवात देशव भी कूव से कार्या। दे'न्न'णु स् अर्'। यस राव वर्षेत्र की बेहुल इस सिवा सिवा सिवा पिर्व हिस हम में विदुष सम नेया हुँ न एन धर घर की विदुष पदि नेया ने पदिन हैन मु लेहुब इस मुद्रा पश्चाय प्रस्य सु द्वायि रेल है । सुरा रेल मुन तहन पर तित्व अवर में जा पश्चम (का 147 म) प स्टब खे. ह्रें नेया पर जुर्व और. हुने था पश्चन.न. ४ चंत्र, नीद्र जुर्व अ. भू. देशय चडेर्व त. लुर्व. र्दे। । निह्यायानकी र टे. द्या तरु की अक्षय लहा। यह ज्ञा योष्ट्रय पर्दर में प ल नेबातर वे.प.लज.भविदात बिबेश। श्रेश्वाची, लुदापह जम ह्नेर. मामले। ने बिट्य मह त्यं व महत्त्व में क्षा की में है। में महित हेन किन में व अ.जया पंत्र.वेषु.जेज.री.यविषे त पश्चा । श्र्यायषु रीय.यी.श्रीहर.ता.पढ़ी। लच्याचा अवर विष क्य की मी | ब्रिय मखिटयामा हेरामा | दि.र्मामी ८वे.च स्वय. १९ वर्ष प्रचा चर्टेंब. छेर. चेर्चायात कर । अभया तभेरें राज्याया ताईकाकविषे अपूर्व नेर्ंगुं,पूज पडी पर्ययायी,ईबाबविष्यूपात ज में जान नेयान्य्रकान्य्य प्रयाद्वास्त्रक्षात्र्वात्रक्षात्र्वात्रक्षा तालामोब्रिट अवसीव द्वेताल रटामोडेव हाधारचारही नेल रह्मायाचल मोब्रीना अळेव चेद र्न् । अष्टेव पासुक र्षेत्र प्रकाशिक प्रामृत्र वार्य प्रमान वार्य रेव प्रमु पर्वे.दे.क्.भ्रत्यः २,तर्वेल.वयः पञ्चयः ८्व्यः तथः द्वायः श्चिरः ८.प्रद्यः ... 리스·교육·비용비 리드·왕역석·및네석·아작·근·돛네석·중··그석·선토네·윤·교육학석· यस भ्रम तिर पार्र, प्रनातिर पार्ट, वेशन श्रीय पार्ट ड्रे. भ्रप्त स्रेर्ट्ड ... अळेद क्र्य पकुर। अष्टित मासुक कुै र्दे संस्था प्राम्स पर पहुसायतेः र्देव इंगल ल में रिल पढ़िव टु जिट् पहुंव वल पड़्निस या सबर मुकायह हुंदरार च है। देह, अष्ट्र मूल पर जीवा। अवर जीव पड़, हैं से इस है, है। ते. हैं र. लय. ट्रेंट की. ड्रेस ब्र्स वंस वंस. लूट. ब्रंस सं सं देता व स्ट्रेस व सं हे संस परि रेमाल इसमार्थ महिम हु सहदारु मुराम लामहद म विमादन। से निय इति हिना व निहन नील अब्रिन निहुछ मुँ इस दा दाई विया दाया। दे स धन ह्मिय पर वित् क्वायहर् टे.वेर ह्म कु.विर प के सेर हम कर विराध है.. देते अळें द ळें य पढ़ी। दिते सूर् ठेण महिषामार सु पासुल क्षेत्र (सं 148 द) लब्दान्यक्षायानञ्चेत्याञ्चेत्रायाचे त्रेत्राव्यक्षायात्राह्यस्याञ्चेद् सवर वृत्यायाः क्रे.रे.ल भे.पंबंब.बहरे.त.रंट पश्यति क्रे.पर्वंबयत्तय.पर्वं क्रे.। 1र्. 여 수본사다,다리아 및 수는,다고,보험,회원석,촛석,다 성,당점성 다.너 [ 다 다] 수.. नेवन'मक्तुन्'वेन'केद'मु'कॅन'वनन'ठन'मु'ङ'म'भेद'यर'नेन यदे'केन'न्द्रा। ने'वश्य रुन्'गुन्'न्ने'न्विते'क्रेन्'नु'अर्नेर'देल'व। र्वेन मुक्षे'रस्य स्राम्यस्र वुनामाक्तालिका नेते र्वमान्तेन गुम्लाल स्वा नेते हार नेरान्य प्रति लव लना हु निविद के व्यव देवन वार निविद्य में निविद्य निविद्य निविद्य निविद्य निविद्य निविद्य निविद्य निविद्य निविद्य नेबाइबबादेश्वीत्त्रिवायानाई दाखायानीवाम नेवा द्वायानवा नेवा लामनायरे द्वाद्वापानकु पर्व दारान्यका पुरान्य वार्याप्य प्राप्त वार्याप्य इंस्के हुरावा दे लावहवाया विवास महे के ता विवास के किया है में देश विदेश पञ्चमःपाअवरः ग्रीमःपरिः श्रीरःप। पहुनः पार्ववः दयः स्रोत्यमः स्राप्तः महन् नेत्रामहित्।न्युम् कु द्वारा मझ्य्यापत्र दे मायन दिवार कुर्य द्वार ख्य पड़ित में प्रमास्त्र हे. पास्त्र क्रियां में स्वाप्त प्राप्त प्रमास्त्र हे. पास्त्र हे. पास्त्र क्रियां में स्वाप्त प्रमास्त्र हे. पास्त्र हे. पा

मले म ल मा हे सा रहा हूंहि मा नहा । माल व हूंहि महि न्रा हिल मा। न्द मादी न्द्र्याम्बर् (के. 148 म) हिंदा हैन हें व मान्यास है। ८लवंब तह रेव्टब त.७जुल.वुर. इंब.वंहेब लबा ।वित रट ब्रूज.बुर.वु. मेर्चयः हु. प्र ही । चर चेश्वरः अ. स्वायः प्रिचय चेश्वर हुय प्रचेट अट.। । घरः बुद-जु-न्द्र पहर हूट प हेट.जु द्वा पहर हट पन् प.रट हेन स्थान नः इवकाम निवायाना विवायाना या मिताने हैं विविधिया मितान में वा सामा न्धवात्रयात्र यदे वाबुदाक्ष्मराणु वाक्षे विष्ठा विष्यात्रय गु निवास या । त्रचेल चेत् श्रेप'न्ध्र 'यदक कुक'पञ्चरक'न्द'तेनक्ष'स्व'चेन् क्ष'य'न्द्रिक'' 여자,보급,知,됩네,౪ẫ고 □,본는 | 모드,환분 디닝 됐더 비용성,살,줬과 설문. | 됨. बरु म्रा ४६व.त. ध.तेवस ८८. बु. च. के. ज स्वेय चा हे. अरु. म्रा ४६व च ल नेल क्रेट हा। ब्रे.च.५४६। मा.स पा.मै.पा.झे.४८ क्रेट नर.मंब्या.टे.जंबाय त अ.स्वांशत रेवि.अ जीवंश विदेशकी हं अ बे.एवंट. चप्ट श्रूच. रेच्र वे वे .रे... बद्दा दिवदाकाने विषयि मान्य विषयि त्युराय वे मा'। शरा ० हे नाया के ना क्षिता की ना क्षित्या के स्तर् नह वहूं में भे हैं। अन्य चन्न मह क्रम् म्या मिन्न हरे हें कि में

रव ब्रैंद बेरे बेट'म'मठस'लॅंट् म'लस'न लस रहेनस'बेट् दे हेंद् मी ट्लर कन् इस्स न् हैं वट गुव सिव्द संग्य रह त्ने स नु मिल मुन न्ने'लेन्स'न्यल पवट नेसा लबन्स परे श्विप स'इसस ग्रैस न्तुट 5'न्दे लिट इंटलाय मुर्वा गुट मायुट वह क्षेत्र इंट। रव वेद है भु रह वर्तु वहर वर् गु.रज्जारानराम्ब्राम्य परसम्बर्गाः हेरु बर्ग क्रांच्य ग्राम्। बेर्ग महीरम् निर पिट. ट्रेंट्स नर्ष. हिर. रट. ए जील क. लुब. नर निरंद के ल हुद रस म्बेन्य पहला बुन्य गुरा रहि पर रिमेल पनि हुद रया ..... न्हेन्य मह्त बुन्य बेय मुःम। धुःर्थ महे वर्ष महे र नम् र र र य है'य' पर्डे ' पर्कु ५ कु ' रुर्ने ५ पर्हे ५ (लें ' 149 व्) कु ब य प्रश्न में ' पर्कु ५ हु य '''' हिना'ल्र'ने। है। रूप सह ८६ूट त महूर स.ट्रे.पल क्य सह सकेर महूर वित् नु'स'त्युर रे। । भि'नेव हैद विते द्वु'स वदेव नहेव रद'त्योग ददः यक्षामा **ब्रि**मालक्षेत्रे न्यु'साकुद् रहत्येल न्ह यक्ष या। मास्त्र स्वी लप्ट नित्रं अर्बेट्राचाचका चार्चे निर्वे तार्चे बार्ड् अर्धे व बर्वर विर विश्व वर्धा है . . भ पत्रे, दु.रूट. मैं टे.तपु. चे बेट लवे.जा अ.च. चे चेश पपु. रे से. स.प. पहें चे ची खे.त.हेरु **ह्येट.**पडेब ध्याचाय ग्रूप भारतार दि.तैयो.कु.कट.ता.हय त्यमाहि मार्थित मार्थित अर्था अर्था अर्था विषय प्रमानि मार्थित अर्था हैं। |देश्ट स्टब कुष मञ्जद्भ प्री रियोश म शेन्य प्रदे रिये पीर प्री प्र दसप्तानामा महिप्पेप्टर्स्य न्यर्प्ट्रिया देखान्य गुरामाना दय यत्याक्यापञ्चरवाणु देत रूपाच बुरायर यह न् । यत्र सूप प्रेय स् याप्या य दे 'न्द्र'न्य'में 'क्र' मा कुन ल' केन' खला में क्र' व्यापन पर परेन पर वितामी **考す'与め'スに'む'だ'ざ'の考ら'後心'心'な'pg ちに'おう'に'叩るべ'叩する む'……** मानवास द्वारमेवरम्द्रास्ट्रास्ट्रादे विषय मान्यास्ट्रा तपु. होर. द्रा विस्वविश्वविदः द्रविद्रः ह्रवि ह्रः देवि ह्रा विश्वविश्वविदः द्रविद्रः ह्रवि ह्रा विश्वविश्वविदः

क्रेन पशुर परः स्ट हेन स्वाय। । रहः कुर् खेल पशुर ध क्रा छ। पतिः चक्या |दिवाल सर्व श्व.वाह बाबिट.बा.जाम श्रूष हेया |बाट्य वर्व श्वल प्रश्नुर য় द्वाय दे तथ बेया । दे त वंद वद्द व्या यर महे २ हैं व यो उत्ट ह्या इ.प्रिंध केल अष्ट्र कुथ.६.पुल ८८। पुब.रत हूर घ तश्चिर। ख्राप उद्धर मुर्वेद लामहेव रह कुर महे लगल ग्रेंग्लकर १८वर । कुंर्र मुंस्मिकः ह्न प्र.वें.प व्र. बंब पुल राय गुल पुल राय बूँब अ.माड्र.च्र.गुर पाद पाविट लातकर १व सहर मय मु किर हील महि मुंब दिमल ह्व मायद खर मार्व सः पहुर ता क्षा रेटा विर तर बोर्य राया कि त वे त क्षा बी अट बी रेटा (कें 149 म) देते श्रेम स नार्यम दाना मा महिंद त्याप से में दिद तमाना मा श्चापते ये वि.चं विश्व श्वा श्वा श्वा श्वा वि वि श्वा श्वा वि इन्य न्यर धुन केर ने अर युद कें सामु केर ने स्व सान्मिद अक्रमा बेद वे विश्व म लेंद हद केद वे हैं और केद मकुर नु ज्वास मर्दर । हैं। ब्रम पंत्रिमा भेर राय दव परिया चीत. ह्राय परिया ह्राय मिट. त. परा परिया बचा.त.८८ भ.वे.त.लण ष्र्र.घ्र.चे चे थ कु. ई थ थे.७वट घ पथ.वेर्ष देशक. दर । हैस से हैं पर अर ने इर हैं ये क्ये न्यं र में अर में अर पन कर. क्रम् वस रत किर तह ति तह का का का मिन क्रम्य तह केरिय केर मिन मिर्म म नार्हे द है दिना ने हे ल लच्च म लन्त होना दिना है लच्च र महे क्रबाची प्रचार चेत्र ब्राचय ग्रीयाग्रीट टे.हेप्ड घर टे.रट.कैंटे घपु.व्राप्तावीट.... चर अहर ग्रह्म मृह कुर मह रहेप्य म दे धेया खास मुह हैं। । प्रतार मुह वै। त्वत् मार्थ्यकाष्ट्रम् मुवावस्य हार्वि सम्मान्त्रम् सामानाम । ल. हे. ते. इ. वर्षेष्ठ टे ब्रैट्य. ए घह्ट रंजा चूट. टे. इ. ४ ह्वे. पर्वे. वंबरा स्वीया. गुरियोशाम ब्राम्यायहर् महि हम्ब द्वाय मञ्जूर। तकर १व गुः झ्रांदयः लेग्ब पर गृह्व वायम। देवे श्रमां क्रेगांव क्रमांवा मान्य पान्य पाने वा मुद्

ल भीवय त बोद्रट.त उम्ने. सेंटा विश्व बो.ल भीवय त.भ.वे.वेट घडूंबी निष्ठेश मान्त भ्र भावत ताल्टाबट सन् ता का मेल र मुद्र प्रवृत्त किन मुः । पढ़िर यानेश प श्रेष क्र्यंश रेट पश्च पश रेशल स्थ.ध.प ग्योश पह येखेट लिचयारकर हर हुन चायन मु.जम जूजा कृषा कृषा हुन थूट। चाटव द्रवा हिंद्य में दिवे अध्य प्रति हैं में इथक कर है । जब में अ वित् अना स रत ल नीत्व संत्रहेत स श्चापति द्वार धुन इसस प्र। स श्चा नर हि. नर्व हुय प्तार नेट. नर्य ना अध्य अक्रम न हूं य रव म छ। ह २५'अ५२'वा देव श्रिव स वसवारु सम्बेद व हे '२५ व्राके' हैं (ले 150 ६) वबाद ज्वाना विकुत्रायान्य वारुष या। कुल न्याय के वर्क्षुत् व्यव न्य गुद अविष्याम् प्राप्त देवार प्रमान विषया । स्वाय स मूर् लेल श्राप्य .. यते न्वर मं खल कें कें व व न् र क्षेत्र वर कर र दे र न २व'सं'ळे'ल'न्र'र्रं। ।ने'ल'न्छ'स'्ठ'च'नेस'रव ल'रव छेन न्द सं'लेब' पहन्यायन्त्रा हर्पायहन्याये प्रमानित्रे के प्रमानित्रे विद्राप्ति । देहैं दें व त्य्रीय द्वां अप्यादहिष्याय दिन्न मुन्यादि सुवारा है व त्यापा क्षापर मेवने प्रतर कें विट किंग अभय रेगर् स्थर्टा प्रत्य प्रतर कें मु मामन्द्रामान्द्रिया नद्राचाराय महितारा मान्द्रिया मान्द्रमा सर् व्यव पृत्र श्रुव व्यव र प्राप्त मृत्र प्राप्त मृत्र प्राप्त मृत्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र चस्त्। छन् क्रियं वरि प्रत्य प्रत्य चर्षा कर्षे प्रत्य प्रत्य चर्ष बसःसहनात्त्रस्यात्रस्य। रचयःतःसत्यःक्षयःग्रेत्यःपन्दःसामारः। नदयः de.2.ac.@d.tbga.tl @u.g.&t.ac.@t.tl Be.@d.ttg E.g. भुद्धः दकः नवन् चितः रुवः नशुकाः द्वित्यः यः रुवः पुः चन्दः य। चितः रुवः यः र्टा प्रविषयात्र द्या प्रवेद मा सिंह से द्या प्रस्त नेट । दे द्या मे द्र द्या मिर अंतर वर्षेति त रेंगात मुंध रव में ल.र्ष दें.होब वय देवे.अध रूब . .. न्यत दिन मुल पर पद्भेद हैं। निशेष प दे। तिहर से घ स प्रम प स मुन गुका । क्रम चले. पहूर क्रमल गुक्स पण्ताल ब्रम्स छर. अछर। । यह में ख़ि ब्राया ग्रीया एक दे हिला । एविन म्राय म श्रेट म्रि मर्ने हि है पे ता स्वीय न्द्र रिम्रिय न मैल क्षय नेश्य न रेट एक्ष्यंय न मीं मिन बेनय मुंख अर्द हे. कुरा विदेर महिला कुर हा अहे किय पदी रहा। पहें र के नय ल मदि सैनय. से. प्रथ क्य क्य हेरी जाता ही सैनय से बनय दिए मेर रन। उनेस. तिह निस श्रे भे निसंस पार्श्वर पहिंद प रेटा हि. तर ह ने ह. सूर हैं विश (क. 120 न) नहिंदे न इथ्य क्रिय ज्याय तर नयात चहु हुई हुई हुई अर. सुं'बळेर रदा श्रवःर्वंद रह में श्री देर्पण में हेल तयद रद पडन या हिंद देश में बाबन कर अनियं न पैंडी ता स्वाप मुक्त ता कि एकर हुए में एकर हीता ... ला । अ है व जब ह्यारट पदव कुथ खेबा । पर्य सैंग प्राथ रामक रिंग अवस मिष्ठेस सुरत महोत्। मिष्ठत्त्वम रत् मुत् गुत अम्बि प्यम स्यासम्बा। हिराध ह्वात बट बेट हे के पहेंचे या । त्र रे. क.रेर है.रेर वे थे या थे र्फ्रि प्र व. अपु. अट्र. टे ट्र्मेट्य रस्ति ही पर्वेष, पश्च अधर त्रव ता प्रश्नेर. ब्रिटा। छिन् यर पहेंच य क्षेप्नर कुंग्नर कुंश्चेमकाषा के हें हिंगान्य वास्त्र साहु व ल हेंगा ज्राष्ट्रव ह्य नेश्व प्रत है। अ चलु निबेट एमेंल चर्चर न टेट चर्चर मान्यव वस कु किर हीतान नहा श्रीम न्यव ने तस माना अहत ने स कु स्वाप्त हु तद्रामान् कृत कृत विर्माण विमा अत्रामा म्यामानामान परिः म्रामा बहु.चर रे.वैद बुद क अ.ज चर्चरे.त रेटा। है अ अ ब्रैंच.वहु.चर्चर वाया मेट। देश-पर्वेव रेति अरेट श्रेशकाक्ष्यामी के मारहिवासह विवास महिका खुरद पर्वेद दे हैं। बार प्रेम क दूसम खु महिल हैंद में मेला प्राप्त प्रदर्भ स्टर मेंबल, तर्व वीत, ट्रे. सरस. केय. के से हैं हैं र. पूर, निय विष्य तथा था। विष्य निय

अष्टिव दुक्त 'ग'र व मञ्चरक की । दि दिन में कुद लक्ष अपन या महर देन स प्टा किल चापा है स च र स चिट बचसा है वट गुन अष्टिन केन स अब ससा गुद अष्टित है' बेर्' हैर बेर् क्षिय महिर के मु अकेर्। हे प्रमुद्धि हुन हिर इंस प्रतिट टेट पश्य त स्वीय कुथ हिर श क्वी.त अट बीड सि. कु. प्रति मं प्रमुन्य मेट येयय रंग तय तर्य पर देय देव द्व प्राय केव मेरे रेट \*\*\*\* लिन्स ब्रूट पर अहर प लेव दें। दिसल हिंद क्रूब क्रूट ब्राय गुरू रेन सह क्रमाया । पिस्र प्र.ध. अपुरिय्याय सम्याम खेल योगाया । प्रमाय सील. नुत्र श्वाप्त्रीव केव में (ले 151 व) त्याय खूव केव श्वाप्त व्यव गीवा न्याया ह्रेन तर, क्रुनेश विने तर विने तर क्रिया प्राप्त प्राप्त विश्व राज्य विश्व राज्य विश्व राज्य विश्व राज्य विश्व यर प्रमुख परि पञ्चन पर्वे नार्ये नार्या देव यर एकर प बेल कहर् पर ज्या मानवासी । ने हिरारधनाय में न मा हेव मारा स्टब खे. मानव मह मान स्वरः ८दे५ पिटबाक्रेट.धे.बाजाजा। अटबाक्येबाक्याक्याक्याच्याचेटाकेटा न्दा । सद्य कुषाभव १५व धेवालय वाय है। । पहुंच पर्देश गुव कु लिया वै अर्दे र प्रसु व। १६ है कि वै ग्वय पर्वे १८२ र ग में वियापहर छ र्व रमाग्री रे हिरे खेरा पर्वा हिर छेर हे हिरे प्वरा पर्व स्वारा प्रवेत पर्वेष तर अहर पर में देश में 'ए चें य पर । अटश में र पश क्र अध अश क्र पश . एलचेथातपु.कूचेथा ।कूचेशावशाश्चीटात्राका,पुराम्भव कूचाभवरा ।का मेशन् देव पुरस्का अक्रम् विवासना । शेवस ठव गुव देव प्रेत स्त इसकार्य स्वा । देवा वाहिकामहारकारा हिन्दी । तिस्वा करिकालस ह्रेंद याया बद्ध के बा रेट वह दे.त.रस. ह्या हे.ल ह्या त.रे के रुटे हे.रे व वीका मार्थ वर वु विहे देनाका हवा दे दिना है का यह विह हवा देहे. ल्ये भेरे विष्या स्थान क्या ता के देश तर मूला तपुरा चेषु त्रा प्राप्त ति । । । । खेल क्रूट्र शु'्र्म् प्राचर 'क्रूंन ता दे'द्ना'गुट'ताल' हमल'खे' तेन परि'देश' यश्च वहाः वहाः विषयः स्वार्थः विषयः विषयः

न्ध्रियायायुवा विःश्वेत्। इतःत्वेत्। व्यापदेन्त्वेतः व्यापदेन्त्यः व्यापदेन्तः व्यापदेन्तः व्यापदेन्तः व्यापदेन प्रापद्देन्द्रायात्मायुवा व्यापदेन्तः क्षेत्रः व्यापदेन्तः व्यापदेन्तः व्यापद्वेतः प्रदेशः व्यापदेन्तः व्यापदेन

पद्चे. मृत्य तथा ध्रुप्त व्यव्यक्ष स्वयं पद्चे प्राप्त विष्यं विष्यं क्षेत्र स्वयं स्वयं पद्चे प्राप्त विष्यं विष्यं क्षेत्र स्वयं पद्चे प्राप्त विष्यं विद्यं क्षेत्र स्वयं पद्चे प्राप्त विद्यं क्षेत्र स्वयं पद्चे प्राप्त स्वयं पद्चे प्राप्त स्वयं पद्चे स्वयं पद्चे स्वयं स्वयं पद्चे स्वयं स्व

र्सर पवर रदा नायर.प.श्रीहे.वीर.रदा चयमानेर्व.ही.काल.स्वाय पा किर्ना श्रीय र्पार्व अर्थ वेश वेशवाय प्रदेश ह्रेय ह्रे प्रवेश प्रदेश स्था मुक्तम्बर्यः प्रदे प्रम् प्रमानिकान्यः प्रमानिक के प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमान खन व हैं है 'द्पट' पश्चर' मेरे कुर' ल' र ग्रेल' में बिन' ग्रुट क कुर बेटा। दे ले स्वायात जात्त्वरात्रार्टा १व तह क्रिव लट ल्राह्म वर क्रिट क्राह्म वर्षेत्र ता है. र्रं में भ्रायानर में दूरिय केरामनय में यारान नम्हर् अदि मुद्रिय र नःस्वास भ्रेस सङ्गार् अस्य अवास स्वास स्वास मा भ्रेस प्राप्त (सं 152 व्) निर ह्रनाय महिःमन् कुवः करः स मुद्द क्षेदः। ह्र केव हें हे वकद गुवः द्यावः पर्याच्यात्र सुरे क्षे' दुवाद्ये 'प्राप्त प्राप्त सुरा वहवा प्राप्त सुरा प्राप्त सुरा प्राप्त सुरा सुरा सुरा स चरुवन नेतामकृदामञ्चेतामते पुननाम दिवा केदा संविद्या प्रता देता निराम देवा कुर्वस्याणी'लिट्रिट्रा च कुर्द्रियामाग्युम् ही। हे केर्द्रस्यामहिना रुम् क्ष्यान्युस्यान्। ध्रदान्च वे मन्द्रवा म्दर्यावन्य द्वायाः श्रीन्यः माझे.र्जी महाजाह्य बाराजी.श्रीमालीया तेया.ह्रारज्ञामा स्थाप र्मणयागुःन्वदान्दा। देवामवदा। रेणामहन्। खटाक्वेवायहारेवायानुःसः न्द ब्रिन् क्रुन्द्रमञ्चर्षमञ्चर प्रदास्त्र प्रदास्त्र प्रदास्त्र हिन्द्र हिन्द्र प्रदास्त्र महिन्द्र हिन्द्र परश्रामा तहत्र, प्रतास्त्र, हे. लिहे. रेचरा में बैंब रूथ पर्यायमें कुव वे के प्रवालिया था।

मन्त्रसद्ति । इस्तरस्त्र चीत् हो। क्ष्यालाक्षम्य च नृणु मनेकान्वेद। देवः याकानुः क्षेत्र अप्यतावित्ते अक्षर प्रतिमा । प्रापिः पदेव च क्षात्र स्वयाम् । याक्षर प्रति च्या चिता क्षेत्र स्वयाम् । । प्रति प्रति च विता मन्ता । । विता मन्ता । । विता मन्ता । । विता मन

ल भीव स य द्य मुद्रानिय हो। विदेश माल भीव स माव द्यार है द स निर्मेश की वर्षाया स्वर्धाय प्रत्येश कि में निर्मेश की श्राम्य की श्राम्य स्वर्धाय स्वरंधाय स पति प्राप्त विष्ट प्राप्त विष्ट प्राप्त विष्ट स्वाप्त स्वाप्त विष्ट स्वाप्त विष्ट स्वाप्त विष्ट स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप क्रित शुन्य कि व दर परि र्वेन अर में केव देव केव पनर में कि केर क्वें के ञ्च अन्यत् म् प्रमेश किर रेट मेर्थय रच बर्म म् ४४ वर्ष नेयर क्षेत्र की नि विनियर मान व नेवानु अवना विन नु कि के कि कि कि व कर कर विश्व सूर कूर कु ए जाल त.रेट चर्ने वे बच बाबर टे. चर्ने दा ए जाल. पति दे. हेर पहेंच तह एग्रेल त दे. हेर. क्रं. त. स्वाय पश्चिर बंब एकर. हव. चुल (कें 152 म) मेनल पर मान्य स्था। धुन मेद देव नेन अहर दे। स किट जुनाब तारु मुंब रता नीट मुट ता हूर्य प्रतीय कील अक्षां नी ता नी बूर बु नेव रा। क्विं देर हूं व हे खिलाब खब पढ़ी नई दर चुर महे खिन ब बर म्राल नेबट हैं एकर १४ नेब पर्वेट.त वृष त भूष हैं अह चर विह । हे बब . अहर छट विर पर न्याय अक्रम में हिर में द परायय। पन् कुर हे हे हे अंश्वन व्याप्त वात्र वर्ष्यामा विकार विवास विवास विवास निष्या के विवास के विवा हे.चे.ख्यंथाराड्य तर पर्केट हुट.के.छ्र.ड्रजा वट्याट्यंट छ निह भूराय निवर्गानु केर्मा महत् दव श्चरार ने सामित मानुसा पार ।।। ह्मियायर पञ्चर। मा१० या १ अ तेयारया अर य हरालेया मा१व ह्रेंव कुलारचर। श्रुट कटायाशेटाने कुलासक दाने बटसान्नर पुरावेर प्रान ना स्वीय था हो। बेट नर्यन नय ह्या नर रूरे । नर ने इ.से न हेरे ये ये निश्च पर श्रुपान सुर है। सहना तहना तहना महाने नियम नियम नि १व.जी.मेट बार्य, प्रमा वाबेट । बोबब लाट चल च्राप्त, प्रमा अलाजा दें त्या

लामकुर मार्टा में हु है उहा वस नामन है जे रसर मा ल मकुर म सन्तर इति ने अ.वैट । लट हैल छे.कैंब अ बैत ६४ पत्र ४० पुर में तर कीर. मला पकुर्खेल रे.र्चाचे ६.संब.पके.इ.हे.अध घ.अर ईल उत्र के कैंटे पा नाया क्यान लेग, तर अंट ता ती हूं व भावन तार की अक्रु कुर पूर प्रतिप है। दे हैं पुष्य इस वर्षे र कुर पुष्य महि र्दे वसुद महि मन् म के व मा प्राप्त क्षित है। प्राप्त किया किया किया का का का तु त्याद केर क्षा वर्षेत कु न भी प्रमुद्ध पास्त दयान्य विश्व वि। नितायत प्रमुद्ध देश प्रमुद्ध विश्व वि। (कै. 123 र) रताल अकू में इत्याय पर्वेश हैं हैं . न्त्रेटसः सन्य न्यम् प्राप्तः के स्वार्षः पञ्चाम् स्वार्षः क्षेत्रः। क सञ्चरः वसार्ख्य पर कुर क्विर न्युंश पह नाहित की नगर नगर राज्य देन पहिना । बा । पर्ने पर मा हैं र अनव रट इस अनव केव नमव व दे। व छेव ग्री अं कर हिंद रे. चर्चर ता में बे. चर्च वहें व दे लच प्रवे. गेंब हें हैं लचन हैरा सहर म दे भु केरे हुँ राय चुटायटा बाक झर दु र्राट्राय में मा झर सुन्या लेब.चे.ड्री ४८.ड्रंट कु.चेष.च.क्रथ.घ्री ४४ ब्रेटब.कु.ब्रथ.ड्रेडी ट्र.ट्रट. मे'बट'न ८८८ छट'देशय ग्रेय'ब्रेश'न हेंट ताईशय हेव. हा 🔭 ।स्.च.हेंट. ख्यमाद्वे ख्रेमास क्रेन मुमानम् यासमा तेन निमान क्रमा गुन हे ए ख्रम् हरा... पर्वेचकारा, इ.पर्वेच, क्रवे, त्रां चेचेवा पा. चेवा अष्ट्रां, क्रेथा है। ४ तथा ग्री. चेटेवा ती. म्न. बेर कुट चहुरे. टस चल केर चक्रेरे. एहूर्य. भु. रेस तर. रेत क्रेस. ट्राय. रंस. नविष वर् भूर नव्यास्त्राया सहर दा तथ रेश में सामके देश में दि प्राप्त द्रवाची विवासवेशासुनाअवरागुद लान् क्षेत्राचरानु न्दर वेटा सुना से। ।

ग्रुवासायाम्हेवा वाकुरार्दा वाकुरार्दा ।

न्दः सं भाषासुक्षा ० र्न्द् क्वाया क्षे ख्टा महि स्वा मे श्रेण या स्वाया स्व कुर् रा ।

न्द्राधानी वर्षामाल्याकार्वे साहित्याची । व्रावेदाया कुर्नावर पार्द्व पाराकु वर दुग्यहु पर्द केदाय। व्यदायन वेदायहे हैं। हा शुः श्रुपा झेण परि हैं हो हैं यह एता अधेव प्राप्त प्राप्त न्या के वा क स्वायः तिवायः स्वाः हे. से. इ. ताबु. १ अ. चै. वरः त्यावायः ता पत्र। वि. धः ४ ८०४. लब्धिरान्त्रीः क्युत्रातुः वाण्यायः विष्याः । विष्यः । विष्याः चर्चार:ब्रॅस:ब्रैच दश:ब्रैट:च:लबा ।च्ह्र.च्.एलचंब:८ट:ळ.चुब:बेचब:पीर. म्हिला विन्द्रः स्थाने प्नाया विन्द्रा विन्द्रा विन्द्रा विन्द्रा विन्द्रा विन्द्रा विन्द्रा विन्द्रा विन्द्रा मुक्र.बिचय.खेनेथा पेंह्रे.तपु.खेनेथा ह्र.इ.तब्र तपु.खेनेथा तर्चे.तह. मु.लग्या ग्रेव हेट.मु.लग्य परवारीय विटाहा स.रट.मु.सपवास.वि.ह प्याभितः देवाप्राप्तवापञ्चर देवाप्ति हे किवापा है पार्वे पार्वे प्राप्ति विवाद विवाद है । ्म्बर मः ८५ वःमः देव ग्रावा स्वासः सहनः मन् स्वरः मः वः दः है। चब्रु'यरे'लुग्यक्षेत्र'यम् सळेदा हित्रणुट क्षेत्रस्यम ग्रेन्यः यस् सत् टनार्द्रट'रु'अ'र्र'द्रिद्रां नार्डें चॅर'रवनाय क्र्रें हे तुं श्रुप अन्यर्द्रा । बरम् के अ अ ने अ विवय की लिवा वा के य दार वा न द वा कर वार हैं व g८.र हेडु.पर.रे.बंदब त.लुदं.डूं। । इ.भ.थर.४ तूब हू.पू.कर्बातफे. ढेव्। ।**ऄॖॱअॱ२व म**≡सःन्**१व २ॱन**१४ संग्रु'ॶनव। ।देॱसःस्थायःसन्तरः खन्यावे वे दर्भा विष्या कराया हिन देव किन प्रवास में स्वर्थ हिन हिन ८८.। रुधाराज्ञाताताज्ञाव नामाता स्वामानावीर कालामा स्वामा में न्यर न्र मन् पार्यम् ग्र न्धे व के न्यर मन्न मन् मन्न मन्

स्रद्भान बराध्यायत्वत्यायात्रात्याय्ये हे । पश्चरान्यात्रात्रात्यायाया अर् गुैं नहीं दिर अर त्वें व गुैं शुन्त नहीं व खुं नुन्य है। देवर अर दा व द्वाळ्य गुः भ्वाञ्च गुवाश्चितान्द्व द्वार्टा तान्त छ। नेव हुटा दा ता व्याच ता ... पहेर वसामाना मारति सामा हिन हैं हैं व साम्बर्ध था मक्ष म लब श्रम बर्द कर्द न हुं गुराम गां केव मही लब हुई सर हु बहर ' क्षेत् प्रात दे तारत क्षेत्र क्षेत्र खुर हिनाल सर नावता विस्नानस्य स र अरेश हे. हे. ज बंबंट है। र अरेश हे. ईय के.बंर रे. एं य त रे व ताल चुँद तप छु, जन्म ने ने ने ना ने हुन निष्य प्राप्त प्रतिकास के हें पूर्य से देह (कें 154 व्) धर वया हर हैंव। अर म मनिगय वेव मस सहर हैंव ला स्ट्रियामानावरामार्थनावरवस है। मर मर्केट ट्रे. घर तिवाय श्रे. वावायः श्री । ८व्यालिवायाद्वापार्थे, ता. कुर्वा प्राप्त्यं न विचा ता. लेखा तर्य ग्रेस श्रेता. टेत्र्य क्र्या सं'र्ने'ने'न'र'र्रा रे'स्थान'र'४ह्'र्रा मेह्यान्नार संनम् महे'रु'नर्त्र भ्रान्तः त्र्रां भ्रान्ते व देशसायान्यान्य पात्र नुष पति नृपत कुन त्रोत वर् न्या प्रताप्त वर्षा या मायह। वितापुर स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित चरुकाता देशकाला त्युराचर्डका नि बुल निव श्वाक मेव मु निवासायर सहना ध्रियाका इस्रवाला कुं केद प्रमुद्रायालय ध्रिय स कुंट् गु गांय द्वायायाय है। अद्राद्मानी मानुद्र अरचेना या चकुद्रा अस र वेन स्र स स साम्याया दलाखुकान्त्रितसामाञ्चाताचारस केन् ग्री व्यावस कर रव केट नी कुलासक्र सन्यः श्चनः सते : सर्वे न् दुन् चुन्। दे द्ना तय हे वर वशुद् दे त्रुवायते : भूर भुव रे.रर.च.वेर.च.लब.५.८ब्रूब.अप्य श्र.यंचेश श्री ।लट इ.स्.इ. ल. हे. नेया वेचा. क्र. भागविष्या टेश रूटा माञ्चेचा स्र. मा श चर्यरा स्वेयर वसाहान्तिवसावामाना सराकनाक्ष्राहान्यायाच्यापक्षात्रा स्नोश महेर्रवयत्रियामानावर्गा उ.तिमाग्रीटारमाधावाराम स्वीवास

चन्द्र व दल है चर चक्कु दिरकन सन्त सुन्न नामा पर मिके पह के द मुकाल क्षे. त्रे २.८८। दिल क्ष्य मु.तबर घ. ख्याय प वायर त यथ तथ. केद' शुन्न सु' मुन्न स् देल स्याह द्वस प्रमुद्द । स्य शुन्न द ८ । कन लियंथ बुधायोहेय ये.छे.पथ.एटेंथात जियंथाङ्गल.टेंया दे.पर्वाट तर भहरी मबिब कट मनि ज्ञाल केट बर पर अव क्रांति केंव के क्रांत्र न खेना में त्रुम् मं । भुः अप्ये ने सः ब्रायः त्याय दे प्र में के द रेद प्रवासः । विकल श्वाल खुरम्बल पार्क 154 म) मुद्दा मिहे '5' खुर व मे भू 'दि पहुन ल्र.चंब्र.चर्केट.तथ.व से त क्षेत्रथ ज.चेबंब्र.क्र.चय.य जिवश वे.चेबंथ त.टेट । नहैं है दें में स्वाय पया दे क्य रच क्रियामय दया दर चार लियाय रच। लट. मेर्रे अ पर्वेट म्थ च. प्रट. क्रि. ६२. मार्डेच हे. ५२.४ मार्डे अ तार्थ मेर्रे अ ... लिपेय श्वे.चे.चंबरात.स्रवंश-वेंट ह्रां ाट्रे.केर.लेग्य.क्र.ते.चेश्व चोट्र.तेवाय. ल'वॅर् खुल'रुदैर हैं 'ण'र्टा व्रुवायनव'र्गुल'ळ्ण'र्ट सर्'ट्ग'ने के ने स्वाय क्षेत्रायावर, दे, पुव पु कारामा होता पुता पुराय पुराय क्षेत्र सा । अळ व गुरा बरार्ध्या स्रीतात्तर् चर्गराववस्ति । वरायरे प्रति मुत्र सर्दरावस मुद्रामान्दा । तर्वे अरख्यांच माम्पुद्राद्राया ख्रमा व्यवस्य कुता । गुत्र अवितः न्द्रेय त.द्रव. कृषं मैच.ज.चनवा जिलाय. ह्रज.ट्र.ट्रम.मी.वट.वय. अष्ट्रम.ट्र. क्रिंग्स सर तिवाब ८८ ४ व्यवा तिवाब वाहेब. हे। इंग्याय हैंदा सर हे सब पार्वे रट. है. ब.ज वर्षरे. चषु वर्षायाया भेट । अर वर्षः वर्षः चुव अहर हैंवः र्यात में हूं हु वय विश्वस्यार् अध्याहे हि र्यता अधिव मिराया में है स्वायः चकुर्दे हुट च रदा। वर्षक ग्रैपन्द्र कुर ग्रैपा च वर्ष वर्षे नन् र्ल.वी.केंद देवस्तान.क.नि.क्य.वी.वी.वी.त.वी.याव्यविद.क्षत्रभी.हट. वरः बुब्य-पर्देब,त्यरूब्यक्ष १८ पंचाया ता. १व क्रेयावीयायायी. क्रि. ता. ट्राजा. ता.

वर्षा देवारवाय व्यार्थाना सुसार साम्य प्रदेशस्य विश्व विश्व विष्य 로'시작'면'활후'우추'편'효작'미작수'용드'취후'통'최|마작'대자'펼木 루'퓠속'라 피작씨' चहारी मा कुर स्वाय क्षमा स्वाय प्रमा स्वाय महिना निहासी मा किया मिल्ली बु 'पर्सन्' देशवा तथा पन्ना हैन 'के दे 'में हैं 'पत्र मुन्य प्यान्य है 'रुन्यः' परि'पष्ट्व'पन नाष्ट्रेर'यमन उर विप'यर वर्दर'र्ने। । प्रनर'त्र श्रुव रन मञ्जामा वे महें भे महे हे रे भर प्रमान महें माई व महें महिला के महिला महिला महिला महिला महिला महिला महिला महिला ब्रुल:बुर:पा:भेव:हेट र्पट:बुव:दब:र हेपट(क्: 155 व)पबुन्या पर्य या.लुपाब पाक़ेब गुःरियाम यापाव.रिस क्युर गुः लिम दल गुद व्याप्ति क्रम । स्व स्ति'श्चर'वित्'हमस तेव'न्द पठस'यते कुव'ख'ख'न्द । रु'कुन्'य त्र्रोय केद्'र्भ्भुद्'अ'ग्रयशमाअकद्'तु'स्ववर'र्न्धुर् घठस'ट्युर्म चढ्वे'र्ख्यास'ग्री'' '''' मन् कुर्रित है नर संकर्म पर मिल्य मार्थ । दिवद है अर मार्थ त्त्रायदे प्रमृत्युव्यात्व्यावबुन्ययम् मन्यायः धेय सुर्मुव्यः । · · · · ब्रुटा। त्रम्थास्य द्वरास्यवात क्र्रियास्य वाजुटासामहेव सह वाजुटासामा ञ्चल-ट्रा-अ-न्यवर-धात्रवयः कट्-कुःवह्न वया हुन्-थहे व्यवसाधान्यह्व-वियः च र्चर भी कावलाया दे प्यानाय से प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स व्याप्तरायान्वनाया प्रसाधिन हे रहे न्यास्त्रस्य में स्वित्रस्य महिर्मा दे.रेचे.पथा.मेर.वेचे.चू.पपु.लेचे क.तर.पवेट.कु.एकर.तपु.जूप.लेर बे... मैंट्.गु.मेंप.प्र.ष्ठदे.प्र.पट्टे. पर पत्रवीयः चालवाययःगु.रिम्ट्यावयःष्ट्रयःवेयः 
 בייקאיאַ בופֿקילו

 קבאיבישריקקים לבקילו
 न्द्राः भ्रायः भ्राप्तः भ्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः । प्राप्तः दे। प्रायः यः बेन् भः क्ष्रं वाया बेन्। । ३ वा विष्यं विष्यं त्रे प्राप्यं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषय महेन्यवस्थात्यास्य द्वारम्भात्यास्य स्थान्य महेन्यस्य प्राप्त महेन्यस्य प्राप्त Bस-वस। प्रदिन्छ। द्व-छेत्। दे-त्यानीःरखेलः हुर-पान्तस्यः छेसः ल पहिंच तर हिन तर हेर ही चार बच देश हिर चाले.रट चलेर ही क्रू श र अलामित सूर व वर् हुँ विद हार वु रत में शेशन गु कु त में मा व मानुना मु ब व्य व्यट व दे हिंद वह केंद्र पुर्दिश्वाय खुल पुन व हैं है रहक केंद्र वा ल रेश्रेमेल देव पत्र श्रेव मूल मेर्डेस रेश्य द्वा श्रेट्स त्य प्रत्य ती रे. बुचे ता. नि अध्य विष्य पर प्रति य वे व्राप्त प वे प्रति प प्रति परि पहिं प्री क्षित .... हैं। । बेल तपुर म हेर महेर पुरे देव हुन है। कुर लारहन यर पेर मह (क. 122 प) हेब ही बार बचा हिल मुंब नेट बंबे. पड़ी पड़ीर बंडे. रट पढ़ीर की क्ष्या हिट छे. भुभवेर त लभ की है. भ चेट पर्रमुचेस सर छे. परि'पुर्वा हे'सूर १ सम् सु'येव परि यपना १ समायेव स्वयर धेव परि लच्या-सु: इवय क्षा । पट स्.वट बच ल चाधुका झट चे. तटच है. जै. त. भी क्रेनिश्र तरु. नट. चन. रटा विट. चे. नट्ने अट. श्रे. न. बट तरु नट चन में बिे. अभाषे वेग द्राव १व रत महिया हेग केव काल स्थाप द्राव काल पर काल स्थाप खु'ळद्' याते ख्' स' म्बुस रिदे र् दूर्'द्रस स'येद'णुर'। कुर्'रेद हेरा ह्री' वश्य १८ ८र् य. तथ हि चय हा अराष्ट्र वी चीया च व्यापा च वया विष्या च वया विषया च वया विषया च वया विषया च वया व लत् मृहेश हें व स्त्रायान्यामहेव स्ति तर्ना क्वा न्य साल हा न्निन् त्रृत् हुन् ववि' त्र राष्ट्रे व स्ति त्र न् राष्ट्र व स्ति त्र न् राष्ट्र व स्ति त्र न् राष्ट्र व स्ति त म क्रिट हे र्प्र म ले मेल इसस गुरारेश म बिन ही म दूर्य के समा कर है प्रमा कॅंब है द व कन्य व व वे दर। दे पत्र में ब रूव कि र्वा व पहुल ५८ । व्यवसाल'न्यल'पते'न्यता र्हेन'याहैसालसा कुनालने हैं न्यून मुन्नात्ति न्युःच। ह्यु न्द युःयम् र्द्भन् इन्मन्नुन्ना मुन्दह्मः पर्यः कु' बळव् 'इवस ग्रैस पहुंच पर्दे। । मार्डेस पः बुंदः महिः भाग्रेस। श्रेः पः

गुद ईप मदेद प परा। एक प र्व प्यापदेव पर हुर ग्लेर। ह अ ल हेब ८८ पहेब त कुल बळू व चेश्च ८८ पश्चा ही. अ ल रूथ प रूप हिंद हिंद बाबु, बू बूर हीं टापू। बिश्वा ता पान की है. या पानिन। है. या कूँ तथ कु व न्द्र मं प्रायत यह हैन य रह न य। है अ स न न न तह व छ छे न में हॅनाया भेव पुष्य प ८६० स्पर्धा में हेन में हेन मा देरे रेप्स प्रति महिन मं र्वेनव कुर नव वुर पु दे व रनव प रर। कूंनव के व मंब (के 156 ब्रीट.ते.स.त पश्चित्रा । तत्वात रक्ष्त्रय तिष्ठ शिल हा अत्मिश्वः. नुस नासुस रोन म नासुस न्मुल लॉक्र नासुस मनेव म नासुस मुःमन्न हेनः लव लच पर्व हैं हैं तक के के जिप पर जिप हैं हैं तक के वहां । हिंदा क्रमस सु'तिव पति'यपस'ल प्रिसा कु न मा हिन साहित पा हिन के प्राप्त मा न्युम त्युम परि र्ष्ट्र उत् ५ में ५ मा श्रेद तथा कुन में नाम न्युस स्व स मूल प. सूल पर ग्रेर पह लक्ष भ्रा । रेट ग्राल चे बेंबा रूव रे. पड़ेब प वे. श्चिम्प्राच्य तह्नम्या श्विम्य मुद्यम्यत् । नित्रम्य स्म स्म स्म स्म विष्टाना स्वापा राष्ट्र अक्षर अहिता याम पहुर वात्य हेम पर हिला मञ्जा महिनायात्र ८८ झाम्या हिन की का माज्या प्रीया हिन वेद'वेश ह्रें न'य' प्राम्य हिंदा हिंदा अर्थ ना य्या हेर तह नाम हे सा मश्चायातालानु न्द न्नाया सहस्रायते हिरान्तीय वितरानु वहारा हरे हर विश्व यर पुरावते पुरावती पश्चिम प्रविदाय। पश्चिम प्रविद्याय प्रविद्याय यर द्वर वर्षाम्बर व र्वायर वु वरे के के कि वर्ष कृत्रभान्म्यायुवाक्त मृत्रेय वृत्यायर युवादि कुराव्यायर युवाका व्याक्तावार प्र मा विन्याक्ष्यं मित हिलालय के श्रियमम चुन्यते ब्रियन्त्र केन न्य क्ष्या मर्बयः पर्। । मेर्रियः मार्चे स. ग्रेने र रेवयं पर . ग्रेन्यम्य मार्रिया हरा ग्रेन्य हिंदा मार द्दः। अश्रमावनानिः क्रांस्याया । श्रुंद्रायातात्रेनायाः छ्दः द्वाद्रायाते श्रुंद् त रहा व्या क्षेत्र अक्ट्रमानी ह्येरामानी हैया है। अपाय मु कार्य सम 저도, 다리 그는 그리고 다. 오니서 다우서, 돌니사 집 년 다. 내용서 이 전에서 집 근. 너. कुर्ने प्वेतिक्र हिंग रे किरामन राष्ट्र विष्य किराम किराम केर किराम किराम किराम किराम किराम किराम किराम किराम निष्ठें है। ट्रेर्न इस चबुर ब्रैनिय लय इस कुल ट्रा (म्. 126 न) कुल. म् विष्युविषय न्याय स्वामुलाक्या गुः श्वीन्य विष्यः मुख्या । भुष्याय विष्यः ल्हनान्द महेर श्रमाश्चर ब्रदानी श्वेंदामा देन यामह्तालुनवानी श्वेंदाया निष्ठेत। दे.इ.इ.लहट.ब्रूंच पठव.ब्रूंच.अट्.भेद.दे.ब्रूंच.अट्.वंबच वर्षा कु.६ल.रे. नक्षेत्रहर। द्रवा नहेला श्रीयावश्याला तेव केट्राचरवा टेवे. ता. द्रवायः ८८: द्रवायः ७६: वर्षः १६ वर्षः १६ वर्षः १६ वर्षः हा देह श्रूम ब्रदास महर्ष स्याया हवा कुर स्देर स्वर मुगारा मे से स स्वर कुरि कुंसस तह नारि द्वा कन्य कुं हुँ दा। ते लि उव पर देर र कट कुं प (N·플유·미중·디·여윤·디·디드·륌·디유·필드·디 디즈·윤드·정리·륁·디·디필드·리제· त्वरःकु'मःशःकुरेःन्रॅ'म्रिन्'न्रिन्'न्रःश्चे'मर्रःश्चुन्'म। स्वद्'हेन्'वेन्'मसः लब कु.७५५.पाडेट । इंचयाकु.इचा.पवालबाकु.खपवाईर्.पाई.कं.वयाबा चरु'र्वतःदवःकुे'वय द्वटःव्टःवःवायुकःहवाःवेदःतुःचश्चरःहे'रकट कु'चःः ल नृग्'युचः तकत कु'र्खायुव्ये हुन्।। हुन्। वृत्यं वृत्यः व्यात्वायः कुन्यः तिवायः 다는데, 为는, 다양, 맞석, 는 출천성, 당음네, 원, 夏근, 다. 는 등 는, 다 화석 | 夏석, 다오석, ब्रुवाबर गुःक्रामा वे मवया पट क्रायुर ब्रुवायते छल द्वाय गुवा वसुरा मेटा । ब्रुं ८.वे८.चट.चन.मृ.वि८.तर.बर.पथ.पद्रेष.तप्र। ।घ४व.चेबन.मृ.ब्रूंब.त. लाम्हेल। सुवायते सूर्वाप्यायामा सामुका सेवायते वात्राया वात्रास्य नह. ६०. २८. | श्रीतान. ८ द्याला । हे. थाला नेशा का चेशा नेशा नेशा है.

पर-वेर्'मः वेर्'मः विक्षान्तः। विक्षान्त्रः व्यामेश्वर्थः विक्षुत् पर-वेर्'मः 폴네저'대한 국의 대전! | 「도 표'씨'ろ는'대를 다녀를 그 다른 국의 대 최조국 중 기내 हर्म र में प्रमाण में अक्षेत्र यर में प्राप्त प्रकृष याता प्रकृषा विष्क्रम विष्य विष्य स्वाप्त प्रकृष प्राथा है (लें 157 व) मुडेम हु प्यञ्च प्राया हव य मुडेम य हटा। विव हु अ महे न्ह्यामाला हेद हिनामा हैनामहे त्राव वर्षेत्रहे । स्वाव दे प्रमा न् भुल स्वर स्वर सं प्राप्ता प्रायत में मार्डिम स मार्डिमा से से त्यात हे द न्द्रियाम्यावदान्दान्द्रेया द्वापिष्ट्रेय महित्र वस न्यीय त्रियात्रिय वर्षेया प्तथान्तिः मुत्य सु'त्युर'देट'। दे'रे'रे'तत्त द्रश्केष शेवस द्वत'र्दः क्षेत्रक्षेत्रक्ष न्तर देव मान्य सुर मुन्य मुन्य मुन्य न न्यु मह स्रीया । न्यतः मं रेणः पाता वादः वणः न्यतः यः र्षः र प्रदेशः स्वेतः प्रवेतः प्रवेतः त्वित्यम्बर्ग्नेत्रव्याम्बर्गेत्। याम्बर्गेद्राचेष्यमञ्जेत्। देःदेःलहत्यम्बर् म् प्यान्य प्रमान्य प १ सया सु मित मित प्रमाय हिंदा तम् प्रमाय विष्णित सुर्या मित्र स्थापित स्थापित हिंगा मित्र क्षात्मुं रायान् हेय। प्यतः क्षेत्र पश्चिम्यायात्न्यतः परि देवः पुःवत् य नार्षेयः च.चर्षेत्। रेचट चर्षितःचश्चस्यः स.रेचेषःचष्ट्र रूतः दे .वे.वंस्यः ता.वेष्ट्र च म्बून है। । नि म्हर प्रदार में निर्मा में निर्माण में मन्युरावतः हेटाक्षं प्रतास्य में पहिता दे प्रता युर देवाया है स्वा के कि ट.४हर्थ.ज.चश्चच.तपूर्। ।र्घ्वचंद्राजात्वेष्ठज्ञात्त्रक्षटः चेश्वः चर्वेद्रः चेशः नःभःर्निष्यप्र, स्थः, रेथः विष्यान्य विष्यः विषयः 영다. [ 현소, 정리, 회석, 니, 첫 다. 디넛 | 1점, 현상, 난급, 다. 다양 | 동, 국소, 떠는, 등, 학,

हेर छेष दे ३.विशेस सं ५कैर वय हैर व वकी.धे से इ.वकी ट्रा विट्र नह रहत नी में पार पर मार हेर पह है का इव पर्न हन परुष मुञ्जेर म त्र म दुन दु और बना न्रवाबी ल नाहेना तहना हेन परि न्रस्य मुन धेद सय पर्व न्र। धुद अर परि न्रस्य मुन मुन प केद म्.पम् स्मित तर्। रेट म्.सैत तर यन्य तम्रीर त रेट ह्र्येय तर रूथ 디적 디적리 메5직 두드 | (최 157 디) - 명두 디즈 디펀드 달리 및 디리적 디본드 त्रा ने पर्वेद 5 हिंद खेल त्रा यह ह्या यह ह्याया 5 ह ने र र तह्रव के विर मर रेट रिव तथ प्रविष अपूर पढ़ि। र.र.पथट मैं प प प्रव निये विष्य हैं के प्रमाधित हैं से प्रमाधित हैं से प्रमाधित हैं हैं से प्रमाधित हैं से स्था से प्रमाधित हैं से स्था से प्रमाधित लर पहुँच मुद्दे दम्ने पत्र वट मेंबेल दु बर पत्र हैं। । शुद्र ब्रंट पद म् रिय में निर्म में के सारिण रहेत् तरिणय है है निये प्रम है है। प्रम मारेल सुरा मुंग्नुह बुन्ब कुंस्न कुंस्त सुर्दा । हुंरि हुंस्न हर मुै दिल सु प्रिया । यदै प अर्देव नेव ल सुद कुरा केवव द्यार रद दे यदीव न्नेन्य पर प्रम्ति म मिन प्रमुक्षा साम मिन मिन मिन सिन ८८ ८६ म हेर पन ८८न गर, में नियंत विनाय में मेट अनुवाय। हैन त श्रम अथ। पर्वेष.त त्रिल प्रवटः। पश्चेर त अञ्चल क्षेत्र स्रोप पायीश्व ल रेत्रे.प. अट.ट्रा निश्चेयात ह्वायायहार्ययात ल मिश्चेया हित्य वि ह्वायार्य अस्य नामालामहेदाना देश नाताना वितान वितास है। अक्षमा नी महेदा ब्रुप लब लग्-हुग ने रट'म्'मब्रेब'म रेस म छ है। र्मेव ग्रुस हुं'लेय' द्रि नायक्ष म्यत्यु प्रमृत्यते। प्राम्युवार् प्रमृत्या हेव मी ज्ञा वन लय द्वेष भी हमा हया है ते ते ते वा सिंद में ते वा माइनाय

न्दः रद मलेव न्द्र देश में न्द्र हिद दे रहेव ही सुख न्वेद ही न्हें म न्वेद निवि दिनेद म नेय प्रय म्हर मा १ अयथ सु तेद मृदे श्वयः। हन्य कर्। १ असम सु ह्यान्य पारे तम्य पु हे 'न्णुर्रा । माहे य पारम न्ते व ता हे व न्द हे म अन्य प्नु म सुय प्रेव सुर एक र है । प्रे व हे व हु म ने ने किं व हिना महेद म अदि ने किं व हिना ने महिल की उप ने व प्र अदि ने किं व हिन् प्राथुवा न्द (और 158 व्)य ला हर्षा देव केन धु वृद् ने न्सु मा मुर्भा रपुर परि ग्राम मुःपरि मी। संस्रिकेर। पर्मि म् रिया मान्य नेया शिंच महि व्यया हुन्य छन्। त्यय मु हे पहु न्युया નાકુલિદાલ શુંરિ.શું.શુંરી શાના શુંરી લાલ શુંરિ શું સ્વાલ નાલાંસ સ.સાદ. इ.स. इब क्रुच रेड़े. या अंदर ४८४ मु.ड़ेर पथ मध्य ४०२। डे.सम. विषया मुंत् भी स्वाय था दे पाले पित हेट तु केट के रच द्वे। स्वाय भी हील छल। हमान र्वा हमान गुपर। हमान पर्। पहेर यमन। हमान म्पा ह्यात कर्। त्यत वा है पहु पातुव सम के म समस स महित ह्मायामा हेय रे नित्र त्रीया नराम हुव है। मासुन म सेन निव म हेव छै मदावम द्राप्ता द्रवाष्ट्रम लिल अभव ग्रे.वेदाम-दर्ता लेल.क्दां अभव. ल रंभवाय तह ले. प्रेय में बैंद पह रंगे. या र्ष्ट्र हर व बैंव तह में रंपया अभया विद्या प्रदेश प्रदेश क्षेत्र इश्राम्या ह्रायाया ह्रेम्या मुर्मुद सदा येवय न्येद मे नेयामा खला खल क्व. मु. खुनामा अवर ब्रेव महे हिनक करा दे के र स्वर सुर है महे . चलेलमा हेदा नेयाचा श्रदाचा द्वे मार्च संदेशमळव हेद द्व चहत्राया इयाक्ष्मी हे लिहा झान्या पहेंचा है। पिछी पा झु तथा भा हेन हा हया क्ष्म न्यायान्यान्यायात्रान्ये या कुरत्या कुरत्या कुरत्या 

विवामा श्रम्पाना मेनाना मेनाना मान्याना मह्यत्रप्ता अस्तर्भ लेद'यते'श्रवना हुन्य'ळदा लग्नस सु'हे'यहु'यनुव वें। ।ह्य'य'र्दि वास्त्रा कु देश या ता हेता है हैं। देस केन हिंद हैं दे पर्के प्रकृत देश बद्दान् सद्दान्दालास्वाव यहादनेया स्दान्य पहार्था नेवाना ब्रद्भा मृहेद्रमा महेद्र प्रतामहेत्र। ब्रुमायम्बरम्य महिद्र महिता बेदर मै देव ग्रन्थ। विवाहिला कुंप्स्मिया (केंप 158 व) प्रमे वा व्यव्प हेपा लहम ल्या वराम्यामी रमा हेन्। क्षेत्र मा ह्याय करा लग्य ए हेर महानक्षेत्रम् । विरायहन्य विषय । विषय विषय विषय विषय विषय विषय ह्मा द्रम क्ष्म श्रूपः भ्रःश्रूप ग्रुःप्छे । ह्यः म्यून्या स्याम्या स्याम्या स्याम्या क्लाम्प्या वर्षत् हेरा झूमानेराकु केवा मेय हा हवलाखानेवामे वनमा हनमाळना तनमानुरहे पहानीहमामना मदादाहेवा नेमाना इट.वै। अष्ट्रव.वेट.ला ७ जूनाना केट.चा ७ डुल.स.वेट.७ व.मी. इत्रत्रं गुरुष्टित्रं विष्यात्राचेत् मासुक्षः वे प्रमास्त्रः क्षे मासुक्रः स्तरः उट्-र-पुर्निर्म्स द्वित्वव्याग्रीमद्वित्वहिट्नम्प्रिव्याम् द्वित्वाक्षर्यद्व न्द्रायदि नाव मालाम्य नार्षे प्रमास्त्री प्रमास्त्री मालाम् के स्रमास्त्री मालाम के स्रमास के स्र मिंद्र मुति हे प्रारामित परि शु। दिन् प्रायमा केममा गु हिंद हिन देव द्वा परि मनेवामा बुदालह्याखा येयय गृहेयायेदाग्रीहिंद हेदामदेवाग्रीयाद्वेरा मेर्रत्म अपने हिल मु माद्र मेर्दे।

स्वाप्त विकास स्वाप्त स्वाप्त

R851

न्द्रमा न्द्रम् देव महिवादेव महिवादेव महिवादेव महिवाद है। क्षेण'गरिण'गैय'र्द्र'सळद् परस'सळद् बेर्'ग्रेय सु पञ्चा न्नित्य केव मार्वे या के ना में अवताय महेवाया है। केन इत देव महिव मुक्ति मुंब दिव देशायामार्थमा मुंदि मार्थित भवा केव मार्थमा में मार्थमा स्थाप महेद माहे। केनानहेन गुनार्देव महिन हु हिंदामार्दा केनानहेन सर्देव 159 व) गुरुष्ट्रियर देश देश य वि वर हुव। प्रति य यन् गुरुष्य ते कर ह्मायारेश हेंदाल पश्चित रेश हेंदापत्र प्रति हैत। न्नि द्या भेद ने प्रत ल्पाकें प्रकर्। श्रुं है पालेव स्थाप्रवास्त्राच्या हैन स्वाहेव स्थापेत इस्रक्षं प्रतर स्मिन् हर है पादेव पाने त्य ह्या पारे। वितर हैया बहुया मिहेशामारामञ्जव ग्राट देव मु वट तमाय महे हमा महिमा मुद्दा व दर्गहरू मन्दर्दर्दे तथ्य विष्यामाद्वर्यास्य केता दे पाविष पुरापत् प्रत्य प्रत्य मुद्रान् बुद्राम् विद्रामाधिवाया प्राप्ता विषया सुद्राण्य मुक्रामा देश सुद्रा त्युद्रः है। दिल्दः वर्षे र वृद्रः के किन निका निकार्षेत प्रेवे विवास है। षानिहः र्ने दः नः हिहे रेने दापा है वर झुराया पाने वर वया प्यापा । स्वयः प्रापा महिक्रान्त्रायन्त्रेत्रावक्षायन्त्। देग्यञ्चात्रत्र्व्यव्यवन्त्रत् श्रयायन्त्र में है ब.बे. व ब. व ब. ८ छ ८ . ट्री विश्व अ. त. त हू ८. ते . हू ८. ते ८ की त. बैंड च. व। वहर्षुते द्वान्य। हर्षुर पड्राकेषा हर्षे वार्ष न्मन्यासे। न्यराव महन्यान् नर्मन्यान मन्याला हर्षान्याला विम्बादानिविद्यान्ति मान्यानिविद्यान्ति विम्तान्ति विद्यानिविद्यान्ति विद्यानि

मन दे देव देव दंद अवर शुनानी हल तुंचनदा महीद देव भी हुट नहीं दें स रह्य च व भण तप हूं ये ता व मुंदि हुन की रश्चित लेखा विम. रवारा पञ्चेत सह लका सम निव छेन भवा तहन हेव स न स्व अर मे न स गुम क्रम इट र्व रट थे ने र्ट हैंदे छ्य क्रम स मन्। हिन्स रेम हैं न्तर मृत्य मुख्या ह्माय परि रेस प हुन अळेन मे न्रेस मुद्र क्राय देश दें व ८८ स्था त अधर खुन ने हिल इसस सु ८०८। प्नेटस प्नेटस (काँ 159 म) बेद संग्य मले सं दे महिंद मु हुण ण ल झुर दब एकद हैं। । सर्दर व महर्दि की नायद म तर्य म वै। सु नायु द युनाय वे इस म निश्वा । नियम प देव वे पन् प क्षेत्र । किन्य प तर्व पर रव पहेंद्र दे। । यदक मुल वसल उर् सहर पर्देर मेरा । वेस म्सुदल'महेर हैर'इद' रह रह वेन वाकेव में पारह भेव हु स्थापाठव अप्रविष्याद्वा तामा तर च त हैन के छेर। यह य कुल इसस के में में न नमायह में निश्चर श्वनायाया न्यान के वा के प्रमान के विद्या के तिया त्तुव परि'प्प्न केंद्र'ठव बुद पु तहना परि सु'स'हें'हे'तकद'केंद्र'मेंतमः"" बद्ध मुब वसत ठ८'म देव मुह्। निः दे सदर प्रुणामहे नादस मेद स्टिर छेर। हॅर छेर झेरे नजर च तर्जापतर चुरावमयाठर के चि है।। खेब मर्थेट कुटा। देव ग्री पीट्राप्ता श्रुषक प्रमुखान्दा महता महता परि र्दर तकर बेर 5'युर'य'र्दा येरे हैं हैरे बुर रहताया महत्र 5' **बुंब्रिंगरान्ता चर्ने अक्ष्में अस्ति अस्** 35, 482, 482 11

मृहेमायादी मृतिदृहितेम्मिन्यातुमाकुं स्थायाता । १८५५ यदे

「본제 필디 월드 디'文' B미지'드다! I미축드 원리'국제·월드 B 여자 5억 목처제' निता । त्रापुर इ.मोपेट.स्ट.क्रय.श्रंर परवर्षाय.लेप टे.टेय ग्री.र्घ न रंट. 賣「「「도 하'전'용적 다합'전혀 하'듯저 도도 전'요독도'다운 도본저 멀다 한 듯저 하'' क्षुभ में हिंद लेग टे.भ सेग में . प्रथ प्रधः भक्षण प्रापः होग गीन। टेश मेहेय. त ब्रैं त के क्ष्म मानी व प्राधिय प्रमित्य विष्ट हैं त्रील ४ विर ४ ८ र ... बुण्याम श्रम्य ठर्'र्दे संग्रुप्पाम दे प्रिम् गुद्रामेर्'रे(का 160 द्) सर्ह्रेण''' नुन'सर मेन दु'सर। दुल न्युंस'स'न्द्रिस ठन दे ल स नक्ति स्न रस 틸드 · 기본저 및다 첫다'다 RE 저도 저도 전자 다 R' 취' 국저 저는 지 월드 도미 네다. मु ब्रुंरात महादूर प्राप्ति वार्ये वार्ये मार्थियात्र हिर्देश मित्र । पहुरिया 로적 다'의 월드'다'국 최다'도전국'에'라', ''그로'국적 제'라'에 도한가 다고 '라 ताक्ष्यकार्श्वेर्याचे। देवयायक्षयाहेर्यके वराधवाय स्थान स्थान 2.知后公司, 製, 是山, 也如, 路, 四岁, 已如, 道, 四三, 坂, 四面, 至知, 四, 之士, 貸亡, 田祖... विताता बैरा देवसामवेद हैं मनेर रबर रूर बेट रहिम्ब सहर मैं कें मून्द्रियायात्रवाख्याद्वावाखुः त्वात्रात्रुः वृत्तवावाद्वात्र्वेत्राः वृत्तायात्र्वेत्रः । 지용적'전'러분데'겐드'월'전'됐어'저동'두드'취재 본'은'유문대자'러도도'교육'전' व. बहु, प्रमण्ड त्याया सुटा। । र्मुलार ब्रूट, कुर प्रवृद्ध है, हैं। ब्रूप र्मार्थ, हैं। 투'명자'등의 및 오러'다'은자'두자'따다'용속 최다'리'미등다'명은 월다'로도 필드'현''' קמביםקקיקבאיפיקביםבימבקיםיקיקבימבימםיקמקימיפיקיםביי नियातहर्वाव्यायारमामवेदान्या वर्या वरमहेर्ह्यान्यानेदाहर म्बिन्दिश्यम् विषयः मेदा दे म्बुब वे द्विषा तिम् केव यह दे हैं স্ত্রন'ব্রব'ঐব'য়য়য় বার্ষম'র। । ৪५ নম বার্ব স্থান প্রার্থ ব্যাম एहर अंगवा । इस चर्चे र हिंदब एर्टर क्र्याय क्रिट, ब्र्य बर चेंद । । विट. मर मनित क्रेंर'द्रसर'दम लहिमल मुख्य'ग्रे'कुर'दर'वर रम'मे छ सं'गुर " त्तुव पःश्चमःन्वंदःकेदःयःन्यल तहेद विज्यःरेवःयरःम्युन नेःयेन् खल · निया के में त्र वित्र हिता हित्य तर्रा हुलाय के विवास में में त्र विवास में 뭐하다지, 뭐 다 보다자 저는 는 다고, 데미작, 다전 됩니다. 라는 다양, 닭, 빛 수 없이 ! 그다 हु 'चुर महे है' 'दर रब' व' मनेव' है' मनेद' हक' मर कुल महे (कै' 160 म) मैं र. ७ वैरा। राग्ट. पर्यं अव. र.म. लमे. जुव पठ अ.मैंटा। यो वेपश्रक्री यत्याचीयाक्षान्य ग्रीयाचीचे हार्वाचेट ग्री.क्ष्याध्रूराश्वरा लय ताडीय वयाः 우리, 동네의 최다 다 구, 와 곶보, 다성 억꽃수 동네요, 최근 보석사, 최, 夫 여 와, 탕, 연구.... विद्राह्म । ब्रि.र्टर. कू चे.बी.वचा.क्र.र्टर. च्रम ट्रवेल। । र.ब्री.बट्ट. च क्रे स. ब्रम्स. लबारहर न्यायान्या । दायते खन्या हेन्यम् ह्रिया हा वारवन्या । चक्रद्रायः कुष्ट्रात्मार्चा क्ष्यां मुश्यां कुष्या नेवा स्वाधाः स्वयः मनेवा हे पाने द्राः बनाने कुरारा तहनाय छेर हैं नया प्रत्यान हैया रहना छ रहना छेर है। न्तु'अदे'ञ्चेतार्यवयः स्वायःचञ्चर। न्याःबार्ट्राट्रायःबार्ध्यःकुःन्वरःन्रः םקקישתביקזיםביאבקן קקימימיקקאישביציביקביקמימקיביצי ब्राबालानाबब्दे, क्वेट्रार ज्ञाला पश्चर। ट्राया प्राप्ता स्वादा स र्विषायायम् गुटायदार् विकेत्। रेटा इंग क्रियाच हा विक खुरायाया भूवे के हा N'महेव'हे'वग'रहेगम'गहेन ग्रे'कुंद्'र्यममप्तुम'वय'मन्द्र'यर बह्द''' र्ने। । गांबद'णः गाँधेस'न्ट'र्ने में न्ट्रं सुन्भो में हूं स्मान सट क्षे "र्न्यर' •미나오토미리·미징의·최미리·현·필드·미징드·최주·드미·중·희·미치즈·딧;□월조·□···· न्मा त्युराम्हर्मासम् यार्थामानीवानु अमाबेमा विनायरार्ख्नेया केता

गहें र मार्च दे र द्वाल व स्वाय पढ़े र द । द सुं ख र मायुवा र मा गहें या हे प्तकु र विव प्त लया हा अन्ते नाने र तबर वन ने क्रूर दे र मुल क्र कर न्यतः प्रवत्ते व मि तम् ता बुवादवा प्रत्रान्तर पार्टा द्वाद में त्राव बाक्षीतिष्ट, कुर्व जानेट. त.रेट.। क्यां जूब ग्रेट द्वार्टी तपुर बिंदिः ख्यांब पञ्चर, १८ पक्षेत्र, त ८८.। ध्र.प्र.ष्ट्र थ.८५.६ खे. ८.२.४ व्यवः प्रथायाया हिं होता मा इसमा है। दे 'द्राम में कुद तमा मित् द्राम में में द्राम में न्न विन्यव न्न न्य व पुराम विवादी । उ लग्य दे। । उ विन्य दे। इ.चंग्य ग्रीयाप्ताचारपारा इ.दिया देश. देश. हा अ.द.धटा पाये हेया वस हैं हे रहिन्स केर केर निर्देश किर 161 के किर सब स्म रूप वह सर्वाया । विरायरायलास्य विवायाहै कि वालार्या वार्टार हिवाया वासुया स्वयानी सूर ह्वया पर पायवां ह्य दे प्रमाधित हुन । **गर्नेरःश्लॅरःग्वरःयहेःश्लॅयःअर्हेर्वरःश्लेयःश्लॅरःयुरःयरःग्रम्बनः। ग्रॅंश्लॅरः** र क्रियारमार्मिन्तरहे। दे द्वाप्तमा सकेद्रामित हला दे हिंब क्रिया है से सहार दे । ञ्च.लेव्य.ब.त्वावय.त.द्री धि.अ.श्चेश्व.व.भ्र.चे.तहे.स्वंय पथा ६.९ ८६५. <u> चे</u>द्'ग्रे'क्रॅंर'इस्रय'ण्यद्'द्य'द्रर'घर'स्ट्रिप्प'प्रेद'द्वेट'। द्रट'ख्य्य'दे। ब्राम्भः क्रवान्त्रास्य द्वारा देवा देवा नामा व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त वयः हे । पर प्रमुत्रायः इसयः गुः अस्य विवादि । विहेशः स्वाद्याः ्र<sub>ंदर</sub>्वाभटाख्राच उप्तामानाचा विष्या में स्वापन दे.रेची,क्ष्यकालकारावात,ह्राष्ट्राप्तकायाव्यात्याचेव के **क्सःधरःन्द्रानुः** चुव्यान्द्रास्राक्षद्रशास्त्रानुषान्द्रानुषान्द्रानुषान्द्रान् मैंद्रां कर्तात्र हिंदे लब मीत अधि अधि अद्याल वित श्रुट हिंदे लियां व स्री हेर भर हे केर नर्भर शतविषयाता केर रट रे मूर मिलट लेपक हूप श बद्धाः मनुद्धाः चित्रः मन्द्रः महे क्षुत्रः सद्धाः मन्द्रः देशः महत्रः मनुत्रः स

है विकु न सब दे तहिनाय होत नाई य लिनाय ल महानय म के दिन हुन न्तीला की क्षेत्र करात सहता देते निमार खात कुद गुम सकेय था।

नासुक म दे। नि है सुन रेन्स कु द सकद महिंद सं केद र सुर। । নিপ্র নশ্ব কর দশ ছ টুই এশ্ব গ্রাথ শ্বৰ । । এ কুন্ শট স্থা ইশব শু कुर तहस्य न्याय हु। तसुय द्वा य वि हुन हिंद य हेट दे तहत्व हु यह सेतु गारे लब. बैंट च मैं र बब्ब कर भी चर्चा स् अष्ट्यं लट रंग तर न्हूर स उर्द.. हुर.वैट छित श्रुष रतार.क्षेत्रस ग्रुब टेब रहूर जीवल से त्योजा होता त ई ह्या श्रेन्पवृत् तिया प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र শুৰি ল দিন। সুন্দু ইশিষ কৰি দদ শু'শান দু দ্বা অন (জাঁ 161 ঘ) দশাৰ पर क्रंतित प्रति हिंग वर प्र कृषे हुव प्रवाद वृथ पश्चिर। हुव वसाम् द्राम ट्रांसल प्रमुद्र महत्या महत्व ह्य हि ते पल महुन हैं नम् परे नगर दा दार कुन अन रण दर नक्ष स हैन केंस झ इ. ईय है है. अ पेट त जय वायव त लू बंध, जीवाय. ट्रा अर हूं व कूब कु ই'র্মানী'ৰিল র র্ম স'ই'লেই'লেশাৎ'র্ম স্থান্ত্র'প্রাম নীন ৰিম নাই'ন্না मु.र्नर प्र केंबर कें.अ.बेंच.तर.चेबब.ता तकेंट त ई अरु नबर केंब. गुद्र अळे या मुत् गु मुल मारदी ल देल य हैत वा मा मेरा गु मुत्र अवतातम ल हम त हैर पर ति वुर ल। कुर तिरि में व मा नेव व ह केर कु लक कु माब्द के लेव या दे। दे केद हिंद सवा वेशव दव इवल हे किंस केद यह पह हैर स्वाय में देव प वस्त उर् अया मह्म वया अवद जिर र्वा पर महिन्य पहें स सब तर्य कुंबा बच्च हैं है ता सदार्या तर पहें है। । अक्ष कट रेचे.तर पहूर त.श.चंबात.रंबा ह्र. ड्रां एकट चे छाचेब है. वे श मुख श्। । चाट, हूं, हु, ७०० ट. जु, जु, नुष ग्री श्री, श्री, नुष निष ते हैं विष ग्री होया. माश्र में व र्वा विट स्वाया ग्रे विवाय है में व माने कि मिर मा है व वव कर्नान

म्बूं अ रिव पर्य हूं हु एकर में जब रेट चेल मय. हां । खेल में बेट अ क्री । अळव'णा र्ण पर पहेंर् परे कुर् रहे वे र्पण प्यम कु मेर र्र केर् पबिद मुँ देर पु पुर रद पाबद बेंबल ठद खबल ठद मुँ पादल स्वाल ८८ अधर युण में ९६८ ६व अघर ५० हेर पर पेट देर महारू मेट। धर कुँट उट्डे क्रम दशमायनाय तथ यीट ईंनो झैंच क्यब क्रेब स् उट्ना स ट्रा हे पदुंद एहंअ न्याय न्युत्य गुँ युँद क्षप्य खुर नु'रह्ना य बँचाय खद छेद भवर जिस त प्रमुद्द यह प्रह मु लेतुर मुख्दस त हुर री । रिद्रे पुरा इस धर नावना धराट रेनाय ख़्द पहुँ द्नार ध्य लेतुरे नाहेंद्र सळसरा चरु'च दिर'सहर प हे। बुस र्ट सद्(ऑ 162 द) पर्व रेण्य स म्वेण्या। बुं लबुंल नुं पत्र अर्व पुर हुन। । में हे नुप्त नि क्र में नुप्ता । अःष्ट सर में न अध्य त धेरा । वि बैत विभवन संध लूब २४ तईरा । लब. क्षय पर्वाय रहा क्षारह हा। विषय हो। हेलह क्षे पर्वेष टी.पष्ट प्रदेशिय है.पष्ट प्रदेशिय है.पष्ट प्रदेशिय है. तिहैंते. हैं 'चा तितु धुे' अ इसम मन् कुंद दस अब लग में ईल दुः महेमसः हे.दर द्वं र्श्वेष प्रवर हैंवे.श्वें.त रेट.ह्यं ट्वं ह्वं छ ज रे वेंवे तमेर त.हें.... में लब बर हूंन जुड़े में दब हैंद स्त के रवन से हिन्द धर हैंदे हिन्। दे तथ गुन तहेन हेद नश्च न व विद खब मन ही मानिवा नेस बिर ह्व कर घर हेव घल बेर हिए बहूव हू तथ में हल. 2. पर्नायन है..... तकत् सरः सहत् हैं। । सक्षत् यहेंद् त्यूर तमें सद सद **हैंद त्र वेद।** 여덟도·쾰득·두대 회·희·들피·경제·디 뭐·최두 등·글두·저제·대리 됐다. मार्रे मार्थित देता ।

महित्राया है। हे ने अध्य नारे देन अध्य । इन्या हैन प्रति हेन अप्ति हैं है अध्य नारे देन अध्य ।

र्ट्यादी चर् अळ्बालियंश ज्ञात है.ये.इ.चर्च. व्या विषयाया अकूबा.बु.जिबाब जूल मेटा क्वांबरत हेर येंचे बाबरहे.वे.क. प्तांबर व प्रवांबर. परि खु रु मुद्दार मुन्य नेदा र्दि रिद्रायद ह पन् गुैर्पट स्ट्रा चर्चर चर्चार खला झा छे प्रदेश है। हेरहा के ग्रेन की ग्रीच झ्वास्त्र के विषा कुंद्र १९देवे मुन्दर्य केव्यवस्थिर । त्या अव्यवस्थित भेव्य नु । वर्षे स्र १०० १०० विकास য়.६८.चन्यत्तरलें द्वतर्यन विश्वयनी जिवन विश्वा रे.४ व.त ८८। ५ू. वि'म'न्द्रा केड्रु हु है कि म'न्द्रा स्नु कुल'म मन्द्रमें न्द्र । अप्रुम त्रामान्दरा न्राकुंग्यालायाय हुँद हेद हैदारहेदार्दरा छुण हैंद हुँदा ल्बोल सम्बर्दा इ.ज.हे.र.त्रा चन्न.ब.हे.हे (क्. 162 त) क्षय गुरुष्ट प्रति कुन ने त्य स्वाय स्वाय महास्वाय व रारे खेला महा लिस प्रेरालदार कुरान क्षेत्र हैं। सिम्मन सह सिमारी मीन हमा मिन्दिया भ्राप्त मुन्तिय रहा। ब्राया मृत्र प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द । स्त्र मुन्द विम्य **८८ः। न्वदःस्परःन्। कुःसःन्। कुःस्रन्। कुःस्** मु त्वर्न्ना वना स्टर्प्यर पा हु का पा के खिनावा रहा। से कि बिनावा वस वा वर्ष न्द्राचक्रवाक्ष्राव्यात्राम् त्राचित्राच्यात्राम् व्याप्यस्या खन्यान्ता न्यान्यात्राहें,तान्ता वृष्टें,तान्ता वृङ्गे,तान्ता वृङ्गे,तान्त्रव कु खन्य-१८ । द्वे.क्र्यंच्य वस्त्र-१८ विना-विष्टेश-तर अस्तर्ट्र-ता-वि. नं-तर् Gd4.2c.1 dd4.mc.28.n.2c.1 8.c.n.g.Gd4.2c.1 2.5.u.n. न्ता भैभाष पर्व तिवाब न्दा के क्रियां मार्य वास कर में मार्थ मार र्द्र याहालावहै परि तिवाय हमया है दे हिर चुन र्य त छव मान है से माने भि.विर्चेश्व ब्रुप्तर्थान्द्रस्य वार्यः देन् निर्वेश्व वार्यः विर्चेश्व विर्वेश विष्यः विर्वेश विष्यः विर्वेश वि

त्वरंष्ठि कुर्षे अवत्या स्टायम् वायते क्षेत्रं वित्य वितास्य वितास्य स्टिति स्वा वि' कु' मार नु' मेर' नु' स नुर' सन्' । मेर' में प्रथ नु' नु हि वर नु' सन्' हैर'। वन्द्रावित कुद्रक्ष्यालय द्यील व्याप्त द्वा वास्त्र हिन्द्र के क्षेत्र वेद पन्द प्रण्टाद्राक्षम् कः सम्भ गुराद्यम्य खुलादुः कुं केरावुरायः । । । लका म्र.दे, बु, चन्द, की, देवील र्ष्ट्र, हैं वे, बु, बु, बु, बें वे की, बें बर'र्न्'हिर तथनवानाचे'य सनवानुवानहुत्व। वित् रु'कु'र्र'कु'र्म बर'ल्र'केद'रेद'पवट'द्र'रलें ल'ल्र'ल्र'ल्य गुर्थं गुर द्र ह्रा व्यवार ग्रेथंप ब्राचित्रमञ्जू भूर.मु.पाबिट.घट.टे.पश्चर। ज्ञाचा श्चे.पुत्ररपाप कुर्वास. गुरु। प्राप्तात्र विष्या मुख्यहर् (हैं। 163 व) लायट्रे अर्थ्य में हर इसस मासद देश। अलाल में मूं मंजा मान स्वाम लामा विदास दि । अलाल हुन् गुरु यस हिन्दा मु अळेन् स्वाय सद यः पहेन् न स बुर प्याया भक्ट्रचाःश्चरत्त्राचायातरः वीर पार्दालायाकृदावीयावायदात स्वायावयायस्त्रीः 리'씨리'원제'다 월 ('대' 두 다 다 전 지'다' 중 제' 대' 윤 제' 다 기 의 지'다 한 생 제' 및 '본' माताम्रे अळ्यां मी भूराद्वेशवाणी देवावावार हा व शेरा मावाववाव व व के के वार्ष नु श्री वा सा स्वास स्थाप विषय । द्वार प्र विष्णु श्री विष्णु राय व सर म् अर. अष्ट, त्राचित्र देशका त्र. तर वेट हिटा विट तर. अर.त. रू. नाक्ष्यामी ने मान्या वे मून्त्राध्या भाषा वे मून्याप्तराष्ट्रीय भाषा व मान्ये मून्याप्त श्राप्तरा मः महेव व व व व रहेर खेवा व के पदे र कहा ने नियम । कुर मन् मा सव प्रम न्दान्वयायान्यवाने प्रदेश स्वाम ने क्या में राव तमुराप्रदाया सहता चन्'नु'ह्यच'यतद्यं यद्यं कर्ष यद्यय विद्यान्तु'यकेन्'मासुक'र्यम्थ'ययः सि.इट्राज्य कट्रार्ट्य वार्षे ब्राप्त ज्ञानका ग्रीका वायव द्व वाय ग्रीट्रायत र वाया मर विरुद्धाः दे त्रायाष्ट्रप्र प्रमान्य विष्ट विषय विष्ट विषय विष्ट

ञ्चल ववटाल सिर्देराचराविदा। हार्याह्यास्य क्रुब्राचारा स्टार्टाता अन्य प्राचि स्वाय स् यम् र्ञ्स स्वाय मुद्दाय द्दा अदाहार्य हियावना क्रास र्रा व मावदा हुर किंदालय सल सटाक्षेत्रपष्ट किंदा खेया वाय घटटा किटा खेटा। स्वायः विष्यं वयं देर व्यावत् सुव्याम विष्ठुं हुक्ष विष्ठ निष्ठियामहि निष्ट व्यासिकार चहेब्रहेग्ने वित्र अर्थेण सम्तर त्यूं कि अर्थ हुर एकेल लब्र जब्द विद्याना चनार लाद हे हेनाय हुदान सवा अर स दें सह सेनाय अंता है र हिंद हैं लियन्त्र नेता। देते श्रिन अ(और 163 म) न्दरानी अनियास मु विस**र्म न्या** त प्र. रंब विषय के बार के विषय सदार गुव ल रखेला कुर्'न दे र्ग'लय सु'ईव'रेव'मा केस'रु'कुर्'र्ट' गुर हुँ त ते म महर मह मनर कुँव रने हुँ नम ल र हे है मर रे मखें नम भुटा रिवटावधीर बेर वर्षार है में होते इस रहा खें हिल बता वर्धा की विदि। अञ्चलप्रेषक्षेत्र ह्राय गुँरेणय यह स्थाय कर्सर पर्वाय हा। दि ल इत रहेर कुर मूर कीर की यी कील मू यामिय तथा बीय स रह्म बीया की क्रा माभीव नुःबद नुः चुदः च म्दि वस मुच यह मुद्द केव या तकद्याया वादिः 5·물드·다 産·오르리 드디아·불드·디리 다시도 됐다 점점·투적·계적·미점이 복도·적 हिंद'र् गुलुट रम श्रुप्ता । चेप्सम्पु पर्पामळेनाने कुर्'णेद्य प्रमा र् लस. हैट. देव के वीर तर्द तर्द प्राप्त प्रदेशीत थी अब स्मानिदानीया तकर्। हिंग हे 'हेर तकर्। मन् पते हिंग न्रं मामहन प मुख्य में मा महुना नि माना बुन क्रम बुन प्रविद वुम मन् मन् मन् । विद क्रम

अवस म्यारे रचेल यस रकम् य म्या विस्तर स्वामि म्बुब'लब तदेर दत में दत म्बुब य ल पहेंद य है। देतर हैं कुंद ल' नन् परे कुर श्वास्त्य विव प सद्य पह्र दे.हे. स्वरार रखें रूस प्वीट. विव स्टाम सम् रे के स्व र । सि हिल दम गर्व स मी निव में मी विद क्षय व पहें व हे र पन् वेगव पर हुर हे न्यव वु र हु पर अब दमाय हैन नहा हित ने कि न हैन नह हुन महे यमका ने का महित केन में ने क कर मह्य कुर लेड स्टाइ माडेन म हेरा व्यापन म सुख है है न सहर 다음 용도 운영 출시 및 최조회적 중 조·여전 다시드(하 164 주) 다 당시 원용. न्द स्थ अर्र पर्वेंचा विशेष तार्वा पुष्टि ति विश्व तप्र कीया कीया मि नन्। यात्रवे लेख्य दे प्रमानी प्र मह्याने एक प्रा । मन् पुरे मह्या र्व इवायर न्वनायाय हुन न्वर यसुर ५० दे १० दे १८ यहुन या हर पर्नित पर पर्म मुन ह्या । पर्म प्राचित महिनाम वि ह सि देव लिल मिया। अस की म्नायान्स किना निर्मात निर्मा सम की के के न म् । भः श्रुवायान विवान् विवादी। ने स्थानीया की में ये प्रवीत तप अक्षा अ हे वाया तप्राच्युं में व देशम सुरद्धार पद्या हिता। में रेश में वर तश तश में रुवायरे र होत यदा है नवायर ।

चित्रः मानेत्रः स्वरं मान्यः तकत् ने देव। विकृतः माने स्वरं माने

चबु.पर्श्व. ६.८ तेय. ४ करे. ला वीश्वसत्त्र प्रवे. स्तावृत्तात् हे। वर्षेट तर. नमः परत प र्वि 'रु 'र्य म्पन देवे देव पन्य पासा कुर वर्षे सदः न्ना भेद पु केर नगल पर पहुदा केर हा पति वयस रे हिर पड पदि मन्। देना हुँद महे बद स्व दि अप्त प्र व व हे हे सार्वे व व व व व दे हैं हुन पढ़ पढ़ीर पर्नेथात सूच तह क्षि पहूरी अटब केयाग्री वीवीटारया. न्दः जदः के श्रदः प्रवसः वहुद यह। ।दे त दे हि पदः वहे दे। समान्य प्राप्त मुं हा समान महि दे हिन। सेस रमा ही प्राप्त मिन ୭୮। ଞ୍<sup>ୟ</sup> ପ୍ର ମଳ ମୁକ୍ତ ନିଂହିମା ସ୍ଥାୟର ମିଂହିମା ସ୍ଥାୟର ନିଂହିମା କୁ' स्वाय हिटाना ह्या ने प्रमानित है । है ने पर हो ने मिल हिना में साथ स्वाय मह ने कि 164 म) हिना महुनायते हुँर म नद स्दायते ने हेना मनुन हैना क्रम मर वेत महे हे । बु म्दर सब हिन महे हे । सन अकेत जी है कृत। न्वतःवञ्चरःवि दे कृत। मृष्ठः केदः यसः अतः न्वायरः बुदःवि देः हैन। ह्याय क्यय गुव चेया महेन परे ने हैन क्यय है। ।न्यय प्रिं ह्म न १६८ वर्षा में हेर हेर हेर हेर न कर्म्द्राचन मृत्य विषय । विषय विषय विषय । विषय कु.लल.लटाः वाबटाचरु.वादवाद्यम्परार एन्नेन चरु अनिदाः हे वादाकु स्थाः लक्षाचनाक्षर लेनकान्तर कुंग्निराञ्च क्षावाक्षराम नवुःनर कहरामाधुरः व। मर्हेर छ'कुर'र्देव'बर्द्द्व'धर'हेंगल महे'श्र्वेत'छहें। हेर'छेर'कुर' **ॏॖॱळैनॱॸॕढ़ॱड़**ॸॱऎख़ॱज़ऻऀऄख़ॏॖॱॾॕऻॱढ़ख़ॱॻॻॕॴॱॻॱज़ऻऄख़ॱॶॱढ़ॸॖख़ॴॎॱॱज़ॸॱय़ॕॱ ल.चंडिया चंडुपु.चयर.च.चै.चैरी लय.चै.चयर.च.घचय.चैरी ट्यस. खरे.चबर.च.४वंच क्रेंट.चसंट.तध्रा ।टंट.च्.ज.का स्रु.चे.२.च.वधर. म् नविहै न्न्य हेन्। भूषाम न्य स्थानहा स्थान पर'हॅम'य। विच'ठट'र्हे नम'८्गर'य। गृबे'कॅस'इमस'देस'मध्यायर'

द्वताल्या चिष्ठेयातात्राचार्यया लयाची साम द्वारा व्याप्त स्थान्य स्थान महिना मन्तर त्रीव हीं न ता क्षम मा निते न ता मन्तर न ता न का क्षमा मा ब्रुंच स ब्रुंच सर बुरे सर्चार समुराम। ब्रुंचास क्षेत्र क्षेत्र सर बुरे मा रका कृतान् कृत्य श्रेटानप्र । निश्चेत्राताल मञ्जिद हवान हिनाव हवान् श्वेया न्दःमः लः न्तुः व कुत्रः व हुत्रः व्रेश्नेत्रः हुत्रः यः न्दः । मृहत्रः यः ल। मृहः लः इत्रायदे निव र विन विष्यान्य में दियानिन पहें अ विषय में प्रायतिन पहें अ हिन्य रेस में हर्ष ह्यापड़िटान। र्वे प्र देव में वित्यर। यस में रेस माहाक्षेत्र वर्जेट्राचपुः क्षान्य हो। विषयायाश्चित् वाल श्चीन्य वे वर्षाविषया म् । नियुक्तः म (ज्यं । 165 व) २ मुक्तः मुद्दे मुद्द लः नियुक्ता विः यं नियः गुः । स्वा वृद्द्रां निर्माया। खनाकु केद में अर्थनाने निर्माया देशस शु पहेद. हैं। । पश्चिमायार्हेन छेन छनानी कुन पन नियास मालुका से छ 'न न यं सम्बर्ग र नमून्। मेतु न्रैकामान्या हा नहु मारे हित् यन् गुरु कुरायर नन्त। देः वस्तान्वराष्ट्राम् नृत्युग्म। विस्तायस्य कत्र विद्वासेत्र मुहेस्य स्वर् मर्थायहा । १८ : मार्थायकुना हो : हिंदा मार्था हो सामित हो नर्गेत्। होत्यविष्युव्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यात्र्यस्यः तकत्। १६'यर'न्त्रस्य यस्यान्दे प्रतास्य मुक्ता न्यान्त्रस्य मुक्ता क्रेर क्ष्याभ्रष्ट्र-पाष्ट्र-प्रान्ता समानुष्यान्तान्तान्ताना समानुष्य भवानी निवासी हिवासी प्रवासी विवासी मार्थित मार इससार्था । महिनामादी श्रेमान्यदानुष्यकदाहिन महेदायाद्या नमामा ब्रैवाञ्चेमान् यर क्रैकानेवार्ट क्रिकायर यन्दाला मञ्जाय दे। विदेशायर तदःविदःविश्वयायावायम् यापस्य। विदःदःविदेवायापन्दःयरःद्यः चक्रामार्च्यातु राम्या समाचु नायरामा म्ब्रियायरामा दे ता ८६मा'चते'क्रे'प्रवृद्धाम्बद्धाम्बद्धाम्बद्धाः प्रदायः। प्रवर्षाः प्रदाप्तः विकास

हैन मह महे। देवे बद सदा महेन रेक में ए केंदा ने ल नन पर म्द्रस्य प्रदेश द्राम्यस्य मे द्वे प्रद्राप्त प्रत्य प्रत्य स्वर्ष हर। द्र म् ल प्रमुद्ध है के हैं के दिन हैं कि प्रमुख देश कि वह है के हैं । कुद दें व सिंद्य सुः≝नाव परे'ने १९ मुँ न्म⊏ 5ु'मुब म नाबुब लब लन्न मुं ब क्षर लकन '' यर सहर है। दिवेश हर अहे हीय देवा ये ही ही है। दिव एकुट कु रें के ' है. हैंद. सेवाय पन्टा । लूट्य ह्वाय पियंय परेंच एग्रेल सेट पर्वे. वार्थे वार्थे मन्त्र। ।अ'कुर अधर शुन रिगुक्'या है हे य तवन्त्र ख्य रु'ख्निव ऋँय शे म् त्याक्ष क्या है। विश्व विष्या रहु गारा वृष्टे या विष कु. वैब.ची वांच प्राक्तें स्वार प्राप्त प्रवे स्वा. लूट व खे. हू वांच पष्ट जीवांच .. अवि मह्ना हैं है है दि त्रेल हर । ह्यार र में महार द्वार मान र में नुन पद्भाग्रेशनीर प्रमान वीपक हो। । नु.ज.अष्ट्र मुद्र वेच त्र भ्र वेच वाजेश ही. खन्य दे तम अंभान हन्य म रे रे फिद ला म्वद क्र व दे दे दमा मे जुन्य क. प्रहेंब. त. हे. ते. लुब. हुट। वि. कु. श्रेष . त्ये व प्राचित प्राचित प्राचित हो. हे. प्राचित सक्दानी द्वा मान्या सुरा देन दारा द्वारा है । वि दुरे मक्दार देना र्ज्य के.इ.जियसा वि. र्ष. तकी स्था धर ह्य. रतिल ८८ रका । विर लयन्त सर लच्चा सेन स्नाय श्री पाया । प्रमृत् परि कुल सक् न श्री प्रस्ति नर नु'च होत्या । सिन्य अँस'ने'न्न' इसस सम वन्'नु'र्सन न्यं वे'नु'परि लियं ब्राम्प्रें नाश्यक में प्रविद्यार हिंदा राष्ट्रीया श्रे पृष्य में स्पेर पेत्र में स १ मां भार्चे र पास्त्रीय च च हेते वया निय च मर्थे स्थी च वया निय स्था निय स्था निय स्था निय स्था निय स्था निय लका है। यर प्रकृत दे हैं। पर्दे का सी पा ए प्रवास से कि से कि से से कि से साम से कि से से कि से साम से कि से स न्दः। अक्षःक्षेत्रःन्दः मृद्देःनतेः खुन्यः तर्म्यः ध्रेयः नरं यः ग्रैयः नय वे वनः मह 

बर हैं व केंब की हैं 'मेंब प्याप्य पर्कुत दे 'बेब 'हें व विवाय सवादर प तर। रितिष प्र.मजूर वेषस कीत अष्ट्रवे क्रीय तथ द्वंट त पन्न.वें. रूप जीवंश वेशवे .. बनाप्र प प्र। स्मानी श्रीप पर्कुत् रका श्रीमन बेन प्रमान पर्दा हिन ख. केबा. जिट. त प चळार. चचय तह र जिया हूर हैंव जिवय रटा हि. चर्व वमस वर् मिष्टेव प प्र र वू वाय पानार पानस परि प्रमुख हैं र वि स्न स्मान इसस मार्ड मूर मुर मते मानर सूल सर नु मुंद म लया । निमर मन् सद र्षे.प.भर ८ त्र्नी.पिष्टे अत्यत्म पर्वे त वृत्र ह्या. अर्थे र विश्वा अः में त पर्वे र ८हब्-८८:परुष्त्रत्यर्पत र्णुब्यः म् हेरे प्रत् ह्रीत **णु** पञ्चर्पत कुल . . भक्ष मूर् स्वर, पर. दें तम् दा प्रदेश । दें लार में भुष्ट हैं बार प्रदेश का ञ्च.त.लत अस प्रमक्ष प ट्रेक्स हर.जियस ज्रूप.विमाने सेवायः है। हुई.तह. भव.त्य जिया रिप्री प्रियेश श्रम थन ४ जीव ता लियांचा भक्ष श्री सालियांचा वर्षा. म् लिया वे रू अ हुए लिया ज्ञा स्था प्राथ न प्राय न प्राय है अ प्रिय है बदःचगरःकदःचसःसःखनास म ब्रैं रमनःम इसस वःचगरःममः न्यानः व। । ह पन्द के कुर पहन तार पाद पाद के के देन देन पहन पहन ही देव ल कुर हे हिर हम पर जवना कुर के जब द देव पहेब मा कुर चन्द्रवात्राणु सद्रद्रवा चुद्रणु सद्द्रपर ह्रव्यरा हे ख्राप्त हेर्द्रा पहिर झ द्रा मन्। ह्येत इस: मर प्रविषायाता ह्रमा च त्रात्ता स्वात है तथा । स्वात है तथा हेर् हिंद केर प्रेर पारेषा पर्टायन के वा पर्टायन के वार्य पर्वायन पर्वायन वियामत् मा कुरामस्याभियाम्या मर्गाकृरामस्या निवस्तान विकास स्ति। दिनामा निवस्तान विकासी का समिता । निवस्ता स्वस्ता

मनुव चेतामन मन्दरनुव अदव मेवान लाम कुरे चुर रेव न तर्म मानेव ही जिंदा बच्च प्राप्त स्वाधित स्वाधित स्वाधित है । दे पत्र हिंदा प्राप्त स्वाधित स्वाध प्रमुख्या के प्रमुख्य विश्व विष्य के स्वाप्त मिर्धेयातामार्श्वीतात इका तारुवामार्श्वयायही के ता इथा तारुवान पढ़ी विवा ब्रह्म क्षेत्रपरि हेमाय क्ष्राया क्ष्राया विष्या रामा क्ष्राया विष्या विषया विषया मोद्धी, जान के व्याप्त क्षेत्र अपन्य मुप्त व्याप्त मान व्याप्त क्षेत्र प्रमान व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र प्रमान व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र प्रमान व्याप्त क्षेत्र मी.पर्वेक्ष.वी.प लबे.पमी.सि.के अट्बे.तर.हेमेब त स.पवे क्.चरेब.बी.ह्में (क्. 166म) वृषातक प्रमा सहित् हैं। वृष्ट्र से हित हेवात सहता सहता महता सर्यिते प्राप्त कु म इसस्य या हामन का संयुव दिए प्राप्त दिया । मण्याच्या गुर मह्नार्थाम्बुस्य ग्रीम्परामण्या मञ्जारस्य हिन् स्वासः चर्षेनेयातालय हेटायटानुरायाचे । वर्षे तास्नायन् अस्तिबंधा अर्थर.जिवास वास्त्रभा ह्वा.जिवास ल रघः पद्व. द्व. की.की.वी. रमालन्य देव वर रुप्ते प्राप्त हिरा है से कुरारकराया वामार है। नेत्रभूतःबैदःहे १ हर प्वकु ५ हल प्यम् । कु ५ गु । पाई ५ नविषान् देशायरानविषाकृताहूरानुरानविष्याकृष्ठित्याहूद। खदाव्या क्रवायानहास्यान्यात्रे स्वाप्तान्यात्रे स्वाप्तान्यात्रे । वि בים פאיפריבי אברילו וריפירם אילבישם ישאיפים ארן ים פאי नहार्तित्वात्राच्ये र विरामाल भारत्र कि. १ वा. १ वा. १ वि. १ थ. १ अथ. तर. त विजय. खा

न्द्रेश्वर्थः वे। अ.त्यं न्द्रं न्द्रं वे। में न्यं न्द्रं व्यव्यक्ति व्यव्यक्ति विक्रां विक्रां विक्रां विक्र ह्रिप्ति विक्रां विक्र विक्रां विक्

영미·디영미작·디타·필국·유터적·전·드드·폰·프·플·미용적 현작·유밀ㅗ 디셔드 드ㅗ····· पर'सहर'णुर'र'हे'कुव'से'बूट'ल। हे'सर'पस'हे'प पवट'में'ल'न्यवा न्यतःयम् व्याप्यव्यापुतःयते न्यतःविन् न्तःकुन्तवोस हार् हाः न्त्र पर्वे वे म नर पु क न न ने व पर म म न व पर्वे प पर पर्वे व पर कुर ल पहेब पार्श्वपार्यव हाया हारति खन्न नहेस सुर । वरारु पहे ए डी हेर रट. ५ वि. मूर ४ त्यूय. िया तपु. (विया या व्याय. हे. र ८ ट ४ व्यय. भू. न्यव्रश्चाणीय गुरारगुरायम् सहत् य सय। प्राप्तर्कं 167 व्) हे' बरायसर्गाने भी का के दिसा की बाद रहत हिमान वा वा ना वाद रहे । निम्म मन् बद । । न्नाक कर पर मुद्राम स्वाप हिल्दा न्या हित क्षुव स कर पर पत्र पत्र बदबः कुबः ईद्'यः शुद्यः क्रेवः बारः कृषे अवः दमा खन्वः ददः। व्हिनः द्विवः जः हे.लधु.लियंब.योधेब.या.चूर.टे.कु.इ.जू.वं.च ४८ श्रूट.ब्रे.वंबपाया.यावाय..... 록 마차 웹사'디욜 T'다셔드'라트드'앱드'드'용' 저지'의 디 를 드'디라'드디드'플릭'' ' इभामबीवाया दे.रवां.वां.की.कीर.वायर.भाकीर प्रविभागी.हिर दे.वार.मबीवाय. **ढ़ॺॺॱॻॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖढ़ॱऄॕऻॖॸॱॸॆॱॺॸॕॸॱढ़ॱॺॕॱढ़ॗॱ**ॻॱॸॆॱॸज़ॱऄॗॱॻज़ढ़ॱॾऀढ़ॱॺॺॱॿॗॸॱॱॱ दे भवा मुना मा दिना सत्ता व्यवता प्रवास में वा विद्या में प्रवास मा मिला में प्रवास मा मिला में प्रवास में प्र 8 ब. भुषे . में . सं. तथा तक्षेद्राताला री में तथा ता क्षेत्राता क्षेत्रा एतर ता छवे . स्थाक्ष्या बयास्राप्तर्भानी कुदालहदायायामास्यायाचे द्वाराष्ट्री । माबदायमाहरू · 현대·보유·노미저·젊이·저유·필드·다·북리·두파·피유·필드·저 및 ·미·피트 '두드'전'께'댐' न्दे लिप्य पृष्ठे संपुटा न्पट कुर पन् स्वर प्रमान व्यापुट के देव स्वर व्यव प्रमानकुर् दे व्यव पृत्र वृष्य प्रमानकुर प्रमान वर्ष न्यान्त्रक्षर्वानम् तत्र्ति विन्ते कुर्यं मानुनाव मा । १९६८ हना मारे

देन्य मृत्व मिव्य केव मिव्य केव

र्मुल र्रा सुन्य मह मुँद परी । व्युच रह प्रमुर् प्रमार हें बल प्रमुहेस ल मनला । कुन मनन अँग इ.व. हुन छेन संसास हुन। । नुसार मिर कु गार खल रे.मुब्र.वे.रं अट बैर रेट उत्तेल त चेर्रेश्या बेलानुब्र.वे. चेश्वल वश्या लिवायाञ्चल भ्र पटा प्रचा वित्र प्रवादित हैं। हे दिन । श्रीय निवंद है ति य ने रा । ये र् ली क्य वी वी वा सुधार हो हो है र निष्टुं । व व व ह्युद इत्य च ल में । ल पारे दे पारे व व व व व व व व व व व व व व 167 四) 크지 러드 등 '폴미' 레지 띠를 '등 '월 '평' 도' 洒 '를 '드다! 별 본 '전 '정제' कुर्र र खेल पक्षर वस र पर प्यत् मार् सद प्य में इल पहेर प स्थाल दूर पार झ्रांच लय.चर्केंट त.कें.ह्.जियंथा २.घ अरथ क्या.यंयंच क्रुय.टेंब.खेंपथ.त. लस म्यद है र में ल केद 'पश्चिर दया कि में 'स्वीय हिंदा स' देशह स प्रमिट प द. मु. जैवंब टंटा। रे. प्रसारत क्रीयात त्राहे. देश अर्थे. मैं जिय कैंट ठ जुल म्बद्द्रवर्गम् सुराम सव। रामे निव केराने क्वितास अहर म रामुन्य द्रा १ त्रां त्राप्तावाकि हान वर्ष्यान हेदाव वर्षा वहेता वर्षा वि त्युरा कु लिहु'क म्हिन्स कुर रेजेल ह्रम्स धरामञ्जूर। र्घटामन् सदारम रूटा यदव यात्रा द्वेषा क्षेत्र यहे प्रव अळू ग्रेश तिय तार तिया अहरा यह । क्रदे-ाज-ध्यवे त्रिल बोच-ह्र्यक,ब्रेश बीच-ह्रे,न्य ४ हिन-।जन्य बीच बोधेयालय. 5्युर। देशक्वं क्षेत्रायन्द्रायम् वर्षाद्राय दर्षात्युर में क्षेताव्य मन् म मेन मिरे अंश मिन मान रे से स्वापन मान मान मान के मान केद्'नृणु'र्नेष कम् न्या'पर्रब्र'न्ट'न्युल क्रेंबाणु'पवट'म्'सुनुम् केद्''''' मासुकाल प्वतः पाते विग्न र्वेलामासुका ५८। १८ हीता वि दू पा है हे ५ पटा

हिंच केट. प्र. केप हिंसस प्रमेट. निवंश में थे. प्र. दें रेटा अ. प्र. ने ब्रं वे. हिल विस्रस संस्थ गुटारा से न्ट ला हाल संग्राम बुस हे हिल बेट सामका र्रः हिर र्यंग म बेब पर दर्भेव पहरा। कन स के ब हे द्यल गुबर हु ल बुै'इ'र्'र्'र हे'द'रहे', र्श्वाय लय्र'रयर'यत् अव'रमाक'कर्'य बुयाय लसंक्रमाल्यासंद्र। यह के विष्ट्रु हैं रहे से वि गुः द्रे पारे प्रेस म्बेर्-पु-स-म न्यहः कुन् यन्न विन् यहत्र म्यहः। विन यह में विमाय स्वाय श्वापायात्य ता रवी.ज.च.च इषु.श्रे.चर्चेर की श्वीर विमानवटान स्वाय र लिवस ज्ञान बट.रे. वूर हट.केंट की ठकेंट ४ वे भे वे व तर्ट बट हेर चहे. रकाः विराधना स्था राज्य । विष्य १ विष्य केद'मे 'हु' है 'ठ हुदे 'खुन्य' मठय' । नम्म मन् मन् मन् मन् मन् मन् मन् मन् चबुगरा अगमारे प्रमायम केर गुव अधिव र इ मुह ब्राम गुरा है अहँ णुद'र्नात'र्द्द'युद्य'शय नयद'हे'श्चेय द सन्य रूर'कुर्युर्य। विसर तिहै दिव है संगुव पहुंचाया वृद्धाति देव वा मावृद्धा द्वा द्वा विद्धाले द्वा कुर्पनरामाक्षर्भामान्य क्षेत्राचन्त्र कुर्पनरानु विदेशनरानु गायान्य विदेशा मिटा महादरारम् लियम श्रीत त १ अस ते व र दा र तिया स श्रीत में चन्द्राचित्रचात्राचनाधन्यस्द्राद्या स् स्रिः क्षुन् ह्रा ब्ला म्हेसालास्य स्रा चनवामान्त्राष्ट्रा देरावेरा देरावामान्यान्य वित्रवेरा वि महिद् केद्र यं मण्यान पहेंद्र प्रमान १००५ हित महिद् हिता मा पहुर मेबु तथा में कथा में वे नविदायदार्थ में वे नविदायता सि कें वे देव देव क्ष्यान् पाति पन् पुर्व त्ययाम्यव केटा कु ५ पन् त्या प्याप्त स्वर हा हा गा म्हिमारमाम् कृत्रायान्याम् कृत्रायान्याम् कृत्रायान्याम्

पक्ष अकर प श्रुर अहर पर्टा पन् व्यव व्यव हे के जुरे का पि हिंदु विवादि । देवार्ष हैं वा वनि हुँ र ववार्ष हैं दाय हैं दि वेर। सम्बद् है सेन् रेन् कुद्। हैस ग्री मह्द महें सामानाम न्यार होन पद लन् परना युन्य वय सं दृष्टे वेद वेया वय स पहेद हैं पन् कुद बु खु खु रदः खन्न र हिरे पर स्वाकत् पर पबुन्ना पुः हैं व हिंग सम्मदः न्युस्य प मदे के द कि में पुरियाय माय हे 'दे द में कि स नाय द । मन् कुद यद है न वि दर हैं ल पर स्माय हे हैं न तहें दें पा वहत प्रमाय तनु मा में पर हो वा के दे हैं न चर्टा वृक्षेत्र द्रमः चुटाच लय। विषयः गुपार्चे 'येने स्वायः द्रायः वर्षः हैं 'येदेः म्निमःब्राव्याः क्रिमः प्राप्तः (क्रिः 168 म्) मुन्न समाम्बर्धः स तम २०५ । ग 8द्'मुं'मुंद ८ सेपट.चबेयेथा। ह्र.बंप त्रे.ट्यट.चयेष.अर्.टयं.चय कुट. मुन्नायरे भूर देवन ग्रद मुद्द मारक पर यर मकेन स् । दि न मु मु मु मु मिर मिर मु रदे'रकद्म दा मन् प्रदेश्य रकद् प्रेट् के के हे हिन रकद्म रहे र्द्धलः नासुत्र ग्रीकः ह्वेरः प्रमृद्। हिंग्यं लापन् इपया ग्री प्रवासना प्रमा सर वि.च.चीहेवा ८८.चू.ज.हेव.च बटब.चेब.वेव.वेला टेब.ठुचानाहै न्दः मे मन्द्रमणे विद्रायान्त्रम् ह्या दे न्यानायम प्रमुद्राया न्मन्। ६न'म'म् भ्रम् वा ००५ ६न हे हे ने ने हे ले ने हेल ने श्रुव हैं ८म् न्यात्र १८ मु त्रोत केष् म्यात्र त्रात हे क्षा म्या प्राप्त हे हैं। हा रचे.वेर.रच.तपु.चंदल त.चचेर.व्ह.इ.चहुच पर्वेचल त प्रथा जुड्डू. र्मर रु मुक्त वा रू में रहिन हैन मिनन वेर का मह र्मा स्वर्र रूप नक्षान्य नह्यान्य क्षान्य विज्ञानिय कुर क्षेत्र भिनानित कुर क्षेत्र मिनानित कुर क्षेत्र क्षानित क्षेत्र क्षानित मध्रा त्युंत्रमही मंत्राष्ट्रमा प्रमान के मुन्तर के प्रमान के मिन मिन स्वाप्त करा म्हेस्यान्द्रिया रहेराचद्राहे हे सम्मान्द्रियो निस्त पर्वे र्मापर सर्दर

पर्वय पर्वर मुकार्य प्रताप्त में राष्ट्र व प्रताप्त व प्रतापत प्रतापत विश्व हुनाकुल म रेनाल हुना हु 'दना महे दें में अर्र राम हुन हुन दर । महि म ब्रुप वे त्या कुवाप देना वा स्पार्थ वर्ष राम हुवा सार्या । साम के वा मितु'ल'र्हे'हे'पदि दण'यरि सर्हेर प्रमुख'केद'ये'पदि द्वस्य स्था सर्हर मह्मान्युकाराय्व ग्रैकान्बद र्नुकाग्रै क्षिरावार्ने कि व हैर ग्रैक्षार्द \*\*\* परवात पर्वेष. हुए। अट्राप्तियात. व्यव वरवा क्या. हुए। हिराही अअल ठव के देव अहर त। अहन देव पर्देश हैंव पठन के सार पर्देश म्बब महे दिन्द मुल का लेख दिन में ला हे व (का 169 व) हिम्स मह मृष्टेशःसिन्त ५ मुद्राःस्नार्मायदेःन्द्रशःयःहरःमद्रीः मृष्टेशःयःद्रमः नुमः खलार्च्यार्थात्र्वेदार्च्यार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र ८६ग्-८्नरः चर्डुः न्हेस-८्न्। सहैः न्हेस। प्रदेशः सहैः प्रदेशः बर्डव्यादेः नव्यायः हैं पुःषद्दि । देवदा अर्दर म्युवादेवायः वैष्ये अदायः **झे केद 'श'रित्याम' इन 'केप्' देंद 'कुषामदि' वद् 'वट' दु 'वट्या** न्व याया देवा ने हो के दाया हो है हिए सह पु जा व या पा हो दे हो हो ने की किया **५**व-दे-क्राम्बयान्तर, ५४ हो। अर्चनानका के ब्राम्बर, में क्राम्बर, में क्राम्बर, में क्राम्बर, में क्राम्बर, में वराम्हलव्यातकरायराम्हर्द्।

वान्नवाकात्रवाद्यं त्रित्वाकात्रक्षे त्राप्त्यं त्राप्त्यं व्यक्ष्यं व्यक्ष्यं व्यक्ष्यं व्यक्ष्यं व्यक्ष्यं विद्यक्ष्यं विद्यक्षयं विद्यक्

라는.다 남군.열명 다듐山의 다성 외및보.버夫. 5ml에 뭐.신다다.다성난 외로.다비 .... अवर. लख. त वैट लटा। यायट. रूपेश हे ने सैचय. प्यट. त हैर पुर तथ वन्त मु ल बढ्द हिन् चेनाय दट ह्मिम्म ल ह्मि हैन हल नु रहेद यह नाबर हिनाब है। कुँर एनार हिना अ नाई नाब बर कुँर है। नावित्र ही पनर हो। अ मुद्द पर अर्दे ला पुंबादे वस पहलय प हुदे पर प्राट पन् में पाना व म कर पर मादस य दे। हैं है सेसस रयत हुं त्सुल दूं य मासर पति हैं र यं दे कि दे हैं दे से यह कुर कु कु से हैं दे हे हैं के व य है पर रे पकुर के Ben. 8. 다 승, 다고, 쥬고 용다 | 파스 교육 및 및 보고 회에 제외로, 승, 다고 되고 यर 5 . अथ ७ तयोथ त लूबे . ब्र्रा । (क्ष. 168 त) झुचे हूर . ब्रेट. श्रट्य चैथ. व्ययदानयान्यान्। वि.स.स.विश्वतं देशस ग्रीय पश्चिर द्वरानन्। दितः मंत्र'क्रॅंट'केंद्र रेग'रथ र्याव ग्रेय श्रेथ। । एट् रव्याय तुर परे पानर श्रंथ १मास्या । श्रेन् श्रेन् श्रेन् केट केया पहन प्रति । विष् इवल कुल दादः लवा पकुरारे खबार्वाणा गान्त हालवा क्षेत्रा व हाहे रहारा बत्य मेथ नेवट, तथ. बिबा कं. अस ए जुंजाता, दुवे, ग्रू. कुछ, खेर कित रेटा। है अक्षा क्र म द्वि त्वेश अहरी दे निष्ठिक क्षेत्र में का के हारा निष्ठ स्वेश मामिनानबुद सहिना निवर सदार हु मिं है है कु सहित रमेला है दिना केट मेंद्रिके. कुर प्रज्ञेश नर्रिष्ट क्यामन् क्या म्राम्य के न्या ने विदा मूर् न्तिष्ट क्रियाचा अपन क्रान्य क्रिया क्रिया क्रिया विश्वास हैं वि ग्या अपन स् क्षाकृत् चत् स्त्र्त् पञ्चरा यहार्श्वप त्यव किव रावाणुहा मृश्रम्य वाम्बदः। देवास्मार्थं द्याय थे। देवाम्बुयवाकेदावाम्बद् इत वर्र मिवन सुमार् मार् मार् मार् मेर के मार्दिन मु र् म से मार्से मार्से मार्से चर्नरा दे.वोहेस.वंस.टर इ.राम.बोवंस ८८.बट.क्रेम घष्ट.ख्रं.२४.म. यन्त्। ब्राचीसान्त्वसाळेव्यासायन्त्। मदाश्चित द्विदायार् रहात्सा

विश्वस पूर. २ विश्वस कुर. ही चेश्रचाराचाराच्य रे हे पूर्य हार. चुंड प्रचान प्र मञ्जूर मन् अहरा मानुमय केन नय रेम मर मजुर रे बुर म केस न्मन ल पण्ट पपरा है है से सम पर से प्राचीय पर रा से है से सम पर सिप मार ८ इंग. ८ में निष्य अर्थे दे त्रात कील च बेह्र वे व देश त चट्टे बेह्न की बेह्र .. .. मांबर। देव तर्के त तक हैं व तह में रहूर त हा भुवाकील अक्षर किय हों प हुँग बहर प र्विष प्रमुद्र सुप गुँ कुंद रिव्य खे पर रहेल प ल छैल झु र वे अप र्स्राय गुै'पकुँ न पट प्राप्त वसस उन प्रम्य। मुस्ट है हास न्मेंद्र सर्हेन र जेल रे (क्र. 140 वे) से बंब त सहर त हर लेवेब रहा में वे अहिव भूष भूष भूष विश्व विषय स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन अन्य स माम्या म प्रा । स्मा-नेस-रम ६८ ० स अर से अन्य स्मान कर. ट्रे प्रदेश मेट दे तथ रूपे जियश श्रे में पंथ त वैंटा। वैश्व प्यंतर अप विषयः तार्थक्ष ग्रीस्नर्वाचारातिस ताल पश्चालियान्याति रल मुखाञ्चा राष्ट्राता खुट्राचेशट्र हैट्र हैंच च.केंब्र के अ.हेच्र अह्टे च स्वेश कुंबर होन चन। हेस मु देनाना ता देवल परटा हुट बुट रे जिटा निवाय हूल ग्रेन में बटा देश विर तर टे. एल बाका त बरात ए चर्चार ख़िया हुका ख़ है व ले. पर ज़ैरात की 전, 말로, 맞, 도, 요, 소, 소, 소, 다. 현 너 없, 네 없 이 함, 함, 도, 다 등 다 나 하고 다 하고 나 말 다 다 말 다 다 말 다 다 말 다 다 말 다 다 말 다 다 말 다 다 말 다 다 말 다 다 할 수 있는 다. म भाममा महिन पुंचे मान विकास हिन हिन्द महिना महिन क्रद्र-देवाद्याः क्रेस्यक्ति वित्त प्रदेशकृताक्षेत्राक्ष्यः वित्यक्ति क्रेस्यः द्वायः त्तर् हैं त र्'असंग्वत् हिंद सं सहिं स्वायायायायार्णित ह्यां में क्यां का विरा तर वर् टे.ब.बर्स्ट.ह्रटा। बैं.पर्तेष.बु.ह्र.लपटा बैंग,र्नेग्रीप.हैट.पा.मेश्रय. पर'सहर्'द्रम'ने सुद्र सकर्'लग'लेद'चे कुद्र'पद्रगम्य'संदर्भ'। सं केव इंब मुब्द मुब्द मुब्द मुब्द मब्द मार्थ हैं मिंदे मुब्द महाम ब्रह्म सुद्ध मु रवुं र जेल न्यर प्यत्न प्रति का का ने न्या में दल हान र मार प्रति स्व हेर बहुब विद घर चेबंध पह बंदा क्षेत्र राम एवेश्य पाल्ल के बेर् न्त्रभान्ता हुन हेत् हेत् हेत् हेत् व समार्थ साम समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ समार्थ म न हिरे मर नु चुन प्रताय महत परि मे र मन्या वस न्याय परिवार के वि दे ल के चिर में प्रवासन के जैस रम्बास मही कुर कुर मुस्टाम केट में है । । तकत् मु भेदामा तकत्मेत् चन्त् मुत् कु कार्की अस मा भेरति हैटाया हॅं हे : के : संदाय के ' द्राय के के प्रायुक्त के के : स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्वाय के स म) ह्वैर अर्प्य प्रकुर महुर के अपन स्वरा के स्पाकुर केर रही है प्रमाकुर केर रही है राख्य रमयाम इसय गुराबद्दा हुराहे याद्य महुदाहे रहत मादियासक्ता मु "" व्टः**नु**ॱळॅसःश्रम् रुट् पृद्धैःसमःरञ्जराम्युकःनुःचङ्गस्य रुळन्ःसःन्टः। मर्ट्याप्तरानेन् यावसायज्ञाराष्ट्रीयकरायाय येतुरप्तायरा मेनारह्यामळवर क्षेत्रपर्देरपरिःम्हत्य। ।यस्यप्तःक्षेत्रपेत् क्युप्तःक्षेत्। । बुस्यस्यु क्यः नृ 'व|द'चुर'म। |देव|'९६६'कुल'मदे'देद'रु'ग्रव|ब। |देव'पञ्चदयामा कुं नेनायरे वर्ष हैं एं हैं पा केंद्र हिन् यरे वर्ष हैं एं है दि है **लक'चुर'चुै'**लव्रब'तु'रेष'९६६'पदि'ङ्गे'अळद'हेर्'ष्व्रअ'रु'रेल'द्ब' तकर्। रम मिष्टरणु माद्व महुमाहे एकदाम देवामेतु चातर में मिण्या महिकारी । ट्री बहु,रट.पहुर,कु बैट.च। जूब,हूब,रुधिल,तप्ट,बैट.च। बटिल,के. भवानु बूटाय। तस्यास्यान्यने विवेषानु बूटायायद्वरायह्मस्य सारकत्। मण्या हे हुरायरे मन्दार्शेष है। रदामहेदाद्वार्यरे ज्वा का हुता का हुता हे 'ब्रेअ'र्द्धमा वर्चे 'र्देव हे 'हेर'कद्द' द्वम'्रिके ब्रें वसारकद्। तकर् क्षादी मे अपरि विनान बुदा सवा रता सकद प्रमुद र मे दिया

प्रज्ञा । वि. अ. प्रज्ञे. प्रज्ञा प्रच्या प्रच्या । ज्ञिया प्रज्ञा प्रच्या प्

प्रचार के स्वार्थ कर् । निस्त के स्वार्थ स्वार कर के स्वार के स्वार के स्वार के स्वार कर के स्वार के स्वर के स्वार के स्वर के स्वर

र जें ल पा सुद्रापित कें का संग्र गुरु। तह । यह स मुख ग्राह परि सका देश मण्टा झेना दूर गु रस क्षेत्रा मात्रास मण स्वास स र स है अरि मर नु प्रमित् मिर्व मुक्र मुद्र बिद रुम्ब स मिल्र व नु प्रमाय मि मुद्र मिल्र पिले '' पडु धुना निवन में पन् लुट दे स्वाय सु पर्विन्य पर निस्टय पर अक्षर। क्रि मिल्ट अनिय निरम्भ तम ने मनिर जूल नेशर हिन्य नेशर क्रिट ल हिट. ন ৰংখ জুনাৰ ধু ৠুৰ, টুৰ গুলমৰ গুলা । বি লৰ লিনা কু জুৰ ন্তু নধ্ মুল ব। র্নিসম্ভূর্তি (জু 171 ন) কুন্ন নাননুম নাপ্ন বা সাইসেস सुर ५.२.२८ ही ७ सूर में बेंद्र है अर तथ में अब ट्या मै पन् कुद मदा प द हिरे घर नुत्र व कर्यर पद्माया। दे दय में स लित मिंहे 5'केव में 'मे' र र व'रही 5 में 5 मुंद वल रें 5 क्रेंस मासुका मञ्जूर केर मन्दा दे वस क्रिंद वे तु सम हैर यह देंद कु केर मन्दा दें वस कु मार खना'व हे शिव'न्यव वह भ हैस गुव य हे'वर्व नद। हैद' म दिव मासुक देश दें क इस मासुस हे मुन हैं द ख'रू दें पर परश'यरि मासुद न्द। म्द्रस्य दम सक्द हैंद ही हेंस सु तन्द्र महे नुव कें द्मा ।य कुंद ही हिस'बु तम्बन्य पर मुल के न्यु । स'कुन् ग्री हेस'बु'तम्बन्य परे मुल'के न्नु हे है 'नु ह' मन्द्र मं इसस लय गु धन हा किस गु धन हा क्रवं. स्। रिश्र क्रवं. तु से तो में है से बी च द्वेश च दुट अ मेट। है च जिट द्रमाय रट. एत्रेल च। क्षेत्रत १ अय क्षेट. रट. एत्रेल च। क्षेत्रत देव छ्र न्द त्र्रेल मा त्रम सु ग्रह्म न्दार देव न्दार से लागा विमादित हुन्य न्द लबेल न। द्वरान्द्रसरान्द्र लबेल मास्रे लबेल न हुन खुद न नास्त याल हूर लिन्या सुना ने देव यह माल सुन्या देव निवास कुंदारह्दात हि.स्व अट.च्.तिट ताता श्चर लिन्य सं मानवा हे दय ह रय क्रद्रायस'सुरु'सेट् स्रायत र्योदी'र्केर् सूर ८८ छ'सुद्धी'य्द्रस्य पार्स्रम्य होता

हे बब बदत देवाय वर्ण ये केर दर गुँच कु जर खना बहे बल हा बब की े निर्देट खेंचे के अहूर स्वाय क्षर प अ होरे तह क्ष्य परि वेशन कुर तक्षेत्र . नम् नहर् प हे र है दे रे नानी लिंद कुंद दल पर्वेवंश त लुवं का च्याय. दें 'द्रम' घर्र य उद युद्र 'सुर्य हे अप अर्थ द्र स्रद्र मद्रम् मुख म से हैं मा कि व लस पक्षित गर्। । हैं व. मैं क्षाय लिट सर रच में बाब मेर। । मूर् रे. द्रमा रल मार्बेद द्रल स्वान गुर दें। । मास्व स तर्हे तीर मी दस केंस न्रेस म्बि कुल महे मन्त (जै 172 व) त्यूर र हैन नहा देहे न्नि हर त्ये स पर्वेष पर्वार में र. १ में तिल श्रुष्टि प्रयानिश पीट अधर क्रमेश स्मेश ल . प्रमार देव के प्रारम् रायवान सार ने में मार्थ मार्थ में विद्या बे.इ.प्.हैं.ब.मैं। तहें.मैं.ज्याय जिट घट उहरे.तर रच रे बावेश जा मिन्नामान प्रमुद्दार मुंग्री पुंज्य सु हिम हिम द्वार का सहि। देहे भूषि कार्पिकारा भूषिकार स्थाप ह्मेनब प्रसम्बद्धेन्य मार्श्वन्य स्थानस्थानम् अकेन् हेन्युः द्वेत कुष गुनान्धे "" न्याय मेन मु दिव मान्द न्यार कना महन। सुद दे हेद स मार्थ व हार विश्व पर्वेट. वर्षा च इ.जू.व्रा ट्वेश.त व्र. वंशव ब्राय के चार हर. लक्षा मुद्दा वित् यर क्रम की पहिर के व्याप हें द पहिंद व हिल विसम न्या दें हे न्या गुर्प्यार इस कुला न्यल स्व न्यल में यह म जना खेटा । अमूर पूर्व वंशव अकूर्य हर्द सूर्य भीट अर पर स्टब सु'मान्य म'इसम'गुर तहेद'हेट होल'पर सहर है। ।

्यह्र्र्यार्थ । प्रत्यावर्ष्यं विषय् विषय् त्राचित्रं विष्यं त्राच्यावर्षः विष्यं त्राच्यावर्षः विष्यं त्राच्यावर्षः विष्यं विषयः व

न्दार्था वे। क्रेंबार्ध्व क्रे वे में में में म बदा । मनुप्य केव देव पत्र हमार्थ अःश्वुःपा । सिः ह्र्वःमन् चुवः ८८ेनावः परेः माउवः । चिरः मुन्य हिर्य तर्र श्रुच महे हेव तय हव। । ने न्ना मन् देव वयः व्यापसाम्बल्य पुरमेत्। । विम् सरातहसान्वत्य द्वा तसुल विद्या में भी भी हूं निम के ने नि पर हैं र गुर्खेल पहें न। दे दब हुल परे में दूर के दर्म में रूर र वा अपार्याय पहेनाया हमार प्रित्त क्षा अववा बर स्र वस कु पद्व'प'णे'नेवाहे'द्वमव ग्रैवामर् ह्वाव ग्रे क्व ववत'र्नापञ्चिर'हट'सेर्' न्यर पठन ग्रैय न्रवास्या । (सं 172 प) न्विपय केवायत्य कुषाणे निस-देव-म् छ्य अर्-नि हैं।पर्तित प्राय्य तप्राय निम्मे हैं ये के प्राप्त हैं। **ॷैॱॸॣॸॱॻॖऀॱॿॕज़ॱॺॸॱॺॕॱक़ॆढ़ॱॸढ़ॱॸढ़ॱॸ॔ॱॸ**ॎऻॱॱॸॣऀॱढ़ॺॱॾॕज़ॱॺॕॱॿॣढ़ॱ मेब रमःग्रे'त्रः क्वुर र्राटर्मेटसः रमेश ग्रे मङ्गर्म या इतारामः ग्रु केरामः मञ्जूरः वस मन् मुक्षायल झाळे हे खाल हो । दे प्रमाप्त मालका सम्मापित पन्त्रकृत'व्यतः'न्ना'हे 'पर्द्व'त्र'क्षु'पानु'न्द्व्व'न्दः। पुःह्व्व'देव'वे के इसम ग्रैसःपञ्चरःपयःदेःद्वास प्रमृत् श्रुवःस्द्रिवासःपरिःगःकेवःपञ्चः दिसः 미구좌·중·피미저·다 황·경도·불미저·러독·명시·정독·다리 至도저 정·저도저·출저·출··· दे द्वा मे मान देव द्वा अपि अवस्य गुराम द्वार देव । विस्तर्य नम्द्रान्त्रात्राहरू सद्ने महिन । श्रुन पकुद्रान्तरहे दर्मा स ननसर हरार्ना । पहेराम हेर्र क्रियास वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र प्रक्र प्रवास उर लामन् ज्ञुन म्हेसाम् विराधना मन् मन् नम् निर्मा स न्ने'न्द्रेस'स'ननस'स'न्द। श्रुप'म्बुन्'ग्रे'नम्र'दे'न्द्र'म्र'नम्र'प्युन् न्त कृत्यस्त्रात्मायायायायास्त्राष्ट्रराष्ट्राः नेत्रायम्रायविष्यते सळद्दीः हे 'देन' सन्त' मा सद् 'कन्'नु 'यान्य के 'वेन्'। कुल' कंग'न्र' सं 'देद' केद्'कु'

स्वास्त्र स्वास्त

मेरेबात है। रट. लेगबा गुराय हिन रट हिट हैल पारवा सरायरि'मणर'मकु पाक्तसाग्री'रदाखन्त सु'मन् 'पणर'सेसाहेन'सहर' म्बुबालाचनवानैनादेलम्बुर् ग्रेप्तन् अलाम् व हे दे द्वार्वे के के र्मे इ. लिप्त्यान्त्राक्ष्रकुर्यायात्र पविराला ग्रेव अप्तिव रटा निराक्ति प REग्रहेर'तृ'र्चेद'य'द्रय वृद्धमृत्यु ग्रुम'वेस'ग्रुग्य यहे'यम्द्धम् म्हर्म् वर्षात्रिक्षु वर्षा चकुर्'रु'ज्ञाव्यायाद्वस्यादे'सेयार्स्ना'स्ट्रर'न्युस्याययः चकुर्'यदे कुर्'हेदे " चकुर-९६५-वि'व'वेव'यस'मळव'हेर-धेनव'ग्रै'मन्-१९व'ळेर-भे-महर्-या' म्रीयाता विष्याता महिता प्रमुक्ता प्रमुक्त प्रमुक्ता प्रमुक्ता प्रमुक्ता प्रमुक्ता प्रमुक्ता प्रमुक्ता प्र चसअॱगुैअॱग**ृ**त्र'शः२चेचस'मःशःज्दानी'ग्बुद्र'क्त्र'मःग्बुस' मं'देस'ॐग्''' म्हन्यात्रित्रे व्राव्येत् कुर्वे अवत र्माम क्षेत्रे त्रोता क्षेत्र म्यूबर ५८। विर्पर हे हिंद वेषा लेट देश मुख्य क्षा पर हें द पर के स हुवा है ल माद्रवसःग्रीय के नेया सुरक्षे द्रमाम के द्रा महनाया गृह्याया है स के द स मुद् हिमल कर मुँ मुल म सरत पर्ना सर मल इल रु पहें व पति बन केंस हिर् कुव'पर अ कर केट कुर है इसल है पहें ईनल झेंस पाय वेंच सर रहे १९ नेसम्याय के पर्मा कुर् हा अ दे हें ह्रा स्टारि बाय दया भूष मु विष में क़ियं सूर बारक्षात प्रमुध बाबिटाई मिशूक लंब परंब नेवार न त्या अहर पह होगात छ्ये त् मैर धि यह पडेंच पर्या लेव हैं। मधित्य प क्षेर परे मिनेनिय लचा स् मी ता सिप प एह्ना हेव. मधिश अभूव. क्षांब गुँच गुर स्वांब देहे गुर अवर रक्ष ब्रेट। रट गुर-कुल **न क्षांब** विस्त उर् सि वि य व रेस गुँच गुद देते र्जिद्य य है पते र्वे रू रू 🧗 173 च) ब्रह्म च रचर ख़िन लूब चया बिन के कुब न संस्टा है थे न जिल्हा है है ने जा। म नाय के म पेवा देश व नाजुद वदे नासुस वे ए मन्द दद ईंद महे केंस स भेद'चे १ सस भेद ५८ हैं झुर परे किस भेद पस झुप पकुर रहेद प '''' इसर्य ग्रेस मन्द्र महित्र स्र अस्य सर मनुद्र म के वय गुद्र मावद्र के मरा ष्ट्'र्। ।पाबुद केद पणार पाबे थे पर्शुंद कुल ल पपला ।**ष्यःपठयः** लेन्य मन् है हैं द महल महे कुदा । देह यह पण हैं व कुब स कर मबुनका । अळव हेद धुनक ग्रै मन्द मु र्व दुक सूम मकुद्रादिर केराब व्रेंद'य'ल हे नुनाय अर्थेट य र्दे हद'येल गुद अप्टेंद र्स्ट हूंद'केद' या'लब'' मब्दि खेनाय रे.स पोत्ररी देश ग्रेट ट.ज श्रद्ध में संघ्रि श्रेट ता प्रये देश. क्रमान् म पञ्चनमा हे पर्वापत्र क्रमान्यक्रमान्त्रमान्यक्रमान्य चंबिंद लीचेश रच उत्तेशस श्री.च७ श्रीच अ.टे.अ.वेंदा विटे.चर थ चेर चंहेश. कु के क्रिंट पहुर्व त कुर्व सू टेनेश सूरा प्रतिश्व सामिश पाया सुराजाया. त रेट तृ. हु पश वश्य वर्. जय कैजा पड़ है . जो है . च केर न वर्ष. अप्रेद'य केद'मॅ' के पर्सुं ८ ५ पर प्याप्त विदः श्वाप्य सर्वर प्रसंप्याप्य वर्ष हिन्। विवर्षाय हेंस्पाराम्बर्यान् अष्टितायते यो नेवागुवानीयान्यान्या

न चुनाहै। बन्त पर इसारचीय है सर न्तीय स्मर। सहन द्याय यून मदेव द्वेद तह मिन्य मन्द लंद्य की कुल मा सहय कुद त्वेल महें वर्ष्य निष्य निष्य तिया देवा निष्य वर्षित वीव वर्ष भेट में वर्ष निर्य प्रमेर महि मुल सका किन् सरेग मुबुद में हिंगुल म संग्र सहन हेटा। मुबुद क्रद्राचनार प्रवेद सब न्यार पर सहर त देव क्र प्रस्त के प्रस्त विष प विद्रास . .. मन् महे माल मामन स्रामुर हे दुन्य में लेन्य मन् क्षेट सन्य " मन् मु'इवन रेम मर मुद्द दिद । अयाणी वु'म मुल म'द्रम्व सक्रमा प्रदू लग (कैं 174 व) न्यत में मार्च मालग खेट या। मास खेव लग महिल य न्ट परव स द्वार पुरे तेन्व पन्द्रहे अदे दिंद सूद रव हूं पद्व पर अहंद ' ला वित्यर हे.र्मु यस अह्र अह्र र.र प्रह्मा हैंग यर रचट स यस मह्य मेव। टीमात क्यामी रेचट हैम मुख प्रीप देंग चर्या मर रूंग केद क्षा देशक तथ हैट प पहेंचा पहेंचा है लिए हैं सहित हैट व देश हैंद है है हैंद नी पन्त लिटः नी कुंद पार्बिनसः पसः नेटः सटः नी स्नेपसः देशहः पन्तः मृत्रेनसः सुरमकार मानेर गुरामन् कुनारे रामार्म कुका का कर मर विराम विवारी। देशक्राम्य सुवाकानुष्टानम् र्ह्राय वद्रीय निष्यानी मुस्य साय केर य सुवाकाद्रार्टीः मु चन्द ब्रांस चर्नेद च लेब्रचतर नेब्रचर मुह्री।

प्रकानित्तिक्ष्यं के स्वाप्ति स्वाप्ति

## 3. 劉ロ·ロ恩フ·カロ・オスページ・ミュー ロ・ロギフ・ロル・オロヤー

प्रथम,क्की, प्रकृष, श्रीयः ताष्ठ अपायः क्षेत्र श्री ।

प्राचान्तर प्रकृष, श्रीयः ताष्ठ अपायः क्षेत्र श्री ।

क्रिट्या प्राचान्तर प्रविद्यान्तर अपायः प्रयाप्त प्रचान्तर प्रचान प्रचान्तर प्रचान प्र

म्हेश्वाय संमहिता नेतान्त्री ब्राचिता व्याप्तिस्त्री । ज्ञ्चार्थः व्याप्तिः विष्यात्राचिताः विषयः विष

प्रवेद मान्य प्रश्चित मान्य म

न्ध्रियामात्मात्वन मञ्जा मे दे । विका निव्ययक्ति अप्तिश्वयः विवयक्ति ।

निश्च द्विताल स्रव निव निव त्ता की मितानिव स क्रव मा लि नि हु मूर महि मा न्द्र द्रम्य सुरस्य व्यास्त्राच व हे प्वकु द दि प्र दि दि दे है व व व व व व व व व व व व व व व परकात प्रथम क्रिक श विष्य प देशका रेट । पूर्य वेशल ह्विश त कृष मू.रंश. ळॅस गुव्'चे षट'हेट'वरुद दु'देश'य'ह्य स'बे'दन'ने नदसर'झॅर'स सन्ह र ना हुन जेंल में बर्ध कराना नवस में अ के विच ना नहिला विन सरा नियं प्राप्त हैं। के'नुस्रक्षम्वरादेर हीय वह वृद्यान्यान्याम् केन्याम विवादाद्य काः.... केद्'र्य'स्'षेस'कर्कद'केट'ठद्'प्रे'म। केट'केट्'म्ट्स समारद्यायास्यः मिटा कु 'रेबाय वर्ष कुरायहवा बढेबल खा लेराया कु 'सं रे हे ह्रा हा में. कुरं त्ता चेश्व पर्यवाया विषय लट. हें. ए हैं। के रूप (क्ष. 122 प) पत्र. **८ तुल पार्ट प्रमाय पासुल मुला में लाल हैं व पार्ट में व पार्ट में व पार्ट मार्ट म** खिसामर बिचस ग्रीसाम्बन्धस मेटारी मन्। वस्तरा हिन मन् सासु ग्रीदा ग्रीसामा प्रचित्रा श्रीय स्वाप्त य प्रवापत य प्रकार प्रवापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्व क्षेर की अट. इट. च हे बेब दे ट.की अर. त. टेट के मूर्ड पूर लिख. चैंच त पक्कि पक्किर हा मेल समान्त्र इनामान समान्त्र है। हिंद्र मुन्न मिनेनायाय है। अधिर ४ में. हेर सं श्वीय वींच त द्वा स.चर्चाट.च प्रय.४ ट्या वींट हू.। ।

 द्वाद अव द्या वस्य उद् ग्रांट हे नगर दगा हा गरु स स्वाय मदा। देशम भैद'नु'स नायम'द'मुल मॅरी कर य सम्स'मु देनाय यस'हेद स सकद' हिन् ग्रै केंसाय ह्यान्या अकद संख्यायान्य हेदाराचेयाय महेद दय बुसा पश चर.रें धर ब्रूब प ब्रिबानां रे ब्रिंध च कि.च के. ब्रैंटे च ब्रुबंध रेबंध व कुर. मान्द नु पदिया पदियाम्याम्याम है भु का पिता दि । तनु पदि पदिय मु पुर विंद केव येर द्वार रय हैं है दि यद अहल है ह्वाय व केव यें " Rपुअ'ध्रम हुन हु कै'मबैदि'र्देव मकुद र्वेम सकादे हेद तु हैनल **ग्**ल तुल''' मह म में न्रें म मुन म में मिर अर्थेन में मुन म म नहें में न नु में म वय पर्य म्रा स्वाक्तान विषय में माने वर्ष में माने वर्ष में स त पहेंद मुल स क'प रॅटर्नु बेपराद्य मुल(ल 176 द्)रॅटर्म्निल "" वर्षद चेर न्मद पर पणु से हैट में। क रेट स्पा हे वा र जुना है नि न जुना है द छ नेवा झुरालुदार्रदानी विनाद्वर दर्निवाईदारु खदानवा वार् लार्स् नया केद्र मिति केस नायुक्त मा द्वाम लारेकाया सरामा मेदा। दे र्न र्ट विराधर श्रदाक्षा व समामन्द्रा मान्त्र विदायमा दे अभयाप्तराची पर्वयस्ययाप्तरपुर प्रवासायदे कुल श्रेद्र व्यवस्यया प्रश्नुद्र धर'सहर्'है। दि'लब'र्'क्ष'बेसब'हे हट'खेन्य र्टा कर्रे'खेन्य सु' म्प्याप्त प्रियामे क्रियामे क्रियामे प्रियाम प्रमान प्रमान दे द्वार देव यर प्रकृत दे १९८ मे १९ सुद दि दे दे प्रकेश द्वे व र्षेण्य स प्रमान प्रमा परि ।। इथा वर्षा है अर्वे अर्दे विश्वस्य सि है विश्वस्य सि है वर्षे विश्व दे वर्षे विसंपुरपक्त गरान्यकुष्मानीक्षयान्यवायन्यकुराणुः वयाकेसावयराया हे हैन गुरा होया प्रदेशमान कराया करायां । शिर हेंद त्यस पहुन प्रतास कराये चर,दे.पूर्,पिस,चीन,स,च,देबो,दैद,तपु,बोरंबद,स,बु,पूर,ई,ई,बंब, १, १

ग्लुबाम दे। ये अ १८ में सद ८ण र्दि सुदि पर या। दि मझद हार कुवं निवाधः राम वाहिश्व ताल प्रदेश। । प्राष्ट्रिय के प्रवाधि वाहिश की व ४६४. लिया में रहेते में पार्टेश पा श्रेष रिव्य वे भाग भा भे ए प्टर टे रहेत हे ३८ पन निहा ञ्चेष उव हैट एहेव चन्न में ल ह्रेंग्य म छेव में अब हम हेरे मानुस्य म .... मक्ष्य प्रसंक्ष्य प्रद प्रद तु देवस्य। प्रमुख सं हूं पुत्र सेमस हे हुं। त्युर परु 'ग्रुब पञ्चर। १८ मैस पग्र' पञ्चि स्य त्रं 'ग्र र्पट धुन स प्रवा निः प्रकृत ग्रेर पुःग्रम्य प स्र य स्र कुर कुष कुष प्रवा पर्व हर .... मग्रि म्यु पुर प्राय्व विष्य हैं मार्ड्व ल ने न्या में अव म्या यावम् स्य है .... चड्र गुट दिन क्षेत्र चाँल। दे व्याक्तिया विट क्षेत्र विवास देस यर पक्षित प ल.चु.भ.ड्रेट हेन हैं.चेर्चयात्र.त रेट । तर्थे.पत्र ४ चुल क्रिय (थू. 1290) तर्थेड़. निरंभक्तात्मी स्वितः एम् हित हैन निरंद वस वहेल हे हैंना से रत हैट है है र्टः सूरु मिला स्था पूर्वा सारा योवटा। इत्य दी स्थ प्रचीर प्रथा सापा मदसः यदे गुप्तः से अस गुना । मु 'अद्वेदे पर' नु होल' पर' मे ने नि । हेन सुर चर्षेष्रचालेरा ४६वाडीटावियातराडीलाचहालेवालवासहर १८ वसाडीटा हिमा देवः मृग्वः मिरः इतः क्षः दुर्णे स्व मिरः ग्लादः व वः खुरवा धुः सव गुदः अमेद्र दे अर रें र बेर ल ज्यान करा। दे हैं र ग्रैय गुद चवट द्वें दय परे व्या द्यापर्तापति प्रमृद् पर्वे स हा अभागता हैन स्पार्थ भारती सामार द्यां प्रदाने व सहर केदान्द्रद्या हिलाम्बर्स क्रिया स्वास करा हे सर्राव्याम् वायरवाणे खटायार् रासुरासुव्यारे यदवाम्बटाया केटारा चोहेस्यनर हुद्रामादेस विमाहरामस्थानर सहन दें। ।

मिले 'म'दे। तर्य'म मिने क्रीर स समित मह्मय केद में या चल में. चंद शूंच न्यं चलें.लक श्रम् । अर्. न्यं म्य प तन्त्र म श्रम् ल वु खुद में अर्रे पाले पद देवे सब रेस बहुब य सर्वे प्राट मन्द सद " ह्मान्त्र प्रथा। मनेव हे मनेन खम के बेल कुल महेंव सामह स्र कुर मह निवेद भूराम श्राम निवस दन अवतायस मावे हर होर ही सम .... माद्य म मुन मिरे शिन द्वंद माद्निय यहत मुन मे नेय देव में केय मु मार विच पर्वेट बच स्.रट प्रश्च कील भ्रेटा चल स्.च अ हें रा वि.चंद्र श्रूच. न्यद के परंद क्रेश र्याव शव हित्य हे होंस प सब जे मेंब न्पट हुना " स्वीय बिवाय हार ही सन पाली हिट तर मुद्ध सन प्रव वि अक् पन पक्षुत् केद विवेश। इन स्निम यथ में के के नि निहेर दु से पर महित् हैं। । स.त. है। श्रुष्टिल अट सर. वार्ड म्यूर चुर चार वापा। । क्र. वाहना म्ब्रायाम्ब्र (के. 122 व) वेश हैट स् रेट हेट । रिपूर्व हें वे दे में मुन्य. 원도성,신는 덫,권석,회실이 |大는 결소,회실 선근하여 역명학생 및 내업은,너 없네석! 다크드'에 다자'의 조气'다음'겠다 다히 다뤘다하 | B 어떻어 두다'며다'는데 영자. म मार्रि में र मुद्र मिर्रि कुर् हैं र स् ह्यूम हैरे मान्त यता में के दे रिंग् सर कः विनारिव केव क्रीयान्यतः हैताकुर महीरामिर सहर यय सहय समय मेटा त पश्चर्यातालवाती। देश हे हे खेन पर पहुन म र्मन सर मानुना मा ननश् नर टे.पंरेनयरल ननश व.भ.बेर.ज ननश हेय नेरेश टे.बेनंय मान्ने नाश्चान हुन गु न्त्र राथ श्वा न्य नि न ता में सा म् र जोम र्रे में हिट हिंद रेट महत्र मा हैद नकेंट नेट्र मर मन हैं है मन्द्र'मिन्'द्वर'विद् द्रायहरू मा । वृद् ह्यस'द्यर'में हु में प्रमुर'यवस' हं ह्यू र र परल या अन पर्वेश क्षेत् ह्यू प कु के में पहल खुर इन स्नाल र्द मरुव सर्वे । दें त्या श्रुंच सर्वे न्हें 'में 'द्राय सर्वे चकुर् र् म्नेव स लय. स्वा च्रार्पाल में ला पुरा में या विषय हिंद सरया मुख ला में स्व ल मेर्स्य संअधिरंद्या प्रदेश। लट गर्वे प्रश्ना अपिर हैंट में मी मेर टें हैं वी मींप. ति श्रित न्यव कुंगा र लख अट न्या में क्रेस श्रीर ह्याय पर बुया। याहेस सु अर्पार के मेर की मुंचुया दे लय पकुर दे प्यार रम में खनस की मार्थस य इविव गुर द कृते यर तु पुर य दर। अं ले व पुर में श्रीय व हर में व रम सक्ष्म देवे श्रम स अट से नेय तमुद न्या दे 'यस ह ह तर म के मुँद प र्ट। वाबद यह शहद सुरी र्पट में स श्रीम र्पेद के द मस मुक्ष पर मान्सस प द्रमस वस वस वह माहिस पहिस स ही प वस न " हेर पर.रे.पर्केट.तर बैट च रेट । चिष्ठ लट छे.चेड्रचंश थ्रट अ मु निर्द (से 177न) रेनाब लब मुँद प विश्व प में क रूट र्वाल मु बेट ने हुं ल। ह स्दर्माय मुन्यर हुन नाम के र्माय मुन्यर हुन रस्त के दियल के छे मेला मा १व दयल दिवस्यां देव सह है यह द सम स्वायार् अ श्रीय न्यंद केद यं दे द्वा वीयाहेय सुप्य बुद्ध हिद्दा हिन अहि मुपार्वारियारीय रहेव प्रकृत धर पुँच धरे पार्ति रघव धव पायर अरे थाँ। द्रं क्रेंच सक्या वात सं के दिन दार्दा वालव लद दे दिवा वी हैल से क्रेंच. र्वाण की निष्य वी रूट इंश कूथ की धवट हो। ही, है, बैर हा कु चैकी परिंद निवस विर छट. पुंस राम सन्ता । नियह प्रति ही लिया प है। विर पालेश न्द्र मासुक देव तहेना हेद द श्रुद यर मानाव यह नार्ट यक्त हिंच यक्त . स्वतः प्यत्र या अवस्थित ही महित स्व हैन सुरत महित केव यह ही या बसाळेंच कुल महेर मन्म हीट यह महिटारेमब है स सेराय न हिते मरानु मुन्। रत्। रतिप ४ वर्षात्र तार्ताल रता। ग्रेच अद्विर क्रवे स्या श्रेच अतः हुन प दे। अळॅन न्हेल हीर पकुर दुल एवं द्रायाय सन्या न्य अधिव रुष विव श्रिमः अर महल म लेका । निय अधर स्माय मस्य स बुम कुष यर सहर। । नितर तथनाव य मर्बेर बसव वसव ठर हर मह हिन दे तहेव की अर्' (भवा ) है अ' बेर्' पारे न्वे पाहेर् केव तर्द् पारे पुर हुत शेवन प्रात सेवन प्रात के व में इसन ग्री पहिर दे पर ! दे सुल प्रा भैद दम में बद तु यहुन य दना केंद्र दे। मुनुदल दद। केंल मु क्लें अधितः ष्य र होन्य प्र र्'पुर्य र्म जुर (कें 178 व्) स्म रृ'र्दे स्थ सर रखुर" रा । देव रता हु ग्युत रंभ पति सर् भाग गुता तथा प्रमुद् पते हैंया मुन्दरा । युन्य वय युन्य मुन्दर दुः स्वया । यद व यः भेः हैद सरः मु। है । धेर खु । हे पल ठव लगें। मेंदा । देल देंव द्युपल पर त्युर हो । दे हुर छ सिट कैंव भ्र पेट्टी । दुल स ल स्वांत कें. कुर पंत्रीत्य स हेरि 💆 🞉 मेव कृष सूथ श्री. क्वा. पश्च. क्वे. श्रीश वी. पविंद तर प्रद्रेश विंशः क्व ह्म नाहेर श्वाय नाहेर ग्रेस सर्हेद पार नाहेर निर्दे रेनाय पर्हे प्वज्ञुर स्वा विषया में निवास में किया में बाद वार्ष में बाद वार वर की में व वार है র্ষ্ট্রব এম'ল্চ্র'ল্ড্রেম্বর্ট্র'ম্বর্ম'নুম'নুম'নুম'ন ব ব ব বি ব্ল শী ক্র এহ त्युल पारेन तहन बुलापते हैन कर्मन हर रल है अपूर बेर। गुरु इयानु प्रत्यत् हुना हे निर्मे द्वार क्षेत्र अक्ष ना निर्मे व्यवस्था निर्मे त्या स्वार स् 네네시다. 그다. 이 시스사. 다시 늦고 등 기 등 시 다 한 사고 있다. 하는 하는 한 나이

यक्ष प्रेष हीर य वकुत संपार संराणुर परि हीर यह अळव ठव तु सः।। क्सस ८८। प्राप्त हेव स्ट्रिक केंद्र केंद्र केंद्र स्वाय प्राप्त केंद्र स्वाय केंद्र स्वाय केंद्र स्व र्श्वित्रय देशव रहा। पर्त तर्ल बुल एव र्दे हे 'गर्डर सूर'वुल एव हेर मुद्रम मृ मान म इसस ८८। केष्मिय सह सहर श्रुम पह स्राम्य रहेरा हु। 5萬·녹·용·차·본·저정·지 최도 동·필드 디 드디어·명리 최작·친·드리·디본 제 조 한 젊· मूंब के क्यानर एवेंल च श्रील नह बोधर होते. के क्या अधूह ध्रमूर ज्ञान श्री वारा ल.मैंबे.भक्ट्यो.मैंन घट्टे.कुरं श्रीटात श्रूपेश रुभातर त्रूपे. मेंच श्रूपे क्रूपे..... बहें न् के ब्राव्यान्त । बुंदा में ल न्वाहराल में न्वाया है। जें प्रवस्त विने हे हा ब्रांश च चढ़ी हिंद ब्री हिंद तथ कर रें हिंद न होता है रें ने ने क्र अंचर ने हिंच बःच्युन् बहेद्रान्द मरुषायशनुषाद्वायी।यासर न्यायवे केषावहेद्रहेदाः R दुल' अद्हे पद्मद्र'या शे प्वबुग्याये प्वत्य खुल्टा म्वाया स्वाया है र हे · · · · · · वेग्(कैं: 1780 ) परे पहुन्य मिल पु मिल पुर हो नुप न्र खेट कुन हे लर्जे: नःनिर्वार्गवरमात्रवरार्गाः ह्राव महास्वारात्रकात्रकात्रमा हिता र्दे! ।र्रदः इत प्रदे १५४ वयर किवस क्रिया है। वयर व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य स्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य वि न्यंद'पञ्च। दस'स्परि क्रेट'यं। पृह्नैगङ्का ८६स'पयस'पस'रप'ग्दस बह्र-पराम्यावरानेनाम् निराम्नानाम् विराम्यान्यस्य विराम्यान्यस्य विराम्यान्यस्य विराम्यस्य विराम्यस्य विराम्यस म् । विष्यातात्रवात्रियाः प्रविद्यात्रक्षात्रवात्राम् विष्यात्राम्

न्हिसंस्टान्त्रात् प्रमुत् सर्वे स्वाप्तान्त्रात् । स्वाप्तान्त्रात् स्वाप्तान्त्रात् ।

त्रुष पर पद्धव में बहर्ष प्रतानुष्य मु स्थापि क्रियामु झे अ अवत र्म देवे वटारु पद्धव पर्षेय केवाम अहर्षियामुख्य मु स्थामि क्रियामु झे अ अवत र्म देवे वटारु तर्षेय पर पद्धवाही ।

प्रेशिया सम्बुद्धा देशे प्रमार प्रमुत् ही। हो स्यापार प्रमार स्था ।

प्रस्तान विदास में स्वरंत क्षत्र कष्त्र क्षत्र कष्ति क

त्यारावस्य स्ट्रांतस्य पश्चित्रं स्ट्रांस्य स्ट्रांत्य स्ट्रांत्य

यक्ष मृहेक महिक व पनु दं मार्ड वर्ष मुर महि हीर महि अकद उद पु अ " इसस न्दा में प्रे हिस तहुं उव संपाय मुद्र पानेर ता सदस ब्धिन म इसन नदा मनुन तनुल बुन एव हैं हे 'मुर्डेर' चुन बुन एव हेर' 5절·자·영지 본 최조지 최도 등·별다 다·독대대·영리 최저·전·도저·대본지 표저 한 됨· चूं थ के के प्रमान पर्वेल प श्रील तप्र बंधेर. पत्ति के के अप्रुप्त प्रमार प्रमाशीन व .. अहर केद्रायान्ता अंदार्ज्य द्रमाह्यामार्यम्यायाय झें तयर त्रेत् हेंद्र मुँल च चढ़ी हेर ग्रे हेर लग कर टे चिंदा चार होता है रे चे में क्र चर्ना हैं च व्याम् मु तहित्र्रा मक्षायसानुसाम् मु भु प्राथमानुसामि केंद्रा केंद्रा । त्तुवः बर्दे तस्वाय वे पर्ववायायिः नवसः सुरुटः नवटः स्वायः हैं हे · · · · · · ः चेग्(कें. 148 ने ) तप पर्वें तत प्राप्त विस्त्र विस्त्र विस्त केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र म निर्व नृत्राच सवर नृत्रा मुवापतर विदायन के कि विदासुद कनान म हिना र्दे। रित्रः इत्रास्त्रे १५वर्गवरः इत्यवः ग्रुप्तावरः सम्बद्धाः स्त्रान्तः । बह्रायर मुन्य मेराम्नेर मेरायर यथ कर रही थय पुरा में रें उ दा वै अ । भद मा है या मानु पय । केद । में इस य रेश पर पुर मानु र य ।

महित्राया पक्तुन्यति इस्याम्याम्य प्रता । इस्यादहर्दामा पक्तुन्यति इस्याम्याम्य पर्दा ।

다는 전, 일 등, 단점, 현, 夏스, 비용소, 현소, 비율소, 연구, 나의 교육소, 연구, 다리 교육소, 연구, 다리 교육소, 전 교육소

मु ब्रिंद'न्य ब्रिंद'म् । प्रमुद'पर्य केद'म् बह्द दयादमापद क्रव मु ब्रिंस सम्बद्ध न्यादि दट'रु' ८र्य'पर प्रमुद'म् ।

प्रियाम प्रमास्त्रमा देवे मण्यः प्रमुद्धी चे मुन्म मण्यः प्रम्थः कुरिकार्ता प्रमासम्बद्धाः स्थानम् स्था।

प्याप्त पह ब्रिन्थ्य के स्वर क्या मार्ग के प्राप्त क्या के स्थित पह ब्रिन्थ स्था क्या के स्था के स्थ

र्यार.पाय.ट्यां, पाडेंच, क्ष्य.पजांत.खंया बस्य. स्था पक्षेच, साझेच, रायांच्यांच्यां स्था स्था अव.स्या पा । पिलायं कृच.टी. अथ सेस.क्ष्य पायांच्यः हुला । हु. स्था पाटेच, संचा पायां प्रथा प्रवेच, प्राप्त । भी. अकुट. पार्थ अ. सूपा, पांखेंस. पिलायं अव.स्या पा । पिलायं कृच.टी. अथ सेस.क्ष्य पायांच्यः हुला । हु. न्यनः रहेन हुँ व कुष पर रहुन नव क कु प्यार मकु न रहे । सा रलयांच राष्ट्र हैं .तबुं .रंट । इस हैं .हूं र मंबंध है है .कूं स परें दे .हें दे .वी. मध्रद्रायदे मन्त्रायात मान्यसम्भव माळे खेल मान्य म मुद्र खेटा मुला प क्षेत्राची श्रेष व श्रु अकेर नासुव पु गुनाब प त नाबुर। प्रवस्तरमा वदः त्या मे प्यार द्वार केदः सं यासुक्ष मु प्यार प्याय वया देया दे पासुक्ष मु प्याप्त रह्रदे रहत्वचार कुर विदार किया श्रेषय निवार कुर श्रे क्वा वह साल चार या पी. ब्राच्चेंद्रंद्र प्रवित पान्नेर्तापृ चेट क्य ग्रै.पन्न पन्नटाञ्चेषाकुटान्यस्थापर ... बर्द र्दे! दिः स नुबुदः दे। क्षेत्रः क्षेत्र द्र दारे नुबुदः। वाकुदः हैदः देः ल्ह्रद् कु मुब्दा मञ्जय हुँ र हुँ पर मुब्द है मुब्द र हु म मे प्रमुख ८हर्नायः मृ्त्राद्धर्वे कर्नावलाल श्वांचात्रात्तरः कृष्ट्वा बुटालचेल अवायाः वृद्रक्षरः। नरःसदेः श्रमः वदः वदः वदः नपु वः श्रृदः श्रुः ग्रवः ग्रमः ग्रीयः द्यायः इर घर ने द्वंद पा पहिता १ दिन ने पा पर पहिल्या र्ख्याचित्रकारवाराची श्रिम कामु एला म (का 179 म) श्रेन्य । यस होता है । मान्य म् वे वेन ने ने व के निक्ष के निक्ष कि निक्ष के निक्ष के निक्ष स.कट्ट.त.चाबूब.वे.चील.अष्टवं.ल.चर्चाल.त्त्वाला ट्रेस्ट्र केव.व.च.च.इवं.क्रवं. कुल अळव 'ल नावटा। वेब इर घट धान विंद वे वे वे ज्ञान की पर किना पकुर 2.बहरी ट्रंबबाक्ने.त्र्ल हे.इब तर.पक्नैट.त.ल.श्लीबी.त.त १.छबे.लबा र्ममान्द्रन्भमान्द्रेरामयान्यर्भे हुन्याम् कुर्ने हुन्याम न्ता सि. क्ष्यां से वेश्वां का प्राया वा प्रवासिकाता विकास वितास विकास व न्ने'व्यावाता व्याप्ति ।

निश्चमात है। तिनाना दे मीया अवत स्राय मिय स्राय मिय स्राय मिया न्त्रात्रकार्वित्य देवारस्था द्वराचात्रा ।विवित्त संस्वाद्वर पहेदावितः न्त्रम् न्यर मन्त्रम् । यिन्य म्रापे रहेव यह न्ने यह यमेय नहेदर 출하.근화,는, 욕해,로, 보는 남학학 젖는의 이 취급 용는 근실적, 대석의 교도, 남학생 ..... न्त्राणुद्रानु के करारवेषान्य। ह्राष्ट्रिना इवायदे स्वायाय रेस मे न्याया त चेंबर हैट हिंद इंश वंबस वर की इंच बर रे विदायन बहुद विदेश वर्ष की नुपामवत् गुद्राय विपामित् गुद्रा। वि पुर्यार्ट म्दारहेद्रायरे हे हुटावत् ७ व्यापायाः स्वरायाः व्याप्ताः व्यापायः विष्यः व्यापायः विषयः वि पाश्च पर्द्वनाय पर्द्वा अप्तिरान्दार्या र्द्वा विष्या दे बदराय र्द्वा मान्या विवास न्नानं प्राप्त द्वार देव त्वार विकास विकास के वार के ता के ता के ता है वा के ता विकास के त न्नात्रय न्युद्रायते सुन्या गुप्त न्युत्र म्युत्र न्युत्र न्युत्र न्युत्र न्युत्र न्युत्र न्युत्र न्युत्र न्यु ॅ्व'अव'र्ना'तृ देल'म पुर्र'कृम'शब'रेब केव'मॅ'श'न्द्वस'मरे ञ्जन्तु''''' च बुद्राच वे प्राचीत चर्त्वय प्रवर्ग से र् स् हे र् से र् चे प्रवर्ग स्वर्ग स्वर्ग वा व त्री विदास। न्याय त्रीते मुंकि चरि विद है निष्य गुमाने विदाहें हा स ५वु'अ'य ५८'ॡ्रें म्चण'युच'ळेब्'लब'ग्रै(कें' 180 क्) ईं'हेब'९६अ'५पल'५८' न्यान्यते प्रमाधिर बुसायेव द्वार स्वय स्थान्यता ब्रीटा वार्डना स्व व्याप्त **ฏิสาทูตาลูตานล้านสุดามายาลิกุลกุลาที่วานารูา**สูดา**รุตตาลมา**นารุตามา न्माय ६९ म्हेस्रस्ट परि म्हास्य म्बद्धार्मे स्वृह्य यर खुर मेस्रम्सरम् पर्वं पर बेटा। अहर्ता त्रेवं लब ग्रीट हैं हैवं के ए विवा बूब लब हवं या ग्रं मंद्र चुर परि मह्द केद पर्वेष मह्द मंत्र हुरे ह्रव द्वा पर द्वा पर द्वा श्चनः अर्थे र्ष्ट्रन् १०६व मा न्येव स्थे खेतवा पत्र प्रावे प्रद्र भ्रम् र म पुँद्र परि भेद्र भारत है कुर्द प्र केम मेद सर्वे ए पुँच्य में स्थान सर्-रद् सन्य कुषाग्रे पद्व पति गृबुग् रिनेर सन् वी पद्व पात सिन् वि व

चिन्तर हो । विस्तित्व स्था । विस्तित्व स्थाय के द्वा हिते पुत्र स्थाय के प्राप्त के द्वा हिते पुत्र स्थाय के प ति प्राप्त प्रमुखा के प्राप्त क

पासुस स तस्य ता मकुन सरे इस मुस्य मन् सर्। । अन्य क्षेत्र स्य तहेव सा मकुन सरे इस मुस्य मन् सर्। ।

र्ट्या दे। चे दु सक्ष क्षेत्र ब्राय समाय तथ क्षेर र्मा । वि केदा रहेंन बेर मण्र मम्बर म्रबर महे महुन। । में हुन केंबारहेल हाम बेर 다 드 다 1 8 다 팔 드 여러 점점'다 는 '독 미지시 폭러지 합니 다 기중' 다 도 미 정도 च्च तम र्ट त्युम'पुर परमा । दल त्युँर'र्**प**ट धुँच तहेचम युल र्पल ह्य क्रम हुँद दल गुप केंद्र में हुंप देस मुण्य म ने केंन् हैं में मन्य केन … वस बुल परे न्गुल रहिर नु'न्यद यमुर। स हुन परे हैं नव प र्येय दस ग्रै'हें है है कुर नसुस्र ल'नहेंद दस नर खुनस दन में 'नदे र्द हु हैं हैहे '''' क्रिया मृतः पञ्चल द्वितः यस सम्बद्धाः प्राप्तः यान्यसः सूर सहिन। याप केद सर्व क्षेत्र ब्राय पुरा ह पक्रु पह्ना ग्रियाय पहेद दय पक्षु राधिस वा । तह किय रेगी। ह्यंस रुष बर तृह के ख़ से तेह लग सूर अहरी। स्वीय (अ 180 म) वित्य वस तथन्त्र म शुः क्षुम ग्रैस तर्तराम सामहेद वस मुद्र । हेर ह्या क्रें स बीच ही पत्र क्रेंस सहरी हिंद हैंय बैट हा क्रेंस हिंग की महेद'द्र छ्न कुदे भग प्रत्य सुर्हेन्य महे भग क्रिस महिन हेन हे' मन 출독 [파'출독'에 따라죽'록적 다전적 회 [말다 퀸' [시전 취 도 최본도] | 독대'전 다전 다른 अर्ह्मे व पहेंद दस र्केंस य हैदे सम र्सेर महिं। या नी द्वर धुन विमा मुबद बर्ब से पहेंद्रवस धुन् केंद्र के ने किंद्रभित्र महर्म सहित। दन सं ७क्ष.प भूर.तस्त्र किर्थ भ्रम.र्थाल पहेर्द्र स्व स्व.त् स्ट पह जन सूर. बहर्। रे'इर लब क्रूर र्णु में हा केद लड्ना है लें हूं म पूर्णु में केल म्मार मनस है। रस्म नेस ब्रम सर ध्रम रस्य नेहें म लस परेल मा लर हुंवा नाबर रूनव कुं कूंब द्वब कर शाम्ब तर पश्चरवा अब सूर स्वाय निरंभक तम देशक न प्राह्मार निरं निरं हे लय ब्र हे निरं मु.है तथ मैर भी तथर त भुध.है.तर्बेशत रहा अथ हव हव क्षेत्रवर्दि अञ्चल तेव भीव मुं कुल य नर खुँ पल नव य य य य व प्रवा ने से हैं कि है या देवालाल हु हैं। देवान या इस या नाम्बना दे हैंद वेंद दु यद नामुक मुँब,तारु ८८ सूर् सैयब ४ सूर्व थे ज वेट्थब ८० क्रूटब खे हूर्वाच त मुँब .. हित् तर्ने वि प्रमुख स्ट सद निय श्वास सु मान्य स्। । तर्न म नेत सर सस रचंबा, बुंब सूर्य बें. चेंबंब कुंट । मूंट श्रूष कुंव चचिर, ज जबारचंब है व बियायाय मा । श्वीरासर स्वास स्वाम प्रसावित वियाधी। दर मन्द स्वास हि ब्रेन'यह प्रवृद्दाप्तिय व्यव्यक्तियम् व्यव्यक्तियम् व्यव्यक्तियम् प्रत्या है तब बिर्य त अहरे त रेट । वर ट्रेर है यो के वर प्र अह्यां महैश तर में वेशत स्वेश विर तर उत्रवंश त है. ज वेरेशश टवे. की. अष्ट्र. है. मुः च बु न्या परि च परु द समार्भि र द मु व दे दे समार्थ द द । कु मार द स (स 181 व) में न न् मुंब पर अपिया में नुगाम क्रेंय महोस ने बुबायर मन्यय च्या अर्रम् कुर पञ्चा धुःर्भाय्दा स्युट प स्य रहिया। है ८हर ब्रम्थ में पर कर अंगापान्य विमा हिन हिन पर्मा प्रमुख वेगा मिर्माश्राह्म प्राथित इसन ६८। यह अधु द्वित ६०६ धुना मे हैं समान्त्री. मालाकु न के प्रमुद मानेद मु क्वाय प्र । अव प्रमानिद मु प्रमुख मानाद । देशकालालायहा देशवाय हिंदाचा देशमही देशमा देशहाला में देशक वृत्तक्षा देशदेवर वं दें हैं। देशक वृत्तक वृत्तक वृत्तक वृत्तक वृत्तक वृत्तक वृत्तक विकास वितास विकास व

मान्यस्य प्रमान्यस्य कर की मान्य मान्यस्य प्रकृति । मान्यस्य प्रमान्यस्य कर की मान्यस्य प्रमान्यस्य मान्यस्य प्रमान्यस्य प्रम

मिन्द्रस्था मिक्नु र् अल्लाब्द्रस्थ क्षेत्रः मिन्द्रस्था स्थान्य क्षेत्रस्याः स्थान्य क्षेत्रस्य स्थान्य क्षेत्रस्य स्थान्य क्षेत्रस्य स्थान्य क्षेत्रस्य स्थान्य क्षेत्रस्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य क्षेत्रस्य स्थान्य स्थान

अस् सूर्य तात्तपुः चूंका तीट कुर्य अप्रया की क्ष्येट ता जावा । एतुंट टे. सूर्य ता कि अस् स्म ता तापुः चूंका तीट कुर्य अप्रया की क्ष्येट ता जावा । एतुंट ये क्ष्ये का विकार कुर्य अप्रया विकार कुर्य अप्रया विकार कुर्य अप्रया विकार कुर्य अप्रया विकार कुर्य जावा कुर्य कुर्य अप्रया विकार कुर्य विकार ता विकार कुर्य विकार विकार कुर्य विकार ता विकार कुर्य विकार विकार विकार कुर्य विकार विकार कुर्य विकार कुर्य विकार कुर्य विकार कुर्य विकार विकार कुर्य विकार कुर्य विकार कुर्य विकार विकार विकार विकार कुर्य विकार विकार कुर्य विकार विकार विकार कुर्य विकार विका

देश रेष वंबारत्रत पात व्याप्ति वर्षे पर्केर पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मकुँ पिलट शूँच यूज ग्हेंच हो। बिल स् वे हे रिव्वि स प क्या गुै कुल स है। देह श्रीय अ अ. श्रीय वीवाय कीव स्वाय वा वर्केट व रह। स्थाव अ श्री पह हर बरावया हर है के मानल ल रखेल प महिला के पकुर दे कर हुव ब.अ.क्ष उत्तेर भप धून स थेट धूना अर्थ सेंचा अर्थ टेबर नाबेट। न्यं द सं भेर छिल पश्च लय रहेल यह सिन्य पश्चा यस्य प्यक्ति। यस्य प्रकृत ल बाह्रा स्रि लिया पड़ियाप देश पी. भू. तियापार जियाया वि. साह्रा स्राया है साथा खन्य-८८ नश्चित्र पञ्चयः। कःनवः ग्री खन्य। ४ च्रानः श्चः ८८ खन्यः। निश्च ना हु त्र गुन् हु पह ति वा । अस स्वर् हु द्वा हू नव । कुर विश्व च हुन पात हुन निष्य है। विषय है। विश्व है। विश्व हि । । रव ह्वा वा बद्राच मुद्द विद् तथन्यायाय मुद्दे स्प्यु दे। । धना मु मे मे मे भी पु है है द में है या । अर लक बुट सिमा जिया है मार् मारी लया । या में ब अर केंद्र र्मा खेबात है। रच रे.ब्रच त.बंट ईंब.क्र्यारचर.बी चर्केंट.च ४हब.ल. विन्यम् नु त्रवाव यान्यव मान्यव मानु त्यानु न्यात है नामित है नामित हर यमाश्राबद रूट के स्र में जिल्लाय महिया के उत् हे प्रमुद्द रूट प्रमुद्द प्रमुख ५व्याह् अयाम्केयाद्वाल ह्वा सकेद म्केयाने सम्बद्धा मुख्य मे मंड्रया:अह्रदे. प्रहेयात:अटालभ हुने त्रु जिनेया वामर. ह्रेच ताचेटा छिन (का. 185 वे) का. वेबा. वेबा. वेबा. वेबा. व वार्यका. तप्ति विवाय हो। दे. के. से. त्रयाविषय स्थानिष्ठेया अद्याचिर्यात्य अप्ताय श्रीय स्थाप्त स्थाप नायुका मझेकामकुर्मनेवा कासनका मही। अह एक विह सनानाईका तकर्।त्युर-ग्रीक्र-(युग्न घठमःमङ्गम्यायः तात्मः तम्यः तुग्न र्ज्ञायः प्रकारमङ्गारः । चकु देशः चन्त्र स्। दि.र्नात्मयः सः श्वै.र्टः ब्रे.प्रह मन्तरः स्त कुः कुर्दः रटः 5'न्र'वेटा दे'लब ग्रद बाबु'मह मानद खेल दे'न्'कृदे'मर'नु नेदानु

५८ दि: कुस स्।।

न्हें य व । विर् धर र्। ।य खन्य हन्य पन् दर हर न्यर य 「지도 다! [젊다 다셔드 요도 요리 따다 전체 오른 4. 됐다 원다! [드립자'는 자 पञ्चेत ह्वाब न्युर के अर्के क्षेर कुषा । वित्यर नुतर वालाय वेवायाया म दे हिं में हे संस्व न्यार मंदि स्वास स हैं । पर्वा हैं पिठेवा वासल पर न्वेग्व सकारहर प्रवास पर्व पर्व प्रम हर हुव स न्विन रम्ब पर्व पर्व पर्व खिट मील मक्ष्र'म हिर मुँद'महे ह्म अर रमल महें म केद'म गुद रमार ''' कुँद सं २ २ व्याप्ति वस पकुँद धरे गुँ ईर कुँद पालुका। अय सँ वस पकुँद यह यदे अकेंग विवेद देव पवट वस प्रमुद्द यह वे मा प्र अमेंद्री। न र न वंश नकुर नह सुन वनश नकु के ल्यान ल दें केव में नहीं वंश .... चकुर्पति म्राच्या म्यानी म्यापर ययमा वित्यर प्याप्त विष्य दिवास हु.पर्यं ब.चु.टी.त चार्.र्जूर कि कूथ से श्रीभ टे ल्या । धारा चारुया में. पब्निय हें 'ख्निय देहे वित्यालय से तर्र पर्व वय क्य पढ़ी। कुर से पर्दर इ.इ.चेर्रेश.में रेचर चर्च भव रचे जब ४ चर्चेर हिंस.चर्च घर्था पक्षा श्रामित प्रमुद्रामित्र मुस्य म्युम म र्यम मास्य। पर्मेर् रूप मनुद्रा हैं न्य म नृष्ट स्दर्भायकुन्दु हुँद्। मने म हदा माहिला छर क्वा छन् मुकेर अर्मा ठव रन पढ़ीर सुदि पर्में र पढ़िया झेल हव की र्व अहर हित र हिल्द न्रेंस सु'यबुग्य धर'म्माया रेसहे यह द'यस्र (कें 182 म) दस्य है अ.रेट सेवंश त मैंल अक्षर अक्षर ल मेंट्यश कि. स.स. ह् इ. ५ हव. त. कुवे सुध, देव. वर वार हुट. ट्वीट प्र.ट. ट्वी. तर स. कुवे ही .. म्रानुबाबुदे ब्रुटामवायम्भवातम् नेवापुः । विकृत् मह देव नवाय मानवदा। ट्रे.बंब.पंड्य ट्रीट्य स्रे.सें.वंष कुरं ट्रा ५ स्.चं.पंड.स्यूचे.स्.कुस.मैल. प्रयाय त.स्वाय. रुभ. ग्रीय पर्केटी ट्राण रिय. मि. भ पश्च विष भ भ थे. ब्रे बिल श्लिम लर मुन्याम केट ने कुल सक्द ब्रे न्यंद में प्रस्त दस्स कुल ' 의용네.비 됐다 의 비심는 단네. 이동석. 다양 됩니다. 점심 다 되다 되다 된다 된다 다... र्ट्र रेचे.पिनंब.ब्र्यंब जरट उद्यय.ब्रेट चक्केंट चर क्ष चेट्य टे बर.केंट च लस न्हें में क्रांस मन्दे मुन केद पहुँ में लस हर केद हैं हे लक गुद न्वतः पत्रः व्यवः वय्वः वय्वः देव क्ष्यः वः के सह द पतः व्रवः व्यवः गु.चृव.८.६४ घर.२.मु.७.७.५.मुव.७ तथ ताल्रास्य स्वाप्य त रा । ह्याय तकर नावुरस ग्रे'न्यशःपायस पर्कुन्याशायसःत्यसः**हरा धनास देस ग्र**ामस नित्। देश कुवासमाध्यम रुदामहिवाया गुवादानार क्या कुलाय हुवाहे नात्या न्गरामाबेबाक्रवाकुदानुरानु त्राविषामित सुन्य स्ट्राय क्षेत्रारेषातहदाक्रा न्वर देर पु र्यं व के के कि व व व व के कि व व व व के कि व व व व कद् क्षं म्लंबाकुलावकद के क्षं व वर्ष दे दे दानुव क्षं दा व के दा तथा कर के द तह. ज्ञा वि. त्या विषय अवा के मा के ति तह का निव मा अवि । पह है । न्तर बुन क्षाय हात कर्षाया क्षाय का मही कर्ष अविश्वाचा केव्या दे द्वापीय अपनिष्य के विवश्य विश्वाप विषय विषय विषय विश्वाप विषय विश्वाप विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय व 러른 디저 '트립저'다' 본 ' 문전' ' 다 월 두 본 미리 집 ' 현국 ' 여자' 즉 ' 두 급 자 집 ' 위조 ' 방고 ' ''' 

प्रमान्त्री बि.र्र. अ.क्षण. अथ्यं जा. सूर्यं याता क्रियं, तुं, क्षेत्रा हूं, रंट. गोर् श्रियं स्तर प्राप्त क्षेत्रा वि.सं. वि.सं.

केद'में 'ल' तम् न'केद लुनाब न्द हु'में नारेन तमे खु'मुर हैं। ।

तर्। । मार्थे । जीवाल ब्रांज इस पाचीट पा। पाचीट पारु ईस वीटल श्रांस्ट प्रभीट. पार्थे पा क्षांच्या स्था पाचीट पा। पाचीट पारे ईस वीटल श्रांस्ट प्रभीट.

न्द संदी मण्य मही मकुन् तनुषानु र के है थे। । कुल कमः बह्र प्रमाण में दूरी प्रमाण हुन प्रमाण । दिल्ह मुप्त परि ह्मा हुन है स तथ बैंच त्रें बंध स्र.च ते.हुर्य विष्यं।वट 2 बेंचयाल हैवाय स्थ्रीया.वर्षण .. वक रू च हु कि अर से सिंच व अर्द पार अर्थ है । अ हिर्दे ति पहें वे हिर सिंद ७%८ अहं विष्यं बह्र देव एव की हूं विष त झैटब तक जीत त छुद स्ते कर महेंबादब र्'रु'र् हेरे शु'र्घटका मबिरब त दबाग्रेब मूर विर प्तिब सम् विद्यु प्रिक्रियों के क्षित्र र्देव दे बब्दि बह्द धर श्राप्त भैद। हे संख्य य रेद बकु्द'द्द'हे' बकु्द ग्रे नगर नहेन सुरमनय मामया इस्त है। ने हैन गुल्य द्या सुर हुन र्दे ? . ते. च च । श्रिभः च च ब द ब्र. ट क्ष. ही । च मे ४. च च ४ च व क्ष. श्रे अ क्षी बेब पश्चन याष्ट्रम्। इंडाय सव पर्वामा या श्रुपासक श्रुप्त रामा प्राथा प्राय य स्र है'लस। व्राप्त स्र विकास र दें प्राय प्राय स्थान मनव म नहा विषय स्पष्ट हिं हैं है मन्तर मालव विषय नेयार महा म् नृत्ते त्रम् मूट प्रह्माम् मार्म्यायाम् स्वर्डितः हेर्षः विद्वर्द्वरायम् मलेन समाय अरायर । न्यमानर मुद्द में हेया अर न्यायर म्याय यहे बटक. क्रिया ट्रे. ड्रि. एक ट क्रुवे. त्रकानी अट पष्ट प्रतिनी. त्र्राचित पष्ट प्रति क्रिया. ঝলন (জ. 183 ন) ব্লং ইলন দ নারী হরা 💍 ইপ্রশামনাত চঞ্জী, চ্ট্রী ই परि'इ'म्'इस्स्याल'पर्युर'री युःझुप। ख्र'उ'रे'प। ह्र'प'ग्रम्या स् १३ देवस हुद्रायक्रा न्या । प्रमाना व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा

इसल बेंच की चक्कें राष्ट्र। जिल्ला प्रेझे.सा टेंड मे.सा शिंस है.ई. इसक पुर में पकुर पर्रा । हाम स दू के हैं। यह संधा विहास पा न्हिः रे न इस्य नर कुँ पकुँ र है। लेख नबुदय प हुर या। कुँ न्य पकी दे तिषम्ब खुल गुँव खुँग्बरेरर्ग्रु गुँद्राय व्य के य ल द्वरिव हा । १३ ជញ្ជូកខុក ។ ក្រិល៍ជល់សិលិគួសសិក្ស ក្រលិគួសខុសស ៩ក្សាថ្ងៃ म भेका । देस पारुष्य म हर सम्य मुक हैं हे तकर मुस्यायस पासर ल्याय मुन् हे मिलेरे निन्सर म नयन। हे हे दि स्व रिवेर सर युव मिनुन वें म सु क्रें म नाबुल मु अहें न नान् म स्वापन्यव सरे महुन बसव उन वन्त य भेव। है 'पर्व' में भे खुव हर यह केव व र यस न्यार केव परु पहिल हुन पाल अवर क्रेमान्य पर्नेय पहेन नम नमर हानम है देन वसम उन मिंट नु कुन के च वा वा वा के ला मिंदी ने न पार इस लक्षल है या बर प क्ष्याणी म्नें प्रवादयम्ब स्थार् प्रवाद्य स्वाद्य स्वाद स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद स्व पहूंबब प्राप्ताम् पुन्ति। प्राप्ताम मुन्देर्ना अह निम्मिन्नि मान्यस म्म मान्य द्वाप्य हेर् हेर् समुन्त्रमा वित्याञ्चर्यायम परिण पत्रामहाया । वि पर उ दिया व माप्ति व दि पहेता । षेशप्रः । हे 'कृ'रॅ'र्नु' समापार्टर सहित्य है। । मुन र्वेन ग्री हाल हलस नि अहा। विषेत्र केंट के पढ़े. का अव र मा बिया विषय ए प्रेट विन पर त्रचुव्यविषयःहेक्यमदे म्नाम वृष्टं पामानतः मुन्द्रं ग्रीविषयः चेव गुट प्रस्तरः । वः वर्ति वस्त्र वि हि दि दि देव वि वर सहत् (के 184 व) खन देव। म्राचार्चनार्चे त्वर्वेचेयात्वयात्वे अष्ट्रचे लाच त्यात्वे अष्ट्रचित्र वर ... . निवर्। निवर अट,रेग्स रिव. से त हथ हिं व व व व व व व प प अ है. त. न्ता विप्तित्राध्ये विषयां ये मेन केटायां हैं द्वा सहते हिन द मिक्षेत्र खे. अष्ट्र स्त्र । विस्ति क्षेत्र स्त्र क्षेत्र स्त्र अष्ट्र स्त्र अस् क्षेत्र स्त्र अस्य स्त्र स्त्र अस्य स्त्र स्त्र अस्य स्त्र स्त्र अस्य स्त्र स्त्र स्त्र अस्य स्त्र स्त्र स्त्र अस्य स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र अस्य स्त्र स्त्

माहिता स यदी। माकेदायदी। रच क्ट यमार यकुत्। त्नावायः यमार यकुत्। ते स्वव प्षत् यस महाभी कट यमार यकुत्। त्नावायः

५८ म दी। म केदामबीराममयाष्ट्रायर से ल हेते। ८६४.त हे. थ. हे ते चेहें था। । इ.हे. यंचे तथा चंच प पथा है य हो वि मह मर्भेट म प महेद्रव्य मिट्य की मी मिट्र में अवर ज्या पर प्राप्त मा लक्ष ख्रियक ग्री अस पढ़ी निष्ठ कि प्रेम पार्ट के प्रमाण प्रम प्रमाण तह्रदेन्त घट रे.व्रेचे.तह चेड्र.च्.चे.चेच चेच्याचाता घर्यट. चेच के चापड.. ममस है। नेतर मुबुद में हमा हैं द कर हर। दें ला मु अहर हैं द प्रमार है। न्डिट र्स्ट ने अस्तर्हेद्राहिद्राधानशुक्ष व न्हें मिरामन्।यदे पन्तापानम्। हे 'पर्ड द' के ल पल् र पर्ट हे 'ल' हुन पकु र कु र ने पल र पन्या है व खकाकाश्चरकायराब्यामराश्चित्रपुंग्निनेगल नेर हेनायपुत्रपाकुत् हेराहेला..... रह्म नेयानयाष्ट्रचान्तर अद्विदानहे व्यवस्थान्य मुन्दे हिन्दे हे दे दे ने ने में है हैं है मृतः मृत्यारव दाम्मियाम के मायल केर तर्याम्य महिदालया मेदाः हु कु के पर मुर गुरा विरायर म्रास्टिक के पार के किया में महिन क्षे.फ रस म है एवर्षयायायल कुर्योचातपुर्याचाति वेच केथ रेट रेवे.म प्रयास यर मुं के निवेन ल बुद रहिनाने में रायद अवर प्रुन (से 184 प) प अद्दर हु 'सहर वस के'र्रा के'सप्ते में क्यूं पाकर केर्पाय प्राप्त पाय स्वर् पा लूटशास योचानानापुष्ट्रीय वार्ष्यातारप्रियापप्रवाच्याचित्रा व्यापरा हिन्द्र अब मकु र तहब म है है है पह नहें महिन मर रु तस्वाल मही।

निष्ठेश्या दे। मान किल हे सिंदे श्रुन्य स्वर्य रख छट सदे। निष्ठाय चत पार्य रुद ग्रांच अधर फ्रांच भी पांस्य। दि ल स्वाय स्व हा चाले. में अ हिना मिन तर मिन झार सार्टा हे से न हैं अर मिनेय महिय झार मिस हिस ख पत्र वर्ष श्वाय अहँ प्वाप्यय पते पहुन प्रमुख पते स्व अकॅन शुव के**न**... अवित त्यूत क्र भूर है अ देशल हैव पट्टे पर बहर त ह रस छट है है। गुन्य प वे मु शुक्ष म हारक पर छुट में उव नु मबुन। छिन खुरह न्मम लेव परीय त सूचेश क्षेत्र कर कर हुन के पबेट। टेट्स से योरंभश प पक्षित पड्ड बीचाय चाल पडि बाहुत क्षाय चिंद म लखा बाहू चूर **मेल** म विंद . क्षत्य त क्षुत् म कुत् में अर्ह्द मिन्दा देव व ठेव व्यत् हैं र वावत व संवाब रिअपार प्रकृति ते लक्षेत्र प्रदार प कुरल कुल प्रमृत अलि कु केर "" पर्ना विसवास र रस स स त हिन हेन न्यर धुन कुल म कु बढेरे वप क्रम र्यमाश मार्गः । देश'त्यं अर्षेद'रशकेद'र'मार्गः विर मैं कर मामर चर्मेर ज.चर्चार चचल चळ.वीच.सप्ट रंचर.वीच ब्रांच्यीपट ब्रङ्क.स्र क्रूय... दे हैं प्रव मुवाम महेकामान्य। विनक्ष मनाम्ब सु ठद महें मनु हैं विम् क्ष के न्यान केन् रिक्ष र्नेत में निवास रिक्ष के निवास की निव वश्य १८ प विच तथाश्रद्धता श्रेष श्रेष पर्ते वर्षान्यस स्वाचन क्र्यान्यसः वे प्रदश् स्व मुदा सदर प्रदश् प्रदश् मु प्रस्य सु मुद्र द विद दें। ।

म्रेट्य क्षेत्र प्रेत्र विश्व क्षेत्र क्षेत्र

खुद्राच मृत्रायदे दिनो हिंद दक्ष चेत् दक्ष का का केत् दिना में प्रे हे या हिंदा सा बुद्र'अंद म द्वास स मान्र'म्द्रस्य समारेश प्र सर्दे' खुन्य हेट हे रहेद स विम क्रवामी क्ष्यामम्बद्धाः विष्युक्षयाम् व्याप्ताम् विष्युक्षयाम् विष्युक्षयाम् र्ट रचेल पह इन्त्र में छुन्। हेर्न स्ट्रिंग स्ट्रिंग पहेर्न दे र कें। रखुल \*\*\* कुर्दात्तव्रक्ष्याग्रीतिष्ट्राष्ट्राचश्चराचयात्वरक्षात्चाच्याच्या क्षण्य पर्व मु: बद्द प्रमाय श्रेष्ट मुंतर नु सहर् वर्ष कर् म् १८६ दे अट्य क्यारह्मा हेर् ५ दे दे प्राप्त हिन स्थान इव्रेच्य्वस्य क्र ८ हिरे.चर.रेषट क्रैंट श्रेव्यूल.टे.स्ट्रस्ट. वेब्यालय... म्स तर वर च चयम जेय से विष्य हुटा। श्विष सह बाह्य हिला स्थाप न्र अन्ति द्वापायत स्वरः र्अन्यति चकुन्। यन मु हे हे किय या सम लबा.ची.चबंदा विश्वसात टेचे.बुरुषाडू .ट्रेस.बिश्च भविद त पर्य ग्री. क्ष प्रति प्रति हैं से विषय है । प्रति श्री प स बर क्ष प इवाया राष्ट्रे विद्वासर द्वाराया हिन्द्वा व्याया द्वाराया विद्वार हुस अवस्त्र मित कुर् ना मिल देश के जिल स्वाय अस्य कर तर हुर नाय ... र्नायायान्यतम् वर्षानुः स्ट्रा । विषाः गुर्वः श्रेष्य सार्धः श्रेषः श्रीः श्रेषः विदेश । श्रीर छाप वीलर मेंगा बेट चढ़ी त्या पकी । श्रीर संस्र र विवा तर हूर श्रेर घर दर पंश्वा ।र्टाल हैव लया श्रे ची त वे अटल मैं र्फ्राचारहिनानामा नृष्कुते कुलाया स्ट हेन नवी पाने पानेन महिन कु सुर """ हूरे त.हरं.तथ. ईश वर. रेट हुरे. जब कर तबेट टे.अ अष्ट्रस केट स्टर (के. 182 न) नेत्र ध्रुप भ चर्याय द्वाय क्रि. पश्चर. तेत्र पश्चर. त्याय पश्चर. इवस.प्रस.चर्चें पर्वेट. वर्चेट टे.चेंचेश त देशय वैटा है। श्रीय त.एहचे. हेद् न्युक कु कर्त्व में त्या तया रहे पुर पार प्यकृत् विरास प्या मेदार्या न पत्र झेना लिट ननि । पत्र नि न में न में व कि प में नि न में में मणार मणुरा और रस माइ है हे सम और रस मणार मणुरा श्चर त बीत ह्रा पन श्चर कर तबिर पक्ति। लेल त ल मेन पहेबान त पन लाप प्रमाप्त प्रमुद्ध के प्रमाप्त के मिल्ल प्रमाप्त किया विकार प्रमाप्त किया विकार प्रमाप्त किया विकार हैं 'अ' गुर क्षेत्र केंद्र'में 'अब भुग गवेय यगत यकुर रे इट यहें 'अ'यकुर रु मानाय म इसम मुद्द बेद। दे रे लल्द क्रेय ममुद्द मान्द स क्षेत्र लय क्रवल लक्षायह अपन्यायुव की कट केव्यं पार्ट्य ब्रीटा विर पर हीट रल की बुनाय स्व त्यूं अर्ने द निर्देश में विश्व में विश्व में विश्व है वे लिस पड़ें पक्षेत् क्षेत् किय म लका वाहु मूं मूर् कर म अर्थे मू हूं है लक्ष कूर पर्विया,यांच्य की क्षेत्र,भर यांचाय ता है। पर्दुष्ट श्रृत तक्विर प क्षेप त सर न्निवाम न्दा देवे श्रीम मकुन लाल हुन नेमारम अनिवास नद तमत र म कैल, अक्षर, मंजर मू. सूर्यं अ. ट्रेंबें स्राप्त रंट अ. रंचर हैं वी. लंख श्रेर प्रमुनायते नेन्द्रस प्रदेव परि शेर ने प्रमुन प्रस पर प्रमुन प्रि.मान्य त स्वायः श्रेयः ग्रीयः श्रेः भारतः भीतः। वालदः प्राप स्वाः स्वाः सः वी.तपु.लज.भूता.पुन्न.रत.भवर.विना.सर त ता अ.४न. सूच रूटा। वीत. इतः हमा दे अर्था । एतुर क्रमा श्रुप्त श्रीव श्रीव । समा क्री केर श्रुप्त व संप् बद्यत्यस्यर्भेद्रा ।

यान क्रम् मार्थ ताह क्रियान्य क्रियाच क्रियाच्य क्रियाय्य क्रियाय

रे रेते हुल घर धेव लग तु श्लेंप कु जारल कुर कर पत्रेंदे पर के बुल नेद । माई दिन हैं गम हिंद वामाय प छाट में है हैं य य रावय है हिंद प हूरे रामा. बेद दह्याकेष च चर के रचार बैंच वे रकर ह्र एवं उहुन च चरी। चूं में न्याय रहिंद न्व प्राय मी की रहें क्या पर यह यदमा में कुल कय व देस ए। रम् अमूर रक्ष त कुर प्रु रंश प्रिंप मेल क्य विश्व असूर टेंट्स बैंट, श्रु. ह द रेस यह मुख्या महेर इंद रेद केद ही द परि ही हाग दयर में द रेस न्ता हे केंद्र क्रिय है कु अर्रिट द्वाप स हे हैं द देश द्वार हैया ति सेंद्र सुंदर बोल मालुस सहर म मैं कर मण्य मकुर ह म र्रा युप केंद्र हे लें सब पकुर प परु नसुस रु केल पकुर रूं 'हेरे कुल परुप क्स। परु'नसुस कर वस रत हैन क्र मन्न चेंदे हिल कुल सिंदल हुन धर लुट मझेव ध मलेवा ह कि.न ट्रे.नबुर पानुपान नष्ट येवान जन का श्र ह्रोय कि प्रे सूच रूप कुर. ल पर् अक्रव भावत पर्स देव पर्केट कु पर्वापत त्याया श्रिय अ हे त्य लंब ला पकुर। RER अ'क्ष'पाबुक'र्यग्य क्वेंद हेट। दे र्ग'मे श्रुप पकुर हमर गुंक क्रम पर्वेर बार्य सर्थ तर पहुर त.वेर घट,पब्रेट पर्वेर। हि पर्वे. म क्ष न्वेत्य र् हे न्य पर न्यर न्य म क्ष के के के न्या हुन ने बार हैं या । बिनाय है क्रेब ग्रंप इस प्रस्था निय प्रष्टेश निश्च क्यांत्र ब्रंप्टर में नियम है. अषि ० हेद'य न्द्र अर्दे मण्द मकुद दे'न्सु अर्दुः हुद बैद। धु अन्द्र बर्-किन्य बेन बनय बुन्य पश्चेन ने ने दे त्येय के किन तर प्राप्त सन्य नर्र में र प्राप्त अर्'र पार क्या प्रमुत् रहा। के हि सुन्य नर्र में र म न्याय सुल देना रहें दुः गुद्र मान मेल रा। में अरे देश रखेल विसस मा हूँ चेब कुरे त तंत्र (क्ष. 186 त) हबे पहुंद, श्वेब के कुरू न केटे पहुंद, तथा.... 러독 '면러서 젊도'한' 끝드러 먹어 최고'명다 다고'명고 통! 1명도'다고 퀄다'다号다' बुम देर बूर्य तह छ। । रज्जिय अहरे, ज्ञ. यें, मध्य महिंदे, श्रीण तह, श्री। ।

पद्रव पर हैव सर मेर पर सर य पर्य। । विव नुव ह्यू है हैर ने हिंद न्द शिंद ख्र ख्रा कर नुरदःचनार चकुंद बुव घर कैन्त्र गुंस द्विव हेद नुस প্রীম সন্ম কুম শু নম্বুদ ন খ্রুম শারুণার নাক্র '5 খুম। খুদ নম শ্রুন নশ্রুদ रैद'र्घ केरे प्रस्द'परे हैं सरदातुम रैर स्द्रम सुर मुर मरे हें। प्रेस सहर सर प मिं रू पयम पहिंद हुल परि सुर पहिंदस प। निस्न पहेर परि हुद'पुर पार्वे बालपा. कूसाजी. केंट घटना स्टूर से बे बे बे वाप्य तह अक्द. पेंड झा मृ । ध्याय तर बाह्नेद य क्रिय है तह में प्रमुद्ध प्रमुद्ध व्यादि सूराय । केद'र्घ पन्य पत्र क्षुप पकुर पहेद यदि ऋषि है बहुर यर सहर य भेद … द्। । देवाय स् त्यार त्यक्रें स्थित ह्य क्ष देला । किल पहेर ह हार श तकर गुव ' एक तथनावा । दे ' हेर अहल केर देनाब' में नमार मकुर सब क्रव मह रेल ही चेटन रेट अध्य तह बीत ह्या ह्या ह्या निवास तहेव प्रस्त रेवा... बहर परि केंस प्रकृत संगय बियायर पहें दुसाय वा विद केंदा। वू रें तथा क्रूबाचरीट की. पूरु विविद्यापकार्य । बुबारेटा। विवायप्र वर्षेषाता ह ब्रेन् कु पर रु १८ सम् रूप पर पकुन सम्बन्ध पर सम्बन्ध सम्बन्ध लिमान इत्याप वित में निवास है। पहुंच म मुप्त मवार हैत्या म मुर्द पार में बीत श्रवधारीय श्रव विराधरार. दें प्रवाध श्री

वि.स.पर्वे.प्रीक्षा ६.पषु धि.भ.क्षां पूर्वे स्वयं श्राप्य वियोचा चि.रंट के. ज्ञाप्त के.प्रे.प्रे.प्रे.प्रे.च्यां अ.रंटा वि.व.क्ष्ट्रं क्षां प्राप्त क्ष्यं प्राप्त क्ष्यं प्राप्त व्याप्त प्राप्त क्ष्यं स्वयं प्राप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त प्राप्त व्याप्त प्राप्त व्याप्त प्राप्त व्याप्त व्याप परुदे श्वाय परुद् क्रमणी सहिद अ'लेश प अधर ध्वा'ले. पेच विट. मृत्राक्ष · · रिवेर कुष श्रम्भ। देशम बिष्याचीन विमाह्मा प्रवेर दे हे हे स्थारम श्रम भ भ रुभ क्रिय भ्रम्थान्य प्रेट प्राप्त प्राप्त प्राप्त वित्त क्रिय क्रिय स्था रुम खु ब्रंदायार प्रवास स्राप्त वस अर् मुंद है व क्र पर्या पर्या प्रवास है व न्ह अवर बेमार्न्नेय यहरा जय में अवर बेमान्ट्र अकून में जिय हर नायल वर्ष्य विनानियाः १८ देश । द्वाराम वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा 허지도 영제·축·론· C문지적 러로드 로 출드 현 원·취리 미국적 단도 드론적 정 월급 . पका अर्थ दे अर्व प्रमुद्द विषय किंग्य में भेषा है मु पहेंच व देवल रूट में ... निष्टेशनात में याना मही में या प्रमाण मही में में स्था में स्याप्त में में स्था में स्था में स्था में स्था में नु जिन्द संस्था व संस्था मान्त । प्रकृत तहेद के स्वयं त नित्यं मा चर्णातः चकुत् तुः त्राचावा न्यान सः चकुः न्द सः चकुन विष्य विष्य विष्य विष्य 회사 위 타디 디닝, 및 , 너렇네, 모수, 고식, 몇시 회, 나는 그 너 , 어디난, 다시다. 다시나 그렇게 다양. लर्'नः है। चन्द्र'मदे'लस'रेमला सर्'द्रदे मह्द्रापर् ना कुद् कुद् ल्योल'न्न वरुषाया अळव् हेन् वेषाय ल युवा अवल छेव में पादी हैं है । वेम्'म'भ कुर् हे केद में मबे दुल मबेद पु मन् म रूट। हि महे सब रुष प ष्ट्र अ.र्ड. पर्वे. स्वं व के वे चे हैं। र पयः पट्ट लेवेय ग्रेट वेय प्र कळव् १९८ मासुस मानव ल या हिता कर स यह सह स सुस हे स दाना कर केस मुसुस क्षेप्तसा प्रकृष सदान्त्रस्य देशाय चेत्रया (क्षेप 187 म) ञ्चित पप्ताप्ता, इत्राप के तत्र होव छवाता रेटा । ४ त्या दी हे हि खेवात पेरे अ नवर् कुन के अन्य स्थानि विषय वर्ष हैन स्था वर्ष हैन स्था निरम वर्ष हैन स्था निरम वर्ष हैन हा अवं त्यां हूं से ती दें या क्यां में स्ट्रा प्रकार स्था ।

यान्य स है। वे गा। ब्रामा हें हैं जान्व स्था है। ने प्रकार स्था है। ने प्य स्था है। ने प्रकार स्था है।

प्रश्निम विश्व प्रमुद्ध प्रदेश । प्रश्निम विश्व प्रमुद्ध प्रदेश ।

८८ स.वी इ.वेष व.वै.व.तप्तान्ध्रेयाक्षेत्राव्यान्वेरा ।श्चर्रहरः मूल बहर कुन तम्बुर हैं रहे हैं वा । इन केन तर्व ताक्र महें हैंन तम विष्युष् इ.व.र्षा वि.व.चेश्च ८८.रीचाच चेश्वराचनुवरचेश्वर वि.लचाचहर चकु द स्वाय साष्ट्रव मिरे हुल ५८ सहसामिर मार्था प्रश्नि रहेटा में लाचर """ बहर्ष है। दे ल इ.व.ह. है। है बर नेयर प के इंट च के हे ने पा वद अवस वास नान्त्र में मुंदे के। केटाहित वास्त्र म्हिद रेद न्वतः। व्रवस्यते वे मृन्यास्त्रम् न्यान्यत्वात्रम् विन् न्यास्त्रम् बट्रम्बरक्रमञ्जट इवयर् रटा वे.नि.चेश्च वे.में जिस्मा अपार्ती उत्यानः क्षना प्रकृत गुरमातर दे समा खेनाय मार्मि दाया मार्मि दाया मार्थि है दाया देव महिदा न्मन हेन हेन सिराया सम्या कुरायहन हेन। त्या सर्वा हेन परि पर नु 'मकुन्'ने 'हें 'हे 'एकट'न्ट' ले 'नेक'तू 'लेक' थुट्' मह्रद (कै' 188 द) य प्रदेव नु किन्यान्त्र है हि सु देव केव नित्व प्यान पूर्य वर्षे कर्म व है हैन प्रभामग्रीताहे हिंदी व्राप्त व्राप्त क्षेत्र कर् जुप व्राप्त क्षेत्र कर विष्

तिट. पर्लंद पर हून वर राजा की से पान की सात श्वां अवस्था अवस्था । जिट पर की वर्ष प्राप्त की स्थाप की सात हो । जिट पर की वर्ष प्राप्त की स्थाप की स्याप की स्थाप की स

पर.प्रांत्र प्रचेर. अर. क्षेत्र के प्रज्ञ चेत्र क्ष्यं क्ष्य क्ष्य क्ष्य प्रचानित्र क्ष्य विकास क्ष्य क्ष्य

मुंश चढ़ क्ष्मंय चूछ, चर्चांठ संस विट तर क्ये. जु हुं। ।

मुंश चढ़ क्ष्मंय चूछ, चर्चांठ संस विट तर क्ये. जु हुं। ।

मुंश चढ़ क्ष्मंय चूछ, चर्चांठ संस विट तर क्ये. जु हुं है हु अंचय, विट क्ष्मं,

मुंश चढ़ क्षम्य चूछ, चर्चांठ संस विट तर क्ये. जु हुं है है हु अंचय, विट क्ष्मं,

मुंश चढ़ व्याच्चिंय चेंद्र चर्चांठ संस विट सर क्ष्मंय संस्थ संस्य

विट्रास्ट ट्रे.एसवीक, सा है तो अध्य के विद्रास्त है प्रस्तिक, स्ट्रिस्ट दे एस विकास के प्रस्ति के स्ट्रिस्ट के स्ट्र के स्ट्रिस्ट के स्ट्र के स्ट्रिस्ट के स्ट्र के स्ट्रिस्ट के स्ट्र के स्ट्र के स्ट्र के स्ट्र के

वितात्तः स्वाय ट्रांपा ति वे वेट्य त त्योष त्याचे क्रिये पत्य वे अवष्ट क्ष्य स्वाय वितात्तः स्वाय वे प्रवाय त्याय त्याय त्याय क्ष्य विताय विवाय विताय विताय

हुन प दशक्रवासून प्रस्ता । इन प दशक्रवासून प्रस्ता ।

र्ट्याल प्रेश प्राप्त श्रीयाद्याय बुटाया प्रवृत् या श्री श्रीत हिला

 इ.६.चैम.लेल चेत्रम हे.हैब.एकर्ट्यमंट्यक्रताच्छ पट्टे पडेंकर्थ देश ... अर्क्षम् नी नृहें स शुदार्थिय। विन्दिर की विमानि प्रति मानि स्व के स मळव् भेंद्र सु ज्ञान्य दे हैं द्वि दु ल्या हुर वेत्य है द्वार दि है दि है लब झें 'दब' दूं 'रेर घेंदा वर् 'मियस'गुद' ब्मब'गुब मठम्ब हे मझ्द म' बिट श्रीटाकाम रेटा सूर्वास् वि. क्टार में बार्के हं सार्था मधित । वार्षेश सर मधा म् वं या या व्या हिया व्या श्री वं या व ञ्च त्यालान्त्रवाचान्त्रता चले पर न दिना हेन में देव न्हेल टु चुंदा हे लिथा मुद्दीय प श्रुप्ता दिनिया श्रुप्ता में प्रायुव्य मुद्दी स्ट्री स्ट्रा स्ट्री भ्रम्यासुरम्दान्यम् स्रिते विस्तर्रद्दाद्दाद्दाद्दे । विदेव रेत् विदेव विस्तर् **५ना**-५८-अधुव-परिःन्५अस-८न् स्रु'रेस'म्लिप्नर'सह् पर्यान्तुट'५८ तुरु" **ब**्चल'स्रवर'म्हेम्'नृ'क्व'धर'म्बम्'धेर'येद'युट'म्बिर'म्बिर'म्बुट'ख्रु'शि'गृ'शि' ढ्रायुद्राकेष्यंदिरकुर्रद्रा धनाकुरकेष्यं पद्देरकुर्र्सन्यत्यपहेषा वनमः हेट् ग्रु द्वापर वर पा ्हेद र्ष्ट्याम मुख्य स्वा सम्पार प्राप्त व्याग्रु ब्रद्भा त्रम्यानु वृद्ध द्राया प्रमान्त्रमः द्राया विषय विषय विषय विषय विषय g·岑· 희성·피드쇠·충·뎐상·어ቯ·다·저드·ቪ·저드치·협저·입·저·여·디ろ다·다. बद्रायते क्रिंदे त्रा है। बेदा ब्रेरा दुः कन्या है। द्रमा क्रिया ब्रुगा यहाय है। हिरापा रुकानुः परार्वेदकारुं ज्ञानायार्थं ।दिल्दारुकानाव्वादे जुः हुवार्वेदया पार्वेद नुःब्रुटः। स्माप्तस्यानुनावायवार्ह्मनायायेवाय। तर्रार्वे त्यवानुःसुना महलान्द्राजुःह्वदा। मुन्यालयार्व्वाक्षद्रायान्द्रद्रात्रवेदायरे वत्यानेदा र्वे वितासकी वियासवार्यव्ययः वर्षः स्वाद्धः वित्वाराक्षेत्रः वित्वाराक्षेत्रः वित्वाराक्षेत्रः वितास्य स्नुमा देनामते स्टारमा महेन् न्या महन्या मार्गिया महेन् देवा

म्हेशःसभवदी। प्रकृत्यत्या परमा परमा रख्ति ह्व प्रमृत्यत्।

प्रकट्टाल पर्चर् । विक क्षट्राप्टाम्डेस महित तस द्र प्राची विक क्षट्राप्टाम्डेस महित तस द्र प्राची विक क्षट्राप्टाम्डेस महित तस द्र प्राची विक क्षट्राप्टाम्डेस तस द्र प्राची विक क्षट्राप्टाम्डेस तस विकार प्राची विक क्षट्राप्टाम्डेस तस विकार प्राची विक क्षर्याप्टाम्डेस तम विकार वित

पर्नेश संस्थ्र रूच प्रस्ट प्रची स्थान स्य

ষ। । শা 'ম ' নিম লু এ অতব ' এ বি ই ট্র ' দু ' লা চ অব' দ লা বিদেশ নিম লা पकुर्'यय'मकुर प्रिय'सु'मुद्द'परे स्थाय प्राकुर'स्पय'र्द म्। प्रावय' प्राचित्रं प्रवि विवासित् व्राप्तः प्रवासित् प्रवासित् । व्रिक्तः विवासित् । व्यवस्थितः विवासित् । व्यवस्थितः । व्यवस्थतः । व्यवस्यतः । व्यवस्थतः । व्यवस्यतः । व्यवस्थतः । व्यवस्यतः । 메드'크레'라려'う드'용메'중조'원 독립'대지 왕도'전환 독적 도도 최본적'대지 통데적" य मृष्टेश सुर्द्र व्या मि त्या स्वाप्त हेद र त्येल मु र व्या विषा पकर है " मकु द्व लिपय प्रवादी न्वे प्रवेष मुन्य विषेषे के दिन मुन्य म्य 용· 소를 계통·따라는 절도 다'도 '뭐죠 그른도 뭘도 다음'저는 별도 다음 न्त्रया रूट युव विवास पर् पत्र पत्र विवास प्राप्त विवास विवा निराधेदायी ने अद्यादी न्यादाय न्याय दे प्रमाध्यय उर् गुष्टार्स्या नेवा रत पूर्ष प्रवस्त्र । विक्रीतात्र्रातात्र प्राप्त प्रत्रेत्र विष्ट्र विष्ट्र मु बुर व। रस र्झवायायव मुहे म्रवाय मा व्या मूर्व या मूर्व या मूर्व या मुहे मु न्त्रयायि मर न्त्ययाय्व सूर्वेन्य म महें ह द्यान्द्रम् मन् दे पकु प्रविष्टि स्राप्त प्रवास मार्थित विष्टा मार्थित मा

 गुद्द-द्वाल प्रमाद स्थित श्रीय द्वाल वापि श्रीय स्थान स्थान

मले म दे। मर मारेकार् व व अरस्यकार् व अष्ट्रवा । दे ल मकु द मा चर स दे प्रें चंद देख'र्द सर्दे हैं दिस्य दूट स्युद स। घ'स दे प्रें चंदर ह्मप्य ग्रे प्रस्त न्द समुद्द न्याके प्र भेद हैं। । एट् त्यम्य हेट दूर द्रांट्य अक्ष गुद्र-द्वित स्वाया सि केद क्ष्य दमल हेद क्रिय मेट दस नदसा निः ५म्'व्रवस'उ८ तथ श्चेद'र्ज्ञत क'लम्'८८ घडल पह लस प्रेट्स सु'्र्म्न्स घलः विन्तरार्थनायाम दी टान्ट अक्ष्याम गुवान्गर दशा । देव मुस्टस म ल्ले'च सर हेल'खे'चबुद्द'देव'च हेद्र'द्द द्वेद्य व'सहस्य घटाह्य '' बेसवाद्यता गुदाद्यति सुन्य अप हिदायेदा है। क्रिया अप रिवास स् न्दः वृद्दः सद्याया विद्यायि क्रिया विष्या विद्याया विद्याय व विद'त्र वरुषाया वामाराववषा क्षुदावकुत्त्र वरुषाया है केत् झाहिना न्दावरुषाया न्द रुव्यय वस्तारत्वस्तावरुषाया देवे न्द माल है। यर् कु मुद्रायदेव पर रेलायहे यर्। व्यायन प्रेयाय के वा विवास कु. हुर व्यवल. नेरा स्व. केर. क. प्रीट. कुरं हा विवाल व हा रवट र्वाटर कु.४न्नैट.र्ट.७४ ४४.७.७८.विश्वा चर्चार.यच्य.क्षेत्रचर्चे द्वी चर्चार. पपनामदी देह सम्बद्धाः इत पनुत पदी है बेर् स हैन दे। है बेर् स क्रया बुमाप क्रापि क्रूर शास्त्रवास य दुन अ हिना दे भारत गीस गुव प्राप्त लम्भान्ते प्रति मेन्य इस्य इस्याये मृत्यस्य यह। । । १८ क्वाय मन् द्यस दै'न्र'कन्य बल'न्त्वय'चर्न्'हेरे ब्रूर'ल'बन्य य'चकुन्'क्र्'ने'य कवा' 🗓 ल्डाल'न्ह्रमाहे (का 191 म) देसाथ नेरामहम सहा । मन्द्र ल्लास दे हे हे वे प्राप्त के मान्य के विकास के वितास के विकास क

क्रम्मान्यक्ष्मा । स्वान्यक्षम् विद्यम् विद्यम्

म्बेड्संस्य में स्थान स्थान

परिश्वस्तात्। ।

परिश्वस्तात्। ।

परिश्वस्तात्। ।

परिश्वस्तात्। ।

परिश्वस्तात्। ।

परिश्वस्तात्। ।

परिश्वस्तात्। प्रतिस्तात्विष्ठः विष्यस्त विषयस्त विष्यस्त विषयस्त विषयस्त विषयस्त विषयस्त विषयस्त विषयस्त विष्यस्त विषयस्त वि

महिलामालामहिला विष्मुहर्साम्हर् दे।।

 महिना दी नेर हिन द्वार द्व अ महिन हैं नव यह क्या । श वार्डे ८ हेर् दे प्याय वाहे सामेर् दिस् । । सामर र में १३ वर्ष की मान्य प्याय पत्र म**ु नुजा । नुस म मन्**र-पुर्व मारे हेस-सु-सामर-रिम्नि के रिस्थान पुरा चबु, पतिर बुट प्रट त चे इत्यारा पता चे छे ए । चे रे प हूर ग्रे. श. इ.वेट.केचा बदट.चे बेट स् मैज अहटा हे.यह.ध्रैंव.अ हे.अंतर.एस् थ चलुर गुर मालय। अम भूवावे नेर वेवामामयायायास्ट्राहित ग्रीकाम ब्रुवा नमः पत्र हैत गुरुष केन गुरुन गुसुत्य पत्र कुर् ग्राय है। रतः पदिव ग्रैय द्वार प्रेंदर सर ग्रुर। नेर धेव ग्री द्वार से द्वा स गरिन हेट ग्री द्वार स ३वस'लय बहुत्य यदे हें न्यं केंस न्हें र्'खुल'द्वेस'ल्यं स्'स्'चुन्य यदे'लक'' ब्रुप में कुर,त्, हेंब.हे.वर्बेंट वरिश्वय.टर्वात्यश्व क्रिय.श्व विच.त.श्वहरे त प्रथा चर्चात क्रमा क्रमा क्रमा है माल या बुद्दा में में के विद्या कु. ७९. तब्र. तब्र. तब्रुवा हेर चढ़े. त ब्र्यवार हे हर ट. कुर चढ़ियंब स . . . . ल्दै-दे-स-म्ह्- हेस-पु:म-लेद-हे। दे-लल्ट व कु द वन्ता अ कु देस-रम। म्हेब्रबेर्-रूब्। अमिल'लम्.हेब्रुच मु प्यून् पति पानल पपलापदी. मब्दैर'द्मुं'पत्रमा यद'व द्वं स्वरं मुल प देव गुप। पमुद'रहेद' मुद्र स्यानी रायः स्था विषय स्थान्। विष्यु स्यान स्था विष्यु स्यान स्था विष्यु स इस्य अट हे विवय स्थ पढ़ी अपूर्व के वी (का 195 प) ट्रांस हर्ने के वी

नर्भें ५ देवन कुदा देव के व कुद है । कु के द द निव कि कि ह्युंद नेट में ह्युंद पर ह्यूटा। देल प बट रवल। ह्येन् र्युट रहेंदा झला स्वाकेत में मुंकि हुर वेंदा है पहुंदा नेल नार्देद है रह दह सह साम चकुर। रे'र्नापङ्ग्य यहे'ब्रस् स्रिय सु'केद यह हुना न्हें वर्राचुर'यहे चैत द्वा हा.स.पची.क पचीराल स्वाय त श्वा.क्ष्वाय बदात्याच्य प्रवय ... न्दानर मुर परायर्थि पर्मुत शहरास्त्र ह्या स्वारास्ताम कुल पार्ने र सुमार्गुःःः ब्रमः के प्र के प्रचाराल समान्युव पुरापि रिवेराप स्नान ग्रै प्यकुर्तारहेनः। 철수 퇿소 다시의 어렵다 구. 교회소 다 어교소 열 양는 ,다양 최다 젖다. 수. 너 됐다. 뭐다 स् भ्र. हे. में के चेहुचे संस् भ्र. चींच द्वा च इ च चे हैं दे हुई हुई । रहे दंब प्रस्थ हे 'न्राह्म बेस'यह न्रह्म प्रमुद्द प्रद्य कर विद्या प्रदावार प्रदेशान्त्री प्रकृत प्रदेश विष्ट्रें स्वार्टिया के विष्टा विष्या विष्यु विष्यु विषय विष्यु विषय विषय विषय विषय **इंद**'स'र्ट न्ब्दि बु'युम ये मर'युम वेंम'मि'दर'मकुर्। दे'दब मकुर'**ञ्**स' बट.दै.७वज हे.इ.४८ वैट.६ू.इस.वैट.वंब अष्ट्र.च.ब पश्चिट.६ू.इ.जस... न्यव केट भेना क सहित। देश कुव अव उ परि मुर्दे पकु द केव दिरा विषातु वुरायता दे भिय गुराग्वय वर्ष पर है पर्व व क्षु से हैं ग्याह्य लबःश्वित्वःकेदैःव्हित् क्वृतःवर पुःपुदःपवःवळदःपक्वृतःयःस्रःसःलवःववतः ष्यायात्रवेशःहा । व्यवः व्रहे इत मकु कुषः वतः हे 'मकु न् ख्वावा । गुदः ब्रद्यायहर्षे श्रदाल प्रदेशायहराम् इत्र्यम्या विवालयाह्रा वकराकुः के क्रिय.कर्चाय ह्या विविधालटामाञ्चनास्य स्थात्रस्य त्यास्य प्राप्तकृत्यः इट चर्मेट.रेटा। कैल.वटारा.पथका.चेंध्ये.पूर्टा बुर क्रेयां हे तां हु रे.रेचे.चे हुर. बि'डन'रुडेस'यर इट प्रकृत इवस'न्यद'डेट'न्यद्रव'हिंद प्रकृत्र रमेसस''" मुकान्यव्यव्याचन र्वायुन्य मुक्तिर्याभागीरानर्गित सक्षेत्रमुन् मुखाः

दर्वित्रासुं मुन्य स न्दा व्या स्वर स स्वर स स ही स मर ना किस नु स गुनेर नु खुलाय धुल लु क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र च गुन खुन यहिन पहिन र पुल केर गे निर्मास र प हिम हिन ग्रीम्बरालबुल ल लनुबर्दे हे ब्वेंदास नमामिस महिनादस खुटा पते। " णारॅं २ क्रॅंर वय हैद'कु'के'य पया। स्थित कृव'कु क्रॅंव णारॅं र यकुर र हैरट. वश भ. कर त स्वेब बेड्र लेल की हुर लब. बेट. व्यवः वय प्यः हारा **अडर २१** मारक रुव र अव छुन सर नह्य नक मु के न रहा र द्वेर मर पुरिवासे प्राप्ति वाहित गुवासीय श्रुवाय हमय सु मादिय मेटा। है दर्भ निर्वातम्यात तर्वा म व बेर्-र्-वे इट्-मब्सक्तुर्कन्य महा । हिस चन्तर र्स्राय तर्ने ते रत्त स्नित् नु । वुदः चित्ते प्याप्य चुन् ग्रीय मिना खना सर्वेत या न्ये हुन्'नेष के'म महेंन्। देश न्युत्य है। न्द'में दे। खु'म'मेरे न्द' वना वीय रचे त्या प्रकृत स्थापकृत मा हेया हिया र स्थापके त्या स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स न्दामार्थित महिला व्यन्य व जनसाह्य प्रेयान्त्रे व हे न्त्र महिला <u> वृष् क्ष ब्रुब ८वु.ब.च्यार अञ्चादेर अञ्चादेश वेदः पद्धाताल त्यावि र ट्रिन्ट्</u> ह्ना वि.कृष बुक्त बिक्त चर्चेट ल लाच के चैंबा वें प्रांत के बेंब्र टेंट बॅ'ग्**र्डेन्। चग्**राब'न्यान्त्रेराबा कु'न्**र्डेन्'न्यन्यन्**र्व् सर्ने'खुग्यः न्तः स्वायः श्वायः अयः मकुन्दि निकुन्। न्यायः स्वार्थः स्वा विन्यारद्रान्द्रविन्य केत्। वारवेरान्द्रायेष्यार्मे ।देष्य द्रद्रादे। ८क.त.४च चक्रेट.त.वेंस.क्.रेंचे.त। फ.चध.भूर.चंबेश.ध्वेचरा चेहेस.त अ हम बब चर्केर.त लबा. खुरु बारूर धूरा है. यो छ. छट झबावा वारीय त लक्ष केंद्र कें प्रता महेद्र परि महें केंद्र वस बस सकत् पर मुँद् य। महे या त्र स्य प्र क्ति.लेट.तृषु रे.वंथ श्वेष.टेट्य.त खे.टेंसे.टा ४वंथ.शेंट्य किकेंद्र हेब्'ब्ब'झुब'इटब य'खुण क(अँ 193 व) के प्रेंद्र स वॅण्य य द्रा स्थि। अरु स्थाप अरुव वील पर्व पर्टा अरुव वील स्थाप पकुर

यह र र हुँ वय म चेर छ। दूरि म यदः हुँ द य व म य य। हुना य व र रु निंदापुर मेरूर भूर। परेबात क्याक्ष क्षेत्र थे. ज स्वाय पा पक्री प सूष बर कुर पढ़ी ल पहेंदा पर रामा र मुने हिन्द स सन्यामा र मु म कुल म र्देव सुमा दिंद हुँदा मिल्रासा स्वाप्ता कुदादे मही लक्ष मकुद मा त्र ति. ह्र्यापय पर्वेट ता वर्षे बेड्बे त ह्र्ये अट. बेडिट से ह्येथा चडुः न्हें व च वः न्धुनः त्युः नहद व च न न न व व व हैं न। चडुः न वुस्र स व च ने दें व ब्रुण्य क्षेट हे छ। पर्वे.पर्खे.त के.भर्टेट घरट क्रुचे.पंजाल क्रिय अक्रूरे.हिंगेल शुःस महेमसाम। मह सम्म न्येनसार पुत्र स्वर्धा मह हुन म पक्कित्रम इस्तर है। दे द्वा वहार कर्म र्सर स्थान करा प्राप्त स्वर प्राप्त स्वर प्रवास बिनान । अक्षवासान्ते रहनावी न् वर्षन कर्नान वार्यान नार करा है। न्दर शावाचायम मुदाद्रम्द श स मनरामुद द्रम्द माम द्रामहिद्रापु निर्मेद """ तर्। ।अट.चे.टट.४ट.र्ड.ट्रं अट.त्.इल.कुंब.चर्ब.ल चंड्च तर हेश ट. रनेवय गुट केन पर् । ह में केरे अन् न्द रह है ह के द र र र के पर मु क्षु : स्ट्राज्य हर्षे वाल बेद्राज्य केवाय चिवेद्रात्रे तथ द्वे क्षु स्वाप र न्वदार्थन् वेत् गुराष्ट्रिकेन्यते। निर्देशन्तुन गु क्रिकेन् नि तदाक्षे गुन कु'भ'के'सद् १ हैं दावी केंद्र दि एक समायर विदेत व वाह्नेद्र विवास विदेर वीरा वर्षाची ह्रां हिंद नियातक सम प्राप्त में ल्यां महिंद विश्व प्राप्त महिंद तक्षय परि देव वट मेर्'प'मदीव ग्रॅंन'मूं म मु के वे वेख व भेव , प्रं प्रामा मु: केर्'त हुर'वर मेक्र'यल'गुट'रट'गबुद'ल'यद'र्घेगव यह। ।ह'यवट' सह ब्रु'र्ट ६५ हुं'हे बहूग'गविगव ६मूब लेगब दाल क्रु बर्ग्ग'यिर यर'' केर्'य यदिद'गर्रे खल'क्षर'हुंद यह बट्'वग'रे'क्रूग्'र्वब बट्'प्रेद''' गुट बंबेद लब्द लब्देव क्रियंक्र'यर'गबुट्च स् ।

मनुष्य में हैं है है स्थान हैं स्थान है स्थान हैं स्थान है स्था स्थान है स

सिवंद्रास्य प्रवास्य प्रतास्य । में स्वाप्तियंत्र स्वाप्त प्रतास्त्र । स्वाप्त स्वाप्

सट्या-क्रीय:स्या-प्रश्नित्य प्राम्द्रे क्रिय:स्वर्ग ना क्रिय:स्वर्ग ना क्रियःस्वर स्वर्ग मिरके त्या क्रियःस्वर स्वर्ग स्वरंग स्

पान्न कर हो में हुर हा । हिंस संह च र स्राप्त कर मान्न मान्न कर मान्न कर मान्न मान्

न्यद पर मुर दुन १८ । उ के व दू य यत्य कुषा चन्य के सहर परे हुँर लेट ने पिनंब के प्र.रंट ने हें ब हूर तर त बब नकीर त पट्टाल ६.७ .. अन्य रट री.येन्य त रट। रथ क्ट रू. इ.येन्य तथाल श्र की तहाल नायव परि हुँर'हुन ८८। ४ श्रे वस मकुर प स्वर पर हुँर छेट खनस रुं अ' रुक्र रट लेवां स की हैं र देव बंद क्षत व झ्वं स स वांदर व दर। अ कु ने हैं है है है हैं र द्वा व्या स स सु म के द म ल नाव द म न म म कु नियद्भात तर् क्षेत्र हुन दुन दने प्ततेश क्षेत्र ल क्षेत्र त निवद्भात निवद्भात दि ... निविध्य हा । मि प्रयाद क्ष ज निवद ताला व व लटा। हिंद हिट ने जिनव रट क् सि'खेने व विश्वाचित्रकार्या हूर दिल श ४८ च छर सर चय खेने स्रा अर पर्वट.ह्.। ांष.कु.तंष.कुर पंकि मुँथ टितेल जू कुल सबट ज वंबट.ता. न्जेसर्दर तुर्र त्लेल केद्रकी सद्रान्त मुलहरा न्युल पल तुर्रायके मह केद ल नदर म देव मर्चेर हें हुए हुन से ने केद किर तर दें के व है। पि.कृ.पष्ट कुरं.यथ.तक्वेंट मालेबाय बोधेय थ्रा । बींच ह्रा टा छ्रा पद्धारु. लिन्न गुः हुँ र हुना श्रेंच न्यंद रहू रहे १ त महे १ ते हु है रहू र न्यद मा वे दुर्हेर देट वकुर र ज्याव पर्ट। हिल प्य खुल के से वे ५ र्ट युव व्यामान द्वाल मह्याल ये दे त्या है निर्मेत हैं निर्मेत मु.वै. देष प्रत्य महेश्रास्। १०वा स.र् त क्र्या है. ट्राल ब्रेय ध भ तल च्र राषामानव परि वर्ष स्मामुद्द स्रदाया अव सिरामु दुर मानव स स मुद्दा केद्र-धु-कृ-भूतमा कु-प्र- ग्री-एल टु ग्रुप केद-ट्र-प्र-प्-र-र (का. 195 प) वान्यायातकात्रेन्द्र हेरे मुप्तहेसाने न हारायान व न न न न न न

क्षेत्र व जिन्न ज्ञूल है मेर चन्नि हा। । बीचन हे. प्रकृष प्रचीय ग्रीय नायव चाया जिन्न महित जिन्न ग्रीटा नायव चाय दे. जीचन हे. प्रकृष प्रचीय ग्रीय नायव चाया जिन्न प्रचाय प्रचेत्र प्रचाय निव्य प्रचाय निव्य हित ज्ञीय नायव चाया जिन्न प्रचाय निव्य हित ज्ञीय नायव चाया जिन्न हित ज्ञीय नायव चाया जिन्न हित ज्ञीय नायव चाया जिन्न हित जिन्न जिन्न हित जिन्न जिन्न जिन्न जिन्न जिन्न जिन्न हित जिन्न जिन्

मले त है। मलिव लट में येग रूट त सू टूट या ।ल हूट खूब खिनाय. षु.सं.रे.अ चेंट। । जेल्ब लट मू सेचे त पश्ट बंधल भेल भष्य ग्रेश वज खुल दबः वे चु 'है ' ठ हू ' के ५ 5 हुद 5 म दब हुँ र 5 व हे न कु न हु न है ' खुन ' केदः में 'खेट' य निर्देव वु प्रयाय वस मकुप यहिः में 'खन खनस प्रदा रहा रहा लवार्ष्य स्टान वेयारच अट गे.रट । हि.इ.मेण भक्ष स्थाप पत्र इस्. अर्थ में चर्चार ह्रांस बेर टे. वैंस्. च इस. अर्थ चे रा विशेष बुचा खे. न्नुहै भानुष में में दाय देव केव है किया नुप केव के के के से सब मकुन "" न्द्रस्यान्त्रा देवस्यस्यान्यान्यान्यस्यान्त्रा गुद्राक्षित्रतहेन्य स्व केद्रायदे मरानु मकुद्र मार्चा द्रात्मानाना देवैः ञ्चन्यायात्राष्ट्रय विषयात श्चित्रा वित्राम्बाद्या स्वर्षा लक्षाक्राम्य ह्मित की ज्ञाल की क्षेत्र की हिंदा। लदा गुवा श्री हम के वे प्राप्त हैं विष ञ्चन'गुरु'ञ्चन्यपु'पद्वेर'गुग्यप्यप्यरेष्यागुल'ल'ङ्गेत् स'त्वरायुग् कुल'यहरू'' न्ता अवाम गुन कुलामानिकेशलयाण्यास्याचारा केत विकास निकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास त्विकार्त्तार श्वाचा क्षेत्राश्चनक सनकाके खार्-ाका चुटा खेटा (के. 196 व) विमानु कु माना भर खेनायाणु व्याप्यामा केदामा विमाना गुरीद केदा मिटा पुर्वा ल मंदर पह जीमंथ क्षेत्र की प्राप्त क्षेत्र मिन की प्राप्त की मिन की मिन

श्रीतानक्वेट्राल्ट्रिह त्याक्र क्ष्यं त्याक्ष ता क्ष्यं व्याक्ष ता क्ष्यं त्याक्ष ता क्ष्यं त्याक्ष ता क्ष्यं त्याक्ष ता क्ष्यं त्याक्ष त्याक्ष ता क्ष्यं त्याक्ष त्य

प्रमुद्द्रायक्षेत्र स्त्रुच ग्रीप्यम् प्रमुद्द्र या विष्या स्त्र । । विष्या स्त्र प्रमुद्द्र स्त्र प्रमुद्द्र स्त्र प्रमुद्द स्त्र ।

प्राचित्र श्रेष्ठेट तारु अक्षरे हेट. १४ में अन्य सेत्य सेत्य में विष्य में विषय में

명'면제'드백'원도 미명의 집'당조 여명의(현 196 다)으운 리 미국의 취디제'다녀라 वना कनाय नट वर्य वय वर्षेवय.त ने १९८। हीं ट.वेंट ख्र वयस वर्षेद. त्र लब लच इंचा हिल सिंत तर लब लच दे हेट सिंत प के व रह लब . लना न सुर चुर सुर र तर र पर हैं व पहेंच त सुर र के के महेन ल मु न्युय सद्द र् 'चेर पर सद प्न प्ना कुल सुस है है इस द्वेर सर्द्र सर्द्र मा कुल नुष केद लें कुद प देद केद न्याय य श्वाय है। नेतर मुत केव ने हेन अने खन्य में बुरय त अवर बेवा रत खन्य में पकु न तहेन नुस तिम प सदस कुस है हे अस नुस की तिम सि कु ···· रनेत अव.त्नार्ट परस्त प्रव हे शायस पर सिल ट् मूरा कुल प स्ट् कट.त.पथ हू वेब त अवर वेब तकेबा है.लडैं.र स्वेब बेब लेख बट ने बूबा बिट तर बेंच बूबाय थ्र. बैब बु लेल रे. छ्वया वर कर रेट एह्न वय ता.क्र.पर्वेत ब्रह्मप्तेताले चार्ट चम्प बिनेश में हैंर्यम हम मुश ब्रह्मी लिपानिया हैं ज बाल ह ब्रियेश चढ़ीन हवीन चढ़ी जीवर ए सेंबा होने ही स . ... प्रचित्र हिल परि अह्र अस्य सिट प्रमेष प प्रवेष में में भी हेस परि में ट. ट्रां में हे देल वर्षेराय हैन नदायां ह्यन वर्षेदायह प्रत्याय सुप्तक्षा व्याप पवर पर्ट देवा विष् पर् पा महेल पय इ. बर्ट व्यक वर् में ला है. न्दानामान्यामान हमाकितामान्द्र परमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्द्रम बूद्र'यय'न्यत्रस् स'तर् हैंन्य'यर न्यूट्र। हर में स्नित्रं पर्वे प्र बेट नेदि न्दि र उत् ए में सागुट न्दिस स सू रे निद्रा नि सुव म केद मेंदि स्रात मेर्यातम् मेर्ट्रा । प्रिट्रिट्रेष्ट्रियं स्रायम्बर्धित् स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति באיקאָאים בקביבוליבֹל יקפַביאיקֹביבהֹק־יבוּג אבֹק־יקֿן וּ महिनाम दी मानर छ मानद हा जेट ही 5 मा । विर समाहे निर

क्षत्र। | हें हिते क्षत्रा प्राप्त मान्यस यद समामन्या माने हें हो के अपर कि. चन रेष्ठ स्मार हेर अप्तर हैं। इंड ब्रह्म वेश वेश वेश स्मार हेर र व पड्रेंबरपत्राम्या वित् गृष्टेराय हैंग्ब स्वाज्ञ य केर गेका सवारम् इत्रय ज्ञेगयायत रुप्यार्थ्यया विष्याप विष्याय विष्याय विष्याय विष्याय हैं ते मूं जिंदान में बूर वे रेतल कुष हैं में बैंबानबालये छुत्तका में बेटाना में विंद'नीय कि नोर पहन पद्द। सु ५ 'प अनिय पर्दुव' पर्येद् वस्रय देंद्र' बेर पालालेन कान्यलापर सर्वेस निमा वुर सुनाय देव केवाप्यसा बर्द महे दूर्ण के व रहा अवसम्य महस्सूव रहा। है बर्गणुव रहनातः र्ने ग्रुपः पत्रः में रहेते केन मृष्टानी हुम पन् सहर पापदी साम केन पदि इर.ब्रेट.। पश्र ४८.पथ क्य. इ.चेट्य त पक्रि रेताप र्यं शि.ध.पश्रेट. 주저지·평이 저희적·형 디자·등·멸드·디·두다 ! 홍·저는 뭐 저희도·여자·끄다'다о합다' मुद्राक्ष्याहेत्राचुपाळेवायालयान्द्रम्य दम् हेन्यायाय न्यवा हेर्दे हेरे क्ष्मा NY 다르다, 다. 네성데, 다고 워턴스, 용다. | 통, 実너 다양, 美, 통 성네상, 월양, 월, 다. 4. रैं अ र्श्वें न प्वचु न र न र न र न र न र ने र हो । ।

(本)
 (本)</li

नादा व विं सु व (का. 197 व) लब रुष तर वर्केर व रहा थर रेखाने वर. पर धुन केद रिमर प मुद्दान रें पु न्या स्वार्द्द में रेर सकद स्व " लिवित बुच कुब स्राप चेबरा। हेबा हूं चेब लिब चेचेब बुराल चेबर च रहा। लट.तल रस. हुंच वि पधु ईल ४ व्रेंट तर प्रहेंस. दंश बेंबंध प्र पुंच के पार हुं 레마오'월드'다형국'월다 미국다'다 월 저 미용지 씨 뜻 미지 본국 제미요'월드 드디드… यसिक्षण करत सहर सर्द। यद के इ मिर इन हु चन्त स महे र नु रे से हिन के हम जान रे दे र हिन से हद लग चकुर प र्रा रें हे लेद'यह र्यद'मलुर चकु ह यह केव रेंव लंद हें। 훈 '시지 디쾰 드 디 저지지 밀다'! 떠드 윌이 뭐 '이 불드 드러도 쥐 '이 톡 흔 메드다' त कु तथानियः तपु विनय है कुर् सूर् पूर प्र पश्चा व क्षा र विवर ल्में हैं लिया प्रेट पर प्रस्त हम में हूर ईसर रहा विद्राप रम हैंस क्द म्नें प्राप्तार पुना लार्स वसामकृत मते सेसस मुन्यार्ग हिन्द वसायकुर्पारि हैं हैं दानी पानिराप्तरा नित्रस य दें नी है साम हैस य स चिद्राक्ष्मा सेवा क्षेत्राच । यदे मानुदासद्। धेसामारमा क्षेरामासमा स्राम्य निवाय हे.हें.त.र्रेश सेवया निट.स्था अपूर्य प्रविध स्वायत्य मे.कुर.प्रवृषा स्वायाम्बर्धाः वय श्रुवारसाम्बर्धान ग्री तसराहित रेनाय पढ़ी। पुरावपसाळ छ⊏'व्याप्तराम्'म्'णु'षान्तुं संवयायाम् प्रदेश व्यवतान्त्रम् नास्याः मैं कुर प्राप्तिमा अप नियान है से अप नियान नियान में भारतीय में भारतीय न्न्यत हन ने देनायर दर्। ज हु पारे हें हे हे हे हा न द है ने विषय विषय निष् क्र-र-र्व हर्षेत्र वित्र विवेद के विष्य वित्र त व्याप्त वित्र विवेद क्षेत्र के वित्र के वित्र के वित्र के वित्र भ्रमम् (फ्र. 138 वे) मञ्जूष्रताहर तम् ।

## 

महिक्षिम् । मुद्रम् मदि नावम् नह्म। ब्र मुद्र सुल केद नाब्द् नु सङ्द्र स मुद्र मुद्रम् ।

प्रस्था मुझा कित् का यहा वार्ष यहेन स्थान हिस्सा मुहा स्थान स्थान

न्द सं ल नहें का व खल न वुद हुल न्द । के खल नु न्र हुल मा। न्द सं है। रेनायर निव्य में रेन अ से रेनाने । पहुन पर्स न्पटा च्यानेश तासेरानेशाचश्चाया । शोवयातपु टामिल वेशवासे हेरानेश विश्व बुद्रा 🔪 । ब्रु व्दर्श्वत स्वर्राष्ठ्र संदर्भागुद्र श्रुव चन्नत हेद्र मेवायर पुष्प द्रवातां वे वे व के त्रीवां व त प के किंदाविष्ठ अ.सी.लूट. हुदा के अ.ल वंदावां र न्यतः नृ 'युक्ष व क रेना'यर न्वका केव् 'या भूर 'युन्य न्या यर हैं 'रेना'या दे सुकरह रू नसुबर्तु स्वतः हूं भेग देवा दुः वादि वा वुदायका वर्षः ह्यू नायतः । पसूर्व पर्दे संक्रिय हैं में सर पुत्र | दे 'ल' द्यद 'यं सामा में 'दे संगुद्ध पक्षेत्रपर्वताले हुन्। मान्य पर मान्या दे लारा स्टार पञ्चनत्र'यत्र'अपन्य'पर'णुर'द्रवर्षाक्षे'द्रवर्षाणुं'त्रेष न्यंत् नु'गुर। क्षेत्र'त्र अ बुबान गुरानवादे र कुष कर श्रेषाय व। द्वार स्वा श्रुष्ध रेषाया सम्बद्ध लक. हे। जिस्क थे. ह्येक. त के. कष्ट्र. २ था । ट. लुक. हेब. ता वटा। । हिंदि, ग्रीस, मुस, त. छ ब्रुच, दशा । ब्रुस, ट. क्या च क्य, तस, ट्रे. श्रद ब्य हैं। हिंद, 

त्तर् हुल वर मुं। दियान हेर् दे क्ट.हर ट्यूर। ब्रियर्थ वहर क्षेत्र मार्थ हुल वर मुं। दियान हेर् दे क्ट.हर ट्यूर। ब्रियर्थ वहर वहर व्यूर। क्षेत्र मार्थ वहर मार्थ विद्या मार्थ हिराया विद्या मार्थ हिराया विद्या मार्थ हिराया मार्य हिराया मार्थ हिराय मार्थ हिराय मार्थ हिराय मार्थ ह

च्रियायक्षा स्रोता हर्षा मृत्या न्वित्याहर्षा । व्रियायक्षा

प्रमा, बेस्ताना व्याक्ष, क्षेत्रमान क्षान्त्र पर्ने प्र क्षेत्रमान व्यक्ष, व्

महि मुद्द क्ष महिद नायुष मु मिद नायुष य मिद विषय विषय विषय विषय विषय । मूर हैं पुगार हें ते में हैं दिरा है प्रमार है पर वर्ष में में में दिया है मह्ना दे त्यत्र द द वे हिल स द्वार स न दे है सुरा द सह महिल मिं पहुं पहुंच पुरायान्य पर प्रमुद्र म ह सुरे पहुंद (लें 199 व) हे रेपक " न प्रमा वदाया द्वारा स्रोते हुँ रामा स्राप्त रामा प्रमा मुर्ग हु । प्रमा मार्थ मह्रद्राम्हर्भाकेर्मम्बर्मावुद्रार्भेगावृक्षाचे झुरम्बुद्राष्ट्रस्य ठर् गुःराम्बर्माचुरा र्म 'हे 'चे 'छेव' हिटा। कुल' में 'पट्रे 'चेर 'ग्रैस स्त्र प्याप्त प्रेर च्या निम्म क्या ब्रेन्'ग्रैक'युरे कुल'में 'क्षेन्'य ठव्'रेन्'ह्नाक ग्रै अयुक्र'पगुन्'वक मृहे' परे " नमान कर् त्रुष्यम् न प्रदेशः वर्षे माने द्रिष्य विष्य । स्रम्य निन्'द'रि स्यारि राज्य हुन क्रिया व व वियामा मिना माने व के व विवास मब्रैन्यामा वर्ष्या शिर्दा हा वर्षा ह्या हेरार होता ना ही मा हिंदा स्वा हेरास्यायकान्त्रेत्रायसास्याय व्यव्यान्त्रेत् ग्रेयास्त्रायम्यत्राम्हेरान्त्रे मङ्गन्यस्तर्भः त्रुप्तुम् । देन्याम् बुद्रारम् । देन्याम् बुद्रारम् । य महस्यान् हिते पर तु त्रवन्त्र खुलादातकत् १दासानुमायर विता भुकानु कळ्या योवा स्व सहे हु १० विकास सामा र्सा गार्ना समुहे । करा स्व रदार जेलान्दा वर्षामा दाव रहूवा वृषामारे राम वेदा होता निमार है प्तरे कर पहिंचस परे प्लिटार्स मार्दे कार्य रेटा मार्ने हे प्रसानिका पा स्वीयः श्चर्नम्बर्देह हेश्रसुरस्यम्बर्द्धाः भूरे वेहिरम्बुद्धाः साम्यस्य क्षेत्रासुरस्य मास्रदेशमञ्जीरात्र मञ्जीवाशस्री हामधुराकारविराहा ।

प्रेत्राप्तादी भेगवामहुवाशुरामधाशानु हिंगव दृह्ते अर्दा । स्त्रीयः प्रेत्राप्तादी भेगवामहुवाशुरामधाशानु हिंगव दृह्ते अर्दा । स्त्रीयः हे. ८०८। । रेंब. ग्रे ४ व्रंट. हे. ब्रंट. हे. व्रंट. व्रंट. के. वंट. व्रंट. व्रंट. व्रंट. व्रंट. व् ८८. हे चे. चे. प स्वेथ ता वेष प्रट. चे. ह चे. वं वेष व वश्य १८ भ पश्चिष तर... अद्वित पत्र प्राप्त में के हिट देश से होता है में ल या कर में है देश ये हैं शा (कै. 188 व) ब्रुट ट्रूपं की. त्यं के. त्यं की. विष्ट प्रवासी की. विष्ट प्रवासी की. ८८. मुल. अप इ.म. इ.म. च चेंचन अ.चय. चींच १८ भोज्य. त प्रव. प्रट चींर। तथनाय ता. ब्रुव र र या ना वे ना ये या ना नु तर या में प्रिक्त र ने पा ने व के पा नु त र र र र र र र र र र र र र बिन्य अहरी हाअकरान्ध्राम्यायर नयम नियं में नियं से रिप्त से दिव क्षेत्रार हित्राम् तामान मुन्द्र सुप्त विवास मानेसाम हित्या वर्ष रेमायहे पक्षेर्. पर्या है. इल ही. पक्षेर. पर्या पत्र. प्रंतर ग्री पक्षेर् पर्या देशस मकु'रु'मकुर्'रे'मधुर्'मठॅस'र्रेर'सु'य'शू'ठॅम्स मढ़े'मकु'र्ट'सुस'र्ट्र'रु''' न्हेस्यहर्। ङ्ग्डॅन्य गुैकुरार् द्वाप्य व्दागुवापुवापदेश्योतामास दूर ता क्ट.प.हुनार्न्यश्रामा शि.दु.क्रूटश त.नंश.क्र.पश क्रुनाश्रामा र्देव १ ६ दावा द्वारा वास्तर प्रति। दिवा द्वारा विवास वासी विवास वासी विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विनयान्त्रतातु द्वार पुर्द स्वानयमा अदार नुवास मुद्द म्य परि वक्ष क्रेन्-इन्दूर्म्युः मृःमः केषायः क्षेत्रायः क्षेत्रायः मृतः यात्वेति । तिः क्षेत्रः स्वितः स्व प्रमाष्ट्रितः ठव् प्रदाः देवे प्रवासम् मृत्ये मेवे सर्वे प्रार्थम् सा सहित स लक्षा व लेडू र हा जानव जीवा वहरा परि गुवा पवार ही करें पानिम्ब पवारें वै क्ष्मानी ह्वारा मेव पुरियोग स्टा र मे दे दे उग्राप्त सेवाय सर मिष्ठेव है त्या प्रमान विकास मिन् सरा प्रमान स्था हिन सरा । पश्चर पादा हे पर्देव अर्झेल'अया हिंद्'ग्रैस'म्बद'खर'चे प्रसम्'पानर' च्याचिकात्रकाष्ट्र प्रत्याता.वे.ब्रथ्य. १८वे.ज. भूवे. वे.लवे तर ५ कीर.जो

पदी त है। रिवेट ब श्व रलनाय अथ क वे हैं है जो । निईस नह. तर् ह्री ह्र दर हे तद्दे रेटा । १०४० है ईर प्य ३ ८ जेल पहुँर हर. पर्या । जिस् अपियाम में दिया द्या ही दिया से हिं हिंगान व रे रे हिंद हिंद पर चुक बेरे रेनाच गुैर ह्यांच हाँ व खार् बु हु हैं त्य तयनाच क न्युट्च ठद अस ⋯ न्र्यायु प्रमुख परि। सर य है पु 'ग'र ह बेस पतर तथनान सुल नु न्र के लिए। में लिया है 'ने हैं 'चर्डन' हैंय पर अमेंन में साम है 'न में ल है. ट. ल. पहें ब. वं ब चेंबेंट. ए जील इंचा अर. पहेंदा विज्ञान पर अहरी त्र यसण्यान्यविद्याय स्युच महस्य प्राप्त । स्योश सम्बे स्युक्त स्यु चित्रा गुटा मुबुटा में त्युराश स्नेतराम रहेन हु 'शेनाक धर सह सेरा तर. दु.की. टेग्र. ट्र. ट्रं ट्रं चे प्रेश्वर वह. क्र. क्र. व्यं में त पश्च क. वयः... प्रमय प लया पश्चर पदि व क्षेत् रत केत् तर्दा बतत । दे ल पहेव् पति तकर्'हव'ग्रै' ग्रुव'र्म म'पुट'बेट'। गुव'कष्टिव कॅल ग्रे'ड्रस्टम्स'म्ब सुब र् 'न्या ने 'मेह्र 'म हे' ल रहे 'में ल सह 'हें ह द्राप्त 'मदे मादे में वे में प्राप्त ' अब्रिक् प्यता श्रियः न्यें के रह र विशेष रव वेंद्र नामाय स्व नाही र महर हिटार वर्णयात्रातात्रां प्रचीत क्रवे.तिहैं म्हें हा सूचाय है। वेट में टाई 12 ईवय हैया च त्र वर्ष पर त्रोभ पाकटार्ने सूर्तातर वेटा्ट्रा । प्रष्टि वर्षाय चर् र्ह्नी वे भुविष्ठ्रयापञ्चर। ।तहस्र न्याय प्राचयायरासहन्यार मुन्य यह यह हुन तप्राचिद्यान्ता श्रीतंबाकातप्र मेटात चेहेबातप्र प्रत्यातार अवित्राम् ई 다. 문서. 월드 다크다. 다시. 다월 구. 씨다. 나 무신. 왕석. 집 출작. 살 되 됩다. 도. 1 회 교수는 題 रिचेत प्रचार प्रवार प्

निष्ठेश्वर कर्षा है निष्यते चुटायात्वर्षा यहेश । विष्याप्त । विष्याप्त ।

बर.वैट.वैच.भवर.बट.रट.भक्ष्टबातर.चर्यरे.वष्ट्रा । बर.वैट.वेच.भवर.बट्स्टर.भक्ष्टबातर.चर्यरे.वष्ट्रा च्र्ट.टे.वैट.क्षा

ल्देर प्रमुद्द पा ल दर परि कद मुब्द मुस्य मु र्वे म न दे हैंद प मुन प है। क्र- अ गुब्र प्रमुख गुः रह रखेल रु द्वावाय कु क्रेर सहर समा प्रहूट द्विवा निष्ठेव मुक्त अवस्तित्तर नेवलाबुदा विद्वत्त्व (क्ष. 501 व) रिन्नेना विक्र र्वेन्य न्युन्यम् हेन् न्य सक्त प्रतिन्य देन्य मिल्या सहन् यर विन्य स्र स्र स्र पर्वे दें। (विष्यम में श्रद संस्थान स्थान हेला न्यान हेला । या बद सेला न्मे न्द हुन हुन हुन स्व अर्। । गुन समाम मुमा सहि। । क्रिय न्य न केद'म्' बुँगव गुँ' ह्यट'म्ब' द्वेगव य यहन्। येथ य यहन् य सन्व क्र बार चर्ष्यं पर्देश ह्र्य वी. तमी. अ. पमी. अस्तान्, रेची. जिसाल्य वी. . ब ह्राव धरान्त्रीन वस व्रेस पुनिय निरुम् दु प्यह्रवाहे स्ट्रिस स्ट्रिस ह्रमा न्यनाम् केता न्वत्रेय न्दा न्ये न्दा ह्ना हिन हैन प्रे नेना या हैन या भेषु दुन्। व्हन् कर्षे वर्षे गृद्धा स्वरं मृद्धा विष्य का स्वरं का स्वरं का स्वरं का स्वरं का स्वरं का स्वरं का **५** चॅब्र<sup>°</sup>५०६ थुन्। के अंगव ग्रेयः प्रति र प्रति । (दिः प्रीः ५व्या दिवा विका ग्री.चीचेथ तथ.क्.त.बीब.एत्रीट.पर्हेश िषय.जबे.पर्वे.पश्च.हे.पर्टेर.जथ. ञ्चल होया) । मेबिट. देप ट्यूटय एसेल. टे.श. तप हे . य. क्रूय. में त्यायायाय. इ. त्रद्भायातप्रकृतिय व नासुस्रा त्र्यस्याप्यद्भायाप्यद्भा रवेशायाम्बामा मृत्रकेषाधिष्या हिन्यरे देवाया कुन्यबर चुन'म'मढ़े हे क' क'हे महुन'हु चन्त्रम्थ महे लक्ष्य कर्म हेत्र हेत्र है। (१६ न्नार्न्य कुर्मन् कुर्म्य में मान्या। ) । कुल ठर्ग्य माने हिला त्वत्यो) व्रिमःबद्यः न्द्रः वं प्रमान्<u>यः वा</u>त्वत्यः वे त्वेतः यः वेदः यदः प्रणाम्याम् विष्याच्या विषया विषय 'ताबहर्। ८८,जापु,क्रैयाक्षेटात्मध्ययात्वाते,ट्वाटाष्ट्र्यापरं,चेव्यावक्षयः म के कर ब्रुटका अद'नायुक्ष म स दर्व मह्दर व मुद्द त दुना नायुद्ध. वस प्रविषा पर प्रमृत्। रह रे पेशेस प्रमृत्रस प्र स केंद्र <u> चण् पठ पारे स्पर गुणाला</u> देते (का 202 व) श्रंप स पुणु हिं स पुणु हिं स पुणु हिं स वरु पहिला व र वेल व महर्। क्षेत्र न्यं द न व दे हुन हे व द कर पर क्ष्रोंस प बहर पर मान्या किंद बार में सेस रच क्ष्रा नाद व केंद्र हुस २ चेल ल कर्स के क्रूंट ख्ना छेर रह मही पार २ व्रॉ सबुर दल कर्मा प मितु न्युक्य म तन्त्रेय चन्द्र नुव यर वह्द् दे 'द्वेद्य द्व द्वु'वर' प्याया क्र- स रूट सन् नहें नक्र पर मन्या न नव्य लट सह हे नहें हें रन्तर च त झवल मु त्वेल च बट.रे.वैट.। भूच रत्वं में ल च कब.रेट। वि.ष्टु. ह् खेरेड वर्ष मृत्ये पा पा खेरेड यानव प रत । है व स्वराप देवर वे चेवर व्याप्त मेरे हे संसु तम्म दस कु कर मन्द्र मार्थद मेरे ( विकाटे संस्वा मुन्याचितार् निविधानयात्ता । दि त्यह्यार् वह्यापु सामे । त्याप्ता ञ्चयः न्यं व क्रियः स्रहेमा नेयः क्रियः स्यास त्रेयः स्या स्या स्वा स्व क्रियः हितः स्व स्वान्य दुः विदेशास्य म्याः विवाय विवाय । स्वायं विवाय । B'术대 디오'퐁드'디'디볼네'주저 퀀이'는'N주'피정저 디트드자'디자'팝이'는'미정저'' धरः वान्त्रस्य देवाळद् खरे निबुदः ख्व गुदः बदः पुः बह्दः व व ळ वरे गुैः वान्त्रसः । मते द्वां द्वां प्यापाया कुर् अम्ब में दिन तर दे प्रकेष कर व दे दे गुै'इल'मैद'र्रु'के'पर ज्नावा श्रेंप ८पॅद'द्वे'प ८४४'नवुट'श्र'कर्क्षणेु' र्दे ५र्देशन्<u>दर्भेट चन्नेबानः क्षेत्रन</u>ित्रुत्विदः बह्दी ग्रेशनान्त्रे । ज्या देते देव माम्राम्य वित्र हे मा कर् हेव र ज्यान वा वा वा वित्र में वित्र में वित्र में मह्रम् स्मन्न मृद्धम् स्मर्भो । मृद्धम् प्रम् भूम् स्मन् बैनानहर्पन्ता, बननार्द्रामहिन्युम्पत्रि वे स्थान्न युन्सिननार्ने बुद्'वेश बह्द्'य द्दा मृत्रु'केन्'वे'दे'हेद्'यहुद्'य स्वाय हे'हु'देश

ना है स म दे। ( हे मानुद्राधे का स्नाद देन हा स्तुर ता) । वे प्रकार ह्यास त्र इसस ग्रैसापडीरा । प्र लेल 2.ई प्रवेगते स मध्य क्रम ह्यां प तमेल प पहना प र ते हों से मन तमार दिन में प न्याय पहें नाम न्याय हर् । वस समित निगानीय महर्षाम हान्य की नुसासुरसकुरासा किंप्तर की अपन्य.सं.क्षर भ गोब.तार्ये**स स्**चाय ले.भ गुरा-कील क्रीय तक्षीर। कीयातपुर मझ्द'पर्द्र स'इव रजेल ८८। कर् स ईंट.संब.पर्दे.प्रेथाम स्वेष स्बं बर कि रेगे.पंड प्रे.संब क्रेब्र.विट विट त्र.संगंब कुब्र.पर्य .. ने कि म हैत य बेल मानिय या दुत बत दर। हनाय हैं स्वर नेल र य गैय (रे.रेम.रि.मी.र.पर्श्य वृष्ट्.) दश हता हमा हमा समय समय हमायारा पहुँदा कुद'र् केंस'सकेंग्'लुग्य गर्रें मार्नेद'द्र कर् स ग्यर'स र्टा पकुर' पहर्वा के. ता. क्र्या ग्री. श्रटा जोया निवास स्वीयाला पर्वेयाता कृष्ट विश्वेयाता म वहरा ) (विराधर करावर पहुंचाय विरागुःस्वाधियावहर् हेटारकर् १वा चु चु पार्ड ग्राव क्या पहुंचा पारे क्या पार्ट हो। प्रस्ता परि हैं । चुना परि हैं । भूर.दे। क्षेत्रत्वे चर्णर,रेट.ट्रेर्डिल.चक्षेत्रत्वक्ष ग्री ।रेजूटकर्ट्व मः तिका भ्रमिय सर महेका सकावी । महेका सा खेक खे व्यामका सव व र महेका सकावी । महेका सा खेक खे व्यामका सव व र दे द गुद'न्वार'कुल सहद'मुन इस'रम्बरमञ्जूर'बुन्र'गुन वान्द'य यम। वाद्द' बहर्। ।वन्द्रवि वर्षुद्रदेद्रन्द्रवेदानुद्रवासुक्रकेषा) ।श्वेवायम्पदर

हैंन'र ह मुलुब रु (ले 203 क्) मन्द्र महि धुैं अप्तर्हम महि रुपुरस सः अः 디ㅇ 호석 흙 디 용'성'용'은지 다른 두'다를 저지 다음자'다는 불다자'원자 다자라… मुंब के प्रिय पढ़ अप्रियःरयः दय स्व हिंद के तह गव श्वियव प्रियं पानेर केंद्रः । इ.सट. सूला हैचे.तर क्र व ल अष्ट्रचे टें. अधिकात कुरे. सूर चेनेश त हें अ. है। पर्वा अर्दे परापरय परि हैर पें कर व रेगा परि गृहेर हाय रार रामेशा न्द परमाध सहर्। श्रुप सेन्य मु पेंद गुव मु अवत सम धर घुट परे मार्ड में महामार प्रकृत रहेद के नहा मुद्र दाव न महामार कर मान मि प्रकृत तिहेर् सिंग्सर इस मृहेस समस मुटामासस तिर मन् मते मकुत तहेराः नर म नेमारमारमुद नावस पद हैं है हिंद बेर मु सकेद। वुम म ह खन म देनामि केट में गुम्म मुंद दें केर मायुक हिन के किर ही लाग लग रेन्'यरे'न्यर धुन्'विन् यर नु रवन्त्राय बर में वृंद हे रह सुन्यायरे न्येद प्त. हे हुनोत्त बटबा क्रिया गेर्च. हूर्य ल मा क्रुयी नटा नोहेय खटा ने ने हिन्सा न्द पर्वेर जनवाही विदार्धेदार्देन बैर बित अकदा महदान्र अदानी aga,2,급기 मद द्वं प गुव अष्टिव देव केव प्राय श्रेष गुद भेषा क है। द्रैन्य मह्रा हे'द्रन्'द्र हु'ख्रन्'यय'तकद् १४'ख्रुद'देर मह्रुपहे'न्युद्र' नी कुदाला तहस्य न्युट्या कुर्मा क्षार्या केवा है। हासान्यामा कुर न्वरंगुद्र'न्वर'न्वर'द्यश'द्रम्य गुट्र हे छै'रे 'रेव्य गुट्र'हेट' छै' स दे 'रेव्य । त्दै'ल'ष्ट्रित् सर'दु'काष्य'स्य'कद'क'ठ्र'ल बुन्'डेय'न्त्रन दु'स्नन्य। न्द्रव द्वारा न न न न न के सन के सामी हा सा दे द सर रे स म दे द र से द रे से स नि.गीर्.तात्राचा नेक्स.प्रयं.रचारचीवयातायत्याचीयारप्राचा म्रारका य वर्षेन्'वृषय वेद'ने'सेन्यः श्चु'वरे'न्वद'र्य'नु'य'पुँद'रेद'। रद' हृद्

ञ्चितः साहे - ह्रें व्यट्र निवास वास्य वाह केंद्र खुणु कर्हन ह्रें व्यवसहर (केंर 203 म) व अ मि मे से मे से हैं म से हैं म से म महूर ल म सुरा से से पुर के । मद द्वल ह्वान्न द्वापर क्षापर क्षापर क्षाप्त का लेकिन पुटा है। दे लाग ले के मुण्य ब्रैंट.वे.तपु.लेबंब ब्रूंप.वेर.वे.देवे। लट बंट धर्ट्र क्रंट्रताया व्यवश्य र्देर पचट न्यला प्रशाप्तिया रेन अन्तः य प्रविद वुर्ह्वः च्या हेः <del>र</del>ूट विता हे. पश मेल क्य रंद अर्थ कुरंद अविश्व में ये देवी. भवेश रंदाल य र्बन्य प्रकृत प्रभूति पर तकत् र्बियासा १ अस मेट रेना यस सेट ने दे द र ः ब्रुवाप्त ब्रेवायहा (। क्षेत्रायर एहे वाहेव र्यटा। । कुलास क्रेन यह व्यवस्था नाबुद्र-कु:अर्ड मञ्जेल। ।केंस-मन्त्र प्रविद्य सरे कु में गुद रहस सं।) ।दे हेर अधिकात टे.अब रुबीतांडात्म य प्रधित चर वेबल चर बहर मेंद हैका. बंब इथ क्रिय पंत्रं वंश्वय रेट भ्र. ज्रंब रंबरं तथ ईथ.तर टीर्टेट.त हेर ईट तर वेबो.तर.बोबल.तर.बहर.त.७हबो.धेबे.रेचट.वेबो.बैबे.रक्य.बोह्योक .... मैला अक्रमा व्यवत्र उदा अनिदाया यत् दाया क्रिया या नाम अक्रमा विद्यव्य प्राप्त विद्या में म्राम्बः परः क्रियः प्रवेषः प्रदे । प्रम् व व द दे । सुम्ब द व व मेर क्रियः मृत्रः प्राप्तः प्रमा हैद्कान्यान्यसम्बद्धाः मान्यस्य हिंत्राम्बद्धाः मान्यस्य हिंत्राम्बद्धाः मान्यस्य हिंत्राम्बद्धाः मान्यस्य हिंत पान्यामा मान्या सहित्या स्वापा सित्रा त्या साम्या स्वापा स्वापा सित्रा सित्रा सित्रा सित्रा सित्रा सित्रा सित्र बारेम्'म्ब्राम्'क्रांकु'बळ''ब्रेय'म्बर्य ह्रां धृद्द्रव्यक्ति।हेर एकॅराम्ब्रीय पराः क्रबाचान नेम्टनायहार दांचान स्वाप्तिय य केन्यानुन महर्दे। त्रुवार ,'तह्ना'ह्नाव केव'यर'णुर'हा ।

व्यक्षत्राच दे। (ह्मांस्थाह्म चार्क्ष अट्यालाक्ष्म व्यक्ष व्यक्य व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्यवक्ष व्

गुरुवा ) । তের করি নার্দ্রের ই ইন (জ. 204 ব) নি ন র্নাব গ্রীর লু নে = व म खुद धुद हें 'पदेव पदिवे हरा महामाना तम्ना पर हुँव परि पहेंदा । • मर्डे स सु'मबेरा अपस' अर्हेन मन रमम रूप स्म मन्य गुरा दर्भ र र हमं त षट तर तकेंद्रताह्य बेयाचे रम्य हो। वकेंद्र तह्याहा है है। द्रमा सर प्रह्मा के क्रि. क्र. हमा सर पक्षेत्र पर्क्ष क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र महीर का महें चु मान्त ल सम महे दें ल द्वांत्य दस हेना में केंद में में दें हैं . केंद्र यह हु:यह द्यु वा अ सुन्य य इवन कुन इस रहें र हुँद्र यह द्यु न्बद र्म या अ के रहिन हेद'न्निय है' हुँ र यद र्नु'सर प्राथ हे म्र मी प्रजीत क्षेत्र मेश्रुस है। । यह गुद सिहद । वर्ष देवर सेवर मेशा दित पर पर्व मुद्द मुद्देश मुज्द सुन्य सा । है 'पर्द में द रेना'पहें पर दस तकर्म प्राप्ता । कुरुये से येष क' य पृत्र व य तक प्राप्त प्राप्त व व क हॅन हैर के सकर महे। । निरम देरे विर तर्दर तकर द्वा इस निष्या लया । श्रुपा नु सर रेना लय में सर प्रता न श्रुपा के राम प्रता । श्रुपा के राम प्रता त्यान्त ह्याहरा तहव न्युरसायुग्य गुःसहिदाय स्टरायाया । साम्राय वै तकदः हुं सः दृष्ट सं माबेदा । देश मासु दश स हुर। यः माहः वै कदः सः सर्देः न्दा केंद्र चप्त शे हे पत्ता भेद न्दर्धि रद र खेश क्षय शै पहें न धु मुबुद्र-जूद्र-र्रम् द्व-इत्न सु बेश-सुर-र्ष्य-पाइस्य रेन्य सप्त प्रमुव क्वेन कु. उत्ताप. तर प्रतंत्र क. पर्वे ४. देव ४ छर्। किप ६ ट. इ. रेट अंतरा वीटा ई. न् के अन्तर्भाता के स्वाधित स्व

में ने से हे ने पूर्व । से में से में

न्द य दे। (प्रञ्नास्त्रक्षम् युर न्मृदःस्रक्षमः गृष्ठमः चे हेदा । गृदः

मु र्या अर्थान श्रीत्य व्यक्ष्मा हेर् मुद्दा । । (क. 204 न) मबर् ट्या ट्र हर स्थ्य मुन्न हर् हर् स्थ्य मुन्न हर् हर् स्थ्य मुन्न हर् हर् स्थ्य मुन्न स्थ्य स्

प्रेयतार्थी, ध्रेयतिर क्षण चर्चे ताल चर्चे । । प्रेयतार्थी, ध्रेयतिर क्षण चर्चे ताल चर्चेशा ४ लच्चेयत्लेल. रेट ।

क्रम कर नेमाप ना १ हि द्रमण ना महिन कर्म कर गुप्त में साथ नामि 205 व) विचयायते अकॅन् पुैवार्जा । देते के दब दिन घर बेरे पुःन दिवातु महिसाम दीन ही मुर 5'में'म ला मुझ बेल मुल में'ल हिंद्'णील मुल खेद हर महोद्राया मुह्म वाया रवाह्य प्रवाह विवाह विवाह महोता में मुं मेर्दा। नाल है दु हाँ स मञ्जल द मन्ना रहीर छेम में। विर म ल कुल मंत्र मुख के वित् बल मुनेदरहेरे कुल व हैं स सरामुझे महेत तमर मरे हुद 5 है दे हैं " विमारक्ष वंश वंश बुद सि.कैल रे.नेस्ल वेश तथा प्रचा नेश भ पर रह रत मे लख ख बद दें। १ कुल यस प्रेद रहेग दता मनेद हे सर है रहत हैं लट.लट.श्रेंथ हे.शर्वर चेतिल चर्चश्रव हे.लर.ब्र्व.श्रूव.श्रूव.श्रू कर लचा चेल चंबाकेंद्र अक्रूब कर कर क्रेश बीचेंद्र हुंह रुपूर बंबन २८ लवातर विश पंबा न्भिद्रहेस गुद्र-द्विन्य व्यवा कुलार्यस गुद्र-द्विन्याय क्रम सर्वे रुद्र व्यान हे तहेन हेद'वसन उर रट्टन य द स कटन य चुँद'हे'सं'संहै समः' खु'वर् गुरु मनेवर्देश स हेश्रस्। । दिवरगुट प्रस वेहे सु रे सर प्रस मेन इय त. हेर ग्रेण त्या त्रेया करण त्या व्यव पूर पश्चर थे । तेश ब्राज्य वार्थित है। क्षे द्वाब ल ग्रेर पु : बेर पव 'दे 'बुल'य लेग्ब सं 'बेब'कुल'यें 'ल'ग्रेर बुल ' न्द मॅर रे' सं बड़ी मामाबिद प्यतान्द मॅर ही म देश महनाया क्रम्याम्बरम्बर्भाने केल प्रथ मिन्नामिन है ल स्वार्ट सक्रेर म स्वार हे गीन न्वात प्रन् वुर् वर कुल वस कटन परि तहेन हेन प्र से हे रे से रही क्षा बुक प्राया दे का करू न दे दे र र न करी । में र प्राय है का देश में है। गर्डें में वह अपन हिंद के व दी। विकेश गर्डें में या महामाही। विषय में म् न दे । व्यायत्र । क्षायत्र दे । क्षाय् दे प्रविदः क्षे क्षाया । प्रायप्तायः ल'लट'र्न'पहेदा विव रूपव गुरु पहण्य व्याप व्यापि क्राम्स स्वापर खटा मझ्द स मदिद देस तिम समाञ्चरमारे कर् मुर्च चर मुका हे कर् न्य

थ्व'परे'हेस'म। थ्व'परे वव (कें' 205 में ) फॅब स्वाय प्रा श्वाय पर । श्वाय ता सहसायाम करावा । करार्ना नेस वे हे देन छ। दिसामहस र्मेसायरहा ने वया महत्र बेरे माई में ल्य है त्युल न्म स्वाम न्मा हैय मर्दे निवस ह अवस्य हैन मन हैं हु द देद। शुन नमह निवस हैं। पर लट विवेधक र भ्रम व्यापकार्ट्या थे प्रविध त क्रिट वेश त वैटात . .. पर्वा प तिराधयान्यता क्रिंव प छ प्राध्य प्रम्य वस ग्रम् व पक्ष मु पर दे रह भेद र वार है। । छ द प्य व स है न वि भेद सा । पन्नर पह नेय में कि पूर रूट वर था । पर्छर ४८र में ल हेर ज क पर जनका खु द लाव दि छ हेना रही भेट उव नहियाल पश्चर पर प्रेया भु रह स्वास । न्दर्रि वेराबर प्रमुख प दे पहुंदाय रहि त सुरे हेद इवव में दरादव हा पर मुन्य स्। । नेतर अपा हु कुत्य में माहन्य ठव हुर में निर के मुन्य क्या म् . बे. टे. ल. वे पेरेश अप्राथ स्टायहर म् ट्यू हे म्बेश ग्रीय त्याप वा से ञ्चिमान् वारे वा प्रता के दार के देश मान के में के स्वर्त मान कर के क्रैट-च्याक्र्रेव पर सी.रसामा नेया है। प्रीय पर पर पर समया में व पर प्रीय Ba'n 디হ스'다의 디হ, 덫의, 됩, 따노, 위, 교회사다, 아, 트리스, 통도, 벨, 너희와, 근, 촛호, 다., चलुन्याने हे दूरा नुस्य चलिदार या भीया हे दार्या हु हो दास भीया विवाय पर्वेट. रूपो सैनय पर्वे. पश्च तापर वाही कालय . ल्या पर्य नेया हे । पश्चर. चला खु : इंग्लंब कर चर्दे वा वर्षे देव वर्षे व लट्राचर्ड्स व्दारित्याचेराञ्चराक्ष्याम्बुट्यामिताकाचेराकेदाची कृट सर्गाः त्वह्रका ब्राम्म के प्रतास्त्र के विष्टु प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के दे स्थरम् मुलास्प्रियार मुलादे मार्थम् से म् स्थरम् मुलायर मुलायर मुलायर मुलायर 5'वगवा हैनारवि मेटार्-पान्नवा (के 206 व) देवाख्यार् स्वयाचे केटायायव बन्या

सह पाय अक्टरे. पा. सुरं. ।

अर ची चंत्र हें, भें अक्टरे पार्ट हिर लेल रेप्यं रेट सेर में हैं दे. पाय रख में इस पार्ट में स्थान हैं अप पार्ट पार्थ हैं अप पार्थ हैं अप पार्ट पार्य हैं अप पार्ट पार्य हैं अप पार्ट पार्थ हैं अप पार्ट पार्थ हैं अ

मिहुना की प्रित्य हैं माल में सम्बद्ध में स्था है कर में स्था है से स्था है स मण्य म्वर देव केव त्युर सुवार प्रमाप्ता । अर मिनेप्य के वामया ह्र केल. प्रक्षा । र्डे वे में चब्र प्रक्रिक वर्गान बेंग्या ) विश्व पर्या न्त हुँद कुंब न्त्नब क्रन व न्ने त्र द्वा हुद न मर हुद म व न्ने नव र तपु के चेल की स्वे व के पहिंदान अस्टावया हैंवानयानवटावानी दें पबिचेश पर चेश्र हिंस अमेर अरे अरे अरे हैं दे हैं से बेश हिंस ति हूर प्राप्त हैं नवर है रेव में के तव विस् मह में नविनंदायार ने निर्म नह म ह्व प्रत्याके त्यारी वामुवाय सेमावाया हव की क्षान्य अष्ट्र त्यार राजा र्इंद.मु.भे.४२ चढ़िर्या श्रर हूँद्रत है.लय चचयात द.भे.ट्रेय.स्थात. हुन मृ 'पञ्चल। कु' दन्म'ने खल दने छैर पबुद हेल' पहें अ' ह्व दर्भ गीता प्रमुख चक्राक्षान्तात्रकानिक हे प्रदेश है दिल्ल में दिन है प्रमुख प्रकार के विकास में बुंबार्ट्यान्येंबाग्नीकार्याः स्टायाः दुःर्विद्याः हेर्द्यदान्युरे व्राव व देर्दिः।। न्मान ।ने हे बाह्य थे वें रायर दूर प्राप्त । नार के दा वें र व वें र क. चे. अष्ट्र- तबित्वा | द्रिह ह्यायु धूवाय छ । तवालकातरा । पहवाय निवंश भूट के हैं नेव ४ टिंश हैर एड में . क्या पड़िट व भूनी तर प्रमाश पड़िश प 무지권리 축지:당: 등 '저지 출' '두다' 중' '전지 다들 '당지 중' '저다지' 뭐 '국제' 렇다' 네다' केष्रामळे के दिन्द्रमण कर्मम मुद्देश्यम दिन्य विष्य मुद्देश मुम्बर्के देश वृत्त मुद्देश विष्य केष्ट्र विष्य केष्ट्र विष्य केष्ट्र विष्य केष्ट्र विष्य केष्ट्र विषय केष्ट्र विष म्बुन्यः मा । न्वदः वस्य द्राप्तु अरायनुन्य वहु महिया । हिर हिर्दे के

206 म) मु किम सब हू के नव सनार खुला । खु म हु नद म्बद् महिना में व.तबीबाबा ।र्ट्य ग्रेब नुव.पश्चेष त हेर यह अर्थट्या ।र्यट.स. पकु'चे के वास है र बाह्य के प्राचित के प्राच के प्राचित के प्राचित के प्राचित के प्राचित के प्राचित के प्राच हे देर पु पु त सब हुँद पह सी पढ़ित्य पर महत्व है। मै पु लक्ष हुँद यस'स'ल्य'हे'हें सर्दस्य'न्यात'यह तहेम्'हेद्'नु सदस कुस'न्यात'यह '" ल व्रेंस मेना न्युत्य प्रारे अवन हेंद प्रारे श्वेत हर क्षेप्या र्युत् संप्रायकुर न्द प्रु'न्द्रियाणु सु'क् क्र ह्वं पु स्था स्था प्रदेश प्र भूट.र्रंट.तपुरंश्चे.क्ट.र्ट्य.ट्ट अर्थ्ट्य.त पत्र व्र.क्ट्र्यंथ.तपुर पर्वेष ग्रेथ . .. त्र भे. १ र. प्ये. हैर हैर है य है . लेल रे. हैर . र र वा विष्य विश्व है . लेल क्र केर 집.요생 美, 통, 네건보, 보의성, 취, 레근성, 역도, 및 그는 사이 분, 보석 회사, 및 그는 사이 하는 사이 लरे'न्याचरु'न्रेयायं कु'द्नाप्तः । पकुत्'यायलाव्याम्त्राप्त्राव रेस न्या के कार्य बर्श्यान्त्रव्या । बुराय्यार्म्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्या न्युवान्नु (न्यंवान्युवे । दिःवकर रुवः चकुर् । स्वान्यवान्य विद्या । कृष्यासु । त्राम्याद्याप्यादे । द्र्याप्तु । बेदे । यञ्च । द्र्याप्तु । व्याप्त व्याप्त विदर्भागः बेद्रायाक्ष्यक्रियार्वे म्वास्याया बेद्राह्या क्ष्या हेव् हिन्यमा स्वयाया या हम्म मखेटबातहार्मेवयाचेबाहे। देलटाह्नेदाताविवाबादबाह्याचीर इराहे पर. 여러여자다양·점점·결작·연어·작·비·출조·디리 글·왕석·미정하·결도·디치·효·디자·윤·· र हु 'केर देव 'केव 'देवाय'ग्रे' में 'लय' छय' मारे (कें ' 207 व) मु 'वावाय' पट 'ड़े '

विद्रा वर्त्वरास्यामुल स्त्री विच पृष्ट्रीविद्रावह नाय नव्य केव वर्म प्री स लयामु न्वाव प्रवा क्टाययाई हे न्वाद् दु पु प्रवेषयामक दि हेव ल वटा माई अपेर म्मायेरे विद्याय तु उद्व मा निहान्द देवाया केरे है ज महेका नाम हैन न न्तृत संस् स महे कर् देन में के सम् पहे हैं न तन्त रह """ कळ दः द्येत्राय कुद्राय च देद्रा विषय ग्रैय प्रेट्रियया व प्यवर न्नु लासर मही स रेमामा दें तरिकाना । हीं त्या देव ने से संस्था रहे ता बेद्'हैद'। द्वु'कु'र्थ्'प्द'द्द। बर्द्द्र'ह्यु'बे न्यत्व प'र्यन्य व्रद्र पर पकुद् अन्त्रित्व क्षेत्राय न्द्रत्रन्दा अर्द्धन्य यर ज्ञान्त वर्षे अ तृ में हैं हिता है दस्य हुव पार्वा हे रेवा समारे अ कुष तह स राग ह सु संवाय स व हिते हेव" स् अष्टर द्वा त्वीर प स्विताता अदारे त्वी ह्वा स्व । वि स्व व ने ने र देवा वे त पकुर्कर्रिः हेव पकुर्। । हैंर न्रव वर्ष मेर न्यूर न्यूर हेव पर्व प्य प्रदेश श्चित्रातुत्रातुः विकायहर्वाय वदा। । विवाया सुराद्राते । विवाया सुराद्राते । कव्यामानक्ताने व्यक्तानेवाना है है नित्वाने वित्यानिक क्षेत्राचनिक क्षेत्राचन मुं माइ म्ब मब्दिया शि बीच गुं र्यं शिंदु माई म्ब माई यामर समार निया हैं। ।दे देर बिर्ट पर्ट ने हैं व बेब पर्यात दे में क्षा है ने बेट व देश में हेर अर् दिल्ला प्रमाष्ट्र वे नविष्युष्य गुल्ल में सेवा है पुर प्रा रे देव 그는 대학 , 동도 , 전 소 및 , 전 작 집 도 어 , 축 , 및 이 석 , 다 학 , 다 현 는 석 다 당 , 다 필 근 , 형 . . तर्ना अट.सू.चू.वे.तैट.चु। व्यक्ष्यं चु ईश्व.श्व.पतंट.तप्त.ञ्चल पर्वेचल सः बेद'र्दे। द्वि'द्रदःवर्देद श्वेद'शुःके'वर्द्ररः स्युद'व। विश्व'युःर'वेद'०६दः है 'स्' व 'खेले था । र विस्त' र प्रता है द' सर ही पर्झ 'खेस' खेले । दिश है 'वस' देम् यामवेदाष्ट्रान्यान्द्राष्ट्रिदान्यात्राम् वात्राम्या क्षा खेनाय ग्रे पुर्व (क. 504 प) मुझ बे र र खेवात घर में हैं र वैटा। किए स

ह्रा हिल में पुत्र सुल म उरार्श्रमा द्वारी है दिह तहेत हे साम मुहार है का म लह नुसाल रेह्र हैं अहा देस महा। देहे तु मेह्नू विवेर महा महा लर पर्दर। ने नमादे मेल रवर खनल पर्मेश से मेर में बावल मेर नेर कुर ञ्चल रहित्रम इसस देस महीत्र प्रमुख माई दिन । वुम क्रेट मी समास मिटा कु. पञ्. देय. बर. में के प्रयाज्य हं य. प्रचेट य चर. इय. रेट । विह हय. लन्द्रत्यात्र मानुराद्रापयाद्वयानुष्रात्री देशकर देवालहेवाव्। वाल वाह्य पर बुव हैद'नर ५६'वशुवा । विकर'र्युक्ष'६६ बुव हैद'रद अँव मारुवा। चल. त्र लिल रें ८८. रूपे ही चड्डा बैंचे वें च केंट. २८ ४२। चर श्रेचब. ही होया ८८.७.४.५ चर.८८ भवेब.चंय. पात त्या.४८ विवेश क्रांत क्रियाची... באים שלו ף של מבי צַׁקיק פּאיק בי קַ בי ק בַּאימַי פּברון פַאי ५ दुः दुः इ वराम बेनानेयाधैयारस्रायाक्रीयान्याधियान्यरामान्द्राधियाः खन्याय देटायटायाके साचेरा न्टादायटया मुलागी पद्वताया में दाय देख 다음'써도'라마저'다'「다' 메드'라'겠지"(다다'원 '저지'원'다음' 다음' सु हेन्य ८२ यर है पई प्यट के मान्य म ६न ५२ पत है है । अप दे इवयः खुः वॅट 'तुः श्रुंबर संदे 'द्रमा' वे अवादेट 'बट केर केदा समें 'द्रट हैं हें व्यव हैं कुन्-नु-ष्ठित्र-तु-त्नु-नृत्त्वन्त्र प्रदेष्य-प्र-न्य-प्र-प्र-प्र-प्र-प्र-न्य-न्य-प्र-प्र-प्र-प्र-प्र-प्र-प्र-प् च्र-दि-क्र-अ-विद्यान्य-अह्या श्रील-देन-ब्रे-इ-क-र्बुब-च-र्टा से-दै-ई-लान्ता में संख्या बेलायान्ता मुब्दालक कुषायान्ता क्रायर मुलामालेबामान्त्रवामुक्तमानुःह्वानुः त्यातामान्त्रवामान्यान्याम्

गर्रः चरा चुरायते क्रयारिक्र इस मेर्थियाची स्राप्तेष्र प्रेयारिया देशत चिराः □ सःल। देल्टा सु चकुव में वार्च में वार्च में वार्च स्वाप्त है मार्च हाता वार्च स्वाप्त है मार्च स्वाप्त स्वाप र्स मर्दे में निर्म की विस् किन के दे में निर्म है निर्माण के से विम्न नर रखा। न्दर न्भेर प प्रम्य हे ब्रस्य प्रयाप्ति व्यव प्रमाणिय धनानिहेयावर न्राम् प्रेंत म दे ति द्ये मधुका है मैक कु हो स म के द र हे का मुख्या मुख्या मुक्या मु मु अ सदै रहा द्वा कुमाया देते मुद्र क क कद दि हुद रु मेद हैदा हर बूद हुट बद के कहेल गुद केंद्र गुन्य में मुंब गुंद मुं केंद्र कर ग्वस । भिव् क्षा । देशका नाम क्षा केषा भिव्य मध्ये । भिव्य मध्ये प्र भैयाक्त प्रत्त दया । अर प्रेया वृत रें ए एत्र प्रवेत रार्थ माया गुरा । रे के दे केंग कर चलारेया में व दर स्था के चालवा है देगा व तह सामि न्वान्यके में द्वारवर अव का निव युवादवाय हैं निवा अव यद निवा में विद्या व द्दा खुलादेरै बळल ए यदावे। इदाबरे केंद्र में काखल रहार है। निर्देश्वर्षं देरान्य वैकाकुल मालकारे सामका माले पास्य माल **कु 'वना'रु 'वहुंद्य पुत्र'ग्रे'रे 'कॅ'रे 'व्ह्'नोचेन्य'यय'र्हेव 'मवस'5व'रे 'श्वव''''** बट-कुरं-ब्र-त्येवंय त स्वंय विज्-दे.वैट-पष्ट, द्राध्यु क्रियं-अहरं हुट-स्थर.... · 세도'도까도 뭐도 뭐도'듯'말도'다'라자'면도'본'의 여자'용도 듯'다'를 빨리'워트도'다' ञ्चन् कहिन् गृहेश देश गृहस र उन् रहु रहे रहा हर र मान विर मेट रहिर से व सं सं मरामुर। न्वत् अरापर्या न्वत तर्ते केर्र्रा राम मानेर्पर हुत मयाह्य मुहेना म (कें र 208 म) हें व बर्द्स है ज्ब्दा शवा गुद्द हिंद पर स्वज्या मारा बुनानिता हुसाल जेवराम क्रुयारिहेरसाची अक्रूयाश्चर जेस्यानिस्या

미투데데 떠드'따도 불는 등' 될다 뭐' 주저 레마다' 다끄 취직' 여자 '파미저 다 끌드' ! 産'최 다횗도 역다석.집석.청군.집 뤏이 다 뭐.네글네석 집 정보.너석 될어 다.덫소..... कुबाबल चर्मेर सहरारी छ। दब झला स्वाप्तरासुन्व म र्ग्नेदा सहना यदा मरे 급'다 평'葯' 다크오' Ҋㄷ' 똕ゟ' 젊은 '다ヽ '다 리지지'다'구' 여자' 젊속' 웃자' 녯 평속' पञ्चमता उत्पर्द्धनात्रःकुःनरःभि त ८८: श्चवः श्वरः सिनात्रः मिष्टरः मिष्न सः सि हूः बेट'रुवाणु बे'यट'पद्धेव'प्रथार्ट्स्यपर्मेन् य सन्वार्ट्स कर्ना कर्ना त प सर त्रेयाय वापय पर, त्रे किंदे पर्ट. तिरा। टे. ह्या क्र्या वा प्रसान व **ढ़ीन**ॱपुटॱय़ॸॱॻ॒ज़ॺॱॸऺऀटॱ। पुैसॱसुॱॴॸॱॱऄ॔ॸॱज़क़ॱय़ॻॱऄॺॱढ़॓ॺॱॸॆॱॲढ़॓ॱय़ॺॱ ञ्चलाल त्यावाञ्चाताल यहि कुवादाकेष्टायावयायायव्यायद्राय्याच्यायाच्या इस्याम नासुत्र मुक्तः सूत्रः सूत्रः सूत्रः सुत्रः केवः मह्या हे । मह्या मुक्तः सुत्रः त्यास्तरः सुत्रः प्रस्ता <u> विद्याप वृज्ञ्चल मु</u>ञ्जित रहत्या प्रमाण विद्याया । विद्याया विद्याया 축구·영미적·레미적·디 두미적 친·꽃 '디유·역제'는 '脟' 저도록'끼최'원두' 되저'여러 폭'' 훩숙'여저 죄윦드저'디 러스'디라'칡'볏저'5숙'産'디콰스'디라'뀕라'휠이'디즈'됏여저'' ला मॅंटाश्रःश्रःयाकेषायदे पुत्रस्य चुटायदे के या भुगवाय सव अर्जे रा**र्टा देवा** प्राप्ता श्रुष श्रुप्त र्थे 'बेश श्रुष परिष्य दे 'देर'म्बन्य परि' दे 'देर'म्बन्य परि' दे प्राप्त स्व देश'श्री । वित्रपर प्रजे श्रीत्र तहेत्र प्रचार प्रमासके । (कै. 509 व) महिमालमा केंब्र ग्री श्रीत्र प्रकार वित्र है। किंद्र अवेट हिं। तद्या केंब्राची नर्ति हैरावुरा दि न्याप्रवसं वर्षियाष्ट्रिरायर दु रायप्याया महें हुँद ल्ड्रेन्'हेन्'न्नर'प्रुन्'न्यल'ग्राह्म पाळेल'न्येन्तरहें 'हेरे'व्रल्'ह्र'न्य झन्या

स्था श्री सार प्राची प्राचय प्रमि में स्था मे स्था में स

स्वासन्तर् गुनाबिट जिनस क्यांक्ट हैं से नाष्ट्र का मुन में से स्वासन्तर गुनाबिट जिनस क्यांक्ट हैं से नाष्ट्र का मुन में सक्ष्य में स्वासन के स्वासन

म्बुश य न्युट्टिंद के ने वृह्द हुल दे। विन्दिन्त प्राप्त के निर्माण के निर्म

लवा रेवाय स्वाय स्र.स्र तील रेय धरीटाच रेटा हेपटा के च के चार हुए वेयर ... प दर प सन्त अर है। कु नर 5.पहरामन सामह के लहु दर छहु ला व मान विमार्श्वम्य मार्ड वर ६० स प्रमुद्राया बुच व्याया क्रिके वि वि व्याया ५२ म ५६ । कु'वनारु 'हैं 'ए' ल बन्न महे 'ठुव खु'मनेव लेग ५६ हस्स विवासिवाय पुराया विवासु विवासि ने बहन्। अ.ज.ज.न मून् भूट.चे ट्रि.तब.कैन.क.ते हे मुंब.लन.च्युबस. यर पन् प र्वाय केयासरामा । मासुराहेदाश्चेम्यमाना में विम कादी। रिपूर प्र घर तावधि,हिर तीय वोश्वर ती.धोवंश धी.ल हा. धिष्ट बेर अस होस... य ८८ । कुल वळव् हे बॅरि प्सर कुद् हो नव पवाल देवा है का वे वक्ष डे 'बॅर' परिपाल स्था के बेर पी पायल प्रह्मिंग परिपाल के बेर परिपाल है से पार चमः ५४ हर: पुरम्भः नृदरः देवरः सुर् भेन्यः ग्रीः **नृदुरः नृदरः** चरः ५८ तः वः सुरः भयः स वन्द्रावसाद्रीर्मापुरावराषुव हेटा। वाम्रावस्त्रहेराक्षास्त्रम्भाणुसा रदःरदःमी'खलानु सं संदे स्नृद् गुरु देखाना त्रात्र स्वापर त्रवेला सर पुर है।। प्र- दे दे के अया राज्याया जिल योवया पालया । वि. ध्रमी पश्चिम अपया भारती राष्ट्रया **के** 'वेदि' प्वतुत्वाया । स्ट्रिपा हेर' स्वादि र द्वीप स्वाद्वाय कराय प्रदा । स्वा हनामान्यान्यान्य प्रमानाबुद्धानाकुत्रमह्याः मास्याविष्यस्याम्यावस्य न्राकुषा वितरादे केर् दिन् तथा वर्षे पुला नु केन् वह केर् **ब्रन् गुक्र व्रेक्ष में ज्वान ज्वान कर वर्ष कर वर्ष कर के के दिया अर कि के दिया अर कि के दिया अर कि के दिया अर** यर्'लेगकायर क्रेंर प'अर्'पामा क्रमामिल ख्राया व व सेवायते हें के के दे คहरू नेप्तान्य के क्षेत्र श्रुल श्रुल स्वाप्त के स्वतः हैं निष्त क्षेत्र श्री कुल में प्रमास्त्र के क्षेत्र स्व **ब्) वेशक्षे प्राप्ति मण्याम् सम्प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र** विद्यार हर्ने देश वे अद्यापति अवस्था विद्या व द्वा द्वा पर व वस्ता सम्बद्धा  के.घूट.टे.इ.केर.टर च श्रुंब.तप्र । टबे.कृट.चंट.जय पर्केट.ता घर टे श्रूंब.तथ इ.केर चंबेटव रूजा व.सर चढ़ी.त.चंश्च.द्रचे.चु वैट.च.एकट.त ज चंबेश हिच घर.वे.ढुच ज्ञेस.

न्द संदी क्रत्य सम्बंग सर के के रेगा मुन्द रहा । पहुंच के र प्रता के रेगा में क्रिय सम्बंग सर के के रेगा मुन्द र स्वा प्रता मुन्द र में अप स्वा । क्रिय प्रता में प्रस्त स्वा के रेगा मुन्द र स्वा प्रता मुन्द र स्व प्रता मुन प्रमुच्याचा गुर्मियायाया माद्य याते नमात नुप्राच्या व्याह्मात्र व्याह्मात्र व्याह्मात्र व्याह्मात्र व्याह्मात्र मूर् भीत्य कु.पूर्वाचे अरे.वंब थिर वर्ष प्रचित है से श्र बंबस प पष्ट रा. .. लूटे.तपु श्रेचब्र.चेच ज है.ईवब्र क्रेब्र.श ४ष्ट्र.चपु बच्यःचर्चेश्वःत थे। १९८४. तपुरित्र प्रवास वि हिल व विवाद रट विटानी मि.श्रास वा विवादी त हुद म हा बेर लाग मन्दा रेन हें पुंजाबुद लाग विन मु बार विन द्य रद चुर-पु: चर पन् हेट। जर हर देवे हेव हेव मु वल पह लय देव में प्रवे मुद्द पर पन्द दी। हे झद्दी न्द मुद्द करण प्रवे दला। न्तुस'स'वस वे केरे रेग'चेन। । कुव'केग'देस'म€न सकेंद हुव दसस। । बल नव्द व्य वे नशुरमायर सहित्। विसाधा हर वेन सर बल द्युसायः वस के 'रेना' हे 'गार्स 'रेना' रूप पढ़िव' ग्रेस' ५६ 'वस ग्रुप । गढ़व 'इसरा रेस' चलेव चुट है। ने चले जार र खुक गुरु का चुक सक मुका का कि के विकास पञ्चन पत्ररम् पुरः। वयसर्थन म**र्हे**न नुःदुरःपदि कन् स हेरहर्यः ग्रुवः **६५.**२.५५८। ट्रे.इस.के.अष्ट्र.पस परेट.इ.पश्चापटा अर्थ.रस.वित. मैदः। दॅरःकुषःगुषःश्चवःथवाःगुषःहै। कद्यःवदेःदहेवाःहेदःश्रे श्चदःददः चरुर्'क्वल'परुवादल'केर'पश्चिपल'प'व। ध्वाकर'दवापी'परेवाल पर्देद ताक्रटबातबाद्वे त्वेबातक्ष्याच्या क्रियान्ट क्राक्वे ताल ब्रुवात व टेवा डेस'मान्य। दे'द्य'द्यस'र्वं प्रकेंत्र'त्रद्य'है'है'हैं संवय देश सर हुटा। करः बुक्षानु न मुद्दायहे के प्वार्डना रहिन्तावक अरत्युद्दाय वाष्ट्रा कार्यद्वाः "" न्दा त्युदावुकामाक्कल लाक्षेराणाचा सर्वराम्पुराष्ट्री हेर् केवामः चक्चित्र वादः य गुदः यः वेदः श्रेषः विष्यः विषयः व 211 व्) २क अर्'र्'याना रे'वयान्यं र्यु ६ एसप्य वेयानु परिष्तु **ढेद**-मृ.वैट्टान,क्ष्ट्यानकारम्बर्टान्वीसि.बै.ट्रीयुन्चर्चान्चान्च्या

रेल अत्राय व मार की स वाहिल। देल प्यार में मकु मित्राय रेल सर দ্ৰু বৃষ্টিদ দ প্ৰ। বৃষ কুৰ প্ৰ লু বেন ন ন ন ন ন ন ন ন কুৰ কুৰ প্ৰ লু বি विर्ध्या पर्वायास्त्राची वा वर्षाय भी से से से स्वय य वर्षा से सर क्रम्य पर पन्न प प्रमुख प ब्रियामु पित पुत्र पित्र विषय में। । ब्रे पदीव पहना सन्य है लय केर पकुर है। 15 रे ठहुँच ठ र ना ल सन्य।। हरः ब्रांच व्याप्य प्रय अव र्पेन पीवित बराव अवया । श्रियाव वया पर हरा अदि के द्रा दे दे त्या में से पार्वेद लहुन । खन दन दन कु हुन ह्या सिन्दर मकेंग न्द लाइ है लाग म संगल ल मन् हेद ने न्न सं संस नाजुद हैद विम " ह्य कैनाय पुरा। द्विते इट क्रिंट रे र्ना तय रेम गुर मेर पशुर देश। दे हिर लट महेल मुन लया के तहेंद पर रेम में दि तदे दे कटल प्रसाम रें देश खें मध्ये हैं। देश क्षेत्र क्षेत्र जी प्रकृष मूल क्षेत्र के देशक ल मध्ये हैं। । बेसारस्वाय स्था गु मेरे हूँ त्य स वर्ष । द्वा र्षे व सर मुदानर पन्दा दे दल रेल कुरारवेल हे ब्रदान्युन् कु रेना येन कु लहें रहिंदा य इंटा अंटा रा मुबुद्राल हुक् मुख्य हु। है स्वर्दा है प्यां पुराले हैं है। दे हुैं म् । इत्र ब्रुट् विदे न् । देवाल हेवं र्वूर् तार्ट च श्वर त्याया अष्टवं त रेट । हेना हैं गुव् भे पद्यां दिन स्टार् देश हिल्ला अर्थे पर्युव् र र मा लेख प चु⊏'न देस'झद'न्धुद ग्रै नहेद'नहेंस'ठ'र ग देश'स'नहस्या देशे'सु' चकुर्ल अव व केव्'यें'र्वल स्व वन्यां रिल वन्न होग नार्दे द ठव्'तें' मा रेद'केद रुपुट'ग्दबा रहनाम वरब'न्यल'मु बेट'न्ट ह्दाय पुटा षदः द्या १व व यर पुष्टा व्यापा देव पु (क 211 म) द्या पुण केव मा अपने हिर है रहे न ने अवस्था के द मार मान सम्म सार देश महित है है से महार प्रवास मार्थित वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षे

त दे. अप वटावस सोमाय कु.तातकिटाल्य तथा संबंदात प्रक्षिता प्रक्षित हो भाषा असू पद्धि दिता एवल सुन्य प्रक्षित प्र इस. कुंब से सम्पत्सा असू पद्धि दिता एवल सुन्य पश्चित प्रक्षित । अस्य इस. कुंब प्रक्षित प्रक्षित प्रक्षित । अस्य

पिष्ठेयाय दे। हेंदायमारित सर्मिक् स्थाय हर तर पेश्वाय । दे के 'कुद' ने स' न दिव दुव न संब सन्त मुहा। । श्चन मु दन्त सु कुद न हुद मि हैन बर्दिन। । यदम हमाने हूँ दाया भुणुके द्वराध्यामा बहरासादर चंद्र भ्राप्त स प्रिंत व स्टाम देश वि.म्बंशायर श्रव स्टारी। श्रव र्टा स्था पह में न्युन व संग्र प हुट'बन डंस पन्ना म्हें पॅर न्ने हिंद क्सर ग्रै अव न्य म म वि म पुरासु उत्रामा न । शुक्र के प्राप्ता पर्वं पर्दा है 'श्रेद 'रहें पर पर प्राप्त वा प्राप्त वा हर है 'गु 'र्स्न वा ८८। भूट. हेना लें . दब ही चर्टेट. च. स्वाया दि. र स. बेटे. शर स्वीया त्रः। इ.पपु श्रवाल स्वीयाताय्याच्यातात्रः देषु त्राचे त्राच्या निर्देव विकास मार्थ मार् न्वेर हर्र्न्त्रायान्वुद्यायहे के हिंद् मुद्दानात्त्रायहे पुत्राया देवाळेवान्त्रुन्। हॅं २ चवानीः महेवायायायायायाच्याकेत् **४८: ५०० में १**ने सि क्रित्रेमसंसु चुरायरे क्रिया केर्या केर्या कर्षा कर्षा विकास लाबान्यायर पुराप देवायाला हा प्युव द्वर है हा प्युव हैं व र् नेवा । बुकानुःमः। स्वाकःश्लं गांर्नु र्नु र्नः। क्रे मः नु र्न्नु र सुरः मः। स्वा देर हैं व के रहा है दे ते विद के विद के विद ते विद के विद **=५'कुब'म'५न'गुट'ऄॕढ़'म'ॐट'५मॅ६'रस'म'९६द'ऄॖब'**5ट'ऄॕ**ट'मै'ॶ**न्**ब'** हरामन् परि केना क्रमा पञ्चराव सम्बद्धार या प्राप्ता वृद् (स. 212 व्) व्यापतः त्यां क्षां क्षां विष्यं विषयः मन्तरमञ्जूषामाध्येव। ।देवार्व्यावरमञ्जूरोवेवराष्ट्री खेलार्नरः। वर्षायदेः दुवाः

स्वाय ह्व.विट. पट्टा । पट्टे क्रव पश्चेल त रह स्.रा । वृधास्त्राय रहिल क्रि चुर क्ष क्षुर वयस यरस य न्रा र जुन संस् हे क्रा अव न्र देव छव् खू ळेवाल गु क्षे खुल वाचट ट्व खंबाल रवाल व दल ८८। विव हु रिष्टिया प्रमाण स्थाप नुसाम होर वृद् मुर्खेन हिए ही पारे हिल राम्य प रस मुस्टिय सें। । निया नुषःणु २ विर वि'यय गुर। सुब २५'य दे सेसमःगु कॅन्य इसम अवर'न्न र रेंचे इस. मेट ७ बेट च.रेचे.लस कैंट त है। । देस. ह्यंच लस कचन तप् नि म द्वा दे अविकास द्वा । दिल स्वा के वह वी अव पहेंद रहेंव दहा तक प्रति तह नहार में रामर में पार केर व कर में निष्य के देश क्रिसे व है। । देव स्वाय त्युक्तायाय स्वाय य सुद य ५६।। वास्यवि ध्यय ५६। मञ्जू भेद'त्म । सुक्ष'क'मने मर महत महि सहुत होन्र सन्य द्म। हा न्द्र गुं न्द्र हुत सन्त न्य न्य म द्वर गुट केरे देवा छे द दर्ग । दूर परि'पङ्ग'पर्वसंस्वत रेग्'प्रेन् इत्यत न्य में पङ्गद्वत्वसंग्युप्सराधिवाया म्बद् प्यतःम्बद् स्वित् इत्यतः सदि कुत् सम्बद्धाः स्वतः क्षेम्बर् के म्बर् के व्यापः निश्चान रेट । पर्वेर भव क्रिश्र अक्ष्य दिर तेर निश्चर व अट.हू.। क्रियान ष्याचब्न्य पर्देवे के 'हॅ 'वह्नामी कुश'में 'घड्ठेवे 'श्रेट'में वे 'झव्' प कुव्''' नेया में सु प्रदा देश ही प्रवास कर हैं पे दे के दे में मार्के व प्रवास कर है पर के व ल्द्रियारे ह्युं म केव् में दे लाक्ष्म सर्म मुद्दा मान मुद्दा महिन में व अ'ग्रान्य स् । । पट. हे' सन र् 'घनर' घालया अव (के' 212 घ) मे वन्य खु स्. पत्रे है। विश्व प्रमुद्र पत्र देर पत्र विषय परि के दियल हित की पत्र स्वायः मञ्जूब'र्ने 'बेबाम'रेन ने वर्षेत्रायतः बूट'र्स । ।देव केव् हुट्य यहे रहाता म्बाल पहेव'वया अिट'मुबे'रदे'य उस हसाबट'श्चरपटा विरामानः

मिन प्रति के के प्रेर का मिन स्था स्था प्रति है। ।

बि सिन प्रति के प्रति के प्रति प्रति है के स्थान प्रति के

न्युक्षया । प्रकृषिया ।

न्द्रा दे। ने देस है अ शुद्र पर प्रतिस शुप्र न्द्र। । तथप्र पर हिर प पकु प स स्वाय अहर। विष प तहन हेत रे वें य तर्त हेस स ८वन्त लुल बुन हुन्त है स्थाप की देनक सल चुट पहे हाव पा है अ खुट .... पक्ष मार्थ क्षाप्तर सुन परि मार्बुट पुर्व गुट एवं स्वाप्त स्त नयारि, प्राप्त प श्रवात रहा या प्राप्त प्राप्त पाश्च व्यवि में क्रमान सः महर महर महर वाला कुर हिन मेन मह झे आवर रा । मिहन व्ययानिकायते श्रवाय प्राप्त । । प्रिवेश यार्वेशकायते प्राप्त श्रीय अपदा वि न्युसरहिन्दिन्यवद् नद् न्युया )।बेस्यम् द्रा । तथन्य स शुःसून র্মান बिनशःगुर प्रतःश्रातः न प्रबंद देशय । यहेव वंश श्रुर च चन्ने या। वित्य वयार हैं 'पर 'से के प्रमाय से पर दा। है 'ल' सरे हैं प । शहर (के 213 व्) ळव् यति रेसंपा ५५० कु क्वारण रेव केव् खेटाणा प्रोर त्युर ८८.हुड म्रू.न म्भव बहर है। । मृ.ज लेचया है स्वापित पह प्रमुख क्स थी। पर स्वीय की राव कर राव लिया क्ष रावर ही व की मदाहूर रद्युद्ध में बर्के देव देव देव ये मेरे कुद दर्दा अव किया मेरे पर देव मेरे

कु र र्माण तथाय स्व सुद हत्य पर यह समि है। । । । । पर पहेर पर्च हुँद त् ल्यांच पर्वेय ता। । या योगेश रेतु पर्व शक्य तेय पर्व प्यीर क्षा लयं जना चमुर् ताल क्षित अहर ताला । शि व अहर रे नेय उन्तर व ह केर पुरुष । । मार्स न्युन ग्री माल्य वस्त वन सम प्रिन सर नु मुर हिन क्रम स रंग सेंट बर सूर बर सूर पर्वेच यर् का ईवा का है। म्र पर्वे ता। ११ भ राष के हमा में रेट हैट देए लेल टे हूं भष्ट ही है था. मासुका प्रुका। पर बैंदे सुल ५ व्राप्त प्रुका है रा प्रुका ५ ५ पी बैट' विज्ञ यह देश में स तर प्रस्ता य यह पर्केट रेट हिंद य लव जन पर्केट त बेस च चह मध्य महत्र मेलु ममु रत है शु अर म तर् श्रुव म नि तर्व मंबदायह में सेंचे में तेंश तारश। साम में मान सा विता स्वीय अक्षेत्र में इस मारल प्र एवं म देल सहर। वरे हीं न प्रवं प्रवं में प्र प्रिय से मुद्रम् अपन्यः म इत्यस गुरु गुद द्युद मुद्धेर सहद। प्रद पुर। देद द्यंदः गुद कुंद देंर में मद्मा । महिंग देंदलम में मदमा । अहेल अहेद स्द क्ष मु प्रम् प्राय स्व य मिंश अद में पर्व । रेक्र म्मर परे हैं र में रा मिल्टाल निमाद क्रमेल नि होत याल मिहेश मिट अहरी देह श्रीय अमि. केर खल रे.केंद्रक रेवल कुरे रेजे वर वे वर्षे व वर्षे रेव रेव शर वल्ला था. म स अर्व पर म्पार पस कुल र में व केन नें व कि केर हर मर्नेश की हैं र देश म मक्स सहरा दे बन मकुर दे प्राप स्वा लक छे न के न के म दार दें है दन्द दन्द है दन व दन । खुल के (के 213 प) गुन १०ळ रट प्रवृत देश धर केंद्र। विस्रत तहें सत म्ब द्वे प क्द वळ चेर चुन। । अबु उद हैं न हद हुई के पह्द हो। । क्ष्यत्र द्वो द्र अर्केष्ट द् दू द्वाद्वा । वि केद रेद प्रवट दे द्वार के कुक मक्री । द्रश्राम कर्रा विमार्हेर होना स्था ५ छ. होन सेन मधासा अ

न्नातः त्य बुवा टा स्वार कु सक्य नाव्य अट वयन है। ।

प्रेम । वे। कु वण थल ५ हें प्र द्व सहन वस पत्र । । हुल पर कुल हिंद देशय गुँस रेश पर महत्रया। 15 दम में खुल रू हेम्र स्व कु अहुण देश पर्वेट, श्रील तपु मिल श्रुव, ईषध क्षित हुल के विश्व पर प्रथम पट्ट प्रेल के केर कु दम में झुद य आपल यल कहर यह झुद कुं होट मुले मुलर हकुर र लब मैंट है। उट्ट बकूर दश शुरुवा में बंध में मैं पत्र हैं के छ टट ए झे रु'द्वे'के सर मि'मक् ण दिन के महत्रा मुन्यर यर्ग मार्थ के শ্ৰুণাৰ দুৰ ৰকা টি লী ইলি অন দুন। ই ক্ষৰ শুকি ঠি নীৰ এই দুইৰ ই वित् गुं'कु'मळव पञ्चपना दे हेल बेद पुर कुल मेंल नेद दर हु लूब गुं र **बुँट व्य अव न्युन के अँग महंना ने हैय हट है का प्याप्त के में** स्'बेंब'र ह प म वायम म ने में म नु'मणुर मम हे हें बेंब माना ना देव ह माद्रेमायके सर्वसद्। देवन प्रायक माप्त सर सके गुर ह्या समस कुषायम बहर। दे हे या थे हैं 'सुदे हैं बेस मेद मु कामस म देगा सर्ने पत्रित वे केंस रद मेंस सेतु ह मार्डम स सहर। मेंद सा कुर हे स मु पर दे रास हुत हुत न्त नृ र्षे 'बेश' मु 'परे ह्या या मित्र मान्य माहिस संन्त हा हेस गुद् मृ अत् म अपयाम नम् मालुम के कुमानु अ मुँत किम धुयाकित मु मुल समया मही'य में त'क हिंद' देंत देश श्रेव रिपेट ही मझेव मह्य कृष मू मई अब ..... नथरः गोर् क मिर् केर मेरे मिर्म मिर्म मिर्म मेर मेर मेर ।

र्ट त्रुं हुं हुं चर्च न्यू केंट चल्च ल चहुंच चल्च की चल्टा किया रूर.जिंद क्षां ट्रांण सेंच केंट चल्च ल चहुंच चल्च सुध जब चेंट क्षांणा । बिजंश क्षा 514 वे) त्राजल्ट चल्चा चहेंचे.त्र ह्रांट्र जाचींट.क्षां है.

इस्टर्ण में तचर लेवेल देशक्रिता । १२.४८.तृ.हृ स्वाक्रिय पश्चर

प्रकास कर। ।आयस कर प्रमुख मार्थ स् करे ह तैर। ।तूर पश्रीका मिरे मु देत ल तुर मेर मेर हिस झार हैन है मिलुर प्यूसम प ह नर म हू ने पन नि इस मिन पहिला के पन पहुंचा के पार नव इ न हुं ही के ना नव वृद सि इता ह जेना दल मा से दुस देश पु मते ज्ञदारा मासुल हुद इत्सा पति चेच थ ते. कु.किटा कि टेनिट बूर.ती अचू.रूर टाईश त श्चीश टाक्नैरा भूद प मार्थित पर्यंत देव भू पहुंचांत तारु अक्ष्यं क बुंदा पि ती पंताय कुष्रा... मार्क में मार्बर में मान्य म प्रमा मा में मुका थ हें भेर होने मारे देना मकु न चुर । अंब लग् क्रमणे नुषाकु अंगवतर के अ वेद मेंद हें सा हिरापरे अत हैस में निब्द सन्य इसर इ नद स द में तरिया हिरामें हैं हैं दि र् द्वाया कु युग्यर अण्या रंग । ह्वा । ह्वा । ह्वा मु लिल बंद मु कु द्वं त चुं.ल २ में चह श्चेंब्.त श्रीमंत स मारीबा बंदा है हूर . चर्ने से में में से चर्ड चर्डा विद स्ट श्रद मार में मार चर चे. चर्ड में. क्य तर धूर रत। ज त्य श्रेय त्र हे य लट हेय है रहीट त्। वह्यात. क्षु.चे.रघर केट.ध्यायात अथा के बचाचा बबिटारी य वर्षेटा बोबब कटा क्ष कैर स्वाय अट रे वैंट वर सेवाय ब्रेट.रेड वे वर्केर प वृ.ह.बुंब.तड .. इद्राय द्रमल पुटः। ५ मिटः नि एटः वि तः वि स्वालाकावन यामारा या प्राप्ता वि स्वाला नामारिति चायर पर्वेर. केश्वय है ट्रं हैट. त्र धट्य त सून्य. दें . बुद्य है.. महिं माबु ट के व महस्रा हा के पे प्ना क्षेत्र मा के मा हु । व दिना में सूर নৰুণাৰ । এর ন্যুন্ শূ পাৰুন'দেই 'দেই অন্ জ্ব শুপাৰ বা । (জ 214 र्सत्य प्रवास रात् मु वि द र हैर वर वर वर साम्यान वि र पर्वास । इस. किल वि. ब्रूट. ब्रेट . चरव . कुल किल ब्रेट ब्र्य अर श्रुट . चरु . ट्रेश खी कि. ब्रेट 

मैं भ ५ है झेंद त कद ते पायुंक खाल २ हिंब ता ल झुंल तह खाल पायुंक ज्वाना । ने नाबुक पर्वेच वक्त वित्र विषय से सिंह लुग्य ८८ प्रसुद यह श्रुद ८५८ छै मझेब पर्वें भर्दे केव मुंद्र सा बेंब मु प ह प है हिंदे रिवेंट से रमेंब सार प्य लग रूट परुष परि प्बुट केद य घुषा रुद य में स ५ रूट सुल रू मुंब कर यक्ष जार्यकर तर भूर जा मुहुए ती है कि अर रहा। हे मुल स् ल खुल पका कुल घॅरे ही लामा पूर उपर री बोमाया 🕻 भार घर है हे देवा 🕴 मुल ह्रिंद न्यार्थ मासुस मार्थिय ता हि मा देव में के है सहूर हा। सर् लामः महित् के ति वेटा है। देव ति चेल प है। हर दमत्या वट हर हिंद मा मायट. म मैं जिल मूं जिल मंद्र अस पढ़ भूर में में ब अल रेट चश्च त महीर। भी केरे ह्यन स अवत पहेरे हा ह्यन नगु पुँन'स संगय हैन यस नयेन'यर ''' मन् मुँगायेव वा कुव में दे केंच्या नेदानु । मुहेशाय देवा दाप व प्युत् व अद.त अध्य र्ती क्षण ज हिर् भूम इयामार तस्थानया मेर से नी नी नुही. वृ। बटाबेटानु मि.पूर की निया क्रेटानु की नियानु निया पूर्तानु क्रमा र्र. भट. त् चीचेचेथा र. लेट इ. दे. हे. श्रुवः छ. त. चेच. हे क्रुवयः चेव्यः मुद्रे मजेर केर भ्रोवयास हिया कैशानिश्च रहे अथ स्था छुना हैल ही चेबैस 🚶 च अथ ने हे ल खेल च रंद जूल च दिवाय। वि. खेंद ची से, छ ८ अहमा है. पर्वेष.ग्रेश.स्वाय तथ धर.भवर.पद्धारय श्वय त प्रग्नेच तथ नेद्धा मु वमावय हिंद म्युस म्दि पार्मुद्र। स्थानु मृत्र प द्राप्य संस्थान मुँ हैंद से चु'न प्रस्थल दल कुल'में 'ल क्षेत्र'सु (कें' 215 व) खल ब्रेट म्यूव गुट नार्वस्था अवर चलु 'लेर जू के चेरुच चेल कूरे नाम अवर चलु हूं र चेनुक चरायर ' ' महन्या निषेर हुँ र बाक मु र्नार निष्टायि चकु र सबस पदि है हैं माक्तम पुराहे । । विर्मार अस्त अत्राव विराह्म महिला । । विष् X'ते'हे'लवत पढ़ी'श्चर्'पणुर्। |मॅ केव् वे र ४ व्याक्स'म्ब्र्'हेस' मिश्रेय म दे। वे प्रम कु मिलुद हा हेय मिश्रुर सद प्रदा । देव केव पवट. प्य पचीर त हील प जबा । ती श्र श्रद त श्र पखें जब पचीर हो । बट बेन दर वर्षे न नुषु र्येन म ल सन्या । विंद में न बद यन रहत देवल विन् सर मुना । पहनाय है न्र है है न क्रुं चॅर ल्र.व्रं न रेव्वेच वी देव केव स्वाय ग्रैय लव लच तम्चे न पर क्रेन चं ..... पर्नेथ.त.रेट ४ट ४ जुणां पेड्य.ग्रींच पर्ने द प्राय भे.पंखेट ई ईय.खे. चर्चेर मुख्यस्ट पाश्यस्य प्रमा विद्व. प्रम मुन्न अकृत १व. कृष्याचन्ताम् विष् कुष्ट तह २.६.४ हे य.ल नेश्नर सट. तमी. लेल येश लय जन पमी पमीर त पश्चमश्री मुखुद दे दिद हा हेर ह द्युद मु थे हैं ह र्स्निय पहुर पन्द गुर्व होय पर " श्चिम अधरार्ने स्प्राचीरात्रे प्र क्षेट प्रदेश श्वराची सी वि छ वेया प्रतिरा नव्या अटा मुन्याला अट ल मुन्या द्वारे में मुटा मुन्य में नवि मन्य है। देहे बटाबयागुटाबटालं बावयानेटाखेद तथ के प्रव (के 215 प) द्युया मुद्रम्भे अव्यायल कर कुरामहुन्य। छ्र धर कर हे है या ल मुब्र रजेश ह्र्यंयातर वर्दा अयावकृत पढ़ीय कर हे बद हें व हिंग देश विव न्युत्तःसःचरुन् वर्णात क्रेंबसःत्येलःयःसन् तेव् संग्र सहन्। श्चितः सरिः वसःग्रदः वृत्राप्तः सर्वेष् द्राया वेषा वेषा हिन् प्रतः हेन् सहप्ते दे दिः ।

बुँप्य यु कुंद रियोग। यह ये छेर शिव व लह यह य सेय रव हेर् गुँच कु **हुँद प्राच्या में यारा हिला पाल इत्या के बार हे हे ए छन्दा हिला गुरू** क्षेण क पासल पर सहर हेट पास हिंग महेन में नट पूट में बह पास हिंग में द देव अमूर मू जा मर्किं। लाट बेट बेट गय ह्या वेट झेंदा चेलेट हैंट विदा मासु विम मानाय थे। देश युम धंद पृष अमेद संराय ममुन में सन् व में केंद्र देद केंद्र मात्रम भी मागाल हिंद लाल मेंद्र मुँ झुद्र मा माद्द सद ठद ' वस्त कर क्रम भर ने अ द्वा । आंतर त श र ते र ने विवस तर ह ल घड़ेना । मॅं र गुँच पहरूब परि भेष क सप्ति प्रवर्षे । 15 व रे ४ व र पुर प्रवर्ष अविश्व द के न्गुर ज्ञाक द पुट है। अन् गुँ अवका द गायु दु ग्यार कुँट दा। रूरि अर में हि हे खुल हारा द्यु दुरं बहार पढ़ी। पर मुँ वाषकाय प्राप् र्वा कु पार क् है। है ३ व व जाना ना निष्ठे कुल या। हिंद की अपन पाने इ.सेर हा उन त प्रसंदा कर इ केच ल रचल चेश्य है रे रच केट. ल केद की पन्द कुद ल पहेद प लेद हैटा। दे दसल दट मृदद दन मेंद कु व्यक्तिया तथान इसव पट क्षेत्र क के हिर च दे अधर कथ हा । बिरा हेंदे. हूर हूर पेरेस मेर एतचेस लेल हेरा । विवेर त प श्रास नेबेर विहस्त हुब. पश्च में था। । त्यर प्रीट. मुंबट. हुंब बोड़ यह टें एयर टेट। क. पीट. प हिंद हिंद द्रॉद करूप हुत्व पहिंच गुरू विंद ति ही हाद पा स सप्ता दश कु... नर.रे.हेबा इस्वर्गालहर टट.जूट.रहे अ वे.च रटा है (का. 516 व) अथ वश्य वर्ष अद्वित प्रविद्व त अहता अव लत्त चर्मेर त श्राम्य.तर. पश्चम्य दय ब्राचीयाम्बुराद्वी केर्मचेराम्बेर व्योग म स पर हर्ना बेरागा 선내석 다음하시 됐다 의 단 이의 에마세. 취실, 의 모스 디고 취드 | 출신 출석. 취색. मध्म प्रमा में के विषय है से मार्थ में मार्थ म 

माध्य मार्थ स्वाया । मामार मानेर मार्थस माध्य मुद्द कर् ह्य सर। । न्बर भर न्य न्युन् गु खुन्य सु न्रिन्य स य न्य सर्व रहून न्युन् न्यून वय वि यांत्रका वि सि.जू वृष्ट क्ष भुक्ष भीनर ए सूंह वर अल ही यर अस हा मल म दे न रहुते दूर मकु न मतु न हैरे वेनाय मा मुन के व लें कु व मरे ५६० हुते हुँर पर पाबुद झँर पाबुझ रापाय ५८। पानेर सरे छुँपाय भीव पु बर लट. श्रुट वर पर्वेशस वा रूर प्रतिश क्र संग्री स्व स्व स्व स्व स्व मी। मनुत् है मुझ केव ल हुँद् द्यर म द्दा । । गु मव देंर देंद् मनुद् हैरे महुन् सेव सूरा । गुल झुन् म मेंव में सुल पुल नहा। । र से नेल झुन झुन हल कु विदेश मार्थ है देश स्वा श्रद पेल पेलेर ट्रेंग में हा । पर्वेतर हैंद ब्राम्य प्रति हो है। हैं व वर्षा 18८,रज है वर्षेष जब क्रवंस वह रहें न्ता क्रमान्तरार्टराज्ञरा हैत हैन इत् ह्या हिन हिन पर हिन पर्न है सुकारुट नि । यह व हिट केम झव देव हिट न्हाय हरे हुँदा । रहूर पार्टेर विस्त हिंद पार्टित है विसा । मूर हीर क्रेस समय पर्च 'पाठेस' ब्रेट प्राचित क्रिट कुल मेरे रेल ए प्यार प्राच प्राचित वर्षे है एक प्राथम तस् होत। । पर्नि है के सुस प्राय क्ष स्नाय हादः बदा। दिश्वत्यावरानहेर के नद्वश्वाध द्वेश हुट हर हर मेर हु अट पश 여숙자 최정요 두백 취직·정 최 여도·본·! !(하 216 □)

त्यु त्र के हे के क्यं त्रा वट के मार स्वायक तर्ष का का त्र विषय त्र ह ह ह दे ता क्या त्र वा का क्या के ता का विषय के वा का विषय के वा क्या के विषय क

केंद्र रा प्यार म क्षेत्र दे में मुन्य मुल मुल मिल मेंद मुन्य स्व तिय अव में सि स केर झेंब परे पाबुपाय यु सुता प केद या। क्ट कुंस ईस नु तह्य तुरे होट गुव मृहु तसुल गुंब बेंचल। 👨 पर तथनाब सुल नु लब हैं ये हुंदा अब केंद्र वंस ब्रायित ए सेंद्र में हैं स्वाय केंद्र स्वाय केंद्र 어리 다활스 저 스트 용도,셋 보네 덫양 휄스 쇷비성 비스워서 다양 비성도 버릇스 755। गुब्द यद ह दद केरे इट केंद्र केंद्र में क्षय दूरेय सु अहम दस न्य न्युन् की नान्यक य यक्ष्या तह्य हीत न्य के त स्नाय हीत स्व न्त पठमापते खुल गुंद के अद मन दम अपस गुंत इसम के नद्वस यह पहुंद हिटल ब्ल लें. कुट हिट ल लब जब पच चक्किट तह हैट हा पटें न त रेट जुड़े रेट म्पु प्रमुख माह्या अहर। भी छुए झेर लाई प्रस्थ में मिय्र स्थल मुंब भु विष्य सर्द घडना कून की रिव्र छ.पश्चेर घषन। विष्ट बनन कर की ट्रं नर्बस्तान्टेर के श्रेट. ल लच जन पर्येट न चेत्रतान अर त्ये में कैट कुर. मदी। कुँद छट'यपुद है सुस्र या कलन वनाव देना यहस्यसद्रा ब्राट ने ब्रुटिन प्रता वितायर श्रीय व अक्रन प्रवास विवास विवास 명,설생,네클Cજ,너 네서도 다 출근,정네.흰 윷썹,너)호소,다친소 날 큐스 다릴 출다. हुना-८८ पदनात्र पद्व पहुन्न स्व पग्र कुन पहुम दय पद्वल। अधर सु लुका स हार मार श्रुव परि कुल मिर किए पुर (कि 217 व) माने प्रवर्ष। । नि हुर कुद चले विषयात दिस्य सहय पार उत् दु तर्दे या मा कुर्व पर तर्न या चहन्यरम् सतदार म्नि स्तान के निवन य नु सर मुट अदा है, केर. थे, कीण चष्ट चर्नारा बट केर नहेर अह, केवा नायर च केर. थे. नी छे. इंग त. हेर है वर्षट. रे. ७ रेर त हेर जनम तह है मन में है चक्रें तह हैं. हित् यान ख्रम ख्रम्ब ग्रैक माबेत् स येद 'दे। तत मं दे हुत् स सवा चह के ब्रुकात रेच इ.हेर् क्र्याक्षेत्रमायारेट । क्रि.धरा चेट,हुवा.क्रि.

तर् तर्वे ता प्रत हुन स्वे श्वे भी जिंद वृध से में हुत। वेद वर्ष अष्ट्र निश्वे. बेद पर यद विवास नेप रूप मुख्य यह मालुप तुवास द्याय स्व कुर पही न्त सक्ष्रिय मान्त्य कव की ब्रिंट्स सु स मुद्द मारे क्षेत्र मृद्द । ज्ये स मान्त में र्याञ्चय पर पीट्र में प सहये मेंस ग्रीस है प दल खेटल येथ पीले. ह्या य समान्द्र यत्र से तमाय ने त्यों सकनाम यते धुर दर। मासुस य वे हुँद हुन के जू किंश हुन मुंस एड्रेब हिंद पाय ट्रिस के बोबीटन तर घा बरे किंदे . रद ल मह्नाल व दे म्र वदाद धर सुम मित विषे में । । तिल विष म के लि लचु हिन्स मुँ सुर्वे । इब पर्वे कर पर्वे । पकुर लहेब कर बेर गुरा । विद स अब सेंस बेर भी में ने रेज़र हूं जो । विश्व रक्ष बीचाल के अदल बीच क्षारपुर वीका । स्याप्त वाकार या या विद्याल केर राष्ट्र **सहरा । नायः** रिल्ध राम्न के विक्सून स्नर वासुक नु र्विष व वादक की मार कराट सारे ... ह्न म हर चुर मते झुन मते छट महूंल ने मक्ति र हिन सटल पट कर केर. मुद्र गर्द दे हैं इत्राचे दी हिद्र श्रव न्याय से ब्राय नामा है। वित्व में बर वेश बर्ध सर्थाय स्टब्स से हैं विश्व में से के वेश विद्याप विरय था .. कुर चले हुट हैन क'सन रट घठस'यर चन्त्र चन्त्र। नामु र्वेन रहन अटा वृह ज्येष लंद अर्थेव हा चंद हे नेताल बंद त्व कु. हे न स्वाय है. ୱିନ ଶ୍ରୁମ ନ(ल 217 म) ନସିନ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ। ଅମ ଅନ ଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅ न लच् हत्यंत निर.ष्ट्रय च्.इन कैल नेवेल नेवटा। स्थ शुरु,हे.शा सै.नहेंय. चण नैस द्याय चवटा। व्यव्यं व्यवाय नैस कुल वळव क्रम ग्रैस कुद एनेल म्ने रेनेन हैंबे.यवब.रे अ अहरे ट्रे.नेट.जिसक्ष्यंतर ब्रूपान्ट्री 따다' 클로 회교자'면 전' 좌용의 용도'를 본 대 미명 전비' 디자' 두본지' 정' 문제' 정'···· नदार प क्षेत्र कुर् पक्षे राम द्वेरा वि: कुषा में ता के प देरा प्रकेश स्वायः इत प्रवृत्यसः म्यायस्त्। अत्यः सेत् अत्यः वृत्यः वृत्यः स्वायः स्वायः स्वायः त् स्वतः

बदावसाम्बर्भिता अव तम खेव लया लग लेवा चन्द्र स अवरः धेद'पदी पुर'पदे कुद लया। ऑप झन् केद प हा के के न्या । अहे झन् अपित कुर्। विर.स् त्रि कुर् स्वीय अवियत्त अद्युत्यालेण क के कुर 러른시 [3건,다고 교,면,맞서,통상 건도소,음소 어느,원 교육,관이 단점의 교육 लिन्स पन्द तक्ष्ण ल हे. के पर्शेंद हे हेस खेट पहेंद प हेर खेंचे पहेंद... केद चंदानास्र रेन ने नाबुद अनस तक द ही ल रद । अस चंद बल खुद स्त्रांच क्षेत्रा क: अट. हा अहरा दे राग में कुद ल बेर लेगांच खेंच या या गा पुर नुर मु देर र्सेल रहेद प पर व कर र पुर प्रदेश वि देर कुर र र मान्य के म है' है द सम्य मुल' मु अकेंस मुद्द र में य में हिंद हैं व में। हिंद वित्र प्राक्षेत्र तक विषय वार्षेत् यह राय में स्वाय सहत हिटा सुन्य स्वा म्रें में मुद्र महि हेल लु त्वद्या न हिंदे मर न केन करने नम देव लिय के। अव. में श्रेम में पर पर्याया लार ग्रेष मान्न में य क्या में प्रमु न रेनान ल हूर्व क्वेंटल बर् न है विक ग्लूट नईल क्वेंब विदानर टेंबिनकार यम गुर हिन्। वुर बागर क्षे अते श्रियायकुर न्यंद छन के ने बार । एलनाय लेल वेच. ह्रेन्य ह्रेट. बुट श्रव ता छ । हे. द्रा कि. दना ने श्रव ता श्रव माक्रांत सरामन् कुन्पर म्यार यहर यह अस (स 218 व) कुनामहनार लच है. इद् व्री क्षा अ पहें बाराया में प्रतास की कार्या अट. द वुंबे. १८.८ हे पर.रे. तथरे.त रेट. जब पुबे.बैंबेब अ.१४४.तथ.पबेरे.... पहर्व इंग्लिय गुट श्रेव पा जावव भेगव हिन् सर तिवास मा केंद्र सु मान्य स्त र सहवा स्मिन्द्रिन्या नैसायर्था स्मायरे प्रमुद्राय वासल प्रस्तु पिशकार्यायक्षराक्षर हेराप्त हरामहराम श्रेव दें। I

न्द्रां भ न्युमा अर हेना न्युस नुसा विन्द्र हेन् मा। न्द में दे। अर हैल न्द मेंद इसल गैल पुर प सदा। । पानत न्द मुं निर में ९ वर्ष व पहें व वय रुष में इस म्बन रट पनट टव में ९ वर्ष स लिए हैं व पांत हुन है टिए ज़िंद ह ज़ेंद है देद पीन वा ज़्वान पा बनन ग्रीन पिन न्नु म मु अई इंग मुल केट मेरे हिर तिर् म व मु मर दम मुन्य व परे 명이 듯 ஐ 최초 설목 다 다등록 다 명목 ठ국 월드 중요 A 현지·현재 및다 의외 중 중지 स्य वस होत् पति हैस पहेव पस नावत सर संगल के हैं गल पर गुराप की ह्याय रिय. केल ट्याय पर्वं केट के ट्रिय घडें होट कुथ तिया घडेंग. थी... अहर दस हैस नाले चुन रे हम के क्स म दुस की तिहर में रायमाय स्था. ल्राच्य से बिट चप्त है। इस चप्त होट सेव चित्र सेव मार क्षेत्र प्रस्थ नर जिट चर्नेय. धरे देव खेल हु ममस दस इस मर द्वा धरे हैंस दमें छुनाय। या से बुनाय रंबार्ट्युद्धान्तर पर्वेशव पवाज भीवर में अष्ट्रियर योगले सुटा अ सूथा दे.बै.रम.वैट देशव के रेट.म्.लब.स पुंब.तर वेड्रा (व्हिंब.सब.बट्ट्.केट इसस ८८ देश.एक्ट हो। १८६व हेर.विशय प्रर.चेश्वटग्रन्त.से.ट्र ४८। । Bट सर रट पुट कुल प्रवाहित क्षाय है अप्रविधान हो े पर्या ठग (জै॰ 218 प) में। 불학, 디자, 떠나 된, 말고, 로이 용상, 최, 최山상 다, 스투, 1 교, 명, 또 너 너 도 용상, 너 ब्राह्म यह कुलायक्ष्याय प्रमायक्षया है जात्य पत हम कु रमाय प्राह्म । त सम्बंध अर् रेट । कैंट कैल अधिए एस् कि. अष्ट ग्रीर गेंट पेशिट र प थल केर इनस्र्ना हुन्यर न्याय नुषा है विस्रा त्रेर मुक्क घर मुखुदब ध ल घहेद दिव अपिक ध हे कार्य गुरु भाग लेद हैं रेट र न्हें वर्णेय के 'वृद्द'न्बद'न्युक के 'तुद्द'के के किया के किया निवास के किया निवास के किया निवास के किया निवास

सहर। ते हूँव तुंस हैस तुं पहुंच पर्ध अपन प र्वार वेर अब अव पव परस ता रूप त्य स पर्वा भी जाना लाव का ती ईवाय रहा। विर्घर कील व पिष्टेशास रट चैट बेनय ग्रेथ नर्जत चैर एहन हेरे निश्य पृष्ट कृपेश देशव . र्दि ल पर्नेंद पद में परे पिते शिंद पर्दे केना हु पर्वेल। कुंद लख स पनान तह. हुल. हे तर मंद्र च त्रवार होग ग्रेंट च हेंदे हुं हुं भ गींदे वहीं य हों वे त पर पाबुद सहर दे रदे दिया के मेंद की है स पाबुद इसस की श्रेण सर्ं। सुन त नैट चर्न जूनंत्र कुरारट जूल चर्चाल। विश्व देश सेन अपर सेन कुरा मिश्रेय सु मेला । दे हेरा स्राप्य द्वार दूर'म वर मु 'सक्र' रहा । स्राप्त हिंद.ची त की अक्ष्य तट टंगर.खंज.जंट अ.चं तक्ष्यता) तथम चेल त स्वेय गुन होल.च.लब.लेब.लबंब बे.चेबंबा विट त हबंब कंब.कुब.त्र बीट टेंब मु ७ ५५२ छप्ट इत २८ घ्रेट इत रहेर कुक्ररिहर, दब्र झूल छन्य घर. पर्यान बर्दर खे.७६७ टीटब कुर्ना, रूर् बीच हूर, इर बुद्धर टीट कील, पहु .... ह्य थे.पचंट.के क्षय ग्रे.पबिंट.पियंथ क्ष्ये.च्.अह्टे क्षय क्षय पर्नेय प होये.... लक्ष.त. ह्रिचेव लबाईव कील टेट. टेचल चेश्चे जर्चे ह्येट. चक्र. एजेल कुरे. बहरे. हिट बर्हर'लप्य सु (का 219 व) यान्या 🔻 रे.र्ना ने कुर प्यतः ध्रेय वय हे. बिन्'बार्यं कुंयं कुंयं के हेंया है ने मिर्ट हिंद के बेंद है ने किंद प'यहर प सम्बर् के केंद्र'ल लेकालिका मुद्राहेश रूटा। हे 'द्रेद्द आपस म' क्ष्ये, ज्ञान्य प्रचेषात्र प्रदेषात्र होता होता त्या विष्या हिना त्या होता होता होता होता होता होता होता है ज लय अर्थर तिर्मय मुन्द संदेश विर्मय स्था मार्थ र मुन्द सं

में अन्त है। (न्यट्र खुन्य स्ति। के द्वार न्या के स्ति। न्या के स्ति। क्या क्या के स्ति। क्या के स्

पटका कुकार्य पटका प्रति तार बैटाहा ।

प्राप्त कुकार्य पटका प्रति तार बैटाहा ।

प्राप्त प्रति तार बिटाहा ।

प्राप्त प्रति तार प्रति तार बैटाहा ।

प्राप्त प्रति तार प्रति तार बिटाहा ।

प्रति तार प्रति तार प्रति तार वार प्रति तार प्रति विद्य विद्य

त्रियान स द्याम् ह्रा क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षेत्र महिन्द प्राप्त क्षेत्र महिन्द क्षेत्र कष्त्र कष्त्र कष्त्र कष्त्र क्षेत्र कष्त्र कष्ट कष्त्र कष्त कष्त्र कष्त्र

धैयापुर ने नाबुर भेव नु बर बेर। येंद ०६२ वेंना कर नेंद हे हुस कु विण नी हैका नाबुद पञ्चल हे वाँस छुवा। छु ५२ स स ह य प्राप्त का प्राप्त का प्राप्त के प चुैक कळॅद'परि प्लुट'स्ट य पञ्चर पन् कहर। हुट दग् स्वस् क्रिस तित्र कुस्रामिट्रेर सरटा, सटा, तित्य वेश स्रायं प्रमीय पाष्ट ग्रीय कुर्या .... निर्दे ग्रेट । इति विस्तर म्रेट हैं अस निर्मेर सर्ग निर्मेर निर्मेर न्या में भूर भार्य देवल स्थान। श्रुव ताप श्रुव तम नविदा रत मब्रुह र्याय रा योश्र टे.प्रेंशय। हैं ट.गूर प्रतिय विश हैं टश पर वर्ष वर्ष स्थाय हा स्र सदः देश भेद मु 'पश्चन के पर्या कु दम न्द्रिय न्द्र समुद्र दिने मुख्द सः । र्वात्र की.र्टा अहट लेल.क्रेचेय में अधिय पालेब प्रवे भूट अविय रट खन्य के क्रूबर चिट.तंद मुद्र-ल तहेंद्र-लट तहेंद्र ४ छर.ह्य.तंद्र में ह्रुबर नसर त्युर ला सन्धना के हैं ना (से 220 व) रें पन ग्रेग नस्सा 황노,퍼널망 너리와,홈요,싶네서 젊는 더 더졌어 뭐.뭐,었다.님 빛고 먹는 근 티는 그고. 최근.돗.11

हैब.टटनंश होथ.ताह क्र्य.टट.। जून शोट न्याय.तेथ ताह.टे. थ १.७४. टटनंश होय.ताह क्रय.टट.। क्राय.वाय.तेथ ताह.टे. थ १.७४. टटनंश वाह.टे. थ १.७४. टटनंश वाह.टे. वाह.य.वे. टटनंश क्रय.वे. वाह.य.वे. वाव.य.वे. वाह.य.वे. वाह.वे. वाह.व

न्। अमे हे प्रयाप्त परि जिल्लाम प्राप्त न्। र अस् अयाप्त परि र मु लै न व र्वाक प इत क्षेट के पड़ेद पर्क बट रु क्षेट्रसर प्राणक गुटः . च्रिये विष्यं कि कि विषयं स्थानियं के प हिंदे के छित्र था स्थान पर दूर चकुर ५८। विषेत्र बु रियुट म सन्तर बना सेरे विश विस पुरा मारे माधुन यह थ मुल अक्षर अट र लट.त जन। कि चिबेट मेर में जाय क तक्षरात कुद कु प्रमुद पर्वस्र के भिर्म देश प्रमुद्द प्रमुद प्रमुद प्रमुद प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद प्रम मिर्देश मेर मित अवर प अविश्व तर श्रेत राष्ट्र है है रिन्ति त कर कुर अहर् प ल के बद में कु रोग अद बिद। के बिस रहू भी दूर दम दगर चन्य पर र्नेण कर की कु निमें हे हुआ मारिह धन हु कुँरा विन रखेल र्यार थ्रा पड्य रेविट्य विष्ठा ह्या त्य ही है। हर शिट्य या पूर व्यक्तित्व भ्र विश्व देश केलि. सूर्येश के ही. टे. अर विंट. तप्ट वेट वंद्य ग्रेव अहिवे.... क्रेव स्ट्रामेश्वेट मैंव से बिचल विश्व त हव स्यु च चहेव एहव क्र्यामी है। सल मस्त पर तेन प्रमुद्द में में अपर प्रस्त मित मेरे हुने । दिसर

लब कुट । देव तंबेंट जिन्न थ के किंग्य के केंग्र एंग्रेस त विश्व मेट र एक् 8 केंग्र एंग्रेस त विश्व मेट विश्व में केंग्र केंग्र

न्य हुँ र ब्र्याच्य क्वा च कार्याय जीवाय सहार मिल्नाय स् हिंच हुँ र ब्र्याच्य क्वा च कार्याय जीवाय सहार मिल्नाय स् लाम मायाय प्राप्त क्वा च कार्याय जीवाय सहार मिल्नाय हुँ न मुद्दा मिल्नाय प्राप्त कि मायाय मिल्नाय मिल्ना

चल्राच है। अस्तर्पर्ट अर्जु द्राक्ष्य मान्यता । ज्राह्म स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त स्वापत स्वापत

पहिंचा तर हैं के यह दब दे हैं यह स्वार स्वार दे हैं में स्वार मार्थ के स्वार मार्य मार्थ के स्वार मार्थ के स्व

प्राचित्र प्रदेश प्राचित्र ही स्थाय प्राचित्र कित्य विषय क्रिया प्राचित्र क्रिया क्रिया प्राचित्र क्रिया प्राचित्र क्रिया प्राचित्र क्रिया प्राचित्र क्रिया क्राचित्र क्रिया क्र

पर अहर प ने ग्व कहिन पस्न पति हैन छेर कि व धंव है।

महिल म दी तहिम हेद महिद महिल महिल महिल महिल मार्थ महिल मार्थ ।दे नाबर मार देनाय कुल पय नासुरय प केना । प्यत् लाना छेर न अवस इसस मुल पर अहर। । दि स रेपा पर पादल सरे हराय केंस तिहर मासुरा स न्रें स सु के मार्ने माल है। तारल कुल इसस दे मानुल मु वर य न्र वसल ठन् अप्रेंदित ताथ प्यूर्त ताथ हुंदि ताथ हुं यो यो हुं हुं यो या वासीश रंद केंदि हुं यहाँहु . रैस य प्रमुद दल ९६ण हेद य ५८ से सशुद यह है सकर ऋ५५ घुट यहे " एष्र प्र पर्टें म की एहम हेब तर् पर्व पर्व पर्व मार्. प्र पर्व पर श अहर पल देवा पर वादल दे दवा वी वादार भुवाय कर हुवाय पर कुल पय वासुरय त वे अर है। । विंद मुद्द यद्य कुल इयम मुैल दे से समुद्द दारम स मानेत u रु⊏ वर पुर केर सदे धुर दा हे रट हेकाम्त्राचर मु पते स्मापल सु वय स व कु तत त्ये तत हैं वे हेब केव बुब गुदः वेब सर के बुब सि दें द न्योर न के त है रहे ज पर अहरे च हु बटब बैब ग्री विरे क्ब लूबे जो ण्युट रव बल केर लेग्य हुर चु भू तु प्रवस समादेश में व धुव है स लंग धर नेश धर हिन माल है लिवाब धर नेल'न्विंब'मब'अहें वा तर् (के 2224) रवा ग्रेट. नेया प्रेट लब लब हा नेय से. हा देट. य लुब. यस. श्रेट य देशव ग्रेय. मेद्र मुक्षायर अहर दे। ।

न्युः सा क छल। ते छल। २व क्टा। ब्रैट स्व न्वन न्नानु छुट छल न्युः सा क छल। ते छल। २व क्टा। ब्रैट स्व न्वन न्नानु छुट छल व्या ।

어어. 명보 등, 다 린다. 현실 4 선률, 너 보고나 합니 근리 정리 명보 나 먹다. 토리의 夏년 | 나는 보고 있는데 은 다셨다! 다음 역을 내 보고나 등의 영리 나 먹다. 토리의 夏년 | 나는 보고 된 선률, 너 온, 맞의 확인 중에서 등의 회의 | 1월, 왕단, 꽃의 집, 활노 출근 회의성 오는 술 다고 다듬성, 취드 담근 다고 근적 및 어ך도 선수 목 출근 회 रिचें । केंद ईंट खन रुन इस बहरा जॉट से म खन रन् मह हिन में है च. चंत क्ष क्ष पर्वट. वर्षेर बुट. कैर वस्। ये तर बूट. मुंदे बुँपाय स स स्पर्त क्रिंद इस्स करा टे टेंस कुँ डिंदर पूरु से बाबीट बेंदान सूर्य बें ह्रियंत तपुर् निकुष प्रमिन के व्यायद्वीत्या अस छे.नियम् सुर प्रमित हि प क्र्य. हूर तर रेवट वसेरा विट.कव अथस रेवट हे ई है ह त्यारे के या है. हेर त्येल प सहर रे किल पर खन म बन्न ल पहेरी है. रेपट मेन प्र पकुर र कुर्'पद्देव दल ग्वे'पहेर् ठव र्पर पक्षुर प संग्य रेस पखेद… कूथ मेल परेंद्र पेंद्र तह अवर एहब रेताल की बील तह और बेबेब प्या.... रैनास यदी नासटाय अळॅन हु टेस मारे हें हेरे रैनास नाउन हु पुस हे दहरागा ब्रुट:ब्रे-अर्थ क्षेट:ब्रे-ल ब्रुचिय त क्ष्ट्य तपु ट्रिट ब्रुट व्रे-त व्युच क्षेट्र ट्रेट त्र्वे.. ज्ञांच भिन्ने पर्यु है में प्रथम रूट ल ट्युप रिम्म पिया मुं 'ट्यम पर्सेन हिन " कु न मह्त समार दें हिदारे पाय स्दार् 'माना है सरे में महत्र बुव सरे हर इ.चैर पथ नर्था चैर नर्था र ईया र्याय क्रान्ड रेयर त्य नर्थ कु ८ कु क र जेल हैं के द र र द द द द व र व है व व स व व व द द दे र र व पहिंद रेगल स्दार्मभय पुँदानिद प रार विप्त पर विप्त प स्थल में पक् (के 222 प) पकुर हें हेरे वि'ल देखाय ठव टु लिंद वस दयल दुस गु लिंद '' विदे देस न्यायदायम पश्चम चेना या हा व सेना यदि केंस नी विदे वि हैंग हु " र्भैर। देवे अधुसप्तयाकेद'द्गु'मञ्जःमं दुगाने अ मदनानिसर मे वेंद्र स्द' मुैं . सूर, क्रुत्रे थं ८८ च थ्यातपट होगात कृषे त् वेशन, र्वेवेश कुै, क्रूय, प्राप्त एक र ब्रैंट्,तप्र,श्रंप तबर,ट्र,र्बंद,त स्वंद्रं। रिटैंट,रबेंद,पथ,थ,ट्रंथ,वी,पर्थे, च्छेब.सी |द्रचन, स्वं क्षान्य ह्रचन स्व द्रभ नुकारहेवा विरह्दश त्पुट'वयुर'ञ्च ऋँ'द्देवन विवेश'वय'वर्षन ब्रेट'क्ट'द्द'वर् वव केर'न्वट'''

न्ध्रेय म दे। कु'ल्ल ह्रेंद्र'म ८८व द्यामकु'८८ महर। १५द'कुल बेद हैरे रेद व पहुंद र पुरायहें मा । र मा महें माय रद में दूर सद र पुरा । बर्दे १९५० गर्डेर र्बेंद संगार देने मुख्यामगुर। । स पुं के दे हैं कु देन में खल'र्' हूँ व' म छ ८ व लब ८ द्यावय में 'ममु'र्ट महु'स्व'म'व। ५व'मुै' कुर लया जब बेट हैं 'बेय मु पारे कुल में है के हैंब 'हे हुहै 'कुर लया **長ら、はこ、ゆか、口な、望い りょう り、うれ、夫・ナロ とりがいし、しこれはしていまましょして」** लयन्त्राणुलाद्त्र पट्टे पुल म द्रालमराम डेरामामदेद्राम अर्थेमामा न्हेन नेनाने वेन पर्छट हिरे हे र्झेट् क्रमणे क्रम न्यान्य ह प्रदेश नेहेना ह्रा मान्यान्य विष्य स्ति मान्त्रेया सह मान्य मिन्न विकास मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य इंग'भर पर्दरया पष्टे, २.चारे अ.ज़िय जैट.रे जे.तरू अ.ज्ञा ह्या हुर, में ट.ई अय. मरुल। ५५(कें: ३२३ ६) यस रमारु चुरान सरामें चुराझे ५वे तिर्वासित्व में हे क्षेत्रपृष्ठविधायर युर। यदाखेष्वेष्यादायक्षेप्राणुष्यराखेत इतवादवादेव 교다,다음식,다.될데 저다.비 출수,다양, 웃다.여. 최다,독다,독다,영생,다 됐다.스다리 न्धिनान् हेद भी हिन बर युर द्वार वेन म के किर मी कैंबर मान पु केद मा मञ्जूर। ८६६ मॅटर्नु क्षामञ्जूर नुषरमहै कि है म है बा मन् उस मुद्धार विकासीयोथ भेटा। ट्रे.ट्यां,गुकाग्रेटाष्ट्रकाबटार्टे,पर्झेरायाल्यं,पवानकेरें,ता. वेदानु प्रमा वेदान्य पर्वे वापादा अदा पुर्वे । वे दे वा के १व प्रमा प्रमा के कुल मं चुराने पर पुंकु विमाने कुल र प्रतास मिरे के प्रता में दिया गुरा न् केंद्र पर पक्षेर्ति प्रविश्य पढ़िंद्रिय थ। बे १४म में चुल च्रायित प्रविश्व क्रिय हे. 졌다'뭐'미ゟに'다'들다'문자'다자'중지'명씨'들'불룩'죽지 미국저'뭐죠도 다'씨'득두'다' मक्केर्य रस सहर्। हेसर्य से अंश्र्यायार क्रें येसर्पाट र्रुप्यूया इब्रांच कुरत्वर्यस तस्य ग्रन्ति चि.स्. मु.म्. ज प्र प्रमान स्वीतः ग्रीसः... चक्रेबे.त चेश्रल चर.ष्रह्र्य। अ.त्र्र.चेब.ब्रेश्वाक्ष.त्र्वी.ब्रीबे.ट्टय त ल. अन्य चर् खेल की पश्च पर स्टर है निषय पर अहर पा ग्रुटा कु निष्ये अर ला केदा की वह हैं कुला यसा में दूं मा निया निवस महदा पहुं हुना हुदा इत्यायान्ता पृष्वेतावृष्णताव्यवार्वेत्राहे दे पाविदानिवेन्याय ह्यद रहत्याया चै पक्ष पारदेर सद्भेष के मुल प्रस्थायम् वर मित्र पारन् प्रात्र है । । । नवट के अष्ट के रेट्य ना स्वेय वया है है रे यर पहेंद्र स व गुरासर । बकूरं चबुबं तपूरं । रूबं .बैदः मैं .लेख टें .कूबं मैंजार खर्चा वा का कु कु में मैंजा वर प्रेंब (कें 223 प) य हैं हिंहे प्रींत क्षिर पु प्रवत् प्रींत राज्य । दे चल्द्राम्नेन्यायसम् वित्रामुल धराषुन्य हे किद्राच मुलाय मुलाहि निया चर्नर वेद विर महत्यार स्वाय स्वाय स्वाय विषय महित्र चित्र विषय विर मारा र्मन् भुग्युर पुत्र मिन्द्र ग्वायन स्वाय ग्री महत्र पान्य मा दे स चुट'पर'ब्रेट'वेट'। दे'बबुद'कु'खार'छै'नश्चट'रम'द्रवर्ग्य'यट'घु'कुट्'छै' , प्रवृत्त्रः अतृ रत्यार 'क्षेत्र' श्रवः स्थायः कुष्रः प्रवृत्तः स्था । देवः दः वर् खुन्य । यथ विन केवा दे । यथ गुम् । यम दे । यथ वि । यह । यह । यह । यह ।

प्र विदा। त्र त्य प्रतार स्थाय प्र दि शुंह स्थाय प्र के हैं स्थाय प्र केंद्र हैं प्र श्वाय प्र किंद्र हैं किंद्र स्थाय प्र किंद्र हैं किंद्र स्थाय प्र किंद्र हैं किंद्र स्थाय स्थाय हैं किंद्र स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्थाय

पश्चम प्रदेश में शि. ति प्रदेश प्रदेश स्थान कर स्थान कर स्थान कर स्थान स्थान

ति. चारु. चार्थ्या. लचा. चार्य्या चार्या चा

क्टांचरं स्ट्रांचा यह दाता त्रांस्ता है के ताह में बेट लियं प्रमाण के त्या के

क्षान्तक्ष्वं व्राप्तः क्षेत्रः स्वतः स्व